

आवश्यक निवेदन .

- १ कृपया अपने प्रत्येक पत्रव्यवहार में 'चौखम्भा भारतीय संस्कृति और साहित्य' संख्या ५ तथा ग्रन्थ क्रम संख्या का उल्लेख अवश्य करे ।
- २ पुस्तके भेजते समय प्रकाशको के वर्तमान परिवर्तित मूल्य के अनुसार मूल्य चार्ज किए जायेंगे ।
- ३ ग्रार्डर अथवा पेगमी (अग्रिम) भेजते समय अथवा पत्र-व्यवहार करते समय हमारे निम्नांकित पते को ही सावधानी से लिखे अन्यथा आपके उपरोक्त ग्रार्डर आदि अन्य संस्था को प्राप्त हो सकते हैं ।

हमारे विभिन्न सूचीपत्र :—

कृपया आवश्यकतानुसार विभिन्न सूचीपत्र अमूल्य मँगवाकर अवलोकन करें :—

- १ 'आयुर्विज्ञान वाङ्मय' (चिकित्सा साहित्य) आयुर्वेदिक, यूनानी, एलोपैथिक, होमियोपैथिक, आदि लगभग २००० पुस्तकों का विवरण ।
- २ चौखम्भा साहित्य तथा एजेन्सी प्रकाशन (स्वप्रकाशित पुस्तकों का सूचीपत्र)
- ३ राष्ट्रभाषा साहित्य और वाङ्मय (हिन्दी पुस्तकों का विस्तृत सूचीपत्र)

हमारे द्वारा प्रचारित तथा प्रसारित ग्रन्थ निम्नांकित प्रकाशन संस्था से भी उपलब्ध होंगे—

चौखम्भा ओरियन्टालिया

पो० आ० चौखम्भा, पो० बाक्स न० ३२

गोकुल भवन, के. ३७/१०९, गोपाल मन्दिर क्षेत्र

वाराणसी-२२१००१ (भारत)

शाखा—बगलो रोड, ६ ग्लोबल, जवाहर नगर

दिल्ली-११०००७

कतिपय निवेदन

‘चौखम्बा प्रकाशन’ के नाम से विश्व विदित यह संस्था अर्द्धशताधिक वर्षों से साहित्य-जिज्ञासुओं एवं भारतीय संस्कृति के प्रेमियों की ज्ञान पिपासा की तृप्ति कर रही है। यद्यपि इसके जीवन काल में अनेक कठिनाइयाँ उपस्थित हुईं, तथापि विद्वत्समाज की शुभाकाक्षाओं से प्रकाशन कार्य में निरन्तरता बनी रही। अब इस संस्था से विभिन्न संस्कृत के अप्रकाशित दुर्लभ ग्रन्थों के उदय के लिए विशेष अवसर प्राप्त हो सकेगा।

‘चौखम्बा संस्कृत संस्थान’ की प्रधान शाखा “चौखम्बा विश्वभारती” के नाम से विख्यात है, जो अनेक नवीनतम ग्रन्थों के प्रचार प्रसार में सतत सन्नद्ध होकर विद्वद्वरेण्य एवं विद्यानुरागी छात्रों की आवश्यकताओं को पूर्ण करने में प्रयत्नशील है। हमारा प्रयास है कि विश्व के सम्पूर्ण साहित्यिक प्रकाशनों की एकत्र उपलब्धि करायी जाय। इस दृष्टिकोण से हमने संस्थान से प्रकाशित ग्रन्थों के अतिरिक्त विभिन्न संस्थाओं के प्रकाशित साहित्य का विषय वैविध्य की दृष्टि से संग्रह किया है जिसमें प्राचीन एवं आधुनिक संस्कृत-वाङ्मय, भारतीय-संस्कृति, आयुर्वेद-साहित्य एवं आङ्ग्ल साहित्य के उच्चकोटि के सभी ग्रन्थों का समावेश किया गया है। हम इस बात के लिए भी अधिकाधिक प्रयत्नशील हैं कि छात्रों के लिए उपयुक्त व शीघ्रबोधगम्य ग्रन्थों की उपलब्धि आज के समय की तुलना में कम से कम मूल्य में हो सके।

“चौखम्बा संस्कृत संस्थान” के ग्रन्थरत्न विश्वविख्यात चार प्राचीन ग्रन्थमालाओं के अन्तर्गत प्रकाशित हैं :—

- (१) काशी संस्कृत ग्रन्थमाला ।
- (२) जयकृष्णदास-कृष्णदास प्राच्यविद्या ग्रन्थमाला ।
- (३) विद्याभवन आयुर्वेद ग्रन्थमाला ।
- (४) श्री कृष्ण ग्रन्थमाला ।

अन्त में हम विद्वानों, शास्त्र-जिज्ञासुओं, संस्कृति-प्रेमियों एवं विविध संस्था के संस्थापकों तथा निदेशकों से आशा करते हैं कि वे अपने पुस्तकालय, संस्कृत-संस्थान, व स्वाध्याय हेतु ‘चौखम्बा विश्वभारती’ के द्वारा प्रचारित एवं प्रसारित महत्त्वपूर्ण ग्रन्थों का आदेश देकर संस्था को अपेक्षित सेवा करने का अवसर देते हुए साहित्य व संस्कृति की अभिवृद्धि में अपना अमिथ योग प्रदान करेंगे।

संस्कृत-साहित्यानुरागी सेवक

गोलोकवासी श्री जयकृष्णदास हरिदास जी गुप्त
के आत्मज बन्धुगण

विषयानुक्रमणिका

विषय	पृष्ठाङ्क	विषय	पृष्ठाङ्क
१ विविध विज्ञापन	५-६४	३१ भारतादि-इतिहास-ग्रन्थाः	८९
२ व्याकरण-ग्रन्थाः	१	३२ भाषा-इतिहास-ग्रन्थाः	९१
३ न्याय-ग्रन्थाः	१३	३३ समालोचनात्मक इतिहास- ग्रन्थाः	९२
४ मीमांसा-ग्रन्थाः	१९	३४ दृष्टान्त-ग्रन्थाः	११५
५ सांख्य-ग्रन्थाः	२१	३५ ज्योतिष-ग्रन्थाः	११५
६ योग-ग्रन्थाः	२२	३६ छन्द-शास्त्र-ग्रन्थाः	१२८
७ योगग्रन्थभाषा	२३	३७ काव्य-ग्रन्थाः	१२९
८ वैशेषिक-ग्रन्थाः	२४	३८ गद्यकाव्य-ग्रन्थाः	१४१
९ दर्शन-ग्रन्थाः	२५	३९ अलङ्कारशास्त्र-ग्रन्थाः	१४५
१० वेदान्त-ग्रन्थाः	२७	४० सुभाषित-ग्रन्थाः	१५१
११ वेदान्त-विशिष्टाद्वैत-ग्रन्थाः	३४	४१ चम्पू-ग्रन्थाः	१५२
१२ वेदान्त-द्वैताद्वैत-ग्रन्थाः	३६	४२ भाण-प्रहसन-नाट्य-नाटक ग्रन्थाः	१५३
१३ वेदान्त-शुद्धाद्वैत-ग्रन्थाः	३६	४३ कोश-ग्रन्थाः	१६०
१४ वेदान्त-ग्रन्थ-भाषा	३८	४४ हिन्दी-कोश-ग्रन्थाः	१६३
१५ स्वामी अखण्डानन्द सरस्वती जी के ग्रन्थ	४१	४५ नीति-अर्थशास्त्र-ग्रन्थाः	१६५
१६ राजस्थान वैदिकतत्त्वशोध संस्थान-ग्रन्थाः	४२	४६ संगीत-ग्रन्थाः	१६९
१७ श्रीमद्भगवद्गीता	४३	४७ पाकशास्त्र-ग्रन्थाः	१७७
१८ विविध गीता	४४	४८ शिल्पशास्त्र-ग्रन्थाः	१७८
१९ उपनिषद्-ग्रन्थाः	४५	४९ कामशास्त्र-ग्रन्थाः	१७८
२० वैदिक-ग्रन्थाः	४८	५० बौद्ध-ग्रन्थाः	१७९
२१ कर्मकाण्ड-ग्रन्थाः	६०	५१ जैन-ग्रन्थाः	१८६
२२ धर्मशास्त्र-ग्रन्थाः	६६	५२ साराभाई नवाब के जैनादि प्रकाशन	१९३
२३ मयूख-ग्रन्थाः	७१	५३ तुलसीकृत रामायण आदि ग्रन्थ	१९४
२४ स्तोत्र-ग्रन्थाः	७१	५४ मैथिल साम्प्रदायिक-ग्रन्थाः	१९७
२५ व्रत-कथा-ग्रन्थाः	७५	५५ स्वामी करपात्री जी के ग्रन्थ	२००
२६ माहात्म्य-ग्रन्थाः	७६	५६ स्वामी रामतीर्थ के ग्रन्थ	२००
२७ तन्त्रादि-आगम-ग्रन्थाः	७७	५७ श्री अरविन्द साहित्य	२००
२८ अष्टादश महापुराण-ग्रन्थाः	८५	५८ श्री रामकृष्ण विवेकानन्द साहित्य	२०१
२९ उपपुराणम्	८८	५९ आचार्य रजनीश के ग्रन्थ	२०२
३० भाषा-पुराण	८९	६० चिकित्सा-ग्रन्थ	२०७

Word and its Meaning—a New Perspective
(in the light of Jagadīśa's Śabda-śakti-prakāśikā)

By

Dr. K. N. Chatterjee, M. A., Ph.D. (cal)

With

Foreword by the renowned Scholar

Prof. Dr. S. Bhattacharya, M. A. Ph.D., D. Litt.

Nyāyācārya (Gold Medalist)

Bar-at-law

The Śabda-Śakti-prakāśikā is the magnum opus of Jagadīśa Tarkālankāra, a brilliant luminary in the firmament of the Neo-logicians belonging to the Navadvīpa-school of Bengal. In scope, content and technique, the work is grammar and logic transformed into a full-fledged philosophy of Semantics.

Dr. K. N. Chatterjee has brought his minutest grasp of details from original sources and unique critical acumen to bear upon this contribution indispensable to the understandings of meaning. By his masterly touch, the virgin soil of the text has yielded luscious harvest. With the critical analysis of all the topics discussed in the original in the light of its two commentaries by Kṛṣṇakānta and Rāma-bhadra and neatly divided into so many chapters, besides glossary of technical terms and appendix, the study in English is as refreshing as original to capture the attention of international scholarship. (Shortly)

BHAGAVAT GĪTĀ

by

A. Kuppuswami

Sanskrit text, English Transliteration, general meaning of each verse and commentary in English containing the essence of the Sanskrit commentaries of Śrī Śankara Bhagavat pādācārya, Śrī Rāmānujācārya, Śrī Madhvācārya, Śrī Śrīdhara Svāmī and Śrī Rāghavendra Svāmī (Shortly)

TRENDS OF LINGUISTIC ANALYSIS IN INDIAN PHILOSOPHY

by

Prof. Hari Mohan Jha

The analysis of language, in its various aspects (phonetic, etymological, syntactical, semantic, logical, epistemological, metaphysical etc.) has been a favourite subject with the Indian thinkers from very ancient times. A dominant note of present day philosophy is Linguistic Analysis. This publication intends to bring home the content in lucid form. The study is divided into six chapters, and graded properly for easy grasp.

The first chapter gives an analysis of language in the light of sphoṭavāda. Analysis of the nature of word (śabdā) and its potency (śakti) is the content of the next chapter. Nature of sentence and its meaning with necessary conditions viz. Ākāṅksā, Āsatti, Yogyatā and tātparyā have been explained in the third chapter. Fourth chapter deals with analysis of rhetoric meaning Navya Nyāya analysis of proportion have been elucidated in the fifth chapter. The sixth chapter starts with the analysis of the concept of Negation and deals at length the negative concept of Apoha, Paryudāsa, Prasajya pratiṣedha. Numerous quotations from original Sanskrit texts are intended to acquaint the readers with the style of expression and terminology used by the Ācāryas in propounding their views. Through this book valuable oriental contribution in the field of linguistic analysis is brought to lime light to profit the reader.

Shortly

(Jaikrishna Das Ayurveda Series No. 28)

FRUITS AND VEGETABLES IN ANCIENT INDIA

(Prof. P. V. Sharma, Head, Department of Dravyaguna
and Dean, Faculty of Indian Medicine,
Banaras Hindu University)

Demy 8vo, pp. xxviii + 188 1979 Plastic Cover Rs. 35-00

This book has been based on the informations gathered from the original sources of Vedic literature, ancient Indian medicine, classical literature, travellers' accounts etc. Botanical names and descriptions of every item have been given and identification of controversial items has been discussed thoroughly with hypothesis proposed. Various uses of these items have also been given. Original quotations are given in footnote. Thus the book will be useful for Indologists, Historians, Botanists, Horticulturists, Ayurvedists and Nutritionists alike.

(Jaikrishnadas Ayurveda Series No. 5)

INTRODUCTION TO DRAVYAGUNA

By **Dr. P. V. Sharma**

Senior Professor and Head, Deptt. of Dravyaguna,
Banaras Hindu University

Demy 8vo, pp. X + 226 1976 Rs. 30-00

This is the first welcome publication in English in the most important field of Indian Medicine from the point of view of training as well as Research. As it comes from the topmost authority on the subject, the value of the work is greatly enhanced.

The book is intended for the foreigners and other scholars from non-Hindi speaking areas. The text material is arranged systematically in the following four sections :—

Sec. I—Basic Concepts

Sec. II—Administration of Drugs and Pharmacy

Sec. III—Literature Sec. IV—Some Common Drugs.

Needless to say that the publication will be essential for the scholars having curiosity for the knowledge of Indian drugs and their science.

ICONOGRAPHY OF ŚĀKTI—A STUDY BASED ON ŚRĪTATTVANIDHI

by **Balram Srivastava**

Rs. 80-00

Crown 8vo. pp, x+173 plates 38 1978 Cloth Bound

The Śrītattvanidhi occupies the unique position as it presents the final summary of the iconographic knowledge, relating to the Brahmanical and the Tantric gods and the goddesses. The present study is confined to the Śaktinidhi which forms the first chapter of the 'Śrītattvanidhi'.

The second chapter deals with the conceptual idealisation of Mother principle on the basis of the Śākta-beliefs and her relationship with the secondary forms.

How the Ādiśakti assumes numerous forms is the subject matter of the third chapter.

The study of the iconography of the Mahiṣamardīnī and the seven Mothers forms the part of the fourth chapter.

The fifth chapter is devoted to the study of goddesses as the *patnis* of the Great Hindu Trinity—Brahmā, Viṣṇu and Śiva.

Nowhere-else the Yoginīs have received so much attention as in the sixth and the last chapter of the present study.

Though the present study is mainly based on the material from the Śaktinidhi of the 'Śrītattvanidhi' a full use has been made of the vast material of iconographical texts from the Purānas, Śilpa Texts and the Āgamic Texts of South India. The disparities in the two traditions have also been indicated with the help of 35 line drawings of the iconic examples. A number of beautiful and rare photographs in half-tone also serve the same purpose.

At the end, the relevant Text of the Śaktinidhi of the Śrītattvanidhi has been supplied.

Dr. P. C. Chunder, the Union Education Minister, has kindly added a Foreword to this book.

(Gokuldas Sanskrit Series No. 4)

THE
VEDANTA-SIDDHĀNTA-MUKTĀVALĪ
OF
PRAKĀŚĀNANDA

EDITED WITH
ENGLISH TRANSLATION AND NOTES

BY

ARTHUR VENIS, M. A

Second Edition Revised

Crown 8vo, pp viii+192 1975 Cloth Rs. 40-00

Prakāśānanda's *Siddhāntamuktāvalī* belongs to a class of works which may be described as elaborate appendages to the Second Adhyāya, Second Pāda, or Tarkapāda as it is commonly termed, of Śankara's great Bhāṣya. They take a peculiar character from the minuteness and subtlety of their *tarka* or polemical method. They have still a real interest for the students of Hindu Philosophy, who is willing to get below the surface to the motive thought that desired expression in those perplexing technicalities.

This important work of Post-Śankara Advaita Vedānta by Prakāśānanda who probably belonged to the last part of the sixteenth Century, was published in 1890 with a very learned English paraphrase and valuable Notes by Arthur Venis.

The said edition being long out-of-print, the present revised edition is being brought out so that the scholars of Indian Philosophy of the present generation may use it with interest and profit.

SĀMAVEDA

By

Samavedasrami, V. N. Subrahmanya Iyer

Volumes I-V

A critical and complete treatise of Sāmanlore Collected and compiled from original sources, rare unpublished manuscripts and hearts of traditional reciters. In the Press

POLITICAL THOUGHT IN SANSKRIT KĀVYA

By Dr. Gītā Upādhyāya

Demj 8vo pp. 16+432 1979 Plastic Cover Rs. 75-00

Ancient Indian Polity is one of the most important subjects described with minute details in Sanskrit literature. There exist scientific treatises on the subject in which its various ramifications have been thoroughly treated and explained. Fresh light is thrown upon the subject by a critical study of the Sanskrit Kāvya written in the glorious period of the Sanskrit Literature. In the present work author has produced a comprehensive and brilliant account of Political Thought in the Sanskrit Kāvya belonging to the most creative period of Sanskrit Poetry from 1st Cen. B. C. to 12th Cen. A. D. The study has been divided into books; the first deals with Pre-Kālidāsan Poets: Ashva ghosa and Bhāsa; the second with Kālidāsa; the third with the Post-Kālidāsan Prose writers—Subandhu, Bāna Bhaṭṭa and Daṇḍin, the fourth with the Post-Kālidāsan Dramatists—Śudraka, Bhaṭṭa Nārāyaṇa and Viśhākha Datta; the fifth with the Post-Kālidāsan Epic writers—Bhaṭṭi, Bhāravi and Māgha, and the last with the historical kāvya of Rāja taranginī of Kalhana

Political thought is thought about the state, its structure, nature and its purpose. Sanskrit kāvya reveal that the Vedic political tradition about the state craft was handed down even in the later times when these works were written and they give an ample fund of critical information about the State, its structure and its functioning.

The thesis is well-written, fully documented with copious quotations from the Sanskrit kāvya, Shānti Parva and Kautilya's Arthashāstra. For the first time the learned author dives deep into the subject and brings forth sparkling gems of political thoughts embedded in the well-known Epics, Dramas and Prose works of Sanskrit. The book is useful both for the layman and scholars engaged in the study of Political Institutions of Ancient India.

(Chāukhambha Oriental Research Studies No. 5)

THE LARYNGEAL THEORY

(a critical evaluation)

By Dr. S. S. Misra

Crown 16 mo, pp. x+56 1977 Cloth Rs. 10-00
Paperback Rs. 8-00

The present work is another contribution of Dr. Misra, who is well-known in the sphere of Indo-European Linguistics for his works viz. A Comparative Grammar of Sanskrit, Greek and Hittite, and New Lights on Indo-European Comparative Grammar.

The present book includes a brief history of the Laryngeal Theory, A Summary of the Theory, Evidence of Laryngeals, A Critical Evaluation, and its impact upon the Indo Hittite Theory. The work concludes with a bibliography and word-index.

The work is a revised version of author's thesis, which was honoured with Sir Asutosh Gold Medal of the Calcutta University as the best thesis in literature in 1968. The revised version was prepared by the author in view of its demand by students and teachers in linguistics.

(Gokuldas Sanskrit Series No. 36)

TARKA BHĀSĀ

By

Keśava Miśra

Annotator—S R. Iyer

Demy 8vo, pp. 44+252 1979 Rs. 25-00

Tarka Bhāṣā of Keśava Miśra with translation and elaborate notes and an introduction in English tracing the growth of Nyāya Śāstra from earliest times. This fulfils a long-felt want of college students and others interested in getting a working knowledge of Indian Logic. The text presented here has been carefully revised by comparing with manuscripts from the South and the printed editions. The older editions with Sanskrit Commentaries—some printed over 70 years ago—are all out of print for a long time. The notes herein embody the essential points from the important commentaries.

PRĀNĀYĀMA

(The Science of Yogic Breathing)

By

Dr. K. S. Joshi

Demy 8vo, pp. x+160 1977 Cloth Rs. 50-00

The science of Yogic breathing may be counted among the greatest achievements of the ancient Indian R̥sis. It is both an art and a science. It is said to take away the veil of ignorance from the mind and make it silent in the state of samādhi. The ancients talked of the mind and breath as two sides of the same coin. By mastering one, the other is automatically mastered. That is why, to bring the mind under control, the art of yogic breathing is of utmost importance. In recent times the therapeutical implications of this ancient art have become more and more evident. Its value as a keep-fit routine has also been proved beyond any doubt. But scientific literature on yogic breathing is pitifully scarce, and wrong notions about it are widely prevalent. The present book has really fulfilled a long-felt need in both these respects.

Dr. K. S. Joshi, Head of the Department of Yoga at the University of Sagar, has taught prāṇāyāma to hundreds of persons during the last twenty years, and has given therapeutical advice for the prevention and cure of those ailments which are amenable to yogic treatment. He has given lectures on the scientific aspects of yoga in India and abroad, and has held classes in prāṇāyāma and meditation at various places. He has a good deal of published work to his credit. By his lucid and clear style he has made the otherwise difficult subject of yoga easily understandable for the common man.

(Chaukhambha Oriental Studies No. 3)

CHRONOLOGY OF INDIA

(From the earliest times to the beginning
of the sixteenth century)

By

C. Mabel Duff

Demy 8vo, pp. xi+409 1975 Cloth Rs. 75-00

The work is the only, best, and most comprehensive work on Indian Chronology which had earned the respect of a classic in its field. The aim of the book being to give, as far as possible, ascertained dates and such as could only be fixed very indefinitely have been excluded. Each entry is accompanied by references to the sources from which it is derived, save in the case of well-established and easily verifiable facts. To facilitate matters for those engaged in epigraphical research references to inscriptions are specially noted. The most important part of the book is a comprehensive Appendix which contains rare collection of lists of the Dynasties ruling in India from time to time, giving the names of the rulers in chronological order.

(Chaukhambha Oriental Studies No. 2)

MY AUTOBIOGRAPHY

A FRAGMENT

BY

PROFESSOR F. MAX MÜLLER

WITH PORTRAITS

Demy 8vo, pp. x+312 1974 Cloth Rs. 60-00

Professor Friedrich Max Müller (1823-1900), commands, by dint of his pioneering works in the field of vedic studies and especially for his love for India and her culture, a very high position of eminence. Not only his works but also his life is equally interesting and instructing to any person who is engaged in pursuit of knowledge. During his last days, he wrote his own life, i. e. an autobiography which was posthumously published in England in 1901.

A second edition of this long out-of-print work is being issued with a hope that it will be well-received by the reading public.

(Chaukhambha Oriental Research Studies No 2)

LIFE IN MEDIAEVAL ORISSA

(Cir. A. D. 600-1200)

By **Ayodhya Prasad Sah, M. A., Ph. D.**

Demy 8vo, pp xii + 258 1976 Cloth Rs. 60-00

The present work entitled "Life in Mediaeval Orissa" is a valuable contribution in the field of regional history of India and fills up a major gap in Indian historiography. It is a study in depth of the cultural history of Orissa (Cir. A. D. 600-1200). It comprehends such aspects as administration, agrarian economy, crafts, commerce, currency, society, religion and cultural life in the temples.

The present study of Dr. A. P. Sah is based mainly on epigraphic sources and is the first pioneering attempt in the field. In order to substantiate his point of view, the learned scholar has corroborated his epigraphic evidences with literary and archaeological materials. No such work has so far been done on Orissan history and as such the author can claim to be the first in the field. Dr. Sah has, in his own way, done a great service to the cause of Indological studies by giving us such a valuable work in a lucid and readable style.

(Chaukhambha Oriental Research Studies No. 4)

THE ŚAKAS IN INDIA AND THEIR IMPACT ON INDIAN LIFE AND CULTURE

By

Dr. V. M. Mohan

Demy 8vo, pp. XII + 196 1976 Cloth Rs. 60-00

The work is an up-to-date treatise on Śakas covering various Śaka dynasties that ruled in Taxilā, Mathurā and Ujjain. The author has attempted to high-light the contribution of Śakas towards the development of Indian Culture and Social life. In case you want to know why India has adopted Śaka Samvat against Vikrama-Samvat; or, how 'Sherawānī' and 'Chudīdāra Pañjāmā' has become our national dress, you must read this book.

(Chaukhambha Oriental Research Studies No. 14)

ELEMENTS OF INDIAN AESTHETICS

(Research Publication)

Three Volumes in 12 Parts

(With 100 Sketches, Diagrams and Plates)

Quarto Approx. Page 1050 Complete Work :
Cloth Bound with Gold Letters and Plastic Cover :
Two Editions : Library & Students.

By

Dr. S. N. Ghoshal, Sastri

The Work : Indian Aesthetics combines in it three-fold concepts: Light, Beauty and Happiness, what illumines one's own mind, beautifies inner and outer environments and serves mellifluous Happiness that drips down from the thousand-petalled lotus of the *Sahaṣrāra* (cerebrum).

Indian Aesthetics does not come under any recognised system of Indian Philosophy-Theist, Athesit and Secular; but the journey of all the systems and Cults aims at the eternal reservoir of *Satyam, Śivam, Sundaram* (Truth, Beauty and Bliss) that it assures and acts as (a system to see and observe) an agency to *aisthanomai*.

It is the cream of Indian civilization of pre-historic, vedic, classic, mediaeval and modern ages and an invaluable contribution of the Vedic, Mythic and Esoteric Literatures and Cultures.

The Author : Dr. Ghoshal, Sastri is a veteran teacher and a writer on Indian Aesthetics, Literary Criticism and Manuscriptology. He is an inmate of Poet Tagore's *Śāntiniketan* and is acclimatized in the aesthetic atmosphere; that the poet's hermitage always breaths and ecstasizes through various academic and cultural pursuits —Literature, Philosophy, Dance, Drama, Music, Fine Arts and Crafts. His 'Studies in Divine Aesthetics' and 'An-Introduction to Indian Literary Criticism', are the new addenda to both the major schools of Indian Aesthetics (1) the Scholastic School and (11) the Neo-Rasa-School; as devised on two very rare Manuscripts (1) The *Kāvya-Prakāśa-Rasa-Prakāśa* (11) the *Rasacandrikā*.

As a dedicated manuscriptologist, Dr. Ghoshal, Sastri always substantiates his findings on the ground of first hand documentary evidences, mostly gathered from Ur-Texts. The present work covers the entire sphere of Indian Aesthetics. In addition to the common sources of the thoughts and concept, available in printed works; it is substantiated with the archive of very rare resources, preserved in the shelves of Research Centres in India.

Three Volumes of the work serve three brimful decanters of the aesthetic nectar, extracted from ingredients of its three major stems . (1) Poetry & Poetics, (11) Music, Drama and Dramaturgy, (111) Arts, Crafts and Gesturology (mudrā)

The Plan : The work is arranged in three separate volumes focusing light on three main directions of the subject; as indicated by respective titles of the work. Each Volume has four parts, ventilating the four sides of the study. Scholars interested to their own field of study may book their copies in advance at a concessional rate.

For the benefit of students, a cheap edition is prepared. Please have your copy booked in advance.

Distribution of Volumes :—

Vol. I

Aesthetic Beauty and Bliss in Indian Literature & Philosophy

Demy Qr10, pp. xx11 + 234 Diagram-6 Students Ed. Rs. 125—00
December 1978 Library Ed. Rs. 175—00

Part-I. *Historical & Cultural Elements*—Data collected from pre-historic, ancient, mediaeval, relics, models, scripts, Paintings, Literature etc.

Part-II *Philosophical Elements*—Located in the Sected scripts, Tantras, Myths, obscure Cults etc. Theist, Atheist and Secular from the Vedic to 19th century works.

Part-III *Literary Elements*—Traced out from Dialogue Hymns, Āraṇyakas, Upanisads, Brahmanas, Sūtra Texts, Classical Literature, Poetics, Prosody, Dramaturgy etc.

Part-IV *Elements of 'Poetic' Diction or Poet's work-shops*—Located in Riddle Hymns, Early Rhetorics, Nāṭya-Śāstra, and other works on Kavi Śikṣā i.e. Brahma, Vāmana, Amara-siṃha, Ari-siṃha, Rāja-śekhara, Hemacandra & others.

Vol. II

Two Streams of Indian Arts.

Shortly

Part-I. *Elements from History, Thoughts & Technique of Indian Arts*—Pre-historic relics, cave-paintings, Brāhmanas, Sūtras of first progenitors, Śilpasūtra, Citra-sūtra; Atrisamhitā to Brhat samhitā Tantras *Brahmayāmala* to *Hayaśirṣapañcarātra*. Myths:—Matsyapurāṇa to Agnipurāṇa, Ritual; Śulvasūtra to Brhat-samhitā; as traced out in some single and very rare MSS. and the Buddha-Pratimā lakṣana.

Part-II. *Indian Iconography*—*Pratimādḥikaranas* of the *Picumata* and the *Pingalāmata* with original Text (single MSS deposited in Viśva-Bharatī) corroborated with other works as above.

Part-III. *Artistic implication of Mudra*—*Mudrādḥikaraṇa* in Yāmalas and other Tantrika works, Nāṭya-śāstra & some similar works on Yoga and Purāṇa-śāstra.

Part-IV. *Primitive Arts*—Bone, Skull, Wood, Stone, Metal, Clay and other crafts as located in the Vedic, the Tantrika and the Mythic works.

Vol. III

Aesthetic Appeal in Music, Drama & Dramaturgy.

Shortly

Part-I. *Tāṇḍava & Lāsya*—The Nāṭyaśāstra-Chap. I to VII. With Abhinava-bhāratī.

Part-II. *Drama & Dramaturgy*—The Nāṭyaśāstra-Chap. VIII to XXVII. With Abhinava-bhāratī along with the works of Dhananjaya, Allarāja, Singabhūpala, Sāradātanaya & Others.

Part-III. *Dramatic Technique*—The Nāṭyaśāstra—Chap. XIX to XXVII. With Abhinava-bhāratī.

Part-IV *Music*—The Nāṭyaśāstra-Chap. XXVIII to XXXVI. With Abhinava-bhāratī, Saṅgītaratnākara, Saṅgītamakaranda, Saṅgītaḍāmodara, Rāgaviveka, Rāgamañjarī etc.

(Chaukhambha Oriental Research Studies No. 12)

THE AVESTAN

A HISTORICAL AND COMPARATIVE GRAMMAR

By

Dr. S. S. Misra

Demy 8vo, pp. xvii + 284 1979 Ordinary Rs. 40-00

In this work Dr. Misra, the well-known scholar of Indo-European Linguistics, presents a systematic, comprehensive and explicit picture of the history of the Avestan language, with suitable cognates from various Indo-European historical languages like Old Persian, Sanskrit and Greek etc. The development of the language from IE through Indo-Iranian and Old Iranian to Avestan is presented in such a clear and systematic manner that the work is of great use to both scholars as well as beginners.

The book contains the following 27 chapters and an exhaustive word-index. I Introduction, II IE Vowels in Av, III Av vowels from IE & Iir, IV Misc. Vowel Changes (including Ablaut, Positional Variation etc), V Consonants (Introduction), VI Gutturals, VII Dentals & Labials, VIII Nasals, IX Sēmi-vowels & Liquids, X Sibilants, XI Av consonants from their IE & Iir source, XII Case-endings, XIII Vowel Stems, XIV Liquid, Nasal & Spirant Stems, XV Plosive Stems, XVI Pronouns, XVII Numerals, XVIII Verbs, XIX Personal Endings, XX Present System, XXI Aorist, Perfect & Future, XXII Moods, XXIII Secondary Conjugations, XXIV Participles & Infinitives, XXV Preposition & Adverbs, XXVI Formative Affixes, XXVII Compounds. Library Edition Plastic Cover Rs. 60-00

FEMALE IMAGES IN THE MUSEUMS OF UTTAR PRADESH AND THEIR SOCIAL BACKGROUND

By

Dr. Padma Upadhyaya

D. Crown 8vo, pp. viii + 320 & 32 Plates 1978 Cloth Rs. 125-00

The subject-matter of the book has been scientifically divided into three books—(1) Images and Iconic Objects, (2) Imbellishment and Decoration and (3) Images and Related Life. Their sub-divisions in chapters are well laid out and the exposition runs on the following lines :

Nature and Concept of Indian Art, Number and Variety, Type and Scope of the Work, Originality of the Work; Social Epochs and Creation of Female Images includes Pre-Mauryan, the Mauryan age, Śuṅga, the Indo-Greek, Kuṣāna, Guptā, Early Mediaeval, Late Mediaeval Ages. Mother Goddesses, Vedic Goddesses, Brahmanical Goddesses are inclusive of the images of Vaisnava Goddess Lakṣmī, Sarasvatī, Vārāhī, Bhūdevī, Śiva-Pārvatī, Pārvatī Durgā, Mahiṣāsura-mardīnī, Chāmundā, Aśvārohinī, Kaumārī, the Seven Mothers, Indrānī, Minor Hindu Goddesses, the River Goddesses—Gaṅgā, Yamunā, Pūtanā.

Buddhist Goddesses include Tārā, Ekajaṭā, Mārīchī, Vasudhārā, Hārītī & Minor Feminine Divinities.

Jaina Goddesses Ajā, Chakreśvarī, Ambikā, Sarasvatī, Dikpālīkās get due place Yakṣīs and Nāgīs find separate place.

A glance will satisfy the reader about the dignity of the claim. Such an elaborate treatment of female images has never before been undertaken and analytically interpreted. The volume brings out for the first time the female sculptures of the museums in U. P together, assesses their importance in art and society. The conclusions are duly attested by the available evidence in extant texts and works of eminence. A supplementary catalogue of the Mathura museum brings altogether new matter on record.

A STUDY OF HINDU CRIMINOLOGY

By

Dr. Vasudeva Upadhyaya

Demy 8vo, pp. xxvii+504 1978 Cloth Bound Rs 75-00

The study of Hindu Criminology has not been popular with modern Indian Universities hence Indian Social Scientists walked in the shoes of the western scholars without giving heed to the ancient Indian punitive problems. This subject necessitates a multi-disciplinary study—Sanskrit literature, Social sciences and Indian archaeology for the accomplishment of the desired goal which has been achieved to an appreciable extent by this work.

The book is an attempt to place the Hindu concept of crime and punishment and the dynamic theories of the Indian jurists. The distinction between crime and sin has been presented as stated by Hindu law-givers. The different theories of Indian penal system for protection of the social complex and presentation of social morality have been properly emphasised. The critical survey of the punitive policy demonstrate the sliding nature of penalty which has been clearly mentioned by the Smrtikāras whose sole purpose was to transform the criminals into a law-abiding citizen. Indian law-givers were alive to the occasion; and dynamism was the character of their thinking. The main object of punishment was the purity of heart and atonement was the ultimate means to achieve it.

“Individualization” has been the favourite topic with Parmelle and other western writers. While proposing the penal measures the Indian jurists had in view the individual conditions so that no severity could be precipitated.

This subject has been discussed in a manner which should help in promoting a better appreciation of the problem in socio-cultural context which projects the development of the theme. The scholars of other disciplines and social scientists will be interested in the treatment of ancient Indian penal system and its historical progress regarding the establishment of social norm and eradication of delinquency from the social order.

(Chaukhambha Oriental Studies No. 1)

A DESCRIPTIVE DICTIONARY

OF THE

INDIAN ISLANDS & ADJACENT COUNTRIES

BY

JOHN CRAWFURD, F. R. S.

Demy 8vo, pp. viii + 459 1974 Cloth Rs. 100-00

The present work which is based both on local experience and intensive studies, presents in an alphabetical order very detailed and comprehensive descriptions of land, places, towns, customs, religious practices and other geographical, historical and cultural materials about Indian islands and adjacent countries. This is the only work which can give such past details of the regions which are now either completely effaced or considerably changed.

The work remained out-of-print for the last 75 years. Therefore we have decided to reprint it, lest it might be lost altogether. We have full hope and faith that our effort would receive the desired patronage from all quarters.

CLINICAL METHODS IN ĀYURVEDA

by

Dr. K. R. SRIKANTA MURTHY

The book aims at a judicious blend of ancient and modern information on this important subject. Modern graduate and postgraduate students of Āyurveda will get from this book, sufficient, precise and up-to-date knowledge about the examination of the patient. The content is divided into 20 chapters dealing with 'vyādhi samprāpti', 'parīkṣā krama', 'prakṛti parīkṣā', 'prāṇavaha srota', 'annavahasrota', 'purīṣavaha srota', 'udakavahasrota', 'mūtravaha, svedavaha, rasavaha, raktvaha, māṃsavaha, medovaha, asthivaha, majjāvaha, sukṛavaha, manovaha etc. srotas with appropriate sub-topics.

Shortly

(Kashi Sanskrit Series No. 219)

MEGHADŪTAM

OF

KĀLIDĀSA

With the Kātyāyanī Sanskrit Commentary
and English Translation

By

Āchārya Śrī Charanatīthaji Mahārāja
of Bhuvāneśwarī Pīṭha.

Demy 8vo, pp. cxxxiv + 144 1976 Cloth Rs. 20-00

The Meghadūta of Kālidāsa needs no fresh introduction. It is a *classic* to the true sense of the term, it never loses its appeal to the *Sahādayas* as it finds host of commentators and interpreters in every century, nay, in every decade. Here it is again presented along with a very easy and lucid Sanskrit Commentary and a very faithful but elegant English translation by a scholar who is equally at home in Sanskrit and English, in Sāhitya and Cikitsā, in *belless letters* and spiritual philosophy. The Sanskrit commentary will help the reader understand the original word for word and the translation will enable him to grasp the spirit of the poem to its entirety.

(Chaukhambha Oriental Research Studies No. 6)

STUDIES IN GUNĀDHYA

By

Dr. S. N. Prasad, M. A., D. Phil.

Demy 8vo, pp. x + 163 1977 Cloth Rs. 50-00

The present monograph is the result of a long and painstaking research. Indian classical literature has suffered much owing to the loss of the *Bṛhatkathā* of Guṇādhya which in many ways invites comparison with the work of Vālmiki and Vyāsa. Owing to the lapse of nearly two millenium and Pārsācī language, in which the *Bṛhatkathā* was written, being out of use for nearly 900 years, the life and work of Guṇādhya have not been as familiar to the scholars as they deserved to be. It is indeed a significant addition to our store of available Indian classical literature and as such should be welcome to orientlists and scholars world over.

(Chaukhambha Oriental Research Studies No. 10)

ASPIRATIONS OF INDIAN YOUTH

By

Dr. Sudarshana Kumari

M. A., Ph. D.; Diploma in Social Policy, The Hague

Demy 8vo, pp. XIX+283 1978 Plastic Cover Rs. 65-00.

Youth has created stir all over the world and equally well in India. What drives them to act the way they do is a matter of interest to the educationists, psychologists, politicians, sociologists and social workers interested in channelising and harvesting their energies for the task of social change and development.

There have been recently a number of studies on Indian youth but very few deal with the driving force that moves them. The author in the context of her long association with the student youth as a teacher & researcher for three decades has done well in making an intensive study of youth aspirations empirically. She started her work in the wake of youth upsurge in Northern India & collected information from the principal four regions of the state of U. P. She also interviewed educators, political leaders and student activists to her observations and findings.

The book is divided into eleven chapters explaining the basic assumptions, methodology of study, social setting of the study and dimensions of the aspirations of youth, men & women, students & non-students, rural & urban and presents her findings in various chapters dealing with aspirations regarding self, education, wealth & occupation, marriage & family, social status, politics, and society and nation. It gives a deep insight into psycho-dynamics of their behaviour and highlights the perceptions of the factors inhibiting the fulfilment of their aspirations—the major source of their 'revolt' & 'destructive' activities.

(Chaukhambha Oriental Research Studies No. 1)

MITHILĀ IN THE AGE OF VIDYĀPATI

(c. 1330-1525 A. D. : A Study in Cultural History)

By **Prof. Radhakrishna Choudhary**

Demy 8vo. pp. xxvii+641. 1976 Cloth Rs. 100-00

Prof. Choudhary, the author of the present work, can surely claim an unprecedented originality in his skill of constructing the cultural history of a nation from its literary records. With this particular angle of vision he has made a thorough study of the poems of Vidyāpati. The readers will find, with interest and admiration, in the present volume a very detailed description of every day life of the Maithila people of the middle ages; their food habits, dresses, religious beliefs and superstitions, joys and sorrows of the womenfolk, social institutions, customs and manners etc. etc., as depicted by Vidyāpati. This study is as interesting as a novel, being at the same time authentic with references to the original sources.

(Chaukhambha Oriental Research Studies No. 3)

THE MIND AND ART

OF

VIRGINIA WOOLF

By

Dr. Shaheen Warsi

Demy 8vo, pp viii+368 1976 Cloth Rs. 75-00

The Mind and Art of Virginia Woolf is a remarkable study of the technique and style of the great British novelist of the early decades of our century. Virginia Woolf, representing a family of England, outstanding in several ways, counts in the forefront of modern English novelists and leads the splendid band of women authors. The present work is by a brilliant young women intellectual, Miss Dr. Shaheen Warsi, a lecturer in the University of Jabalpur, and a topper throughout during her academic career, who opens up layer by layer, vista by vista, the mind and art of another feminine author. The work is a psychological and fruitful study of Virginia Woolf. Quite a few books have been written on the novelist but the present one has its own value which presents Mrs. Woolf in a new perspective

(चौखम्भा प्राच्यविद्या ग्रन्थमाला १३)

आचार्यभास्कर

(भास्कराचार्य : एक अध्ययन)

लेखक—पं० रामजन्म मिश्र

ज्योतिषशास्त्राचार्य (गणित-फलित), एम ए (हिन्दी)

प्रबन्ध, ज्योतिष विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी

बह समालोचनात्मक अध्ययन ग्रन्थ है। आधुनिक दृष्टिकोण से लिखा गया शोध-कार्योपयोगी अनुपम ग्रन्थ है। इस में भास्कराचार्य के जीवनवृत्त पर प्रामाणिक बचन एवं उनके वंश-वृक्ष का प्रामाणिक अनुबन्ध है। भास्कराचार्य की प्रमुख एवं ज्योतिष जगत में बहुचर्चित १ लीलावती, २ भास्करीय बीजगणित, ३ सिद्धान्तशिरोमणि गणिताध्याय और ४ सिद्धान्तशिरोमणि गोलाध्याय का समालोचनात्मक अध्ययन किया गया है। तथा उनके समकालीन आचार्यों पर भी सामान्य प्रकाश डालते हुए उनके चारों ग्रन्थों की विशेषता दिखलाई गई है। इस पुस्तक को दो भागों में प्रकाशित किया गया है। प्रथम भाग में लीलावती और भास्करीय बीजगणित का अध्ययन तथा द्वितीय भाग में सिद्धान्तशिरोमणि गणिताध्याय तथा गोलाध्याय का अध्ययन उपस्थित किया गया है। पुस्तक के प्रत्येक भाग में अधोत ग्रन्थ का मूल भाग हिन्दी भाषा के साथ दे देने से इस की उपयोगिता अत्यन्त श्लाघनीय हो गई है। मूल्य रु० ४५-००

(गोकुलदास संस्कृत ग्रन्थमाला ३७)

प्रश्नचण्डेश्वर

सान्ध्य, हिन्दी भाषा टीका एवं टिप्पणियों से शोभित

व्याख्याकार—पं० रामजन्म मिश्र

त्रिष्वन्ध ज्योतिष के अन्तर्गत प्रश्नसम्बन्धी ग्रन्थ होरास्कन्ध के अन्तर्गत आते हैं। सम्प्रति अनेक पुस्तकें प्रश्नसम्बन्धी उपलब्ध हैं और लेखक ज्योतिषियों ने अपना-अपना अनुभव प्राचीनाचार्यों के मत से सम्बन्ध स्थापित करते हुए दिया है। प्रश्नचण्डेश्वर अपने आप में सभी प्रकार के प्रश्नों से परिपूर्ण है। इसके अध्ययन से स्वतः विचार की क्षमता बढ़ती है और विद्वान् लेखक ने सरल शब्दावलियों के द्वारा ललित छन्दों में भावपूर्ण ढङ्ग से इसका निर्माण किया है और व्याख्या से पुष्टकर सिद्ध कर दिया है कि अत्युपयोगी इस प्रश्नचण्डेश्वर की एक-एक प्रति प्रत्येक ज्योतिषी के पास अवश्य रहनी चाहिए।

इस पुस्तक के अन्त में प्रकीर्णकाध्याय के नाम से कुछ अत्यावश्यक संकलन व्याख्याकार ने दिया है जिससे इसकी उपयोगिता बढ़ गई है। भाषा सरल होने से सामान्य ज्योतिष प्रेमियों के लिए भी हितकारी है। मूल्य ७-५०

अथर्व वेद-परिशिष्ट

सम्पादक—जार्ज मेलवील बोलिंग तथा जुलियस फॉन नेजलीन
हिन्दी-टिप्पणियों सहित सम्पादन
डॉ० रामकुमार राय

इर्ष का विषय है कि चौखम्भा ओरियन्टालिया (वाराणसी) द्वारा अथर्ववेद-परिशिष्ट का पुनः प्रकाशन हुआ है। इस प्रकाशन का महत्त्व इसलिए और अधिक हो गया है कि यह सस्करण नागरी लिपि में प्रथम बार प्रकाशित हुआ है। इससे पूर्व प्रस्तुत ग्रन्थ का प्रकाशन १९०९ ई० में हुआ था। परन्तु वह सस्करण रोमन-लिपि में ही था।

पहले अलग-अलग कार्य करते हुए उक्त दोनों विद्वानों ने आगे चलकर सम्मिलित प्रयास से इस कार्य को सम्पन्न किया। श्रीवेवर महोदय एव श्री मॉरिस ब्लूमफील्ड ने इस ग्रन्थ पर कुछ कार्य किया था। उन्हीं दोनों विद्वानों ने अलग-अलग इस विशिष्ट ग्रन्थ के संपादन की संपादकों को प्रेरणा दी थी। १८९८ ई० के आस पास वेवर ने फॉन नेजलीन को तथा ब्लूमफील्ड ने बोलिंग को अथर्ववेद-परिशिष्ट के संपादन की दिशा में प्रेरित किया। उन दोनों पण्डितों ने कार्यों के विवरण का इस ग्रन्थ के अपने प्राक्कथन में स्वयं उल्लेख किया है। उसे देखने पर यह स्पष्ट हो जाता है कि कितने श्रम, मनोयोग और अध्य-वसाय के साथ उक्त संपादन-कार्य संपन्न हुआ था। उस समय तक अथर्ववेद-परिशिष्ट की जितनी सामग्री मिल सकी थी—उन सब के आधार पर श्रमसाध्य निष्ठा द्वारा दोनों विद्वानों ने परिशिष्ट का संपादन किया था। जिस जिस व्यक्ति या संस्था द्वारा सहायता मिल सकती थी, सबको प्राप्त करने की एव उसके उचित उपयोग की दिशा में उन दो विद्वानों ने कुछ भी उठा नहीं रखा था।

चौखम्भा ओरियन्टालिया एव नागरी लिपि के रूपान्तरकार संपादक श्री रामकुमार राय धन्यवाद के पात्र हैं जिन्होंने इस चिर प्रतीक्षित कार्य को संपन्न किया। प्रत्येक परिशिष्ट के आरम्भ में हिन्दी में सम्बद्ध परिशिष्ट का सार सक्षिप्त रूप से देने के कारण एवं अन्त में उद्धरण सूची और शब्दानुक्रमिका के कारण ग्रन्थ का महत्त्व बढ़ गया है।

इस ग्रन्थ में नित्य, नैमित्तिक तथा विभिन्न अवसरों, पर्वों, परिस्थितियों आदि से सबद्ध कर्मों का—आख्यानो, सवादों आदि द्वारा महत्त्वपूर्ण वैदिक-धार्मिक विधि-विधानों सहित वर्णन मिलता है। प्रस्तुत अपूर्ण से भासमान इस कोशात्मक परिशिष्ट-ग्रन्थ के बहत्तर (७२) परिशिष्टों में न जाने कितने शास्त्रीय विधान, विचार और उपाय आदि वर्णित हैं।

अतः दुष्प्राप्य, दुर्लभ, चिरप्रतीक्षित एव महत्त्वपूर्ण इस 'अथर्ववेदपरिशिष्ट' के प्रस्तुत सस्करण का प्राच्यविद्या के अनुशीलनकर्त्ता पण्डितों में निश्चय ही समादर होगा। इस सत्प्रयास का हम स्वागत करते हैं। हमें विश्वास है कि दूसरा सस्करण शीघ्र ही प्रकाशित होगा और तब हिन्दी अनुवाद-सहित यह हमारे सामने आयेगा। इसी आशा के साथ प्रकाशक तथा 'हिन्दी नोट्स' के साथ वर्त्तमान ग्रन्थ प्रस्तुतकर्त्ता संपादक को बधाई देते हुए मुझे प्रसन्नता ही रही है।

करुणापति त्रिपाठी

भूतपूर्व वाइसचांसलर, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

मूल्य ७५-००

(चौखम्भा प्राच्यविद्या ग्रन्थमाला २)

धाराधीश्वर भोजकृतः

तत्त्वप्रकाशः

तात्पर्यदीपिका-वृत्ति-व्याख्याद्वयः-हिन्दीभाषानुवादसहितः

सम्पादक

डॉ० कामेश्वरनाथ मिश्र, एम. ए., पी-एच डी, साहित्याचार्य

(उ० प्र० संस्कृत अकादमी द्वारा पुरस्कृत)

भारतीय जीवन में शैवधर्म एव दर्शन का विशेष महत्त्व रहा है। उत्तरभारत में काश्मीरीय शैवदर्शन तथा दक्षिण भारत में सिद्धान्त-शैवदर्शन विशेष रूप से प्रचलित रहे। 'तत्त्वप्रकाश' सिद्धान्त-दर्शन के प्रमेयों का स्पष्ट ज्ञान कराने वाला प्रमुख ग्रन्थ है। तत्त्वों का निरूपण इसलिये भी अधिक निर्भ्रान्त है क्योंकि धर्म, दर्शन, कला, संस्कृति एवं साहित्य के अद्भुत उन्नायक महाराज भोज ने इसी सम्प्रदाय की दीक्षा ली थी और उन्होंने यहाँ साधना के अनुभवों को उतारा है। उनके विचारों का विशद विवेचन करने के लिये श्रीकुमारदेवरचित 'तात्पर्य-दीपिका' तथा अघोरशिवाचार्यरचित 'वृत्ति' दोनों को साथ में जोड़ दिया गया है। डॉ० मिश्र ने अथक परिश्रम करके जिज्ञासुओं के लाभार्थ कारिकाओं का हिन्दी-अनुवाद करके, विवेकपूर्वक पाठान्तरों का निर्धारण कर ग्रन्थ को प्रामाणिक एवं परिनिष्ठित रूप प्रदान किया है। ग्रन्थ के अन्त में सन्दर्भों का आकारनिर्देश, दोनों टीकाओं में उद्धृत ग्रन्थ एव ग्रन्थकारों की सूची, पारिभाषिक शब्दकोश एवं उपयोगी ग्रन्थों का उल्लेख परिशिष्ट के रूप में जोड़ा गया है। अन्त में दिये गये तर्कों की उत्पत्ति के रेखाचित्र से सारा विषय स्वतः स्पष्ट हो जाता है।

विद्वान् सम्पादक ने भूमिका में शैवदर्शन के प्रकार, सिद्धान्तशैवदर्शन का अभिप्राय, सिद्धान्तसाहित्य, सिद्धान्तदर्शन, भोज, श्रीकुमार तथा अघोरशिवाचार्य के व्यक्तित्व तथा कृतित्व पर शोधपूर्ण प्रकाश डाला है। भूमिकामात्र को पढ़ लेने से संस्कृत तथा दर्शन के अनुरागियों को 'सिद्धान्त' के साहित्य तथा प्रतिपाद्य विषयों के ज्ञान के लिये अन्य ग्रन्थ देखने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। हिन्दी में इस दर्शन से सम्बद्ध इतनी सामग्री अभी तक प्रकाश में नहीं आयी है। ग्रन्थ का अध्ययन करने से सिद्धान्तशैवदर्शन से सम्बद्ध समस्त विषयों का परिचय मिल जायेगा। हिन्दी माध्यम से सिद्धान्तदर्शन तथा भोज के कृतित्व और साधना पर प्रचुर प्रकाश डालने वाला और दक्षिण भारतीय धर्म तथा साधना को हिन्दीभाषा के द्वारा उत्तर भारत में फैला कर उत्तर और दक्षिण में समन्वय स्थापित करनेवाला यह प्रथम ग्रन्थ होगा।

मूल्य ३०-००

मन्त्र-योग-संहिता

मूल सहित अंग्रेजी अनुवाद

डॉ० राम कुमार राय

प्रोफेसर, मनोविज्ञान विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी

यह एक मात्र उच्च कोटि की मन्त्र योग की पुस्तक है जिसमें क्रमवार कदम-कदम पर मन्त्र योग का स्पष्टीकरण पाया जा सकता है। यह मन्त्र-योग के सभी सोलहों अङ्गों का विवेचन करता है। अर्थात् भक्ति, शुद्धि, आसन, पञ्चाङ्ग सेवन, आचार, धारणा, दिव्य-देश-सेवन, प्राण-क्रिया, मुद्रा, तर्पण, हवन, बलि, याग, जप, ध्यान और समाधि। इस संहिता में सभी तरीकों एवं व्यवहारों की इतनी पूर्ण व्याख्या हुई है कि यह संहिता एक हस्त पुस्तक के रूप में प्रयोग की जा सकती है जो मन्त्र-साधना का प्रायोगिक दिशा प्रदान कर सकती है।

इसके अतिरिक्त यह विस्तार से बराबर मन्त्र फलित ज्योतिष (नक्षत्र विद्या, दैवरा विद्या) की अवधारणा करता है। जिसकी सहायता से कोई एक उसकी सत्यता का निर्णय कर सकता है। मन्त्र साधना के लिए अपने लिए उचित मन्त्र का चुनाव कर सकता है। साधना के लिए समय और स्थान का चुनाव पहले से निश्चित करना कि किमको गुरु बनाया जाय और मन्त्र साधना में कैसे आगे बढ़ा जाय।

हमारा उद्देश्य है उन सभी आवश्यक तत्त्वों का जो मन्त्र साधना के लिए आवश्यक हैं और जो समर्थ (फलोत्पादक) मन्त्र हैं उनकी विस्तृत जानकारी देना। आचरण की प्रकृति यहाँ तक बढ़ गयी है कि इस वर्गीकृत पुस्तक में हिन्दुओं का प्राचीन विज्ञान भी है और वह इतना वैज्ञानिक है कि यह उच्च शिक्षा प्राप्त करने वालों या शिक्षितों में एवं सभी बातों में सन्देह करने वालों को भी प्रभावित करती है और वे सभी मन्त्रों की सफलता एवं उसके प्रभाव (गुण) के विषय में समझने लगते हैं।

इसलिए हमने कार्य क्षेत्र के बाहर जो साधक सारे विश्व में फैले हुए हैं उनके लिए प्रथम बार अंग्रेजी अनुवाद के साथ इसे प्रस्तुत करने का प्रयास किया है तथा इसे उस विस्तृत क्षेत्र में साधकों में प्रवेश पाने के योग्य बनाया है। इसमें बहुत अधिक चार्ट, आकृति (मानचित्र) एवं तस्वीरें हैं जो साथ-साथ एक रास्ते का निर्माण करती हैं और जो अधिक प्राण्य हैं अर्थात् समझ में आने योग्य हैं।

मूल्य ३५-००

(चौखम्भा प्राच्यविद्या ग्रन्थमाला ४)

महाराजाधिराजभोजकृतं

सरस्वतीकण्ठाभरणम्

(चित्रप्रकरणसहितम्)

प्रथमो भागः

रत्नदर्पणाख्यसंस्कृत स्वरूपानन्दभाष्यनाम हिन्दी व्याख्याद्वयोपेतम्

व्याख्याकार-

डॉ० कामेश्वरनाथ मिश्र, एम ए, पी-एच् डी, साहित्याचार्य

महाराजाधिराज भोज की साहित्यसेवा जनकथा बन चुकी है। साहित्य, कला, धर्म, दर्शन आदि का संरक्षण ही नहीं, सम्पादन भी उन्होंने किया है। आयुर्वेद से लेकर आध्यात्मिक साधना तक का कोई भी क्षेत्र उनसे अछूता न रहा। अलंकारशास्त्र के क्षेत्र में उनके कीर्तिस्तम्भ 'सरस्वतीकण्ठाभरण' नामक ग्रन्थ को प्रकाशित करते हुए हमें हर्ष हो रहा है।

इस ग्रन्थ के प्रथम परिच्छेद में काव्य-लक्षण, गुण तथा दोषों का सूक्ष्म विवेचन है। द्वितीय परिच्छेद में शब्दालङ्कार का निर्णय करते समय चित्रालङ्कार का विवेचन एवं वर्गीकरण जितना वैज्ञानिक, विशद, पूर्ण एवं व्यवस्थित यहाँ है, वैसा किसी भी अलङ्कार-शास्त्र के ग्रन्थ में नहीं है। यही स्थिति तृतीय परिच्छेद में अर्थालङ्कार के निरूपण में भी है। उभयालङ्कार का भी पृथक् से इतना विस्तृत विवेचन भोज ने ही किया है। पूरा चतुर्थ परिच्छेद इसी के निरूपण पर दिया गया है। पञ्चम परिच्छेद में 'शृङ्गार' की रसराजता सिद्ध करते हुए महाराजाधिराज ने अन्य रसों तथा भावों की समीक्षा तो की ही है, आनुषङ्गिक रूप से सम्बद्ध नायक, नायिका-आदि के विषय में भी प्रचुर सामग्री प्रदान की है। निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि महाराज भोज ने काव्य के प्रत्येक क्षेत्र को छुआ और सोने में सुगन्ध भर दी।

साथ में 'रत्नदर्पण' नाम की संस्कृत टीका भी यावदुपलब्ध दी गई है। धन्यवाद है तरुण किन्तु प्रौढ समीक्षक डॉ० कामेश्वर नाथ मिश्र को जिन्होंने सरल, सुरपष्ट एवं भाव-प्राहिणी हिन्दी भाषा में ग्रन्थ की गूढतम ग्रन्थियों तथा रहस्यों को उद्घाटित किया है। डॉ० मिश्र की लेखनी में अद्भुतशक्ति है जिसने गूढतम विषय को स्पष्टतम कर दिया है। यथास्थान दिये गये, रेखाचित्रों, ऐतिहासिक एवं तुलनात्मक विवेचनों से ग्रन्थ निखर उठा है। भूमिका में विद्वान् भाष्यकार ने राजा भोज के जीवन, ग्रन्थकर्तृत्व, आध्यात्मिक अभिरुचि तथा उनको सम्मत काव्यलक्षण, चित्रालङ्कार, रस आदि पर शोधपूर्ण दृष्टि डाली है। अन्त में विविध परिशिष्टों से ग्रन्थ की उपयोगिता और भी बढ़ गयी है। विश्वास है कि छात्रों, अध्यापकों तथा काव्यशास्त्र के जिज्ञासुओं को प्रचुर सामग्री मिलेगी और वे लाभान्वित होंगे।

मूल्य ३५-००

(नौव्या भा प्राच्यविद्या ग्रन्थमाला ५)

श्री श्रीशंभुतायनोभं

विशिष्टं न्यायशास्त्रम्

तत्त्वप्रभावली

पण्डितधुरन्धर—श्रीकृष्णवल्लभाचार्यर गामीनारायणप्रियरचितम्

(३० प्र० संस्कृत अकादमी द्वारा विशिष्टपुस्तकारेण पुस्तकम्)

ग्रन्थोऽयं नूतनो विशिष्टं न्यायशास्त्रं नव्यन्यायसर्वमंग्रुतम् एतन्नरानिन्तामणि-
निभतां भजते, न्यायसुखावली त्वर्नाऽंशेषु सिद्धिता प्रमाणाने, अत्र ग्रन्थे
प्रमेयखण्डः प्रथमः, तत्र १ प्रथमपरिच्छेदे विशिष्टरीत्या पदार्थनिरूपणम्, २
परिच्छेदे पदार्थनाभर्त्यादिनिरूपणम्, ३ द्रव्यनिरूपणम्, ४ गुणनिरूपणम्,
५ तत्तद्गुणनिरूपणम् । ततो द्वितीयः प्रमाणखण्डः प्रवर्तते, अत्र १ परिच्छेदे
ज्ञानतत्त्वनिरूपणम्, ७ तर्कतत्त्वनिरूपणम्, ८ नवप्रमाणानां सविस्तररूपनिपादनम्
९ विविधा विप्रतिपत्तयः । १० ततोऽनुमानस्य सपरिकरविस्तरः, ११ अन्दरय
विस्तरः, अत्र शक्तिवादव्युत्पत्तिवादशब्दशक्तिप्रकाशिका मित्रान्नकौमुदीप्रदर्शिता
अपि च कारणफलप्रकारा बहुधा शब्दबोधसहिता निरूपिताः । ततः प्रमिति-
खण्डस्तृतीयः, अत्र १२ परिच्छेदे ज्ञानप्रमितीनां सविस्तररूपसंख्यातिक-
यिवेचनानि । ततः प्रमातृखण्डश्चतुर्थः, अत्र १३ परिच्छेदे प्रमाताऽऽत्मा
सर्वदार्शनिकपूर्वपक्षोत्तरपक्षसिद्धान्तरीत्या बहुधा प्रतिपादितः । १४ परिच्छेदे
जीवेश्वरमायाब्रह्मपरब्रह्मेतिपद्यतत्त्वानि प्रतिपादितानि । एवमयं न्यायशास्त्रतनुको-
ऽधिकतत्त्वमन्तानको नव्यप्रणालीस्नातको विस्तृतन्यायाऽरण्यस्थदर्शकयन्त्रवत्
दर्शकः पण्डिताना त्वतीवोपकारकोऽध्येतृणामभ्ययनेन शास्त्रार्थबहुज्ञताऽऽधायकः
अनेकदर्शनख्यातीना विशदतया वर्णनपरोऽधुनाऽऽस्यतौ चाऽतीवोपकारको सुदयते,
रचयिता नव्यन्यायाद्याचार्यो विद्वत्सार्धभौम' पदवाक्यप्रमाणपारावारपारीणः
श्रीकृष्णवल्लभाचार्य ।

मूल्य ५०-००

(जडावकुँवर राष्ट्रभाषा ग्रन्थमाला १६)

शिखा और यज्ञोपवीत

(लेखक—याज्ञिकसम्राट् पण्डित वेणीराम शर्मा गौड)

शिखा हिन्दू जाति का और यज्ञोपवीत द्विजाति का मुख्य चिह्न है । शिखा के
बिना हिन्दुत्व की रक्षा नहीं हो सकती और यज्ञोपवीत के बिना द्विजत्व की रक्षा
नहीं हो सकती, इत्यादि अनेक महत्त्वपूर्ण विषयों का उल्लेख वैज्ञानिक ढंग से 'शिखा
और यज्ञोपवीत' लघु पुस्तिका में किया गया है । इस पुस्तिका को पठकर कष्टर
नास्तिक भी शिखा और यज्ञोपवीत धारण को सहर्ष स्वीकार करता है । २-५०

(चौखम्भा प्राच्यविद्या ग्रन्थमाला ६)

विद्वशालभञ्जिका-नाटिका

महाकविराजशेखर-प्रणीता

‘नारायणविरचित-संस्कृतव्याख्या, ‘दीप्ति’नामिकया हिन्दी व्याख्या च समुपेता’

हिन्दी व्याख्याकार—प्रा० श्री बाबूलाल शुक्ल शास्त्री

(४० प्र० संस्कृत अकादमी द्वारा पुरस्कृत)

कपूर्मंजरी तथा काव्यमीमासा जैसे प्रौढ पाण्डित्यपूर्ण काव्यशास्त्रीय ग्रन्थों के प्रणेता महाकवि राजशेखर की प्रस्तुत नाटिका प्रौढतम साहित्यिक रचना है। अतएव यह नाटिका परम्परागत नाट्यरूढियों के साथ-साथ शास्त्रीय लक्षणों का भी पूर्ण रूप से निर्वाह करती है तथा ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के सविधान को संवारने में भी इसका अपना वैशिष्ट्य है। प्रस्तुत नाटिका में ऐतिहासिक व्यक्तियों के नाम परिवर्तित अवश्य है परन्तु उनके साम्य एवं घटनाओं की सत्यता के कारण यह ऐतिहासिक कसौटी पर खरा उतरता है। ऐसे ही वस्तु-संविधान को कवि ने शृंगारप्रधान परिवेश में बड़ी कुशलता से गुम्फित किया है।

विद्वज्जन सम्मान्य श्री बाबूलाल शुक्ल ने अपनी सुगम लेखनी उठाकर इस ग्रन्थ को सर्वजन प्राही बना दिया है। उन्होंने नाटिका का अर्थ सौगम्य एवं लाक्षणिक विवेचन प्रस्तुत करने के साथ साथ महाकवि राजशेखर के जीवन, चरित्र, स्थितिकाल, जन्मकाल आदि के विषय में भी अपने नवीनतम अन्वेषणों के आधार पर विविध मत-मतान्तर स्थापित किये हैं। इसके माध्यम से लेखक ने इनको प्राचीनतम नारायण दीक्षित विरचित टीका का भी उद्धार किया है, क्योंकि इससे पूर्व इस टीका की पूर्ण प्रति अप्राप्य रही एवं इसके पूर्व जितना अंश श्री बी आर. आरते (पना) ने प्रकाशित किया था, वह भी सम्प्रति अप्राप्य हो चला था। अतएव प्रस्तुत संस्करण के माध्यम से साहित्य जगत् में नूतन अभिव्यक्ति का प्रकाश हुआ है। आशा है सहृदयगण इससे सर्वातिशय फलप्राही होंगे। १५-००

(जडावकुंवर राष्ट्रभाषा ग्रन्थमाला १३)

मृत्यु-रहस्य

वेदाचार्य त्रेणीरामशर्मा गौड़

इस पुस्तक का नाम ही विषय को सुस्पष्ट करना है। मृत्यु के बाद जीव किस मार्ग से कहीं और कब जाता है तथा उसकी क्या गति होती है एवं उसे किस लोक की प्राप्ति होती है, इत्यादि विषयों का विस्तृत वर्णन है। ८—००

(चौखम्भा प्राच्यविद्या ग्रन्थमाला ७)

शास्त्रवार्ता-समुच्चय

शास्त्रवार्ता-समुच्चय और उसकी व्याख्या स्याद्वाद-कल्पलता का
हिन्दी विवेचन (स्तवक १)

हिन्दी विवेचनकार—आचार्य बदरीनाथ शुक्ल

हिन्दी विवेचन-अभिवीक्षक-जैनाचार्य श्रीमद्विजयभुवनभानुसूरीश्वरजी महाराज
जैन दर्शन ग्रन्थों में आचार्य हरिभद्रसूरिजी रचित 'शास्त्रवार्ता-समुच्चय'
ग्रन्थ का स्थान विशिष्टतापूर्ण है। आचार्य श्री ने इस ग्रन्थ में आस्तिक-नास्तिक
सभी दर्शनों की अनेक मान्यताओं का विस्तारपूर्वक वर्णन किया है और यथासंभव
अत्यन्त निष्पक्ष और निराग्रहभाव से सभी युक्तायुक्तत्व की परीक्षा कर
'अनेकान्तवाद' का सफलतापूर्वक प्रतिपादन एवं निरूपण किया है। इस महत्त्वपूर्ण
ग्रन्थ पर उपाध्याय श्री यशोविजय जी ने 'स्याद्वाद-कल्पलता' नाम की
पाण्डित्यपूर्ण व्याख्या लिख कर उपर्युक्त ग्रन्थ के अन्तर्निहित महिमा को उद्गामित
किया है। इस प्रकार आचार्य जी ने जैनदर्शन के विरतृत एवं गरिष्ठ ज्ञानराशि
को छोटे छन्दों की कारिकाओं में सञ्चित कर गागर में सागर भरने जैसा कार्य
किया है। ऐसे महत्त्वपूर्ण ग्रन्थ का फिर हिन्दी विवेचन तो सोने में सोहागा
या अग्रगूठी में नग जैसे लगता है तथा हृदय को छूता है। मूल्य २५-००

(चौखम्भा प्राच्यविद्या ग्रन्थमाला ६)

अथर्ववेद-संहिता

(मूलमात्र) [प्रथम भाग—१ से १० काण्ड पर्यन्त]

सम्पादक—वेदाचार्य श्रीवेणीराम शर्मा गौड

भूमिका—डॉ० भगवतीप्रसाद राय

वेदों में अथर्ववेद का चौथा स्थान है। अथर्वा ऋषि के नाम पर इसका यह
नामकरण हुआ है। यदि ऋग्वेद प्राचीन भारत की ज्ञानराशि है तो उसकी
संजीवनी शक्ति अथर्ववेद में बसती है। यह वह लोकालोक है जिसमें शिव का
रुद्र एवं शिव रूप दृष्टिगोचर होता है जो देखने में अमङ्गल होते हुए सम्पूर्ण
जगत् के जीवों को मङ्गलमय संदेश देता है, जिससे समग्र जीवन समुन्नत होता
है। सम्पूर्ण अथर्ववेद-संहिता बीस काण्डों में पल्लवित है। आरम्भ के १३ काण्डों
में शाप, वशीकरण, मारण, मोहन, उच्चाटनादि क्रियाकलापों का विवरण है।
१४वें में विवाह-सम्बन्धी चर्चा है और १८वें श्राद्ध-विषयक है तथा २०वें काण्ड
में सोमयाग का विधान है। इसके अतिरिक्त यज्ञ तथा ब्रह्मविद्या के सम्बन्ध में
भी ऋचाएँ उपलब्ध हैं, अतः मन्त्रौपधादि के साथ ही साथ ब्रह्मज्ञान और पार-
लौकिक मोक्ष का भी परमसाधक है। पाठकों की सुविधा के लिए यह मूल भाग
स्वर चिह्नों से युक्त प्रस्तुत है। हिन्दी भूमिका में ऐतिहासिक विवेचन दिया है
जो पाठकों के लिए रुचिवर्धक एवं ज्ञानोत्पादक है। मूल्य २०-००

अर्थ-संग्रह

हिन्दी व्याख्याकार—डॉ० वाचस्पति उपाध्याय

[पण्डितराज पट्टाभिरामशास्त्रिकृत 'अर्थालोक' संस्कृत टीका सहित]

(हनुमान मन्दिर न्यास कलकत्ता द्वारा विद्यावृत्ति पुरस्कार २५०० रु०

का एवं उत्तर प्रदेश संस्कृत अकादमी १००० रु० मीमांसा

दर्शन विमर्श पर पुरस्कार प्राप्त)

अति प्राचीन काल से ही महामहोपाध्याय लौगाक्षिभास्कर कृत 'अर्थसंग्रह' नामक प्रकरण ग्रन्थ मीमांसा दर्शन के आरम्भिक अध्येताओं के लिये सरल सुबोध एवं उपयोगी माना गया है। इसकी सर्वाङ्गीण उपयोगिता को दृष्टि में रखते हुये ही प्राचीन एवं आधुनिक विद्वानों ने इस पर टीका, अनुवाद एवं व्याख्याएँ की हैं। अद्यावधि छात्रोपयोगी संस्करण केवल हिन्दी या अंग्रेजी में ही उपलब्ध होते हैं। इस संस्करण का वैशिष्ट्य यह है कि मूल ग्रन्थ पर मीमांसक शिरोमणि पी० एन० पट्टाभिरामशास्त्रिकृत 'अर्थालोक' टीका मीमांसा दर्शन की मौलिक मान्यताओं का अत्यन्त सरल संस्कृत में बोध कराती है एवं अर्थालोकलोचन टीका हिन्दी के माध्यम से।

इस संस्करण में निर्णयसागर प्रेस द्वारा प्रकाशित (रामेश्वर भिक्षु कृत कौमुदी टीका सहित) अर्थसंग्रह को यद्यपि प्रामाणिक माना गया है तथापि यत्र-तत्र आवश्यक पाठान्तर भी संस्कृत टीका में दिये गये हैं। 'अर्थालोकलोचन' हिन्दी टीका की पादटिप्पणियों में प्राचीन एवं आधुनिक व्याख्याकारों के मतों को भी उद्धृत किया गया है। मीमांसा दर्शन के पारिभाषिक शब्दों का भी विवेचन यथावसर किया गया है। इस संस्करण की भूमिका में मीमांसा दर्शन की ऐतिहासिक एवं वैचारिक परम्परा का उद्भव एवं विकास भी संक्षेप में प्रस्तुत किया गया है। इस ग्रन्थ का पुरोवाक् आक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के इस्टर्न रिजिलन एवं इयिक्स के स्पेल्डिङ्ग प्रोफेसर डॉ० विमलकृष्ण मतिलाल ने लिखा है।

इस प्रकार विविध उपयोगी सामग्री से संवल्नित यह संस्करण छात्रों के अतिरिक्त आमाम्य पाठकों के लिये भी हितकर सिद्ध होगा, ऐसा हमारा विश्वास है।

मूल्य १५-००

(जडावकुँवर राष्ट्रभाषा ग्रन्थमाला १०)

अपभ्रंश और अवहट्ट : एक अन्तर्यात्रा

हिन्दी बी० ए० तथा एम० ए० का पाठ्यग्रन्थ

लेखक—डॉ० शम्भूनाथ पाण्डेय

प्राध्यापक, हिन्दी विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी

प्रस्तुत ग्रन्थ अपभ्रंश और अवहट्ट भाषा तथा साहित्य का सुन्दर, प्रामाणिक और उद्बोधक नमूना पेश करता है। इस ग्रन्थ की सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण देन है आधुनातन साहित्य तक अपभ्रंश-अवहट्ट की विकसित कड़ी को ढूँढना और जोड़ना। भाषा और साहित्य की शैलियों तथा छन्दों का विकासात्मक अध्ययन कर साहित्यिक विकास-परम्परा को शृङ्खलायुक्त बना दिया गया है। साहित्येतिहास सम्बन्धी गलत धारणाओं की आलोचना कर स्वस्थ मान्यताओं की प्रतिष्ठापना की गई है। विवेचना में विचानात्मक शैली का सहारा लेते हुए भी सहज, सरल और सुबोध प्रक्रिया अपनायी गई है।

इस ग्रन्थ का परिशिष्ट भी कम महत्त्वपूर्ण नहीं है। इसमें महान् कवियों की सर्वोत्तम रचनाओं का एक सग्रह भी दे दिया गया है। पाठकों को एक नया आयाम, नया सन्दर्भ और नयी उपलब्धि मिल सके अतः इनका अर्थ, अमिधान, व्युत्पत्ति, व्याकरण, सूत्र और टिप्पणियाँ भी दे दी गई हैं जो एक दूसरे के पुनर्मूल्याङ्कन में पूरक बन सकें।

मूल्य २०-००

(चौखम्भा शिशुभारती ग्रन्थमाला १)

दो फूल

लेखिका—कविता सहाय

प्रस्तुत रचना का स्थान बाल-कथा साहित्य में है। बच्चों के मुख से कथा-कहानी में परियों की लीला तथा चमत्कारी घटनाओं को हमलोग सदियों से सुनते हैं। शैशवावस्था में ऐसी कथाएँ बहुत मनोरञ्जन करती हैं, साथ ही कुछ सोचने-विचारने का अवसर प्रदान करती हैं इसलिए बालकों के बौद्धिक विकास से परी-कथाएँ बहुत महत्त्वपूर्ण होती हैं।

पुस्तक में सबसे पहले फूलों की राजकुमारी मिलती है। स्वप्न में सुन्दर बागीचा और आश्चर्यकारी महल दिखाई देता है। यह महल परियों की रानी का है। रानी के लड़के का नाम शाहजादा है। परियों उसे सुन्दर-सुन्दर कहानियों सुनाकर किस तरह उसका दिल बहलाती है इस कथा को 'दो फूल' नामक इस पुस्तक के अन्दर बड़े ही मनोहर ढङ्ग से प्रस्तुत कहा गया है। सचमुच में बच्चों की कलात्मक शिक्षा के लिए यह सुग्राह्य है।

मूल्य १-००

चौखम्भा सुविस्तृत हिन्दी भास्कर

व्याख्याकार

डॉ० राजकिशोर त्रिपाठी, अरुणकुमार त्रिपाठी

१ इष्टरमीडिएट कक्षा के हिन्दी-विषय की समस्त निर्धारित पुस्तको तथा तीनो प्रश्न-पत्रो के सम्पूर्ण प्रश्नो का सुविस्तृत, संक्षिप्त, व्याख्यात्मक एवं कलात्मक विवेचन । २ इसमे गद्य और पद्य की प्रत्येक पंक्ति को सन्दर्भ-सहित मौलिक व्याख्या के साथ प्रस्तुत किया गया है । व्याख्याओ को प्रस्तुत करते समय निम्नलिखित बातों का सदा ध्यान रखा गया है :—(क) इसमे अर्थ और व्याख्याओ को यथासाध्य अलग-अलग रखकर प्रस्तुत किया गया है । (ख) साधारण छात्रो की आवश्यकताओ को अर्थ वाले अंशो द्वारा ही पूरा कर दिया गया है । (ग) प्रत्येक गद्य-पाठ के अन्त मे कुछ प्रसिद्ध पंक्तियो का भाव-विस्तार तथा पंक्तियो पर आधारित लघु प्रश्न एवं उत्तर देकर विषय को स्पष्ट किया गया है । ऐसे स्थलो को भी व्याख्या का ही रूप समझ कर अध्ययन करना समीचीन है । ३ प्रत्येक पाठ का सारांश उसकी व्याख्या से पूर्व दे दिया गया है । प्रश्न-अभ्यासों का समुचित उत्तर व्याख्याओ के अन्त मे दे दिया गया है । ४ कहानियो के सारांश लिखकर उनके कलात्मक सौन्दर्य का मूल्याङ्कन तथा पात्रो के चरित्र-चित्रण प्रस्तुत किये गये हैं । ५ नाटको की कलात्मक विशेषताओ को उनके भावात्मक सारांश तथा विविध उपशीर्षको के माध्यम से उपस्थित किया गया है । ६ हिन्दी साहित्य के इतिहास, रस, छन्द तथा अलङ्कार एवं संस्कृत की अनिवार्य पुस्तक के विषयो तथा निबन्धो को सरस, सरल, संक्षिप्त एवं सुबोध शैली मे प्रस्तुत किया है ।

मूल्य २५-००

(जडावकुँवर राष्ट्रभाषा ग्रन्थमाला ११)

संत साहित्य

लेखक—डॉ० राधेश्याम दूबे

संत साहित्य की साधना, दर्शन और संप्रदाय के विषय में हिन्दी में इतिहास, लेखन के आरम्भ से ही विवाद रहा है । उपनिषद्, बौद्धसिद्ध परम्परा, नाथसिद्ध परम्परा, वैष्णव परम्परा और सूफ़ी परम्परा का बिना सम्यक् विचार किये ही हिन्दी के आचार्यों, विद्वानो एवं इतिहास लेखकों ने अनेक भ्रांतिपूर्ण, अपूर्ण एवं एकांगी स्थापनाएँ की हैं ।

यह ग्रन्थ कबीरादिक संतों की भारतीय परंपरा और विशेषकर औपनिषद परंपरा का मंडन करते हुए विभिन्न स्थापनाओं के पूर्वपक्ष का सबल खंडन भी करता है । अपनी स्थापना में विद्वान लेखक ने औपनिषद विचारधारा के विविध पक्षों का विधिवत, व्यवस्थित और सागोपाग विवेचन कर उसके प्रकाश में संतों द्वारा स्वीकृत तत्त्वमीमासा, ज्ञानमीमासा और आचार मीमासा का विस्तृत विवेचन किया है । हिन्दी साहित्य के इतिहास से संबंधित जटिल बिंदुओं पर विमर्श ग्रन्थ की महनीयतावृद्धि में पूर्ण समर्थ है ।

मूल्य ३०-००

(चौखम्भा प्राच्यविद्या ग्रन्थमाना ११)

श्रीहरिवाक्यसुधासिन्धु (ब्रह्मरसायन भाष्य सहित)

श्रीवैष्णवविद्वत्सार्वभौम, दार्शनिकपद्मानन, पट्टदर्शनाचार्य, न्यायवैशेषिकशास्त्री,

नव्यन्यायाचार्य, सांख्ययोगतीर्थ, वेदान्ततीर्थ, मीमांसातीर्थ, साहित्यम-

नीपी, दार्शनिकमार्तण्ड, तार्किकवाचस्पति, भारतभूषण, महामहो-

पाध्याय, आचार्यवर्य, भारतमहागुजरातराज्य बहुमग्गा-

नित, उत्तरप्रदेशभारतराज्य सम्मानित,

विश्वविद्यात प्रकाण्ट पण्डित

श्रीकृष्णवल्लभाचार्यजीमहाराज

M. A; Ph. D; D Phil; D. Lit;

विरचित-न्यायतर्कसांख्ययोग-वेदान्त-मीमांसा-साहित्य आदि फिलोसोफी ज्ञान
विज्ञान के तत्त्वविवेक संभृत मौलिक, भाष्य, तथा टीका ग्रन्थों के विवेचक

यह मूलग्रन्थ ८००० आठ हजार से अधिक श्लोकों में, २६२ प्रकरणों में
सुव्यवस्थित है, इस पर २२५१, सवा दो हजार सूत्र हैं, उनका भाष्य पाण्डु-
लिपि में छ हजार पृष्ठों में विशाल काय स्वरूप है। यह सभी दर्शन शास्त्रों के
सिद्धान्तों से भरा हुआ है इस में ज्ञान व भक्ति की मुक्ति में करणता पट्पक्षी
स्वरूपों में दृढ की गई है, इस में सांख्ययोग के प्रकरणों में कपिल-पातञ्जलों के मतों
का विशाल विवेचन सुयुक्तिक किया गया है, माया की स्वरूप कारणता, सृष्टितत्त्वों
का उद्भावन, सत्कार्यवाद आदि भी प्रतिपादित किये हैं, यौगिक रीतियों से इडा
पिगला सुषुम्णा कुहू ब्रह्मरन्ध्र षट्चक्र, नेति धोति बस्ति आदि कियाए तथा
धारणा ध्यान समाधिके प्रकरणों में सूक्ष्मादति सूक्ष्म रूप से भी विशदतम
निरूपित तत्त्व स्पष्ट किये हैं, सूर्य चन्द्र के स्थान की रीति तत्त्वों की रीति, विविध
कारण-कार्यों के बाद भी विस्तृत रूप से दिखलाये गये हैं। शब्द ब्रह्म बाद
के प्रकरणों में परा पश्यन्ती भ्ययमा वैखरी वाणी का दार्शनिक सिद्धान्त तथा
ब्रह्म विमर्श बिंदु नाद ध्वनि क्रम से भाषाओं के तत्त्व स्वरूप विवेचन वाक्यपदीय
आदि के आधार पर विस्तृत रूप से किया गया है। न्याय वैशेषिकों के तत्त्वों
का नव्य प्रणाली से अनेक विध विवरण उनके प्रासङ्गिक प्रकरणों में किये गये
हैं, वेदान्त उपनिषदों के विविध कारणवादों को उनके प्रकरणों में तत्त्वनिर्णयार्थ
विस्तृत रूप से दिखलाये हैं, स्थान स्थान पर जहाँ जिसकी आवश्यकता हो वहाँ
वहाँ ख्यातियों के स्वरूप भी सुवर्णित किये गये हैं, आत्मविषयक विभिन्न मत
दिये गये हैं। अद्वैत सिद्धान्त पर तथा शाक्त तात्त्विक सिद्धान्त पर आगम व

निर्गमों के अभिप्राय भी उनके प्रकरणों में विशालरूप से सहेतुक सफलस्वरूप से दिये गये हैं। यज्ञ प्रकरणों में मीमांसकों के तथा पौराणिकों के कर्मानुष्ठान के काण्ड प्रतिकाण्ड के माराश दिये गये हैं, वाक्यों के विभाग दिखलाये हैं। धर्मों के प्रतिपादन विविधरूप से किये हैं, वैष्णवों के विभिन्न सिद्धान्त उनके लक्ष्य बिन्दु पर चल कर दिये हैं। वासुदेव, महापुरुष, प्रधानपुरुष, निर्गुणब्रह्म, सगुण-ब्रह्म, हिरण्यगर्भ, ईश्वर, वैराज आदि के समष्टि व्यष्टि स्वरूप, जाग्रत स्वप्न सुषुप्ति तुर्या इन अवस्थाओं के स्वरूप, सविकल्प निर्विकल्प के स्वरूप, वृत्तियों के स्वरूप, प्रमाणों के स्वरूप, निरोध तथा आत्मनिवेदी ऐकात्म्य के भाव तथा ज्ञान इच्छा क्रियाशक्तियों तथा भावनाओं के स्वरूप तथा अज्ञ-प्रत्यज्ञों के स्वरूप तथा द्रव्यगुण कर्म आदि के स्वरूप तथा निमित्त सहकारि उपादानों के स्वरूप लक्षण भी स्थान स्थान पर यथा प्रकरणानुकूल दिये गये हैं, व्यूह रचना का प्रतिपादन किया है, अनेक प्रकार के एकाधिकरण्य समानाधिकरण्य कारण-कार्य-भाव की यथा प्रकरण तत्त्व विवेचनों में दिये गये हैं। पदार्थों के क्षणिकत्व स्थायित्यादिवाद, जड़ चेतन का पार्थक्य, सर्जन, विसर्जन आदि भी विवेचन किये गये हैं, आस्तिक नास्तिक आदि मत मतान्तरों का ममन्वय भी वर्णित हैं। विशिष्टाद्वैत विशिष्टब्रह्माद्वैत आदि सिद्धान्त पर जीव ईश्वर, माया-ब्रह्म-परब्रह्म तत्त्वों का प्रतिपादन करने में कहीं भी कमी नहीं रक्खी है। सत्संग का प्रधानपना दिया गया है, साम्प्रदायिक प्रणालियों को दृढ कराने के लिये औतार अवतारी, ब्रह्म परब्रह्म, ईश्वर परमेश्वर, आत्मा परमात्मा, मुक्त सुमुक्त आदिकों की विशिष्ट स्थिति में विशाल रूपों से स्पष्टता की गई है। मानव मूर्ति व ईश्वर मूर्ति तथा ब्रह्मलोकस्थ मूर्ति की एकता अद्वितीयता एकस्वरूपता श्रुतियों के तथा न्यायो के आधार पर की गई है। मुक्तिदशा में मुक्तों के स्वरूपादिक बताये गये हैं। यह भाष्य आध्यात्मिक तत्त्व विज्ञानों का महासागर सम है, सामान्य संस्कृतज्ञों को तो उपयोगी है ही, पर पण्डितव्यों को तो आनन्द वेलाएं बहाने वाला है। भारतीय विज्ञानों को बढ़ानेवाला यह भाष्य चार बोल्युम (खण्डों में) शीघ्र ही प्रकाशित हो रहा है। इसके रचयिता विद्वत्सार्वभौम पं० श्रीकृष्णवल्लभाचार्य जी हैं। इस भाष्य में कई प्रकरण तरङ्ग सन्तसमागम के, कई भगवान में वृत्ति रखने के, कई ध्यान के, कई प्रीति के, कई भगवन्माहात्म्य के, कई भगवन्निश्चयो-पासना के, कई विविधसमज्ञप्ति के, कई आत्मज्ञानविज्ञान के, कई श्रेष्ठपक्षवर्तिता के, कई विषय बिरक्ति के, कई वासनानिवृत्ति के, कई मान ईर्ष्यादिनाश-साधन के, कई उत्कर्ष के, कई साख्य-योग वेदान्त के, कई आज्ञावचन के, कई प्रतिलोमवृत्ति के, तथा कई संसारिल्लेह मिटाने के तथा अच्छे चैराग्य के, यम-नियमादि के भी, (तरङ्ग) हैं। प्रथम खण्ड शीघ्र

द्वितीय खण्ड

मूल्य १२५-००

॥गोकुलदास सरकृत ग्रन्थमाला १॥

श्रीयुगलशतदलम्

(श्रीराधाकृष्णयुगलीयं रहो गीतिकाव्यम्)

लेखक—श्री सत्यव्रत शर्मा 'सुजन', शास्त्री
एम० ए० (द्वय), बी० एल०, साहित्याचार्य,

संस्कृत छन्दों के साथ-साथ आधुनिक गेय छन्दों तथा मुक्त छन्दों में सुम्भित ऐसा मौलिक दिव्य प्रेमी-काव्य संस्कृत में सदियों के बाद उद्भाषित हुआ है। संस्कृत-हिन्दी के वरेण्य विद्वान् रससिद्ध कवि 'अभिनव लीलाशुक' श्रीसत्यव्रत शर्मा 'सुमन' की सुदीर्घ श्रीराधाकृष्ण की युगलीय प्रेम-साधना का मधुर-गह्वर प्रसाद है यह शतदल, जिसकी माधुरी में आप बरबस अमर की भाँति पग जायेंगे।

ग्रन्थ की भूमिका 'द्योतिका' में लेखक ने बड़ी वैदग्ध्य से श्रीराधाकृष्ण तत्व और गोपी-भाव का निगूढ मर्म, उन्मीलित किया है। 'शतदलम्' प्रेमदर्शन का आकर-ग्रन्थ है।

अतः यह काव्य सर्वथा पठनीय एवं मननीय है।

मूल्य ५०-००

(प्रकीर्ण ग्रन्थमाला १४)

वैदिक कहानियाँ

लेखक—आचार्य बलदेव उपाध्याय

वैदिक संहिता तथा उपनिषद् में उपलब्ध कथाओं के आधार पर नवीन ललित शैली में निबद्ध कहानियों का यह सग्रह रोचक तथा ज्ञानवर्द्धक, प्रेरणाप्रद तथा स्फूर्तिदायक है। ग्रन्थ में १५ कहानियाँ हैं जो भाषा तथा भाव दोनों दृष्टियों से अपूर्व हैं। वैदिक युग का दिव्य वातावरण यहाँ कमनीय शब्दों में उपन्यस्त है। हिन्दी साहित्य में यह एक अनूठा ग्रन्थ है एक विश्रुत आलोचक की यह समालोचना अक्षरशः सत्य है—इन वैदिक कहानियों में यज्ञ-धूम की सुगन्ध और पवित्रता दोनों एक साथ प्राप्त होती है। इन कहानियों में एक नवीनता भी है। ये केवल आख्यानमात्र नहीं हैं। इसमें वस्तु वर्णन के साथ-साथ घटनाओं को ऐसे क्रम में गुँथा गया है कि वर्तमान काल की जटना-प्रधान और चरित्र प्रधान कहानियाँ भी इसके आगे पानी भरें। वैदिक युग की गायत्रियों के लिए जिस मधुर और ललित पदावली के अलंकृत भाषा उपेक्षित थी वह अपने पूर्ण शृङ्गार के साथ वैदिक कहानियाँ कहती है। कथा और भाषा दोनों में साथ-साथ रमने वाला मव यह नहीं ठीक-ठीक निश्चय कर पाता रहा है कि मैं कथा के साथ हूँ या भाषा के।

मूल्य १०-००

(जडावकुँवर राष्ट्रभाषा ग्रन्थमाला १५)

नारी के विविध रूप

डॉक्टर जगदीशचन्द्र जैन

इस पुस्तक में प्राकृत एवं संस्कृत की चुनी हुई विशिष्ट कहानियाँ सग्रहीत हैं। सभी कहानियाँ नई हैं और प्रायः अब तक प्रकाश में नहीं आई हैं। कतिपय कहानियाँ सुप्रसिद्ध गुणाढ्य की नष्ट हुई बृहत्कथा पर आधारित हैं जो बसुदेव हिडि, बृहत्कथाश्लोक संग्रह और कथासरित्सागर से ली गई हैं। इन कहानियों में भारतीय नारी के अच्छे-बुरे विविध रूपों का अङ्कन किया गया है। सती-सतवन्ती नारियों के अतिरिक्त, वेश्याओं-कुट्टिनियों तथा परिस्थितिबश चरित्र से स्वलित होने वाली नारी के रूपों को यहाँ प्रस्तुत किया गया है। अच्छा और बुरा, यह एक ही वस्तु के दो अलग-अलग पहलू हैं, अतएव जो स्वाभाविक रूप से घटित होता है, उसकी जानकारी आवश्यक है।

इन कहानियों के अध्ययन से पता चलता है कि प्राचीन समय में कला-कौशल एवं लौकिक, व्यावहारिक दृष्टि से भारतीय नारियों का महत्त्वपूर्ण स्थान रहा है। यदि किसी परिस्थितिबश उनका कभी स्वलन हुआ है तो यह उनकी शोषित, प्रताडित एवं असहाय अवस्था का ही परिचायक है। वस्तुतः भारतीय नारी अधिक संयमी है, अधिक सहिष्णु है और अवसर प्रदान किये जाने पर उसकी आन्तरिक शक्ति जागृत की जा सकती है। ये कहानियाँ भारत की यथार्थवादी सांस्कृतिक परम्परा की द्योतक हैं।

मूल्य ३-००

(जडावकुँवर राष्ट्रभाषा ग्रन्थमाला १७)

प्राचीन भारत

(प्रथम खण्ड) : (आदिकाल से ३२० ई० तक)

लेखक—डॉ० उपेन्द्र ठाकुर, डॉ० महेश कुमार शरण

इस ग्रन्थ में विश्वविद्यालयीय छात्रों की प्रत्येक आवश्यकतापूर्ति का ध्यान रखा गया है। प्राचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति का स्वरूप, नए स्रोतों की प्राप्ति तथा अन्वेषणों से बराबर निखरता गया है। इस पुस्तक में उसके राजनीतिक एवं सांस्कृतिक स्वरूप को प्राप्त सभी साद्यों, आधुनिकतम शोधों के आधार पर प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है। इसके अनुशीलन से इतिहास प्रेमी, विद्यार्थी तथा विद्वज्जन लाभान्वित होंगे।

यह पुस्तक नौ अध्यायों में विभाजित है। जिसमें प्राचीन भारतीय इतिहास के स्रोत, प्रागैतिहासिक भारत, वैदिक भारत, वैदिकोत्तर भारत (सूत्र, काव्य, धर्मशास्त्रकाल), पूर्व-मौर्य-कालीन भारत (ई० पू० छठी शताब्दी से ई० पू० ३२५ तक) मौर्योत्तर भारत, गुप्तकालीन भारत पर एक प्रामाणिक विवेचनपूर्ण इतिहास वर्णित है। आवश्यक मानचित्रों से विभूषित संस्करण। मूल्य ३०-००

(चौखम्भा प्राच्यविद्या ग्रन्थमाला ८)

अथर्ववेद-संहिता

(महर्षि गार्ग्य-परम्परानुगामी)

'वेदार्थ-बोधिनी'-हिन्दी व्याख्योपेता

(प्रथम खण्ड १ से १० काण्डपर्यन्त)

हिन्दी व्याख्याकार—डॉ० रामकृष्ण शास्त्री

प्राक्कथन—डॉ० विद्यानिवास मिश्र

सम्पादक—प्रो० श्री विश्वनाथ शास्त्री

भूमिका—डॉ० भगवतीप्रसाद राय

अथर्ववेद संहिता का अध्ययन बहुत उपेक्षित रहा, इसे प्रायः जादू-टोने का ही वेद माना गया, त्रयी में इसका सन्निवेश न होने से इसे कम महत्त्व भी दिया गया, परन्तु मारिस ब्लूमफील्ड ने इस ओर ध्यान दिलाया कि अथर्ववेद-संहिता का अध्ययन प्राचीन भारतीय जीवन की ममप्रता की दृष्टि से बहुत उपयोगी है, क्योंकि जन्म से लेकर मृत्युपर्यन्त और मृत्यु के परे भी जीवन के बारे में अतीव विशदता और काव्यमयता के साथ इस संहिता में वर्णन है।

इस महत्त्वपूर्ण वाङ्मय का अच्छे हिन्दी अनुवाद समेत शुद्ध पाठ युक्त संस्करण बहुत दिनों से अपेक्षित था। इस संस्करण से वह कमी दूर हो रही है। प्रस्तुत संस्करण के हिन्दी अनुवादक डॉ० रामकृष्ण शास्त्री ने कई अनुवादों को देखकर बहुत साफसुधरी भाषा में हिन्दी अनुवाद प्रस्तुत किया है। यह अनुवाद सभी संस्करणों से निसदेह उत्तम कोटि का है। मूल्य ४०-००

(गोकुलदास संस्कृत ग्रन्थमाला २६)

किरातार्जुनीयव्यायोगः (कवि वत्सराज प्रणीतः)

संस्कृत-हिन्दीव्याख्योपेतः, सम्पादको व्याख्याता च

रविनन्दन त्रिपाठी

संस्कृत दशरूपकों का एक भेद व्यायोग है। इसका विनियोग राष्ट्र जागरण के लिए विशेष उपयोगी है। युद्धभूमि में किरात और अर्जुन के वीर भाव का परिदर्शन इस व्यायोग का विषय है। इतने सुन्दर व्यायोग की कोई सुबोध और सरल संस्कृत तथा हिन्दी व्याख्या सुलभ नहीं थी, इसलिए पाठकों के आस्वाद के लिए प्रस्तुत ग्रन्थ के प्रकाशन की आवश्यकता ज्ञात हुई। बारहवीं शती का लेखक वत्सराज स्वयं परमवीर था। उसमें कला, नीति और वीरता की त्रिवेणी बहती थी। उसने भारतीय वीरों के सामने धीरोदात्त नायक अर्जुन का आदर्श बड़ी कुशलतापूर्वक इस ग्रन्थ में प्रस्तुत किया है। यह संस्कृत-हिन्दी व्याख्या संस्कृत नाट्यसाहित्य के रसिकजनों के लिए परमोपयोगी है। ५-००

(गोकुलदास संस्कृत ग्रन्थमाला ५)

आङ्ग्लरोमाञ्चम्

ENGLISH ROMANTIC LYRICS
(Sanskrit Translation with English Text)

लेखक—डॉ० हरिहर वि० त्रिवेदी, डी० लिट्०

लक्ष्मीनारायण ओ० जोशी, आई० ए० एस०

चौखम्भा ओरियन्टालिया द्वारा प्रकाशित 'आङ्ग्लरोमाञ्चम्' ने सचमुच रोमाञ्चित कर दिया। सम्पूर्ण संस्कृत अनुवाद में मध्यकालीन काव्य की सी प्रौढ़ता एवं सरसता मिलती है। इतनी ललित श्रुति-मधुर शब्दावली आजकल क्वचित् ही देखी जाती है। अंग्रेजी कविता की कोमलता एवं स्निग्ध गूढ भावना के अन्तस् तक पहुँचकर जो अनुवाद पण्डित-द्वय ने प्रस्तुत किया है वह संस्कृत-जगत में सर्वथा अभिनव एवं सफल प्रयोग है। मैं इसकी प्रत्येक पंक्ति पर सुग्ध हूँ। इस पुस्तक के माध्यम से प्राचीन शैली के संस्कृत विद्वानों को प्रथम बार आंग्ल-भाषा-काव्य का रसास्वादन करने का अवसर मिलेगा।

डॉ० प्रभुदयाल अग्निहोत्री

कुलपति, जबलपुर विश्वविद्यालय, जबलपुर
मूल्य १५-००

(प्रकीर्ण ग्रन्थमाला १५.)

भारतीय दर्शन की रूपरेखा

लेखक—आचार्य बलदेव उपाध्याय

यह पुस्तक भारतीय दर्शन के तत्त्वों को जानने की इच्छा रखने वाले विद्यालयीय विद्यार्थियों और सामान्य जिज्ञासुओं की आवश्यकता को दृष्टि में रखकर प्रस्तुत की गई है।

इस लघुकाय ग्रन्थ में भारतीय दर्शन की चिन्ताधाराओं का प्रतिपादन सरल सुबोध भाषा में हुआ है। यह ग्रन्थ चार खण्डों में विभक्त है। प्रथम खण्ड में भारतीय दर्शन के मूल स्रोतों का विवेचन है। द्वितीय में वेदवाह्य विचारधारा का प्रतिपादन करते हुए भौतिकवादी चार्वाक, जैनदर्शन तथा बौद्धदर्शन का पर्याप्त सूक्ष्मता से विवरण दिया गया है। तृतीय खण्ड में पञ्चदर्शनों का विवेचन है और चतुर्थ खण्ड में वेदान्त के इतर सम्प्रदायों का—रामानुज, निम्बार्क, माध्व, चैतन्य तथा वल्लभ मत का—संक्षिप्त रूप में मनोहारी प्रतिपादन है। उपसंहार में समन्वय के सिद्धान्त का अन्तर्दर्शन भारतीय चिन्ताधाराओं के बीच तथा भारतीय दर्शन और धर्म के मध्य विद्यमान सूक्ष्म समन्वय की भावना को समझाने का प्रयास किया गया है।

इस प्रकार यह ग्रन्थ पाठकों को भारतीय दर्शन के ज्ञानवर्धन में यथेष्ट सहायता करेगा तथा विषय की जिज्ञासा को उद्बुद्ध करेगा। अतः दर्शन के ग्रन्थों में यह अत्यन्त उपयोगी है।

मूल्य २५-००

(प्रकीर्ण ग्रन्थमाला ४)

श्रीमद्भगवद्गीता

श्रीमत्परमहंस-परिवाजकाचार्य-मधुसूदनसरस्वती-विरचिता-‘गूढार्थदीपिका’-
व्याख्यासहिता; महामहोपाध्याय पण्डितश्रीहरिहरकृपालुद्विवेदिना
कृततत्त्वविवेचनपुरस्सर सट्टिप्पण-हिन्दीभाषानुवादेन समलंकृता;
पंडितश्रीब्रह्मदत्तद्विवेदिना संपादिना च

प्रस्तुत गीता का अपना विशिष्ट स्थान है इसलिए कि यह आचार्यवर
श्रीमधुसूदनजी सरस्वती की भाष्यात्मक टीका से अलंकृत है। गूढार्थदीपिका
व्याख्या में गीता के प्रत्येक पद के गूढार्थ को विद्वत्तापूर्ण शैली में प्रकाशित किया है।

सभी दर्शनशास्त्रों के गंभीरज्ञाता तथा मर्मवेत्ता, महामहोपाध्याय पं०
हरिहरकृपालुजी द्विवेदी, से अनुवादित होकर सर्वप्रथम हिन्दी में प्रस्तुत
किया गया है। श्रीकृपालुजी के सुयोग्य पुत्र श्री ५० ब्रह्मदत्तजी द्विवेदी की श्रद्धा
एवं श्रम से संपादित परिचर्चित यह संस्करण सुमन अविलम्ब हाथों-हाथ चुनने
लायक है।

मूल्य ५०-००

(चौखम्भा प्रान्यविद्या ग्रन्थमाला १२)

व्यञ्जनाप्रपञ्च समीक्षा

लेखक—डॉ० मुकुन्द माधव शर्मा

इस रचना का अपर संस्कृत शीर्षक ‘तुलनात्मक-प्रतीकतत्त्व-विमर्शः’ तथा
अंग्रेजी शीर्षक ‘ए क्रीटीक् आन कम्पेरेटिव सिम्बोलिज्म’ है। इस ग्रन्थ के पहले
अध्याय में संस्कृत काव्यशास्त्र, मीमांसा, न्यायदर्शन एवं व्याकरण में विवेचित
व्यञ्जना धारणा की पहली बार समीक्षा की गई है तथा दूसरे अध्याय में व्यञ्जना
का लक्षण, अनुमान और अर्थापत्ति से सम्बन्ध विश्लेषित है। तीसरे अध्याय में
क्रियात्मक अभिव्यक्ति के क्षेत्र में व्यञ्जना के उपयोग की परम्परा का अन्वेषण
वैदिक साहित्य से किया गया है और प्रत्येक काल की कविता में प्रतीकात्मक
अभिव्यक्ति की कला का विकास देखा गया है। चौथे अध्याय में ललितकला के
अन्य रूपों-मूर्तिकला, चित्रकला और सङ्गीत में प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति की तकनीक
का अध्ययन किया गया है। इस ग्रन्थ में तुलनात्मक अध्ययन भारतीय
कलारूपों और कलासिद्धान्तों के संदर्भ में किया गया है। साथ ही यह दिखाया
गया है कि व्यञ्जना की कला धार्मिक तथा तान्त्रिक प्रतीकवाद के क्षेत्र की वस्तु है।
कन्यात्मक प्रतीकवाद तथा तान्त्रिक प्रतीकवाद मूलतः एक ही प्रकृति की चीजें हैं
और उनका लक्ष्य भी एक ही है। पाँचवें में प्रतीकवाद का तुलनात्मक अध्ययन
है तथा छठे अध्याय में प्रतीकवाद के दर्शन की स्थापना का प्रयास किया गया
है क्योंकि सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड प्रतीकात्मक घटना की अभिव्यक्ति है तथा प्रतीकात्मक
रत्नानों की रस निष्पत्ति विश्व की विविध वस्तुओं और व्यक्तियों की आध्यात्मिक
एतत्ता की अनुभूति है।

(भारतगर्वकाररय शिक्षा-समाजकल्याणमन्त्रालयस्थायिक सहाय्येन प्रकाशिता)

मूल्य २०-००

(प्रकीर्ण ग्रन्थमाला ३)

मृगया

लेखक—श्री श्रीनन्दन शाह

भूमिका—राय कृष्णदासजी

प्रास्ताविक—डॉ० रेवाप्रसाद द्विवेदी

हिन्दी वाङ्मय में आखेट-विषयक पुस्तकों में यह कृति अनुपम है। इस में न केवल आखेट-सम्बन्धी यथार्थ घटनाएँ हैं वरन् अन्यत्र नितान्त अनुपलब्ध अनेक अनुभूत मनोवैज्ञानिक व मृगयोपयोगी तथ्यों का विच्छेपण भी किया गया है। यह रचना पाठकों का मनोरञ्जन करती है, साथ ही ज्ञानवर्धन भी। अतः आद्योपान्त पठनीय है।

मूल्य ४०-००

(प्रकीर्ण ग्रन्थमाला ५)

कथासरित्सागर : एक सांस्कृतिक अध्ययन

डॉ० वाचस्पति द्विवेदी

एम० ए० (संस्कृत-हिन्दी), एम० एड०, पी-एच० डी०, साहित्याचार्य

कथासरित्सागर सदा विद्वानों का हृदय हार रहा है। गुणाढ्य की वृहत्कथा के अभाव की पूर्ति महाकवि सोमदेव की सशक्त लेखनी ने की। इसमें वर्णित विविध चरित्र एवं घटनाओं में ग्यारहवीं सदी के भारत की संस्कृति मुखर हो उठी है।

प्रस्तुत ग्रन्थ में प्राप्त उद्धरणों के आधार पर तत्कालीन सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक, आर्थिक प्रवृत्तियों का मात्र आकलन ही नहीं किया गया है, अपितु उनके उद्भव, विकास एवं कथाभिप्रायों का भी विस्तृत विवेचन है। प्रमुख प्रवृत्तियों का विवेचन सरल शैली में प्रस्तुत किया गया है।

यह ग्रन्थ संस्कृत साहित्य के प्रिय पाठकों के लिए सुरुचिपूर्ण सामग्री से सुसज्जित है। अनुमंथितसुओं एवं पुस्तकालयों के लिए यह अतिशय उपयोगी है।

मूल्य ३५-००

(गोकुलदास संस्कृत ग्रन्थमाला ३१)

यूथिका

लेखक—डॉ० रेवाप्रसाद द्विवेदी

(उ० प्र० संस्कृत अकादमी द्वारा पुरस्कृत)

प्रस्तुत 'यूथिका' भारतीय दशरूपकों में 'नाटिका' के रूप में पल्लवित है। इसके कथानक का मूल आधार शेक्सपियर रचित 'रोमियोजूलियट' नाटक है। फिर भी रूपान्तरकार डॉ० द्विवेदी की कल्पनाप्रसूत प्रतिभा भारतीय नाटक परम्परा का भलीभाँति अनुसरण करते हुए एक नूतन विधा प्रस्तुत करने में किस प्रकार सक्षम हुई है इसकी परख साहित्यरसिकों को अवश्य करनी चाहिए। शेक्सपियर के उक्त नाटक की नायिका जूलियट (Juliet) ही प्रस्तुत नाटिका की नायिका यूथिका यहाँ कल्पित है। भाषा सहज बोध है। मूल्य ४-००

साहित्य का समाजशास्त्र : मान्यता और स्थापना

लेखक—श्रीराम मेहरोत्रा

“श्रीराम मेहरोत्रा ने अत्यन्त मनोयोग पूर्वक गम्भीर अध्ययन और विवेचन के साथ साहित्य के समाजशास्त्रीय पक्ष का अत्यन्त सूक्ष्म निरूपण करके समाजशास्त्र की दृष्टि से साहित्य का गम्भीर विश्लेषण किया है। साहित्य के अभ्येताओं के लिए विशेषतः समालोचकों और साहित्य स्रष्टाओं के लिए यह ग्रन्थ अत्यन्त उपादेय और पथ प्रदर्शक सिद्ध होगा। लेखक ने (ग्रन्थ के ९ अध्यायों में) साहित्य की समाजशास्त्रीय आलोचना से आरम्भ करके साहित्य के समाजशास्त्रीय विश्लेषण की विभिन्न प्रकृतियों और दिशाओं का समीक्षण किया, प्रतीक और भाषा का सम्बन्ध स्पष्ट किया है तथा कला का संश्लिष्ट रूप स्पष्ट करते हुए नाट्यकला और रङ्गमञ्च की विवृत्ति के साथ सामाजिक जीवन में मनोरञ्जन के महत्त्व का प्रतिपादन करके नाट्य रूप में प्रतिष्ठित मनोरञ्जन की सामाजिक महत्ता अत्यन्त विद्वतापूर्ण शैली में स्पष्ट की है।” आचार्य सीताराम चतुर्वेदी।

मूल्य २५-००

(जडावकुवर राष्ट्रभाषा ग्रन्थमाला १६)

स्वर और रागों के विकास में वाद्यों का योगदान

लेखक—डॉ० (कु०) इन्द्राणी चक्रवर्ती

उपयुक्त प्रमाणों के आधार पर यह ग्रन्थ स्पष्ट करता है कि तीन प्रकार की वीणाएँ ही एक धारा से अन्य धारा की ओर संगीत को ले जाने में सहायक रही हैं। (१) भरत के काल की वीणा मत्तकौकिला आदि प्रथम प्रकार है जिसमें प्रत्येक स्वर के लिए अलग-अलग तार होते थे। भरत कथित मूर्च्छना यानी प्रत्येक स्वर की मूर्च्छना का प्रारम्भ अलग-अलग तारों में ऐसी ही वीणा पर सम्भव है। (२) परन्तु ‘षड्जस्थाय’ पर ही निषादादि मूर्च्छनाओं की प्राप्त करना ‘परमत’ है और इस पद्धति का प्रचलन घोषा या एकतन्त्री के विकास-काल में हुआ। (३) गान्धर्व-परम्परा के मूल सिद्धान्तों पर आघात पहुँचाने तथा प्रमाण-श्रुति की प्रसुखता को अस्वीकार करने वाली वाणा किन्नरी आदि है जो सारिका-युक्त थी, ‘षड्ज’ को ‘मूलस्वर’ तक पहुँचाने में इसी वीणा का उत्तरदायित्व है। अनेक भान्त वारणाओं का निराकरण इस ग्रन्थ में हुआ है। वाद्य को केन्द्र में रखकर ‘स्वराश’ के समस्त पक्षों का विवेचन करने में प्रस्तुत ग्रन्थ अद्वितीय है।

मूल्य ३५-००

(जडावकुँवर राष्ट्रभाषा ग्रन्थमाला ७)

सूरदास की प्रतिभा

लेखक—डॉ० भगवतीप्रसाद राय

मध्ययुगीन हिन्दी के भक्तिकाव्य में सूरदास का स्थान महत्त्वपूर्ण एवं विभूति-मय है। इनकी नवनवोन्मेषशालिनी असाधारण प्रतिभा की देन सूरसागर मानो भक्ति और काव्यरस का महान सागर है। इसी के आधार पर भक्तकवि सूरदास न केवल हिन्दी क्षेत्र के अपितु सम्पूर्ण भारत के अनमोल रत्न हैं। इनकी प्रतिभा का मूल्यांकन इनकी रचनाओं की परिधि में वैज्ञानिक दृष्टि से किया गया है।

प्रस्तुत शोधपरक मौलिक ग्रन्थ आठ अध्यायों में विभक्त है, जिसमें अनुक्रम से सूरदास की प्रतिभा, सूरदास की संगीत प्रतिभा, उनका प्रत्यक्षीकरण, उनकी अनुभूति, उनका दर्शन एवं भक्तिभाव पर गंभीर दृष्टि से विचार प्रस्तुत किया है। सातवें अध्याय में सूरदास की भाषा-शैली में भाषा के काल्पनिक रूप एवं उसकी मानसिक अभिव्यक्ति पर भलीभाँति विचार हुआ है। इसी अध्याय में विद्वान् लेखक ने व्याकरण की दृष्टि से भी सूरदास की भाषा का सोदाहरण विवेचन किया है। अंतिम अध्याय में सूरदास की रचना प्रक्रिया के अन्तर्गत कवि की मौलिकता का सुन्दर विवेचन किया गया है। इस संदर्भ में श्रीमद्भागवत और सूरसागर की रचना शैली का भेद दर्शाया गया है।

यह शोधपूर्ण ग्रन्थ अबतक के सभी खोजपूर्ण तथ्यों का प्रामाणिक विश्लेषण प्रस्तुत करता है जो शोधार्थियों के लिए स्वागतार्ह है। इसमें सूरदास की प्रतिभा तथा सूरसागर के महत्त्वपूर्ण सभी पक्षों पर विचार किया गया है अतएव एम० ए० के छात्रों के लिए भी सभी सामग्री एकत्र सुलभ है। मूल्य ३५-००

(जडावकुँवर राष्ट्रभाषा ग्रन्थमाला २०)

भवभूति के उत्तररामचरित की शास्त्रीय समीक्षा

लेखक—सत्यनारायण चौधरी

संस्कृत नाटककारों की परम्परा में महाकवि भवभूति का स्थान अत्यन्त महनीय है। इनकी तीन नाट्यकृतियाँ हैं जिनमें 'उत्तररामचरितम्' भी एक है। उत्तररामचरित अपनी उदात्त भाव भूमि तथा प्रौढ भाषा शैली के कारण साहित्य रसिकों में विशेष महत्त्वपूर्ण है। प्रस्तुत प्रबन्ध में राम के लोकवेदवन्दित शील और व्यक्तित्व का पहली बार ही नाटकीय भावभूमि में फैलाकर बड़ी ही निष्ठा एवं बारीकी के साथ परखा गया है।

भवभूति के व्यक्तित्व का निर्धारण स्वतन्त्र रूप से लेखक ने प्रस्तुत किया है। इसमें भवभूति के दाम्पत्य जीवन, धार्मिक दृष्टिकोण तथा सामाजिक जीवन का विषम एवं विषण्ण मानचित्र खींचा गया है। आगे के अध्यायों में उत्तररामचरित का वस्तुसंविधान, चरित्र-चित्रण, रस विमर्श तथा भाषा शैली का विस्तृत शास्त्रीय मूल्यांकन है। अनुसन्धान के मार्ग में यह मील का पत्थर है, अतः संप्राप्त है।

मूल्य ३०-००

(प्रकीर्ण ग्रन्थमाला १)

भारतीय दर्शन

आचार्य बलदेव उपाध्याय

प्रस्तावना लेखक—महामहोपाध्याय गोपीनाथ कविराज

प्रस्तुत ग्रन्थ भारतीय दर्शन का परिचय देने में राष्ट्रभाषा हिन्दी में अनुपम है। इस ग्रन्थ में चार्वाक, जैन, बौद्ध, पाञ्चरात्र, वैष्णव सम्प्रदाय, शैव-शाक्त आदि सम्प्रदायों के महत्त्वशाली दर्शनों की आलोचना की गई है। दार्शनिक विचारों के परिपूर्ण तथा क्रमबद्ध विवेचन के अतिरिक्त इतिहास-सम्बन्धी आलोचनात्मक उपादेय सामग्री सङ्कलित है। कुछ ऐसे भी गंभीर तथ्यों का प्रतिपादन है जो सामान्य पाठक को सद्यः बोधगम्य नहीं हो सकता, उन्हें भी परिशिष्ट में रखा गया है। अतः यह ग्रन्थ भारतीय तत्त्वज्ञान के विषय में अत्यन्त मूल्यवान् कृति है।

मूल्य ४५-००

(प्रकीर्ण ग्रन्थमाला २)

भारतीय धर्म और दर्शन

लेखक—आचार्य बलदेव उपाध्याय

धर्म और दर्शन के पीठ पर भारतीय संस्कृति गह्र रूपेण प्रतिष्ठित है। धर्म आचार-प्रधान है और दर्शन विचार-प्रधान। आचार और विचार का बहुत घना सम्बन्ध है। भारतीय जीवन में एक के बिना दूसरे का प्रतिपादन कथमपि नहीं हो सकता। 'जैसा विचार वैसा आचार' यह उक्ति इसी की सत्यता प्रतिपादित करती है। दार्शनिक विचारों को भी धार्मिक आचार की तुला पर बराबर तौला जाता रहा है। अतः धर्म और दर्शन भारतीय संस्कृति के दो आधार पीठ हैं जिनके ऊपर उनका विशाल प्रासाद प्रतिष्ठित होकर विराजमान है।

इस ग्रन्थ में चार खण्ड हैं—धर्म खण्ड, दर्शन खण्ड, संस्कृति खण्ड और शब्द-विवरण खण्ड। धर्म खण्ड में धर्म के मूल स्वरूप के विवरण नाना धार्मिक सम्प्रदायों के तथ्यों के साथ प्रतिपादित है।

दर्शन खण्ड में विभिन्न दर्शनों का संक्षिप्त परिचय दिया गया है। संस्कृति खण्ड में भारतीय संस्कृति के अनेक अङ्ग-प्रत्यङ्गों का वर्णन है। शब्द-विवरण नामक चतुर्थ खण्ड में पूर्वोक्त खण्डों से सम्बद्ध ५४ शब्दों का विस्तृत विवेचन है तथा उनके अर्थों की मीमासा है। परिशिष्ट में भारतीय दर्शन की विशिष्टता का प्रतिपादन है। इस प्रकार यह ग्रन्थ भारतीय संस्कृति की रूपरेखा का हृदयावर्जक विवरण प्रस्तुत करता है तथा एतत्-सदृश रचनाओं में अपना वैशिष्ट्य स्थापित करता है।

मूल्य ३५-००

(जडावकुँवर राष्ट्रभाषा ग्रन्थमाला ५)

रीतिकालीन लक्षण-ग्रन्थों में भाषाभूषण का स्थान

डॉ० सावित्री श्रीवास्तव

प्राध्यापिका, बसन्तकन्या महाविद्यालय, कमच्छा, चाराणसी ।

प्रस्तुत शोध-प्रबन्ध में एक साथ ही संस्कृत रस-शास्त्र, नायिकाभेद और अलङ्कार-शास्त्र का स्वरूप स्पष्ट करते हुए रीतिकालीन प्रमुख आचार्यों के तद्-विषयक ग्रन्थों से उनका तुलनात्मक विवेचन किया गया है ।

सम्पूर्ण ग्रन्थ तीन खण्डों में विभाजित है जो भाषाभूषण में वर्णित विषयों की ही भाँति क्रमशः एक दूसरे से उत्तरोत्तर विस्तृत होते गये हैं । इसकी सर्वप्रमुख विशेषता है, तुलनात्मक और शास्त्रीय ढङ्ग पर विषय का क्रमबद्ध विवेचन, जो उसे अन्य शोध-प्रबन्धों की विषय-निरूपण-प्रणाली से पृथक् करता है । इस शोध-प्रबन्ध की सर्वप्रमुख उपलब्धि है, गुलाब कवि की अनुपलब्ध पुस्तक 'भूषण-चन्द्रिका' की हस्तलिखित पाण्डुलिपि, जो पुस्तक के अन्त में परिशिष्ट रूप में संलग्न है ।

मूल्य ३०-००

(जडावकुँवर राष्ट्रभाषा ग्रन्थमाला ६)

वैष्णव धर्म

लेखक—आचार्य परशुराम चतुर्वेदी-

प्राचीन भारतीय धर्मों में 'वैष्णव धर्म' विशिष्टतापूर्ण है । भारतीय संस्कृति का यह एक अभिन्न अङ्ग है । परन्तु यह अपने विकास-क्रम में विभिन्न मार्गों एवं मंजिलों से गुजरता हुआ हमारे सम्मुख उपस्थित हुआ है । प्रस्तुत पुस्तक में आचार्य चतुर्वेदी जी ने अपने गहन अध्ययन और सद्मेक्षिका प्रज्ञाबल से शालीनता पूर्ण सहजबोध शैली में वैष्णवधर्म के विकासक्रम को उपस्थापित किया है । पाठक इसमें देखेंगे कि वैष्णवधर्म ने भक्ति-आन्दोलन के रूप में लोकमानस को किस रूप में आदोलित किया और भक्त-हृदय में नई उमंग एवं नए जीवन का संचार किया है । काव्य और कला के क्षेत्र में इसने कौन-सा सराहनीय अवदान दिया है तथा किस प्रकार यह भारतभूमि से सुदूर प्रदेश में अपना प्रभाव स्थापित किया एवं विदेशी विधर्मियों के हृदय में अपना स्थान बनाया । इस प्रकार इस ग्रन्थ से वैष्णवधर्म के विकास का एक आकर्षक सर्वेक्षण पाठकों को मिल जाता है । इसके अध्ययन से निश्चित ही वैष्णवधर्म की जिज्ञासा शान्त हो जाती है । इसमें ऐतिहासिक महत्त्व के चित्र यथास्थान दे दिये गये हैं जिससे पुस्तक की महत्ता विशेष बढ गयी है ।

मूल्य १५-००

(जडावकुँवर राष्ट्रभाषा ग्रन्थमाला १२)

मणिपुरी नर्तन

लेखिकाद्वय—दर्शना भवेरी तथा कलावती देवी

भूमिका—डॉ० हरेकृष्ण मुखोपाध्याय तथा डॉ० कपिला वात्स्यायन

पुराकाल से विविध लोकनृत्य, जनजातीय नृत्य, उत्सव नृत्य तथा शास्त्रीय नृत्य से मणिपुरी समाज समृद्ध है। रास और नटपाला शास्त्रीय नृत्य के अङ्ग हैं। चूँकि लेखिका का वर्षोंतक अभ्यास कार्य मणिपुरी शास्त्रीय शैली पर रहा है इसलिये ग्रन्थ में शास्त्र का आश्रयण अधिक है। इन अङ्गों की विस्तृत चर्चा हुई है। मणिपुर में सुलन सङ्गीत नर्तन की हस्तलिखित प्रतियों के अनुशीलन के साथ वैष्णव सङ्गीत शास्त्र तथा साहित्य में वर्णित शास्त्रीय महर्षव के विविध पक्षों का निदर्शन इन दोनों नर्तन प्रकारों में है। नृत, नृत्य, नाट्य के भेद; ताल, प्रबन्ध के नाना रूप, ताण्डव, लास्य की मनोरम शैली का उद्घाटन इसमें हुआ है।

इसमें मणिपुर के सामाजिक, धार्मिक जीवन, उसके ऐतिहासिक विकास तथा पौराणिक आख्यानों का आकलन इस पुस्तक में किया गया है।

मैतेई के पारिभाषिक शब्दों की रक्षा करते हुए, उसके संस्कृत पर्याय दिये गए हैं, इमसे मैतेई पारिभाषिक शब्दों की व्यञ्जकता की रक्षा हुई है तथा संस्कृत का महाकोश बढा है।

मूल्य १५-००

(जडावकुँवर राष्ट्रभाषा ग्रन्थमाला ८)

कथासरित्सागर तथा भारतीय संस्कृति

लेखक—डॉ० एस० एन० प्रसाद, एम० ए०, डी० फिल०

प्रस्तुत ग्रन्थ विद्वान लेखक की पाण्डित्यपूर्ण कृति है। सुरम्य काश्मीर के विलक्षण प्रतिभा सम्पन्न महान पृथ्वीपुत्र सोमदेव भट्ट प्रणीत कथासरित्सागर संस्कृत-कथा साहित्य के ग्रन्थों में अन्यतम ही नहीं, सर्वोत्तम भी है। कथारूपी नदियों की १२४ तरङ्गों में से प्रारम्भिक मध्ययुगीन भारत के समाज का नयनाभिराम चित्र लेखक की कुशल लेखनी द्वारा उभर उठा है। तत्कालीन समाज के बहुल पक्षों का उद्घाटन सफलता पूर्वक किया गया है। अध्येता को निसर्गतः अनुभव होने लगता है कि सोमदेव ने अपने-समय के भारत का समृद्ध रूप अपनी इसी प्रीतिकरी रचना में प्रस्तुत किया है। इस दृष्टि से यह ग्रन्थ भारतीय जीवन का चल-चित्र है।

मूल्य ५५-००

(जडावकुँवर राष्ट्रभाषा ग्रन्थमाला १)

संगीत का विकास और विभूतियाँ

लेखक—श्रीपद वन्द्योपाध्याय

राष्ट्रभाषा में प्रामाणिक संगीत पुस्तकों की अत्यन्त कमी है। इस अभाव की किञ्चित् पूर्ति के लिए इस पुस्तक का संकलन किया गया है, जिसके छः अध्यायों में वेद काल से लेकर आधुनिक काल पर्यन्त प्रचलित संगीत-परम्परा का धारावाहिक सप्रमाण वर्णन दिया गया है, जिसके पठनमात्र से एक साधारण व्यक्ति को भी भारतीय संगीत के इतिहास का पूर्ण ज्ञान अवश्य ही प्राप्त हो जाएगा। प्रथम अध्याय में वैदिक काल के प्रचलित संगीत, उनके स्वर, छन्द तथा वैदिक वाद्य-यन्त्रों का विवरण दिया गया है।

द्वितीय अध्याय में शिक्षा और पौराणिक काल के स्वर और छन्द के विकास-क्रम, उनकी निश्चित संख्या, स्वरों के रूप और रंग-व्यवस्था तथा उस काल के संगीत सिद्धान्त का सुन्दर वर्णन है। तृतीय अध्याय में प्रख्यात मत जैसे—ब्रह्म, शिव, भरत, नारद, हनुमान, और कल्हिनाथ आदि के ग्रन्थों का विवरण वैज्ञानिक आधार पर ही प्रस्तुत किया गया है जो संगीतानुरागियों के ज्ञान की अभिवृद्धि में निश्चित रूप से सहायक सिद्ध होगा। चतुर्थ अध्याय में मध्यकालीन संगीत-ग्रन्थों का तुलनात्मक वर्णन तथा “राग-रागिनी”-पद्धति की सर्वमान्य व्यवस्था का पूर्ण विवरण उदाहरण सहित दिया गया है।

अन्तिम अध्याय में पूर्व और वर्तमान समय की प्रचलित रचनाओं जैसे—ध्रुवपद, धमार, होरी, ख्याल, ठुमरी, टप्पा, गजल, त्रिवट, चतुरंग, तराना, लक्ष्यसंगीत, स्वरमालिका और भजनादि का दुर्लभ वर्णन प्रस्तुत किया गया है। इस प्रकार भारतीय संगीत का यह एक प्रामाणिक इतिहास ही निर्मित है। ६-००

(जडावकुँवर राष्ट्रभाषा ग्रन्थमाला १८)

छात्रोपयोगी सर्वोत्तम निबन्ध ग्रन्थ—

चौखम्भा नवीन हिन्दी निबन्ध

निबन्धकार—डॉ० राजकिशोर त्रिपाठी, अरुणकुमार त्रिपाठी

नवीनतम वैज्ञानिक उपलब्धियों आर्थिक, सामाजिक एवं राजनीतिक नीति-रीतियों तथा साहित्यिक युग-प्रवृत्तियों से सम्बद्ध निबन्धों को सुललित शैली एवं कलात्मक भाषा बन्धों के माध्यम से प्रवाहपूर्ण रुचिकर रूप में प्रस्तुत करने वाली अपूर्व निबन्ध पुस्तक।

इस पुस्तक में दिये गये अधिकांश निबन्ध ऐसे हैं जो अत्यन्त उपयोगी तथा अपेक्षित होते हुए भी अन्यत्र सर्वथा अनुपलब्ध हैं। मूल्य १०-००

रीतिकालीन काव्यशास्त्र और पदुमनदास

लेखक—डॉ० कुवेर राय

प्रस्तुत शोधपूर्ण ग्रन्थ में सर्व प्रथम लक्षण ग्रन्थों की परम्परा और उनके उद्गम के सन्दर्भ में रीतिकालीन लक्षण-ग्रन्थकारों को विविध वर्गों में वर्गीकृत करते हुए पदुमनदास की क्रांति का निर्धारण किया गया है। इसके बाद उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व की संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत की गई है। रीतिकालीन आचार्यों में कवि एवं आचार्यों के उभयात्मक व्यक्तित्व का दर्शन होता है। इनमें भी पदुमनदास का कविरूप कितना अधिक सबल है यह रोचक शैली में दिया गया है।

डॉ० राय ने प्रस्तुत पुस्तक में निष्पक्ष रूप से अपने विचारों को प्रस्तुत किया है। हिन्दी साहित्य के मध्यकालीन काव्यधारा में यह अनुपम काव्य रत्न है। हिन्दी साहित्य-सागर से अनुपलब्ध अनमोल रत्न को ढूँढकर प्रस्तुत ग्रन्थ में मजाया गया है जो प्रत्येक साहित्य मर्मज्ञ के हृदय से स्वीकार करने योग्य है। मध्यकालीन काव्य-सम्पदा से हम कितने कोरे हैं, इसका परिचय प्राप्त करने में यह पुस्तक मील का पत्थर है, हिन्दी के शोधकर्तार्यों के लिए पथ-प्रदर्शक है।

मूल्य ३५-००

(जडावकुँवर राष्ट्रभाषा ग्रन्थमाला ३)

महुआ के फूल

डॉ० सुरेन्द्रनाथ मिश्र

‘महुआ के फूल’ यह प्रसिद्ध कहानियों का संग्रह ग्रन्थ है जिसमें विविध शैलियों पर आधारित सोलह कहानियाँ संगृहीत की गयी हैं। इन कहानियों से स्वाधीनतन्त्र काल के परिवेश की झलक मिलती है। कहानियों का वातावरण शहरी और ग्रामीण दोनों के परिवेश पर आधारित है। गद्य लेखन में मिश्र जी की विशिष्ट शैली अपना स्वतन्त्र अस्तित्व रखती है। आपकी अनेक कहानियाँ पुरस्कृत भी हो चुकी हैं। डॉ० विद्यानिवास मिश्र ने पुस्तक की भूमिका में कहानियों की उत्कृष्टता एवं पठनीयता पर अपना पूर्ण विश्वास प्रकट किया है।

मूल्य ४-००

(जयकृष्णदास आयुर्वेद ग्रन्थमाला २१)

अष्टाङ्गसंग्रह (शारीरस्थान)

श्रीमद्वाग्भटाचार्य कृत-

'सुबोधिनी' हिन्दी व्याख्या—विमर्श टिप्पणी सहित

व्याख्याकार—पक्षधर झा

संपादक

आचार्य प्रियव्रत शर्मा

अष्टाङ्गसंग्रह वृद्ध वाग्भट की उत्कृष्ट रचना है। इस क्रान्तिकारी रचना के कारण ही वाग्भट बृहत्त्रयी में स्थान पाए और उनकी प्रस्तुत रचना को बहुत आदर मिला। मात्र इसी ग्रन्थ के अध्ययन से आयुर्वेद के सभी अंगों तथा उपांगों से, निदान और चिकित्सा से परिचय प्राप्त किया जा सकता है। प्रस्तुत सविमर्श हिन्दी व्याख्या दुरूहता को दूर करने में पूर्ण सहयोग देती है। इससे तुलनात्मक दृष्टि मिलती है, रोगों की चिकित्सा में एक स्वस्थ मार्ग उपलब्ध होता है। यह संस्करण शोधपूर्ण शैली में सज्ज हुआ है। मूल्य २०-००

शेषस्थान यन्त्रस्थ

छांगाणी कृत सूत्रस्थान मूल्य ३०-००

(जयकृष्णदास आयुर्वेद ग्रन्थमाला ३०)

कैयदेव-निघण्टुः

(पथ्यापथ्यविबोधकः)

सर्वप्रथम सम्पूर्ण हिन्दी अनुवाद युक्त प्रकाशित

सम्पादक एवं व्याख्याकार लेखक :—

आचार्य प्रियव्रत शर्मा तथा डा० गुरु प्रसाद शर्मा

वैद्य कैयदेव पण्डित द्वारा रचित यह निघण्टु उत्तरमध्यकाल का एक महत्त्वपूर्ण ग्रन्थ है। इसमें औषध, आहार और विहार तीनों के गुणदोषों का विस्तृत विवरण है। अतएव इसका नाम 'पथ्यापथ्यविबोधक' सार्थक है। निघण्टुग्रन्थों में ऐसा सर्वाङ्गव्यापी कोई दूसरा निघण्टु नहीं है। भावप्रकाशनिघण्टु आदि ग्रन्थ इसी पर आधारित हैं। इससे भी इसका महत्त्व बढ़ जाता है।

अनेक पाण्डुलिपियों का तुलनात्मक अध्ययन कर ग्रन्थ का पाठ शुद्ध किया गया है। हिन्दी टीका में विषय का पूरा स्पष्टीकरण किया गया है तथा विमर्श भी किया गया है। औषधियों के लैटिन नाम, वानस्पतिक कुल, हिन्दी नाम भी दिये गये हैं। भूमिका में ग्रन्थ का ऐतिहासिक विवेचन किया गया है।

अद्यावधि यह ग्रन्थ अप्रकाशित था। पाँच दशक पूर्व इसका केवल एक औषधिबर्ग प्रकाश में आया था। सम्पूर्ण ग्रन्थ शुद्ध रूप में हिन्दी टीका के साथ पहली बार प्रकाशित हो रहा है। मूल्य ५०-००

(जयकृष्णदास आयुर्वेद ग्रन्थमाला १६)

(भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद् द्वारा पाठ्यक्रम में स्वीकृत)

प्रारंभिक वनस्पति-विज्ञान (सचित्र)

(Elementary Botany)

डॉ० कैलाश चन्द्र मिश्र एवं डॉ० हरेन्द्र नाथ पाण्डेय

प्रागयुर्वेद परीक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम पर आधारित इस पुस्तक की विषय-वस्तु चार भागों में वर्णित है। पुष्पोद्भिदों के विभिन्न अंशों यथा मूल, काण्ड, पर्ण, पुष्प फल एवं बीज का सरल एवं सचित्र वर्णन आकारिकी के अन्तर्गत किया गया है। भाग-२ देह व्यापारिकी (कार्यकी) में बीज अद्गुण, जल अवशोषण एवं रसारोहण, वास्योन्मन, प्रकाशसंश्लेषण, श्वसन और वृद्धि जैसी महत्वपूर्ण शारीरिक क्रियाओं का संक्षिप्त विवरण दिया गया है। पौधों का वातावरण से संबंध, उन पर वातावरण के घटकों का प्रभाव, अनुकूलन इत्यादि महत्वपूर्ण विषयों को पारिस्थितिकी के अन्तर्गत वर्णित किया गया है। चौथे भाग में पादप वर्गों के प्रमुख लक्षण एवं उनके औषधीय महत्व के पौधों का विवरण है।

पौधों के संस्कृत एवं हिन्दी नामों के साथ उनका अन्तर्राष्ट्रीय मान्य वानस्पतिक नाम भी दिया गया है जो उनकी सही पहचान में सहायक होगा। १५-००

(जयकृष्णदास आयुर्वेद ग्रन्थमाला २०)

अष्टाङ्गहृदयम् (सूत्रस्थान)

अरुणदत्तकृता सर्वाङ्गसुन्दरा-विद्योतिनीव्याख्याद्वयसहितम्

संपादक—आचार्य प्रियव्रत शर्मा

संप्रति प्राचीन आर्य ग्रन्थों की संस्कृत टीकायें दुर्लभ होती जा रही हैं जब कि संहिताओं के सम्यक् एवं गभीर ज्ञान के लिए इन टीकाओं का अध्ययन-मनन अत्यावश्यक है। साथ-साथ हिन्दी टीका भी हो तो वह सोने में सुहागा का काम करेगा। अतएव हमने यह निश्चय किया है कि संहिताओं के ऐसे संस्करण प्रकाशित किये जायें। इसी शृङ्खला में अष्टाङ्गहृदय का यह अत्यभिनव संस्करण प्रकाशित किया गया है जिसमें अरुणदत्त की प्रख्यात संस्कृत टीका 'सर्वाङ्गसुन्दरा' तथा श्री अत्रिदेव विद्यालङ्कार कृत 'विद्योतिनी' हिन्दी टीका दी गई है। टीकाओं के बाद हिन्दी में विषय का 'विमर्श' भी दिया गया है।

आचार्य प्रियव्रत शर्मा जी ने इसे आद्योपान्त सशोधित एवं परिष्कृत किया है। पाठ की अशुद्धियाँ भी दूर कर दी गई हैं।

इस प्रकार अष्टाङ्गहृदय का यह संस्करण नितान्त शुद्ध, मौलिक एवं संप्रहणीय है।

(शेष स्थान यंत्रस्थ) मूल्य २५-००

(जयकृष्णदास आयुर्वेद ग्रन्थमाला १७)
(सेन्ट्रल कौंसिल आफ इण्डियन मेडिसिन द्वारा पाठ्यक्रम में स्वीकृत)

शालाक्य विज्ञान (सचित्र)

(A comparative, detailed, methodical and up-to-date study of the diseases of the eye, ear, nose, throat and head based both on Ayurvedic and modern medical text-books)

डॉ० आर० सी० चौधुरी

बी० ए०, बी० आई० एम्. एस्, भिषगप्रज्ञ, काव्यतीर्थ,
यु० जी० सी० अध्यापक, भूतपूर्व रीडर,

चिकित्सा-विज्ञान संस्थान, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय

प्रस्तुत कृति में शालाक्य-विज्ञान के क्रम-विकास के विषय में विशद आलोचना की गयी है। शालाक्य तन्त्र में नेत्र-रोगों का विशेष प्राधान्य होने के कारण नेत्र रोग विज्ञान का विस्तृत रूप से विवेचन किया गया है। इसके अतिरिक्त कर्ण, नासा, मुख तथा शिरोरोगों का भी पूर्ण विवेचन किया गया है। नेत्र, कान आदि प्रत्येक इन्द्रिय तथा उसके अधिष्ठान का आधुनिक तथा प्राचीन-दोनों दृष्टिकोणों से शरीर-रचना और शरीर क्रिया विज्ञान का तुलनात्मक विमर्श किया गया है। इन प्रत्यङ्गों के रोगों का श्रेणी विभाग, निदान, सम्प्राप्ति, विकृतिविज्ञान, रूप, रोग-विनिश्चय, साध्यासाध्यता और चिकित्सा का आयुर्वेदीय तथा आधुनिक दृष्टि से वर्णन करने का भी प्रयास किया गया है। आधुनिक प्रचलित अनेक रोगों का शास्त्रोक्त रोगों से समन्वय करने का भरपूर प्रयत्न किया गया है।

निदान तथा चिकित्सा-दोनों परिस्थितियों में विद्यार्थी, अध्यापक तथा चिकित्सक-सबके लिये अतीव उपयोगी ग्रन्थ है। इसमें सैद्धान्तिक तथा व्यवहारिक-दोनों दृष्टिकोणों से विचार किया गया है। रोग निर्णयार्थ सहज और मूल्यवान् तथ्य तथा चिकित्सार्थ नवीनतम, परीक्षित और शास्त्रवर्णित योग और उपयोगों का समावेश है।

मूल्य ३०-००

(जयकृष्णदास आयुर्वेद ग्रन्थमाला ४)

सन्तति-निग्रह (गर्भ-निरोध)

(Method of Preventing undesired Conception)

लेखक—डॉ० शिवदयाल गुप्त

एक सर्वमान्य सिद्धान्त है कि परिवार में जितने ही कम बच्चे होंगे उतनी ही अधिक अच्छाई के साथ उनका लालन-पालन तथा उनकी शिक्षा-दीक्षा का प्रबन्ध हो सकेगा। इसलिए प्रस्तुत पुस्तक में सन्तति निग्रह के सभी नवीनतम साधनों पर प्रकाश डाला गया है। आवश्यक चित्र देकर भी विषय का प्रतिपादन है ताकि विषय पूर्णतः स्पष्ट हो जाय। सारी पुस्तक सरल भाषा में सुरुचिपूर्ण शैली में लिखी गई है जिसे सर्व साधारण आसानी से समझ सकें।

मूल्य २-००

विधि-वैद्यक (व्यवहारायुर्वेद विज्ञान)

(Medical Jurisprudence)

लेखक :—डॉ० शिवनाथ खन्ना तथा डॉ० इन्द्रदेव त्रिपाठी

भूमिका लेखक तथा सम्पादक—आचार्य प्रियव्रत शर्मा

चिकित्सक, न्यायाधीश, वकील तथा जनसाधारण के लिए चिकित्सा विधिशास्त्र का कानूनी महत्व बढ़ता जा रहा है क्योंकि दिनोंदिन हत्या, आत्महत्या, मारपीट, बलात्कार, गर्भपात, आत्मदाह, विषप्रयोग, जलीय हत्या की दुर्घटनाएँ बढ़ती जा रही हैं। चिकित्सक इनका तथ्यात्मक निरूपण करता है तथा अपराध के निर्णय में प्रभावशाली योग देता है। इसलिए चिकित्साशास्त्र में न्याय से सम्बन्धित इस त्रिशिष्ट शाखा का विकास हुआ है जिसे मेडिकल जुरिसप्रूडेंस या फोरेंसिक मेडिसिन कहते हैं। इसे भारतीय चिकित्सा परिषद् के पाठ्यक्रम में स्थान प्राप्त है। परन्तु विहित विषय अनेक स्थलों पर विकीर्ण होने के कारण छात्रों को अध्ययन में असुविधा होती थी। उन्हें पाठ्यक्रम के अनुसार एकत्र कर प्रस्तुत किया गया है।

विषय-वैविध्य को देखते हुए ग्रंथ १८ अध्यायों में विभाजित है जिसमें न्यायालय की कार्यविधि, मनुष्य की आयु तथा लिंग की पहचान, हड्डियों के अध्ययन से मनुष्य की पहचान, आयु का वैधानिक महत्व, बलात्कार, अवैधानिक गर्भपात, मृत्यु का प्रमाण, मृत्यु का कारण, मरणोपरान्त अवस्थानुसार पेशियों में परिवर्तन, शव का सड़ना, साबुनीकरण, शव का सूखना, फॉसी द्वारा आत्मघात व हत्या में अन्तर, फॉसी तथा गला घोटने में अन्तर, उपवास से मृत्यु, शीत या गर्मी से मृत्यु, घाव, त्वचा के घिसने का वैधानिक महत्व, जलना, दग्धव्रण, तरल पदार्थ से जलना, जले मनुष्य की शव परीक्षा, चोट लगे मनुष्य की परीक्षा, निरपराध मनुष्य को फंसाने के लिए अपने ऊपर घाव बनाना, मृत्यु से पहले या बाद में बने घाव में अन्तर, यौन सम्बन्धी अपराध, बलात्कार के प्रमाण, योनि की परीक्षा, योनि की कला, बलात्कार का वैधानिक महत्व, नपुंसकता या बन्ध्यापन, कौमार्य, कौमार्य तथा संभोग की हुई स्त्री में अन्तर, गर्भावस्था के लक्षण, गर्भपात, अवैधानिक गर्भपात का प्रमाण, अवैधानिक गर्भपात की विधियाँ, नवजात शिशु की हत्या, उन्माद, तथा वैकृतिक परीक्षाओं को वैज्ञानिक ढंग से लिखा गया है। साथ ही चिकित्सा सम्बन्धी कानून तथा मेडिकल पीनल एक्ट की चिकित्सक विषयक धाराओं का संग्रह है।

मूल्य १२-००

(जंबकृष्णदास आयुर्वेद ग्रन्थमाला १५)

(केन्द्रीय भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा पाठ्यक्रम में स्वीकृत)

(सचित्र)

प्रारम्भिक रसशास्त्र

(Elementary Rasasāstra)

(संशोधित-परिवर्द्धित द्वितीय संस्करण)

लेखक

श्री सिद्धिनन्दन मिश्र

जी० ए० एम्० एस्० एच्० पी० ए०, साहित्याचार्य

रीडर एवं विभागाध्यक्ष,

आयुर्वेद महाविद्यालय

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी ।

यह ग्रन्थ “भारतीय चिकित्सा परिषद्” द्वारा प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अनुसार प्राणायुर्वेद परीक्षा के लिए निर्धारित प्रारम्भिक रसशास्त्र पर लिखा गया है । इसमें महारस, रस, उपरस, धातु और रत्नोपरत्नों के साथ mercury का भी संन्यक् वर्णन किया गया है । इसमें प्रारम्भिक रसायन (organic and inorganic chemistry) का भी सामान्य रूप से परिचय दिया गया है । इस पुस्तक में रासायनिक परिवर्तन, संयोगवियोग द्रव्यों का भेद, धातूपधातु आदि का स्पष्ट रूप से वर्णन किया गया है । साथ ही भैषज्य कल्पना के लिए पञ्चविध कषाय, मान, तुलादिकों का भी सामान्य परिचय दिया गया है । एतद्विषयक यह अभिनव एवं प्रथम ग्रन्थ प्रारम्भिक रसशास्त्र के लिए छात्रों एवं अध्यापकों का उचित मार्गदर्शन करेगा । इस ग्रन्थ के लेखक रसशास्त्र के अधिकारी एवं अच्युतवी विद्वान् प्राध्यापक हैं । नवीन संशोधित द्वितीय संस्करण मूल्य २०-००

(प्रकीर्ण ग्रन्थमाला ९)

मानव शरीर दीपिका

(A Manual of Hygiene and Physiology)

लेखक—डॉ० मुकुन्द स्वरूप वर्मा

चिकित्सा विज्ञान (मेडिसिन) की एक मानक पुस्तिका के रूप में निर्मित है । पुस्तक दो खण्डों में है जिसके अन्तर्गत सोलह परिच्छेद हैं । पुस्तिका के अन्तर्गत शरीर-रचना (Anatomy), शरीर-क्रिया (Physiology) और स्वास्थ्य विज्ञान (Hygiene) ये सभी विषय संक्षिप्त रूप में आ गए हैं । माध्यमिक कक्षाओं तक की शिक्षा के लिए यह पुस्तक उपादेय है । मूल्य २५-००

(जयकृष्णदास आयुर्वेद ग्रन्थमाला १)

(सेन्ट्रल कौंसिल आफ हर्गिडयन मेडिसिन द्वारा पाठ्यक्रम में स्वीकृत)

आयुर्वेदीय इतिहास के क्षेत्र में अपूर्व अवदान

आयुर्वेद का वैज्ञानिक इतिहास (सचित्र)

(Scientific History of Ayurveda)

लेखक—आचार्य प्रियव्रत शर्मा

वरिष्ठ प्राध्यापक एवं अध्यक्ष, द्रव्यगुणविभाग,

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी

अध्यक्ष, चिकित्सा इतिहास परिषद्,

प्राक्कथन लेखक—माननीय श्री कर्णसिंह

भूतपूर्व स्वास्थ्य एव परिवार नियोजन मन्त्री, भारत

प्रस्तुत ग्रन्थ के अनादि आयुर्वेद से सार्वभौम आयुर्वेद तक नौ अध्यायों में प्राचीनतम से लेकर अद्यतन तथ्यों को ऐसे शृङ्खलाबद्ध रूप में व्यवस्थित किया गया है कि आयुर्वेद का समस्त इतिहास सजीव रूप में चित्रित हो उठता है। विषयक्रम से विभाजित होने के कारण प्रत्येक विषय के विकासक्रम का समस्त परिचय सरलता से प्राप्त हो जाता है। इसमें रचनाओं का अन्तरंग अध्ययन कर बाह्य एव आभ्यन्तर साक्ष्यों के आधार पर वैज्ञानिक रीति से काल का निर्णय किया गया है। इस प्रसंग में अनेक ऐसी मौलिक उद्भावनायें की गई हैं जो अब तक अज्ञातप्राय थी। कृतियों एव व्यक्तियों के अतिरिक्त, कायचिकित्सा-प्रकरण में रोगों का तथा द्रव्यगुण प्रकरण में औषध एवं आहार द्रव्यों का भी इतिहास प्रस्तुत किया गया है। जो अबतक किसी ऐसे ग्रन्थ में नहीं मिलता। इस प्रकार नितान्त नूतन शैली पर निर्मित यह एक युगप्रवर्तक रचना है जो अध्यापकों, छात्रों तथा शोधकर्त्ताओं के लिए अनिवार्य रूप से अपेक्षित है। संशोधित तथा परिवर्धित

द्वितीय संस्करण मूल्य ४०-००

(जयकृष्णदास आयुर्वेद ग्रन्थमाला ६)

समाज चिकित्साशास्त्र एवं स्वस्थवृत्त

(Social & Preventive Medicine)

डा० शिवनाथ खन्ना

इसग्रन्थ में समाज से संबंधित सब विषयों को ७ खण्डों में विभाजित किया गया है यथा चिकित्सा विज्ञान का इतिहास, औद्योगिक स्वास्थ्य, व्यक्तिगत स्वास्थ्य, आहार, मलमूत्र का निस्तारण, जल तथा वायु का महत्व। इस रूप में इतना विस्तारपूर्वक बर्णन अभी तक हिन्दी की किसी पुस्तक में देखा नहीं गया है। समाजशास्त्र के विशारदी तथा अध्यापक, डाक्टर, स्वास्थ्य-अधिकारी आदि के लिये यह पुस्तक विशेष रूप में लाभकारी है।

मूल्य ३५-००

(जयकृष्णदास आयुर्वेद ग्रन्थमाला ७)

आयुर्वेद प्रवर्तक देवता

(An Authentic History of Founder Gods of Āyurveda)

लेखक—श्री रघुवीर शरण शर्मा वैद्य

इस छोटी सी पुस्तक के माध्यम से आयुर्वेद के विकास में देवताओं के अनुपम योगदान की कड़ानी सुन्दर, सरस शैली में प्रस्तुत की गयी है। प्रस्तुत पुस्तक में स्पष्ट रूप से समझाया गया है कि सोम औषधि क्या है? इसी प्रकार इन्द्रादि देवताओं से आयुर्वेद की शिक्षा का प्रसार भारतीय ऋषियों के बीच में किस रूप से हुआ इत्यादि बातों का विवरण प्राचीन ग्रन्थों के आधार पर किया गया है। इस में अनेक बहुमूल्य ज्ञातव्य जड़ी-बूटियों का भी उल्लेख किया गया है।

मूल्य १२-००

(जयकृष्णदास आयुर्वेद ग्रन्थमाला २६)

मुख-कण्ठ चिकित्सा विज्ञान (सचित्र)

लेखक—डा० रवीन्द्र चन्द्र चौधुरी

रोग जब गला पकड़ते हैं तो पोषण पदार्थों का ग्रहण और वाक्यव्यवहार दुष्कर होता है। आयुर्वेद में इस विषय का साहित्य वैज्ञानिक दृष्टि से एक स्थान पर क्रमबद्ध नहीं है। लेखक ने अथक श्रम करके न केवल आयुर्वेद की सामग्री का सङ्कलन किया है बल्कि आधुनिक आयुर्विज्ञान के साथ उसका तुलनात्मक अध्ययन किया है। गले की शरीर रचना, रोग लक्षण, निदान तथा चिकित्सा का दोनों दृष्टियों से साङ्गोपाङ्ग वर्णन किया है। ग्रन्थ छात्रोपयोगी होने के साथ-साथ विशेषज्ञों का ध्यान आकर्षिक करने की सामग्री से भरपूर है।

(जयकृष्णदास आयुर्वेद ग्रन्थमाला २७)

कर्ण चिकित्सा विज्ञान (सचित्र)

लेखक—डा० रवीन्द्रचन्द्र चौधुरी

आयुर्वेद के ग्रन्थों को सामान्यतया आष्टाङ्गिक ग्रन्थ कहते हैं। उनकी विषय विवेचन की वैज्ञानिक प्रणाली आज से कुछ पृथक् थी। उनमें प्रत्येक अंग के रोगों के लक्षण, निदान तथा चिकित्सा का वर्णन आज की तरह पृथक् पृथक् नहीं पाया जाता है। इसलिए छात्रों को सामग्री सङ्कलन तथा विषयबोध में पर्याप्त असुविधा होती थी। साथ ही आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के अध्येता से तुलनात्मक ज्ञान की आशा की जाती है। इन दोनों दृष्टियों से ग्रन्थ का प्रतिपादन और प्रकाशन अत्यन्त सामयिक तथा उपयोगी है।

मूल्य १०-००

(जयकृष्णदास आयुर्वेद ग्रन्थमाला ८)

अपूर्व छात्रोपयोगी प्रकाशन आयुर्वेद का वैज्ञानिक इतिहास (सचित्र)

(संक्षिप्त संस्करण)

(Scientific History of Ayurveda)

(Abridged Edition)

रचयिता

आचार्य प्रियव्रत शर्मा

आयुर्वेद का इतिहास अभी तक एक दुर्भेद्य किले की तरह अगम्य था किन्तु गत वर्ष आयुर्वेद का वैज्ञानिक इतिहास प्रकाशित होने पर उसमें प्रवेश का एक सरल अलौकिक मार्ग बन गया फिर भी छात्रों के लिए सीमित समय में ऐसे विशाल विषय का आकलन एक समस्या बनी रही। फिर आर्थिक प्रश्न भी था। अतः कम कीमत में अधिकाधिक छात्रों के हाथों में पहुँचाने के उद्देश्य से यह सचित्र संक्षिप्त संस्करण प्रकाशित किया गया है। साथ-साथ यह भी ध्यान रखा गया है कि मूल संस्करण की कोई आवश्यक बात छूटने न पावे। इस प्रकार यह आयुर्वेदीय इतिहास का छात्रोपयोगी प्रथम ग्रन्थ है। सभी छात्रों एवं जिज्ञासुओं के लिए संग्रहणीय है।

मूल्य १५-००

(जयकृष्णदास आयुर्वेद ग्रन्थमाला १२)

आचार्य प्रियव्रत शर्मा : रचनावलि

(List of Works by Prof. Priyavrat Sharma)

सम्पादक — डॉ० गुरुप्रसाद शर्मा

(१९४१-१९७६)

आचार्य प्रियव्रत शर्मा ने विगत ३५ वर्षों में न केवल उत्तमोत्तम मौलिक ग्रन्थों का प्रणयन किया अपितु आयुर्वेद के अनेक पक्षों पर लगभग ३०० मौलिक लेखों की रचना की है। प्रस्तुत पुस्तक में इन समस्त कृतियों की सूची सङ्कलित की गई है। जिससे आयुर्वेद के सामाजिक, ऐतिहासिक, शासकीय, वैज्ञानिक एवं शास्त्रीय पक्षों पर प्रकाश पड़ता है। आयुर्वेद के क्षेत्र में कार्य करने वाले अध्येताओं एवं शोधकों के लिए इसमें महत्त्वपूर्ण सामग्री उपलब्ध होगी। २-००

(जयकृष्णदास आयुर्वेद ग्रन्थमाला ९)

आयुर्वेदीय अनुसन्धान-पद्धति

(Methodology of Research in Ayurveda)

लेखक—आचार्य प्रियव्रत शर्मा

वरिष्ठ प्राध्यापक एवं अध्यक्ष, द्रव्यगुणविभाग,

भूतपूर्व निदेशक, ज्ञातकोत्तर आयुर्वेद संस्थान,

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी

यह अनुसन्धान का युग है। सर्वत्र अनुसन्धान की चर्चा हो रही है। अनुसन्धान की आयुर्वेदीय पद्धति क्या है और क्या होनी चाहिए, इस पर भी टीका-टिप्पणी होती रहती है। केन्द्रीय भारतीय चिकित्सा-परिषद् ने भी ज्ञातकोत्तर पाठ्यक्रम में ऐसा विषय निर्धारित किया है। किन्तु अभी तक इस पर प्रकाश डालने वाला कोई ग्रन्थ नहीं था। इस अभाव की पूर्ति के लिए आयुर्वेदीय शिक्षण एवं अनुसन्धान क्षेत्र के मूर्धन्य आचार्य शर्माजी ने यह ग्रन्थ प्रस्तुत किया है। इसमें आयुर्वेद की वैज्ञानिकता, प्रमाणपूर्वक परीक्षाशैली आदि विषयों के साथ-साथ अनुसन्धान की प्राचीन एवं आधुनिक विधियाँ तथा उनमें काम आनेवाले यन्त्रों तथा उपकरणों का भी सचित्र विवरण दिया गया है। दो दर्जन से अधिक चित्र हैं। आयुर्वेदीय क्षेत्र में कार्य करने वाले छात्रों, अध्यापकों तथा शोधकर्त्ताओं के लिए यह ग्रन्थ अतीव उपयोगी एवं संग्रहणीय है। मूल्य २०-००

(जयकृष्णदास आयुर्वेद ग्रन्थमाला १४)

अभिधानरत्नमाला

(षड्रसनिघण्टुः)

सम्पादक—आचार्य प्रियव्रत शर्मा

अनामा लेखक द्वारा रचित अभिधानरत्नमाला चरकोक्त रसस्कन्ध के क्रम पर आधारित निघण्टुग्रन्थ है। अतएव यह षड्रसनिघण्टु के नाम से प्रचलित है। यद्यपि दक्षिण भारत में यह अपेक्षाकृत अधिक ज्ञात है, उत्तर भारत में इसे कम ही लोग जानते हैं। इसका महत्त्व इसी से अँका जा सकता है कि संस्कृत साहित्य के मूर्धन्य व्याख्याकार मल्लिनाथ ने इसे बहुशः उद्धृत किया है। पाठशुद्धि के साथ सुसंपादित होकर यह पहली बार प्रकाशित हो रहा है।

इसका हिन्दी अनुवाद भी शीघ्र प्रकाशित होगा।

मूल्य १५-००

पदार्थ-विनिश्चय

(A Book on the qualitative Analysis of Simple Salts)

लेखक—आयुर्वेदाचार्य दत्तात्रेय अनन्त कुलकर्णी, एम० एस०सी०

पदार्थ विज्ञान आयुर्वेद शास्त्र का महत्त्वपूर्ण अङ्ग है। रासायनिक औषधियों के निर्माण में इसका पर्याप्त ज्ञान होना अनिवार्य है। इस पुस्तिका में मुख्य रूप से रासायनिक दृष्टि से पदार्थ किस जाति का है और किन-किन तत्वों के योग से वह पदार्थ बना है इसी का निश्चय किया गया है। जैसे आक्साइड, कार्बोनेट, नैट्रेट और सल्फेट का निश्चय करने की विधियों का वर्णन किया गया है। अर्थात् चाँदी, सीसा, पारद, ताम्र से लेकर अमोनियम तक के धातुओं का नामकरण करते हुए सही परिचय दिया गया है। अतः इससे आयुर्वेदिक रासायनिक औषधियों के बनाने वाले वैद्यबन्धु अमूल्य लाभ प्राप्त कर सकते हैं। इस पुस्तक में शुष्क परीक्षणों विस्तारपूर्वक दी गई हैं। इसमें आयुर्वेदिक छात्रों के लिए आवश्यक सभी विषयों का विवेचन बड़ी सुन्दर शैली में और संक्षेप में किया गया है अतः उपादेय है।

मूल्य २-००

(जयकृष्णदास आयुर्वेद ग्रन्थमाला २)

नाडी-विज्ञानम्

(Science of Pulse)

महर्षिकणाद कृतं, 'विद्योतिनी' भाषा टीका समुपेतम्,

व्याख्याकार—डॉ० इन्द्रदेव त्रिपाठी

नाडी-विज्ञान का स्रोत आयुर्वेद है और अति प्राचीन है। आयुर्वेद का विशेष अधिकारी वैद्य नाडी से वात, पित्त, कफ, द्रव्य तथा सन्निपात के रोगों; उनकी साध्यता-असाध्यता विशेषतः मृत्यु काल का अच्छी तरह पता लगा लेता है और तदनुसृत चिकित्सा करके अक्षय सुयश का भागी बनता है। ऐसी अनमोल नाडी विद्या की जानकारी देनेवाली यह 'नाडी विज्ञानम्' पुस्तक है। सहज बोध हिन्दी व्याख्या में मूल संस्कृत का सम्पूर्ण भाव सुरक्षित है। वैद्यों तथा डाक्टरों के लिए तो यह उपयोगी है ही गृहस्थों के लिए भी उपयोगी है।

मूल्य १-२५

(जयकृष्णदास आयुर्वेद ग्रन्थमाला ३)

नाडी-परीक्षा

रावणकृता, 'वैद्यप्रभा' भाषा टीका समुपेता,

व्याख्याकार—डॉ० इन्द्रदेव त्रिपाठी

वैद्य समाज में नाडी-परीक्षा का प्रचलन प्राचीन काल से है। इसके माध्यम से चिकित्सा में विशेष सुविधा होती है। इसी शृङ्खला में यह पुस्तक योगदान देती है। इस पुस्तक में नाडी की गति के द्वारा शरीर-सम्बन्धी सभी रोगों का ज्ञान कराने का प्रयत्न किया गया है। मूल संस्कृत की व्याख्या हिन्दी में स्पष्ट रीति में समझाई गई है जो सबके लिए उपयोगी है।

मूल्य १-२५

(जयकृष्णदास आयुर्वेद ग्रन्थमाला ११)

योगरत्नमाला (नागार्जुनकृत)

श्वेताम्बर भिक्षुगुणाकरकृत विवृति सहित

सम्पादक—आचार्य प्रियव्रत शर्मा

अध्यक्ष, द्रव्यगुण विज्ञान, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय

आचार्य नागार्जुन, तन्त्र तथा आयुर्वेदीय रसशास्त्र में प्रमुख स्थान रखते हैं। इनकी कोई प्रामाणिक रचना अभी तक प्रकाश में नहीं आयी थी। गुणाकरकृत विवृति के साथ प्रथम बार यह प्रकाशन हो रहा है। गुणाकर ने अपनी विवृति का काल भी दिया है। इस प्रकार मूल ग्रन्थ तथा टीका दोनों ऐतिहासिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण हैं।

विद्वान् सम्पादक ने भूमिका में नागार्जुन के सम्बन्ध में विस्तृत ऐतिहासिक विवेचन भी किया है।

इस ग्रन्थ में गर्भ निरोध आदि के अनेक परीक्षित योग दिये गये हैं जिनके कारण इसका आज के युग में व्यावहारिक महत्त्व भी है। मूल्य १०-००

(जयकृष्णदास आयुर्वेद ग्रन्थमाला २५)

नासा चिकित्सा विज्ञान (सचित्र)

लेखक—डा० रवीन्द्रचन्द्र चौधुरी

ग्रन्थ में लेखक ने नासा से सम्बन्धित गुण, कार्य, आध्यात्मिक, आधिभौतिक तथा आधिदैविक विवेचन किया है। इसके पूर्व किसी शालाक्य विद् ने नासा का सम्यक् ज्ञान देने का प्रयास नहीं किया है। इसलिए यह उपक्रम नवीन तथा छात्र-शिक्षक सबके लिए लाभप्रद है।

पूरा ग्रन्थ दस अध्यायों में विभक्त है जिनमें नासा शारीर, नासारोगी परीक्षा विधि, आयुर्वेदीय नासा शारीर, साधारण नासा रोग लक्षण, नासारोग, प्रतिश्याय, पूतिनास या पूतिनस्य, नस्यकर्म, साइनासाइटिस आदि का आयुर्वेद तथा आयुर्विज्ञान की दृष्टि से शारीर लक्षण, निदान, चिकित्सा का तुलनात्मक अध्ययन किया गया है। चित्रों के माध्यम से विषय को सुबोध एवं गोचर बना दिया गया है। मूल्य ८-००

(जयकृष्णदास आयुर्वेद ग्रन्थमाला १३)

कुमार-तन्त्र-समुच्चय (कौमारभृत्यम्) (सचित्र)

(An illustrated treatise on care and diseases of children in Ayurveda)

लेखक—श्री रमानाथ द्विवेदी एवं श्री अशोक कुमार वर्मा

अष्टाङ्ग आयुर्वेद के अन्यतम अङ्गों में से 'कौमारभृत्यतन्त्र' एक अङ्ग है। इसी का अपर पर्याय 'बालचिकित्सा' है। इस ग्रन्थ में सोलह वर्ष की आयु वाले बालक-बालिकाओं के रोगों के शमन के उपचार समाविष्ट हैं।

कौमारभृत्यतन्त्र के सभी सूत्र मूलतः संस्कृत भाषा में हैं, अतः इन सूत्रों का भाषान्तर हिन्दी में सहज बोध शैली में सम्बद्ध कर दिया गया है। फिर आयुर्वेद साहित्य के जिन-जिन स्थलों से सूत्रों का सङ्कलन किया गया है, उनके सन्दर्भ स्थलों का निर्देश भी भलीभाँति किया गया है। समुच्चय के अन्तिम प्रकरण के रूप में बाल-भेषज-संग्रह नामक प्रकरण निबद्ध है।

इस प्रकार यह पुस्तक बालक की स्वास्थ्य परिचर्या, पोषण, रक्षण, रोग और उसकी चिकित्सा सम्बन्धी सभी ज्ञातव्य विषयों से सुसज्जित होकर प्राचीन कौमारतन्त्र की एक 'क्लासिकल' रचना के रूप में ग्रथित है। इस पुस्तक के नाम पर अब तक जितने भी संस्करण निकले हैं उनमें यह पुस्तक सर्वोत्कृष्ट है तथा मौलिक है। यह परीक्षोपयोगी, सन्दर्भोपयोगी तथा बालरोग-चिकित्सोपयोगी है।

मूल्य १०-००

(जयकृष्णदास आयुर्वेद ग्रन्थमाला २९)

नेत्र चिकित्सा विज्ञान (सचित्र)

लेखक—डॉ० रवीन्द्रचन्द्र चौधुरी तथा डॉ० श्रीधर पाठक

प्रस्तावना लेखक—डॉ० एच. वी. नेमा

विश्व में नाना प्रकार के नेत्ररोगों की उत्तरोत्तर वृद्धि होती जा रही है। अनेक नेत्ररोग इतने गम्भीर और उपद्रवी होते हैं कि वे रोगी को दृष्टिविहीन कर देते हैं। अन्धापन ससार की एक विकट समस्या है। अकेले भारत में ७० लाख व्यक्ति दृष्टिहीन और ४ करोड़ ५० लाख व्यक्ति दृष्टिरोगों से पीड़ित हैं। उनका जीवन अभिशाप और असाहाय्य की दुःखद कहानी है। इनमें से ८० प्रतिशत व्यक्तियों को समयानुकूल चिकित्सा तथा अन्य उपायों से दृष्टिहीनता से बचाया जा सकता है।

'भारत सरकार इस और योजनाबद्ध कार्यक्रम आरम्भ कर रही है जिसमें आधुनिक आयुर्विज्ञान, आयुर्वेद आदि चिकित्सा पद्धतियों का सहयोग वाञ्छनीय है।' इस दिशा में डॉ० रवीन्द्रचन्द्र चौधुरी लिखित शालाक्य विज्ञान (नेत्ररोग) का प्रकाशन अत्यन्त सामयिक तथा स्वागत योग्य है। इसमें छात्रों की सुविधा की दृष्टि से नेत्ररोगों का तुलनात्मक विवेचन किया गया है। आरम्भ में शालाक्य तन्त्र का क्रमबद्ध विकास, सुश्रुत के अतिरिक्त अन्य आचार्यों का शालाक्य के उद्घाटन में योगदान तथा चीनी, यहूदी, मिस्री, यूनानी-रोमन चिकित्सा पद्धतियों की वैज्ञानिक समीक्षा की गई है जिससे आयुर्विज्ञान के जिज्ञासु लाभान्वित होंगे। ३०-००

(जयकृष्णदास आयुर्वेद ग्रन्थमाला २४)

चिकित्सकों का कण्ठहार—

मानस मन्दता और चिकित्सक का उत्तरदायित्व

लेखक—डॉ० मुकुन्द स्वरूप वर्मा

आठ परिच्छेदों में विभाजित इस ग्रन्थ में मानस मन्दता की व्याख्या, चिकित्सक का उत्तरदायित्व, मानस मन्दता के कारण, विकृति तथा लक्षण, निदान एवं चिकित्सा का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया गया है। मानस मन्दता और अपस्मार के परस्पर सम्बन्धों की व्याख्या दी गई है तथा अपस्मार के विभिन्न स्वरूपों की चर्चा की गई है। इसी सन्दर्भ में मानस मन्दता तथा अपस्मार से होने वाले बुद्धि-हास के विषय पर क्रमशः प्रकाश डाला गया है। मानस मन्दों की शिक्षा तथा उनके व्यक्तित्व के विकास को विभिन्न रूपरेखा प्रस्तुत है। मानस-शास्त्र के अध्ययताओं के लिए यह ग्रन्थ उपयोगी है। मूल्य ३०-००

(जयकृष्णदास आयुर्वेद ग्रन्थमाला १८)

वैद्यजीवनम्

लोलम्बराज कृतं

हिन्दी व्याख्याकर—डॉ० इन्द्रदेव त्रिपाठी

यह ग्रन्थ वैद्यक काव्यों में सर्वाधिक प्रसिद्ध है। इसमें उत्तम चिकित्सा का विवरण सुन्दर पद्यों में दिया गया है जिससे इसमें मनोहारिता है। हिन्दी व्याख्या में इनका रसास्वादन कराना इस संस्करण का प्रमुख कार्य है। ३-००

(जयकृष्णदास आयुर्वेद ग्रन्थमाला १९)

रतिज रोगशास्त्र

(पुरुष गुप्त रोगों की सफल चिकित्सा)

आयुर्वेद बृहस्पति—पं० शिवकुमारजी शास्त्री

'रतिज रोगशास्त्र' ग्रन्थ में रतिजन्य रोगों के निदान, सम्प्राप्ति, रूप तथा चिकित्सा पर स्पष्ट प्रकाश डाला गया है। इसमें सभी प्रसिद्ध चिकित्सा प्रणालियों के उपादेय प्रासंगिक ज्ञान का सहज बोध्य शैली में संकलन किया गया है। इसमें रतिज रोगों के निदान तथा चिकित्सा की विधियाँ अधिकांशतः बहुविध परोक्षित हैं। अतः अधिक विश्वसनीय हैं।

पुस्तक को अध्यायों में विभाजित करते हुए मुख्यतः तीन भागों में विषयवस्तु का संयोजन किया है। आयुर्वेदिक, एलोपैथिक तथा होमियोपैथिक।

यह ग्रन्थसद्वैद्य की तरह परामर्श देता है तथा जीवन को सुखमय एवं आशापूर्ण बनाने के लिए अचूक विधि प्रस्तुत करता है। कठिन से कठिन रोगों का प्रश्नोत्तर शैली में सुन्दर समाधान दिया गया है। चिकित्सा व्यवसाय में अधिक सुयश अर्जित करने के लिए यह पुस्तक अति लाभकारी है। मूल्य १५-००

(स्त्री गुप्त रोगों की चिकित्सा : प्रेस में)

(जयदृष्णदास आयुर्वेद ग्रन्थमाला २२)

केन्द्रीय भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा पाठ्यक्रम में स्वीकृत

अभिनव कौमारभृत्य

(A Comprehensive and Comparative Treatise on the
Care and Diseases of Children)

आचार्य श्री राधाकृष्ण नाथ

सम्पादक—भूमिका लेखक—डॉ० रमानाथ द्विवेदी

बालरोग का ही दूसरा नाम कौमारभृत्य है। आयुर्वेद में कौमारभृत्य को बहुत महत्त्व दिया गया है। कौमारभृत्य के अन्तर्गत कुमारभरण, धात्रीश्रीरदोष संशोधन, अन्नप्राशन आदि संस्कारों का विधान है। बालरोगों के प्रकरण में बालग्रहों का विस्तार से वर्णन है। कुमारागार का वर्णन चरक संहिता आदि में है।

प्रस्तुत ग्रन्थ का निर्माण आयुर्वेदीय ग्रन्थों में प्रतिपादित कौमारभृत्य सम्बन्धी तथ्यों के आधार पर हुआ है। साथ ही आधुनिक चिकित्सा विज्ञान में प्राप्त नई उपलब्धियों से तुलनात्मक विवेचन भी किया गया है। इस प्रकार गर्भ में बालकों की रक्षा, प्रसवोत्तर संक्रामक रोगों से बालकों की रक्षा, प्रसूतिगृह में परिचारिकाओं के बरतने योग्य नियम, बालकों के पालन पोषण, आहार, बालग्रह बाधाओं आदि का वर्णन सहज सुबोध शैली में राष्ट्रभाषा हिन्दी में दिया गया है। इस सन्दर्भ के पाश्चात्य ग्रन्थों में एवं चिकित्सा-पद्धति में प्राप्त साधन-सामग्रियों तथा रोगों का भी आयुर्वेदीय परिप्रेक्ष्य में समन्वयात्मक दृष्टि से पूर्ण विचार किया गया है। अभिप्राय यह कि इधर बालकों के अनेक रोगों के कारण और चिकित्सा में जो नये-नये शोध हुए हैं तथा उनके लिए जो उपाय काम में लिये जा रहे हैं, उन सबका इस ग्रन्थ में उल्लेख हुआ है। इस ग्रन्थ के लेखक तथा सम्पादक प्राच्य पाश्चात्य चिकित्सा जगत् के अनुभवी परीक्षक हैं अतः ग्रन्थ पूर्ण वैज्ञानिक शैली का अनुगमन करता है। इससे बालरोग विशेषज्ञ को नवीन तथा प्राचीन पद्धतियों का सहज बोध होगा। बालकों की चिकित्सा में कठिनाई दूर करके चिकित्सा का मार्ग सहज बनाना ही इस ग्रन्थ का मूल उद्देश्य है। इसके अतिरिक्त इस विषय पर आज तक जितने अनुसन्धान हुए हैं इसमें अन्य ग्रन्थों की तुलना में विशद समावेश किया गया है। अतः चिकित्सकों तथा छात्रों के लिए समान उपयोगी है।

मूल्य २५-००

प्राच्य-पाश्चात्य साहित्य

व्याकरण-ग्रन्थाः

१ अच्छी हिन्दी । रामचन्द्र वर्मा	७—५०
२ अध्ययनमाला । स० डा० पुष्पेन्द्रकुमार शर्मा-डा० रुद्रदेव त्रिपाठी	१०—००
३ अनुवादकला । चारुदेव शास्त्री	३—५०
४ अनुवाद चन्द्रिका । चक्रधर हंस	५—००
५ नवीन अनुवाद चन्द्रिका । डॉ० रमाकान्त त्रिपाठी	८—५०
६ अनुवाद चन्द्रिका । डा० ब्रह्मानन्द त्रिपाठी	८—००
७ अनुवाद चन्द्रिका । लोकमणि जोशी	३—००
८ अनुवाद रत्नाकर । डॉ० रमाकान्त त्रिपाठी	२०—००
९ अपभ्रंश प्रवेश । डा० विपिनबिहारी त्रिवेदी	६—७५
१० अपभ्रंश व्याकरण । हेमचन्द्र । अनुवादक—शालिग्राम उपाध्याय	१०—००
११ अभिनव निबन्धावली । श्री श्यामलाकान्त वर्मा	१०—००
१२ अभिनव प्राकृत-व्याकरण । डॉ० नेमिचन्द्र शास्त्री	२५—००
१३ अर्थप्रकाशिका । राधारमण पाण्डेय	१५—००
१४ अव्ययार्थ निबन्धनम् ।	१०—००
१५ अष्टाध्यायी (भाष्य) । ब्रह्मदत्त जिज्ञासु कृत हिन्दी टीका । २-३ भाग	३६—००
१६ अष्टाध्यायीशब्दानुक्रमणिका । श्रीधर शास्त्री पाठक	४०—००
*१७ अष्टाध्यायीसूत्रपाठः । पाणिनिमुनि विरचित । लिङ्गानुशासन सहित स० श्री नारायण मिश्र	२—५०
*१८ अष्टाध्यायी सूत्रपाठः । आभा हिन्दी टीका सहित । अनुवादक श्री नारायण मिश्र । पाणिनीय शिक्षा-हिन्दी टीका सहित । गणपाठ- लिङ्गानुशासन सहित	१५—००
१९ आचार्य हेमचन्द्र और उनका शब्दानुशासन : एक अध्ययन । डॉ० नेमिचन्द्र शास्त्री	२०—००
२० आदर्शग्रन्थावरत्नमाला । विश्वनाथ शास्त्री	८—००
*२१ आधुनिक निबन्ध (निबन्ध) । सम्पादक राम अवध शास्त्री	३—००
२२ आशुबोध व्याकरणम् । तारानाथ तर्कवाचस्पति सकलित	१०—००
२३ उणादिकोषः । दयानन्दसरस्वती कृत व्याख्या सहित	७—००
२४ उणादिसूत्रवृत्तिः । उज्ज्वलदत्त विरचित	८—००
२५ उत्तरपक्षावली । सपरिष्कृत	०—५०
२६ उपसर्गवर्ग । महादेव भट्टाचार्य विरचित । स० अमरनाथ पाण्डेय	३—००
२७ उपसर्गवृत्तिः । प्राद्युपसर्गार्थोदाहरणसंग्रह	०—१०
२८ ऋजुपाणिनीयम् । गोपालशास्त्री दर्शनकेशरी	०—७५

२९ कक्षायन व्याकरण । (पालिव्याकरण) हिन्दी टीका सहित	२५—००
३० A Comparative Grammar of the Indo Germanic Languages. By Karl Brugmann. Translated from German by Joseph Wright. Vols. I-V.	500—00
३१ कविकल्पद्रुमः । वीपदेव कृत । गजानन बालकृष्ण पलसुले कृत टीका सहित	६—००
३२ कातन्त्र व्याकरण विमर्शः । डा० जानकी प्रसाद द्विवेद कृत	४०—००
३३ कारकदर्शनम् । हिन्दी व्याख्याकार : डॉ० कलानाथ झा	५—००
३४ कारकसंबन्धोद्योतः । रमसनन्दिप्रणीत	१—३५
३५ काशकृत्स्नधातुव्याख्यानम् । (चन्द्रवीर कविकृत कर्णाटटीकायाः संस्कृत रूपान्तरम्)	८—००
३६ Kasa Kritsna Sabdakalapa Dhatupatha of Cannavira-kavi. Edited by A. N Nara Sinha.	5—00
३७ काशिका का समालोचनात्मक अध्ययन । डा० रघुवीर वेदालङ्कार	७०—००
*३८ काशिकावृत्तिः । पाणिनिविरचितव्याकरणसूत्राणां वृत्तिः वामन-जयादित्यविनिर्मिता । श्रीनारायण मिश्र कृत हिन्दी टीका-सट्टिप्पण विस्तृतभूमिकादि सहित । १-२ भाग	५०—००
प्रथम भाग १-४ अध्याय २५-००, द्वितीय भाग ५-८ अध्याय २५—००	
३९ काशिकावृत्तिः । स० डॉ० आर्येन्द्र शर्मा । १-२ भाग	५५—००
४० काशिकावृत्तिः । काशिका विवरण पञ्चिका, पदमञ्जरी व्याख्या, सपूर्ण	२४०—००
४१ काशिकावृत्ति वैयाकरण सिद्धान्तकौमुद्योः तुलनात्मकमध्ययनम् । डा० महेशदत्त शर्मा	२२—००
४२ कृदन्तरूपमाला । श्री श० राम सुब्रह्मण्य शास्त्री । १-५ भाग	५०—००
४३ कोविदानन्दः । आशाधर भट्ट विरचित । संस्कृत-हिन्दी टीका सहित	१५—००
४४ कोविदानन्दः । आशाधर भट्ट विरचित । स्वोपश कादम्बिनी व्याख्या	१—५०
४५ गणपाठः ।	०—७५
४६ गीताऽभृतम् । गोपाल शास्त्री दर्शनकेसरी	१—५०
४७ गुढाशुद्धि प्रदर्शन व्युत्पत्ति प्रदर्शन । (पण्डित पल्लार) अभिकादत्त व्यास	३—००
४८ गुढाशुद्धिप्रदर्शन-व्युत्पत्तिप्रदर्शनम् ।	१—७५
४९ गैरिकसूत्राणि । जडयुपनामक गङ्गारामोन्नति वृत्ति, विवरण समेत	१—००
५० Grammar of Sanskrit Language. By F. Kielhorn	35—00
५१ ज्ञापक संग्रह' । नागेश भट्टकृत । विवृत्ति समेत	१७—००
५२ Introduction to the Grammar of the Sanskrit Language By H. H. Wilson.	60—00
५३ चन्द्र संस्कृत व्याकरण । नेमिचन्द्र शास्त्री	१६—००
५४ चान्द्रव्याकरणम् । चन्द्रगोभिन् विरचित	१७—००
५५ चान्द्रव्याकरणम् । चन्द्रगोभिन् कृत । १-२ भाग	३७—००
५६ चित्र निबन्धावली । रघुनाथ शर्मा	१०—००
५७ जैनेन्द्रव्याकरणम् । अमयनन्दिसूरिकृत वृत्ति सहित	१०—००
५८ तद्वितान्ता. कैचनशब्दाः । भागीरथ प्रसाद त्रिपाठी	५—००
५९ दुरुह शिक्षा । अण्पय दीक्षित विरचित । स० अ० सु० शास्त्री	५—००

६० देववाणी प्रवेशिका । पं० अनसूयाप्रसाद भट्ट । १-५ भाग	१०-५०
६१ धातुपाठः । पाणिनिमुनि विरचित । सटिप्पण	१-००
६२ धातुरूप कौमुदी	४-७५
६३ धातुरूपमञ्जरी । टिप्पणी सहित	४-०९
६४ धातुरूपादर्श । तारानाथ भट्टाचार्य विरचित	८-००
*६५ धातुरूपावली । गोपालशास्त्री नेने परिष्कृत	१-००
६६ निदानसूत्रम् । पतञ्जलि कृत । सव्याख्या ।	४०-००, ६०-००
६७ निबन्ध कुसुमाञ्जलि । जयन्त मिश्र	३-००
*६८ निबन्ध चन्द्रिका (निबन्ध) । संस्कृत-निबन्धों का कमनीय संग्रह । इन्टर, बी० ए०, एम० ए०, मध्यमा, शास्त्री तथा आचार्य परीक्षाओं के लिए परम उपयोगी है । लेखक डॉ० कृष्णदेव उपाध्याय	५-००
६९ निबन्ध-पारिजात । डॉ० रजनीकान्त लाहरी	५-००
७० निबन्धप्रकाशः । पं० कृष्णकुमार अवस्थी	५-००
७१ निबन्धप्रभा । रामरङ्ग शर्मा	१-५०
७२ निबन्धसुधा । कपिलदेव त्रिपाठी	३-००
७३ निबन्ध-सौरभ । श्री बाबूलाल मिश्र	२-००
७४ निबन्धादर्शः । म० म० श्री गिरिधरशर्मा चतुर्वेदः	५-००
७५ न्यासकल्पलता । (पाणिनीयसूत्रन्यासशास्त्रार्थ)	३-००
७६ पतञ्जलिकालीन भारत । डॉ० प्रभुदयाल अग्निहोत्री	११-५०
७७ परमलघुकला (परमलघुमञ्जूषा प्रश्नोत्तरी)	३-००
७८ परमलघुमञ्जूषा । अर्थदीपिका टीका टिप्पणी, हिन्दी टीका सहित	१०-००
७९ परमलघुमञ्जूषा । कालिकाप्रसाद शुक्ल कृत ज्योत्स्ना व्याख्या सहित	१०-५०
८० परिभाषा संग्रहः । काशीनाथ अभ्यंकर सङ्कलित	३५-००
८१ परिभाषेन्दुदीपिका । हरिशङ्कर झा	१-५०
८२ परिभाषेन्दुप्रकाश । शुक्लदेव झा	२-५०
*८३ परिभाषेन्दुप्रश्नपञ्जिका । श्री राजनारायण शास्त्री कृत	१-५०
८४ परिभाषेन्दु प्रश्नोत्तरी । रामावतार त्रिपाठी	५-५०
*८५ परिभाषेन्दुशेखरः । भैरव मिश्र कृत भैरवी-लक्ष्मण त्रिपाठी कृत तत्त्वप्रकाशिका व्याख्याद्वय सहित	३०-००
८६ परिभाषेन्दुशेखरः । विजया टीका	१५-५०
८७ परिभाषेन्दुशेखरः । याज्ञेश्वर शास्त्री प्रणीत हेमवती टीका सहित	४९-००
८८ परिभाषेन्दुशेखरः । तत्त्वादर्श व्याख्या-भागलानुवाद सहित । १-२ भाग	५०-००
८९ परिष्कारदर्पणः । शास्त्रार्थकला सहित । वैणीमाधवशास्त्रीकृत सटिप्पण	६-०८
९० Panini. By Theodor Goldstucker.	४०-००
९१ Panini as Grammarian by Mahavir	३०-००
९२ पाणिनिनकालीन भारतवर्ष । डा० वासुदेवशरण अग्रवाल	३०-००
९३ पाणिनिपरिचय । डा० वासुदेवशरण अग्रवाल	४-५०
९४ पाणिनिसूत्रव्याख्या (सोदाहरणश्लोका) वीरराघवाचार्यकृत । १-२ भाग	३५-७५
९५ पाणिनीय धातु पाठ समीक्षा । डा० भागीरथप्रसाद त्रिपाठी (वागीशशास्त्री)	१८-५०

- ९६ पाणिनीयप्रदीपः । १-२ भाग २-००
- ९७ पाणिनीयप्रबोधः । गोपाल शास्त्री दर्शनकेशरीकृत ४-५०
- ९८ पाणिनीय व्याकरण का अनुशीलन । डॉ० रामशंकर भट्टाचार्य २५-००
- *९९ पाणिनीयव्याकरणवाद्दर्शनम् । श्री सूर्यनारायणशुक्ल कृत ।
१-२ भाग १०-००
- १०० पाणिनीयव्याकरणे प्रमाणसमीक्षा । डॉ० रामप्रसाद त्रिपाठी २६-२५
- १०१ पाणिनीय शब्दानुशासनम् । अष्टाध्यायीसूत्रपाठः ४-००
- १०२ पाणिनीय शिक्षा । श्री नारायण मिश्र कृत आभा हिन्दी व्याख्या
विभूषिता १-२५
- १०३ पाणिनीयज्ञिज्ञायाः शिक्षान्तरैः समीक्षा । टॉ० मधुकर भट्ट ८-५०
- १०४ पाणिनीयसिद्धान्त कौमुदी । मथुराप्रसादकृतहिन्दीटीकासहित प्रथमभाग ३-५०
- १०५ पालि प्रवेशिका । डॉ० कोमलचन्द्र जैन ६-५०
- १०६ पाली भोगलान व्याकरण । भदन्त आनन्द कौसल्यायन ५-५०
- १०७ पूर्वपक्षावली । सुपरिष्कृता १-००
- १०८ प्रक्रियाकौमुदी । रामचन्द्र कृत प्रसाद टीका सहित । सपूर्ण । १-२ भाग ४५-००
- १०९ प्रक्रिया कौमुदी । रामचन्द्र कृत । श्री कृष्ण विरचित प्रकाश व्याख्या,
रश्मि टिप्पणी सहित । १-२ भाग ११९-००
- ११० प्रक्रियाकौमुदीविमर्शः । डॉ० आद्याप्रसाद मिश्र विरचित ८-००
- १११ प्रक्रिया सर्वस्वम् । नारायण भट्ट कृत । प्रकाशिका-साम्ब शिवशास्त्री
कृत सचिका व्याख्या सहित । १-४ भाग २४-५०
- ११२ प्रथमा-शब्द-धातुरूपसंग्रहः । १-००
- ११३ प्रबन्धपारिजातः । प्रो० रामचन्द्र मिश्र ५-००
- ११४ प्रबन्धप्रकाशः । डा० मंगलदेव शास्त्री कृत । १-२ भाग २२-५०
- ११५ प्रबन्धरत्नाकरः । डा० रमेशचन्द्र शुक्ल ३०-००
- ११६ प्रबन्धामृतम् । आचार्य रमाकान्त ठक्कुर १-७५
- ११७ प्रबोध चन्द्रिका । मोतीलाल जोशी ३-५०
- ११८ प्रयोगशास्त्रार्थकला । वेणीमाधवशास्त्रीकृत ०-६०
- ११९ प्रशस्ति काशिका । बालकृष्ण त्रिपाठी कृत ७-००
- १२० प्रस्तावतरङ्गिणी (निबन्धोपयोगी ग्रन्थ) चारुदेव शास्त्री कृत ८-००
- १२१ प्रस्ताव रत्नाकरः । डा० ब्रह्मानन्द त्रिपाठी ५-००
- १२२ प्राकृत और अपभ्रंश साहित्य तथा उनका हिन्दी साहित्य पर
प्रभाव । रामसिंह तोमर २०-००
- १२३ प्राकृतकल्पतरुः । रामचर्मकृत । मनमोहन घोष सपादित १०-००
- १२४ प्राकृत चन्द्रिका । शेषकृष्ण विरचित । सोपानवृत्ति सहित १५-००
- *१२५ प्राकृतप्रकाशः । वररुचिकृत । भामहकृत 'मनोरमा' तथा म० म०
मथुराप्रसाद दीक्षित कृत 'चन्द्रिका' नामक सस्कृत-हिन्दी व्याख्या ।
ग्रथ का आशय इतना सुस्पष्ट हो गया है कि उच्च कक्षा के
छात्र स्वयं प्रथाशय का अनुशीलन कर सकते हैं । २५-००

१२६ प्राकृतप्रकाशः । रामपाणिवादकृत वृत्ति सहित	१०—००
१२७ प्राकृतप्रकाश । सजीवनी-सुवोधिनी-मनोरमा-प्राकृतमञ्जरी टीका चतुष्टय- हिन्दी टीका सहित	३७—७५
१२८ प्राकृतप्रबोध । डॉ० नेमिचन्द्र शास्त्री	१२—५०
१२९ प्राकृत प्रवेशिका । सी० वृत्नर । अनु० बनारसी दास जैन	१८—५०
१३० प्राकृत प्रवेशिका । कोमलचन्द्र जैन	६—५०
१३१ प्राकृत भाषाओं का व्याकरण । रिचर्ड पिशल । अनुवादक- डॉ० हेमचन्द्र जोशी	२०—००
१३२ प्राकृत मार्गोपदेशिका । बेचरदास (हिन्दी)	१०—००
१३३ प्राकृत विमर्श । डा० सरयूप्रसाद अग्रवाल	१०—००
१३४ प्राकृतव्याकरण । आचार्य मधुसूदन प्रसाद मिश्र	७—००
१३५ प्राकृतव्याकरणवृत्तिः । त्रिविक्रमदेव निर्मित । सपरिशिष्ट	२५—००
१३६ प्राकृतशब्दानुशासनम् । परशुरामशर्मा सपादित	१०—००
१३७ प्राकृतसर्वस्वम् । मार्कण्डेय विरचित	२०—००
१३८ प्राकृतानन्द । रघुनाथ कवि विरचित	४—२५
१३९ प्रारंभिकपाणिनीयः । विश्वनाथशास्त्री कृत	२—००
१४० प्रारंभिक रचनानुवाद कौमुदी । कपिलदेव द्विवेदी	२—२०
१४१ A PRACTICAL GRAMMAR OF THE SANSKRIT LANGUAGE By Monier Williams, M. A., D. C. L.	50—00
१४२ प्रौढमनोरमा । भद्रोजिदीक्षित कृत । शब्दरत्न-ज्योत्स्ना-कुचमदिनी व्याख्या-प्रभा-विभा टिप्पणी । पञ्चसन्धिप्रकरणान्त प्रथम भाग	६—००
१४३ प्रौढमनोरमा । सशब्दरत्न । बालप्रकाशिका संस्कृत-हिन्दी टीका सहित । पञ्चसन्ध्यन्त	१०—००
* १४४ प्रौढमनोरमा । शब्दरत्न-भैरवी-भावप्रकाश-सरला टीका सहित कारक से अव्ययीभावान्त । पं० श्री गोपालशास्त्री नेने सम्पादित	३०—००
* १४५ प्रौढमनोरमा । शब्दरत्न सहित । तत्पुरुषादि तिङन्तसञ्चन- प्रक्रिया	१५—००
१४६ प्रौढमनोरमा । बृहच्छब्दरत्न-लघुशब्दरत्न व्याख्या सहित । प्रथम भाग	३०—००
१४७ प्रौढमनोरमा-शब्दरत्नम् । हरिदीक्षित, विरचित । प्रथम-भाग	३०—००
१४८ प्रौढमनोरमा-शब्दरत्न-परिशिष्टम् । म०—श्री वैकटेश लक्ष्मण जोशी	४—००
१४९ प्रौढमनोरमा-शब्दरत्न-प्रश्नोत्तरावली तथा व्याकरण-शास्त्री- प्रभावली । राजनारायण शास्त्री कृत । १-२ भाग	४—२५
१५० प्रौढमनोरमा शब्दरत्नयो विचारभेदानां युक्तयुक्तत्व समीक्षा । डा० सुधीर नारायण ठक्कर	११—००
१५१ प्रौढ रचनानुवादकौमुदी । डॉ० कपिलदेव द्विवेदी	१८—००
१५२ फक्किकाप्रश्नोत्तरी । परीक्षोपयुक्त पङ्क्तिव्याख्यानरूप ग्रन्थ	३—००
१५३ फक्किकामर्मविवृत्ति । हरिशङ्कर झा	१—२५
१५४ फक्किकारत्नमंजूषा । कनकलालठाकुर कृत । प्रथम भाग	४—००

- १५५ फक्किकासरलार्थः । सदाशिवशास्त्री कृत प्रभा टिप्पणी सहित ३—००
- १५६ वंगला पहिली पुस्तक । गोपालचन्द्र चकवती १—०० दूसरी पुस्तक १—२५
- १५७ वटुतोषिणी । हरिशङ्कर झा १—५०
- १५८ बनारस प्रथमा सोत्तरा प्रभावली । ४—५०
- १५९ बालनिबन्धमाला । वासुदेव द्विवेदी १—७५
- १६० बालनिबन्धादर्श । विश्वनाथ शास्त्री १—५०
- १६१ बालमनोरमा भ्रान्ति दिग्दर्शन । भीमसेन शास्त्री ३—००
- १६२ बालशिक्षा । कातन्त्र व्याकरणसूत्रपाठः । ७—७५
- १६३ बिहार सोत्तरा प्रथमा प्रभावली । ३—००
- १६४ बृहद् अनुवाद चन्द्रिका । चक्रधर नौटियाल 'हस' शास्त्री २२—००
- १६५ भागवृत्ति-सकलनम् । भर्तृहरि (विमलमनि) विरचित ३—००
- १६६ भारतीप्रवेशिका । सुभद्र झा-सत्यांशु मोहन मुखोपाध्याय २—००
- १६७ भाषावृत्तिः । पुरुषोत्तम देव विरचित । सं० स्वामी द्वारकादास शास्त्री ३५—००
- १६८ भाषाशास्त्रप्रवेशिनी । ५—००
- १६९ भूषणसारचन्द्रिका । हरिशंकर झा १—५०
- १७० भूषणसारप्रकाश । शुद्धदेव झा २—००
- १७१ मंगोल भाषा का व्याकरण । (डॉ० रघुवीर सम्पादित) ४०—००
- १७२ मध्यकौमुदीरहस्यम् । (मध्यकौमुदी प्रश्नोत्तरी) ४—००
- १७३ मध्यसिद्धान्तकौमुदी । सुधा-इन्दुमती संस्कृत हिन्दी टीका सहित २०—००
- १७४ मध्यसिद्धान्तकौमुदी । प्रभाकरी संस्कृत हिन्दी टीका सहित १७—५०
- १७५ मध्यसिद्धान्तकौमुदी-प्रश्नोत्तरी । रामगोविन्द शुक्ल ५—००
- १७६ मनोरमारत्नविवेक । हरिशङ्कर झा २—००
- * १७७ महाभाष्यम् (पातञ्जल) । म० म० श्री गिरिधरशर्मा सम्पादित
व्याकरणशास्त्र इतिहासात्मक विस्तृत भूमिका सहित-कैयट कृत प्रदीप-
नागेशभट्ट कृत उद्योत - श्री रुद्रधर झा कृत तत्त्वालोक टीकात्रय
विभूषित । नवाह्निकम्
- १-५ भा० यन्त्रस्थ, ६-९ भा० १५—००
- १७८ महाभाष्यम् । प्रदीप-उद्योत व्याख्या सहित । संपूर्ण । १-५ भाग में सजिल्द २, ५-००
अजिल्द २०८—००
- १७९ महाभाष्यम् । प्रदीप-उद्योत-छाया सहित । नवाह्निक २५—००
तृतीय भाग १५—००, चतुर्थ भाग २०—००, पंचम भाग २०—००
- १८० महाभाष्यम् । कैयट कृत प्रदीप-अन्नभट्ट कृत प्रदीप-उद्योत टीका सहित
नवाह्निक का दूसरा भाग ९—००
- १८१ महाभाष्यं नवाह्निकम् । कीलहार्न संस्करण । के० वी० अभ्यंकर संपादित ।
मूलमात्र १०—००
- १८२ महाभाष्य । एफ० कीलहार्न सम्पादित । सटिप्पण । १-३ भाग १००—००
- १८३ महाभाष्यम् । सप्रदीप प्रकाश' हिन्दी टीका । प्रथम आह्निक
(पस्पशाह्निक) मात्र ५—०० १-५ आह्निक २०—००

१८४ महाभाष्यम् । छज्जूराम शास्त्री कृत स्फोट-विमर्शिनी व्याख्या सहित ।	
१-२ आह्निक	८-५०
१८५ महाभाष्यम् । चारुदेव शास्त्री कृत हिन्दी टीका सहित । १-३ आह्निक	६-००
नवाह्निक	२०-००
१८६ महाभाष्यम् । युधिष्ठिर मीमांसक कृत हिन्दी टीका सहित द्वितीय भाग	२५-००
तृतीय भाग	२५-००
१८७ महाभाष्यकुञ्जिका । हरिशंकर झा	२-००
१८८ महाभाष्यदीपिका । (नवाह्निक प्रश्नोत्तरी)	३-००
१८९ महाभाष्य-शब्दानुक्रमणिका । श्रीधरशास्त्री पाठक कृत	६०-००
१९० महाभाष्यादर्शः । शुक्रदेव झा	२-५०
*१९१ माधवीयधातुवृत्तिः । सायणाचार्य कृत	यन्त्रस्थ
१९२ माधवीयधातुवृत्तिः । सं० स्वामी द्वारकादास शास्त्री	४०-००
१९३ मानक हिन्दी व्याकरण । आचार्य रामचन्द्र वर्मा	४-००
१९४ मुखभूषणम् ।	५-००
१९५ मुग्धबोधव्याकरणम् । दुर्गादास-रामतर्कवागीश कृत व्याख्या सहित	१६-००
१९६ मुग्धबोधव्याकरणम् । वीरदेव कृत । रामतर्कवागीश कृत व्याख्या सहित ।	
१-७ खट	५-२५
१९७ रचनानुवादकौमुदी । कपिलदेव द्विवेदी	७-५०
१९८ राष्ट्रभाषा सरल हिन्दी व्याकरण ।	२-००
१९९ रूपचन्द्रिका । सम्पादक रामचन्द्र झा	१०-००
२०० रूपतरङ्गिणी । चक्रधर शुक्ल	१-००
२०१ रूपमञ्जरी ।	०-७५
२०२ रूपमाला । विमलसूरि विरचित । हिन्दी टीका सहित । १-४ भाग	१३-५०
२०३ रूपावतारः । धर्मकीर्ति प्रणीत । १-२ भाग	१५-००
२०४ लकारार्थ निर्णयः । सव्याख्या	३-००
२०५ लघुकाशिका । सुदर्शनाचार्य त्रिपाठी कृत । १-२ भाग	३८-२५
२०६ लघुकौमुदी तश्वप्रकाश प्रश्नोत्तरी । रामगोविन्द शुक्ल	४-५०
*२०७ लघुजूटिका । (अभिनव परिभाषेन्दुशेखरपरिष्कृति) पं० रघुनाथ	
शास्त्री कृत	२-००
२०८ लघुप्रबन्ध संग्रह ।	१९-५०
२०९ लघुशब्देन्दुकला (शब्देन्दुशेखर प्रश्नोत्तरी) ।	२-५०
*२१० लघुशब्देन्दुशेखरः । नागेशभट्टकृत । श्रीखुद्दीमाकृत नपदान्तपर्यन्त	
नागेशोक्तिप्रकाश टीका सहित	५-००
*२११ लघुशब्देन्दुशेखरः । म० म० श्री नित्यानन्दपन्त पर्वतीय कृत	
शेखरदीपक टीका सहित । पञ्चसन्धि प्रकरण	१५-००
अव्ययीभावान्त	यन्त्रस्थ
२१२ लघुशब्देन्दुशेखरप्रकाश । शुक्रदेव झा	३-००
२१३ लघुशब्देन्दुशेखरव्याख्या—सदाशिवभट्टी ।	६-००

२१४ लघुसारस्वतव्याकरणम् । सं० गणेशदत्त मिश्र	०—७५
२१५ लघुसिद्धान्तकौमुदी । कनकलाल कृत बालबोधिनी टीका सहित	२—००
२१६ लघुसिद्धान्तकौमुदी । इन्दुमती संस्कृत-हिन्दी टीका सहित	६—००
२१७ लघुसिद्धान्तकौमुदी । विश्वनाथशास्त्री कृत संस्कृत हिन्दी टीका सहित	७—००
२१८ लघुसिद्धान्तकौमुदी । गोमतीप्रसाद कृत 'शिवाख्य' संस्कृत-हिन्दी टीका	७—००
२१९ लघुसिद्धान्तकौमुदी । धरानन्द शास्त्री कृत हिन्दी टीका सहित	२२—००
२२० लघुसिद्धान्तकौमुदी । 'माहेश्वरी' हिन्दी व्याख्या रूपसिद्धि सहित । संज्ञाप्रकरणादि विसर्गसन्ध्यन्त ५—०० संपूर्ण १-२ भाग ५०—००	
२२१ लघुसिद्धान्तकौमुदी । भैमी हिन्दी टीका सहित । १-२ भाग	५५—००
२२२ लघुसिद्धान्तकौमुदी । वैलेण्टाइन कृत आग्लानुवाद सहित	३०—००
२२३ लघुसिद्धान्तकौमुदी । सदाशिव शास्त्री कृत सुधा व्याख्यासहित	१५—००
२२४ लघुकौमुदी सोत्तराप्रयोगसूची । प्रयोगार्थसहित इन्दुमतीटिप्पणी	१—५०
२२५ लघुकौमुदी-सोत्तरा-प्रभावली ।	४—५०
२२६ लघुसिद्धान्तचन्द्रिका । सं० गणेशदत्त मिश्र	०—७५
२२७ लिङ्गबोधव्याकरणम् ।	०—३०
२२८ लिङ्गवचनविचारः । दीनबन्धु कृत	४—००
२२९ लिङ्गानुशासनम् । वामन कृत । स्वोपज्ञवृत्ति सहित	३—००, ४—००
२३० लिङ्गानुशासनम् । दुर्गासिंह कृत	८—००
२३१ लिङ्गानुशासनवर्ग । मुकुन्द शर्मा	१२—००
२३२ लिट् और लुङ् लकार की रूप बोधक विधि ।	२—००
२३३ लौकिकन्यायशास्त्रार्थकला तथा कूटशास्त्रार्थकला ।	१—५०
२३४ वाक्यपदीयम् । ब्रह्मकाण्ड । सूर्यनारायणशुक्लकृत भावप्रदीपसंस्कृत- रामगोविन्द शुक्ल कृत हिन्दी टीका, श्रीरुद्रप्रसाद अवस्थी कृत परिशिष्ट सहित-नवीन परिवर्द्धित तृतीय संस्करण	१५—००
२३५ वाक्यपदीय । वृत्ति-वृषभदेव कृत पद्धति सहित । के० ए० सुब्रह्मण्य आय्यर संपादित । प्रथम काण्ड २५—००, द्वितीय काण्ड ४०—००	
२३६ वाक्यपदीयम् । १ व ३ भाग (पदकाण्ड वृत्ति समुद्देश) में । हेलराज विरचित प्रकाश-व्याख्या रघुनाथ शर्मणा विरचित अम्त्राकर्त्री व्याख्या सहित	११७—००
२३७ वाक्यपदीयम् । तृतीयकाण्ड । हेलराज टीका सहित । ४-८ खण्ड, कालसमुद्देश से वृत्तिसमुद्देश पर्यन्त	३०—००
२३८ वाक्यपदीयम् । हेलराज कृत व्याख्या सहित । तृतीय काण्डस्य प्रथम- भाग । के० ए० सुब्रह्मण्य आय्यर सम्पादित	२५—००
२३९ वाक्यपदीय सम्बन्ध समुद्देश-हेलराजीय व्याख्या के प्रकाश में-एक विवेचनात्मक अध्ययन । वीरेन्द्र शर्मा	५०—००
२४० वाक्यसुक्तावली । चारुदेव शास्त्री । हिन्दी टीका सहित	३—००
२४१ वाक्य विन्यास का सैद्धान्तिक पक्ष । चोम्सकी । अनु० रमानाथ सहाय	१४—००
२४२ वाक्यवहारादर्श । चारुदेव शास्त्री	१६—००
२४३ वादार्थसंग्रहः । १-४ भाग	१२—००

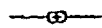
२४४ वृत्तिदीपिका । मौनी श्रीकृष्ण भट्ट कृत । सं० पुरुषोत्तम शर्मा चतुर्वेदी	२—००
२४५ वेदाङ्गप्रकाशः । सन्धिविषय ३—०० नामिक १—३० कारकीय ०—७५	
सामासिक ०—७५ आख्यातिक ७—०० सौवर ०—५० पारिभाषिक १—००	
अन्ययार्थ ०—३५ धातुपाठ १—०० वर्णोच्चारण शिक्षा ०—५०	
खणतद्धित २—२५ उणादिकोश ७—०० गणपाठ ०—७५	
निघण्टु ०—८०	
२४६ हिन्दी वैदिक व्याकरण । श्री उमेशचन्द्र पाण्डेय	४—००
२४७ वैदिक व्याकरण । डॉ० रामगोपाल । प्रथम-द्वितीय भाग	५४—००
२४८ वैदिक व्याकरण । मैकडॉनल । अनु० सत्यव्रत शास्त्री	२५—००
२४९ वैयाकरणभूषणनिबन्धसंग्रह नामतिङ्गर्थवादसार ।	०—४०
२५० वैयाकरण भूषणसारः । मैमी हिन्दी टीका सहित । धात्वर्थ निर्णयान्त	२०—००
२५१ वैयाकरणभूषणसारः । सरला-सुबोधिनी टीकाद्वय सहित	६—००
*२५२ वैयाकरणभूषणसारः । श्रीबालकृष्ण पञ्चोली कृत प्रभा-श्रीहरिवल्लभ शास्त्री कृत दर्पणव्याख्याद्वयोपेत । श्री सभापति शर्मोपाध्याय सम्पादित	३५—००
२५३ वैयाकरण सिद्धान्तमञ्जूषा । नागेश भट्ट कृत	३६—००
*२५४ वैयाकरणसिद्धान्तलघुमञ्जूषा । नागेश भट्ट कृत । 'रत्नप्रभा' व्याख्योपेता । व्याख्याकार-पं० श्री सभापतिशर्मोपाध्याय । तात्पर्य-निरूपणान्त	३०—००
२५५ वै० सि० लघुमञ्जूषारहस्यम् । (वै० सि० लघुमञ्जूषा प्रश्नोत्तरी)	२—००
२५६ व्याकरणकारिका प्रकाश । सुदर्शन देव शास्त्री विरचित	२—००
२५७ व्याकरणकौमुदी । त्रिपाठी । प्रथमभाग	३—००
२५८ व्याकरणचन्द्रोदय । चारुदेवशास्त्री विरचित । १-५ भाग	१४५—५०
२५९ व्याकरण दर्शन पीठिका । रामाशा पाण्डेय विरचित	४—००
२६० व्याकरणदर्शन भूमिका । रामाशा पाण्डेय	५—००
२६१ व्याकरण वार्तिक—एक समीक्षात्मक अध्ययन । वेदपति मिश्र	१०—००
२६२ व्यास शिक्षा । वेद तैजस व्याख्या सहित । सर्वलक्षणमञ्जरी संग्रह सहित	१८—००
*२६३ व्युत्पत्तिवादः । वेणीमाधवशास्त्री कृत शास्त्रार्थकला टीका सहित	१०—००
२६४ व्युत्पत्तिवादतरणिः । (व्युत्पत्तिवाद प्रश्नोत्तरी) उग्रानन्द झा कृत	१—२५
२६५ व्युत्पत्तिवाद प्रश्नोत्तरावली । वेणीमाधव शास्त्री	२—५०
*२६६ शक्तिवादः । गदाधरभट्टाचार्यकृत । हरिनाथतर्कसिद्धान्तभट्टाचार्यकृत विवृति (हरिनाथी) टीका सहित । गो० दामोदर शास्त्रीकृत परिष्कृत तथा संशोधित	१५—००
२६७ शब्दतरङ्गिणी । के० सुब्रह्मण्य शास्त्री	१०—००
२६८ शब्ददर्शन । रामस्वरूप शास्त्री	८—००
२६९ शब्दमञ्जरी ।	३—००
२७० शब्दरूप कौमुदी ।	१—७५
२७१ शब्दरूपादर्शः । जीवानन्द विद्यासागर विरचित	१—७५

*२७२ शब्दरूपावली । (१०० शब्दों की रूपावली) एकाक्षरीकोशसहित	०—५०
२७३ शब्द विमर्श । डा० अमरनाथ पाण्डेय	१६—००
२७४ शब्दार्थरत्नम् । तारानाथ तर्कवाचस्पति विरचित	२—५०
२७५ शब्देन्दुसुधा । हरिशंकर झा	२—००
२७६ शाकटायन व्याकरणम् । स्वोपज्ञ अमोघवृत्ति सहित	४०—००
२७७ शिचासूत्राणि । आपिशलि-पाणिनि-चन्द्रगोमिन्कृत	१—५०
२७८ शिशुतोपिणी । हरिशंकर झा	०—७५
२७९ संचित हिन्दी व्याकरण । कामता प्रसाद	३—००
२८० संस्कृत अनुवाद । यदुनन्दन मिश्र-आशुतोष पाण्डेय । भाग चतुर्थ मात्र	२—७५
२८१ संस्कृत अनुवाद कौमुदी । शिववालक द्विवेदी	७—५०
२८२ संस्कृत तगद्यमञ्जरी । चन्द्रशेखर पाण्डेय	४—००
२८३ संस्कृत दर्पण । त्रिनाथशर्मा । १-२ भाग	७—००
२८४ संस्कृत द्वितीय पुस्तक । रामविहारीलाल	३—५०
२८५ संस्कृत धातुकोष ।	४—००
२८६ संस्कृत निबन्ध कौमुदी । त्रिपाठी	४—००
२८७ संस्कृत निबन्ध चन्द्रिका । शिववालक द्विवेदी	४—००
२८८ संस्कृत निबन्ध नवनीतम् । डा० पारसनाथ द्विवेदी-वशीधर चतुर्वेदी	७—५०
२८९ संस्कृत निबन्धमणिः । चिरञ्जीव मिश्र	४—५०
२९० संस्कृत निबन्धमाला । सी० मिश्रा । १-२ भाग	७—५०
२९१ संस्कृत निबन्ध रत्नाकर । डा० शिवप्रसाद शास्त्री	१५—००
२९२ संस्कृत निबन्ध रत्नावली । वर्मा-शास्त्री	८—००
२९३ संस्कृत निबन्धशतकम् । डॉ० कपिलदेव द्विवेदी	१५—००
२९४ संस्कृत निबन्धाक्षलि । डॉ० रामकृष्ण आचार्य	१२—००
२९५ संस्कृत निबन्धादर्श । प्रथम भाग	३—००
२९६ संस्कृत निबन्धावली । डा० रामजी उपाध्याय	१२—५०
२९७ संस्कृत पठनपाठन की अनुभूत सरलतम विधि । १-२ खण्ड	१५—००
२९८ संस्कृत-पाठमाला । महापण्डित राहुल साकृत्यायन । १-५ भाग	६—२५
२९९ संस्कृत पाठमाला । १-२४ भाग । सातवलेकर कृत	३६—००
३०० संस्कृतप्रकाश । श्री कुवेरनाथ द्विवेदी	३—५०
*३०१ संस्कृत प्रथम पाठ । मूल लेखक डा० जे० आर० बैलेन्टाइन । हिन्दी भाषान्तरकार डा० अमरनाथ पाण्डेय	३—५०
३०२ संस्कृतप्रौढपाठावलिः । महालिङ्ग शास्त्री	१—००
३०३ संस्कृतवालादर्शः । २—०० संस्कृतप्रथमादर्शः । २—२५ द्वितीयादर्श	२—५०
	तृतीयादर्श ३—००
३०४ संस्कृत रचना । श्राप्टे का हिन्दी । उमेशचन्द्र पाण्डेय	१२—००
३०५ संस्कृत रचनानुवाद चन्द्रिका । रामवालक शास्त्री	१—२५
३०६ संस्कृत रचनानुवाद प्रभा । डा० श्रीनिवास शास्त्री	६—००
३०७ संस्कृतरचनानुवादशिक्षकः । आचार्य विश्वेश्वर सिद्धान्त शिरोमणि	३—५०
३०८ संस्कृतरचनाप्रकाश । प्रो० रमाकान्त द्विवेदी, एम. ए.	४—००
३०९ संस्कृत-व्याकरण । (एम० ए०) डा० श्री निवास शास्त्री	८—००

३१० संस्कृत व्याकरण । डा० कपिलदेव द्विवेदी आचार्य	२०—००
३११ संस्कृत व्याकरण । डब्ल्यू० डी० हिल्ले का हिन्दी अनुवाद । १-२ भाग	३०—००
३१२ संस्कृत व्याकरणम् । डॉ० बाबूराम त्रिपाठी	१८—००
३१३ संस्कृत व्याकरणम् । विश्वम्भर नाथ द्विवेदी	१५—००
३१४ संस्कृतव्याकरणम् । पं० रामचन्द्र झा	८—००
३१५ संस्कृत व्याकरण का इतिहास ।	१-२ भाग २५—००
३१६ संस्कृत व्याकरण की उपक्रमणिका । ईश्वरचन्द्र विद्यासागर । ४—००	
३१७ संस्कृत व्याकरण कौमुदी । ईश्वरचन्द्रविद्यासागर । स० देवदत्त मिश्र	९—००
३१८ संस्कृत-व्याकरणकौमुदी । १-४ भाग । ईश्वरचन्द्र विद्यासागर । १७—००	
३१९ संस्कृत व्याकरण ज्योत्स्ना । अमरनाथ पाण्डेय	८—००
३२० संस्कृत व्याकरण दर्शन । डा० रामसुरेश त्रिपाठी	५०—००
३२१ संस्कृतव्याकरणप्रबोध । १-२ भाग	८—००
३२२ संस्कृतव्याकरणप्रवेशिका । अनन्तरामशास्त्री कृत	२—००
३२३ संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका । नानूगम सक्सेना	६—००
३२४ संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका । मैकडोनल्ड । अनु० कपिलदेव द्विवेदी	१२—००
३२५ संस्कृत व्याकरण मे गणपाठ की परम्परा और आचार्य पाणिनि ।	१०—००
३२६ संस्कृत व्याकरण रचना तथा अन्य निबंध । डॉ० रामजी उपाध्याय	१२—००
३२७ संस्कृत व्याकरणशास्त्र का इतिहास । युधिष्ठिर मीमांसक । १-३ भाग	६०—००
३२८ संस्कृत-व्याकरणोदयः । डा० जयमन्त मिश्र	६—००
३२९ संस्कृत शिक्षण । ।मसकल पाण्डेय	७—५०
३३० संस्कृत शिक्षण । डॉ० प्रभाशङ्कर मिश्र	१०—००
३३१ संस्कृत शिक्षण की नवीन योजना । डा० धर्मेन्द्र नाथ शास्त्री	२५—००
३३२ संस्कृत शिक्षणपद्धति । सीताराम चतुर्वेदी	१०—००
३३३ संस्कृत शिक्षा । कपिलदेव द्विवेदी । १-५ भाग	१०—७५
३३४ संस्कृत शिक्षा । गौरीशङ्कर । १-३ भाग	२—००
३३५ बृहत् संस्कृतशिक्षावाटिका । २-४ भाग	४—००
३३६ संस्कृतशिक्षाविधिः । गौरीशंकर	३—८०
३३७ संस्कृत स्वयं शिक्षक । सातवलेकर । १-२ भाग	११—००
३३८ संस्कृतस्वयंशिक्षकप्रभा । गौरीशंकर शास्त्री कृत	१—००
३३९ संस्कृतानुवाद निबन्धादर्श । पूर्णानन्द कृत	१—५०
३४० संस्कृतालोकः । रामबालक शास्त्री । १—३ किरण	३—००
३४१ संस्कृतोपक्रमपाठावलिः । महाल्लिङ्ग शास्त्री	१—००
३४२ सज्जनेन्द्रप्रयोगकल्पद्रुमः । धर्माधिकारी कृष्णपण्डितकृत	६—००
३४३ सन्धिचन्द्रिका । कारक, समास, कृदन्त, तिङन्त, व्युत्पत्तिप्रदर्शन सहित	३—००
३४४ सन्धि-समास-मञ्जूषा । मथुराप्रसाद दीक्षित	३—००
३४५ सन्धि समीक्षा । डा० राजमणि पाण्डेय	२—००
*३४६ समासचक्रम् । ब्रह्मदत्तमिश्रकृत टिप्पणी सहित	०—५०
३४७ समास दर्पण ।	०—५०
३४८ सरल बंगला शिक्षा । गोपालचन्द्र चक्रवर्ती	४—००

- ३४९ सरल संस्कृत निबन्धादर्श । ३—००
- ३५० सरल संस्कृत व्याकरण । सत्यांशु मोहन मुखोपाध्याय २—००
- ३५१ सरल संस्कृत व्याकरण । ज्यामविहारी शुक्ल २—५०
- ३५२ सारस्वती कंठाभरणम् । भोजदेव प्रणीत । नारायण दण्डनाथ प्रणीत हृदय-
हारिणी व्याख्यासहित । चतुर्थ भाग ५—००
- ३५३ सादृश्यशास्त्रार्थकला । ल कर्मशास्त्रार्थकला ०—५०
- *३५४ सामान्य संस्कृत व्याकरण (रचना तथा अनुवाद) सम्पादक-
डा० रामजी उपाध्याय तथा डा० मनोरमा तिवारी ५—००
- ३५५ सारस्वती । सव्याख्या १—७५
- ३५६ सारस्वतव्याकरणम् । संस्कृत-हिन्दी टीका सहित । पूर्वार्द्ध ४—००
- *३५७ सारस्वतव्याकरणम् । अनुभूति स्वरूपाचार्य कृत । चन्द्रकीर्तिसूरिप्रणीत
चन्द्रकीर्तिनाम्नी सुबोधिका, वासुदेव भट्ट कृत प्रसाद टीका, नवकिशोर-
शास्त्री कृत मनोरमा विवृति तथा सटीक लिङ्गानुशासन सहित
पूर्वार्द्ध १५—०० उत्तरार्द्ध १५—०० १-२ भाग संपूर्ण ३०—००
- ३५८ सारस्वतव्याकरणम् । सुबोधिनी भाषाटीका । पूर्वार्द्ध ७—५०
- *३५९ सिद्धान्तकौमुदी । भट्टोजिदीक्षित कृत । पाणिनीय व्याकरण सूत्र वृत्ति
पाणिनीय शिक्षा-लिङ्गानुशासन सूत्राङ्क-सूच्यादि सहित (मूल) ।
(स्वामी नारायण) स्वामी श्रीकृष्णवल्लभाचार्य संपादित १२—००
- *३६० सिद्धान्तकौमुदी । प० गोपाल शास्त्री नेने कृत सरल टीका आदि सहित ।
प्रथम भाग स्त्रीप्रत्ययान्त ३—००
- *३६१ सिद्धान्तकौमुदी-वासुदेव दीक्षित कृत बालमनोरमा व्याख्या ।
गोपालशास्त्री नेने कृत परीक्षोपयोगी रूपलेखनप्रकार-पङ्क्ति-लेखनप्रकार
आदि विविध परिशिष्ट सहित । कारकान्त प्रथम भाग १०—५०,
समासादि द्विरुक्तान्त द्वितीय भाग १०—५०, भ्वाद्यादि चुराद्यन्त
तृतीय भाग ८—५०, ष्यन्तादि समाप्त्यन्त चतुर्थ भाग १०—५०
पूर्वार्द्ध २१—०० उत्तरार्द्ध १६—०० संपूर्ण ग्रन्थ ४०—००
- *३६२ हिन्दी सिद्धान्तकौमुदी । रत्नप्रभा हिन्दी टीका सविमर्श । व्याख्याकारः
श्री बालकृष्ण पञ्चोली । कारकान्त प्रथम भाग १५—००, समासादि
द्विरुक्तान्त द्वितीय भाग १५—००, भ्वाद्यादि चुराद्यन्त तृतीय भाग १५—००,
ष्यन्तादि कृदन्तान्त चतुर्थ भाग २०—०० १-४ भाग सपूर्ण ६५—००
- ३६३ सिद्धान्तकौमुदी । तत्त्वबोधिनी टीका सतिष्पण ३०—००
- ३६४ सिद्धान्तकौमुदी । समापति कृत लक्ष्मी व्याख्या सहित । १-२ भाग ३५—००
- ३६५ सिद्धान्तकौमुदीपङ्क्तिपदार्थविवरणरूपा भावबोधिनी ५—००
- ३६६ सिद्धान्तकौमुदी—शैपिकादिद्विरुक्तान्ततद्धितप्रयोगसूची । १—००
- ३६७ सिद्धान्तकौमुदी-भ्वाद्यादिचुरादिगणान्तप्रयोगसूची । अमृता टिप्पणी । १—५०
- ३६८ सिद्धान्तकौमुदी-कारकप्रकरणम् । उमेशचन्द्र पाण्डेय कृत हि०टी० ३—५०
- ३६९ सिद्धान्तकौमुदी कारकप्रकरणम् । धरानन्द शास्त्री कृत टीका सहित ७—००
- ३७० सिद्धान्तकौमुदी कारक प्रश्नोत्तरी । रामचन्द्र झा १—५०

- ३७१ सिद्धान्तकौमुदी-वैदिकीप्रक्रिया। उमाशङ्कर शर्मा कृत हि०टी० ७—००
- ३७२ सिद्धान्तकौमुदी-प्रयोगसूची। जितेन्द्रियाचार्य-कृत। १-४ भाग ६—५०
- ३७३ सिद्धान्तकौमुदी-सोत्तरा प्रयोगसूची। इन्दुमती टिप्पणी कारकान्त १—००
कारकादि शैषिकान्त १—७५ विकारार्थकादि चुराद्यन्त २—००
प्यन्तादि उत्तरकृदन्तान्त उणादिकोश सहित २—०० स्वरवैदिकी
लिङ्गानुशासनप्रकरणान्त १—५०, संपूर्ण ६—२५
- ३७४ सिद्धान्तकौमुदी सोत्तराप्रश्नोत्तरी। रामगोविन्द शुक्ल। १-४ भाग १७—००
- ३७५ सिद्धान्तकौमुदी सोत्तरा प्रश्नावली। १-२ भाग। रामचन्द्र झा ८—००
- ३७६ सिद्धान्तकौमुदी-स्वरवैदिकप्रक्रियाप्रश्नोत्तरी। ३—५०
- ३७७ सिद्धान्तचन्द्रिका। बालबोधिनी टीका सहित। संपूर्ण ६—५०
- *३७८ सिद्धान्तचन्द्रिका। रामाश्रमकृत। सदानन्दकृत सुबोधिनी, लोकेशकर-
कृत तत्त्वदीपिका, नवकिशोरकर कृत चक्रधरा टिप्पणी अन्वयार्थमाला
- लिङ्गानुशासन उणादिकोष सहित पूर्वाद्ध १५—०० उत्तराद्ध १५—००
संपूर्ण ३०—००
- ३७९ सूत्र शैली और अपभ्रंश व्याकरण। डा० परममित्र शास्त्री १२—००
- ३८० STUDENT'S GUIDE TO SANSKRIT COMPOSITION,
By Vaman Shivaram Apte 10—00
- ३८१ स्फोटदर्शन। रङ्गनाथ पाठक १०—००
- ३८२ स्फोटनिर्णयः। कौण्डभट्ट विरचित। आंग्लानुवाद सहित। २५—००
- ३८३ स्फोटवाद। नागेश भट्ट कृत २०—००
- ३८४ स्फोटवाद विवेचनम्। डा० श्री कृष्णमणि त्रिपाठी कृत २—५०
- ३८५ स्मालर संस्कृत ग्रामर। (हिन्दी) एम० आर० काले ६—००
- ३८६ स्वर प्रक्रिया। शेष कुलोद्भवनागाध्वय पंडित सूनू रामचन्द्र कृत।
स्वोपज्ञ व्याख्या सहित २५—००
- ३८७ स्वरप्रक्रियाप्रकाश। डा० वामदेव मिश्र ६—००
- ३८८ हायर संस्कृत ग्रामर। एम० आर० काले (अग्रेजी) १२—५०, १८—००
- ३८९ हायर संस्कृत ग्रामर। महेश्वर रामचन्द्र काले। अनु०-डॉ० कपिलदेव
द्विवेदी आचार्य ११—००
- ३९० हिन्दी और बँगला भाषाओं का तुलनात्मक अध्ययन। १५—००
- ३९१ हिन्दी ध्वनियों और उनका उच्चारण। डॉ० भोलानाथ तिवारी १६—००
- ३९२ हिन्दी प्रयोग। रामचन्द्र वर्मा ४—००
- ३९३ हिन्दी व्याकरण। कामताप्रसाद गुरु २२—००
- ३९४ हिन्दी व्याकरण का इतिहास। डा० अनन्त चौधरी २७—००
- ३९५ हिन्दी शब्दानुशासन। किशोरी दास वाजपेयी २४—००



न्याय-ग्रन्थाः

- ३९६ अनुमानचिन्तामणि। गंगेशोपाध्याय विरचित। १-२ भाग १५—००
- ३९७ अनुमानदीधितिप्रसारिणी। कृष्णदास सार्वभौम कृत। १-३ सण्ड २—२५

- ३९८ आरम्भवादः । ले० आचार्य वदरीनाथ शुक्ल २—००
- ३९९ कारकचक्रम् । माधवी टीका-प्रदीप टिप्पणी सहित २—००
- *४०० कारिकावली-मुक्तावली । विश्वनाथ न्याय पञ्चानन कृत सिद्धान्त मुक्तावली । प० नारायण तीर्थ कृत न्यायचन्द्रिका टीका, परीक्षोपयोगी टिप्पणी सहित ८—००
- ४०१ कारिकावली-मुक्तावली । मयूख संस्कृत टीका-प्रकाश हिन्दी व्याख्या सहित । प्रत्यक्षखण्डान्त ६—००, अनुमान शब्द खण्ड ८—००
- *४०२ कारिकावली-मुक्तावली-दिनकरी-रामरुद्री । विश्वनाथ पञ्चानन भट्टाचार्य कृत-महादेवभट्ट दिनकरभट्ट कृत 'दिनकरी' (प्रकाश) तथा रामरुद्र भट्टाचार्य एवं पण्डितराज-श्रीराजेश्वरशास्त्रिप्रपूरित-रामरुद्री-तरङ्गिणी दिनकरीभ्या संवलित ४०—००
- ४०३ का० मुक्तावली तत्त्वालोकः । श्री रुद्रधर झा शर्मा २—००
- ४०४ केवलान्वयिप्रकरणम् । दीधिति जागदीशी नारायणी टीका समन्वित ४—००
- ४०५ क्रोडपत्रसंग्रहः । श्री कालीशङ्करप्रणीतानि अनुमान-गादाधरी-क्रोडपत्रम् । चार खण्डाः २५—००
- ४०६ गणकारिका । आचार्य भासर्वज्ञ विरचित ७—००
- ४०७ गादाधरी । मूलग्रन्थ सहित । सम्पादक तथा टिप्पणीकार श्रीकीर्त्यानन्द झा सिंहव्याघ्रप्रकरणान्त ३०—०० १-२ भाग सम्पूर्ण २००—००
- *४०८ गादाधरी-अवयवप्रकरणम् । गदाधर भट्टाचार्य कृत । पं० श्री ज्वालाप्रसाद गौड कृत विलासिनी संस्कृत टीका सहित १५—००
- *४०९ गादाधरी-सामान्यनिरुक्ति-गूढार्थतत्त्वालोकः । श्री धर्मदत्त [बच्चा भा] शर्म विरचित १५—००
- *४१० गादाधरी-सामान्यनिरुक्तिः । न्यायाचार्य श्री शिवदत्तमिश्र विरचित परीक्षोपयोगी गङ्गा व्याख्या टिप्पणी सहित यन्त्रस्थ
- *४११ जा० अवच्छेदकत्वनिरुक्तिः । न्यायाचार्य पं० शिवदत्तमिश्र विरचित परीक्षोपयोगी गङ्गा व्याख्या टिप्पणी सहित यन्त्रस्थ
- *४१२ जा० अवच्छेदकत्वनिरुक्तिः । श्री जगदीश तर्कालङ्कार कृत । रघुनाथ शिरोमणि की 'दीधिति' व्याख्या के साथ श्री दत्तात्रेय शास्त्री ओगले (स्वामी दिव्यानन्द) विरचित 'लक्ष्मी' व्याख्या सहित ६०—००
- *४१३ जा० पक्षता । न्यायाचार्य पं० शिवदत्त मिश्र विरचित परीक्षोपयोगी गङ्गा व्याख्या टिप्पणी सहित यन्त्रस्थ
- ४१४ जा० पञ्चलक्षणी-सिंहव्याघ्रलक्षण-क्रोडपत्रम् । ०—६५
- ४१५ जागदीशी-पञ्चलक्षणी-सिंहव्याघ्रलक्षणम् । गङ्गानिर्कारिणी व्याख्या टिप्पणी सहित यन्त्रस्थ
- *४१६ जा० व्यधिकरणम् । न्यायाचार्य पं० शिवदत्त मिश्र विरचित परीक्षोपयोगी गङ्गा व्याख्या टिप्पणी सहित यन्त्रस्थ

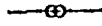
- ४१७ जा० व्यधिकरणम् । स्वामिरामप्रपञ्चाचार्यकृतदीपिकाटीकोपेतम् १२—००
- ४१८ जा० व्यधिकरणधर्मावच्छिन्नाभावस्य कालीशङ्करी । ०—५०
- ४१९ जा० सामान्यलक्षणप्रकरणम् । काशिकानन्दी व्याख्या सहित ४—५०
- ४२० जागदीशी सिंहव्याघ्रलक्षणम् । वामाचरण भट्टाचार्यकृत व्याख्यासहित ५—००
- *४२१ जा० सिद्धान्तलक्षणम् । शिवदत्त मिश्र कृत गंगा व्याख्या सहित यन्त्रस्थ
- *४२२ जा० सिद्धान्तलक्षणम् । गणेशोपाध्याय कृत । श्री रघुनाथ शिरोमणि कृत
‘दीधिति’ श्री जगदीश तर्कालङ्कार कृत जागदीशी व्याख्या के साथ स्वामी
दिव्यानन्द (दत्तात्रेय शास्त्री ओगले) कृत ‘लक्ष्मी’ नामक विशद तथा
दिव्या व्याख्या सहित २०—००
- ४२३ जा० सिद्धान्तलक्षणस्य क्रोडपत्रम् । ०—६५
- ४२४ तत्त्वचिन्तामणिः । आलोक-द्रर्पण-व्याख्याद्वयसहितः । प्रत्यक्षखण्डे
प्रामाण्यवादान्त* १२—००
- ४२५ तत्त्वचिन्तामणि । रामकृष्ण ध्वरिंकृत न्यायशिखामणि-रुचिदत्त मिश्र कृत
चित्तप्रकाश व्याख्या सहित । प्रत्यक्षखण्ड-प्रथम भाग ३७—००
- ४२६ तत्त्वचिन्तामणि दीधिति प्रकाश । द्वितीय भाग । अनुमान-खण्डे तर्क-
प्रकरणात् पक्षताप्रकरणम् यावत् । कालीपद तर्काचार्य सम्पादित २०—००
- ४२७ तत्त्वचिन्तामणिः मंगलवादान्तः । माथुरी टीका सहित १५—००
- *४२८ तत्त्वप्रभावली । पं० श्री कृष्णवल्लभाचार्य संपादित । संस्कृत भूमिका सहित ।
पुस्तक में चार खण्ड हैं—१-प्रमेय खण्ड, २-प्रमाण खण्ड, ३-प्रमिति
खण्ड तथा ४-प्रमातृ खण्ड ५०—००
- ४२९ तर्क कुतूहलम् । विश्वेश्वर पाण्डेय विरचित । सं० श्री जनादेन पाण्डेय ७—००
- ४३० तर्कभाषा । केशवमिश्र प्रणीत । मूलमात्र १—००
- *४३१ तर्कभाषा । [उत्तरप्रदेश सरकार द्वारा पुरस्कृत] आचार्य विश्वेश्वर
सिद्धान्त शिरोमणि कृत तर्करहस्यदीपिका हिन्दी व्याख्या सहित ।
संशोधित षष्ठ संस्करण १६—००
- ४३२ तर्कभाषा । ‘तत्त्वालोक’ संस्कृत हिन्दी टीका सहित ८—००
- ४३३ तर्कभाषा । चित्रभट्ट विरचित व्याख्या सहित १०—००
- ४३४ तर्कभाषा (आलोचनात्मक अध्ययन) २—००
- ४३५ तर्कभाषारहस्यम् । (तर्कभाषा-प्रश्नोत्तरी) ०—५०
- ४३६ तर्कशास्त्र ज्ञान की आकाशिका । वरनार्ड बोसाके । अनु० सिन्हा २४—००
- *४३७ तर्कसंग्रहः । मूल पदकृत्य सहित ०—७५
- *४३८ तर्कसंग्रहः । ‘पदकृत्य’ संस्कृत हिन्दी व्याख्या सहित ।
सं० चन्द्रधर शुक्ल १—५०
- ४३९ तर्कसंग्रहः । न्यायबोधिनी-पदकृत्य-विरला संस्कृत टीका इन्दुमती
हिन्दी टीका सहित ३—००
- ४४० तर्कसंग्रह । न्यायबोधिनी पदकृत्य-श्री केदारनाथ कृत कला व्याख्या सहित ४—२५
- ४४१ तर्कसंग्रहः । ‘दीपिका’ संस्कृत व्याख्या ‘इन्दुमती’ हिन्दी टीका सहित २—००
- ४४२ तर्कसंग्रहः । हिन्दी टीका तथा ‘दीपिका’ टीका व दीपिका की हिन्दी टीका
सहित । आचार्य आनन्द झा कृत १२—५०

- ४४३ तर्कसंग्रहः । सुखप्रवेशिनी व्याख्या समेत १—००
- ४४४ तर्कसंग्रहः । सिद्धान्त चन्द्रोदय व्याख्या सहित ३—००
- ४४५ तर्कसंग्रहः । कृष्णकल्याण गणि विरचित फकिका व्याख्या दीपिकाव्याख्या ३—००
- *४४६ तर्कसंग्रह । प्राचीनतम नौ टीकाओं से विभूषित १. गोवर्धन मिश्र कृत न्याय-
बोधिनी, २. मेरुशास्त्री कृत वाक्यवृत्ति, ३. जगन्नाथ शास्त्री कृत निरुक्ति,
४. पट्टाभिराम शास्त्री कृत टिप्पणी, ५. स्वयं ग्रन्थकार कृत तर्कसंग्रह
दीपिका, ६. रामरद्र कृत रामरद्री, ७. रायनरसिंह शास्त्री कृत मृसिंह
प्रकाशिका, ८. नीलकण्ठ शास्त्री कृत नीलकण्ठ प्रकाशिका, ९. पट्टाभिराम
शास्त्री कृत पट्टाभिराम प्रकाशिका । सपा० श्री सत्करि शर्मा वाङ्मय १०—००
- ४४७ तर्कसंग्रहः । स्वोपज्ञ व्याख्या सहित । व्याख्याकार डा० दयानन्द भागव १०—००
- ४४८ तर्कसंग्रहः । एस० एन० शास्त्री १५—००
- ४४९ तर्कसंग्रहः । दीपिका, न्यायबोधिनी, अठवले कृत नोटस्-बोर्डस कृत
आग्लानुवाद सहित । पुमालकर कृत सशोधित-परिवर्धित ३०—००
- ४५० तर्कसंग्रह तारोदय । एस० एन० शास्त्री १०—००
- ४५१ तर्कसंग्रहः । (प्रश्नोत्तर) कुन्दनाथ मिश्र १—५०
- ४५२ तर्कसंग्रह-रहस्यम् । (तर्कसंग्रह-प्रश्नोत्तरी) श्रीक्रीत्यानन्द झा १—००
- ४५३ तर्कामृत । 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका 'परीक्षासेतु' परिशिष्ट सहित २—००
- ४५४ त्रितलावच्छेदकतावाद । शशिनाथ झा विरचित ४—५०
- ४५५ नञ् द्विरोमणि टीका आख्यातवाद टिप्पणञ्च । रघुदेव कृत १—५०
- ४५६ 'न च' रत्नमालिका । शास्तु शर्मा विरचित । स्वोपज्ञ नूतनालोक व्याख्या
सहित । मटिप्पण ६—५०
- ४५७ Navya Nyaya Sane Logical Problems in Historical Pers-
pective. By Gopika Mohan Bhattacharya. 30—00
- ४५८ न्यायकुसुमाञ्जलिः । शकर मिश्र कृत आमोद-गुणानन्द विद्या वागीश
रचित विवेक, वरदराज प्रणीत बोधिनी, हरिहर कृपालु द्विवेदी कृत
परिमल व्याख्या सहित २५—००
- ४५९ न्यायकुसुमाञ्जलिः । दुर्गाधर झा कृत हिन्दी टीका सहित ५६—५०
- *४६० न्यायकुसुमाञ्जलिः । श्रीमदुदयनाचार्यप्रणीत । मेघठकुरविरचित-
'प्रकाशिका' (जलद), रुचिदत्तोपाध्यायकृत 'मकरन्द', वर्द्धमानो-
पाध्यायकृत 'प्रकाश', वरदराजकृत 'बोधिनी' टीकाचतुष्टयोपेतः, सर्व-
तन्त्रस्वतन्त्र ५० बच्चाफानिमित्तटिप्पणीविभूषितश्च । पण्डितराज-
श्रीराजेश्वरशास्त्रिप्रणीतभूमिकादिसहित ७५—००
- ४६१ न्यायकुसुमाञ्जली । हरिदासी, प्रभा-विभा संस्कृत-हिन्दी टीका सहित १०—००
- ४६२ न्यायकुसुमाञ्जलि । हरिदासी, आचार्य विश्वेश्वर कृत हिन्दी १५—००
- ४६३ न्यायकौस्तुभः । महादेव पुणतामकर विरचित । दूसरा भाग १०—००
- ४६४ न्याय(सूत्रपाठः) दर्शनम् । श्री गौतममहामुनि प्रणीत ०—५०
- ४६५ न्यायदर्शनम् । वात्स्यायन भाष्य-विश्वनाथ वृत्ति समेत ८—५०

- *४६६ हिन्दी न्यायदर्शन । गौतम कृत (वात्स्यायनभाष्य सहित)
 व्याख्याकार—पं० हुंढिराज शास्त्री । इस ग्रन्थ में सरल
 'प्रकाशिका' हिन्दी भाषा में मूल ग्रन्थ तथा भाष्य की जो
 व्याख्या की गई है उससे न्याय दर्शन में प्रथम बार ही
 इतनी सरलता आ सकी है । सं० श्री नारायण मिश्र २५—००
- ४६७ न्यायदर्शन । श्री रामशर्मा आचार्य कृत हिन्दी टीका सहित ५—७५
- ४६८ न्यायदर्शन । उदयवीर शास्त्री कृत विद्योदय भाष्य सहित ४०—००
- ४६९ न्यायदर्शनम् । दर्शनानन्द सरस्वतीकृत हिन्दी टीका सहित ८—२५
- ४७० न्यायदर्शनम् । वात्स्यायन भाष्य-उद्योतकर वार्त्तिक-वाचस्पति तात्पर्य टीका-
 उदयन परिशुद्धि सहित । प्रथमाध्याय प्रथम भाग २५—००
- ४७१ न्याय निबन्धावली । सं० रूपनाथ झा ८—००
- ४७२ न्यायपरिचय । श्री किशोरनाथ झा १५—००
- ४७३ न्यायप्रकाशः । (न्यायशास्त्र) स्वामी चिद्धनानन्दकृत । भाषा ४५—००
- ४७४ न्यायप्रवेशः । सव्याख्या सं० ए० बी० ध्रुव । प्रथम भाग २२—००
- *४७५ न्यायविन्दुः । बौद्धाचार्य श्रीधर्मकीर्ति प्रणीत । धर्मोत्तराचार्य कृत
 संस्कृत टीका पं० चन्द्रशेखर शास्त्री कृत हिन्दी अनुवाद सहित १०—००
- ४७६ न्यायविन्दु टीका । धर्मोत्तर विरचित (न्यायविन्दु सहित) डा० श्रीनिवास
 शास्त्री कृत भाषानुवाद व्याख्यात्मक टिप्पणी सहित १७—००
- ४७७ न्यायभूषणम् । भासर्वज्ञ कृतस्य न्यायसारस्य स्वोपज्ञ व्याख्यान ।
 सं० स्वामी योगिन्द्रानन्द २०—००
- *४७८ न्यायमञ्जरी । जयन्तभट्ट कृत । टिप्पणी समेत । सम्पूर्ण ४०—००
- ४७९ न्यायमञ्जरी ग्रन्थिभङ्गः । चक्रधर कृत ३६—००
- ४८० न्यायरत्नम् । मणिकण्ठमिश्रकृत । नृसिंहयज्वकृतद्युतिमालिकाटीकासहित १०—००
- ४८१ न्यायलीलावती । 'विद्युति' 'प्रकाशेन' 'कण्ठाभरणेन' च समन्विता ५०—००
- ४८२ न्यायवार्त्तिक एक अध्ययन । डा० दयाशकर अवस्थी ४०—००
- *४८३ न्यायवार्त्तिकम् । भारद्वाज उद्योतकर कृत यन्त्रस्थ
- *४८४ न्यायवार्त्तिकतात्पर्यटीका । श्री वाचस्पति मिश्र विरचित यन्त्रस्थ
- ४८५ न्यायसारः । आचार्य भामवृक्षकृत । न्यायसारपदपत्रिका व्याख्या सहित ८—००
- ४८६ न्यायसारः । भासर्वज्ञ कृत । अपरार्क देव कृत न्यायमुक्तावली व्याख्या-
 आनन्दानुभवाचार्य कृत न्यायकलानिधि व्याख्या सहित १८—००
- ४८७ न्यायसार विचारः । भट्टराधव कृत २१—००
- ४८८ न्यायसिद्धान्त तत्त्वामृतम् । २—५०
- ४८९ न्यायसिद्धान्तमञ्जरी । जानकीनाथ विरचित । यादवाचार्य कृत न्याय-
 मञ्जरीमार व्याख्या सहित १०—००
- ४९० न्यायसिद्धान्तमुक्तावली । बालप्रिया हिन्दी टीका सहित । प्रत्यक्ष खण्ड १०—००
- ४९१ न्यायसिद्धान्तमुक्तावली । धर्मेशशास्त्रिप्रणीत हि०टी० सहित प्रत्यक्षखण्ड १५—००
- *४९२ न्यायसिद्धान्त मुक्तावली म० म० विश्वनाथ पञ्चानन कृत । प० श्री कृष्ण-
 वल्लभाचार्य कृत 'किरणावली' व्याख्या विभूषित । सं० श्री नारायणचरण
 शास्त्री-श्री श्वेत बैकुण्ठ शास्त्री यन्त्रस्थ

- ४९३ न्यायसिद्धान्त सुक्तावली-प्रश्नोत्तरी । विश्वनाथ शास्त्री २—००
- ४९४ न्यायोक्तिकोशः । छविनाथ मिश्र ४०—००
- ४९५ पदवाक्यरत्नाकरः । गोकुलनाथोपाध्याय-विरचितः । यदुनाथ मिश्र रचित
गूढार्थदीपिका व्याख्या सहित १५—००
- ४९६ पदार्थरत्नमञ्जूषा । कृष्णमिश्र विरचित ३—७५
- ४९७ पदार्थशास्त्र । (हिन्दी) श्री आनन्दशा न्यायाचार्य ८—००
- ४९८ पदार्थायदिव्यचक्षु । उमापति उपाध्याय विरचित २—५०
- ४९९ पाश्चात्य तर्कशास्त्र । जगदीश काश्यप । १-२ भाग ११—००
- ५०० प्रमाणसंज्ञरी । सर्वदेव विरचित । वलभद्र मिश्र-अद्वयारण्य योगि-
वामनभट्ट विरचित व्याख्यात्रय समन्वित ६—००
- ५०१ प्रमाणचिनोदः । चित्रवर मिश्र विरचित १—५०
- ५०२ प्रमाणान्तर्भावः । सं० सतीन्द्रचन्द्र न्यायाचार्य १६—००
- ५०३ प्रमेयकमलमार्तण्डः । प्रभाचन्द्राचार्य प्रणीत ३०—००
- ५०४ प्रमेय-पारिजातः । गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी कृत ३—००
- ५०५ प्रामाण्यवादः । गदाधर भट्टाचार्यकृत ५—००
- ५०६ प्रामाण्यवाद-दीपिका । श्री वामाचरण भट्टाचार्य विरचित १—५०
- ५०७ भारतीय तर्कशास्त्र । डा० भीखनलाल आत्रेय ७—५०
- ५०८ भारतीय न्यायशास्त्र-एक अध्ययन । डा० ब्रह्ममिश्र अवस्थी ३०—००
- ५०९ भारतीयदर्शनशास्त्र । (न्याय-वशेषिक) धर्मेन्द्रशास्त्री कृत (हिन्दी) ३—००
- ५१० मणिकणः । आग्लानुवाद सहित १०—००
- ५११ मथुरानाथीय-व्याप्तिपञ्चकटीकायाः झोडपत्रम् । ०—२०
- *५१२ माथुरी-तर्कप्रकरणम् । श्री गगेशोपाध्याय कृत । मथुरानाथ तर्कवागीश
कृत तर्करहस्य-न्यायाचार्य वामाचरण भट्टाचार्य विरचित 'विवृति'
सहित २—००
- *५१३ माथुरीपञ्चलक्षणी । श्री उमानाथाज्यौलकृतव्याख्यासहिता तथा
माथुरीसिंहव्याघ्रलक्षणम्-श्रीहरिरामशुक्लविरचितव्याख्यासहितं तथा
श्रीहरिहरशास्त्रिसङ्कलितमाथुरीपञ्चलक्षणीझोडपत्राणि यन्त्रस्थ
- ५१४ माथुरीव्याप्तिपञ्चकरहस्यं, सिंहव्याघ्रलक्षणरहस्यम् । श्री शिव-
दत्तमिश्र विरचित परीक्षोपयोगी गङ्गानिर्भरिणी व्याख्या सहित १०—००
- ५१५ मानमनोहर । स्वामी योगीन्द्रानन्द कृत हिन्दी टीका सहित १२—००
- ५१६ मुक्तिवादः । चन्द्रिकाख्य विवृति समलंकृत १—००
- ५१७ रत्नकीर्ति निवन्धावली । आचार्य रत्नकीर्ति कृत ४—००
- ५१८ रत्नकोषमत्तघादार्थ । हरिराम विरचित २—२५
- ५१९ लक्षणमाला । उदयनाचार्य कृत । शशिनाथ झा कृत व्याख्या सहित ३—००
- ५२० वादचारिधिः । श्रीगदाधरभट्टाचार्यादिविपश्चिद्वरैर्विरचितः प्रत्यक्षा-
नुमान-शब्दपरिशिष्टाख्यकल्लोलचतुष्टयात्मकः । १-३ खण्ड २०—००
- ५२१ विधिस्वरूप विचारः । गदाधर भट्टाचार्य कृत । यादवेन्द्र नाथ राय कृत विधि
बोधिनी टीका सहित १०—००
- *५२२ विषयतावादः । श्री ङ्गिण्डिराज शास्त्रि कृत टिप्पणी सहित १—००

- *५२३ व्युत्पत्तिवादः । पण्डितराज श्री वेणीमाधवशास्त्री रचित (शास्त्रार्थो-
पयोगी तथा परीक्षोपयोगी) शास्त्रार्थ कला टीका सहित १०—००
- ५२४ व्युत्पत्तिवादः । धर्मदत्त (बच्चा झा) प्राज्ञ विरचित गूढार्थतत्त्वालोक सहित ४५—००
- ५२५ व्युत्पत्तिवादः । शशिनाथ झा कृत अर्थदीपिका, धर्मदत्त (बच्चा) झा कृत
गूढार्थ तत्त्वालोक सहित २५—००
- ५२६ व्युत्पत्तिवादतरणिः । (व्युत्पत्तिवाद-प्रश्नोत्तरी) उग्रानन्दम्हाकृत १—२५
- *५२७ शक्तिवादः । पण्डितप्रवर श्रीहरिनाथतर्कसिद्धान्तभट्टाचार्य विरचित
विश्रुति (हरिनाथी टीका) सहित १५—००
- *५२८ शब्दशक्तिप्रकाशिका । श्रीजगदीशतर्कालङ्कारविनिर्मिता ।
श्रीकृष्णकान्तविद्यावागीशकृतकृष्णकान्तिटीकया-श्रीमद्रामभद्रसिद्धान्त-
वागीशविरचितया प्रबोधिनीटीकया च समलंकृता-सटिप्पणा ४५—००
- ५२९ सामान्यनिरुक्तिः । दीधिति-गादाधरी-बलदेवी-विमलप्रभा व्याख्या सहित २०—००



मीमांसा-ग्रन्थाः

- ५३० अङ्गतत्त्वनिरुक्तिः । मुरारि मिश्र कृत १२—५०
- *५३१ अधिकरणकौमुदी । श्री देवनाथठक्कुर कृत ३—००
- ५३२ अध्वरमीमांसा कुतूहलवृत्तिः । वासुदेव दीक्षित विरचित (जैमिनी सूत्र की
व्याख्या) सम्पादक-श्रीपद्मामिराम शास्त्री । १-४ भाग १०५—००
- *५३३ अर्थसंग्रहः । पद्मामिराम शास्त्री कृत अर्थालोक संस्कृत व्याख्या, श्री
वाचस्पति उपाध्याय कृत अर्थालोक लोचन संस्कृत-हिन्दी टीका
सहित सजिह्द २५—००, अजिह्द १५—००
- ५३४ Arthasangraha of Laugakshi Bhaskar. Edited and Trans-
lated into English by Dr. G. Thebaut. 20-00
- ५३५ EPISTEMOLOGY OF THE BHATTA SCHOOL OF
PURVA MIMANSA: By Dr. G. P. Bhatt. 50—00
- ५३६ कर्ममीमांसादर्शनम् । संस्कृत भाष्य एव सूत्रार्थ सहित २-२५
- ५३७ कर्ममीमांसादर्शनम् । भरद्वाज विरचित । हिन्दी टीका सहित । १-३ भाग ९—२५
- ५३८ कल्पकलिका । (धावरभाष्यव्याख्या तर्कपादान्त) हरिहरकृपालु द्विवेदी कृत ४—००
- ५३९ गुरुसम्मत पदार्थ संक्षेपः । ३—५०
- *५४० जैमिनीयन्यायमाला । श्रीमन्माधवाचार्यविरचिता, तद्विरचितेन
विस्तरेण विभूषिता । तृतीयाध्यायान्त यन्त्रस्थ
- ५४१ जैमिनीय सूत्रार्थ संग्रहः । ऋषिपुत्र परमेश्वर विरचित । प्रथम भाग १०—००
- ५४२ तन्त्ररत्नम् । पार्यसारथिमिश्र कृत । तृतीय-चतुर्थ भाग १८—५०
- ५४३ तन्त्ररहस्य । रामानुजाचार्य विरचित १२—००
- ५४४ तौतातितमततिलकम् । भवदेव विरचित । तीसरा भाग २—४५
- ५४५ नीतितरवाविर्भावः । चिदानन्द पंडित प्रणीत ५—००
- ५४६ न्यायविन्दुः । (मीमांसा) मट्ट वैद्यनाथकृत । सटिप्पण ४—००

५४७ न्यायरत्नमाला । पार्थसारथि मिश्र कृत । सं० अ० सु० शास्त्री	१५—००
५४८ न्यायसुधा । तन्त्रवार्तिक व्याख्या । श्रीमद्भट्टसोमेश्वर कृत	१००—००
५४९ पूर्वमीमांसाधिकरणकौमुदी । रामकृष्णभट्टाचार्य विरचित	६—००
५५० प्रकरणपञ्चिका । शालिकनाथ मिश्र विरचित । जयपुरी नारायण भट्ट कृत न्यायसिद्धि व्याख्या सहित । ७० सुब्रह्मण्य शास्त्री संपादित	२५—००
५५१ प्रभाकरविजयः । (प्रभाकर मत) नन्दीश्वर कृत	५—००
५५२ प्रमाणलक्षणम् । सर्वशास्त्र महाशुनि विरचित	१०—००
५५३ बृहती । प्रभाकरमिश्र विरचित (शाबरभाष्य व्याख्या), म० म० शालिकनाथ मिश्र कृत 'ऋजु विमला' व्याख्याद्वययुत	१५—००
५५४ बृहती (प्रथमाध्यायात् द्वितीय पाद से वारह अध्याय तक)	७०—००
५५५ भाट्टचिन्तामणिः । म० म० श्री गागाभट्ट विरचित	१५—००
५५६ भाट्टतन्त्ररहस्य । खण्डदेव विरचित । स० अ० सु० शास्त्री	१०—००
५५७ भाट्टदीपिका । खण्डदेव कृत । प्रभावली महिता । निवृत्तान्त भाग	१५—००
५५८ भाट्टभाषाप्रकाशः । श्रीनारायणतीर्थमुनि विरचित	०—६५
५५९ मीमांसाकोषः । केवलानन्द मरस्वती संपादित । ३-७ भाग	२७०—००
५६० मीमांसाकौस्तुभः । (मीमांसासूत्रोपरि काचन विस्तृतटीका) श्रीखण्डदेव विरचित	१००—००
५६१ मीमांसादर्शन । (मीमांसाशास्त्र का इतिहास-हिन्दी) मंडन मिश्र शास्त्री	१०—००
५६२ मीमांसादर्शनम् । तन्त्रवार्तिक व्याख्या सवलित शाबरभाष्य-मन्मथम् । १-७ भाग	१८७—२५
५६३ मीमांसादर्शन शाबरभाष्य । शुधिष्ठिर मीमांसक कृत हिन्दी व्याख्या सहित । प्रथम भाग	४०—००, ३०—००
५६४ मीमांसादर्शनम् । हिन्दी टीका सहित	८—२५
५६५ मीमांसादर्शन । श्री रामचर्मा आचार्य कृत हिन्दी टीका सहित	७—५०
५६६ मीमांसा दर्शन विमर्शः । डा० वाचस्पति उपाध्याय	२०—००
५६७ मीमांसासूत्रकर्मणिका । श्रीमण्डनमिश्रकृता । महासहोपाध्याय गङ्गानाथ झा रचित 'मीमांसामण्डनेन' मण्डिता	३०—००
५६८ मीमांसान्यायप्रकाशः । आपदेव कृत । म० म० पण्डित चिन्न स्वामिश्रास्त्रिविरचित सारविवेचिनीव्याख्या सहित । सुपरिष्कृत पविरद्धित द्वितीय संस्करण	यन्त्रस्थ
५६९ मीमांसान्यायप्रकाश । वासुदेव शास्त्री अभ्यङ्कर कृत व्याख्या सहित	३०—००
५७० मीमांसापरिभाषा । संस्कृत-हिन्दी वाक्ययी दीपिका सहित	१—५०
५७१ मीमांसा-परिभाषा । डा० हरिदत्त शास्त्री कृत हिन्दी टीका सहित	२—५०
५७२ मीमांसाशास्त्रसारम् ।	२—००
५७३ मीमांसाश्लोकवार्तिकम् । न्यायरत्नाकर व्याख्या सहित १-३ खण्ड	१५—००
५७४ त्रिधिरसायन । सुखोपायोजिनी व्याख्या सहित । स० सुब्रह्मण्य शास्त्री	९—००
५७५ त्रिधिरसायनदूषणम् । श्रीशङ्करभट्ट प्रणीत	१—५०
५७६ त्रिधिविवेकः । मंडन मिश्र विरचित । वाचस्पति मिश्र प्रणीत न्यायकणिका	३०—००

५७७ वेदप्रकाशः । श्री सत्यज्ञानानन्दतीर्थ विरचित	६—००
५७८ शास्त्रदीपिका । वधनाथ कृत प्रभा सहित (तर्कपाद रहित १-५ अध्याय) सं० पी. एन. पट्टाभिराम शास्त्री	५०—००
५७९ शास्त्रदीपिका (तर्कपाद) डा० किशोरदास स्वामी कृत हिन्दी टीका सहित	४०—००
५८० शास्त्रदीपिका । सं० ए० सुब्रह्मण्य शास्त्री । द्वितीय भाग	१५—००
५८१ श्लोकवार्तिकम् । न्यायरत्नाकर टीका सहित	६०—००
५८२ श्लोकवार्तिक व्याख्या तात्पर्य टीका । उवेक भट्ट कृत	२५—००

सांख्य-ग्रन्थाः

५८३ तत्त्वसमाससूत्रम् । भावाणेश कृत । तत्त्वयाथार्थ्यदीपन टीका सहित	२—००
५८४ महाभारत और पुराणों में सांख्यदर्शन । डा० रामसुरेश पाण्डेय	५०—००
५८५ SANKHYA APHORISMS OF KAPILA, Translated by J. R. Ballantyne	50—00
५८६ सांख्यकारिका । चन्द्रिका टीका सहित	६—००
५८६A सांख्यकारिका । डा० ब्रजमोहन चतुर्वेदी कृत टीका सहित	११—००, १६—००
५८७ सांख्यकारिका । माठराचार्य त्रिरचिन वृत्ति सहित	१५—००
५८८ सांख्यकारिका । गौडपादभाष्य-डा० (कु०) विमला कर्णाटक कृत संस्कृत- हिन्दी व्याख्या एव विस्तृत भूमिका सहित	८—००
५८९ सांख्यकारिका । सं० सी. कुन्हनराजा	१४—५०
५९० सांख्यकारिका (प्रश्नोत्तर रूप में)	२—००
५९१ सांख्यकारिका-सांख्यतत्त्वकौमुदी । ज्योतिष्मती व्याख्या-हिन्दी अनुवाद १५—००, २५—००	
५९२ सांख्यकारिका-सांख्यतत्त्वकौमुदी सहित । रामकृष्ण आचार्य कृत टीका	१०—००
*५९३ हिन्दीसांख्यतत्त्वकौमुदी । वाचस्पति मिश्र कृत । परीक्षोपयोगी विविध परि- शिष्ट सहित । डॉ० गजानन शास्त्री मुसलगांवकर कृत तत्त्वप्रकाशिका हिन्दी टीका सहित	१५—००
*५९४ सांख्यतत्त्वकौमुदी । न्यायाचार्य श्रीहरिरामशुक्ल विरचित सुषमाख्य कौमुदी व्याख्या समलंकृत	यन्त्रस्थ
५९५ सांख्यतत्त्वकौमुदी । सारबोधिनी व्याख्या युक्त	१२—००
५९६ सांख्यतत्त्वप्रदीपः । डॉ० अमलधारी सिंह	६—००
५९७ सांख्यदर्शन । विज्ञानभिक्षुभाष्य-हिन्दी टीका सहित	२५—००
५९८ सांख्यदर्शन । महादेव वेदान्ती व नागेश भट्ट कृत दो टीका सहित	१५—००
५९९ सांख्यदर्शन । श्री रामशर्मा आचार्य कृत हिन्दी टीका सहित	५—७५
६०० सांख्यदर्शन । स्वामी ब्रह्ममुनि कृत भाषा भाष्य सहित	४—००
६०१ सांख्यदर्शन की ऐतिहासिक परम्परा । डॉ० आद्याप्रसाद मिश्र	२०—००
६०२ सांख्यदर्शनम् । दर्शनानन्दकृत हिन्दी व्याख्या सहित	४—५०
६०३ सांख्यदर्शनम् । उदयवीर शास्त्री कृत विद्योदय भाष्य सहित	२५—००
६०४ सांख्ययोगदर्शन का जीर्णोद्धार । श्री हरिशङ्कर जोशी	२०—००

६०५ सांख्यसंग्रहः । (विमानन्द [चेमेन्द्र] विरचित ९ ग्रन्थों का संग्रह) १५—००	
६०६ सांख्यसार । विज्ञानभिक्षु विरचित	४—५०, ८—००
६०७ सांख्यसिद्धान्त । (हिन्दी) उदयवीर शास्त्री	३४—००
६०८ सांख्यसूत्रम् । अनिरुद्ध वृत्ति सहित	४—००

योग-ग्रन्थाः

६०९ गोरक्षपद्धतिः । हिन्दी टीका सहित	१—५०
६१० गोरक्ष सहिता । डा० चमन लाल गौतम कृत हिन्दी टीका सहित	३—२५
६११ गोरक्ष सहिता । स० जनार्दन पाडेय १-२ भाग	८४—१०
६१२ गोरक्ष सिद्धान्त संग्रहः । स० जनार्दन शास्त्री पाडेय	१०—५०
६१३ गोरखनाथ चरित । डा० चमनलाल गौतम	३—००
६१४ घेरण्डसंहिता । भाषानुवाद-संग्रह व्याख्या सहित	४—००
६१५ ध्यानयोगप्रकाशः । स्वामी लक्ष्मण वेद सरस्वती	८—००
६१६ पातञ्जल योग । ब्रह्ममित्र अवस्थी	१२—००
६१७ पातञ्जलयोगदर्शनम् । पदचन्द्रिका व्याख्या युक्त	०—५०
६१८ पातञ्जलयोगदर्शनम् । व्यास भाष्य-भोजवृत्ति-भाषानुवाद सहित	१०—००
*६१९ पातञ्जलयोगदर्शनम् । व्यासभाष्य तथा स्वामी ब्रह्मलीन मुनि विरचित हिन्दी विवृति सहित	२०—००
६२० पातञ्जलयोगदर्शन । हरिहरानन्द कृत भाष्य सहित	२०—००, ३०—००
६२१ पातञ्जल योगदर्शन । स्वामी विष्णु तीर्थ कृत हिन्दी टीका सहित	२—५०
६२२ पातञ्जल योग पर बौद्धधर्म का प्रभाव । ब्रह्ममित्र अवस्थी	१५—००
६२३ पातञ्जलयोग प्रवेश । डा० दीवान गोकुलचन्द्र कपूर कृत अनुवाद सहित	५—००
६२४ पातञ्जल योग शास्त्र-एक अध्ययन । ब्रह्ममित्र अवस्थी	४०—००
६२५ पातञ्जलयोगसूत्राणि । वाचस्पति टीका व्यासभाष्य सहित	२०—००
* ६२६ PRANAYAMA (The Science of Yogic Breathing) by Dr K. S. Joshi.	50—00
६२७ ब्रह्मविद्या । स्वामी कृष्णानन्द । भाषा	७—००
६२८ A Manual of Science and Philosophy of Yoga by K. N. Udupa	6—00
६२९ योगदर्शन । श्रीगम शर्मा आचार्य कृत हिन्दी टीका सहित	६—२५
६३० योगदर्शनम् । हिन्दी टीका सहित	५—००
६३१ योगप्रदीपिका । स्वात्माराम योगीन्द्र रचित । ब्रह्मचारी याज्ञवल्क्य प्रणीत आर्ष भाषा भाष्य सहित	३—५०
६३२ योगसन्ध्या । हिन्दी टीका सहित	३—००
*६३३ योगसूत्रम् । प० बलदेव मिश्र कृत योगसूत्रप्रदीपिका व्याख्या सहित	५—००
६३४ विज्ञान भैरव । ब्रजवल्लभ द्विवेदी	३५—००, २०—००
६३५ वैदिक योगसूत्र । श्री हरिशंकर जोशी	२५—००
६३६ व्याख्याकारों की दृष्टि से पातञ्जलयोगसूत्र का समीक्षात्मक अध्ययन । डा० (कु०) विमला कर्णाटक	६५—००
६३७ शिवसहिता । हिन्दी टीका सहित	३—२५
६३८ शिवस्वरोदयः । हिन्दी टीका सहित	३—७५

*६३९ साङ्गयोगदर्शनम् अर्थात् पातञ्जलदर्शनम् । व्यासभाष्य-वाचस्पति

टीका (तत्त्ववैशारदीय) पातञ्जलरहस्य-योगवार्त्तिक-भास्वतीवृत्ति	यन्त्रस्थ
६४० हठयोगप्रदीपिका । हिन्दी टीका सहित	४-२५
६४१ हठयोगप्रदीपिका । स्वात्माराम योगीन्द्र विरचित । ब्रह्मानन्द प्रणीत ज्योत्स्ना व्याख्या-भांगलानुवाद समलकृत	२६-००

योग-ग्रन्थ भाषा

६४२ अध्यात्मदर्शन । स्वामी कृष्णानन्द	४-६५
६४३ अभ्यासियों के कर्तव्य ।	०-५५
६४४ अमूल्य निधि । सन्त चतुर्भुज सहाय । १-५ भाग	११-८५
६४५ अलौकिक भक्ति योग । सन्त चतुर्भुज सहाय	२-६०
६४६ अष्टाङ्ग योग रहस्य । डा० चमनलाल गौतम	६-००
६४७ अष्टाङ्ग योग सिद्धि । डा० चमनलाल गौतम	६-००
६४८ कर्म और योग । स्वामी कृष्णानन्द	२-९०
६४९ कालपुरुषदर्शन ।	०-४५
६५० कुण्डलिनी योगतन्त्र । दीवान गोकुलचन्द्र कपूर	३-००
६५१ गुरुवाणी अथवा शतोपदेश । पुरुषोत्तम तीर्थ स्वामा	३-५०
६५२ चक्र कुण्डलिनी और शास्त्रोक्त अनुभव । पंड्या वैजनाथ	१-८०
६५३ जपसाधना । पुरुषोत्तमतीर्थ स्वामी	४-००
६५४ दर्शन और उसके दो उपाय । सन्तचतुर्भुज सहाय	०-७५
६५५ ध्यान । मिश्रीलाल	०-२०
६५६ ध्यान अभ्यास और परिणाम । छारार्कोड । अनु०-रामचन्द्र शुक्ल	०-७५
६५७ ध्यान और मनोबल ।	२०-००
६५८ ध्यानमाला । एर्नावेसेंट	१-५०
६५९ प्राणायाम के असाधारण प्रयोग । चमनलाल गौतम	५-७५
६६० प्राणायाम मीमांसा । ठाकुर बिजय बहादुर सिंह	३-००
६६१ मन्त्रयोग संहिता । हिन्दी टीका सहित	१-००
६६२ भक्तियोग । डा० चमन लाल गौतम	५-७५
६६३ भक्तिसागर । स्वामी चरणदास	१५-००
६६४ भावनायोग । अनुवादक-पण्ड्या वैजनाथ	१-१५
६६५ मन और उसका निग्रह । स्वामी दुधानन्द । अनु० स्वामी आत्मानन्द	३-५०
६६६ मनोविज्ञान तथा शिब सङ्ग्रह । स्वामी आत्मानन्द	५-००
६६७ मानसिक शक्ति के चमस्कार । सत्यकाम विद्यालकार	६-००
६६८ योग और पुरुषत्व । दाउदयाल गुप्त	६-००
६६९ योग और महिलाएँ । दाउदयाल गुप्त	६-२५
६७० योग और यौवन । दाउदयाल गुप्त	६-००
६७१ योग की सरलता ।	०-६०
६७२ योगदर्शन । डॉ० सम्पूर्णानन्द । हिन्दी	७-००
६७३ योग फिलासफी और नवीन साधना । सन्तचतुर्भुज सहाय	२-८५
६७४ योगमनोविज्ञान । डॉ० शान्तिप्रकाश आत्रेय	३०-००
६७५ योगवाणी या सिद्धयोगोपदेश । बगला से अनूदित	६-००

६७६ योग साधना ।	४—७५
६७७ राजयोग । राजाराम सखाराम भागवत	२—५०
६७८ वैदिक योगपरिचय । स्वामी विष्णुतीर्थ	५—००
६७९ व्यावहारिक धर्म ।	०—८५
६८० शक्तिपात (कुण्डलिनी महायोग) स्वामी विष्णुतीर्थ । १-२ भाग	४—५०
६८१ शिव और रुद्र । सन्तचतुर्भुज सहाय	०—८०
६८२ सन्त और सूफियों में गुरु प्रतिष्ठा । सन्तचतुर्भुज सहाय	०—८५
६८३ साधकों का मार्ग ।	०—८०
६८४ साधनचन्द्रिका । स्वामी दयानन्द	१—७५
६८५ साधनपथ । शिवोम् प्रकाश	१—५०
६८६ साधनसंकेतः । स्वामी विष्णुतीर्थ	१—००
६८७ साधन सोपान ।	०—२५
६८८ साधना । रवीन्द्रनाथठाकुर	५—००
६८९ साधना के अनुभव । सन्तचतुर्भुज सहाय । १-७ भाग	१९—४०
६९० सुगम साधन मार्ग । स्वामी शिवानन्द	१०—००
६९१ स्वरोदयविज्ञान । लेखक अज्ञात	२—००
६९२ हमारा जीवन । ब्रह्मदत्त त्रिपाठी	०—८०
६९३ हमारा सिद्धान्त ।	०—८५

वैशेषिक-ग्रन्थाः

*६९४ कणादगौतमीयम् 'पदार्थानुशासनम्' । अचार्य विश्वनाथ शास्त्री । हिन्दी टीका सन्धि	८—००
६९५ दशपदार्थो । डा० उमारमण झा कृत व्याख्या सहित	१३—५०
६९६ न्यायसिद्धान्ततत्त्वामृतम् । श्रीनिवास कृत	२—५०
६९७ पदार्थरत्नमञ्जूषा । कृष्णमिश्र विरचित । मुनि जिन विजय संपादित	३—७५
६९८ प्रशस्तपादभाष्यम् (पदार्थधर्मसंग्रह) श्रीधरभट्ट प्रणीत न्यायकन्दली व्याख्या, दुर्गाधर झा कृत हिन्दी टीका सहित	६८—००
६९९ लक्षणराजिः । तिप्प भट्ट कृत । लघुन्याय वादास्त्रयः	२—००
७०० लक्षणावली । उदयनाचार्यकृत । भट्टकेशवकृत प्रकाश व्याख्या सहित	२—७५
*७०१ वैशेषिकदर्शन । सूत्रोपस्कार तथा प्रकाशिका हिन्दी अनुवाद सहित । व्याख्याकारः पण्डितराज श्रीदुण्डिराजशास्त्री । परम प्रामाणिक एवं प्राचीन संस्कृत टीका के साथ वैशेषिक दर्शन के प्रतिपद के प्रकाशिका हिन्दी अनुवाद सहित यह सर्वप्रथम छात्रोपयोगी संस्करण है	३५—००
*७०२ हिन्दी वैशेषिकदर्शन । महर्षि कणाद कृत (प्रशस्त देवाचार्य कृत प्रशस्तपादभाष्य सहित) व्याख्याकार, पण्डितराज श्री दुण्डिराज शास्त्री इस संस्करण में मूलग्रन्थ तथा भाष्य के प्रतिपद का विभागश अतिसरल अनुवाद तथा विशद प्रकाशिका हिन्दी व्याख्या प्रस्तुत की गई है । हिन्दी जगत् में इस व्याख्या का यह सर्वथा प्रथम अवतार है । छात्रों तथा अध्यापकों को अवश्य ही इससे यथेष्ट लाभ होगा	२५—००

७०३ वैशेषिकदर्शन प्रशस्तपादभाष्य । उदयनाचार्य प्रणीत किरणावली टीका सहित	३०—००
७०४ वैशेषिकदर्शनम् प्रशस्तपादभाष्यम् । सूक्ति व्याख्या—कालीपद तर्काचार्य कृत सूक्तिदीपिका व्याख्या—बङ्गलाभाष्य सहित । द्रव्य प्रकरण	८—००
७०५ वैशेषिक दर्शन : एक अध्ययन । प्रो० नारायण मिश्र	२०—००
७०६ वैशेषिकदर्शन तुलनात्मक अध्ययन । डॉ० बी० एन० सिंह	१५—००
७०७ वैशेषिकदर्शनम् । मट्ट वादीन्द्र कृत व्याख्या समलकृतम्	६—५०
७०८ वैशेषिकदर्शनम् । किरणावलीव्याख्या सहित । चतुर्थ खण्ड मात्र	२०—००
७०९ वैशेषिकदर्शनम् । उदयनाचार्यप्रणीत किरणावली टीका सहित ३ व ५ खण्ड	१२—००
७१० वैशेषिक दर्शनम् । उदयवीर शास्त्री कृत विद्योदय हिन्दी टीका सहित	३०—००
*७११ हिन्दी वैशेषिक दर्शन । श्री नारायण मिश्र कृत प्रकाश हिन्दी टीका	४—००
७१२ वैशेषिक सूत्र ।	३५—००
७१३ VAISESIKA PHILOSOPHY Translation and Notes by H. U. Edited by F. W. Thomas	३५—००

दर्शन-संग्रहः

७१४ ABHINAVAGUPTA By Dr. Kanti Chandra Pandeya	७५—००
७१५ अमरीकी दर्शन और दार्शनिक । जोसेफ एलब्रौ । अनुवादक—राधेज्याम गर्मा	१०—००
७१६ अमरीकी दर्शन का इतिहास । हर्बर्ट डब्ल्यू इनाइडर । अनुवादक ओम प्रकाश दीपक	८—५०
७१७ अरविन्द दर्शनम् । सत्यप्रकाश सिंह	२०—००
७१८ आज का भारतीय दर्शन । राधाकृष्णन्	१५—००
७१९ INDIAN AESTHETICS By Dr Kanti Chandra Pandeya	६५—००
७२० एफ. एच. ब्रैडले का दर्शन । श्रीमती लक्ष्मी सक्सेना	१२—५०
७२१ A FUNCTIONAL ANALYSIS OF INDIAN THOUGHT AND ITS SOCIAL MARGINS By Swami A. Bharati,	३५—००
७२२ कश्मीर शैव दर्शन । बलजिन्नाथ पंडित शास्त्री	३०—००
७२३ कान्ट का दर्शन । सगम लाल पाण्डेय	१०—००
७२४ काश्मीर शैवदर्शन और कामायनी । श्री भँवरलाल जोशी	२५—००
७२५ Causation in Indian Philosophy. By Bharatiya	५५—००
७२६ ग्रीक दर्शन । जॉन वर्नेट	१६—००
७२७ ग्रीक और मध्ययुगीन दर्शन का वैज्ञानिक इतिहास । जगदीश सहाय	१२—५०
७२८ चार्वाकदर्शन की शास्त्रीय समीक्षा । डॉ० सर्वानन्द पाठक	१६—००
७२९ चार्वाक दर्शन । आनन्द झा	१२—००
७३० चार्वाक समीक्षा । स्वामी कृष्णानन्द	२—३०
*७३१ तत्त्वप्रकाश : सिद्धान्त शैवदर्शनम् । भोज कृत । कुमारदेव कृत तात्पर्य-दीपिका—अधोरशिवाचार्य प्रणीत वृत्ति व्याख्या सहित । डा० कामेश्वर नाथ मिश्र कृत विशद भूमिका, भाषानुवाद तथा परिशिष्टादि सहित । म० म० डा० गोपीनाथ कविराज कृत प्राकथन-सहित	३०—००

- ७३२ तर्क एवं दर्शन का विवेचन । लुडविग् विदिगस्टाग्न । अनु० राजेन्द्रप्रसाद ६—००
- ७३३ दयानन्द दर्शन । ३०—००
- ७३४ दर्शन अनुचिन्तन । गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी ४—५०
- ७३५ दर्शन का प्रयोजन । डा० भगवानदास ४—५०
- ७३६ दर्शन की कहानी । विलहरेन्ट । अनुवादक कैलाशनारायण चोपरी १५—००
- ७३७ दर्शन के उपयोग । श्रविण एटमन । सपादक चार्ल्स फ्रैंकल ४—५०
- ७३८ दर्शन के प्रकार । हाकिंग । अनु० रमेशचन्द्र शर्मा १६—००
- ७३९ दर्शन के सौ वर्ष । जॉन पैसमोर । अनु० चाँदमल शर्मा-शास्त्री १५—००
- ७४० दर्शन पद्धति पर चर्चा । डेकार्ट । अनु० सुरेन्द्र चतुर्वेदी ६—००
- ७४१ दर्शनशास्त्र का परिचय । जार्ज टामस ह्याइट पैट्रिक २०—००
- ७४२ दर्शन संग्रह । डा० दीवानचन्द्र ६—५०
- ७४३ धर्म और दर्शन । विष्णुदेव उपाध्याय -५—००
- ७४४ धर्मदर्शन । डा० रामनारायण व्यास १२—००
- ७४५ परमाणु दर्शनम् । जगदीशचार्थ प्रणीत ४—००
- ७४६ पश्चिमी दर्शन । डा० दीवानचन्द्र ४—००
- ७४७ पश्चिमीदर्शन । जे० एन० सिन्हा १०—००
- ७४८ पाश्चात्यदर्शन । चन्द्रधर शर्मा १०—००
- ७४९ पाश्चात्य दर्शन का आधुनिक युग । डॉ० वृजगोपाल तिवारी ९—००
- ७५० पाश्चात्य दर्शन की आधुनिक समीक्षा । १०—००
- ७५१ पाश्चात्य दर्शनों का इतिहास । गुला गय ८—००
- ७५२ पूर्वी और पश्चिमी दर्शन । डा० देवराज ५—००
- ७५३ ब्रह्माण्ड दर्शन । छोटुमार्ड सुथार २०—००
- ७५४ भारतीयदर्शन । भारतवर्ष की विविध दार्शनिक-वैदिक और तान्त्रिक विचारधाराओं का प्रामाणिक विवेचन करनेवाला राष्ट्रभाषा हिन्दी में यह ग्रन्थरत्न अनुपम और अद्वितीय है । सभी विश्वविद्यालयों में बी० ए०, एम० ए० का यह पाठ्यग्रन्थ है । लेखक आचार्य बलदेव उपाध्याय ३५—००
- ७५५ भारतीयदर्शन । डॉ० सर्वपल्ली राधाकृष्णन् । १-२ खण्ड १००—००
- ७५६ भारतीयदर्शन । डा० उमेश मिश्र ८—००
- ७५७ भारतीयदर्शन । वाचस्पति गैरोला १४—००
- ७५८ भारतीय दर्शन । दत्त-चटर्जी । हिन्दी संस्करण १५—००
- ७५९ भारतीयदर्शन । २०—००
- ७६० भारतीय दर्शन । स० डॉ० न० कि० देवराज २५—००
- ७६१ भारतीय दर्शन का इतिहास । सुरेन्द्रनाथ दास गुप्त । १ से ५ खण्ड ८४—००
- ७६२ भारतीय दर्शन की कहानी । सगमलाल पाण्डेय ६—००
- ७६३ भारतीय दर्शन की रूपरेखा । (प्रश्नोत्तर) डॉ० नात्स्यायन ८—५०
- ७६४ भारतीय दर्शन की रूपरेखा । हरेन्द्रप्रसाद सिन्हा १५—००, २५—००
- ७६५ भारतीय दर्शन की रूपरेखा । एम० हिरियन्ना । अनु०—डॉ० गोवर्धन भट्ट-श्रीमती मञ्जु गुप्त-सुखवीर चौधरी २०—००
- ७६६ भारतीय दर्शन परम्परा । डा० हरवश लाल शर्मा ३५—००

७६७ भारतीय दर्शन परम्परा और आदि ग्रन्थ । डा० हरवश लाल शर्मा	५०—००
७६८ भारतीय दर्शन परम्परा और आदि ग्रन्थों में वाहगुरु स्वरूप । डा० हरवश लाल शर्मा	१६—००
७६९ भारतीय दर्शन परिचय । १-२ खंड—न्याय-वैशेषिकदर्शन। हरिमोहन झा	१६—००
७७० भारतीय दर्शन । (प्रश्नोत्तर)	२—५०
७७१ भारतीय दर्शन में अनुमान । डा० ब्रजनारायण शर्मा	२५—००
७७२ भारतीय दर्शन में चेतना का स्वरूप । डॉ० श्रीकृष्ण सक्सेना	१५—००
७७३ भारतीय दर्शन में प्रामाण्यवाद । शारदा गाँधी	५०—००
७७४ भारतीय दर्शन में मोक्ष चिन्तन । डा० अशोक कुमार लाट	१२—००
७७५ भारतीय दर्शनशास्त्र । (न्याय-वैशेषिक) धर्मेन्द्र शास्त्री	३—८०
७७६ भारतीय दर्शन शास्त्र का इतिहास । डॉ० हरिदत्त शास्त्री	१२—००
७७७ भारतीय दर्शनशास्त्र की भूमिका। रामचन्द्रपाण्डेय । अनु० अशोककुमार	१०—००
* ७७८ भारतीय धर्म और दर्शन । आचार्य बलदेव उपाध्याय	३५—००
७७९ भारतीय सौन्दर्यशास्त्र की भूमिका । फतह सिंह	२०—००
७८० मनोविज्ञान मीमांसा । विश्वधर सिद्धान्तशिरोमणि	१२—००
७८१ यूरोपीयदर्शन । रामावतार शर्मा	३—५०
७८२ राजनीति और दर्शन । विश्वनाथप्रसाद वर्मा	१४—००
७८३ राधाकृष्णन् का विश्वदर्शन । शांति जोशी	९—००
७८४ विश्वधर्मदर्शन । सौवलिया विहागी लाल वर्मा	३२—००
७८५ WESTERN AESTHETICS By Dr Kantu Chandra Pandeya	65—00
७८६ वैज्ञानिक दर्शन का उदय । हैन्स राइखेनबाख । अनु० अनन्त मराल शास्त्री	१२—००
७८७ वैदिकदर्शन । डा० फनहमिह	९—००
७८८ शब्ददर्शन । रामस्वरूप शास्त्री	५—००, ८—००
७८९ षड्दर्शनरहस्य । रङ्गनाथ पाठक	५—००
७९० सन्मार्गदर्शन । स्वामी सर्वदानन्द कृत	६—५०
७९१ समकालीन पाश्चात्य दर्शन । लक्ष्मी सक्सेना	१६—००
७९२ समकालीन भारतीय दर्शन । श्रीमती लक्ष्मी सक्सेना	१४—००
७९३ सर्वदर्शनसङ्ग्रहः । माधवाचार्यप्रणीत । मूलमात्र	१५—००
७९४ सर्वदर्शनसंग्रहः । उमाशंकरशर्मा 'ऋषि' कृत हिन्दी व्याख्या सहित	६०—००
७९५ SARVA-DARSANA SAMGRAHA by Mādhava Ācharya Translated by E. B. Cowell and A. E. Gough	40—00
७९६ सर्वात्म दर्शन-देवरहो तत्र चिन्तन । डा० हरवशलाल शर्मा	१०—००
७९७ साधुदर्शन तथा सत्प्रसंग । म० म० डा० गोपीनाथकर्णप्रसाद । १-२ भाग	२०—००
७९८ THE SIX SYSTEMS OF INDIAN PHILOSOPHY By F. MAX MULLER	30-00

वेदान्त-ग्रन्थाः

७९९ अद्वैतरत्नाकरः । अमरदास प्रणीत । सस्कृत-हिन्दी टीका सहित	०—१०
८०० अद्वैत रसमञ्जरी । सदाशिव ब्रह्मेन्द्र कृत । लघु विवरण व्याख्या सहित	१—००

- ८०१ अद्वैत वेदान्त । डा० राममूर्ति शास्त्री ३७—००
- ८०२ अद्वैतसिद्धान्तसारसङ्ग्रहः । १—००
- ८०३ अद्वैतसिद्धिः । श्रीयोगेन्द्रानन्द वागची कृत बालबोधिनी व्याख्या सहित ।
१-२ भाग ८०—००
- ८०४ अद्वैतसिद्धिः । मधुसूदन सरस्वती कृत । न्यायाभ्युदायैत सिद्धि सहित ।
स्वामी योगीन्द्रानन्द कृत हिन्दी व्याख्या सहित । १-२ भाग ७६—००
- ८०५ अद्वैतामोदः । वासुदेवशास्त्री प्रणीत १८—७५
- ८०६ अधातो ब्रह्म । ललित कृष्ण गोस्वामी १५—००
- ८०७ अध्यात्मभागवतसङ्ग्रहः । हिन्दी टीका सहित ८—००
- ८०८ अध्यात्मविद्योपदेशविधिः । शङ्कराचार्यप्रणीत १—००
- ८०९ अनुभवानन्द लहरी । केशवानन्द यति विरचित ५—००
- ८१० अमृत-मन्थन अथवा जीवन का दिव्य पक्ष । डॉ० मंगलदेव शास्त्री ६—००
- *८११ आत्मानात्मविवेकः तथा आत्मबोधः । श्री शङ्कराचार्य विरचित । डा०
जगदीश चन्द्र मिश्र कृत सविमर्श विमला संस्कृत हिन्दी व्याख्या
टिप्पणी (नोट्स) सहित ५—००
- ८१२ आत्मोल्लासः । ३—५०
- ८१३ आभोगः । वाचस्पति मिश्र कृत भामती की टीका कल्पतरु की व्याख्या ।
लक्ष्मी नृसिंह विरचित २०—००
- ८१४ उपक्रम पराक्रम । अप्पय दीक्षित विरचित । स० प० सुब्रह्मण्य शास्त्री १२—००
- ८१५ उपदेशसाहस्री । भगवत्पादाचार्य विरचित । सब्याख्या १०—००
- ८१६ उपदेशसाहस्री । हिन्दी अनुवाद सहित ५—७५
- ८१७ उपेयनामविवेक । ४—००
- ८१८ औचित्य जीवनम् । मायाप्रसाद त्रिपाठी कृत । हिन्दी टीका सहित ४—००
- ८१९ On the Origin of the Indian Brahma Alphabet. By
George Buhler. With three Plates. २०—००
- ८२० Cult of Brahma. By Tarapada Bhattacharya. ४५—००
- *८२१ काथबोधः । साजनीकृतटीकोपेतः । दत्तात्रेय सम्प्रदायाऽनुगत २—००
- ८२२ कायपरिशुद्धिः । अभ्यङ्गर वासुदेवशास्त्री प्रणीत २—५०
- *८२३ हिन्दी खण्डनखण्डखाद्य । महाकवि श्रीहर्षकृत । शङ्कर मिश्र की
'शाकरी' व्याख्या तथा तत्त्वबोधिनी हिन्दी व्याख्या सहित ।
हिन्दी व्याख्याकार-स्वामी हनुमान दास षट्शास्त्री ।
दार्शनिक जटिलता होते हुए भी व्याख्या स्पष्ट एवं सरल है । कोई पद
अव्याख्यात नहीं रह पाया है । ग्रन्थ लगाने तथा आशय समझने के
लिये भी इन व्याख्या का क्रम एक प्रवाह प्रयत्नार्थक है । पाण्डित्यपूर्ण
विचारा स औत्तम्योत्त समालोचनात्मक-भूमिकादिसहित सर्वोत्तम
संस्करण ३५—००
- ८२४ चतुर्वेद महावाक्य टीका चिन्तामणिः । आदि नारायण विरचित - १—५०
- ८२५ चित्सुखी । श्री चित्सुखाचार्यकृत नयनप्रज्ञादिनी व्याख्या, सटिप्पण,
भाषानुवाद सहित २४—००
- ८२६ चित्सुखी रहस्यम् । (प्रश्नोत्तरी) रामेश्वर पुरी २—००

८२७ चिद्चिद् शरीरक ब्रह्मसिद्धिः सप्त विधानुपपत्ति परीक्षा च । वै० जगदीश्वर शास्त्री	२—००
८२८ जीवनज्योतिः । डॉ० मङ्गलदेव शास्त्री	१६—००
८२९ जीवनदर्शन । डॉ० मुंशीराम शर्मा	३—००
* ८३० जीवनमुक्तिविवेकः । श्रीमद्विद्यारण्यकृत । ठाकुर उदय नारायण सिंह कृत हिन्दी टीका सहित	यन्त्रस्थ
८३१ जीवनमुक्तिविवेकः । श्रीमद्विद्यारण्य कृत	१०—००
८३२ तत्त्वदीपनम् । श्रीअखण्डानन्दमुनिकृतम् (पञ्चपादिका विवरणस्य व्याख्यानम्)	५०—००
८३३ तत्त्वप्रकाशिकाव्याख्या भावबोधः । रघूत्तमयति कृत	१५—००
८३४ तत्त्वबिन्दु । वाचस्पति मिश्र विरचित । सं० अ० सु० शास्त्री	१२—००
८३५ तत्त्वबोधः । हिन्दी टीका सहित	१—००
* ८३६ त्रिपुरारहस्यम्-ज्ञानखण्डम् । 'ज्ञानप्रभा' हिन्दी व्याख्या सहित । व्याख्याकार-स्वामी सनातनदेवजी महाराज	१६—००
८३७ त्रिपुरारहस्यम् । (ज्ञानखण्डम्) तात्पर्यदीपिका व्याख्या सहित	९—००
८३८ TRIPURA-RAHASYA (Jnanakhanda). English Trans- lation by A. U. Vasavada.	३५—००
* ८३९ त्रिपुरारहस्यम् (माहात्म्यखण्डम्)	५०—००
८४० THREE LECTURES ON THE VEDANTA PHILOSOPHY. By F Max Muller.	२०—००
८४१ देवीमीमांसादर्शनम् । हिन्दी टीका सहित । १-२ भाग	८—५०
८४२ नैष्कर्म्यसिद्धिः । सुरेश्वराचार्य प्रणीत	४—००
८४३ नैष्कर्म्यसिद्धिः । सच्चिदानन्देन्द्र सरस्वती कृत छेशापहारिणी व्याख्या	१५—००
८४४ नैष्कर्म्यसिद्धिः । श्रीज्ञानोत्तममिश्रकृत चन्द्रिकाव्याख्या सहित । काशी संस्करण, १ व ४ खण्ड	१२—००
८४५ न्यायचन्द्रिका । आनन्दपूर्णमुनीन्द्र प्रणीत । स्वल्पानन्दमुनीन्द्र कृत न्याय- प्रकाशिका व्याख्या सहित	१८—७५
८४६ न्यायभास्करखण्डनम्-भ्रंशचन्द्रिकाखण्डनम् । म० म० श्री रामसुब्रह्मण्यशास्त्रि विरचित	६—००
८४७ न्यायरत्नदीपावलिः । आनन्दानुभव विरचिता । आनन्दज्ञान विरचित वेदान्त विवेक व्याख्या समेता	११—२५
८४८ पञ्चदशी । रामकृष्ण व्याख्या सहित	५—००
८४९ पञ्चदशी । पीताम्बरजी कृत हिन्दी टीका सहित	१०—००
८५० पञ्चदशी प्रश्नोत्तरी । स्वामी हरप्रकाश	२—५०
८५१ पञ्चपादिका प्रस्थानम् । सच्चिदानन्देन्द्र सरस्वती संयमी विरचित	५—००
* ८५२ पञ्चीकरणम् । शङ्कराचार्य कृत । सुरेश्वराचार्य कृत वाक्तिक-वाक्तिकोत्तरण आनन्द गिरि प्रणीत विवरण-रामतीर्थकृत तत्त्वचन्द्रिका सहित	यन्त्रस्थ १०—००
८५३ पञ्चीकरणम् । पट्टीकोपेत	१०—००
८५४ परमतत्त्वमीमांसा (मतिप्रशिक्षशास्त्रम्) । श्रीकृष्ण जोशी	६—००

- ८५५ पुरुषार्थचतुष्टयम् । प्रेमवल्लभ त्रिपाठी कृत हिन्दी टीका सहित १५—००
- ८५६ पुरुषार्थसुधानिधिः । सायणाचार्य विरचित । टी० चन्द्रशेखरन् सन्पादित १४—००
- ८५७ प्रज्ञानानन्दप्रकाशः । भावार्थकौमुदीटीका-हिन्दी अनुवाद सहित ८—००
- ८५८ प्रणवकल्पः । (स्कन्दपुराणान्तर्गत) श्री गङ्गाधरेन्द्र सरस्वती
प्रणीत प्रणवकल्पप्रकाशाख्यभाष्य समलंकृत ६—००
- ८५९ प्रत्यक्तत्त्वचिन्तामणिः । सदानन्द कृत । स्वव्याख्या सहित । १-२ भाग १०—००
- ८६० प्रमेयरत्नावली । बलदेव विद्या भूषण विरचित ५—००
- ८६१ प्रेमपत्तनम् । स्वव्याख्या ३—००
- ८६२ बृहदारण्यकवार्तिकसारः । विद्यारण्यस्वामि विरचित । महेश्वरतीर्थ
कृत लघुसग्रह व्याख्या सहित । श्रीमच्छुद्धानन्दमुनिवर शिष्य
श्रीउत्तमश्लोकयति विरचित-वेदान्तसूत्रलघुवार्तिक श्लोकवद्ध ४५—००
- ८६३ बृहदारण्यकवार्तिकसारः । हरिहर कृपालु कृत हिन्दी टीका सहित ।
१-२ भाग ४०—००
- ८६४ बोधक्यसिद्धिः । अच्युतरायप्रणीत । अद्वैतात्मप्रबोधव्याख्यासहित-प्रथम भाग ७—५०
- ८६५ बोधसारः । श्रीनरहरिकृत* । तच्छिष्य श्रीदिवाकर कृत टीका ७५—००
- ८६६ बोधसारः । नरहरिकृत । रामावतार विद्याभास्करप्रणीत हिन्दी टीका सहित २०—००
- ८६७ ब्रह्मसिद्धान्तः । मधुमूदन ओझा विरचित । गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी
रचित सिद्धान्तप्रकाशिनी व्याख्या सहित १२—००
- ८६८ ब्रह्मसिद्धि व्याख्या । आनन्दपूर्णमुनि विरचित भावशुद्धि-चित्सुख
मुनि विरचित अभिप्राय प्रकाशिका व्याख्या द्वय सहित २४—००
- ८६९ Brahmasutras and their Principal Commentaries
by B. N. K. Sharma Vols. I-III 200—00
- ८७० ब्रह्मसूत्रम् । स्वामी विद्यानन्द गिरि कृत वृत्ति सहित ५—००
- ८७१ ब्रह्मसूत्रम् । स्वामी विद्यानन्द गिरि कृत वृत्ति हिन्दी टीका सहित १०—००
- ८७२ ब्रह्मसूत्रम् । स्वामी हनुमानदास कृत सुषमा हिन्दी व्याख्या १०—००
- ८७३ ब्रह्मसूत्रदीपिका । श्रीमच्छङ्करानन्दभगवद्विरचिता तथा
तत्त्वानुसन्धानं-श्रीमहादेवानन्दसरस्वतीप्रणीतम् १२—००
- ८७४ ब्रह्मसूत्रप्रमुखभाष्यपञ्चकसमीक्षणम् । शाकर-रामानुज-
निम्बार्क-मध्व-वल्लभभाष्याणा तुलनात्मकं समालोचनात्मकं
चाध्ययनम् । सं० डा० श्रीरामशरणशास्त्री ३५—००
- ८७५ ब्रह्मसूत्रभाष्यार्थरत्नामाला । सुब्रह्मण्य प्रणीत ७—१०
- ८७६ ब्रह्मसूत्र-विद्योदयभाष्यम् । उदयवीर शास्त्री विरचित ४५—००
- ८७७ ब्रह्मसूत्रवृत्ति-मिताक्षरा । अन्नभट्ट कृत ७—००
- ८७८ ब्रह्मसूत्रवृत्तिः । हरिदीक्षित विरचित ४—७५
- ८७९ ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् । 'ब्रह्मतत्त्वविमर्शिनी' हिन्दी व्याख्या सहित ।
व्याख्याकार-स्वामी हनुमानप्रसाद पट्टशास्त्री । प्रथम भाग
१-२ अध्याय ३०-०० द्वितीय भाग ३-४ अध्याय २०-००
- ८८० ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् । कामेश्वरनाथ मिश्र कृत हिन्दी टीका । चतुःसूत्री १०-००

- ८८१ ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् । रमाकान्त त्रिपाठी कृत हिन्दी टीका चतुःसूत्री ६—००
- ८८२ ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् । अद्वैतानन्द स्वामिपाद कृत ब्रह्मविधामरण सहित ।
सटिप्पण । प्रथम भाग १००—००
- ८८३ ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्य । वाचस्पति मिश्र कृत भामती, रामानन्द सरस्वती कृत
रत्नप्रभा, डा० महाप्रभुलाल गोस्वामी कृत पुष्पलता हिन्दी अनुवाद एव
कुसुमलता व्याख्यान समन्वित । प्रथम खण्ड ३१—००
- ८८४ ब्रह्मसूत्र-शांकरभाष्यम् । आचार्य विश्वेश्वर सिद्धान्त शिरोमणि
कृत हिन्दी व्याख्या सहित । चतुःसूत्र्यन्त भाग ८—००
- ८८५ ब्रह्मसूत्रशांकरभाष्यम् । भामती तथा हिन्दी व्याख्या । चतुःसूत्री ९—००
- * ८८६ ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् । चतुःसूत्र्यन्त-पूर्णानन्दीयव्याख्यासहितया
श्रीगोविन्दानन्दप्रणीतया रत्नप्रभया च समन्वितम् ।
प्रथमाध्यायादारभ्य द्वितीयाध्यायस्य द्वितीयपादपर्यन्तम् १५—००
- ८८७ ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् । प्रकाश-विकास व्याख्या । चतुःसूत्री ७—००
- ८८८ ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्य । भोलेबाबा कृत हिन्दी टीका सहित । १-२ भाग १२—००
- ८८९ ब्रह्मसूत्राणि । आनन्दगिरि व्याख्या-शाङ्करभाष्य समेत । द्वितीय भाग मात्र ११—२५
- ८९० ब्रह्मसूत्राणि । ब्रह्माभूतवर्षिणी-शकरानन्द कृत दीपिका सहित ८—५०
- ८९१ ब्रह्मसूत्रानुगण्यसिद्धिः । कृष्ण शास्त्री विरचित ५—००
- ८९२ ब्रह्माभूतम् । श्रीमज्जकृष्ण ब्रह्मतीर्थ विरचित ६—००
- ८९३ भक्ति का विकास । डॉ० मुंशीराम शर्मा ३०—००
- ८९४ भक्ति-तरङ्गिणी । डा० मुंशीराम शर्मा ३—००
- ८९५ भक्तिदर्शन । शाण्डिल्य । भाषा भाष्यसहित १—९०
- ८९६ भक्तिदर्शन । सवार्तिक । द्वितीय भाग ३—००
- ८९७ भक्ति रत्नावली । प्रभा-सुधा संस्कृत हिन्दी टीका सहित १५—००
- ८९८ भक्तिरत्नावली । विष्णुपुरी रचित । कान्तिमाला व्याख्या हिन्दी टीका १५—००
- ८९९ भक्तिरसामृतसिन्धु । रूपगोस्वामीकृत । आचार्य विश्वेश्वर हिन्दी टीका २५—००
- ९०० भगवच्चरणोत्प्रेक्षा । मथुराप्रसाद दीक्षित । सव्याख्या २—००
- ९०१ भगवद्भक्तिरसायन । मधुसूदन सरस्वती । स्वोपज्ञ टीका-हिन्दी टीका ७—००
- ९०२ भगवन्नामकौमुदी । लक्ष्मीधर विरचित । अनन्तदेवकृत व्याख्या सहित २—००
- ९०३ भागवतवेदस्तुतिः । श्रीधरीव्याख्यादि सहित ३—००
- * ९०४ भामती । ब्रह्मसूत्र शाङ्करभाष्य व्याख्या । वाचस्पतिमिश्र विरचित ।
श्रीदुण्डिराजशास्त्रिसङ्कलित विपमस्थल टिप्पणी समलङ्कृत ।
प्रथम भाग २०—००
- ९०५ भामती प्रस्थान तथा विवरण प्रस्थान का तुलनात्मक अध्ययन ।
डा० सत्यदेव शास्त्री ४५—००
- ९०६ भवतन्त्रमुखमर्दनम् । अप्पय्य दीक्षित विरचित । सव्याख्या ३—८५
- ९०७ महावाक्यविवरणम् । हिन्दी टीका सहित १—९५
- ९०८ मानमेयोदयः । नारायण द्वयी प्रणीत । हिन्दी टीका सहित १५—००
- * ९०९ मिताक्षरा । श्रीगौडपादाचार्य कृत माण्डूक्यकारिकाव्याख्या-
श्रीमत्परमहंस परिव्राजकाचार्य स्वयम्प्रकाशानन्द सरस्वती स्वामि
कृता । शङ्करानन्द कृत माण्डूक्योपनिषद्दीपिका च ४—००

९१० योगवासिष्ठः । संस्कृत व्याख्या सहित । प्रथम भाग	४०—००
९११ योगवासिष्ठः । हिन्दी टीका सहित । पञ्चम भाग मात्र	१२—००
९१२ योगवासिष्ठ (संक्षिप्त) । हिन्दी टीका सहित । १-२ भाग	२५—००
९१३ योगवासिष्ठ । भाषा मात्र । १-७ भाग	८५—००
९१४ लघुयोगवासिष्ठः । आत्मसुख विरचित । वशिष्ठचन्द्रिका व्याख्या सहित	२०—००
९१५ लघुवाक्यवृत्तिः । शंकराचार्य प्रणीत । पुष्पाजलि संस्कृत टीका सहित	०—७५
९१६ Lights on Vedanta. By V. P. Upadhyaya	100—00
९१७ वाक्यवृत्तिः । शंकराचार्य कृत । हिन्दी टीका सहित	२—००
९१८ वाक्यवृत्तिः । विश्वेश्वर कृत व्याख्या सहित	४—००
९१९ वाक्यसुधा । स्वामी योगानन्द कृत हिन्दी टीका द्विवेचन सहित	२—५०
९२० विवरणादिप्रस्थानविमर्शः । प० वीरमणि उपाध्याय रचित	१—५०
९२१ विवरणोपन्यासः । श्रीरामानन्द सरस्वती विरचित । विवरणतात्पर्यस्य व्याख्यानम् तथा-वाक्यसुधा, श्रीशङ्कराचार्य विरचिता, ब्रह्मानन्द भारती कृत व्याख्या सहित	१२—००
९२२ वेदस्तुतिः । राममूर्ति शास्त्री कृत संस्कृत हिन्दी टीका सहित	३—००
९२३ वेदान्तकल्पलतिका । मधुमूदन सरस्वती विरचित । आर० डॉ० करमरकर कृत आंग्लानुवाद सहित	१०—००
९२४ वेदान्त का विकास और स्वरूप । डा० महेन्द्र शेखावत	५—५०
९२५ वेदान्तकौमुदी । डा० राधेव्याम चतुर्वेदी कृत 'भावदीपिका'-'ज्ञानदीपिका' संस्कृत व्याख्या सहित । स० डा० सिद्धेश्वर मट्टाचार्य	८०—००
९२६ वेदान्तदिण्डिमः । नृसिंह सरस्वती तीर्थ विरचित । भाववोधिनी व्याख्या	१—५०
९२७ वेदान्ततत्त्वालोकः । जनार्दननाथ विरचित	८—००
९२८ वेदान्तदर्शन । डा० पाल डायसन । अनुवादक सद्धम लाल पाण्डेय	१५—००
९२९ वेदान्त दर्शन का इतिहास । जय वीर शास्त्री	४०—००
९३० वेदान्तदर्शनम् । श्रीरामानन्द सरस्वती कृत ब्रह्माभूतवर्षिणी नामक विस्तृत सूत्रार्थनिर्णायिका टीका सहित	२५—००
९३१ वेदान्त(सूत्रपाठः)दर्शनम् । भगवद्वासुदेवमहाशुनि कृत	०—५०
९३२ वेदान्तदर्शन । श्रीराम शर्मा आचार्य कृत हिन्दी टीका सहित	५—७५
९३३ वेदान्तदर्शनम् । स्वामी दर्शनानन्द सरस्वती कृत हिन्दी टीका सहित	८—२५
९३४ वेदान्तपरिभाषा । शिवदत्तकृत अर्थदीपिका टीका सहित	५—००
९३५ वेदान्तपरिभाषा । आनन्द झा कृत भगवता संस्कृत व्याख्या सहित	२५—००
९३६ वेदान्तपरिभाषा । अर्थदीपिका-विद्यानन्द जिज्ञासु कृत हिन्दी टीका	१०—००
९३७ हिन्दी वेदान्त-परिभाषा । व्याख्याकार-श्री गजानन शास्त्री	२०—००
९३८ Vedanta Paribhasha by Dharmaraja Adhvarin with English Translation by S. S Suryanarayana Sastri	20-00
९३९ वेदान्तपरिभाषारहस्यम् । स्वामी रामेश्वरीपुरी	३—५०
९४० वेदान्तप्रक्रियाप्रत्यभिज्ञा । श्री सच्चिदानन्देन्द्र सरस्वती संयमी विरचित	१८—००
९४१ वेदान्तप्रबोध । हिन्दी टीका सहित	२—००
९४२ वेदान्तबालयोधिनी । 'प्रातः स्मरण स्तोत्र' व्याख्या	१—२५

९४३ वेदान्त रत्नाकरः । विष्णु देवानन्द गिरि प्रणीत । हिन्दी टीका	३-००
९४४ वेदान्तरहस्यम् । वेदान्त वागीश भट्टाचार्य कृत	०-२५
९४५ वेदान्तविद्वद्गोष्ठी ।	३-५०
९४६ वेदान्तसंज्ञा । हिन्दी टीका सहित	१-३०
९४७ वेदान्तसंज्ञावली । सव्याख्या	१-००
९४८ वेदान्तसार । डा० रमाशङ्कर त्रिपाठी कृत कौमुदीहिन्दी व्याख्या सहित	५-००
९४९ वेदान्तसारः । महेशचन्द्र भारतीय कृत व्याख्या सहित	२०-००
९५० वेदान्तसारः । सदानन्द प्रणीत । नृसिंह सरस्वती विरचित 'सुबोधिनी' रामतीर्थ रचित 'विद्वन्मनोरञ्जनी' व्याख्या द्वयोपेत । कर्णेल जी० ए० जेकर रचित नोट्स तथा टिप्पणी सहित	२०-००
९५१ वेदान्तसार (प्रश्नोत्तर रूप मे)	२-००
९५२ वेदान्त सिद्धान्तकल्पवल्ली । हिन्दी टीका सहित	२-००
९५३ वेदान्त सिद्धान्तमुक्तावली । प्रकाशनन्दयति विरचित । भार्यर बेनिस कृत सटिप्पण आंगकानुवाद सहित	४०-००
९५४ वेदान्तसूत्रमुक्तावली । ब्रह्मानन्दसरस्वती विरचित	४-४०
९५५ वेदान्तस्तोत्रसंग्रहः । शङ्कराचार्य कृत । हिन्दी टीका सहित	१-५०
९५६ वैयासकन्यायमाला । भारतीतीर्थ मुनि प्रणीत	५-००
९५७ वैयासिकन्यायमाला । स्वामी सत्यानन्द सरस्वती कृत हिन्दीटीका	८-००
९५८ वैराग्यशतकम् । श्रीभर्तृहरिविरचित । हिन्दी व्याख्या सहित	२-५०
९५९ वैराग्यशतकम् । हरिदास वैष कृत हिन्दी टीका सहित	१२-००
९६० शङ्करद्विग्विजय (सक्षिप्त) । स्वामी काशिकानन्द	३-००
९६१ शङ्करद्विग्विजय । विचारण्य विरचित । मूलमात्र	७-५०
९६२ शङ्करद्विग्विजयः । सत्यानन्द सरस्वती विरचित	४-००
९६३ शङ्कराप्रगङ्गावैतथावः । मुरलीधर पाण्डेय	१०-५०
९६४ शङ्करपादभूषणम् । रघुनाथसूरि विरचित । १-२ भाग	१५-७०
९६५ शाण्डिल्य भक्तिसूत्र । कृष्णमणि त्रिपाठी कृत	६-००, ४-००
९६६ शाण्डिल्यभक्तिसूत्रम् । नारायण तीर्थ विरचित भक्तिचन्द्रिका व्याख्या- स्वप्नेश्वर भाष्य-नारद भक्तिसूत्र-भक्तिमीमासा सहित	१०-००
९६७ शिवस्तुतिः । सस्कृत-हिन्दी टीका सहित	१-००
९६८ शुद्धशङ्करप्रक्रियाभास्करः । सच्चिदानन्देन्द्र सरस्वती कृत । १-३ भाग	२-७५
९६९ Sri Bhagavatpada Sankaracarya. By A. Kuppuswami. 35--00	
९७० श्रीलक्ष्मीनारायणसंहिता । कृष्णद्वैपायनव्यास प्रणीत । सम्पादक स्वामी श्री कृष्णवल्लभाचार्य । कृतयुगसन्तान प्रथम खण्ड १-२ भाग ७५-०० त्रैतायुग सन्तान द्वितीय खण्ड ४५-००, द्वापर युग सन्तान तृतीय खण्ड ५०-०० तिप्प्यसन्तान चतुर्थ खण्ड ५०-००	
९७१ श्री हरिभक्तिरसामृतसिन्धु । रूप गोस्वामी कृत	१२-००, १५-००
९७२ श्रुतिसारसमुद्धरणम् । तोटकाचार्य प्रणीतम् । तत्त्वदीपिकाव्याख्या सहित	१-६०
९७३ श्रुतिसार समुद्धरणम् । विद्यानन्द गिरि कृत टीका सहित	३-००
९७४ षट्संदर्भे तत्त्व सदर्भः । व्याख्या द्वय सहित	२-००
* ९७५ संक्षेपशारीरकम् । सर्वज्ञात्मा मुनि कृत । रामतीर्थस्वामीकृत अन्वयार्थप्रकाशिका टीका (रामतीर्थी) सहित । सविवरण २५-००	

९७६ संचेपशारीरकम् । सुबोधिनी-अन्वयार्थप्रकाशिकाव्याख्यायुक्त । १-२ भाग १५—००	
९७७ संचेपशारीरकम् । हिन्दी टीका सहित	२०—००
९७८ सनत्सुजातीयदर्शन । स्वामी ब्रह्मानन्द	३—००
९७९ सनत्सुजातीयम् । रामागोविन्द त्रिपाठी कृत संस्कृत हिन्दी टीका	४—००
*९८० सनत्सुजातीयम् । श्रीमच्छङ्करभगवत्पादविरचित शाङ्कर भाष्येण- नीलकण्ठ कृत नीलकण्ठीव्याख्यया च संवलितम्	यन्त्रस्थ
९८१ सर्ववेदान्तसिद्धान्तमारसंग्रह । शङ्कराचार्य विरचित । स्वामी सत्यानन्द सरस्वती कृत हिन्दी टीका सहित	२—५०
९८२ सिद्धसिद्धान्तपद्धतिः । गोरक्षनाथ । सं० श्रीमती कल्याणा मल्लिक	१०—००
९८३ सिद्धान्ततत्त्वं नाम वेदान्तप्रकरणम् । श्रामदनन्तदेव निरूपित	१—५०
९८४ सिद्धान्तदर्शनम् । विश्वदेवाचार्य विरचित निरजनभाष्यसमेत	१०—००
*९८५ सिद्धान्तविन्दुः । मधुसूदन सरस्वती कृत । (शङ्कराचार्य कृत दशश्लोकी की टीका) श्रीगौडब्रह्मानन्दकृत न्यायरत्नावली-नारायणतीर्थ कृत लघुव्याख्या (नारायणी) द्वयोपेत	यन्त्रस्थ
९८६ सिद्धान्तविन्दुः । वासुदेव शास्त्रि अभ्यकर कृत व्याख्या सहित	१५—००
९८७ सुगमा । शाङ्करीयाव्यासभाष्य का नवीन व्याख्या	२—५०
९८८ सूतसंहिता । श्रीविद्यारण्य प्रणीत तात्पर्य दीपिका सहित १-३ भाग पूना	२१—६५
९८९ सूतसंहिता । तात्पर्यदीपिका व्याख्या सहित	१५—००
९९० सूत्रभाष्यार्थतरविवेचन । सच्चिदानन्देन्द्र सरस्वती संयमिन रचित । १-३ भाग	१६—२५
९९१ सूत्रार्थामृहलहरी । कृष्णावधूत पण्डित विरचित	३—२५
९९२ स्वराज्यसिद्धिः । हिन्दी टीका सहित	३—५०
९९३ स्वानुभवादर्शः । माधवाश्रमविरचित । स्वकृतटीकाविभूषितश्च तथा अनुभूतिलेशः । वामनपण्डितविरचित	१२—००
९९४ हरिहराद्वैतभूषणम् । बोधेन्द्रसरस्वती कृत । कारिकासहित	६—६२



वेदान्त-विशिष्टाद्वैतग्रन्थाः

९९५ अधिकरणसारावलिः । वैकटनाथ वेदान्त देशिक विरचित । कुमार वेदान्ताचार्य वैश्वामित्र श्री वरद गुरु प्रणीत अधिकरण चिन्तामणि- वीरराघवाचार्य कृत सारार्थ रत्नप्रभा द्वय व्याख्या सहित	५५—००
९९६ आगमप्रामाण्यम् । यासुन मुनि प्रणीत । सं० डा० एम नरसिंहाचारी	१८—००
९९७ आगमप्रामाण्यम् । यासुनाचार्य स्वामी प्रणीत	३—००
९९८ उपयुक्त पारायणम् ।	२—५०
९९९ उपयुक्त संग्रह ।	४—००
२००० A CRITICAL STUDY OF THE PHILOSOPHY OF RAMANUJA By Dr Anima Sen Gupta	३५—००
२००१ तत्त्वटीका । (श्रीभाष्य की टीका) वेदान्त देशिक विरचित	१५—००
२००२ तत्त्वत्रय । ब्रह्ममिश्र अवस्थी कृत आगला-हिन्दी अनुवाद सहित	१२—००

- १००३ तत्त्वमुक्ताकलापः । वैकटनाथाचार्यं वेदान्त देशिक विरचित । वेदान्ताचार्यं
विरचित सर्वार्थसिद्धिदृष्टि सहित । स० वीर राघवाचार्यं ४५—००
- १००४ तत्त्वसारः । रत्नसारिणी व्याख्या सहित - ६—००
- १००५ तत्त्वसारः । वीर राघवाचार्यं कृत वात्स्यविरचिता व्याख्या सहित ८—००
- १००६ नयद्युमणिः । मेघनादरि मूरि विरचित ९—७५
- १००७ न्यायपरिशुद्धिः । सटीक । श्रीवेदान्ताचार्यं प्रणीत ५०—००
- १००८ न्यायसिद्धाञ्जनम् । वेदान्तदेशिक कृत । नीलमेघाचार्यं कृत हिन्दी टीका २५—००
- १००९ ब्रह्मसूत्र श्रीभाष्यम् । रामानुज विरचित । बहुबुवर रत्ननाथाचार्यं कृत
हिन्दी टीका सहित । १-२ भाग ३६—००
- १०१० यतीन्द्रमतदीपिका । श्री निवासाचार्यं प्रणीत । लघुवर्तिका सहित २—५०
- १०११ यतीन्द्रमतदीपिका । वासुदेवशास्त्री कृत प्रकाश व्याख्या सहित ८—००
- १०१२ रक्षाग्रन्थाः । वैकटनाथ वेदान्त देशिक विरचित । निक्षेप रक्षा-सञ्चरित्र-
रक्षा-पाञ्चरात्ररक्षा-नीतार्थ सग्रह रक्षा । सटिप्पण १०—००
- १०१३ रामानुज-वेदान्तसारः । सटिप्पण 'अधिकरणसारावली' सहित ५—००
- १०१४ विशिष्टाद्वैतदर्शनम् । स्वामी भगवदाचार्यं प्रणीत ४—००
- १०१५ विशिष्टाद्वैतवाद और उसका हिन्दी भक्ति काव्य पर प्रभाव ।
ड० श्रीमती किरण कुमारी गुप्त ३०—००
- १०१६ विशिष्टाद्वैताधिकरणमाला । सुदर्शनाचार्यं विरचित १—००
- १०१७ विष्णुतत्त्वदीपिका । तिमण्णाचार्यं विरचित २—००
- १०१८ वेदान्तकारिकावली । बुची वैकटाचार्यं विरचित । कृष्णमाचार्यं प्रणीत
व्याख्या सहित ८—००
- १०१९ वेदान्तदीपः । श्रीभगवद्रामानुजाचार्यं विरचित । ब्रह्मसूत्रव्याख्या २०—००
- १०२० वेदान्तदीपः । स्वामी नीलमेघाचार्यं कृत हिन्दी टीका सहित । १-२ भाग १०—००
- १०२१ VEDĀNTADESIKA A Study of His Life, Works and
Philosophy. By Dr. Satya Vrata Singh. 60—00
- १०२२ वेदार्थसंग्रहः । रामानुज कृत । आग्लभूमिका आग्लानुवाद सहित २०—००
- १०२३ शतदूषणी । वैकटनाथ वेदान्ताचार्यं प्रणीत । स० वीरराघवाचार्यं ३०—००
- १०२४ श्रीभाष्यम् की टीका । वेदान्ताचार्यं कृत तत्त्वटीका । शतदूषणी ।
वीर राघवाचार्यं ४५—००
- १०२५ श्रीभाष्य । ललित कृष्ण गोस्वामी कृत हिन्दी टीका सहित ३१—००
- १०२६ श्रीभाष्यप्रकाशिका । श्रीनिवासाचार्यं विरचित ६—५०
- १०२७ श्रीभाष्यम् । वेदान्तदीप-वेदान्तसार । रामानुज मुनि विरचित । सुदर्शन
मूरि कृत श्रुतप्रकाशिका, वेदान्तदेशिक कृत अधिकरण सारावली, महा-
देशिक कृत गूढार्थ सग्रह व्याख्या सहित । जिज्ञासाधिकरण १-२-२ तक ५५—००
- १०२८ श्रीभाष्यम् । भाष्यार्थ दर्पण टीका सहित । १-२ भाग । सम्पूर्ण २५—००
- १०२९ श्रीभाष्यवार्तिकं यतीन्द्रमतदीपिका च । श्रीनिवासाचार्यं कृता
तथा सकलाचार्यमतसंग्रहश्च १३—००
- १०३० श्रुत प्रदीपिका । सुदर्शन मूरि विरचित (रामानुज श्रीभाष्य की व्याख्या) २३—००
- १०३१ सेश्वरमीमांसा-मीमांसा पादुका । वैकटनाथ (वेदान्त देशिक-) विरचित ।
मीमांसा पादुका परित्राणम् । कुमार श्री वरदाचार्यं कृत । वीर राघवाचार्यं
कृत सूक्ष्मार्थ टीका-सत्पथ-सञ्चार द्वय व्याख्या सहित १०—००

वेदान्त-द्वैताद्वैतग्रन्थाः

- १०३२ द्वैत वेदान्त का तार्किक अनुशीलन । डा० कृष्णकान्त चतुर्वेदी २५—००
- १०३३ ब्रह्ममीमांसाभाष्यम् । (वेदान्तपारिजातसौरभनामकं व्याख्यानम्) ६—००
- १०३४ वेदान्तरत्नमञ्जूषा । श्रीपुरोत्तमाचार्यविनिर्मिता तथा—
वेदान्ततत्त्वबोधः १२—००
- १०३५ वेदान्तसिद्धान्तसंग्रहः । श्रुतिसिद्धान्तापरनामकः श्रीवनमालिमिश्र-
ब्रह्मचारिकृतः, स्वकृतस्यैव कारिकारूपमूलग्रन्थस्य व्याख्यात्मकः
तथा वेदान्तकारिकावली पण्डितश्रीपुरोत्तमप्रसादकृता ।
मूलकृतैव कृतया अध्यात्मसुधातरङ्गिणीटीकया सहिता २०—००
- १०३६ श्रीनिम्बार्क भाष्य । ललितकृष्ण गोस्वामी कृत हिन्दी टीका सहित १५—००
- १०३७ श्रीमध्व भाष्य । ललित कृष्ण गोस्वामी कृत हिन्दी टीका सहित १५—००
- १०३८ श्रुत्यन्तकल्पवल्ली । श्रीमत्पुरोत्तमप्रसाद विरचित १२—००
- १०३९ श्रुत्यन्तसुरद्रुमः । श्रीमत्पुरोत्तमप्रसादविरचितः । तथा
श्रीब्रजेश्वरप्रसादकृता श्रुतिसिद्धान्तमञ्जरी च १८—००

वेदान्त-शुद्धाद्वैतग्रन्थाः

- १०४० गूढार्थदीपिका । धनपतिसूरिकृता । श्रीमद्भागवतदशमस्कन्धस्य-
रासपञ्चाध्यायीव्याख्या, भ्रमरगीतव्याख्या तथा जगन्नाथ-
सुधिविनिर्मिता रसव्याख्या च २४—००
- १०४१ गोविन्दलीलामृतम् । कृष्णदास प्रणीत । संस्कृत हिन्दी टीका सहित ५—५०
- १०४२ गौर गोविन्दार्चन पद्धतिः । कृष्णदास तातपाद विरचित ३—५०
- १०४३ तत्त्वार्थदीपनिबन्धः । श्री वल्लभाचार्य विरचित 'प्रकाश' संस्कृत 'स्नेह प्रपूर्णी'
हिन्दी व्याख्या सहित । सं केदारनाथ मिश्र २०—००
- १०४४ पुष्टिमार्गीयस्तोत्ररत्नाकरः । ११७ स्तोत्र ग्रन्थ समूहात्मकः २—००
- १०४५ प्रमेयरत्नार्णव । श्री बालकृष्ण भट्ट कृत । हिन्दी अनु केदारनाथ मिश्र १२—००
- १०४६ प्रस्थानरत्नाकरः । गोस्वामिश्रीपुरोत्तमजी महाराज विरचित १२—००
- *१०४७ ब्रह्मवादसंग्रहः । [गोस्वामिश्रीहरिरायजीविरचितब्रह्मवादः—
गोपालकृष्णभट्टविरचितविवरणसहित । गोरवामिश्रीब्रजनाथ-
विरचित-ब्रह्मवादः । श्रीरामकृष्णभट्टविरचितशुद्धाद्वैत-
परिष्कारः—श्रीरघुनाथशास्त्रिविरचितशुद्धाद्वैतपरिष्कारतात्पर्य-
व्याख्यानसहित । हिन्दीभाषानुवादसमेतश्च] ५—००
- १०४८ ब्रह्मसूत्रवृत्तिः—भरीचिका । (अणुभाष्यानुसारि) श्रीब्रजनाथभट्ट कृत १२—००
- १०४९ भक्तिहंस । गो० विठ्ठलनाथ जी कृत । हिन्दी अनुवाद केदार नाथ मिश्र ८—००
- १०५० रासपञ्चाध्यायी-श्रीसुबोधिनी । (श्री वल्लभाचार्य विरचित श्रीमद्भागवत-
दशमस्कन्धस्य रासपञ्चाध्यायी व्याख्या) हिन्दी व्याख्याकारः श्री पं०
जगन्नाथ (मुनमुन जी) चतुर्वेदी । प्राकथन लेखकः गो श्री दीक्षित जी
महाराज । शुद्धाद्वैत सम्प्रदाय के पूज्यतम आचार्यों के चित्रों व उनके
आशीर्वादात्मक श्रुभाषासाओं से सम्मानित दर्शनीय संस्करण ३५—००

- १०५१ शुद्धाद्वैतमार्तण्डः । गोस्वामी गिरिधर जी महाराज विरचित । श्रीरामकृष्ण
भट्ट विरचित प्रकाश व्याख्या सहित । प्रमेयरत्नार्णवः । लाल भट्ट
उपनाम श्रीबालकृष्ण भट्ट विरचित तथा श्रीहरिराय विरचित ब्रह्मवाद
सहित ५—००
- १०५२ श्रीविद्वन्मण्डनम् । श्रीविद्वलनाथदीक्षितकृतम् । गोस्वामि-
श्रीपुरुषोत्तमजी महाराज कृत सुवर्णसूत्र व्याख्या सहित १५—००
- १०५३ श्रीसुबोधिनी । श्रीबल्लभाचार्यविनिर्मिता । श्रीमद्भागवतस्य
दशमस्कन्धजन्मप्रकरणो प्रथमाध्यायान्तं व्याख्या । गोस्वामि-
श्रीविद्वलनाथ दीक्षित विरचित टिप्पणी तथा गोस्वामि-
श्रीपुरुषोत्तमजी महाराज विरचित प्रकाश व्याख्या समेत १५—००
- १०५४ अष्टछाप और ब्रह्मभ-सम्प्रदाय । डा दीनदयालु गुप्त । १-२ भाग ६०—००
- १०५५ अष्टछाप काव्य का सांस्कृतिक मूल्यांकन । डॉ. मायारानी टण्डन ५०—००
- १०५६ अष्टछाप-परिचय । मं. प्रभुदयाल मीतल १०—००
- १०५७ अष्ट छाप वार्ता-अष्टसखान की वार्ता । हिन्दी १०—००
- १०५८ कांकरोली का इतिहास । कण्ठमणि शास्त्रिप्रणीत १५—००
- १०५९ कीर्तन प्रणाली । हिन्दी ५—००
- १०६० कीर्तन प्रणाली के पदसंग्रह । श्री ब्रजभूषणलाल संपादित १५—००
- १०६१ कुम्भनदास पदसंग्रह । श्री ब्रजभूषण शर्मा संपादित १०—००
- १०६२ कृष्णदास पद-संग्रह । गोस्वामी श्री ब्रजभूषण शर्मा संपादित । २०—००
- १०६३ गोविन्दस्वामी पदसंग्रह । ब्रजभूषण शर्मा सम्पादित ७—००
- १०६४ गोस्वामी हरि राय जी और उनका ब्रजभाषा साहित्य । ४०—००
- १०६५ गो० हरिराय जी का पद-साहित्य । स० प्रभुदयाल मीतल १०—००
- १०६६ जनाचारी नियम रत्नाकर । जगन्नाथप्रसाद रत्नाकर रचित ३—००
- १०६७ चतुर्भुजदासपदसंग्रह । ७—००
- १०६८ चन्द्रसखी का जीवन और साहित्य । प्रभुदयाल मीतल १०—००
- १०६९ चैतन्य मत और ब्रज साहित्य । प्रभुदयाल मीतल २०—००
- १०७० चैतन्य महाप्रभु । अमृतलाल नागर ११—००
- १०७१ चौरासी-वैष्णवन की वार्ता । सरल ब्रज, भाषा में ६—७५
- १०७२ चौरासी वैष्णवन वार्ता । गोस्वामी-श्री हरिदास प्रणीत । ८—००
- १०७३ छीतस्वामी । जीवनी-पद संग्रह ६—००
- १०७४ जगतानन्दः । कवि जगतानन्द कृत ५—००
- १०७५ परमानन्दसागर । स०-डॉ. गोवर्धन नाथ शुक्ल २०—००
- १०७६ पुष्टिमार्गीय आचार्य और उनकी परम्परायें । सत्यनारायण शास्त्री ३—२५
- १०७७-पुष्टि मार्गीय वचनामृत साहित्य तात्त्विक अनुशीलन । शकुन्तला ४०—००
- १०७८ प्राचीनवार्तारहस्य । तीसरा भाग मात्र ८—००
- १०७९ ब्रज और ब्रजयात्रा । स० सेठ गोविन्ददास-रामनारायण अग्रवाल ५—५०
- १०८० ब्रज का सांस्कृतिक इतिहास । प्रभुदयाल मीतल ५०—००
- १०८१ ब्रज की कलाओं का इतिहास । प्रभुदयाल मीतल १५०—००
- १०८२ ब्रज की सांस्कृतिक यात्रा । " ८—००
- १०८३ ब्रज के उत्सव त्योहार और मेले । " ४—००

१०८४ ब्रज के धर्म सम्प्रदायों का इतिहास ।	॥	६०—००
१०८५ ब्रज के धर्म सम्प्रदायों का काल ।	॥	४५—००
१०८६ ब्रजभाषा साहित्य का ऋतु-सौन्दर्य । प्रभुदयाल मीतल		८—००
१०८७ ब्रजसाहित्य का इतिहास । डा० मन्वेन्द्र		३०—००
१०८८ ब्रजस्थ बल्लभ सम्प्रदाय का इतिहास । प्रभुदयाल मीतल		१०—००
१०८९ भक्त-कवि व्यासजी । वासुदेव गोस्वामी		१२—००
१०९० भगवान वासुदेव । सुदर्शन सिंह चक्र		१२—५०
१०९१ महाप्रभु श्रीमद्वल्लभाचार्य और पुष्टिमार्ग । सीताराम चतुर्वेदी		६—००
१०९२ रसिक रसाल । कुमारगणि शास्त्री प्रणीत		४—००
१०९३ रासलीला : एक परिचय । स० सेठ गोविन्ददास-रामनारायण अग्रवाल		२—५०
१०९४ बल्लभवंशवृक्ष । तथा आन्ध्रजातीय (तैलङ्ग) भट्ट वंशवृक्ष		१२—००
१०९५ वार्ता साहित्य : एक बृहत् अध्ययन । डॉ० हरिहर नाथ टंडन		१५—००
१०९६ वैष्णव भक्ति आन्दोलन का अध्ययन । मलिक मोहम्मद		४०—००
१०९७ वैष्णव सम्प्रदायों का साहित्य और सिद्धान्त । आचार्य बलदेव उपाध्याय		३०—००
१०९८ शुद्धाद्वैत पुष्टिमार्गीय संस्कृत वाङ्मय । १- खण्ड । हिन्दी		१४—००
१०९९ श्रीकृष्णचरित । सुदर्शन सिंह । प्रथम भाग		१०—००
११०० श्री गिरधर लालजी महाराज के १२० वचनमृत ।		२०—००
११०१ श्रीतृतीयगृहकीर्तनप्रणालिका । गोस्वामी श्री ब्रजभूषण लालजी महाराज		५—००
११०२ श्रीद्वारकाधीश की प्राकट्यवार्ता । गोस्वामी ब्रजभूषणजी महाराज प्रणीत		१०—००
११०३ श्री बल्लभाचार्य के दर्शन का यथार्थ स्वरूप । गो० श्याम		८—००
११०४ श्रीवृन्दावन महिमासूत्रम् । प्रबोधानन्द सरस्वती विरचित । हिन्दी		
टीका सहित १—१७शतक । १-४ भाग		५—२५
११०५ श्रीस्तवकल्पद्रुम । पुरुषोत्तमदास कृत (संस्कृत)		७—००
११०६ सखाओं का कन्हैया । सुदर्शन सिंह 'चक्र'		२—००
११०७ समस्या कुसुमाकर । १-२ भाग		२—००
११०८ समस्या पूर्ति-संग्रह । दूसरा भाग मात्र		३—००
११०९ सांम्प्रदायिक ग्रन्थ सूची । सं० पं० जटाशङ्कर शास्त्री		३—००
१११० स्वामी हरिदास जी की जीवनी और वाणी तथा अष्टाचार्यों एवं भक्त-कवियों की जीवनी रचनाएँ । प्रभुदयाल मीतल		६—००
११११ स्वामी हरिदास जी की वाणी । प्रभुदयाल मीतल		२—००
१११२ हिन्दी कृष्ण भक्ति काव्य पर श्रीमद्भागवत का प्रभाव । डॉ० विश्वनाथ		१२—००

वेदान्त-ग्रन्थ-भाषा

१११३ अथातो ब्रह्मजिज्ञासा । डा० सेठ गोविन्ददास-डा० कृष्णकान्त चतुर्वेदी		२—५०
१११४ अद्वैत मीमांसा । गुरुदत्त		६—००
१११५ अदृश्यसहायक । अनुवादक-पडया वैजनाथ		३—२५
१११६ अध्यात्मदर्शन । कृष्णानन्द सरस्वती कृत		४—६५
१११७ अध्यात्म योग और चित्त-विकलन । व्यक्तेश्वर शर्मा		७—५०
१११८ अध्यात्मविकास । स्वामी विष्णुतीर्थ		३—००
१११९ अनुभवप्रकाश । बनानाथ कृत । (मारवाडी भाषा)		२—६०

११२० अमृतानुभव । संत ज्ञानेश्वर महाराज । अनु० द्वारकादास गुप्त	२-५०
११२१ अस्तित्ववाद पक्ष और विपक्ष । पॉल रुचिवेक । डॉ० प्रभाकर माचवे	१०-००
११२२ अहमर्थ विवेक समीक्षा । रघुनाथशर्मा विरचित	५-००
११२३ आत्म-चिन्तन । अनुवादक राजगोपालाचारी	४-५०
११२४ आत्मतत्त्वप्रकाश । स्वामी कृष्णानन्द सरस्वती	१-७५
११२५ आत्मप्रबोध । १-२ भाग	५-५०
११२६ आत्मविकास । आनन्दकुमार	१०-००
११२७ आत्मविज्ञान । स्वामी योगेश्वरानन्द सरस्वती । सच्चिन्न	१८-००
११२८ आत्मविलास । स्वामी आत्मानन्द	४-५०
११२९ आत्मानुभूति । स्वामी कृष्णानन्द सरस्वती	२-३०
११३० आत्मोद्धार । रामचन्द्र वर्मा	६-००
११३१ आदर्श जीवन । रामचन्द्र शुक्ल	६-००
११३२ आधुनिक चिन्तन में वेदान्त । महेन्द्र शेखावत	७-५०
११३३ आध्यात्मिक जीवन । अनु० आदिका-कौशल्यादेवी मोदता	४-५०
११३४ आध्यात्मिक-विषय-मीमांसा । चतुर्भुज सहाय । १-२ भाग	६-२०
११३५ आभास और सत् । पृ० ० पृ० ० प्रेटले । अनुवादक डॉ० फतह मिह	११-००
११३६ इन्द्रशक्ति का विकास । मातवलेकर	०-७५
११३७ ईश्वर का साक्षात्कार । मातवलेकर	३-००
११३८ उपदेशमञ्जरी । दयानन्द सरस्वती	३-००
११३९ उपासना ।	१-५०
११४० एकरवदर्शन । निर्मलचन्द्र	१-७५
११४१ कर्त्तव्य । रामचन्द्र वर्मा	६-००
११४२ कर्म और योग । स्वामी कृष्णानन्द	२-२०
११४३ कर्मवाद और जन्मान्तर । ललिताप्रसाद पाण्डेय	५-५०
११४४ चरित्रनिर्माण । सत्यकाम विद्यालङ्कार	६-००
११४५ चिह्नविलास । श्रीसम्पूर्णानन्द	६-००
११४६ जीवन की आध्यात्मिक दृष्टि । डा० सर्वपल्ली राधाकृष्णन्	१३-५०
११४७ जीवन की पहिली । एनी बेसेंट । अनुवादक-जलेश्वरप्रसाद	०-७५
११४८ जीवन की भूलें । स्वामी वेदानन्द तीर्थ	१-००
११४९ जीवनधर्म । निर्मलचन्द्र	१-७५
११५० ज्ञान और सत् । यशदेव शल्य	७-५०
११५१ ज्ञानमीमांसा । दयाकृष्ण	४-५०
११५२ ज्ञान मीमांसा परिचय । ए डी. वूजले	७-००
११५३ ज्ञानचैराग्य छन्दावली ।	५-००
११५४ तत्त्वज्ञान । डा० दीवानचन्द्र	५-००
११५५ तत्त्वज्ञान । महात्मा आनन्द स्वामी	७-००
११५६ तत्त्वमीमांसा । ए ई टेलर । अनु० सुधीन्द्र वर्मा	८-००
११५७ तत्त्वसार । (मराठी) चांगदेव वटेश्वर कृत	३-००
११५८ दासबोध । समर्थ स्वामी रामदास । अनु० रामचन्द्र वर्मा	९-००
११५९ दिव्य जीवन दर्शन । पथिक	०-५०
११६० पक्षपात रहित अनुभव प्रकाश । विशुद्धानन्द कालीकमलीवाले	२४-००

११६१ पञ्चकोश और सूक्ष्म जगत् । गदाप्रसाद ।	१—००
११६२ पञ्चीकरण । श्रीराम विरचित । जयकृष्ण कृत हिन्दी व्याख्या	६—००
११६३ परमात्मा अनुभव । गिवनारायण पनपालिया	०—७५
११६४ परलोकतत्त्व ।	२—५०
११६५ पारसमणि (पारस भाग का हिन्दी अनुवाद) स्वामी आत्मानन्द	८—००
११६६ पूजातत्त्व । म० म० गोपांनथ कविराज	४—००
११६७ पूर्व और पश्चिम कुछ विचार । राधाकृष्णनन्	१०—००
११६८ प्रभुदर्शन । महात्मा आनन्द स्वामी	५—००
११६९ प्राणतत्त्व । स्वामी विष्णु तीर्थ	२—५०
११७० ब्रह्मविज्ञान । स्वामी योगेश्वरानन्द सरस्वती	२०—००
११७१ ब्रह्मविद्या । कृष्णानन्द सरस्वती	७—००
११७२ भगवद्ज्ञान के विचित्र रहस्य । बाबा नगीनासिंह वेदी	३—००
११७३ भारत के उदासीन सन्त । सीताराम चतुर्वेदी	८—००
११७४ भारतीय तत्त्वविद्या । सुखलाल सधवी (गुजराती)	६—००
११७५ मनुष्य का चिराट रूप । आनन्द कुमार	१०—००
११७६ मरने के बाद ।	४—५०
११७७ महावाक्य । परमहंस स्वामी योगानन्द	२—५०
११७८ मार्ग की खोज । रोहित महेता । अनुवादिका-देवी महेता	१—५०
११७९ योग रसायन ।	२—००
११८० योगवासिष्ठ (दो प्रकरण भाषा)	९—५०
११८१ योगवासिष्ठसार । डा० क्षितीश चन्द्र चक्रवर्ती	५—००
११८२ विचारचन्द्रोदय । स्वामी हनुमानदास षट् शास्त्री	३—००
११८३ विचारसागर । निश्चलदास तथा भाषा टीका	१०—००
११८४ विचारसागर । निगम	७—५०
११८५ वृत्ति प्रभाकर । स्वामी निश्चलदास । अनुवादक स्वामी आत्मानन्द	९—००
११८६ वेदान्त और अद्वैतवाद । स्वामी गणेशदास	२—००
११८७ वेदान्त ज्ञानमीमांसा । धनश्यामदास रतनमल मलकानी	६—००
११८८ वेदान्ततत्त्व-विचार । स्वामी अनन्तानन्द सरस्वती	६—००
११८९ वेदान्त छन्दावली ।	७—५०
११९० वेदान्तदीपिका । स्वामी योगानन्द (आलू वाले बाबा)	५—००
११९१ वेदान्त प्रश्नोत्तरी । स्वामी नारायण दास	१५—००
११९२ वेदान्त रत्नावली । स्वामी भोले बाबा	१—००
११९३ वेदान्तरहस्य । स्वामी योगानन्द	२—००
११९४ व्यावहारिक आत्मविद्या । एच पी ब्लेडेस्की । अनुवादक-रविशरणवर्मा	१—२५
११९५ शङ्कराचार्य । बलदेव उपाध्याय	१५—००
११९६ शंकराचार्य उनके मायावाद तथा अन्य सिद्धान्तों का आलोचनात्मक अध्ययन । डॉ राममूर्ति शर्मा	२५—००
११९७ शङ्कराचार्य का आचार दर्शन । डा० रामानन्द तिवारी	७—००
११९८ शङ्करोत्तर अद्वैत वेदान्त में मिथ्या निरूपण । अभेदानन्द	१२—५०
११९९ शक्ति भाष्य का अध्ययन । डा० श्रीमती सुशीला 'कमलेश'	२५—००

१२००	शुद्ध बुद्धि मीमांसा । इन्द्राक्षर कवि । अनु० भोलानाथ शर्मा	९—००
१२०१	श्री कृष्ण प्रसङ्ग । गोपीनाथ कविराज । अनु० ऊर्मिला शर्मा	१५—००
१२०२	श्रीनारायण-उपदेशामृत । दिगोन्पकाक्ष मन्त्रवरी	२—५०
१२०३	श्री भगवच्छक्ति । स्वामी अखण्डानन्द सरस्वती	२—५०
१२०४	श्रीकृष्णार्चन का मायावाद । डॉ० श्री ११०० जयिण	१—००
१२०५	श्री स्वामीनारायण भगवान के वचनमृत तथा शिक्षावली । स्वामी कृष्णब्रह्मचार्य	७—००
१२०६	सत्य का रहस्य । देशवर्द्धन आचार्य	६—५०
१२०७	सरस्वती । 'शक्तिमान' श्रमती । श्रीकृष्णानन्द योगेश शर्मा अनुवाचिन	५—००
१२०८	सद्धर्म-चन्द्रिका । स्वामी अनुमान राम श्री पद्माक्षी	२—५०
१२०९	Science of soul.	18—00
१२१०	सिद्धमाता प्रसङ्ग ।	४—००
१२११	हिमालय का योगी । स्वामी योगेश्वरानन्द सरस्वती	१०—००
१२१२	इक्ष्वक के सिद्धान्त । 'मना देवे' । सुभाष-रविशरण शर्मा	१—६०

स्वामी अखण्डानन्द सरस्वती जी के ग्रन्थ

१२१३	अपरोक्षानुभूति प्रवचन ।	६—००
१२१४	आत्मबोध ।	३—००
१२१५	ईशानात्म्य प्रवचन ।	४—००
१२१६	कटोपनिषद् प्रवचन । १-२ भाग	२१—००
१२१७	कपिलोपदेश ।	३—७५
१२१८	कर्मयोग । तीसरा अध्याय	६—००
१२१९	गीतादर्शन । १-२ भाग	१०—५०
१२२०	गोपियों के पौत्र प्रेमगीत ।	०—४०
१२२१	शक्तिनिर्माण आणि ब्रह्मज्ञान । अनु०-शरण हरकानाथ शर्मा (मराठी) १-५०	१-५०
१२२२	ज्ञान-निर्देश । श्री टीनरे जी महाराज	०—९०
१२२३	ज्ञान विज्ञानयोग । सातवीं अध्याय	६—००
१२२४	ध्यानयोग । छठवां अध्याय	६—००
१२२५	नारदभक्तिदर्शन ।	९—००
१२२६	ब्रह्मज्ञान और उसकी साधना ।	९—७५
१२२७	ब्रह्मसूत्र प्रवचन । १-३ भाग	३०—००
१२२८	भक्तियोग । बारहवां अध्याय	६—००
१२२९	भक्ति रसायन । इति सूरि विरचिा	१२—००
१२३०	साधुर्य मकरन्द ।	३—००
१२३१	भक्ति रसायन प्रपा ।	३—७५
१२३२	भक्ति सर्वस्व ।	७—५०
१२३३	भागवत विचार बोधन ।	३—००
१२३४	महाराजश्री का एक परिचय ।	१—००
१२३५	माण्डूक्यकरिका प्रवचन । अद्वैत प्रकरण अज्ञात शक्ति प्रकरण	४—५० ९—००
		वैतथ प्रकरण ७—५०

१२३६ माण्डूक्य प्रवचन । आगम प्रकरण	१०—००
१२३७ माधुर्य मञ्जूषा ।	३—००
१२३८ माधुर्य लहरी । सनातनदेव जी	२—००
१२३९ मानव जीवन और भागवत धर्म ।	४—५०
१२४० मुण्डक सुधा ।	३—७५
१२४१ रामशताब्दी स्मृति ।	२०—००
१२४२ विभूतियोग । (दसवां अध्याय)	५—२५
१२४३ विवेक कीजिये (विवेक चूडामणि प्रवचन) १-२ भाग.	१४—५०
१२४४ वेणुगीत ।	३—००
१२४५ ऋष्यवहार और परमार्थ ।	३—७५
१२४६ श्रीमद्भागवत महापुराण में गोपीगीत ।	३—५०
१२४७ श्रीमद्भागवत रहस्य ।	३—७५
१२४८ सांख्ययोग । द्वितीय अध्याय ।	९—७५
१२४९ साधना और ब्रह्मानुभूति ।	५—२५
१२५० स्पन्दतत्त्व ।	०—४५

राजस्थान-वैदिकतत्त्वशोध-संस्थान-ग्रन्थाः

पं० मोतीलाल शर्मा शास्त्री कृत

१२५१ ईशोपनिषत् । विज्ञान भाष्य । १-२ खण्ड	४०—००
१२५२ उपनिषद् विज्ञानभाष्य-भूमिका । १-३ खंड	७५—००
१२५३ क्या हम मानव हैं ?	४—००
१२५४ गीताविज्ञानभाष्यभूमिका । प्रथम खण्ड । बहिरङ्ग परीक्षा	२५—००
१२५५ द्वितीय खण्ड 'क' आत्म परीक्षा २५—००, पञ्चम खण्ड । बुद्धियोग परीक्षा । पूर्वखंड २५—००, भक्तियोग परीक्षा । १-२ खंड ५०—००, ज्ञानयोग परीक्षा ५—००	
१२५६ दिग्देश काल स्वरूप-मीमांसा ।	३०—००
१२५७ भारतीय दृष्टि से विज्ञान शब्द का समन्वय के ज्ञानसत्र से सम्बद्ध प्रश्नोत्तरी विमर्शात्मक वक्तव्य ।	२—००
१२५८ भारतीय हिन्दू मानव और उसकी भावुकता । प्रथम खंड	२५—००
१२५९ वेद का स्वरूप विचार ।	३—००
१२६० वेदस्य सर्वविद्याविधानतत्त्वम् ।	२—००
१२६१ शतपथब्राह्मण विज्ञान भाष्य । प्रथमकाण्डान्तर्गत प्रथम अध्यायात्मक प्रथम खण्ड ३०—०० प्रथमकाण्डान्तर्गत द्वितीय, चतुर्थ-पञ्चम-षष्ठ अध्यायात्मक द्वितीय खण्ड	३५—००
१२६२ श्राद्धविज्ञानोपनिषत् । (सापिण्ड्य) तृतीय खंड	२५—००
१२६३ सत्ता निरपेक्ष-‘मस्कृति’ शब्द, एव सत्तासापेक्ष-‘सभ्यता’ शब्द का चिरन्तन इतिवृत्त तथा भारतीय-‘सांस्कृतिक’ आयोजनों की रूपरेखा	३०—००
१२६४ सांस्कृतिक व्याख्यानपञ्चक ।	८—००

श्रीमद्भगवद्गीता

* १२६५ गीता और विज्ञान । मानधाता सिंह 'गहमरी'	३०—००
१२६६ गीता का अद्भुत संदेश । श्री विष्णु दयाल	१५—००
१२६७ गीता का तात्विक विवेचन । भास्करानन्द लोहनी	१३—००
१२६८ गीता का व्यवहार दर्शन । सेठ रामगोपाल मोहना	७—००
१२६९ गीताज्ञान । दीनानाथ दिनेश शास्त्री	३५—००
१२७० गीता-दर्पण अर्थात् श्रीमद्भगवद्गीता पर श्री रामेश्वरानन्दी अनुभवार्थ- दीपक भाषा-भाष्य । श्री स्वामी आत्मानन्द मुनि	७—५०
१२७१ गीता प्रवचन । आचार्य विनोवा भावे	४—००
१२७२ गीतामन्दाकिनी । स्वामी गणेश्वरानन्द उदासीन	१०—००
१२७३ गीताप्रवचन गीताव्याख्यानमाला । मिथिधर शर्मा चतुर्वेदी १-३ भाग	३४—५०
१२७४ गीता प्रवचनानि (संस्कृत) । आचार्य विनोवा भावे	४—००
१२७५ गीताप्रवेश । महेशानन्द गिरि	१५—००
१२७६ गीताऽमृत । शिवराम मिश्र 'मयूर'	४—००
१२७७ गीतामृतम् । स० टॉ० सत्यनारायण पाण्डेय	१—५०
१२७८ गीता रहस्य । लोकमान्य तिलकप्रणीत (हिन्दी)	३२—००
१२७९ गीतारहस्य । लोकमान्य तिलक प्रणीत (अंग्रेजी)	३२—००
१२८० पञ्चरत्नगीता-कोमल गीता । नेपाली टीका सहित	९—००
१२८१ भगवद्गीता । श्लोकार्थ मूर्ची । सातवलेकर कृत	०—७५
१२८२ भगवद्गीता । ज्ञानेश्वरी-हिन्दी	१०—००
* १२८३ भगवद्गीता । विष्णुसहस्रनाम स्तोत्र सहित	१—००
* १२८४ भगवद्गीता । कन्हैयालाल जोशी कृत हिन्दी टीका सहित	३—५०
१२८५ भगवद्गीता । अर्थप्रकाशिका हिन्दी टीका सहित	२—५०
१२८६ भगवद्गीता । सुबोधकौमुदी हिन्दीटीका	१—५०
१२८७ भगवद्गीता । अमृततरङ्गिणी हिन्दी टीका	२—२५, ३—००
१२८८ भगवद्गीता । अमृत वर्षिणी टीका सहित । १-२ भाग	६८—००
१२८९ भगवद्गीता । सन्धवन भिद्वान्तालकार कृत धारावाही हिन्दी टीका सहित	४०—००
१२९० भगवद्गीता । शाङ्कर भाष्य सहित	६—००
१२९१ भगवद्गीता । शाङ्करभाष्य सहित । गोखले सम्पादित	१०—००
१२९२ भगवद्गीता । आनन्दगिरि-शाङ्करभाष्य व्याख्याद्वयोपेत	११—६०
१२९३ भगवद्गीता । स्वामी आनन्दगिरि कृत हिन्दी टीका सहित	१०—५०
१२९४ भगवद्गीता । शङ्करानन्दी हिन्दी टीका सहित	२०—००
१२९५ भगवद्गीता । शाङ्करभाष्य आनन्दगिरि नीलकण्ठी-भाष्योत्कर्षदीपिका-श्रीधरी (सुबोधिनी), अभिनवगुप्त-मधुसूदनी (गूढार्थदीपिका) अष्ट व्याख्या गूढार्थतत्त्वालोक सहित	१५०—००
१२९६ भगवद्गीता । श्रीधरी सस्कृत व्याख्या सहित	३—००
* १२९७ भगवद्गीता । मधुसूदनी संस्कृत व्याख्या हिन्दी अनुवाद सहित अनु०—स्वामी श्री सनातनदेव जी महाराज	यन्त्रस्थ

*१२९८ श्रीमद्भगवद्गीता । श्री मत्परमहंस परिब्राजकाचार्य मधुसूदन सरस्वती विरचित गूढार्थ दीपिका व्याख्या सहित । महामहोपाध्याय पण्डित श्री हरिहर कृपालु द्विवेदी कृत तत्त्व विवेचन पुरस्सर सटिप्पण भाषा- नुवाद सहित । पण्डित श्री ब्रह्मदत्त द्विवेदी सम्पादित । १-२ भाग	५०—००
१२९९ भगवद्गीता । पैशाचभाष्योपेत	२—८५
१३०० भगवद्गीता । राजानकरामकवि प्रणीत सर्वतोभद्र व्याख्यायुत	५—६५
१३०१ भगवद्गीता । वासुदेवशास्त्री अभ्यङ्कर प्रणीत अद्वैताङ्कुरा व्याख्या सहित । प्रथम द्वितीयाध्याय मात्र	४—१०
१३०२ भगवद्गीता । डॉ० सर्वपल्ली राधाकृष्णन् । अनुवादक विराज	४०—००
१३०३ भगवद्गीता । चक्रवर्ती राज गोपालाचार्य	३—००
१३०४ भगवद्गीता । भगवदाशयानुसरणाभिधान भाष्य सहित । भास्कराचार्य विरचित । डा० सुभद्रोपाध्याय सम्पादित । १-९ अध्याय	५—५०
१३०५ भगवद्गीता-गीतार्थचन्द्रिका । स्वा० दयानन्द कृत	३—००
१३०६ श्रीमद्भगवत् गीता दिव्य दर्शन । गयाप्रसाद द्विवेदी 'प्रसाद'	२०—००
१३०७ Bhagavadgita. By S. Radhakrishnan	20—00
१३०८ Bhagavadgita. By Annie Besant-Bhagwan Das	20—00
१३०९ Bhagavadgita and Hindu Sociology. By Dr. Mahesh Kumar Sharan	45—00
१३१० भगवद्गीता भारतीयदर्शनानि । अनन्तकृष्णशास्त्रि प्रणीत	४—००
१३११ भगवद्गीता में शरणागति । शिवनारायण पनपालिया	०—६०
१३१२ श्रीमद्भगवद्गीता । शाङ्करभाष्यानुसारी भाषानुवाद । स्वामी अनन्तानन्द सरस्वती	३—००
१३१३ श्री हरिगीता । दीनानाथ दिनेश	७—००

विविध गीता

१३१४ अष्टावक्रगीता । हिन्दी टीका	६—००	१३२७ रामगीता-पितृसंहिता- पितृकल्पः ।	१—२५
१३१५ ईश्वरगीता । हिन्दी टीका	१—५०	१३२८ विष्णुगीता । भाषानुवाद	२—००
१३१६ उत्तरगीता । गौडपादाचार्य प्रणीत व्याख्या सहित	०—२५, ०—५०	१३२९ शक्तिगीता । हिन्दी अनुवाद	२—००
१३१७ गणेशगीता । नौलकण्ठीव्याख्या	३—७५	१३३० शम्भुगीता । भाषानुवाद	२—००
१३१८ गान्धी गीता । श्रीनिवासविरचित	३—७५	१३३१ शिवगीता । मूलमात्र	१—००
१३१९ गुरुगीता	१—२५	१३३२ शिवगीता । लक्ष्मी नरहरि सूनु प्रणीत बालानन्दिनी व्याख्या	१—५०
१३२० गोपी गीता । सव्याख्या	१—००	१३३३ श्री रामकृष्ण गीता । त्र्यम्बक भण्डारकर	८—००
१३२१ चतुर्विंश गीता । हिन्दी टीका	२०—००	१३३४ सत्याग्रहगीता । क्षमाराव	४—५०
१३२२ धीश गीता । हिन्दी टीका सहित	१—५०	१३३५ संन्यासगीता । भाषानुवाद	२—००
१३२३ पाण्डवगीता । मूलमात्र	०—२५	१३३६ सप्तशतीगीता ।	३—००
१३२४ पाण्डवगीता । हिन्दीटीका	०—२५	१३३७ सूर्यगीता । हिन्दी अनुवाद	१—५०
१३२५ ब्रह्मगीता । हिन्दी टीका सहित	२—००		
१३२६ रामगीता । हिन्दी अनुवाद	३—००		

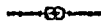
उपनिषद्-ग्रन्थाः

१३३८ अष्टात्रिंशत्स्युपनिषत् । मूलमात्र	३-००
१३३९ अष्टाविंशत्स्युपनिषत् । मूलमात्र	५-००
१३४० अष्टोपनिषत् । सटीक । टीकाकार स्वामी भास्करानन्द	८-००
१३४१ अष्टोत्तरशतोपनिषत् । हिन्दी टीका सहित । १-३ भाग	३१-५०
१३४२ आथर्वणोपनिषद् ।	८-००
१३४३ ईशा-केन-कठोपनिषत् । दिगम्बरानुचर विरचितार्थ प्रकाश व्याख्या सहित	१-९०
१३४४ ईशादि द्वादशोपनिषद् । स्वामी विद्यानन्द गिरि कृत विद्यानन्दी मिताक्षरा हिन्दी टीका सहित	१०-००
१३४५ ईशादिपञ्चोपनिषत् । शाङ्करभाष्य-आनन्दगिरि-शाङ्करानन्दी व्याख्या	१५-००
१३४६ ईशावास्य प्रवचन सुधा । स्वामी विद्यानन्द गिरि कृत हिन्दी टीका	४-००
१३४७ ईशावास्य रहस्य । सत्यदेव शास्त्री	२-५०
१३४८ ईशावास्योपनिषत् । शाङ्करभाष्य-आनन्दगिरि टीका युक्त	१-९०
१३४९ ईशावास्योपनिषत् । शाङ्करभाष्य-स्वामी काशिकानन्द	६-००
१३५० ईशावास्योपनिषत् । कूरनारायण प्रणीत प्रकाशिका-श्रीधरशास्त्रिकृत बालबोधिनी व्याख्या समेत	२-५०
१३५१ ईशावास्योपनिषद् । शाङ्करभाष्य आनन्द ज्ञान कृत भाष्य टीका-स्वामी विद्यानन्द गिरि कृत हिन्दी टीका सहित	५-००
१३५२ ईशावास्योपनिषद् । प्रपाख्य व्याख्या हिन्दी टीका सहित	१-००
१३५३ ईशावास्योपनिषद् । मधुबालाशर्मा कृत मन्त्रानुवाद भावार्थ शाङ्करभाष्य	२-००
१३५४ ईशावास्योपनिषद् । वाचस्पति पाण्डेय 'विकल' कृत हिन्दी टीका सहित	१-००
१३५५ ईशावास्योपनिषद् । शाङ्करभाष्य-सुब्रह्मण्यशास्त्रीकृत टिप्पणी सहित	२-५०
१३५६ ईशावास्योपनिषद्-दर्पण । सत्यदेव	१-१५
१३५७ ईशावास्योपनिषद् भाष्य । वीरराघवाचार्य कृत । आचार्य भाष्य तारपर्य व्याख्या सहित	५-००
१३५८ ईशोपनिषद् । सातवलेकर कृत हिन्दी अनुवाद सहित	५-००
१३५९ ईशोपनिषद् । आगलानुवाद-व्याख्या सहित	१०-००
१३६० ईशोपनिषद् वैज्ञानिक विवेचन । स्वामी राम	३-००
१३६१ उपनिषत्सर्व-निर्णय । स्वामी अनन्तानन्द सरस्वती	१-५०
१३६२ उपनिषत् प्रकाश । (ईश-केन-कठ-प्रश्न-मुण्डक-माण्डूक्योपनिषद्) दर्शना- नन्द सरस्वती । अवधविहारीलाल अनुवादित	६-००
१३६३ उपनिषद् (५२) । भोलेबाबा कृत हिन्दी टीका सहित	५-००
१३६४ उपनिषद् उद्धार कोश । स० विश्वबन्धु	३०-००
१३६५ उपनिषद् का अनुभव । डा० क्षितीशचन्द्र चक्रवर्ती	३-५०
१३६६ उपनिषद् दर्शन का रचनात्मक सर्वेक्षण । रानाडे । अनु० तिवारी	१०-००
१३६७ उपनिषद् चिन्तन । देवदत्त शास्त्री	४-००
१३६८ उपनिषद्-चिन्तन और आधुनिक जीवन । सिद्धेश्वर प्रसाद	३-००
१३६९ उपनिषद्-दिग्दर्शन । डा० दीवानचन्द । हिन्दी	३-२०
१३७० उपनिषद् भाष्य । रंग रामानुज भाष्य सहित । १-२ भाग	४५-००
१३७१ उपनिषद् मन्त्रवाक्य महाकोश (२२३ उपनिषदों का कोश)	१२०-००

१३७२ उपनिषद् मन्दाकिनी । देवदत्त शास्त्री	७—००
१३७३ उपनिषद् रहस्य ।	६—५०
१३७४ उपनिषद् वाणी	७—००
१३७५ उपनिषद्-वैयाकरण-पदसूची । विश्वबन्धु सम्पादित	८५—००
१३७६ उपनिषद्संग्रह । (ईश-केन-कठ-प्रश्न-मुण्डक-माण्डूक्य-ऐतरेय-तैत्तिरीय- त्रान्दोग्योपनिषद्) जयदेव विद्यालङ्कार अनुवादित	७—००
१३७७ उपनिषदार्थ संग्रहः । वीर राघवाचार्य कृत उपरकार सहित	४—००
१३७८ उपनिषदां समुच्चयः । शाङ्करानन्द नारायण विरचित दापिका सवलित	१२—५०
१३७९ उपनिषदों की कहानियाँ । इलाचन्द्र जोशी	१०—००
१३८० उपनिषदों की कहानियाँ । रामप्रताप त्रिपाठी शास्त्री । १-२ भाग	९—००
१३८१ उपनिषदों की भूमिका । राधाकृष्णन्	१०—००
१३८२ उपनिषदों की शिक्षा प्रणाली । विद्यासागर शर्मा	४—००
१३८३ उपनिषदों में काव्य तत्त्व । डा० के. के. धवन	५०—००
१३८४ एकादशोपनिषद्ः । अमरदास विरचित उपनिषन्मणिप्रभा-मिताक्षरा- दापिका सहित	१५—००
१३८५ एकादशोपनिषद् । सत्यव्रत सिद्धान्तालङ्कार कृत हिन्दी टीका सहित	३५—००
१३८६ ऐतरेयोपनिषद् । शाङ्करभाष्य-आनन्दगिरि व्याख्या युक्त	२—५०
१३८७ कठोपनिषद् । ब्रह्ममित्र अवस्थी कृत टीका सहित	५—५०
१३८८ कठोपनिषद् । महेशानन्द गिरि कृत संस्कृत हिन्दी टीका सहित । प्रथम भाग	२०—००
१३८९ कठोपनिषद् । डा० वैजनाथ पाण्डेय कृत वन्दना व्याख्या-शाङ्करभाष्य	३—००
१३९० कठोपनिषद् । डा० राजमणि पाण्डेय कृत टीका सहित	२—००
१३९१ कठोपनिषद् । शाङ्करभाष्य-कीर्त्यानन्द झा कृत सरला हिन्दी टीका सहित	१०—००
१३९२ कठोपनिषद् । डा० महेशचन्द्र भारतीय कृत अन्वय हिन्दी अनुवाद सहित	४—००
१३९३ कठोपनिषद् । शाङ्करभाष्य, वीरेन्द्र कुमार वर्मा कृत हिन्दी टीका सहित । प्रथमाध्याय	३—००
१३९४ कठोपनिषद् । शाङ्करभाष्यम्, स्वामी सत्यानन्द सरस्वती कृत हिन्दी टीका सहित	५—००
१३९५ कठोपनिषद् । 'शाङ्करभाष्य' प्रकाश हिन्दी व्याख्या सहित	५—००
१३९६ कठोपनिषद् । डॉ० नरेन्द्रदेवशास्त्री कृत संस्कृत-हिन्दी आगलानुवाद सहित	२—५०
१३९७ कठोपनिषद् । मन्त्र-अन्वय-मन्त्रार्थ-शाङ्करभाष्य-भाष्यानुवाद- उपनिषत्सुबोधिनी टीका सहित	३—००
१३९८ कठोपनिषद् । (पद्य) श्रीमती विद्यावती । हिन्दी	१—००
१३९९ कठोपनिषद्-दर्पण । सत्यदेव । हिन्दी	१—५५
१४०० A Constructive Survey of Upanishadic Philosophy by R. D. Ranade	20—00
१४०१ काठकोपनिषद् । शाङ्करभाष्य-आनन्दगिरि व्याख्या युक्त	८—००
१४०२ काठकोपनिषद् । समाष्य	३—२५
१४०३ Call of the Upanishads by Rohit Mehta	15—00
१४०४ केनोपनिषद् । शाङ्कर भाष्य-आनन्दगिरि व्याख्या युक्त	१—२०

१४०५ केनोपनिषद् । शाङ्कर-रामानुजभाष्य-श्रीधरशास्त्रा प्रणीत बालबोधिनी व्याख्या सहित	२-५०
१४०६ केनोपनिषद् । मन्त्र-पदच्छेद-अन्वय-शब्द शब्दार्थ भावार्थ व्याख्या और आंग्लानुवाद । अनुवादक आदिताम्रि यमुनाप्रसाद त्रिपाठी	१०-००
१४०७ केनोपनिषद् । मन्त्र-अन्वय-मन्त्रार्थ-शाङ्करभाष्य-उपनिषत्सुबोधिनी हिन्दी टीका सहित	१-५०
१४०८ केनोपनिषद् । बालकृष्ण शास्त्री कृत सिद्धान्त व्याख्या मनस्विनी व्याख्या	३-००
१४०९ केनोपनिषद् । शाङ्करभाष्य-सुमन शर्मा कृत मन्त्रानुवाद-व्याख्या-वैदिक उद्धरण-भाष्य अनुवाद सहित	६-००
१४१० केनोपनिषद्-वर्षण । सत्यदेव । हिन्दी	०-८५
१४११ केनोपनिषद्भाष्यम् । शाङ्करभाष्य-सच्चिदानन्देन्द्र सरस्वती कृत टिप्पणी	२-००
१४१२ कौषीतकि ब्राह्मणोपनिषद् । शङ्करानन्द कृत दीपिका सहित । ई० वी० काबेल कृत आङ्गलानुवाद सहित	३५-००
१४१३ छान्दोग्योपनिषद् । रङ्गरामानुज भाष्य सहित	६-९०
१४१४ छान्दोग्योपनिषद् । शाङ्करभाष्य-आनन्दगिरि व्याख्या सहित	१२-००
१४१५ छान्दोग्योपनिषद् । निरयानन्द प्रणीत मिताक्षरा व्याख्या सहित	३-७५
१४१६ छान्दोग्योपनिषद् । श्री राम शर्मा आचार्य कृत हिन्दी अनुवाद सहित	४-५०
१४१७ तैत्तिरीय उपनिषद् भाष्य ।	२-५०
१४१८ तैत्तिरीयोपनिषद् । शाङ्करभाष्य-हिन्दी टीका सहित	४-००
१४१९ तैत्तिरीयोपनिषद् । शाङ्करभाष्य-आनन्दगिरि व्याख्या युत	८-००
१४२० तैत्तिरीयोपनिषद् भाष्य वार्तिकम् । सुरेश्वराचार्य कृत । आनन्द गिरि कृत व्याख्या सहित	१४-००
१४२१ तैत्तिरीयोपनिषद्भाष्यवार्तिक । राधेश्याम शास्त्री कृत हिन्दी टीका सहित	२०-००
१४२२ तैत्तिरीय भाष्यार्थ विमर्शिनी । आनन्दबल्ली भृगुबल्ली-सहित	१०-००
१४२३ दशोपनिषद् । मूलमात्र	३-७५
१४२४ दशोपनिषद् । ब्रह्मयोगि कृत व्याख्या सहित । १-२ भाग	३०-००
१४२५ न्यायकल्पलतिका । (बृहदारण्यकोपनिषद् भाष्य वार्तिक व्याख्या) आनन्द पूर्ण सुनीन्द्र विरचित । १-२ भाग	७५-००
१४२६ नृसिंहतापनी (आथर्वणोपनिषद्) शाङ्करभाष्य सहित	४-००
१४२७ नृसिंहपूर्वोत्तरतापनीयोपनिषद् । सव्याख्या	३-१५
१४२८ पञ्चम्विंशदुपनिषत् । गुटका	३-००
१४२९ पञ्चोपनिषद् । पीतान्वराणीठस्थस्यामि विरचित प्रकाश भाष्य सहित	२-२५
१४३० प्रश्नोपनिषत् । शाङ्करभाष्य-आनन्दगिरि व्याख्यायुत	१-२०
१४३१ प्रश्नोपनिषद् । प्रकाश भाष्य सहित	१-००
१४३२ प्रश्नोपनिषद् । मातबलेकर कृत हिन्दी टीका सहित	२-५०
१४३३ बृहदारण्यकोपनिषद् । श्री राम शर्मा आचार्य कृत हिन्दी टीका सहित	४-५०
१४३४ बृहदारण्यकोपनिषद् । नारायण स्वामी कृत हिन्दी टीका सहित	५-००
१४३५ बृहदारण्यकोपनिषद्भाष्यवार्तिकम् । सुरेश्वराचार्य विरचित । आनन्दगिरि व्याख्या युत । प्रथम भाग	६-००
१४३६ भवसन्तारणोपनिषद् । हिन्दी टीका सहित	१-५०

१४३७ माण्डूक्यरहस्यविवृतिः । गौडपादकारिका व्याख्या । सच्चिदानन्देन्द्र सरस्वती सयमि विनिर्मित	१५—००
१४३८ माण्डूक्योपनिषत् । (अथर्ववेदीय) गौडपादकारिका सहित । शाङ्कर-भाष्य-स्वामी विद्यानन्द गिरि कृत मिताक्षरा हिन्दी टीका सहित	१२—००
१४३९ माण्डूक्योपनिषत् । शाङ्करभाष्य-आनन्दगिरि व्याख्यायुत	१५—००
१४४० माण्डूक्योपनिषद् । सान्न्वय हिन्दी व्याख्या-आंग्लानुवाद सहित	६—००
१४४१ मुक्तिकोपनिषद् । हिन्दी टीका सहित	०—४०
१४४२ मुण्डकोपनिषत् । शाङ्करभाष्य सच्चिदानन्देन्द्र सरस्वती कृत सभाष्य	२—५०
१४४३ मुण्डकोपनिषत् । शाङ्करभाष्य-आनन्दगिरि व्याख्यायुत	१—२१
१४४४ मुण्डकोपनिषद् । शाङ्करभाष्य-श्रीधरशास्त्रीप्रणीत वालवोधिनी सहित	२—५०
१४४५ मुण्डकोपनिषत् । शाङ्करभाष्य-आनन्द ज्ञान कृत भाष्य व्याख्यान स्वामी विद्यानन्द गिरि कृत हिन्दी टीका सहित	६—००
१४४६ याज्ञिक्युपनिषद्विवरणम् । पुरुषोत्तमतीर्थकृत	४—००
१४४७ योगोपनिषद् । ब्रह्मयोगिकृत व्याख्या सहित (२० उपनिषत्)	३०—००
१४४८ शाक्तोपनिषद् । ब्रह्मयोगि कृत व्याख्या सहित (८ उपनिषत्)	८—००
१४४९ शैवोपनिषद् । ब्रह्मयोगि कृत व्याख्या सहित (१५ उपनिषत्)	१२—००
१४५० श्रुतिसिद्धान्तसारसङ्ग्रहः । अष्टोत्तरशतोपनिषत् सारसंग्रह	७—५०
१४५१ श्वेताश्वेतरोपनिषद् । महेशानन्द गिरि	२०—००
१४५२ श्वेताश्वेतरोपनिषद् । शाङ्करभाष्य शङ्करानन्दी विवरण सहित	६—२५
१४५३ श्वेताश्वेतरोपनिषद् । हिन्दी-अन्वय-पदार्थ-भावार्थ सहित	१—५०
१४५४ श्वेताश्वेतरोपनिषद् । प्राचीन पाँच टीकाओं के तुलनात्मक अध्ययन पर आधारित हिन्दी व्याख्या सहित । डॉ० तुलसी राम शर्मा कृत	१२—५०
१४५५ संन्यासोपनिषद् । ब्रह्मयोगि कृत व्याख्या सहित (१७ उपनिषत्)	१६—००
१४५६ सामान्यवेदान्तोपनिषद् । ब्रह्मयोगिकृत व्याख्या सहित (२४ उपनिषत्)	२०—००



वैदिक-ग्रन्थाः

१४५७ अग्निदेवता मन्त्रसंग्रह । सातवलेकर सपादित	६—००
१४५८ अथर्वप्रातिशाख्यम् । आंग्लानुवाद सहित । स० डा० सूर्यकान्त	१८०—००
१४५९ अथर्ववेद ऋषिदेवता छन्दोऽनुक्रमणिका । सं० विश्वबन्धु	१५—००
१४६० अथर्ववेद एक साहित्यिक अध्ययन । डा० मातृदत्त द्विवेदी	३०—००
१४६१ ATHARVA-VEDA PRĀTIS'ĀKHYA or S'AUNAKIYA CATURĀDHYĀYIKĀ Text, Translation and Notes.	
By W D Whitney.	40—00
१४६२ अथर्ववेद । भाष्य	१२—००
१४६३ अथर्ववेद । माधवाचार्य कृत हिन्दी टीका सहित । १-३ भाग	९६—००
१४६४ अथर्ववेदः । (जौनकीय) पदपाठ-सायणभाष्य-पाठभेद-टिप्पण सहित । १-४ भाग ५ जिल्द मे	३००—००
१४६५ अथर्ववेद । गोपाल प्रसाद कौशिक कृत हिन्दी टीका सहित । १-२ भाग १६-००	

- * १४६६ अथर्ववेद एवं गोपथब्राह्मण । (-M. Bloomfield संपादित
संस्करण का अचिकल हिन्दी रूपान्तर) अनुवादक
डा० सूर्यकान्त शास्त्री ३५-००
- १४६७ अथर्ववेद की अनुक्रमणिका । २-००
- १४६८ अथर्ववेद-पदपाठानुक्रमणी (अकारादि-वर्णक्रमानुसारिणी) ३६-००
- * १४६९ अथर्ववेद परिशिष्ट । जार्ज मेलवील बोलिङ्ग जूलियस वौन
नेजेलिन सम्पादित । डा० रामकुमार राय कृत हिन्दी नोट्स
तथा संपादित ७५-००
- १४७० अथर्ववेद-वैयाकरण-पदसूची । विश्वबन्धु संपादित ८५-००
- १४७१ अथर्ववेद ब्राह्मणकाण्ड । श्रीसपूर्णानन्द संपादित ३-००
- १४७२ अथर्ववेद शतक । स्वामी जगदीश्वरानन्द सरस्वती २-००
- * १४७३ अथर्ववेदसंहिता । मूलमात्रे । सम्पादकः-पं० श्रीवेणीराम शर्मा
गौडः । भूमिका-डॉ० भगवती प्रसाद राय । प्रथम
खण्डम् १-१० काण्डपर्यन्तम् । २०-००
- १४७४ अथर्ववेदसंहिता । मूलमात्रे । सजिन्द १५-००
- १४७५ अथर्ववेद संहिता (शोधपूर्ण संस्करण) वेदार्थबोधिनी हिन्दी
व्याख्या सहित । व्याख्याकार डॉ० रामकृष्ण शास्त्री ।
सम्पादक-आचार्य विश्वनाथ शास्त्री वेदाचार्य । भूमिका-
डॉ० भगवती प्रसाद राय । प्रथम खण्ड १-१० काण्ड ४०-००
- १४७६ अथर्ववेदसंहिता । श्रीराम शर्मा आचार्य कृत । हिन्दीभाषासहित ।
१-२ भाग १८-००
- १४७७ अथर्ववेदसंहिता । जयदेवविद्यालङ्कारकृत भाषाभाष्य सहित । १ से. ४ भाग ६४-००
- १४७८ अथर्ववेदसंहिता । सातवलेकर प्रणीत सुबोधहिन्दीभाष्य सहित १-५ भाग १५०-००
- १४७९ अथर्ववेदीयज्यौतिषम् (काश्यप-प्रजापति-सवाद) हिन्दी टीका सहित १-००
- १४८० अथर्ववेदीय बृहत् सर्वानुक्रमणिका । विश्वबन्धु सम्पादित १८-००
- १४८१ अथर्ववेदे शान्तिपुष्टिकर्माणि । डा० माया मालवीया विरचित ८-६०
- १४८२ अदितिः, आदित्याश्च मंत्रसंग्रह । सातवलेकर संपादित ३-००
- १४८३ अश्विनौदेवता का मंत्रसंग्रह । हिन्दी टीका सहित । सातवलेकर संपादित ५-००
- १४८४ अश्विनौदेवतामंत्रसंग्रह । सातवलेकर संपादित । मूलमात्रे ३-००
- १४८५ अस्य वामस्य सूक्तम् । सायण-आर्त्तमोहनन्द भाष्य सहित १२-००
- * १४८६ आपस्तम्बगृह्यसूत्रम् । श्रीहरदत्तमिश्रप्रणीत-अनाकुला,
श्रीसुदर्शनाचार्य प्रणीत तात्पर्यदर्शन व्याख्याद्वय तथा
डा० उमेशचन्द्र पाण्डेय कृत हिन्दी टीका सहित ४०-००
- १४८७ आपस्तम्बश्रौतसूत्रम् । धूर्त स्वामि भाष्य सहित । दूसरा भाग १२-००
- १४८८ आयुर्वेदप्रकरणम् मंत्रसंग्रहः । सातवलेकर संपादित ५-००
- १४८९ आर्षेयकल्पः । वरदराज कृत व्याख्या सहित १००-००
- * १४९० आर्षेय ब्राह्मणम् । सायणाचार्य कृत वेदार्थ प्रकाश सहित १८-५०

- १४९१ Asvalayana Grihya Sūtra. With Nārāyanī Commentary & English Translation by N. N Sharma 50—00
- १४९२ आश्वलायनसूत्रप्रयोगदीपिका । भट्टमञ्जनाचार्य विरचित १२—००
५—००
- १४९३ उग्रथशांतिप्रयोगः । ५—००
- १४९४ उदकशान्तिः । आपस्तम्बीय । प्रयोग सहित १-०० शौनकीय । (ऋग्वेदीय) १—००
- १४९५ उपादेवता । हिन्दी टीका सहित । सातवलेकर सपादित ४—००
- १४९६ उपादेवता मंत्रसंग्रह । सातवलेकर सपादित १—७५
- १४९७ ऊहगानम्-ऊह्यगानम् । कौथुमशास्त्रीय । उत्तरार्चिक पद पाठोपेतम् ६०—००
- १४९८ ऋक्तन्त्रम् । सामप्रातिशाख्यम् ऋक्तन्त्र विवृत्ति-सामवेद सर्वानुक्रमणी टीका सहित । स० डॉ० सूर्यकान्त ४०—००
- १४९९ ऋक्संहिता । स्कन्दस्वामि भाष्य वेंकट माधवाचार्य प्रणीत दीपिका व्याख्या सहित । तीसरा भाग २—५०
- १५०० ऋक्सूक्तचयनम् । डा० कमला प्रसाद सिंह डा० वीरेन्द्र कुमार वर्मा ६—००
- १५०१ ऋक्सूत्र पाठावली । डा० कृष्ण कान्त त्रिपाठी १२—००
- १५०२ ऋक्सूक्तवैजयन्ती । १०८ सूक्तों का सहितापाठ-पदपाठ-सटिप्पण-अनुवाद सहित । सम्पादक—वेलणकर, पराडकर, जोशी ४०—००
- १५०३ ऋक्सूक्तशती । पदपाठ-एच डी. वेलङ्कर कृत आंग्लानुवाद सहित २७—००
- १५०४ ऋक्सूक्तसंग्रहः । सायणभाष्यानुसारी-पीटर्सन की हिन्दी व सम्भृत व्याख्या सहित १५—००
- १५०५ ऋक्सूक्तसमुच्चयः । डा० रामकृष्ण आचार्य १५—००
- १५०६ ऋक्सूक्तसुधा । मन्त्र-पदपाठ-सायण-भाष्य-हिन्दी आंग्लानुवाद सहित ५—००
- १५०७ ऋक्सूक्त सुधाकर । डा० कृष्णकुमार १२—००
- १५०८ ऋगर्थसारः । दिनकरभट्ट कृत । प्रथम भाग ३—००
- १५०९ ऋग्भाष्यसङ्ग्रहः । सायण-स्कन्दस्वामी-वेंकट माधव भाष्य-आंग्लानुवाद १५—००
- १५१० ऋग्मन्त्रमाला । १—२५
- १५११ ऋग्वेद । युधिष्ठिर मीमांसक कृत हिन्दी टीका सहित । १-३ भाग ८५—००
- १५१२ ऋग्वेद । रामगोविन्द कृत हिन्दी अनुवाद मात्र २०—००
- १५१३ ऋग्वेदः । पदपाठ । स्कन्द स्वामि कृत उद्गीथ-भाष्य, वेङ्कटमाधव कृत व्याख्या, सायणभाष्यानुसारिणीमुद्रणीयवृत्ति सहित । विश्वबन्धु सम्पादित । १-८ भाग सपूर्ण ४८०—००
- १५१४ ऋग्वेद । गोपालप्रसाद कौशिक कृत हिन्दी टीका सहित । १-३ भाग २४—००
- १५१५ ऋग्वेद ऋषिदेवता छन्दोऽनुक्रमणी । स. विश्वबन्धु १०—००
- १५१६ ऋग्वेदकाल में पारिवारिक सम्बन्ध । डॉ० एस० आर० शास्त्री ४१—२५
- १५१७ ऋग्वेद की अनुक्रमणिका । १—५०
- १५१८ ऋग्वेद की ऋकसंख्या । १—००
- १५१९ ऋग्वेद के अग्नि सूक्त । २—००
- १५२० ऋग्वेद चयनिका । सिद्धनाथ शुक्ल २०—००
- १५२१ ऋग्वेद-पदपाठानुक्रमणिका । विश्वबन्धु संपादित ६०—००
- १५२२ ऋग्वेद पर एक ऐतिहासिक दृष्टि । विश्वेश्वरनाथ रेड १५—००
- १५२३ ऋग्वेद प्रातिशाख्य प्रक परिशीलन । डा० वीरेन्द्रकुमार वर्मा ४५—००

१५०४ ऋग्वेद प्रातिशाख्यम् । उव्वट-भाष्य हिन्दी टीका सहित	७२—००
१५२५ ऋग्वेद प्रातिशाख्यम् । स० डा० मङ्गलदेव शास्त्री । प्रथम भाग	२५—००
१५२६ ऋग्वेद भाष्य भूमिका । डॉ० वीरेन्द्रकुमार वर्मा कृत टीका सहित	५—५०
१५२७ ऋग्वेद-भाष्यभूमिका । सायणाचार्य हिन्दी व्याख्या जगन्नाथ पाठक	५—००
१५२८ ऋग्वेदभाष्य भूमिका । डॉ० हरिदत्त शास्त्री	५—००
१५२९ ऋग्वेदभाष्यभूमिका । दयानन्द सरस्वती कृत संस्कृतटीका-भाषाटीका	१५—००
१५३० ऋग्वेदमन्त्राणां वर्णानुक्रमः ।	३—००
१५३१ ऋग्वेद मन्त्रानुक्रमणी । स० विश्ववन्दु	२०—००
१५३२ ऋग्वेद में दार्शनिक तत्व । डा० गणेशदत्त शर्मा	३०—००
१५३३ ऋग्वेद-वैयाकरण-पदसूची । विश्ववन्दु संपादित	८५—००
१५३४ ऋग्वेद शतकम् । स्वामी जगदीश्वरानन्द सरस्वती	२—००
१५३५ ऋग्वेदसंहिता । मन्त्रकोशादि सहित । मूलमात्र पत्रात्मक	१५—००
१५३६ ऋग्वेदसंहिता । मूलमात्र । सजिल्द	२०—००
१५३७ ऋग्वेदसंहिता । मूलमात्र । मातवलेकर सशोधित । सजिल्द	२५—००
* १५३८ ऋग्वेदसंहिता । (पदपाठ सहित) डॉ० एफ मैक्समूलर-सम्पादित । इसमें वाचस्पत्य पर मूलपाठ तथा दाहिने पृष्ठ पर पदपाठ मुद्रित है । १-२ भाग सम्पूर्ण	१००—००
१५३९ ऋग्वेदसंहिता । जयदेव विद्यालङ्कारकृत भाषाभाष्य सहित १ से ६ भाग	९६—००
१५४० ऋग्वेदसंहिता । हिन्दीभाषाव्यसहित । १-४ भाग । श्रीराम शर्माआचार्य	३८—००
१५४१ ऋग्वेदसंहिता । सातवलेकरप्रणीत हिन्दी भाष्य सहित । १-२ भाग	१००—००
१५४२ ऋग्वेदसंहिता । नायणभाष्य सहित । १ से ५ भाग । पूना संस्करण	३९८—००
१५४३ Rigveda Samhita. With English Translation. Notes & Appendices etc. by H. H. Wilson Vols. I-VI	360—00
* १५४४ ऋग्वेदसंहिता । (प्रथम अध्याय, सूक्त १-१९) सम्पादक-प्रो० उमाशंकर शर्मा 'ऋषि' । हिन्दी व्याख्या सहित	२०—००
१५४५ ऋग्वेदसंहिता । उद्गीथाचार्य प्रणीत भाष्य सहित	४—००
१५४६ ऋग्वेद सूक्त विकास । प्रा० ह० रा० दिवाकर	२४—००
* १५४७ ऋग्वेदादिभाष्यभूमिकानां संग्रहः । सायणाचार्य विरचित । पण्डित बलदेव उपाध्याय कृत विस्तृत आगल उपोद्धात, संस्कृत प्रस्तावनादि सहित । परिष्कृत द्वितीय संस्करण यन्त्रस्थ	
* १५४८ ऋग्वेदोक्त श्रीसूक्तम् । लक्ष्मीपूजन, विधि-श्रीसूक्त, सम्पुटित, पुरश्चरण विधि-वेदोक्त लक्ष्मीसूक्त-पुराणोक्त श्रीसूक्त-धनदास्तोत्र-धनदा कवचादि सहितम् । वेणीराम शर्मा गौड़ कृत हिन्दी मन्त्रार्थ सहित	१—५०
१५४९ ऋग्वेदके पन्द्रह सूक्तों का पद्यानुवाद । डा. दयानन्द भार्गव	२०—००
१५५० ऋचाओं की छाया में । रामनिवास विद्यार्थी	६—००
१५५१ ऋषियों के विज्ञान की श्रेष्ठता ।	६—००
१५५२ Etymologies of Yaska by S. Varma & Bhimdev	45—00
१५५३ ऐतरेय ब्राह्मणम् । षड्गुरु शिष्य प्रणीत सुखप्रदावृत्ति सहित । १-३ भाग १-३२ अध्याय	१७—००

- १५५४ ऐतरेय ब्राह्मणम् । सायण भाष्य सहित १-२ भाग ५०-००
- १५५५ ऐतरेयब्राह्मणपर्यालोचनम् अथवा ऐतरेयब्राह्मण आचारविचाराः ।
डा० मङ्गलदेव शास्त्री २-५०
- १५५६ ऐतरेयारण्यकम् । पङ्गुरु शिष्य कृत मोक्ष प्रदावृत्ति सहित १५-००
- १५५७ ऐतरेयारण्यक-पर्यालोचनम् अथवा ऐतरेयारण्यक-आचारविचाराः ।
डा० मङ्गलदेव शास्त्री सम्पादित २-००
- १५५८ ऐतरेयालोचन । सत्यत्रन सामाश्रमी सम्पादित २-२५
- १५५९ कनकावली । नारायणाचार्य विरचित २-५०
- १५६० कपिष्ठलकठसंहिता । (कृष्णयजुर्वेदीय) स० रघुवीर ४८-००
- १५६१ Culture and Civilization as Revealed in the Srautasutras
by Dr. Rajendra Nath Sharma 60-00
- १५६२ A comprehensive History of Vedic literature (Brahmana
and Aranyaka works) by Satya Shrava 100-00
- १५६३ Common Life in the Rigveda and Atharvaveda. An
Account of the Folklore in the Vedic Period by
Chhanda Chakraborty 80-00
- १५६४ कात्यायनश्रौतसूत्र । कर्क-महीधरभाष्यसहित । स डा ए वेबर ५०-००
- १५६५ कात्यायनश्रौतसूत्रम् । श्रीकर्काचार्य विरचित कर्कभाष्य सहित ।
१२-२६ अध्याय दूसरा भाग मात्र २०-००
- १५६६ काण्व संहिता भाष्य संग्रह । १४-००
- १५६७ कौशुमगृह्यम् । भूमिका नोट्स सहित ९-००
- १५६८ कौशिकसूत्रम् (अथर्ववेद) दरील-केशव सस्कृतव्याख्या सहित । ब्लूम फील्ड ३०-००
- १५६९ कौषितिकब्राह्मणपर्यालोचनम् अथवा कौषीतिकब्राह्मण
आचारविचाराः । डा० मंगलदेव शास्त्री सम्पादित ३-००
- १५७० कौशिकी ब्राह्मण आरण्यक विषय कोश । १०-००
- १५७१ क्या वेद में इतिहास है ? ४-००
- १५७२ कृद्गकल्पसूत्रम् । मसक गार्ग्य कृत । श्री निवास कृत भाष्य सहित ४२-००
- १५७३ खादिरगृह्यसूत्रम् । रुद्ररुन्द्रीयवृत्ति हिन्दीटीका सहित १०-००
- १५७४ गणपत्यथर्वशीर्षम् । मूलमात्र ०-३०
- १५७५ गणेशाथर्वशीर्षम् । सभाष्य ३-२५
- १५७६ गृह्यसूत्रसंग्रह । श्री राम शर्मा आचार्य कृत हिन्दी टीका सहित १०-००
- १५७७ गौ ज्ञान कोशः । (गौ के विषयों में वेद मन्त्रों के वचनों का संग्रह)
सातवलेकर कृत हिन्दी अनुवाद सहित । दूसरा भाग १०-००
- १५७८ गोपथब्राह्मणम् । क्षेमकरण त्रिवेदी कृत भाष्य सहित । स श्रीप्रज्ञादेवी ४०-००
- १५७९ गोपथब्राह्मणम् (अथर्ववेदीय) । स० राजेन्द्रलाल मित्र ३५-००
- १५८० चतुर्वेद-वैयाकरण-पदसूची । विश्वबन्धु संपादित । १-२, भाग १५०-००
- १५८१ चरणव्यूहः । सहर्षि शौनक प्रणीतः । आचार्यमहिदास कृत भाष्ययुक्त ग्रन्थ १५०-००
- १५८२ चारायणीयमन्त्रार्थाध्यायः । यजुर्वेदीय । मूलमात्र ४-००
- १५८३ चारों वेदों की अनुक्रमणिका । ३-१५

१५८४ छन्दस्वतीवाक् । वासुदेवशरण अग्रवाल कृत आंग्लानुवाद सहित	१-५०
१५८५ छन्दोदर्शनम् । देवरातापेयम् ऋषिदेवरत कृत । काव्यकठ गणपति मुनि कृत वसिष्ठान्वयभाष्य । आंग्लानुवाद सहित	४५-००
१५८६ जैमिनीय श्रौतसूत्र वृत्तिः ।	४०-००
१५८७ जैमिनीय सामगानम् ।	४५-५०
१५८८ जैमिनीयापेय-जैमिनीयोपनिषद् ब्राह्मण ।	२४-००
१५८९ जैमिनीयोपनिषद् ब्राह्मणम् । सामवेदीय	६-००
* १५९० ताण्ड्यमहाब्राह्मणम् । सायणाचार्य विरचित भाष्य सहित ।	
द्वितीय भाग	१००-००
१५९१ तैत्तिरीय संहिता । भट्ट भास्कर-सायण भाष्य सहित । १-२ भाग	८१-००
१५९२ तैत्तिरीयसंहिता । कृष्णयजुर्वेदीय । सायणभाष्य पठ पाठ सहित ।	
भाग १-८	१२८-१५
१५९३ तैत्तिरीयसंहिता-अनुक्रमणिका । परशुराम शास्त्री सम्पादित । प्रथम भाग	१०-००
१५९४ तैत्तिरीय-संहिता-वैयाकरण-पदसूची । विधवधु संपादित	८५-००
१५९५ दण्डक । शुक्लयजुर्वेदीय	१-२७
१५९६ दशरात्रपर्व । उद्गानम् । १-२ भाग	१-५०
१५९७ देवताध्याय-सहितोपनिषद्-वंश-ब्राह्मणानि । सव्याख्यानि ।	
टा० वे० रामचन्द्रशर्मणा संपादितानि	१२-००
* १५९८ देवीसूक्तम् । तात्रिक देवी सूक्त सहित	०-५०
१५९९ दवत-संहिता (चागे वेदों का देवतानुसार मत्र संग्रह) सातवलेकर	३०-००
१६०० देवम् । त्रेम कृत । कृष्णलीला शुक्र-मुनि विरचित पुन्यकाराख्यवार्तिक	८-००
१६०१ द्वाह्यायण गृह्यसूत्रम् । रुद्रस्कन्द वृत्ति सहित	१-९०
१६०२ द्वाह्यायणगृह्यसूत्रम् । रुद्रस्कन्दवृत्ति हिन्दी टीका सहित	१०-००
१६०३ नयगेयशास्त्रानुक्रमणी । सीताराम सद्गल संपादित	३०-००
१६०४ नारदीयशिक्षा । (सामवेदीय) भट्ट शोभाकर विरचित शिक्षाविवरण	
संस्कृत व्याख्या सहित	१-५०
१६०५ निघण्टु तथा निरुक्त । लक्ष्मण स्वरूप । अनुवादक सत्यभूषण योगी	३५-००
१६०६ निदानसूत्रम् । पतञ्जलिकृत । छन्दोविचिति प्रकरण व्याख्या सहित	४०-००
१६०७ निरुक्तम् । ब्रह्मलीन मुनि कृत हिन्दी टीका सहित । १-३ भाग	५०-००
१६०८ निरुक्तम् । दुर्गाचार्य वृत्ति सहित । १-२ भाग	१२५-००
१६०९ निरुक्तम् । डा. कपिलदेव शास्त्री कृत हि. टी. सहित १-२, ७ अध्याय	७-००
प्रथमाध्याय	५-००
१६१० निरुक्तम् । श्री छज्जुराम शास्त्री कृत संस्कृत टीका-श्री भगीरथ शास्त्री कृत	
हिन्दी अनुवाद सहित	४०-००
१६११ निरुक्तम् । (नघण्टुक-नैगम काण्ड का हिन्दी व्याख्या) आचार्य विश्वेश्वर	२०-००
१६१२ निरुक्त (१-४, ७ वॉ अध्याय) शिवनारायण शास्त्री कृत हिन्दी टीका	१६-००
१६१३ निरुक्त । (१-४ तथा ७ वॉ अध्याय) व्याख्याकार छज्जुराम-शास्त्री	१२-००
१६१४ निरुक्तम्-निघण्टु । यास्क विरचित । स० अग्निहोत्र रामानुज ताता-	
चारियर । १-२ भाग	३३-००
१६१५ निरुक्त । (१-७ अध्याय) उमाशंकर शर्मा 'ऋषि' कृत हि.टी. १६-००	

- १६१६ निरुक्त प्रश्नोत्तर रूप में । त्रिवेणीदत्त त्रिपाठी-चुप्रीलाल शुक्ल ४—००
- १६१७ निरुक्त मीमांसा । शिवनारायण शास्त्री २५—००
- १६१८ निरुक्तशास्त्रम् । यास्कविरचितम् । भगवदत्त कृत भाष्यार्थ-हिन्दी टीका २५—००
- १६१९ निरुक्त सम्मर्शः । स्वामी ब्रह्मसुनि कृत शैल्यानुसारि भाष्य सहित २०—००
- १६२० निरुक्त-समुच्चयः । वररुचि पणोन । शुषिष्ठिर मीमांसक सम्पादित ५—००
- १६२१ निरुक्तसार निदर्शन । डा० कुँवर लाल 'व्यास शिष्य' ११—००, १५—००
- १६२२ नीतिमञ्जरी । सभाष्या, श्रीद्याद्विवेदविरचिता । मट्टिपण १०—००
- १६२३ नैमित्तिक वैदिक पाठ । स्वामी वेदानन्द १—००
- १६२४ न्यु वेदिक सिलेक्शन । अन्वय-मायणभाष्य-शब्दा० हिन्दी-आगलानुवाद-
नोट्स सहित । १-२ भाग २८—००
- १६२५ पञ्चविधसूत्र-भात्रालक्षण । स० डॉ० वे० रामचन्द्र शर्मा ७—००
- १६२६ पञ्चसूक्तम् । (पुरुष नारायण-श्री-लक्ष्मी-विष्णुसूक्त) सिद्धान्त दीपिका
संस्कृत हिन्दी व्याख्या सहित २—००
- १६२७ पथ्यास्वस्ति । मधुसूदन शर्मा प्रणीत । हिन्दी टीका सहित ६—००
- * १६२८ पारस्करगृह्यसूत्रम् । कात्यायनसूत्रीयश्राद्ध-शौच-स्नान-भोजन-
कल्प सूत्र सहित ५—००
- १६२९ पारस्करगृह्यसूत्रम् । हिन्दी टीका सहित १७—००
- १६३० पितृसंहिता । मूलमात्र ०—३०
- १६३१ पितृसंहिता-पितृकल्पः । रामगीता सहित ०—७५
- १६३२ पुरुषसूक्तभाष्यम् । रङ्गनाथसुनि कृत ०—७५
- * १६३३ पुरुषसूक्तम् । सायण-महीधर-मंगल-निम्बार्क-भाष्यचतुष्टय सहित ८—००
- * १६३४ पुरुषसूक्तम् । (माध्यन्दिन शास्त्रीय) श्री उमेश मिश्र गौड
वेदाचार्य कृत 'सरला' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित ०—६०
- १६३५ पुरुषसूत्रम् (सामप्रातिशाख्यं) पुष्पर्षि प्रणीत । श्रीमदजातशत्रुकृत
भाष्यसहित २८—००
- १६३६ प्रातिशाख्यों में प्रयुक्त पारिभाषिक शब्दों का आलोचनात्मक
अध्ययन । डा० इन्द्रा २५—००
- १६३७ प्राथमिक वेद संग्रहः । रघुवर मिट्टूलाल शास्त्री २—५०
- १६३८ Preface to Rigveda Bhashya of Sayana 6—00
- * १६३९ बृहद्देवता (शौनकीय) मूल श्लोकबद्ध, हिन्दी व्याख्या तथा
टिप्पणियों से विभूषित । व्याख्याकार डॉ० रामकुमार राय यन्त्रस्थ
- १६४० Brihad Devata With English Translation
by A. A. Macdonell. Vols I-II 15—00
- १६४१ भरद्वाज ऋषि का दर्शन (ऋग्वेद का षष्ठ मंडल) सातवलेकर प्रणीत २५—००
- १६४२ भारद्वाजशिखा । सव्याख्या ५—००
- १६४३ भारद्वाजश्रौतसूत्रम् । पैतृमेधिक परिशेष सूत्र-आगलानुवाद सहित ।
सी० जी० काशीकर संपादित । १-२ भाग ९०—००
- १६४४ भाषिक सूत्र । कात्यायनप्रणीत । द्वय व्याख्या सहित २४—००
- १६४५ मन्त्ररामायण । २—६५

१६४६ मन्त्रसंहिता । शुक्लयजुर्वेदीय ५२३ मन्त्रों का संग्रह	१५—००
१६४७ मन्त्रसंहिता । हिरण्यकेशीय	२—५०
* १६४८ मन्त्रार्थदीपिका । म० म० श्री शत्रुघ्नमिश्र विरचित । सटीक	यन्त्रस्थ
१६४९ मन्युसूक्तम् ।	०—३०
१६५० मरुहेवता मन्त्रसंग्रह । सातवलेकर सम्पादित । मूलमान	२—००
१६५१ माध्यन्दिन पद पाठ ।	१५—००
१६५२ माध्यन्दिनीयपितृसूक्तम् । (सत्वर)	०—५०
१६५३ मूल संस्कृत उद्धरण । (ओरिजिनल संस्कृत टेक्स्ट्स) जे० मूडर । अनुवादक—डॉ० रामकुमार राय । १ से ५ भाग	२००—००
१६५४ मैत्रायणीयारण्यकम् (यजुर्वेद)	०—७५
१६५५ यजुर्वेद । गोपाल प्रसाद कौशिक कृत हिन्दी टीका सहित	८—००
१६५६ यजुर्वेदभाष्यम् । दयानन्द स्वामी कृता व्याख्या । ब्रह्मदत्त जिज्ञासु कृत विवरण सहित । द्वितीय भाग	२०—००
१६५७ यजुर्वेद शतकम् । स्वामी जगदीश्वरानन्द सरस्वती	२—००
१६५८ यजुर्वेद संहिता । मूल । सङ्कल्यिता महर्षि देवरात	५५—००
१६५९ यजुर्वेदसंहिता । सुबोध भाष्य । ३० वा अध्याय (सच्ची शक्ति का मन्त्रा उपाय) २—५० ३२ वा अध्याय । एक ईश्वर की उपासना २—५० ३६वा अध्याय । शक्तिका मन्त्रा उपाय २—५० ४० वा अध्याय (आत्मज्ञान ईशोपनिषद्) ५—००	
१६६० यज्ञतर्पण । म० म० गोपीनाथ कविराज	२—००
१६६१ याज्ञवल्क्यशिक्षा । अमरनाथ दीक्षित कृत शिक्षावली विवृति सहित	३—००
१६६२ रजोवाद । मधुसूदन ओझा विरचित ।	६—००
१६६३ रुद्र । नमक चमकात्मक अध्याय	४—००
१६६४ रुद्रदेवता मन्त्रसंग्रह । सातवलेकर सम्पादित	१—७५
१६६५ रुद्रस्वाहाकारपद्धतिः ।	०—७५
१६६६ रुद्राध्यायः । सायण भट्टभास्कर भाष्य सहित	१२—००
१६६७ रुद्राध्यायः । विष्णुसूरि विरचित भाष्य सवलित	२—५०
* १६६८ लाट्यायनश्रौतसूत्रम् । अग्निष्टोमोन्तम् । सटीक	८—००
१६६९ वसिष्ठ ऋषि का दर्शन (ऋग्वेद का सप्तम मंडल) सातवलेकर प्रणीत	२५—००
१६७० वायुदेवता । सातवलेकर कृत	१—७५
१६७१ वाराहगृह्यसूत्रम् । हिन्दी टीका सहित	२—५०
१६७२ वाराहश्रौतसूत्रम् (मैत्रायणीय) सं० डा० डबल्यू कैलण्ड-डा० रघुवीर	२०—००
१६७३ विश्वदेवा । गुरुदत्त	६—००
१६७४ विश्वेदेवा मन्त्रसंग्रह । सातवलेकर सम्पादित	५—००
१६७५ वेद कालीन जनतन्त्र स्थानि । स० रामानुज ताताचार्य	१३—००
१६७६ वेद कालीन राज्य व्यवस्था । डा० श्यामलाल पाडेय	८—००
१६७७ वेद त्रयी परिचय । अनु० डा० ओमप्रकाश पांडेय	५—००
१६७८ वेददिग्दर्शन । माधवाचार्य शास्त्री	१०—००
१६७९ वेद पदपाठ चर्चा । (उपलेखसूत्रम्) के० वी० अभ्यकर	७—००

१६८० वेदपरिचय । सातवलेकर प्रणीत । तीसरा भाग	२—००
१६८१ वेदपादस्तवः ।	०—३०
१६८२ वेद पुष्पाञ्जलि । सत्यकाम विद्यालकार	१४—००
१६८३ वेदप्रवेशः । अश्विनो देवता मन्त्रसंग्रह । सातवलेकरकृत हिन्दी टीका सहित	५—००
१६८४ वेदप्रवेशः । ऋग्वेद के अग्निसूक्त । सातवलेकर कृत	२—००
१६८५ वेद प्रवेशः तत्र प्रथमा पद्धतिः । वेदानन्द । १-२ भाग	२—५०
१६८६ वेद भारती । हरिदत्त शास्त्री-कान्ति किशोर	१५—००
१६८७ वेद महाविज्ञान ।	१२—००
१६८८ वेदरत्नाकर ।	१—५०
१६८९ वेदरश्मि । डा० वासुदेवशरण अग्रवाल	५—००
१६९० वेद वाङ्मय विमर्शः । रामनारायण चतुर्वेदी	६—०७
१६९१ वेदविज्ञानमीमांसा । वेणाराम शर्मा गौड	१—२५
१६९२ वेद विमर्श । वेदव्रत शास्त्री । प्रथम भाग	२—००
१६९३ वेदशास्त्र-संग्रहः । स० विश्वबन्धु	१५—००
१६९४ वेद सञ्चयनम् । स० यदुनन्दन मिश्र । सायणभाष्य हिन्दी व्याख्या	८—००
१६९५ वेद समुह्यासः । सत्यभूषण योगी कृत हिन्दी आग्लानुवाद सहित	१४—००
१६९६ वेदसार । विश्वबन्धु । हिन्दी टीका सहित	५—००
१६९७ वेद सौगन्धिकम् । डा० विष्णुदेव शर्मा	२—५०
१६९८ Vedas by Raja Rammohan Rai. Revised & Enlarged by J. L. Shastri.	25—00
१६९९ वेदासृतम् । हरिदत्त शास्त्री	३—००
१७०० वेदार्थकल्पलता । महर्षि दैवरात	१२५—००
१७०१ वेदार्थचन्द्रिका । डॉ० सुंशीराम शर्मा	७—५०
१७०२ वेदार्थ प्रवेशिका । डा० सम्पूर्णानन्द	२—५०
१७०३ Vedic Upadesh (Vedic Teachings) By Swamiji Datta	15—00
१७०४ Vedic Grammar by A. A. Macdonell	27—50
१७०५ Vedic Reader by A. A. Macdonell	9—00
१७०६ वेदश्विनौ । डॉ० तृ० कृ० कृष्ण स्वामी (अय्यर) शर्मा	२०—००
१७०७ वेदों का स्वरूप । डा० दा० विश्वमित्र	२०—००
१७०८ वेदों में अध्यात्म विद्या ।	६—५०
१७०९ वेदों में भारतीय संस्कृति । आद्यादत्त ठाकुर	१०—००
१७१० वैखानसश्रौतसूत्र । मूलमात्र । डा० कैलण्ड सम्पादित	७—५०
१७११ वैखानसस्मार्तसूत्र ।	१—५०
१७१२ वैतानश्रौतसूत्र । सोमादित्य विरचित । आक्षेपानुविधि व्याख्या सहित	३०—००
१७१३ वैदिक आख्यान । डॉ० गङ्गासागर राय	२—००
१७१४ वैदिक इण्डेक्स । मैकडौनेल और कीथ (हिन्दी रूपान्तर) अनुवादक-डॉ० रामकुमार राय । १-२ भाग संपूर्ण	६०—००
१७१५ वैदिक इतिहास विमर्श । वैद्यनाथ शास्त्री	८—००
१७१६ वैदिक उपदेश । १-२ भाग	५—००
१७१७ वैदिक कविता । हरिमोहन मिश्र	४०—००

१७१८. वैदिक कोश । (वैदिक विषयों एव नामों का) डॉ० सूर्यकान्त	२२—५०
१७१९. वैदिकदर्शन । डा० फतह सिंह	९—००
१७२०. वैदिक धर्म एवं दर्शन । डा० सूर्यकान्त । दूसरा भाग	२५—००
१७२१. वैदिक निबन्धावली । डॉ० मुंशीराम शर्मा	५—००
१७२२. वैदिकपदानुक्रमकोषः । विश्वबन्धु कृत । १-१६ भाग	१६००—००
१७२३. वैदिक पाठमाला । सातवलेकर । प्रथम भाग	०—३१
१७२४. वैदिकप्रवचन । जगत्कुमार शास्त्री	३—००
१७२५. वैदिक भारत में यज्ञ और उसका आध्यात्मिक स्वरूप । मुनि देवराज	२—००
१७२६. वैदिक भाषानुष्ठीलन । गगाधर मिश्र	६—००
१७२७. वैदिक माइथोलोजी । (वैदिक पुराकथाशास्त्र) प्रो. ए. ए. मैकडॉनल (हिन्दी रूपान्तर) अनुवादक—डॉ० रामकुमार राय	२०—००
१७२८. वैदिकयज्ञरहस्य । महात्मा नारायणस्वामी	०—३७
१७२९. वैदिकयुग के भारतीय आभूषण । डॉ० राय गोविन्दचन्द्र	२०—००
१७३०. वैदिक राजनीति शास्त्र । डा० विश्वनाथ प्रसाद वर्मा	१३—५०
१७३१. वैदिक षाड्मय का इतिहास ।	५—००
१७३२. वैदिक षाड्मय का इतिहास । पं० भगवद्दत्त । सं० सत्यश्रवा दूसरा भाग	५५—००
१७३३. वैदिक-वाङ्मय में प्रयुक्त विविध स्वराङ्कन-प्रकार । युधिष्ठिर मीमांसक	३—००
१७३४. वैदिक वाङ्मय में भाषाचिन्तन । पं० शिवनारायण शास्त्री	२५—००
१७३५. वैदिक विचारधारा का वैज्ञानिक आधार । सत्यव्रत सिद्धान्तालंकार	२०—००
१७३६. वैदिक विज्ञान और भारतीय संस्कृति । गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी	११—५०
१७३७. वैदिक विश्वदर्शन । हरिशंकर जोशी । १-४ भाग	४९—००
१७३८. वैदिकव्याख्यानमाला । ११-४० व्याख्यान । २-४ भाग	३०—००
१७३९. वैदिक व्याख्या विवेचन । रामगोपाल	३६—००
१७४०. वैदिक शब्दार्थ परिजातः । सं० विश्वबन्धु	६—००
१७४१. वैदिक संस्कृति के तत्त्व । डॉ० मङ्गलदेव शास्त्री	५—००
१७४२. वैदिक सग्रहः । डा० कृष्ण लाल । सटिप्पण	१०—००
१७४३. वैदिक साहित्य । निर्मला भार्गव	३५—००
१७४४. वैदिक साहित्य । रामगोविन्द द्विवेदी	१०—००
१७४५. वैदिकसाहित्य और संस्कृति । बलदेव उपाध्याय	२०—००
१७४६. वैदिक साहित्य और संस्कृति । भास्करानन्द लोहनी	५—००
१७४७. वैदिक साहित्य का इतिहास ।	७—५०
१७४८. वैदिक साहित्य का इतिहास । डा० कुँवर लाल जैन	८—००
१७४९. वैदिक साहित्य का इतिहास (प्रश्नोत्तर) । राजकिशोर सिंह	५—००
१७५०. वैदिक साहित्य की रूपरेखा । प्रो० हंसराज अग्रवाल	२—००
१७५१. वैदिक साहित्य की रूपरेखा ।	१०—००
१७५२. वैदिक सिद्धान्त मीमांसा । युधिष्ठिर मीमांसक । प्रथम भाग	३०—००
* १७५३. वैदिक सूक्तपञ्चकम् । 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्योपेत ।	०—७५
* १७५४. वैदिक सूक्तमञ्जरी । हिन्दी व्याख्या, अंग्रेजी अनुवाद सहित । २—५०	
* १७५५. वैदिक सूक्तावलिः । डॉ० विश्वनाथ भट्टाचार्य—रामगोपाल मिश्र संपादित	१—७५

- १७५६ वैदिक सेलेक्शंस । (वम्बई युनिवर्सिटी पाठ्य ग्रन्थ) । १-२ भाग ८-००
- १७५७ वैदिक स्वर बोध । डा० ब्रजविहारी चौबे ७-००
- १७५८ वैदिक स्वराज्य की शासन पद्धति । डा० कान्ति किशोर ५-००
- १७५९ वैदिक स्वरितमीमांसा । डा० ब्रजविहारी चौबे १२-००
- १७६० वैदिकी । मुशीराम शर्मा ६०-००
- *१७६१ शतपथब्राह्मणम् । [सस्वर] सम्पादक-म०म० श्री चित्रस्वामी
शास्त्री । १-४ काण्ड २०-००, ५-७ काण्ड १०-००
१-२ भाग—१ से ७ काण्ड पर्यन्त ३०-००
- १७६२ शतपथब्राह्मणम् । (शुक्लयजुर्वेद माध्यन्दिनीया शाखामनुसृत्य) सायणा-
चार्यहरिस्वामिद्विवेदगङ्गाकृतभाष्येभ्यः सारमुद्धृत्य त्रि० आ-वेनेन
वेवेरेण शोधितम् ३०८-००
- १७६३ शतपथब्राह्मणम् । रतदीपिका हिन्दी टीका सहित । प्रथम भाग १००-००
- १७६४ शतपथ ब्राह्मण (सक्षिप्त) हिन्दी टीका सहित १२-००
- १७६५ शतपथब्राह्मणम् । सायणभाष्य सहित । प्रथम काण्ड ३७-५०
- १७६६ शतपथब्राह्मणम् । सायणभाष्य सहित । सम्पूर्ण १-५ भाग ७५०-००
- १७६७ शाख्यायन ब्राह्मणम् । मूल मात्र ८-००
- १७६८ शाख्यायनारण्यकम् । ऋग्वेदान्तर्गत १-२५
- १७६९ शिखादिवेदपडङ्गानि । ५-००
- १७७० शिखादिवेदाङ्गचतुष्टय । १-५०
- १७७१ शुक्लयजुःप्रातिशाख्यम् । कात्यायन कृत । अंगरेजी अनुवाद सहित ।
सम्पादिका तथा अनुवादिका-श्रीमती इन्दु रस्तोगी एम्० ए० १५-००
- १७७२ शुक्लयजुर्वेद प्रतिशाख्यम् । उव्वट-अनन्तमट्ट द्वय भाष्य, डा० वीरेन्द्र
कुमार वर्मा कृत हिन्दी टीका सहित ६५-००
- १७७३ शुक्लयजुःसर्वानुक्रमसूत्रम् । कात्यायनप्रणीत । श्री याज्ञिकानन्तदेव
विरचित भाष्य सहित २४-००
- १७७४ शुक्लयजुर्वेदकाण्वसंहिता । श्री सायणाचार्य विरचित भाष्य सहित
१-९ अध्याय पर्यन्ता यन्त्रस्थ ११ से २० अध्याय ३०-००
- १७७५ शुक्लयजुर्वेद वाजसनेयी संहिता (माध्यन्दिनकाण्वशाखा)
महिधर भाष्य सहित । डा० ए० वेवेर संपादित ५०-००
- १७७६ शुक्लयजुर्वेदवाजसनेयिसंहितापदसूची । १-५०
- १७७७ शुक्लयजुर्वेद संहिता । स० मातवलेकर ८-००, १२-००
- १७७८ शुक्लयजुर्वेदसंहिता । सम्पादक—श्री दौलतराम गौड वेदाचार्य ८-००
- १७७९ शुक्लयजुर्वेदसंहिता । मूलमात्र । पत्रात्मक वम्बई १५-००, काशी २०-००
- १७८० शुक्लयजुर्वेदसंहिता । श्रीराम शर्मा आचार्य सरल हिन्दी भावार्थ सहित ९-००
- १७८१ शुक्लयजुर्वेदसंहिता । जयदेव विद्यालङ्कारकृत भाषा भाष्य सहित १-२ भाग २४-००
- १७८२ शुक्लयजुर्वेदसंहिता । 'श्री' विद्या हिन्दी टीका विभूषित ०-७५
- १७८३ शुक्लयजुर्वेदीयरुद्राष्टाध्यायी । शिवापराध-क्षमापन-स्तोत्रम्,
शिवपञ्चाक्षरस्तोत्र तथा शिवषडक्षरस्तोत्र सहित । स० आचार्य
ऋषि शङ्कर-अग्निहोत्री १-५०

१७८४ शुक्लयजुर्वेदीयरुद्राष्टाध्यायी । हिन्दी-टीकासहित	३—५०
१७८५ शुक्लसूत्र । कात्यायन प्रणीत । आंग्लानुवाद सहित	४५—००
* १७८६ शुक्लसूत्रम् । कात्यायन कृत । श्री कर्कभाष्य-महीधरवृत्ति सहित	३—००
* १७८७ श्रीसूक्तम् । विद्यारण्य-पृथ्वीधर-श्रीकण्ठाचार्य कृत भाष्यत्रयेण टिप्पण्या च समलङ्कृतम्	३—००
* १७८८ श्री सूक्तम् । वैदिक लक्ष्मी सूक्त	०—४०
१७८९ श्रौतकोशः । वापट सी० दातार, डी० वी० नाने, सी० जी० काशीकर- संपादित । संस्कृत-अंग्रेजी सहित । १-५ भाग	२४०—००
१७९० षडङ्गरुद्री । पूर्वोत्तराङ्गपूजाविधि युक्त	१—५०
१७९१ षडविंश ब्राह्मणम् । सायणाचार्यकृत वेदार्थ प्रकाश सहित	२०—००
१७९२ संकर्षकाण्डसूत्राणि । जैमिनि कृत । के० वी० शर्मा संपादित	१०—००
१७९३ संध्याभाष्यम् । श्यामनारायण चतुर्वेद कृत	१०—००
१७९४ Success Motivating Vedic Lore-Selected Hymns from Rigveda by Devendra Kumar Kapoor.	35—00
१७९५ सत्याषाढश्रौतसूत्रम् । गोपीनाथभट्टविरचितवैजयन्त्या ज्योत्स्ना- व्याख्यया च समेतम् । १-१० भाग	५३—३५
१७९६ सांख्यायनगृह्यसंग्रहः । प० वासुदेवकृत. तथा कौषीतकि गृह्यसूत्राणि	६—००
१७९७ सामप्रदीप ।	२५—००
१७९८ सामविधानब्राह्मणम् । सायण कृत वेदार्थप्रकाश, भरतस्वामिकृत पदार्थ-मात्र विवृति सहित । वे० रामचन्द्र शर्मा संपादित	१५—००
१७९९ सामवेद । सातवलेकर कृत हिन्दी अर्थ व स्पष्टीकरण सहित	३०—००
१८०० सामवेद (भाषा भाष्य) भाष्यकार । हरिशरण सिद्धान्तालङ्कार	४०—००
१८०१ सामवेद । गोपाल प्रसाद कौशिक कृत हिन्दी टीका सहित	६—००
१८०२ सामवेद शतकम् । स्वामी जगदीश्वरानन्द सरस्वती	२—००
१८०३ सामवेद संहिता । मूल मात्र सजिल्दः	८—००, १२—००
१८०४ सामवेदसंहिता । श्रीराम शर्मा आचार्य कृत सरल हिन्दी भावार्थ सहित	८—००
१८०५ सामवेदसंहिता । जयदेव विद्यालङ्कार कृत भाषा भाष्य सहित	२०—००
१८०६ सामवेद-संहिता । हरिश्चन्द्र विद्यालकार कृत हिन्दी टीका सहित	४—००
१८०७ सामवेदसंहिता अनुक्रमणिका ।	१—००
१८०८ सामवेदार्थेयदीपः । भट्टभास्करावरिन्द्रप्रणीत । डा० वे० रामचन्द्र शर्मा संशोधित	१३—५०
१८०९ सामवेदीय-त्रिकाल-सन्ध्यातर्पणप्रयोगः । हिन्दी टीका सहित	०—२५
१८१० सामवेदीयरुद्रजपविधिः । पञ्चवक्त्रपूजन-लघुरुद्रविधानयुत.	२—००
१८११ सामवेद-रुद्रजपविधिः । सचित्र । संहिता पदपाठ हिन्दी अंग्रेजी अनुवाद सहित । संपादक—आचार्य ऋषिशंकर अग्निहोत्री	४—००
१८१२ सामवेदीयसुबोधिनीपद्धतिः । श्री शिवराम विरचिता	२०—००
१८१३ सायणीयजुर्वेदभाष्यभूमिकायाः बदरीनाथीटीका । त्रिलोकनाथमिश्रकृत	१—२५
१८१४ सूत्ररत्नसंग्रह । सायण भट्टभास्कर-स्कन्द-महीधर-शंभु श्री मिश्राधाचार्य मन्त्रार्थैः ज्योत्स्ना विवृति सहित । श्री गोपालचन्द्र मिश्र	५—००

१८१५	STUDIES IN VEDIC INTERPRETATION : A. B. Purani, 45-00	
१८१६	स्वस्त्ययनकलश प्रतिष्ठा पूजन विधिः ।	०—३०
१८१७	स्वाध्याय । स्वामी वेदानन्द । प्रथम भाग	२—२५
१८१८	स्वाध्याय संदीप ।	१०—००
१८१९	स्वाध्याय सन्दोह । स्वामी वेदानन्द	१५—००
१८२०	HYMNS OF THE ATHARVA-VEDA . Translated into English by Ralph T. H. Griffith.	85—00
१८२१	HYMNS OF THE RG-VEDA : Translated into English by Ralph T. H. Griffith. In 2 Vols. Ordinary edition	80—00
	Library edition.	100—00
१८२२	HYMNS OF THE SAMA-VEDA . Translated into English by Ralph T. H. Griffith.	50—00
१८२३	Texts of the White Yajurveda. Translated into English by R. T. H. Griffith.	50—00
१८२४	हिम्स फ्राम दी ऋग्वेद । पिटर्सन । फर्स्ट सीरीज	२०—००
	सेकेण्ड सीरीज	१५—००
१८२५	A HISTORY OF VEDIC LITERATURE By Sri Sambhu Nath Sharma.	20—00

कर्मकाण्ड-ग्रन्थाः

१८२६	अग्निवेश्यगृह्यसूत्रम् ।	३—००
१८२७	अग्निहोत्रचन्द्रिका । वामनशास्त्री विरचित	५—३५
*१८२८	अन्त्यकर्मदीपकः । आशौचकालनिर्णयसहितः प्रेतकर्म-ब्रह्मीभूत- यतिकर्मनिरूपणात्मकः । म० म० नित्यानन्दपन्त पर्वतीयविरचित	१०—००
१८२९	अन्त्येष्टि संस्कार विधि ।	२—००
१८३०	अभिषेकचतुष्टयी । मातृप्रसाद	०—२५
१८३१	अर्कीविवाहः । वायुनन्दनमिश्र	०—४०
१८३२	अष्टलिंगतोभद्रचक्र ।	०—५०
१८३३	आचारभूषणम् । व्यम्बककृत	८—१५
१८३४	आचारादर्शः ।	१—९०
१८३५	आचारेन्दुः । व्यम्बककृत	७—५०
१८३६	आधानपद्धतिः । वामनशास्त्री	३—७५
१८३७	आन्हिक प्रयोगमाला । श्राद्ध तर्पण उपाकर्म । गोपाल देशिक विरचित	६—००
*१८३८	आपस्तम्बगृह्यसूत्रम् । श्रीहरदत्तमिश्र प्रणीत अनाकुला श्रीसुदर्शना चार्य प्रणीत तात्पर्यदर्शन व्याख्याद्वय तथा डा० उमेश चन्द्र पाण्डेय कृत हिन्दी टीका सहित	४०—००
*१८३९	आपस्तम्बधर्मसूत्रम् । श्रीहरदत्तमिश्र विरचित उज्ज्वला वृत्ति तथा डा० उमेश चन्द्र पाण्डेय कृत हिन्दी टीका सहित	४०—००

१८४० आपस्तम्ब स्मार्त प्रयोगः । वेङ्गल सिङ्गयभट्ट सूरि विरचित	१—५०
१८४१ आरति कल्पद्रुमः । लघुरुद्रपद्धति सहित	२—२५
१८४२ आश्वलायनापर प्रयोगः । सुन्दरेश सोमायाजी सुन्दर शास्त्री परिष्कृत	१—५०
* १८४३ उपनयन पद्धतिः (माध्यन्दिन शास्त्रीय) । हिन्दी मन्त्रार्थ सहित । लेखक वेदाचार्य श्री वेणीराम शर्मा गौड	५—००
१८४४ ऋग्वेदोक्तनित्यविधिः ।	२—००
१८४५ एकलिङ्गतोभद्रचक्र ।	०—५०
१८४६ एकोद्दिष्टश्राद्धपद्धतिः । हिन्दी टीका सहित	१—००
१८४७ और्ध्वदेहिककर्मपद्धतिः । अमृतवर्षिणी टिप्पणी सहित	६—००
१८४८ कर्मकाण्डभास्कर । विशालमणि उपाध्याय विरचित	८—००
१८४९ कर्मठ गुरु ।	९—००
१८५० कर्मप्रदीपः । छान्दोग्यपरिशिष्ट	२—२५
१८५१ कलश स्थापन चक्र ।	०—३०
१८५२ का० तर्पणपद्धतिः । अनन्तराम शास्त्रिकृत हिन्दी टीका सहित	०—३०
१८५३ काश्यायनी ग्रहशान्ति ।	२—००
* १८५४ कातियेष्टिदीपकः । (दर्शपौर्णमासपद्धतिः) महामहोपाध्याय पं० श्री नित्यानन्दपन्त पर्वतीय विरचित	८—००
१८५५ कुण्डमण्डप सिद्धिः । हिन्दी टीका सहित	१—८०
१८५६ कुम्भविवाहः । वायुनन्दन मिश्र प्रणीत	०—४०
* १८५७ कुलदेवतास्थापनविधिः, हनुमदुध्वजदानविधिश्च ।	०—१०
१८५८ कूपाराममीमांसा (बृहत्कूपारामपद्धतिः) । हिन्दी टीका सहित	१—००
१८५९ कूपोत्सर्गपद्धतिः ।	०—४०
* १८६० कृतितत्त्वसंग्रहः । दैवज्ञ श्रीविज्ञानेश्वर उपनाम पं० तूफानी शर्मा कृत	१२—००
१८६१ कृत्य तत्त्वार्णवः । श्री नान्धाचार्य चूडामणि विरचित । प्रथम भाग	२५—०६
१८६२ कृत्यरत्नाकरः । चण्डेश्वरठक्कुर विरचित	६—००
१८६३ कृत्यसागरः । रत्नपाणि विरचित । स० महाप्रसुलाल गोस्वामी	२८—००
* १८६४ कृत्यसारसमुच्चयः । म० म० पं० अमृतनाथज्ञा विरचित । पं० गङ्गाधरमिश्रकृत बृहत् टिप्पणी परिशिष्ट विभूषित	यन्त्रस्थ
१८६५ कृष्णयजुर्वेदीय संध्योवन्दनम् । सभाष्यम्-	०—५०
१८६६ क्षत्रियसन्ध्याप्रयोगः । हिन्दी टीका सहित	०—२५
१८६७ गृहस्थरत्नाकरः । चण्डेश्वरठक्कुरकृत	५—२५
१८६८ गृहोत्सर्गपद्धतिः ।	०—२०
१८६९ गोभिलगृह्यकर्मप्रकाशिका । हिन्दी टीका सहित	१०—००
* १८७० गोभिलगृह्यसूत्रम् । म० म० श्रीमुकुन्दशर्मविरचित मृदुलाव्याख्या समलङ्कृत । हिन्दी व्याख्या सहित	यन्त्रस्थ
१८७१ गौडीयश्राद्धप्रकाशः । चतुर्थीलाल विरचित-पत्रात्मक	२२—५०
१८७२ ग्रहयज्ञ तत्त्व । वगाक्षर	३—००
१८७३ ग्रहशान्तिःग्रहप्रयोगः । समन्त्रक स्थूलाक्षर । हिन्दी टीका सहित	१६—००
१८७४ चतुर्थवर्णसंस्कारपद्धतिः । हिन्दी टीका सहित	०—५०

१८७५ चूडाकरणपद्धतिः । विद्याधरकृतविस्तृतटिप्पणीपरिशिष्टसहित	१—००
१८७६ जन्मदिनपूजापद्धतिः ।	०—२५
१८७७ तीर्थ तरव । वगाक्षर	३—००
१८७८ तुलसीपूजापद्धतिः ।	०—१५
१८७९ तुलादानादि पद्धतिः । तारानाथ तर्क वाचस्पति भट्टाचार्य विरचित	१०—००
१८८० त्रिकालसध्या । ऋग्वेदीय	०—५०
१८८१ दन्त्योष्ठविधिः । अथर्ववेदीय	५—००
१८८२ दर्शपूर्णमासप्रकाशः । वामनशास्त्रिकृत.	१२—५०
१८८३ दानचन्द्रिका । दिवाकर कृत । पत्रात्मक	१—६५
१८८४ दानदीपिका । हिन्दी टीका सहित	१—००
१८८५ दीक्षातरुमीमांसा हिन्दी टीका सहित	३—५०
१८८६ दीक्षाप्रकाशिका । विष्णुमठ प्रणीत	२—००
१८८७ दुर्गाकल्पद्रुमः । सप्तशती पाठ सहित	६—००
*१८८८ दुर्गापूजन पद्धतिः । वेदाचार्य श्री वेणीराम शर्मा गौड़ कृत	५—००
†१८८९ दुर्गापूजनपद्धतिः । वेदाचार्य वेणीराम शर्मा गौड़ कृत	५—००
१८९० दुर्गापूजा-श्यामापूजापद्धतिः ।	२—००
१८९१ देव कलश ।	०—३०
१८९२ द्वाह्यायणगृह्यसूत्रवृत्ति ।	१—९०
१८९३ द्वाह्यायणगृह्यसूत्रवृत्तिः । रुद्रस्कन्दप्रणीत । हिन्दी टीका सहित	४—००
१८९४ द्वादशलिङ्गतोभद्र हरिहरमण्डलचक्रम् । रगीन	०—५०
१८९५ धर्मकर्मदीपिका ।	०—५०
१८९६ नवग्रह पूजन विज्ञान ।	०—५०
१८९७ नवरात्रपूजापद्धति । (पौराणिक) ३—००, (वैदिक) १—५०	
१८९८ नारायणबलिप्रयोगः । 'विष्णुप्रिया' हिन्दीव्याख्या सहित	१—२५
१८९९ नित्य-कर्मचन्द्रिका ।	०—५०
१९०० नित्यकर्म पद्धतिः । स० माता प्रसाद द्विवेदी	१—५०
१९०१ नित्यकर्म पद्धति । बालमुकुन्द चतुर्वेदी	४—००
१९०२ नित्यकर्मप्रयोगमाला । चतुर्थीलाल विरचित	६—००
१९०३ नित्यकर्मविधिः । प० बालकृष्ण आचार्य सग्रहीत हिन्दी टीका सहित	२—५०
१९०४ नित्यनैमित्तिककर्मसमुच्चयः । शुक्लयजुर्वेदीय	१०—००
१९०५ नित्याचारपद्धतिः । विद्याकर वाजपेयी कृत	५—२५
१९०६ नित्याचारप्रदीपः । नृसिंह वाजपेयी कृत	१२—७५
१९०७ पञ्चक शान्ति ।	३—००
१९०८ पञ्चदानपद्धतिः । वायुनन्दन मिश्र प्रणीत	०—८०
१९०९ पञ्चमङ्गलम् । १ मण्डपस्थापनम् २. हरिद्रालेपनं कलशस्था-	
पनम् ३ मातृकापूजा-सप्तष्टतमाता ४ आयुष्यमन्त्रजपः	
५ नान्दीमुखश्राद्धम्	०—७५
१९१० पञ्चमहायज्ञ विधि ।	१—००
१९११ पञ्चरत्नविवाहपद्धतिः । फलाहारी शर्मा	४—५६

१९१२ पञ्चाङ्गपद्धतिः । अनन्तराम ढोगरा शास्त्रिकृत टिप्पणी विभूषित	१—००
१९१३ पञ्चालभमीमांसा । वामनशास्त्रिकृत	१—२५
*१९१४ पारस्करगृह्यसूत्रम् । कात्यायन सूत्रीय श्राद्ध, शौच, ज्ञान, भोजन तथा कल्पसूत्र महित	५—००
१९१५ पारस्करगृह्यसूत्रम् । (हरिहर-गदाधर भाष्य द्वय सहित) सुधाकर मालवीय वृत सटिप्पण विमर्शात्मक हिन्दी व्याख्या विभूषित	
प्रथम कण्ड	५—००
सम्पूर्ण	यन्त्रः ५
१९१६ पार्वणश्राद्धप्रयोगः । हिन्दी टीका सहित	०—९०
१९१७ पितृकर्मनिर्णयः (संप्रहृनिबन्ध) श्री त्रिलोकनाथ मिश्र कृत	५—००
*१९१८ पितृभक्ति । म० म० श्री दत्तोपाध्याय विरचित । डॉ० अशोक चटर्जी द्वारा सटिप्पण सुसम्पादित	१०—००
१९१९ पुत्तलविधानपद्धतिः । वायुनन्दन मिश्र प्रणीत । हिन्दी टीका सहित	०—६०
१९२० पुरश्चरणपद्धतिः । योगीन्द्र कृष्ण दीर्गादत्ति शास्त्रिकृत	१—५०
१९२१ पुराणोक्तविवाहपद्धतिः । वायुनन्दन मिश्र प्रणीत	०—४०
१९२२ पूजा पद्धति ।	६—००
१९२३ पूजाभास्करः ।	८—००
*१९२४ पौरोहित्यकर्मसारः । प० रमाकान्त शर्मा सङ्कलित । ३ भाग २ खिल्द में परिवर्द्धित संस्करण	६—००
१९२५ प्रतिष्ठा मंडल चक्र ।	०—३०
१९२६ प्रभुप्रतिष्ठाणवः । (सर्वदेव प्रतिष्ठा मयूख) दौलत राम गौड कृत हिन्दी टीका सहित	२२—००
१९२७ प्रयोगरत्ननारायणभट्टी । ऋग्वेदीय । समन्त्रक	७—००
१९२८ प्रायश्चित्तप्रकाशः । चतुर्थीलाल कृत	२—६५
१९२९ प्रायश्चित्तप्रदीप-कृत्यप्रदीप-शुद्धिप्रदीप । आचार्यकृष्णमित्रप्रणीत	६—००
१९३० प्रायश्चित्तेन्दुशेखरः । नागोजीभट्टकृत तथा कुण्डर्क । केशवकृत सव्याख्या	३—१५
१९३१ प्रेतमञ्जरी । हिन्दीटीका महित	१०—००
१९३२ बगला पूजा पद्धति । (वैदिक)	२—००
१९३३ बृहत्सामान्योत्सर्गपद्धतिः-दशगात्रपिण्डदानपद्धतिः ।	१—००
१९३४ बृहद् ब्रह्मनित्यकर्मसमुच्चयः । सग्रहमखण्डशसस्काराचनेकविषय- महित. । शास्त्री दुर्गाशङ्करकृत टिप्पणी सहित	१५—००
*१९३५ बौधायनधर्मसूत्रम् । श्री गोविन्दस्वामि प्रणीत विवरण समेत	४०—००
१९३६ ब्राह्मणसर्वस्वम् । हलायुध विरचित	५०—००
१९३७ मङ्गलमूर्ति गणेश ।	३—००
१९३८ मरणोत्तर संस्कारविधिः । हरिशङ्कर शर्मा	१—२५
१९३९ महान्निपुर सुन्दरी पूजा ।	३—००
१९४० महामृत्युञ्जय जपविधि ।	२—५०
१९४१ महालक्ष्मी पूजा पद्धति ।	२—५०
१९४२ मानसपूजन । श्री गणेश	१—००
१९४३ मूर्तिपूजाविज्ञान । मीथकाचार्य शास्त्री	१—००

१९४४ मूल शान्ति ।	०—५०
१९४५ यज्ञ मीमांसा । पं० वेणीराम शर्मा गौड़	२५—००
१९४६ यजुर्वेदोपाकर्मप्रयोग ।	१—२५
१९४७ यात्रातत्त्व । वगाक्षर	४—००
१९४८ योगिनीचक्र ।	०—४०
१९४९ रामार्चापद्धतिः (श्री शिवसंहितोक्त) पं० गुलाब झा संपादित	०—६०
१९५० लक्ष्मीपूजनप्रयोगः । यजुर्वेदीय	१—५०
*१९५१ लाट्यायनश्रौतसूत्रम् । अग्निष्टोमान्त । सुकुन्द भा. बख्शी कृत व्याख्या सहित	६—००
*१९५२ वर्षकृत्यदीपकः । (कालनिर्णयव्रतोद्यापन सहित) महामहोपाध्याय श्रीनित्यानन्दपन्त पर्वतीयकृत । द्वितीय परिवर्द्धित संस्करण	२०—००
१९५३ वर्षक्रियाकौमुदी । गोविन्दानन्दकविकङ्कणान्चावर्कृत	५—२५
१९५४ वसन्तोत्सवनिर्णयः । पं० सूर्यनारायणशुक्ल कृत	०—२५
१९५५ वाराहगृह्यसूत्रम् । हिन्दीटीका सहित	२—००
१९५६ वाशिष्ठीहवनपद्धतिः । हिन्दीटीका सहित ।	२—००
१९५७ वास्तुपूजापद्धतिः । गृहे गृध्रादिपतनशान्तिपद्धतिः गृह- प्रवेशपद्धतिश्च	२—००
१९५८ वास्तुप्रतिष्ठासंग्रहः ।	३—७५
१९५९ वास्तुमण्डलचक्र ।	०—४०
१९६० वास्तुशान्तिप्रयोगः ।	१—८०
१९६१ विधानमाला । नृसिंहभट्ट कृत	७—८०
१९६२ विवाह चन्द्रिका । षोडश संस्कार सहित	३—५०
१९६३ विवाहपञ्चरत्नपद्धतिः । फलाहारी शर्मा कृत	४—५०
*१९६४ विवाह पद्धतिः (माध्यन्दिन शाखीया) वेदान्चार्य श्री वेणीराम शर्मा गौड़ कृत हिन्दी-मन्त्रार्थ सहित	३—००
१९६५ विश्वकर्मपूजापद्धतिः । हिन्दी टीका सहित	०—६०
१९६६ विश्वकर्मार्चापद्धतिः । सक्षिप्त व्रतोद्यापन पद्धति सहित	१—००
१९६७ विष्णुयागपद्धतिः ।	८—००
१९६८ वेदोक्त पुराणोक्त सर्वपूजा ।	४—००
१९६९ वैवाह पद्यावली । हिन्दी टीका सहित	२—२५
१९७० शाखोच्चार समूह ।	१—५०
१९७१ शान्ति कल्पद्रुम । वास्तु शान्ति सहित	३—२५
१९७२ शान्तिप्रकाशः । चतुर्थीलाल विरचित	१८—००
१९७३ शिलान्यासपद्धति । देहलीन्यासपद्धति	३—००
१९७४ शिवार्चन पद्धति । राधा गोपाल शाखी	२—००
१९७५ शुक्ल यजु० शिवार्चन पद्धति ।	६—००
*१९७६ शुक्लयजुर्वेदीय संध्योपासनविधिः । (देवर्षि-पितृतर्पण सहित) हिन्दी मन्त्रार्थ सहित । सं० ठमेश मिश्र गौड़ वेदान्चार्य	०—७५

१९७७ श्राद्धकल्पः । दत्तोपाध्याय विरचित । स० अशोक चटर्जी	१९—००
१९७८ श्राद्धकल्पलता । श्रीनन्दपण्डितकृत	२०—००
१९७९ श्राद्धकौमुदी । सूतक निर्णय सहित	३—००
१९८० श्राद्धक्रियाकौमुदी । गोविन्दानन्दकविकङ्कणाचार्यकृत	५—२५
१९८१ श्राद्धचन्द्रिका । भारद्वाज दिवाकरभट्ट निर्मित	१०—००
१९८२ श्राद्धपारिजात । रुद्रदत्त पाठक कृत । हिन्दी टीका सहित	१५—००
१९८३ श्राद्धप्रयोगदीपिका । पं० नेने गोपालशास्त्री संशोधित एवं परिष्कृत	२—००
१९८४ श्राद्धमञ्जरी । नापुभट्ट रचित	३—७५
१९८५ श्राद्धविज्ञान । माधवाचार्य शास्त्री	२—००
* १९८६ श्राद्धविवेकः । म० म० रुद्रधर विरचित । विषमस्थल टिप्पणी तथा पार्वणश्राद्धक्रियाबोधक चित्रपट सहित	यन्त्रस्थ
१९८७ श्राद्ध संग्रह (नूतन श्राद्ध विवेक) हिन्दी टीका सहित	२०—००
१९८८ श्राद्धसूत्रम् । कात्यायनप्रणीत, देशयाज्ञिकपद्धतिसहित । १-८ खण्ड	५८—००
१९८९ षट् कर्मशास्त्रम् । वैशं भाष्य सहित	८—००
१९९० षोडश संस्कार विधि ।	८—००
१९९१ संक्षिप्तदीक्षापद्धतिः । तुलादानपद्धति सहित	०—४०
१९९२ संन्यासपद्धतिः । हिन्दी टीका सहित	२—५०
१९९३ संस्कारगणपतिः । रामकृष्णप्रणीतः । पारस्करगृह्यसूत्रस्याति विस्तृतव्याख्यानस्वरूपः	६०—००
* १९९४ संस्कारदीपकः । म० म० श्रीनित्यानन्दपन्त पर्वतीयकृत- प्रथम भाग १०—०० द्वितीय भाग १५—००, तृतीय भाग	यन्त्रस्थ
१९९५ संस्कारपद्धतिः । भास्करशास्त्रीविरचित । उपोद्घात सहित	४—७०
१९९६ संस्काररत्नमाला (गोपीनाथभट्टीया) १-२ खण्ड	८—००
१९९७ संस्कार विधि । स्वामी दयानन्द कृत	१०—००
१९९८ संस्कार समुच्चय ।	१५—००
१९९९ सनातन संस्कार विधि । सं० श्रीकण्ठ उपाध्याय	१०—००
२००० सर्वतोभद्रचक्रम् ।	०—५०
२००१ सर्वदेवसामान्यपूजा ।	१—००
२००२ सर्वपूजा ।	०—८०
२००३ साङ्गसप्ताहमण्डपपूजाविधिः ।	२—००
२००४ सामवेदश्राद्धप्रयोगः । दर्शतर्पण सहित	१—२५
२००५ सामवेदसध्यावन्दन ।	०—४०
२००६ सुगम विवाह पद्धति ।	३—७५
२००७ स्मार्तप्रभुः । विद्यावरगौड विरचित । प्रथम भाग	१—२४
२००८ स्मार्तोद्घासः । शिवप्रसाद विरचित । २-३ भाग	३—६२
२००९ स्वस्त्ययनकलशप्रतिष्ठापूजनविधिः ।	०—३०
१९९० हिन्दू संस्कार । डॉ० राजबली पाण्डेय विरचित	३०—००

धर्मशास्त्र-ग्रन्थाः

- २०११ अङ्गिरसस्मृतिः । १२-००
- २०१२ अब्धिनौयानमीमांसा । ३-००
- २०१३ अवेस्ता । म० एवँद् मा० फ० कागा-ना० श्री० सोनटम्के । १-२ भाग ७०-००
- २०१४ अवेस्ता । गजाराम शास्त्री १-५०
- २०१५ अहर्तिथिभास्कर । राजनारायण शास्त्री २-००
- २०१६ आचारचन्द्रिका । स्वा० दयानन्द प्रणीत १-००
- २०१७ आत्रेय वंश विमर्शः । संस्कृत-हिन्दी टीका सहित ३-००
- २०१८ आधुनिक युग में धर्म । डा० सर्वपल्ली राधाकृष्णन् १०-००
- *२०१९ आपस्तम्बगृह्यसूत्र । श्रीहरदत्त मिश्र प्रणीत अनाकुल श्रीसुदर्शनाचार्य
प्रणीत तात्पर्यदर्शन व्याख्याद्वय-डॉ० उमेशचन्द्र पाण्डेय कृत
हिन्दी टीका समलङ्कृत ४०-००
- *२०२० आपस्तम्बधर्मसूत्रम् । श्रीहरदत्तमिश्रविरचित-उज्ज्वलावृत्ति-
डॉ० उमेशचन्द्र पाण्डेय कृत हिन्दी टीका सहित ४०-००
- २०२१ आपस्तम्ब धर्मसूत्रम् । व्याख्या सहित १०-००
- २०२२ आर्याभिविनिय । ७-००
- २०२३ आशौचनिर्णयः । वाचस्पतिमिश्र-रुद्रधरोपाध्याय कृत हिन्दीटीका १-००
- २०२४ INDIAN WISDOM By Monier Williams. 65-00
- २०२५ इस्लाम धर्म की रूपरेखा । राहुल साकृत्यायन ६-००
- २०२६ ओंकार और शिवलिङ्ग । माधवाचार्य शास्त्री लिखित १-००
- २०२७ कार्तिकशुक्लद्वितीयाकृत्यनिर्णयः । ०-२५
- २०२८ कालमाधवकारिका । माधवाचार्य विरचित । सविवरण ५-००
- २०२९ कुर्बान शरीफ । अरबी नागरी लिपि । हिन्दी टीका सहित ४०-००
- २०३० कृत्यकल्पतरु । लक्ष्मीधर विरचित ।
ब्रह्मचारिकाण्ड १८-००, श्राद्धकाण्ड २०-००, नीर्थविवेचनकाण्ड १५-००,
नियतकालकाण्ड २५-००, शुद्धिकाण्ड १५-००, गृहस्थकाण्ड १८-००,
व्यवहारकाण्ड ३५-००, व्यवहारकाण्ड-भूमिका भाग १६-००, व्रतकाण्ड २२-००
- २०३१ कृत्यशिरोमणिः । ८-००
- २०३२ Court Procedure in Ancient India by Dr. Mahesh
Kumar Sharan 55-00
- २०३३ क्यों ? (धर्मदिग्दर्शन) माधवाचार्य शास्त्री । प्रथम-द्वितीय भाग २७-००
- २०३४ गृह्यमन्त्र और उनका विनियोग । डा० कृष्णलाल ४०-००
- *२०३५ गौतमधर्मसूत्राणि । गौतम कृत । नवाद श्रीहरदत्तकृत-
मिताक्षरा वृत्ति रू । नि । अनु०-श्रेणचन्द्रपाण्डेय । १५-००
- २०३६ A Glossary of Vedic Literature by Dr. B. S. Chandra
Banerji 20-00
- २०३७ चतुर्वर्गचिन्तामणिः । दानखण्ड-। १-२ भाग ३०-०० श्राद्धकल्प ४५-००
- २०३८ चतुर्विंशतिमतसंग्रहः । श्रीमट्टोजिदीक्षितकृत १२-००
- २०३९ जनतन्त्रवाद (रामायण महाभारत कालीन) ८-००

२०४० अपसंहिता । पंजाबी से सस्कृत व हिन्दी में अनुवाद	६-६५
२०४१ जयसिंहकल्पद्रुमः ।	७५-००
२०४२ जाति वर्गों का विकास । चार्ल्स डारविन । अनु० उमाशंकर	१२-५०
२०४३ जाति विज्ञान का आधार । जी० आर. गेयर । अनु० विनोदचन्द्र मिश्र	७-००
२०४४ जाति व्यवस्था । डा० नर्मदेश्वर प्रसाद	१२-५०
२०४५ जात्युपाधिविवेक : (वैदिकवर्णाश्रमस्वरूपप्रकाशनपर :) माधव चैतन्य भारती स्वामी विरचित	२०-००
२०४६ टोडरानन्द । राजा टोडरमल विरचित । प्रथम भाग । वैद्य सम्पादित	१८-००
२०४७ तिथिनिर्णयः । श्रीमद्भट्टोजिदीक्षित, श्रीमन्नागोजिमठविरचितश्च	६-००
२०४८ तीर्थन्दुशेखरः । नागेशभट्ट प्रणीत । त्रिस्थलीसेतुः । भट्टोजिदीक्षित विरचित. । काशीमोक्षविचारः । सुरेश्वराचार्य विरचित	१-५०
२०४९ त्रिशच्छलोकी । भट्टरखुनाथ प्रणीत विवृति समेत	५-६५
२०५० त्रिस्थलीसेतु । नारायण भट्ट विरचित	६-९०
२०५१ दयानन्द प्रकाश । स्वामी सत्यानन्द सरस्वती	१५-००
२०५२ दयानन्दी लघु ग्रन्थ संग्रहः । (चतुर्दश लघु ग्रन्थ)	२०-००
२०५३ दानसागर । बलालसेनदेव विरचित । १-४ भाग	३०-००
२०५४ दायभागः । जीमूतवाहन प्रणीत । स० अ० सुब्रह्मण्य शास्त्री	१०-००
२०५५ दायभागः । जीमूत वाहन प्रणीत । कृष्णतर्कालङ्कार कृत व्याख्या सहित	५-५०
२०५६ द्वीपकल्पा । याज्ञवल्क्यस्मृति व्याख्या । शूलपाणि विरचित	१०-००
२०५७ द्वैतनिर्णयः । म० म० प० वाचस्पति मिश्र प्रणीत	४-००
२०५८ द्वैत परिशिष्टम् । केशव मिश्र प्रणीत	८-००
२०५९ धर्म : तुलनात्मक दृष्टि में । डा० सर्वपल्ली राधाकृष्णन्	१०-००
२०६० धर्म और समाज । डॉ० सर्वपल्ली राधाकृष्णन् । अनुवादक विराज	२०-००
२०६१ धर्मकल्पद्रुमः । स्वामीदयानन्दकृत । १-८ भाग	४६-००
२०६२ धर्म का आदिबोत । गंगाप्रसाद । अनुवादक-डॉ० हरिशंकर शर्मा	३-७५
२०६३ धर्म का स्वरूप-आधुनिक अमेरिका । हर्वर्ट डब्ल्यू इनेडर	५-००
२०६४ धर्म की आवश्यकता । स्वामी कृष्णानन्द सरस्वती	१-१५
२०६५ धर्म की उत्पत्ति और विकास ।	१२-५०
२०६६ धर्मकोशः-व्यवहारकाण्ड । लक्ष्मणशास्त्री संपादित । १-३ भाग	१२०-००
उपनिषत्काण्ड । १-४ भाग २२५-००, संस्कारकाण्ड । प्रथम भाग ७०-००, राजनीतिकाण्ड १-४ भाग	२५०-००
२०६७ धर्मचन्द्रिका । स्वा० दयानन्द कृत	१-२५
२०६८ धर्मतरुम् ।	२-५०
२०६९ धर्मतरुनिर्णयः । वासुदेवशास्त्रि विरचित । १-२ भाग	२-८५
२०७० धर्मदर्शन । डा० रामनारायण व्यास	१०-००
२०७१ धर्मदर्शन । डा० लक्ष्मीनिधि शर्मा	२५-००
२०७२ धर्मदर्शन की रूपरेखा । इरेन्द्रप्रसाद सिन्हा	३६-००, २२-००
२०७३ धर्मद्वैतनिर्णयः । शङ्करभट्ट विरचित	१०-००
२०७४ धर्मप्रवेशिका ।	०-७५
२०७५ धर्मप्रश्नोत्तरी । स्वामी दयानन्द	०-२५

२०७६ धर्म मार्ग पर । नेमधर शर्मा	४—००
२०७७ धर्मविज्ञान । स्वामी दयानन्दकृत । १-३ भाग । हिन्दी	१३—०७
२०७८ धर्मशास्त्र का इतिहास । डॉ० पाण्डुरंग वामन काणे । अनुवादक— अर्जुन चौबे काश्यप । २-५ भाग तथा परिशिष्ट	७३—५०
२०७९ धर्मशास्त्रीय व्यवस्थासंग्रह । सुभद्रशर्मा संपादित	१०—००
२०८० धर्मशास्त्रे व्याख्यान द्वयम् । हरिराम शुक्ल	१—६०
२०८१ धर्मशिक्षा । लक्ष्मीधर वाजपेयी । हिन्दी	२—५०
२०८२ धर्म-संस्कृति और राज्य । गुरुदत्त	८—००
* २०८३ धर्मसिन्धुः । श्री काशीनाथ उपाध्याय कृत । पं० सुदामा मिश्र शास्त्री तथा पं० वशिष्ठ दत्त मिश्र कृत 'सुधाविमृति' 'धर्मदीपिका' हिन्दी व्याख्या सहित	४५—००
२०८४ धर्मसोपान ।	०—२५
२०८५ धार्मिक विमर्श समुच्चयः । विद्याशंकर भारती स्वामी प्रणीत	४—४०
२०८६ निर्णयसिन्धुः । कमलाकरभट्ट विरचित । मूलमात्र	२०—००
२०८७ निर्णयसिन्धुः । भापाटीका सहित । सम्पूर्ण	१००—००
२०८८ पारमहंस्यधर्ममीमांसा । सच्चिदानन्दतीर्थप्रणीत	०—५०
* २०८९ पारस्करगृह्यसूत्रम् । कात्यायन सूत्राय श्राद्ध, शौच, स्नान भोजन तथा कल्पसूत्र सहित	५—००
२०९० पाराशरधर्मसंहिता । सायणमाधवभाष्यसहित । व्यवहारकाण्ड का द्वितीय भाग	१५—००
२०९१ पाराशरस्मृतिः । हिन्दीव्याख्या सहित	३—००
२०९२ पाराशर स्मृतिः । माधवाचार्य कृत व्याख्या सहित । १-३ भाग दोजिल्द में	१०—००
२०९३ पुरुषार्थचिन्तामणिः । विष्णुभट्ट प्रणीत । मूलमात्र	११—२५, ९—००
२०९४ प्रमुख स्मृतियों का अध्ययन । डा० लक्ष्मीदत्त ठाकुर	६—५०
२०९५ प्राचीन भारत में अपराध और दण्ड । हरिहरनाथ त्रिपाठी	७—००
२०९६ प्राचीन भारतीय लोकधर्म । वासुदेवशरण अग्रवाल	४—००
२०९७ प्राच्य धर्म और पाश्चात्य विचार । डॉ० सर्वपल्लि राधाकृष्णन् । अनुवादक उमापति राय चन्देल	२५—००
२०९८ बालम्भट्टी । मिताक्षरा की व्याख्या । व्यवहाराध्याय	१००—००
२०९९ ब्रीह स्मृतियाँ । श्रीराम शर्मा कृत हिन्दी टीका सहित । १-२ भाग	२०—००
* २१०० बौधायनधर्मसूत्रम् । श्रीगोविन्दस्वामिप्रणीतविवरणटीकासमेतम् वेदविशारद, मीमांसाकेशरी पं० ए० चिन्नस्वामी शास्त्री कृत भूमिका, नोट्स, वर्णानुक्रमणिका आदि युक्त	५०—००
२१०१ ब्राह्मणोत्पत्तिमार्तण्डः । हिन्दीटीका सहित	४५—००
२१०२ भारतीय धर्म व्यवस्था । वाचस्पति गैरीला	५—००
२१०३ भारतीयधर्मशास्त्रों में शूद्रों की स्थिति । डा० निरूपण वेदालकार	३५—००
२१०४ भृगु स्मृतिः ।	२—५०
२१०५ मदनमहार्णवः । विश्वेश्वरभट्ट विरचित	३०—००
२१०६ मदनरत्नप्रदीपः । मदनसिंह विरचित । व्यवहारकाण्ड	२५—००

- २१०७ मदनरत्नप्रदीपः । दानविवेकोद्योतः । सं० डा० आर्येन्द्र शर्मा । १-२ भाग २०—००
- २१०८ मध्यकालीन धर्म साधना । डा० हजारी प्रसाद द्विवेदी ७—५०
- २१०९ मनुपादानुक्रमणी । श्री भगवानदास-राजारामशास्त्री सम्पादित ४—७५
- *२११० मनुस्मृतिः । कुल्लुकभट्टप्रणीत मन्वर्यमुक्तावली पं० हरगोविन्द शास्त्री
कृत मणिप्रभा हिन्दी टीका सहित ३०—००
- २१११ मनुस्मृतिः । मेधातिथि-सर्वज्ञनारायण कुल्लुक-राधवानन्द-नन्दन रामचन्द्र-
मणिराम-गोविन्दराज-भारुचि नव व्याख्या सहित । १-२ भाग
१-४ अध्याय १००—००
- २११२ मनुस्मृतिः । मेधातिथि भाष्य सहित । १-२ भाग सम्पूर्ण ६०—००
- २११३ मनुस्मृतिः । श्रीहरगोविन्दशास्त्रीकृत 'मणिप्रभा' हिन्दी टीका
सहित १-४ अध्याय ६-०० सम्पूर्ण यन्त्रस्थ
- २११४ मनुस्मृतिः (द्वितीय अध्याय) परीक्षोपयोगी सान्त्वय प्रकाशिका
सुबोधिनी संस्कृत-हिन्दी टीका सहित २—००
- २११५ मनुस्मृतिः (द्वितीयोऽध्याय) डा० वीरेन्द्रकुमार वर्मा-डा. जमुनापाठक २—००
- २११६ मनुस्मृति नवीनतम् । सं० डा० रामजी उपाध्याय २—००
- २११७ मानवधर्मसार । डॉ० भगवानदास २—५०
- *२११८ मृत्यु रहस्य । पण्डित वेणीराम शर्मा गौड़ ८—००
- २११९ यतिधर्मसंग्रहः । विश्वेश्वरसरस्वतीप्रणीतः ३—५०
- *२१२० याज्ञवल्क्यस्मृतिः । योगीश्वर याज्ञवल्क्य कृत । (विज्ञानेश्वरकृत
'मिताक्षरा' संस्कृत टीका सहित) डॉ० उमेशचन्द्र पाण्डेयकृत
'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या विभूषित । आचाराध्याय मात्र ८—००
सम्पूर्ण ३०—००
- २१२१ याज्ञवल्क्यस्मृतिः (व्यवहाराध्याये द्वाय विभाग प्रकरणम्) मिताक्षरा-
डा० सत्यनारायण पाण्डेय कृत टीका सहित १—५०
- *२१२२ राजनीतिरत्नाकरः । श्री चण्डेश्वर विरचित । श्री वाचस्पति गैरोला-
५० तारिणीश सा कृत 'प्रकाश' हिन्दी टीका सहित १५—००
- २१२३ RELIGIONS OF INDIA. By A. Barth, Authorised
English Translation by Rev. J. Wood. 40-00
- २१२४ वशिष्ठधर्मशास्त्रम् । ५—००
- २१२५ विधानपारिजातः । अनन्तभट्ट विरचित । ३-४ वाल्युमः ५५-००
- २१२६ विधि बोधिनी । १०—००
- २१२७ विभिन्न धर्मों में ईश्वर की कल्पना । दफ्तुआर-मात्रेव १०—००
- २१२८ विवादचिन्तामणिः । वाचस्पतिमिश्र विरचित ३—७५
- २१२९ विवादरत्नाकरः । चण्डेश्वरठकुरप्रणीत ६—००
- २१३० विष्णुस्मृतिः । जे० जॉली सम्पादित । नन्दपण्डितकृत वैजयन्ती
टीका का सारांश तथा टिप्पणी सहित २०—००
- २१३१ विष्णुस्मृतिः । केशव वैजयन्ती व्याख्या सहित । १-२ भाग ६०—००

२१३२ वीरमित्रोदयः । श्रीमित्रमिश्रविरचितः—

तीर्थप्रकाशः ५०—०० समयप्रकाशः २०—००

भक्तिप्रकाशः १२—०० शुद्धिप्रकाशः २०—००

२१३३ वैदिकधर्म और विकास । गङ्गाप्रसाद १—२५

२१३४ व्यवहारनिर्णयः । वरदराजकृत ३०—००

२१३५ व्यवहारप्रकाशः । पृथ्वीचन्द्र नृपति विरचित । (धर्मतत्त्वकलानियौ पृथ्वी-
चन्द्रोदये महानिबन्धन मसम प्रकाश) प्रथम भाग १-१० दृष्टास १२—००

२१३६ व्यवहारविज्ञानम् । सं० हरिहर झा । १-२ भाग २—००

२१३७ व्रात्यताप्रायश्चित्तनिर्णयः (महान् लघुश्च) । नागेशभट्टविरचितः ।

तथा व्रात्यताशुद्धिसंग्रहः ६—००

२१३८ शास्त्रचन्द्रिका । हिन्दी १—७५

२१३९ शास्त्रतत्त्वविनिर्णयः । नीलकण्ठ विरचित ७—००

२१४० शास्त्रार्थ महारथी । सं० शिवकुमार गोयल ४—००

२१४१ शास्त्रार्थ राजधनवार । माधवाचार्य शास्त्री ०—३५

२१४२ शुद्धिकौमुदी । गोविन्दानन्दकविकङ्कणाचार्य विरचित ३—७५

*२१४३ श्राद्धविवेकः । म० म० रत्नधर विरचित । विषमस्थल टिप्पणी

तथा 'पार्वणश्राद्ध क्रियाबोधक चित्रपट' सहित यन्त्रस्थ १—००

२१४४ श्रीगणेश । माधवाचार्य शास्त्री १—००

२१४५ पडशीतिः । आदित्याचार्य प्रणीत । धर्माधिकारिनन्दपण्डित

प्रणीत शुद्धिचन्द्रिका व्याख्या समलङ्कृत १२—००

२१४६ संक्षिप्त मनुस्मृति । देवदत्त शास्त्री कृत हिन्दी टीका सहित ४—१०

२१४७ संस्कार चन्द्रिका । सत्यव्रत सिद्धान्तालङ्कार ४५—००

२१४८ संस्कारदीपक । हर्षनाथ झा विरचित । सटिप्पण ७—००

२१४९ सकलाधिकरण । १७—५०

२१५० Sacrament of Marriage in Hindu Society by Usha M. Apte 80—00

२१५१ सत्यार्थप्रकाशः । स्वामी दयानन्द कृत । सूक्ष्माक्षर ६—५०

स्थूलाक्षर १५—००, स्थूलाक्षर । सटिप्पण ३०—००

२१५२ सदाचार प्रश्नोत्तरी । ०—३७

२१५३ सनातनधर्म । माधवाचार्य शास्त्री २—००

२१५४ सनातनधर्मदीपिका । स्वामि दयानन्द विरचित १—००

२१५५ सब धर्मों की बुनियादी एकता । डॉ० भगवानदास २०—००

२१५६ समकालीन धर्मदर्शन । डा० याकुव मसीह १६—७५

२१५७ समयप्रदीपः । श्रीदत्त उपाध्याय विरचित २५—००

२१५८ सम्बन्धनिर्णयः । गोपालन्यायपञ्चानन विरचित ३—००

२१५९ सरयू पारीण ब्राह्मण वंशावली । सं० राजनारायण शास्त्री ५—००

२१६० SOCIO-RELIGIOUS CONDITION OF NORTH INDIA

(700-1200 A. D.) By Dr. Vasudeva Upadhyaya. 50-00

२१६१ स्मृति चिन्तामणिः । गङ्गादित्य विरचित । सं० लुडो रोचर २६—००

२१६२ स्मृतिप्रकाशः । वासुदेवरथ विरचित । प्रथम खण्ड	०—७५
२१६३ स्मृतिमुक्ताफल । वैद्यनाथदीक्षित विरचित	५०—००
२१६४ स्मृतिसारोद्धारः । विद्वद्भर श्री विश्वम्भरत्रिपाठि सङ्कलित	२५—००
२१६५ स्मृत्यर्थसारः । श्रीधराचार्य विरचित	३—१५
२१६६ हमारा धर्म और उसकी वैज्ञानिक रूपरेखा । नारायणसिंह	५—००
२१६७ हमारे पर्व और त्योहार ।	३—००
२१६८ हिन्दू जाति का उद्धान और पतन । रजनी कान्त शास्त्री	१२—००
२१६९ हिन्दू धर्म । एनी बेसेंट । अनुवादिका कोशल्या देवी मोहता	०—६५
२१७० हिन्दू धर्म का स्वरूप ।	०—३७
२१७१ हिन्दू धर्म की विशेषताये । स्वामी सत्यदेव परिव्राजक	२—००
२१७२ हिन्दू विधि । गिरजा शङ्कर मिश्र	१७—००
२१७३ हिन्दू विवाह का संक्षिप्त इतिहास । हरिदत्त वेदालङ्कार	१६—००
२१७४ हिन्दू विवाह की उत्पत्ति और विकास । डा० कृष्णदेव उपाध्याय	२०—००
२१७५ हिन्दू विवाह में कन्यादान का स्थान । डा० सम्पूर्णानन्द	२—००
२१७६ हैदराबाद के चार शास्त्रार्थ । माधवाचार्य शास्त्री	२—००

मयूख-ग्रन्थाः

*२१७७ दानमयूख । नीलकण्ठभट्ट विरचित	५—००
२१७८ नीतिमयूख । "	४—००
२१७९ प्रतिष्ठाभयूखः । नीलकण्ठ भट्ट प्रणीत । हिन्दी टीका सहित	८—००
२१८० प्रायश्चित्तमयूख । "	४—००
२१८१ व्यवहारमयूख । "	४—००
२१८२ व्यवहारमयूख । " काणेसंपादित	२५—००
२१८३ शुद्धिमयूख । "	४—००
२१८४ श्राद्धमयूख । "	४—००
२१८५ संस्कारमयूख । "	४—००
२१८६ समयमयूख । "	४—००

स्तोत्र-ग्रन्थाः

*२१८७ अन्नपूर्णास्तोत्रम् । श्री शङ्कराचार्य विरचित । लक्ष्मीलहरी-पण्डित राज जगन्नाथ कृत तथा संकटाष्टकम्	०—५०
*२१८८ अपराजितास्तोत्रम् । मार्कण्डेय मुनि कृत	०—५०
*२१८९ अर्धनारीश्वर स्तोत्रम् । अर्धनारीश्वर स्तुतिः-अर्धनारीश्वरा- ष्टोत्तर शतनामावलि सहित	०—७५
२१९० अष्टोत्तरशतनाममालिका । विद्यामागर शास्त्री कृत हिन्दी टीका सहित	५—००
*२१९१ आदित्यहृदयस्तोत्रम् । सूर्यप्रातःस्मरणम्-सूर्यकवच-त्रैलोक्य मङ्गल सूर्यकवचम्-सूर्यस्तवराज	०—१०
*२१९२ आलवन्दारस्तोत्रम् । यामुन मुनि प्रणीत । शालिग्राम स्तोत्र- रङ्गनाथाष्टक । श्रीमदच्युताष्टक सहित	०—६२

*२१९३ ऋणमोचकमङ्गलस्तोत्रं । भार्गवमुनि कृत	०—२०
२१९४ ककारादि कालीसहस्रनाम ।	१—००
२१९५ ककारादिकृष्णसहस्रनाम ।	१—१५
*२१९६ कालीकवचम् । । श्रीमहाकालीस्तोत्रम्-कालीशतनामस्तोत्रम् कालीध्यानम्-ताराध्यानम् सहित	०—५०
*२१९७ कालभैरवाष्टकम् । तीक्ष्णदंष्ट्र कालभैरवाष्टक-दण्डपाण्यष्टक	०—४०
*२१९८ गङ्गालहरी । अमृतलहरी-गङ्गाष्टक	०—५०
*२१९९ गङ्गालहरी । पण्डितराज जगन्नाथ विरचिता । 'सरला' हिन्दी व्याख्या सहिता । व्याख्याकार-पं० उमेश मिश्र गौड वेदान्चार्य	१—५०
२२०० गङ्गालहरी । पीयूषलहरी व्याख्या सहिता	१—५०
२२०१ गणेशमहिम्नस्तोत्रम् ।	०—१०
२२०२ गायत्रीरामायणम् ।	०—१०
२२०३ चर्पटपञ्जरी । इन्दुमती नामक हिन्दीटीकासहिता	०—२५
२२०४ ताराकर्पूरराजस्तोत्र ।	१—४८
२२०५ त्रिपुरा भारती लघुस्तव । मिद्धसारस्वत लघुपण्डित विरचित । सोमतिलकसूरि विरचित विशेष वृत्ति-लघुविवृति सहित	३—२५
२२०६ त्रिपुरामहिमस्तोत्रम् । दुर्वासा विरचित । हिन्दी टीका सहित	३—००
*२२०७ त्रैलोक्यमङ्गलं सूर्यकवचम् । (सूर्यस्तोत्रावली) सूर्यप्रातःस्मरण- स्तोत्रम् । श्रीसूर्यमण्डलाष्टकम्-आदित्यहृदयोक्तम् । सूर्याष्टकम्- शिवप्रोक्तम् । सूर्यकवचस्तोत्रम्-याज्ञवल्क्यविरचितम् । सूर्याष्टोत्तर- शतनामस्तोत्रम्-महाभारतेवैशम्पायनोक्तम् । सूर्यस्तवराजः- वशिष्ट प्रणीतम् । सूर्यार्यास्तोत्रम्-याज्ञवल्क्य विरचितम् । सूर्य- स्तोत्रम्-याज्ञवल्क्यविरचितम् । सूर्यार्थर्वशीर्षम्-अथर्वाङ्गिप्रोक्तम् तथा आदित्यहृदयस्तोत्रम्-अगस्त्योक्तम्	०—५०
२२०८ दकारादि दुर्गानाम सहस्रं ।	०—७५
*२२०९ दकारादि दुर्गासहस्रनामस्तोत्रम् । दकारादि-दुर्गासहस्र- नामावली सहितम्	१—७५
*२२१० दक्षिणामूर्तिस्तोत्रम् । शङ्कराचार्य कृत	०—२०
२२११ दत्तात्रेयस्तोत्रम् ।	०—२०
*२२१२ दुर्गाकवचम् । अर्गला कौल पुराणोक्त रात्रि सूक्तम्	०—६०
२२१३ दुर्गापञ्चाङ्गम् ।	२—००
२२१४ देवीपुष्पाञ्जलिः । रामकृष्णविरचित । रामसहायकृतसंस्कृत व्याख्या	१—००
२२१५ देवीपुष्पाञ्जलिस्तोत्रम् । मोहिनी कवच	०—४०
२२१६ देवीवन्दना ।	४—५०
२२१७ देव्यपराधक्षमापनस्तोत्र ।	०—२५
२२१८ धन्वन्तरिस्तोत्रम् ।	०—१०

२२१९ नर्मदाष्टकम् ।	०—१०
२२२० पादुकासहस्रम् । भारद्वाज श्री निवासाचार्य कृत परीक्षा व्याख्या सहित	३५—००
२२२१ पुरुषोत्तमसहस्रनाम । यमुनाष्टक सहित	१—००
२२२२ बटुकभैरवस्तोत्रम् । भद्रशील शर्मा	०—५०
२२२३ बृहत्स्तोत्ररत्नाकरः ।	५—००
२२२४ भक्तिस्तोत्रम् । अवधूतसिद्ध विरचित । हिन्दी टीका सहित	८—५०
२२२५ भुवनेश्वरीमहास्तोत्रम् । पृथ्वीधराचार्य विरचित । पद्मनाभ कृत बाल- प्रबोधिनी सद्युक्तिदीपिका वृत्ति सहित	३—७५ २—००
२२२६ महामृत्युञ्जयपञ्चाङ्गं ।	
*२२२७ महालक्ष्मीस्तोत्रम् । अगस्त्य कृत । कनकलक्ष्मीधारास्तव- शङ्कराचार्य कृत । लक्ष्मी स्तोत्रम्-देवकृत । महालक्ष्म्यष्टकस्तव इन्द्रकृत । महालक्ष्मी कवचम्-इन्द्रोपष्टि । लक्ष्मी वृसिंह स्तोत्रम्-शङ्कराचार्य कृत । सिद्धि लक्ष्मी स्तुतिः । श्रीसूक्तम्- ऋग्वेदोक्तम् । लक्ष्मीसूक्तम्-ऋग्वेदोक्तम्	०—७५
*२२२८ महाविद्यास्तोत्रम्	
२२२९ महिम्नस्तोत्रं । मधुसूदनी संस्कृत टीका सहित	१—००
२२३० मृतसञ्जीविनीजपविधिः । मृत्युञ्जयजपस्तोत्रादियुत	०—२५
२२३१ मृत्युञ्जयमानसिकपूजनं ।	०—२०
*२२३२ रामरक्षास्तोत्रम् । बुध कौशिक ऋषि कृत	०—३०
*२२३३ ललितासहस्रनामस्तोत्रम् (ब्रह्मपुराणान्तर्गत) नामावलि सहित	१—५८
२२३४ ललिता सहस्रनाम । ललिताम्बात्रिशति-ललिताशतनाम खड्गमाला	४—००
*२२३५ विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् । नामावली सहित	०—७५
२२३६ विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् । केदारनाथ जैतेली कृत विवृत्ति सहित	१२—००
२२३७ विष्णुसहस्रनाम । आचार्य विनोवा भावे	१०—००
२२३८ विष्णुसहस्रनाम स्तोत्रम् । सत्यदेव वाशिष्ठ कृत हिन्दी टीका सहित । १-४ भाग	५०—००
२२३९ शनिस्तोत्रम् । शङ्कराचार्य कृत कृष्णाष्टकयुत	०—१५
२२४० शिवकर्णामृतस्तोत्रम् । श्री भरद्वाज मुनि कृत	१—५०
*२२४१ शिवमहिम्नस्तोत्रम् । शिवताण्डवस्तोत्र, द्वादशज्योतिर्लिङ्गस्तोत्र, शिवपञ्चाक्षर स्तोत्र तथा शिवषडक्षरस्तोत्र सहित	०—७५
*२२४२ शिवमहिम्नस्तोत्रम् । मूल संस्कृत, अन्वय, हिन्दी तथा अंग्रेजी भाषान्तर के सहित । व्याख्याकार-लक्ष्मीनारायण ओंकार लाल जोशी, आई० ए० एस०	२—५०
*२२४३ शिवमहिम्नस्तोत्रम् । हिन्दी भाषान्तर सहित । व्याख्याकार लक्ष्मी- नारायण ओंकारलाल जोशी, आई० ए० एस०	१—००
२२४४ शिवमहिम्नस्तोत्रम् । पद्यात्मक हिन्दी टीका सहित । अनुवादक-प० राधेलाल त्रिवेदी	१—२५

- २२४५ शिवशतकम् । रामपाणिवाद विरचित ०—५०
- *२२४६ शिवस्तोत्रम् । शिवकवचम्—शिवप्रातः स्मरणम् । शङ्कराचार्यकृत शिवमानस पूजा । शङ्कराचार्य कृत शिव पद्माक्षरस्तोत्रम् । व्यास कृत विश्वनाथाष्टकम् । शङ्कराचार्यकृत वेदसार शिवस्तवः । गोस्वामी तुलसीदास कृत श्रीरुद्राष्टकम् । श्री पशुपत्यष्टकम् पृथिवीपतिसूरि कृत ०—५०
- २२४७ शिवस्तोत्रावलि । उत्पलदेवाचार्य विरचित । ज्योतिराज कृत संस्कृत व्याख्या हिन्दी अनुवाद सहित २०—००
- २२४८ शिवाष्टोत्तरसहस्रनामस्तोत्र । ०—२५
- २२४९ शीतलाष्टकम् । ०—०५
- *२२५० श्रीकनकधारास्तव ।
- *२२५१ श्रीगोपालसहस्रनामस्तोत्र ।
- *२२५२ श्री महागणपति सहस्रनामस्तोत्रम् । (नामावली सहित) गणेश पुराण के अन्तर्गत उपासना खण्ड का ईश्वर गणेश-संवादात्मक स्तोत्र ही गणेशसहस्रनाम स्तोत्र के रूप में यहाँ सङ्कलित है १—५०
- *२२५३ श्री महागणपतिस्तोत्रम् । (गणपतिस्तोत्रावली) । गणपति स्तवनम् (शु० य०) । गणेशप्रातः स्मरणम् । श्रीगणपति-स्तोत्रम् । सङ्कटनाशन गणेशस्तोत्रम्-नारदपुराणोक्तम् । गणेश महिम्नस्तोत्रम्-श्रीपुष्पदन्त विरचितम् । गणेशाष्टकम्-गणेश पुराणोक्तम् । गणेशकवचम्-कश्यपप्रणीत गणेशपुराणोक्तम् । महागणपतिस्तोत्रम्-श्री राघव चैतन्य विरचितम् । गणेशाष्टोत्तर शतनामस्तोत्रम्-मौद्गल्य पुराणोक्तम् । गणनायकाष्टकम् । श्री गणेशद्वादश नामस्तोत्रम्-सुदूलोक्तम् । विघ्न निवारकं गणपतिस्तोत्रम् तथा गणेश स्तवराजः-रुद्रयामलोकः १—००
- *२२५४ श्री लक्ष्मी नारायण हृदयम्—नारायणाष्टोत्तरशतनामस्तोत्र सहित ०—५०
- २२५५ सङ्कटनाशकस्तोत्र । ५—००
- २२५६ सविज्ञान सुधावल्ली । (सवित्-अष्टोत्तर शतनाम स्तोत्र नामावली) हिन्दी व्याख्या सहित ४—००
- २२५७ संस्कृते पञ्चदेवतास्तोत्राणि । सुरेन्द्रनारायण त्रिपाठी ५०—००
- २२५८ सन्तानगोपालस्तोत्रम् । शङ्कराचार्य कृत श्रीकृष्णाष्टकम् ०—५०
- *२२५९ सिद्धसरस्वतीस्तोत्रम् । श्री ब्रह्माकृत । सरस्वतीस्तोत्रम्—वासुदेवानन्द सरस्वती कृत, सरस्वतीस्तोत्रम्—बृहस्पति कृत । सरस्वत्यष्टकम्—पद्मपुराणान्तर्गत, सरस्वतीद्वादशनामस्तोत्रम् । सरस्वतीकवचम् । शारदाभुजस्तोत्रम्—शङ्कराचार्य प्रणीत ०—७५
- २२६० सूयशतकम् अथवा मयूरशतकम् । 'कला' हिन्दी टीका सहित ३—५०

२२६१ सूर्यादिद्वादशस्तवीस्तोत्रं अन्नपूर्णादिस्तोत्रसहितं ।	०—३०
२२६२ स्तोत्र भारती कंठहार । १-२ भाग	३०—५०
२२६३ स्तोत्र समाहारः । १-२ भाग	१०—००
२२६४ स्तोत्र-समुच्चय । सं० परमेश्वर ऐथल । १-२ भाग	५०—००
२२६५ स्तोत्रार्णवः । टी० चन्द्रशेखर सपादित	२०—३०
*२२६६ हनुमानचालीसा । सङ्कटमोचन-हनुमानाष्टकम्-हनुमत्पञ्चरत्न- स्तोत्रम्-हनुमदष्टकम्-एकादश मुख हनुमत्कवचम्-बजरङ्गबाण- श्रीरामस्तुति-श्रीरामावतारस्तुति । आरती हनुमान लला की	०—५०
२२६७ हमारे पर्व और त्यौहार । चौ० हरिहर सिंह	२५—००

व्रत-कथा-ग्रन्थाः

२२६८ अक्षयनवमीव्रतकथा । हिन्दी टीका सहित	०—६०
२२६९ अनन्तव्रतकथा । हिन्दी टीका सहित	१—००
२२७० अन्नपूर्णाव्रतकथा । हिन्दी टीका सहित	१—५०
२२७१ ऋषिपञ्चमीव्रतकथा । ”	१—००
२२७२ करवाचतुर्थीव्रतकथा । हिन्दी टीका सहित	०—९०
२२७३ कार्तिकशुक्रविषष्टीव्रतकथा ।	०—५०
२२७४ कृष्णजन्माष्टमीकथा । हिन्दी टीका सहित	०—९०
२२७५ कृष्णजन्माष्टमीव्रतकथा । कृष्णजन्मरहस्यसहित	०—६०
२२७६ गणेशचतुर्थीव्रतकथा । भाद्रमास । हि० टी० सहित ०—२५, माघमास	०—२५
२२७७ चन्दनषष्ठी-सूर्यषष्ठीकथा । हिन्दी टीका सहित	०—५०
२२७८ चातुर्थमासव्रतकथा ।	१—५०
२२७९ चान्द्रायणव्रतकथा । हिन्दी टीका सहित	०—८०
२२८० चित्रगुप्तकथा । हिन्दी टीका सहित	०—६०
२२८१ चित्रगुप्तमद्वितीयाव्रतकथा । पूजनविधिसहित । हिन्दी टीका सहित	०—४८
२२८२ जीवितपुत्रिकाव्रतकथा । हिन्दी टीका सहित	०—५०
२२८३ बहुलाचतुर्थीव्रतकथा ।	०—३०
२२८४ बुद्धाष्टमीव्रतकथा । हिन्दी टीका सहित	०—३६
२२८५ बृहस्पतिवार व्रतकथा । हिन्दी टीका सहित	०—५०
२२८६ भाद्रशुक्लचतुर्थीचन्द्रपूजा । चतुर्थीचन्द्रव्रतकथासहित	०—२०
२२८७ भारत के त्यौहार । सुरेशचन्द्र शर्मा	६—००
२२८८ भारतीय व्रतोत्सव । आचार्य श्री पुरुषोत्तम चतुर्वेदी	१३—००
२२८९ भीष्मपञ्चकव्रतप्रयोगः ।	०—२५
२२९० मङ्गलागौरीव्रतकथा । हिन्दी टीका सहित	१—००
२२९१ महालक्ष्मीव्रतकथा । हिन्दी टीका सहित	०—९०
२२९२ महाशिवरात्रिव्रतकथा । हिन्दी टीका सहित	१—५०
२२९३ मुक्ताभरण सप्तमी व्रतकथा । हिन्दी टीका सहित	०—५०
२२९४ यमद्वितीयाकथा ।	०—१५

२२९५ रविषष्ठीव्रतकथा । हिन्दी टीका सहित	०—१२
२२९६ रामनवमीव्रतकथा ।	०—५०
२२९७ वटसावित्रीव्रतकथा । हिन्दी टीका सहित	१—००
२२९८ वामनद्वादशीव्रतकथा । हिन्दी टीका सहित	०—३०
२२९९ ष्यतिपातव्रतकथा । हिन्दी टीका सहित	०—२५
२३०० व्रत और त्यौहार ।	४—००
२३०१ घतोत्सवकौमुदी ।	१—३०
२३०२ व्रतोत्सव चन्द्रिका ।	५—००
२३०३ शनिप्रदोष-पक्षप्रदोषव्रतकथा । हिन्दी टीका सहित	०—४०
२३०४ शिवरात्रीव्रत कथा । हिन्दी टीका सहित	१—५०
२३०५ श्रीषष्ठीदेवी कथा । ध्यान-पूजा विधि-स्तोत्र सहित । हिन्दी टीका सहित	१—२५
२३०६ सत्यनारायणपूजाकथा । मूलमात्र	१—००
२३०७ सत्यनारायणव्रतकथा । सप्ताध्यायी । हिन्दी टीका सहित	१—२०
२३०८ सत्यनारायणव्रतकथा । हिन्दी टीका सहित	२—५०, १—५०
२३०९ सप्तवारव्रतकथा ।	१—५०
२३१० सावित्रीव्रतकथा । हिन्दी टीका सहित	०—३७
२३११ सिद्धिविनायकचतुर्थी व्रतपूजाकथा ।	०—२५
२३१२ सोमवंशकथा । हिन्दी टीका सहित	०—२४
२३१३ सोमवती अमावस्याकथा । हिन्दी टीका सहित	१—००
२३१४ सोमवारीव्रतकथा । हिन्दी टीका सहित	०—५०
२३१५ हरितालिकाव्रतकथा । हिन्दी टीका सहित	१—००
२३१६ हरितालिकाव्रतपूजाकथा ।	०—१५
२३१७ हलषष्ठीव्रतकथा । हिन्दी टीका सहित	०—२५
२३१८ हिन्दुओं के व्रत और त्योहार ।	४—००
२३१९ हिन्दुओं के व्रत-पर्व और त्योहार । रामप्रताप त्रिपाठी शास्त्री	११—००

माहात्म्य-ग्रन्थाः

२३२० अर्जुनमाहात्म्यसारः । स्कन्दपुराणान्तर्गत । हिन्दी टीका सहित	०—७५
२३२१ अचन्तीक्षेत्र-उज्जैन-माहात्म्यम् । स्कन्दपुराणान्तर्गत	१०—५०
२३२२ एकलिङ्गमाहात्म्य । प्रेमलता शर्मा	२०—००
२३२३ एकादशीमाहात्म्यम् । हिन्दीटीका सहित	६—००
२३२४ कार्तिकमाहात्म्यं । हिन्दी टीका सहित । बवई	५—००, काशी ८—००
२३२५ काशीकेदारमाहात्म्यम् । हिन्दी टीका सहित	५—००
२३२६ काशीपुरीमाहात्म्य । पञ्चक्रोशी माहात्म्य	०—६०
२३२७ काशी महिमाप्रकाश (काशीखण्डसार) । काशीनाथ झा	३—५०
२३२८ काशीयात्रा । हिन्दी	०—७५
२३२९ गयामाहात्म्यम् । हिन्दी टीका सहित	३—००
२३३० चंडिकामाहात्म्य ।	१—००
२३३१ जगन्नाथमाहात्म्य पुरुषोत्तम माहात्म्य । बडा	३—७५
२३३२ ज्येष्ठमाहात्म्यं । हिन्दी टीका सहित	३—००

२३३३ तुलसीमाहात्म्यम् ।	०—२०
२३३४ नेपालमाहात्म्यम् । पार्वती हिन्दी टीका सहित	१३—००
२३३५ पञ्चक्रोशीयात्रा । हिन्दी टीका सहित	०—६४
२३३६ पुरुषोत्तममासमाहात्म्यम् । हिन्दी टीका सहित	८—००
२३३७ प्रयागमाहात्म्यम् । हिन्दी टीका सहित	१—१५
२३३८ फाल्गुनमाहात्म्यम् । हिन्दी टीका सहित	१—५०
२३३९ बदरीनारायणमाहात्म्यम् । सनत्कुमारसहितान्तर्गत । हिन्दी टीकासहित	१—९०
२३४० भगवन्नाममाहात्म्यसंग्रहः । रघुनाथेन्द्रकृत । सव्याख्या	२—७५
२३४१ माघमासमाहात्म्यम् । हिन्दी टीका सहित	८—००
२३४२ मायापुरीमाहात्म्यम् ।	१—९०
२३४३ मार्गशीर्षमाहात्म्यम् । हिन्दी टीका सहित	३—००
२३४४ मिथिलामाहात्म्यम् ।	०—४८
२३४५ यज्ञमाहात्म्यम् । हिन्दी टीका सहित	०—५०
२३४६ वाराणसी(काशी)माहात्म्यम् । हिन्दी टीका सहित	०—७५
२३४७ विन्ध्यमाहात्म्यम् । हिन्दी टीका सहित	३—००
२३४८ वेङ्कटाचलमाहात्म्यम् । हिन्दी टीका सहित । १-२ भाग	३—५०
२३४९ वैद्यनाथमाहात्म्यम् । हिन्दी टीका सहित	३—९०
२३५० वैशाखमासमाहात्म्यम् । हिन्दी टीका सहित	८—००
२३५१ शिवरात्रिमाहात्म्यम् । हिन्दी टीका सहित	०—७५
२३५२ श्रावणमासमाहात्म्यम् । हिन्दी टीका सहित	८—००
२३५३ सेतुमाहात्म्यम् ।	५—२५

तन्त्रादि-आगम-ग्रन्थाः

२३५४ अघोर विद्यासिद्धि ।	१२—००
२३५५ अघोरी का उपदेश ।	०—५०
२३५६ अन्नपूर्णातन्त्र ।	०—२०
२३५७ अष्टसिद्धि ।	१२—००
२३५८ अहिर्बुध्न्यसंहिता (पाञ्चरात्रागमान्तर्गता) १-२ भाग	४०—००
२३५९ आगमरहस्यम् । सरयूप्रसाद द्विवेदी प्रणीत । १-२ भाग	२७—००
२३६० आनन्दलहरी । हिन्दी टीका व विस्तृत व्याख्या सहित	१—००
२३६१ आनन्दलहरी । चन्द्रिका टीका सहित	२—५०
*२३६२ Iconography of Sakti (A Study based on Sri Tattva-nidhi) by Dr. Balram Srivastava	८०—००
२३६३ Introduction to the Pancaratra and the Ahirbudhnya Samhita by F. Otto Schrader	२०—००
२३६४ इन्द्रजाल । (बृहत्) अर्थात् कौतुकरत्नभाण्डागार । हिन्दी	६—००
२३६५ उच्छिष्टगणपतिपञ्चाङ्गम् ।	२—६५
२३६६ उड्डीशतन्त्रम् । रावण विरचित । हिन्दी टीका सहित	५—००
२३६७ उपदेशमुक्तावली । रहस्य भरा भजनों का संग्रह । दूसरा भाग	३—००
२३६८ उपासना महाविज्ञान । डा० चमनलाल गौतम	९—००
२३६९ उल्लू मंत्र तंत्र ।	७—५०

२३७० ओंकार सिद्धि । डॉ० चमनलाल गौतम	५—७५
२३७१ कर्पूरस्तवः । श्रीमहाकालप्रणीत । सटीक	२—००
२३७२ कर्पूरस्तवराज । महाकाल कृत । सदाशिव कृत रचिरा व्याख्या सहित	८—००
२३७३ कामाक्षामंत्र (बड़ा)	४—००
२३७४ कामाख्या सिद्धि ।	१२—००
२३७५ काली उपासना ।	८—२५
२३७६ काली-कर्पूरस्तवः । सविधि । पुण्यशील जर्मा	१—५०
२३७७ काली-तन्त्रम् । स० भद्रशील शर्मा	३—००
२३७८ काली सिद्धि ।	४—५०
२३७९ कुलार्णवतंत्र । प्रथमोद्घास । हिन्दी टीका सहित	०—५५
२३८० कृष्ण उपासना । राजेश दीक्षित	८—२५
२३८१ कृष्ण नाम सिद्धि ।	४—००
२३८२ कौलकीर्तन । श्री मत्स्यान्वेषी	१—२५
२३८३ कौलावलीनिर्णय । रमादत्तशुक्ल । हिन्दी मात्र	५—००
२३८४ कौवातन्त्र (वृहद्) त्रिवेणीप्रसाद अवस्थी	७—५०
२३८५ क्या रामचरित मानस तन्त्र है ? एक देशी नरेश	१२—००
२३८६ क्रियोड्डीशतंत्रम् । हिन्दी टीका सहित	१—८७
२३८७ गणपतितत्त्व । मूल-संस्कृत-रोमन लिपि में-हिन्दी टीका सहित ।	४०—००
२३८८ गणेश उपासना । राजेश दीक्षित	८—२५
२३८९ गणेश सिद्धि । डा० चमनलाल गौतम	९—००
२३९० गायत्री उपासना । राजेश दीक्षित	८—२५
२३९१ गायत्री का मन्त्रार्थ ।	३—००
२३९२ गायत्री चित्रावली ।	३—००
२३९३ गायत्रीतत्त्वविमर्शः ।	२—००
* २३९४ गायत्रीतन्त्रम् । श्रीमच्छङ्करमुखविनिःसृतम् । गायत्री-शापोद्धार- गायत्रीकवच-दशमहाविद्यास्तोत्रैः संभूषितम् । आचार्य श्री शिवदत्त मिश्र शास्त्री कृत 'तत्त्वप्रदीपिका' हिन्दी टीका सहित	४—००
२३९५ गायत्री द्वारा योग साधना । डा० चमनलाल गौतम	३—७५
२३९६ गायत्री पुरश्चरण पद्धति । शङ्कराचार्य विरचित	५—००
२३९७ गायत्री पुरश्चरण विधान ।	३—००
२३९८ गायत्रीपूजापद्धतिः । श्रीविभाकराचार्य संगृहीत	१—००
२३९९ गायत्री मन्त्रार्थ ।	३—००
२४०० गायत्रीमहाविज्ञान । श्रीरामशर्मा आचार्यकृत । १-३ भाग	१८—००
२४०१ गायत्री महाविद्या । डा० चमनलाल गौतम	४—००
२४०२ गायत्री यज्ञ विधान । १-२ भाग	६—००
२४०३ गायत्री योग । डा० चमनलाल गौतम	६—००
२४०४ गायत्री रहस्य ।	५—००
२४०५ गायत्री विधान सूत्रम् । सुक्ल कृत । सव्याख्या	६—००
२४०६ गायत्री शक्ति उपासना ।	८—००
२४०७ गायत्री सहस्रनाम ।	१—२५

२४०८ गायत्री साधना के चमत्कार ।	३—००
२४०९ गायत्री सिद्धि ।	५—७५
२४१० गायत्री स्तोत्र । डा० चमनलाल गौतम	३—७५
२४११ गुरुतंत्र ।	२—५०
२४१२ गुप्त साधन तंत्र ।	२—५०
२४१३ गुह्यसमाजतन्त्रम् । (तथागतगुह्यक) सं० शंताशुशेखर वागची १०—००, १२—५०	
२४१४ गुह्यसमाजतन्त्र । सं० वी० भट्टाचार्य	२४—००
२४१५ गौतमीय तन्त्रम् । महर्षि गौतम कृत	१६—००
२४१६ चक्रपूजा ।	६—००
२४१७ चक्रपूजा के स्तोत्र ।	२—००
२४१८ चंडीचरितावली ।	०—७५
२४१९ चिद् बिलासः (श्रीविद्यारहस्यम्) सस्कृत हिन्दी टीका आंग्लानुवाद सहित २—००	
२४२० चौबीस गायत्री साधना ।	२—५०
२४२१ छाया पुरुष ।	१२—००
२४२२ जपसूत्रम् । प्रथम खण्ड । प्रणेता स्वामी प्रत्यगात्मानन्द सरस्वती । अनु०—कु० प्रेमलता शर्मा	२०—००
२४२३ जयाशय संहिता (पाँचरात्रागम) सं० एम्बर कृष्णमाचार्य	५०—००
२४२४ ज्ञानसंकलनीतंत्र । सं० भद्रगाल शर्मा	३—००
२४२५ ज्ञानार्णवतन्त्र । ईश्वरप्रोक्त	८—००
२४२६ Dictionaries of Tantra Sastra or the Tantrabidhana. Text, Edited & Translated into English by Ram Kumar Rai	50—00
२४२७ A Descriptive Bibliography of the Printed Texts of the Pancaratraagama by H. Daniel Smith Vol. I	50—00
२४२८ तंत्र और सन्त । डा० राममूर्ति त्रिपाठी	४५—००
२४२९ तन्त्रकौमुदी । देवनाथ ठक्कुर कृत	८—००
२४३० तन्त्रमहाविज्ञान I १-२ भाग	२२—००
२४३१ तन्त्र महाविद्या । श्रीराम शर्मा आचार्य-डॉ० चमनलाल गौतम	६—००
२४३२ तन्त्र महासाधना । डॉ० चमनलाल गौतम कृत हिन्दी टीका सहित	१०—००
२४३३ तन्त्र महासिद्धि । श्रीराम शर्मा आचार्य-डॉ० चमनलाल गौतम	६—००
२४३४ तन्त्र रहस्य । श्रीराम शर्मा आचार्य-डॉ० चमनलाल गौतम	६—००
२४३५ तन्त्र विज्ञान । गोविन्द शास्त्री	४—००
२४३६ तन्त्र विज्ञान । श्रीराम शर्मा आचार्य-डॉ० चमनलाल गौतम	६—००
२४३७ तन्त्र शक्ति । डा० रुद्रदेव त्रिपाठी	८—००
२४३८ तन्त्र संग्रहः । सं० म. म. गोपीनाथ कविराज । १-२ भाग	३३—००
२४३९ तन्त्रसिद्धि । राजेश दीक्षित	१२—००
२४४० Tantra Studies in their Religion and Literature by Chintaharan Chakravarty	48—00
२४४१ तन्त्राह्निकम् । रजे मिश्र कृत	४—५०
२४४२ तान्त्रिकपञ्चाङ्ग । स्वामीजी महाराज दतिया	४—००
२४४३ तान्त्रिक साधन विधि ।	१२—००

२४४४ तान्त्रिक साहित्य । म. भ. गोपीनाथ कविराज	३०—००
२४४५ तारापुर का महा मानव ।	१—५०
*२४४६ तारा रहस्यम् । ब्रह्मानन्द गिरि कृत । पं० सरयू प्रसाद शास्त्री कृत विद्या हिन्दी टीका सहित	५—००
२४४७ तारिणी पारिजातः । विद्वदुपाध्याय कृत	४—००
*२४४८ त्रिपुरारहस्यम्-ज्ञानखण्डम् । 'ज्ञानप्रभा' हिन्दी व्याख्या सहित व्याख्याकार-स्वामी सनातनदेवजी महाराज	१६—००
*२४४९ त्रिपुरारहस्यम् । माहात्म्यखण्ड	५०—००
२४५० त्रिपुरासार-समुच्चयः । नागभट्ट विरचित । गोविन्दाचार्य कृत व्याख्या	२—७५
२४५१ दक्षिण देश के अद्भुत चमत्कार ।	१२—००
२४५२ दत्तात्रयतन्त्रम् । हिन्दी टीका सहित	६—००
२४५३ दुर्गाउपासना ।	८—२५, ६—००
२४५४ दुर्गा के कीलन का उद्घाटन तथा दुर्गायन्त्र के खोलने की कुञ्जिका । काशीपति त्रिपाठी	०—७५
२४५५ दुर्गापञ्चाङ्गम् ।	२—००
२४५६ दुर्गा पुष्पाञ्जलि । (तर्ज राधेश्याम)	४—५०
२४५७ दुर्गापुष्पाञ्जलिः । दुर्गाप्रसाद द्विवेद प्रणीत । व्याख्या सहित	४—२५
*२४५८ दुर्गापूजन पद्धतिः । वेणीराम शर्मा गौड़	५—००
२४५९ दुर्गापूजातन्त्र । वगाक्षर	५—००
२४६० दुर्गापूजा विवेक । (वद्गाक्षर)	३—००
२४६१ दुर्गा शक्ति उपासना । जगन्नाथ	६—००
२४६२ दुर्गासप्तशती । स्थूलक्षर । मजिल्द	९—००
२४६३ दुर्गासप्तशती । मूलमात्र (गुटका संस्करण)	४—००
२४६४ दुर्गासप्तशती । हिन्दी टीका सहित । सजिल्द	८—००
२४६५ दुर्गासप्तशती का आध्यात्मिक रहस्य । काशीनाथ शा	३—००
२४६६ दुर्गासप्तशतीयन्त्र ।	०—५०
२४६७ दुर्गास्तवमञ्जरी । हिन्दी टीका सहित	३—००
२४६८ देव रहस्य । डा० चमनलाल गौतम	९—००
२४६९ Devatma Shakti by Vishnu Tirtha	१२—००
२४७० देवी चरित । १-२ भाग	६४—२५
२४७१ देवी देवता सिद्धि ।	१२—००
२४७२ देवीमाहात्म्यम् । डॉ० वासुदेवशरण अग्रवाल कृत आगलानुवाद सहित	१०—००
२४७३ धनप्राप्ति के प्रयोग । मद्रशील शर्मा	१—५०
२४७४ धनवान कैसे बने ? डा० रामचरण महेन्द्र	४—५०
२४७५ नारदीय सहिता । स० आर. पी. चौधरी	२५—००
२४७६ नित्यापोडशिकार्णवः । शिवानन्द कृत ऋजुविमर्शिनी-विद्यानन्द कृत पदार्थ रत्नावली व्याख्या सहित	२५—००
२४७७ नित्यापोडशिकार्णवः । भास्करराय कृत सेतुबन्ध व्याख्या सहित	३५—००
२४७८ नित्योत्सवः । उमानन्दनाथ कृत । स० ए० महादेव शास्त्री	४५—००

२४७९ निर्वाणतंत्रम् । सम्पादक-भद्रशील शर्मा	२-००
२४८० निष्पन्न योगावली । अभयाकर गुप्त रचित । सं० बी. भट्टाचार्य	२५-००
२४८१ नीलतंत्रम् । सम्पादक-भद्रशील शर्मा	३-००
२४८२ पञ्च पक्षी तन्त्र ।	२२-५०
२४८३ पञ्चमकार तथा भावत्रय ।	६-००
२४८४ पञ्चस्तवी ।	०-५०
२४८५ परशुरामतंत्रम् । सम्पादक-भद्रशील शर्मा	१-५०
२४८६ परातंत्रम् । श्रीधन शमशेरजगवहादुर राणा	३-००
२४८७ पुरश्चरण पद्धतिः । योगीन्द्र कृष्ण दौर्गादत्ति शास्त्री	२-००
२४८८ पुरश्चरणम् । सूर्यप्रकाश गोस्वामी रचित	१-००
२४८९ प्रत्यङ्गिरापञ्चाङ्गम् ।	२-६२
*२४९० प्रत्यभिज्ञाहृदयम् । राजानक क्षेमराजाचार्य विरचितम् । सविमर्श तत्त्वबोधिनी हिन्दी व्याख्याविभूषितम् । व्याख्याकार- प्रो० शिवशंकर अरवस्थी	१२-००
२४९१ प्राचीन तन्त्र मन्त्र विद्या ।	७-५०
२४९२ प्राणतोषिणी । रामतोषण भट्टाचार्य कृत	२२-००
२४९३ बगला तन्त्र मन्त्र सिद्धि ।	१२-००
२४९४ बगलामुखी रहस्य ।	१०-००
२४९५ बगुला सिद्धि । डॉ० चमनलाल गौतम	५-७५
२४९६ बाज सुर्गा गृह्यतन्त्र ।	७-५०
२४९७ बालतंत्र ।	३-५०
२४९८ बृहद् ब्रह्मसंहिता ।	३-५०
२४९९ भारत में प्रतीक पूजा का आरम्भ और विकास । डा० सावलियो विहारीलाल वर्मा	११-००
२५०० भूत प्रेत पिशाच अघोर विद्या एवं यक्षिणी विद्या सिद्धि के प्रयोग ।	१२-००
२५०१ भैरव उपासना । राजेश दीक्षित	८-२५
२५०२ भंरवीचक्र पूजन ।	२-००
२५०३ मनोकामना । कामाख्या अष्ट सिद्धि एवं लक्ष्मी सिद्धि के प्रयोग	१२-००
२५०४ मनोकामना सिद्धि ।	१२-००
२५०५ मन्त्र और मातृकाओं का रहस्य । डॉ० शिवशङ्कर अरवस्थी	२०-००
२५०६ मंत्रकौमुदी । देवनाथ ठक्कुर कृत	६-००
२५०७ मन्त्रपारायणविधिः ।	२-००
२५०८ मन्त्र भागवतम् ।	१-७५
२५०९ मन्त्रमहाविज्ञान । डॉ० चमनलाल गौतम कृत हिन्दी टीका सहित । १-४ भाग	३४-००
२५१० मन्त्र महोदधि । जगन्नाथ शर्मा	१५-००
२५११ मन्त्र योग । डा० चमनलाल गौतम कृत हिन्दी टीका सहित	८-००
*२५१२ मन्त्रयोगसंहिता । मूल तथा डा० रामकुमार राय कृत आंग्लानुवाद सहित	३५-००
२५१३ मन्त्र विज्ञान । गोविन्द शास्त्री	४-००

२५१४ मन्त्रशक्ति । डा० रुद्रदेव त्रिपाठी	६—००
२५१५ मन्त्र शक्ति के अद्भुत चमत्कार । डॉ० चमनलाल गौतम	४—००
२५१६ मन्त्र शक्ति से कामना सिद्धि । डॉ० चमनलाल गौतम	६—००
२५१७ मन्त्र शक्ति से रोग निवारण । डॉ० चमनलाल गौतम	५—७५
२५१८ मन्त्र शक्ति से विपत्ति निवारण । डॉ० चमनलाल गौतम	५—७५
२५१९ मन्त्र सिद्धि । राजेश दीक्षित	१२—००
२५२० मन्त्रसिद्धि का उपाय । मन्त्र-साधना के लिए सद्गुरु-समान	२—००
२५२१ मन्त्रात्मक सप्तशती । देवीदत्त शुक्ल । प्रथम भाग	९—००
२५२२ मन्त्रालोक । माधवाचार्य	३—००
२५२३ महाकाल संहिता (कामकला खण्ड)	३०—००
२५२४ महाचीनाचार स्वार तन्त्र ।	२—५०
२५२५ महानिर्वाण तन्त्र । मूलमात्र	५०—००
२५२६ महामायात्रयी ।	२—००
२५२७ महामृत्युञ्जयपञ्चाङ्गम् ।	२—००
२५२८ महामृत्युञ्जय साधना ।	२—२५
२५२९ महार्थमञ्जरी । महेश्वरानन्द कृत स्वोपज्ञ परिमल व्याख्या सहित	१७—५०
२५३० मातृ-उपासना । सात्त्विक भावोंसे पूर्ण मातृ-उपासनाका रूप एवं माहात्म्य	२—५०
२५३१ मातृका चक्रविवेक । सिद्ध स्वतन्त्रनाथ कृत । संस्कृत-हिन्दी टीका सहित	१५—००
२५३२ मानस मन्त्रसिद्धि	४—००
२५३३ माहेश्वरीतन्त्रम् । हिन्दीटीका सहित	०—७०
२५३४ मुद्रायै एवं उपचार । भद्रशील शर्मा	३—००
२५३५ मोहनी मन्त्र ।	६—००
२५३६ मोहिनी सिद्धि (विद्या)	१२—००
२५३७ यज्ञिणी भैरव सिद्धि ।	१२—००
२५३८ यन्त्र महासिद्धि ।	४—५०
२५३९ यन्त्र विज्ञान । गोविन्द शास्त्री	४—००
२५४० यन्त्र सिद्धि ।	१२—००
२५४१ YUGANADDHA. By Dr H V Guenther.	३०—००
२५४२ रत्नगोत्रविभागोमहायोगोत्तरतन्त्रशास्त्रम् ।	१२—००
२५४३ राम उपासना । राजेश दीक्षित	८—२५
२५४४ रामनाम सिद्धि ।	६—००
२५४५ Real Essence of Tantra by Dadu Bhai N. Patel	६०—००
२५४६ रुद्रयामलम् । उत्तरतन्त्रम्	२०—७०
२५४७ लक्ष्मी उपासना । राजेश दीक्षित	८—२५
२५४८ लक्ष्मी तन्त्र-धर्म और दर्शन । डा० अशोक कुमार कालिया	४०—००
२५४९ लक्ष्मीतन्त्रम् । (पञ्चरात्रागम) सं० वी० कृष्णमाचार्य	६०—००
२५५० लक्ष्मीसिद्धि । सं० टा० चमनलाल गौतम	८—७५
२५५१ लुप्तगम संग्रहः । सं० म० म० गोपीनाथ कविराज । प्रथम भाग	१२—००
२५५२ लेख संग्रह । स्वामी दिव्यानन्द सरस्वती	४—००
२५५३ वन्देमातरम् । महामन्त्र 'वन्दे मातरम्' का रहस्य	२—००
२५५४ धरिदस्यारहस्यम् । भास्कर राय मखिन कृत । सव्याख्या	२०—००

२५५५ वशीकरण मन्त्र । राजेश गुप्ता	८—२५
२५५६ वशीकरण विद्या और मन्त्र ।	२—५०
२५५७ वातूलनाथसूत्राणि । अनन्तशक्तिकृत वृत्ति तात्पर्यार्थं हिन्दी टीका सहित	२—००
२५५८ वाममार्ग ।	६—००
२५५९ विनयसुधा ।	१—२५
२५६० विश्वकसेन संहिता । सं० लक्ष्मी नरसिंह भट्ट	२९—००
२५६१ विश्वामित्रसंहिता । सं० उण्डेमने शङ्कर भट्ट	२२—००
२५६२ विष्णु उपासना । राजेश दीक्षित	८—२५
२५६३ विष्णुरहस्य । डा० चमनलाल गौतम	९—००
२५६४ वैदिक मन्त्रविद्या । डा० चमनलाल गौतम कृत हिन्दी टीका सहित	८—००
२५६५ शक्तिरत्न । सं० रमादत्त शुद्ध	५—००
२५६६ शतचण्डी-विधानम् । मण्डप, कुण्ड, होमद्रव्य आदि प्रयोगविधि सहित	३—७५
२५६७ शतरत्न संग्रह : । उमापति शिवाचार्य विरचित	१३—५०
२५६८ शाक्तदर्शन । कालीचरण पन्त	३—००
२५६९ शाक्तदर्शन । चक्रेश्वर भट्टाचार्य	२०—००
२५७० शाक्त धर्म क्या है ?	३—००
२५७१ शाक्तप्रमोद ।	३०—००
२५७२ शाबर चिन्तामणिः । नित्यनाथ सिद्ध मत्स्येन्द्र कृत । हिन्दी टीका सहित	३—००
२५७३ शाबर मन्त्र सिद्धि । डा० चमन लाल गौतम	३—५०
२५७४ शारदा तिलक । डा० चमनलाल गौतम कृत हिन्दी टीका सहित	१०—००
* २५७५ शारदातिलकम् । लक्ष्मणदेशिकेन्द्र विरचित । राघवभट्ट कृत पदार्थादर्श व्याख्या सहित	ग्रन्थस्थ
२५७६ शिव उपासना । राजेश दीक्षित	८—२५
२५७७ शिवरहस्य । डा० चमनलाल गौतम । १-२ भाग	११—५०
२५७८ शिव सूत्र । ऋज्वर्थ बोधिनी वृत्ति । हिन्दी टीका सहित	१—५०
२५७९ शिवसूत्र प्रबोधिनी ।	२—००
२५८० शिवसूत्र-भक्तिसूत्रम् । ऋज्वर्थबोधिनी वृत्ति सहित	०—५०
२५८१ शिवसूत्र-स्पन्दकारिका ।	१—५०
२५८२ श्रीउच्छ्रवगीताञ्जलि ।	२—५०
२५८३ श्रीकमला निर्यार्चन ।	३—५०
२५८४ श्री कल्पद्रुम । 'गुप्तावतार' बाबा मोतीलाल जी । १-२ भाग	५—५०
२५८५ श्रीकालीकल्पतरु । रमादत्त शुद्ध	१५—००
२५८६ श्रीकालीनित्यार्चनम् । अर्गला, कीलक, कवच आदि स्तोत्र सहित	५—००
२५८७ श्रीछिन्नमस्तानित्यार्चन ।	६—००
२५८८ श्रीतारा-नित्यार्चनम् । रमादत्त शुद्ध	४—००
२५८९ श्रीतारास्तरुमञ्जरी ।	३—००
२५९० श्रीतारास्वरूप-तरुम् ।	३—००
२५९१ श्रीत्रिपुरामहोपनिषद् ।	१—५०
२५९२ श्रीदुर्गानित्यार्चनम् ।	३—५०
२५९३ श्रीमाधादि गुरुत्रयम् ।	३—५०

२५९४ श्री प्रश्नसंहिता । सं० श्रीमती सीता पद्मनाभन	३६—००
२५९५ श्री पाञ्चरात्ररक्षा । वेदान्त देशिक कृत	२०—००
२५९६ श्रीवगलानित्यार्चन ।	३—००
२५९७ श्रीवगलापूजापद्धतिः ।	२—००
२५९८ श्रीवालानित्यार्चन ।	६—००
२५९९ श्रीभगवतीगीता । पद्यानुवाद व व्याख्या सहित	५—५०
२६०० श्रीभुवनेश्वरी-नित्यार्चनम् ।	४—००
२६०१ श्रीभुवनेश्वरीरहस्य ।	३—००
२६०२ श्रीभुवनेश्वरीस्तवमञ्जरी ।	३—५०
२६०३ श्री महात्रिपुर सुन्दरी पूजा पद्धति ।	३—००
२६०४ श्री ललिता नित्यार्चन ।	४—००
२६०५ श्रीवन दुर्गा । दयाशकर उपाध्याय कृत	१—२६
२६०६ श्रीविद्याखङ्गमाला ।	४—००
२६०७ श्रीविद्या-नित्यार्चनम् ।	५—५०
२६०८ श्रीश्यामासपर्यावासना ।	४—५०
२६०९ श्रीषोडशीनित्यार्चनम् ।	४—१०
२६१० पट्टक निरूपण । स्वामी हसस्वरूप महाराज	१—५०
२६११ संक्षिप्त तान्त्रिकमाह्निकं । भद्रशील शर्मा संपादित	४—५०
२६१२ सनत्कुमार सहिता । सं० वी० कृष्णमाचार्य	४०—००
२६१३ सन्तान-सुख प्राप्ति के प्रयोग । भद्रशील शर्मा	१—५०
२६१४ सप्त विंशति रहस्यम् ।	७—००
✓ २६१५ सप्तशतीगीता (दुर्गा) । हिन्दी टीका सहित	३—००
२६१६ सप्तशतीसख । रमादत्त शुक्ल	६—००
२६१७ सप्तशतीमीमांसा । रमादत्त शुक्ल	२—५०
२६१८ सप्तशतीरहस्यम् ।	३—५०
२६१९ सप्तशती सूक्त रहस्य । सं० रमादत्त शुक्ल	९—००
२६२० मरस्वती उपासना । राजेश दीक्षित	८—२५
२६२१ सांख्यायनतन्त्र । मन्पादक—भद्रशील शर्मा,	३—००
२६२२ सांख्यायन तन्त्रम् । सं० गोस्वामी लक्ष्मी नारायण दीक्षित	४—००
२६२३ Science of Symbols : Deeper View of Indian Deities by Indu Inderjit	90—00
२६२४ साङ्गसप्तशतिः गुटिका ।	१—५०
२६२५ सात्वततन्त्रम् । (वैष्णवतन्त्रम्)	१०—००
२६२६ साधक का संवाद । शाक्तधर्म की जानकारी रोचक ढङ्ग से करानी है	४—५०
२६२७ साधन माला । सं० विनय धोप भट्टाचार्य । १-२ भाग	९०—००
२६२८ साधना रहस्य ।	१५—००
२६२९ साँवरी तन्त्र ।	३—२५
२६३० सावित्रीप्रकाश । गावत्री (गुरु) मन्त्र व्याख्या । स्वामी वेदानन्द तीर्थ	२—००
२६३१ सिद्धान्त रहस्य ।	३—००
* २६३२ सौन्दर्य लहरी । शंकर भगवत्पाद कृत ।	०—५०

२६३३ सौन्दर्यलहरीपरपर्यायम् आनन्दलहरीस्तोत्रम् । शकराचार्यविरचितम् । श्रीरामकविकृतडिण्डिमभाष्यम्-नरसिंहस्वामिकृतश्रीगोपालसुन्दरीटीका	७—००
२६३४ सौन्दर्यलहरी ।	५—२५
२६३५ सौन्दर्यलहरी । हरिदत्त शास्त्री कृत भाषा भाष्य सहित	१२—००
२६३६ Saundarya Lahari. With English Translation etc. by S. Subrahmanya Sastri and T. R. Srinivasa Ayyangar	11—50
२६३७ Saundarya Lahari. With English Translation by V. K. Subramanyam	30—00
२६३८ सौन्दर्यलहरी । प्रत्येक श्लोक की टीका और व्याख्या सहित	५—५०
२६३९ सौन्दर्यलहरी । हिन्दी अनुवाद तथा श्रीविद्यातत्त्वकुण्डलिनीरहस्य सहित	१०—००
२६४० सौन्दर्यलहरी । पद्यानुवाद सहित	२—००
२६४१ सौभाग्योदयम् ।	६—००
२६४२ स्फुट निर्णय तन्त्र । अभ्युत कृत । स्वव्याख्या	१२—००
२६४३ हनुमत्उपासना ।	३—००
२६४४ हनुमत्सिद्धी । डा० चमनलाल गौतम	६—५०
२६४५ हनुमान उपासना । रामकृष्णदास 'रसिक'	८—२५
२६४६ हिन्दी कुलार्णव ।	३—००
२६४७ हिन्दीतन्त्रसार । रमादत्त शुक्ल ।	१५—००
२६४८ हिन्दी शाक्तानन्दतरङ्गिणी । शाक्तधर्म-मूलसिद्धान्त-परिचयोपयोगी	३—५०
२६४९ हिन्दुओं की पोथी । जेजी पुरोहित	३—००
२६५० हिप्नोटिज्म और मैस्मेरीज्म ।	१५—००
२६५१ हिप्नोटिज्म-सम्मोहन विज्ञान । डा० चमनलाल गौतम	५—५०

अष्टादश-महापुराण-ग्रन्थाः

*२६५२ अग्निपुराणम् । महर्षि वेद व्यास कृत (१) सम्पादक— आचार्य बलदेवोपाध्यायः ।	३०—००
२६५३ अग्निपुराण (संक्षिप्त) । श्री रामशर्मा कृत सरल हिन्दी टीका सहित । १-२ भाग	२०—००
२६५४ AGNI PURANAM English Translation By Manmatha Nath Dutt (Shastri), I-II Vols.	100—00
२६५५ AGNI PURANA A Study. By Dr S D Gyan.	50—00
२६५६ अग्निपुराण का काव्य शास्त्रीय भाग । डा० रामलाल शर्मा	७—००
२६५७ अग्निपुराण-विषयानुक्रमणी । प्रणेता—रामशंकर भट्टाचार्य	१०—००
२६५८ कूर्ममहापुराण (२) मूलमात्र	३०—००
२६५९ कूर्मपुराणम् । (पाठ समीक्षात्मक सस्करणम्) स० आनन्द स्वरूप गुप्त	१२५—००
२६६० कूर्मपुराणम् । चौधरी श्री नारायण सिंह कृत हिन्दी टीका सहित	५०—००
२६६१ कूर्मपुराणम् (संक्षिप्त) । श्री राम शर्मा आचार्य कृत हिन्दी टीका सहित । १-२ भाग	२०—००
२६६२ Kurma Puranam With. English Translation	80—00

२६६३	CRITICAL STUDY (A) OF THE BHAGAVATA PURANA. By Dr. T. S Rukmani.	50—00
*२६६४	गरुडपुराणम् (३) महर्षि वेदव्यास कृत । सम्पादक- डा० रामशंकर भट्टाचार्य ऐतिहासिक-सांस्कृतिक विवेचन और मगानान्तर स्थलों के निर्देश से युक्त विस्तृत भूमिका, परिशिष्ट और विषयों तथा चरित्रों की अनुक्रमणिका, इत्यादि से अलंकृत	१५—००
२६६५	Garuda Puranam. English Translation by Manmatha Nath Dutt.	75—00
२६६६	गरुडपुराणम् (प्रेतकल्प) । हिन्दी टीका सहित	७—००
२६६७	गरुडपुराण (संचित) । श्रीराम शर्मा आचार्य कृत हिन्दी टीका सहित । १-२ भाग	२१—००
२६६८	गरुडपुराण-एक अध्ययन । अवध विहारी लाल अवस्थी	४०—००
२६६९	गरुडपुराणम् । मारोद्वार । मन्कृत टीका सहित	५—००
२६७०	गरुडपुराण की आलोचना । गंगाप्रसाद	०—५०
२६७१	Geographical Data in the Early Puranas. A Critical Study by Dr. M. R. Singh	93—00
२६७२	नारदपुराणम् (४)। (सक्षिप्त) श्री राम शर्मा आचार्य कृत हिन्दी टीका सहित । १-२ भाग	२०—००
२६७३	पद्मपुराणम् (५) मूलमात्र । मजिल्द । १ से ४ भाग	३७—५५
२६७४	पद्मपुराणम् । (सक्षिप्त) श्री राम शर्मा आचार्य कृत हिन्दी टीका सहित । १-२ भाग	२१—००
२६७५	Polity in the Agnipurana by Dr. B. B. Misra	65—00
२६७६	पुराणकथा कौमुदी । रघुनाथ दत्त बन्धु	१५—००
२६७७	पुराण की लोकभारती । डा० जयशङ्कर त्रिपाठी	२—००
२६७८	THE PURANA TEXT OF THE DYNASTIES OF THE KALI AGE. By F E Pargiter	50—00
२६७९	पुराण परिशीलन । गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी	२०—००
२६८०	पुराणपर्यालोचनम् । श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी । १-२ भाग	५०—००
२६८१	पुराण-विमर्श । आचार्य बलदेव उपाध्याय	५०—००
२६८२	पुराणविषय समनुक्रमणिका । यशपाल टण्डन सम्पादित	१०—००
२६८३	पुराणविषयानुक्रमणी । (राजनीतिक) राजबलीपाडेय । प्रथम भाग	१५—००
२६८४	पुराणों की अमर कहानियाँ । रामप्रताप त्रिपाठी शास्त्री । भाग १,३,५	९—००
२६८५	पौराणिक आख्यान । गङ्गासागर राय	२—००
२६८६	ब्रह्मपुराण (६) । श्रीतारिणीश क्षा कृत हिन्दी टीका सहित	१००—००
२६८७	ब्रह्मपुराणम् । (सक्षिप्त) श्री राम शर्मा आचार्य कृत हिन्दी टीका सहित । १-२ भाग	२०—००
२६८८	ब्रह्मवैवर्तपुराणम् (७) मूलमात्र । मजिल्द । प्रथम भाग । पूना	८—५०
२६८९	ब्रह्मवैवर्तपुराणम् । (सक्षिप्त) श्री राम शर्मा आचार्य कृत हिन्दी टीका सहित । १-२ भाग	२१—००

२६९० ब्रह्माण्डपुराणम् (८) मूलमात्र	२४—००, ३६—००
२६९१ भविष्यपुराण संचित (९) श्री राम शर्मा आचार्य कृत हिन्दी टीका सहित । १-२ भाग	२१—००
२६९२ भागवत । राधेश्याम रामायण की ध्वनि में । श्रीलाल खत्री	१५—००
२६९३ भागवत-कथा । संक्षेपकर्ता सूरजमल मेहता	५—५०
२६९४ भागवतखण्डनम् । स्वामी दयानन्द सरस्वती	०—५०
२६९५ भागवत-दर्शन । डॉ० हरबल्लाल शर्मा	१२—००
२६९६ भागवत धर्म । हरिभाऊ उपाध्याय । दूसरा भाग	१०—००
२६९७ मत्स्यपुराणम् (१०) मूलमात्र	३०—००, २५—००
२६९८ मत्स्यपुराणम् । (संक्षिप्त) श्री राम शर्मा आचार्य कृत हिन्दी टीका सहित । १-२ भाग	२०—००
२६९९ मार्कण्डेयपुराणम् (११) । मूलमात्र	२०—००
२७०० मार्कण्डेयपुराण (संक्षिप्त) । श्री राम शर्मा आचार्य कृत हिन्दी टीका सहित । १-२ भाग	२१—००
२७०१ Markandeya Puranam by F. E Pargiter	90—00
२७०२ मार्कण्डेयपुराण : एक अध्ययन । आचार्य बदरीनाथ शुक्ल	६—००
२७०३ मार्कण्डेयपुराण-एक सांस्कृतिक अध्ययन । वासुदेव शरण अग्रवाल	१२—००
२७०४ ललितोपाख्यानम् । ब्रह्माण्डपुराणान्तर्गत	५—२५
२७०५ लिंगपुराणम् (१२) । मूलमात्र	२८—००
२७०६ लिङ्गपुराण । (संक्षिप्त) श्रीराम शर्मा आचार्य कृत हिन्दी टीका सहित । १-२ भाग	२०—००
२७०७ Linga Puranam. English Translation Vols. I-II	100—00
२७०८ वामनपुराणम् (१३)(पाठ समीक्षात्मक संस्करणम्) । स० आनन्द स्वरूप गुप्त	१२५—००
२७०९ वामनपुराणम् । गोपालचन्द्र चौधरी कृत हिन्दी अनुवाद सहित	५०—००
२७१० वामनपुराण (संक्षिप्त) श्री राम शर्मा आचार्य कृत हिन्दी टीका सहित । १-२ भाग	२०—००
२७११ Vaman Puranam. With English Translation	80—00
२७१२ वाराहपुराण (१४) (संक्षिप्त) । डा० चमन लाल गौतम कृत हिन्दी टीका सहित । १-२ भाग	२०—००
२७१३ विष्णुधर्मोत्तरपुराणम् (चित्रसूत्रम्) । स० डा० अशोक चटर्जी	७—२५
२७१४ Vishnu Puranam. English Translation by Manmath Nath Dutt (Shastri).	60—00
२७१५ Vishnu Purana. English Translation by H. H. Wilson	140—00
२७१६ विष्णुपुराण । श्रीराम शर्मा आचार्य कृत हिन्दी टीका सहित । १-२ भाग	२०—००
२७१७ विष्णुपुराण-विषयसूची । मध्वाचार्य निर्मित	५—००
२७१८ वैष्णवमहापुराणम् (१५) मूलमात्र	
२७१९ शिवमहापुराणम् (१६) मूलमात्र । पत्रात्मक	७५—००
२७२० Siva Maha Purana-English Translation Vols. I-IV	200—00
२७२१ शिवपुराण (संक्षिप्त) श्रीरामशर्मा आचार्य कृत हिन्दी टीका सहित । १-२ भाग	२१—००

२७२२ शिवमहापुराण की दार्शनिक तथा धार्मिक समालोचना । डा० रमाशङ्कर त्रिपाठी	३०—००
२७२३ शिवरहस्य अंश ३ । स० वे० स्वामिनाथ आत्रेय	४०—००
२७२४ श्रीमद्भागवतम् (१७) मूलमात्र । गुटका	२५—००
२७२५ श्रीमद्भागवतम् । चूर्णिका व्याख्या सहित । पत्रात्मक	७५—००
२७२६ श्रीमद्भागवतम् । शालिग्राम कृत हिन्दी टीका सहित । पत्राकार	२५०—००
२७२७ श्रीमद्भागवतम् । 'सरस्वती' भाषाटीका दृष्टान्त सहित । पत्रात्मक	१००—००
२७२८ Srimad Bhagavatam-English Translation Vols. I-V	250—00
२७२९ श्रीमद्भागवतम् । दशमस्कन्ध भाषाटीका सहित । पत्रात्मक	२०—००
२७३० श्रीमद्भागवतम् । एकादशस्कन्ध । हिन्दी टीका सहित । १-२ भाग	७—००
२७३१ स्कन्दपुराण (१८) (संक्षिप्त) । श्री राम शर्मा आचार्य कृत हिन्दी टीका सहित । १-२ भाग	२०—००
२७३२ Studies in Skanda Purana. By Dr. A. B. L. Awasthi. Part. I	40—00

उपपुराणम्

२७३३ कल्किपुराणम् । स० डॉ० अशोक चटर्जी शास्त्री	१८—००
२७३४ कल्किपुराणम् । सस्कृत मूल भाषानुवाद सहित	१—५०
२७३५ कल्किपुराणम् । हिन्दी टीका सहित	५—७५
२७३६ कालिकापुराणम् । सम्पादक श्री विश्वनारायण शास्त्री	४०—००
२७३७ कालिकापुराण (संक्षिप्त) डा० चमनलाल गौतम कृत हिन्दी टीका सहित । १-२ भाग	२०—००
२७३८ केदारखण्ड । मूलमात्र	१५—००
२७३९ गणेश पुराण । जगन्नाथ शर्मा	१२—००
२७४० देवीभागवतम् । मूलमात्र । गुटका	१६—००
२७४१ देवीभागवतम् । हिन्दी टीका सहित । पत्रात्मक	१२०—००
२७४२ देवी भागवत (संक्षिप्त) । श्री राम शर्मा आचार्य कृत हिन्दी टीका सहित । १-२ भाग	२१—००
२७४३ पुराणदिग्दर्शनम् । माधवाचार्य शास्त्री विरचित । सपरिशिष्ट	१७—००
२७४४ बृहद्बर्मपुराणम् । वेदव्यास प्रणीत । हरप्रसादशास्त्री प्रणीत टिप्पणी	७५—००
२७४५ बृहन्नारदीयपुराणम् । वेदव्यास प्रणीत । स० हृषीकेश शास्त्री	७१—००
२७४६ मल्लपुराणम् । अज्ञानकर्तृक	१५—००
२७४७ युगपुराण । कृष्णमणि त्रिपाठी कृत हिन्दी टीका सहित	२—५०
२७४८ Vasisatha Ramayana a study by by Dr.T.G. Mainkar	56—00
२७४९ वायुपुराण (संक्षिप्त) । श्रीरामशर्मा आचार्य कृत हिन्दी टीका सहित । १-२ भाग	२०—००
२७५० श्री सुद्रुल पुराणम् ।	११०—००
२७५१ सूर्यपुराण । डा० चमनलाल गौतम कृत हिन्दी टीका सहित	१०—५०
२७५२ सौरपुराणम् । व्यास विरचित । मूलमात्र-सजिबद	५—६५

भाषा-पुराण

२७५३ आत्मपुराण ।	१०—५०
२७५४ केदारखण्ड । भाषा	१३—५०
२७५५ भागवतकथा । (साप्ताहिक) राममूर्ति शास्त्री । १-२ भाग	३५—००
२७५६ भागवत (सप्ताह कथा) डा० चमनलाल गौतम	१४—००
२७५७ मत्स्यपुराण । अनुवादक-रामप्रताप त्रिपाठी	४०—००
२७५८ मार्कण्डेयपुराण । भाषा । रहस्योद्घाटिना टीका सहित । १-३ भाग	४—५०
२७५९ वायुपुराण । अनुवादक-रामप्रताप त्रिपाठी	२४—००
२७६० शिवपुराण । भाषा	४०—००
२७६१ शुकसागर । शालिग्राम कृत । बडा साइज	६०—००
२७६२ सुखसागर (भागवत) सरलभाषा । स्थूलक्षर । सचित्र	४२—००

भारतादि-इतिहास-ग्रन्थाः

२७६३ अध्यात्मरामायणम् । रामेश्वरभट्टकृत हिन्दी टीका सहित । पत्रात्मक	१८—००
२७६४ अध्यात्मरामायणम् । श्री राम वर्मा कृत व्याख्या सहित	१२—००
२७६५ आनन्दरामायणम् । हिन्दी टीका सहित । सजिल्द	३३—००
२७६६ इतिहास-पुराण का अनुशीलन । प्रणेता रामशङ्कर भट्टाचार्य	१६—००
२७६७ गर्गसंहिता । हिन्दी टीका सहित । पत्रात्मक	४५—००
२७६८ गर्गसंहिता । श्रीविभूतिभूषण भट्टाचार्येण सशोधिता । प्रथमो भागः	१०—००
२७६९ जय संहिता किंवा आदि भारतम् । शतश्लोक गीता । आकारक केशव राम का० शास्त्री । १-२ भाग	७५—००
२७७० जैमिनीयाश्वमेधः । मूलमात्र । पत्रात्मक	६—४०
२७७१ दिव्य रामायणम् । स्वामी अपूर्वानन्द	१५—००
२७७२ धर्माकृतम् । त्र्यम्बकराय सखिन कृत वाल्मीकीय रामायण की व्याख्या ।	
बालकाण्ड	६—००,
अयोध्याकाण्ड	६—००,
अरण्यकाण्ड	४—००,
किष्किन्धाकाण्ड	१६—००,
सुन्दरकाण्ड	४—००,
युद्धकाण्ड	३०—००
२७७३ नासिकेतोपाख्यानम् । मूलमात्र । पत्रात्मक	०—२५
२७७४ पुराणेतिहाससंग्रह (साहित्यरत्नकोशका द्वितीय खण्ड) एस० के० दे-आर० सी० हाजरा संपादित	७—५०, १०—००
२७७५ भक्तमाल । संस्कृत	७—५०
२७७६ भारतसार । भाषा	१२—००
२७७७ मलयालम महाभारत । एलुत्तच्छन् कृत	४०—००
२७७८ Mahabharat English Prose Translation by Pratap Chandra Roy. Vols I-XII. Complete	900—00
२७७९ Mahabharata-A Literary Study by J. P. Sinha	30—00
२७८० महाभारतम् । (पाठ समीक्षात्मक संस्करणम्) १-१९ भाग	१५००—००
२७८१ महाभारतम् । सातबलेकर कृत हिन्दी टीका सहित । १-१८ भाग	३५०—००
२७८२ महाभारतम् । समापर्व की टीका ज्ञानदीपिका । देवबोध कृत	१०—००
उद्योगपर्व की टीका	४—००
भीष्मपर्व की टीका	१०—००
२७८३ महाभारतम् । विराटपर्व । अष्टटीकोपेत	२५—००

२७८४ महाभारतम् । सभापर्व । सातवलेकर कृत हिन्दी टीका सहित	१५—००
२७८५ महाभारत और रामायण में प्रकृति ।	१०—२५
२७८६ महाभारत कथा । चक्रवर्ती राजगोपालाचार्य । सोमसुन्दरम् अनुवादित	१०—००
२७८७ महाभारत कालीन राज्य व्यवस्था । डा० रघुवीर शास्त्री	४०—००
२७८८ महाभारत कालीन समाज । सुखमय भट्टाचार्य	३०—००
२७८९ महाभारत की कथाओं पर आधारित हिन्दी काव्य । डा० राघवप्रसाद पाण्डेय	४५—००
२७९० महाभारतकोश । रचनाकार—डा० रामकुमार राय । १-२ भाग	७०—००
२७९१ महाभारत में धर्म । शकुन्तला रानी	४०—००
२७९२ महाभारत में नारी । डा० वनमाला भवालकर	२०—००
२७९३ महाभारत में लोक कल्याण की राजकीय योजनाएँ । डा० कामेश्वरनाथ मिश्र	२०—००
२७९४ महाभारतस्मृतिशास्त्रियोपादानम् । डा० एस० सी० बनर्जी	१५—००
२७९५ Ramayana of Valmiki. Prose English Translation by M. N. Dutt. Vol. I Balakandam	30—00
२७९६ रामाश्वमेधः । मूलमात्र । पत्रात्मक	६—४०
२७९७ रामाश्वमेधः । हिन्दी टीका सहित	३७—५०
२७९८ वाल्मीकिरामायणपदसूची । १-२ भाग । स० गोविन्दलाल हरगोविन्द	४५—००
२७९९ वाल्मीकिरामायणम् । मूलमात्र	३०—००
२८०० वाल्मीकिरामायणम् । तिलक-रामायणशिरोमणि-भूषण व्याख्या त्रयोपेत १-७ भाग संपूर्ण सजिल्द । प्राचीन सस्करण जीर्ण कागज	१७०—००
२८०१ वाल्मीकिरामायणम् । १-७ भाग । डा० पी० एल० वैद्य आदि विद्वाना ३ द्वारा सम्पादित	९२५—००
२८०२ वाल्मीकिरामायणम् । प्राचीनतम पाठ युक्त । स० विश्वबन्धु । युद्धकाण्ड	१५—००
२८०३ वाल्मीकिरामायणम् । अखिलानन्द कृत हिन्दी अनुवाद सहित । बाल-अरण्य किष्किन्धा-सुन्दर-युद्धकाण्ड	२४—५०
२८०४ वाल्मीकिरामायणम् । ज्वालाप्रसादमिश्रकृत पीयूषधारा हिन्दी टीका सहित । पत्रात्मक	१२०—००
२८०५ वाल्मीकिरामायणम् । सातवलेकरकृत हिन्दीटीका सहित । १-१० भाग	१८५—००
बालकाण्ड युद्धकाण्ड-उत्तरकाण्ड की समालोचना	८—००
२८०६ वाल्मीकिरामायण-सुन्दरकाण्डम् । मूलमात्र	४—००
२८०७ वाल्मीकिरामायण-सुन्दरकाण्डम् । मूलमात्र । पत्रात्मक	५—८५
२८०८ वाल्मीकीय रामायण कोश । डा० रामकुमार राय वाल्मीकीय रामायण के नामों और विषयों की सर्वप्रथम और विस्तृत व्याख्यात्मक अनुक्रमणिका जिसमें इस रामायण में आने वाले सभी नामों और प्रसङ्गों का व्याख्या सहित सन्दर्भ उल्लेख है ।	३०—००
२८०९ वाल्मीकि रामायण में आयुर्वेद ।	१५—००
२८१० VRATYAS IN ANCIENT INDIA By Prof. Radha Krishna Choudhary	30—00

२८११ शिवभारतम् । श्रीनिवासकरकवीन्द्रपरमानन्दविरचित	२—५०
२८१२ संक्षिप्त बाबमोकिरामायण । कृष्णमोहन शास्त्री	१०—००
२८१३ संक्षेपरामायणम् ।	०—५०
२८१४ हरिवंश । मूलमात्र	४०—००
२८१५ हरिवंशपुराण (संक्षिप्त) श्री राम शर्मा आचार्य कृत हिन्दी टीका सहित । १-२ भाग	२१—००
२८१६ हरिवंशपुराण का सांस्कृतिक विवेचन । श्रीमती वीणापाणि पाडे	४—५०
२८१७ हिन्दू धार्मिक कथाओं के भौतिक अर्थ । त्रिवेणी प्रसाद सिंह	३—००

भाषा-इतिहास-ग्रन्थ

२८१८ अङ्गिका संस्कार गीत । सं० वैद्यनाथ पाण्डेय	१२—००
२८१९ अकबरी दरबार के हिन्दी कवि । डा० सरयूप्रसाद अग्रवाल	१८—००
२८२० अक्षयवट । शीतलाप्रसाद मिश्र	०—५०
२८२१ अयोध्याप्रसादखत्री स्मारक ग्रन्थ । स० शिवपूजन सहाय	५—००
२८२२ आचार्य केशवदास । डा० हीरालाल दीक्षित	१८—००
२८२३ आचार्य भिखारीदास । डॉ० नारायणदास खन्ना	१८—००
२८२४ उर्दू समालोचना पर एक दृष्टि । अनु० रामप्रसाद लाल	७—५०
२८२५ कनउजी लोकगीत । मतराम 'अनिल'	४—००
२८२६ गुजरातस्थल नाम संसद व्याख्यान माला । प्रथम भाग	९—००
२८२७ गुप्तकालीन मुद्राएँ । डा० अलतेकर	१३—००
२८२८ गोदा गीतावली । अनु० वागीशाचार्य शास्त्री	१२—३०
२८२९ चम्पारन में महात्मागांधी । डा० राजेन्द्र प्रसाद	७—७५
२८३० जातककालीन भारतीय सस्कृति । मोहनलाल महतो 'वियोगी'	६—५०
२८३१ दक्खिनी हिन्दी काव्यधारा । राहुल सांकृत्यायन	६—००
२८३२ दरिया ग्रन्थावली । डा० धर्मेन्द्र ब्रह्मचारी शास्त्री	६—५०
२८३३ द्विवेदीयुगीन निबन्धसाहित्य । गङ्गावक्त्र सिंह	३—००
२८३४ निबन्धकार बालकृष्णभट्ट । गोपाल पुरोहित	२—५०
२८३५ पश्चिमी भारत की यात्रा । कर्नल जेम्स टॉड कृत । अनुवादक गोपालनारायण बहुरा	२१—००
२८३६ प्राङ्मौर्यबिहार । डा० देवसहाय त्रिवेद	७—२५
२८३७ प्राचीन भारत की सांग्रामिकता । रामदीन पाडेय	६—५०
२८३८ प्रेमसागर । लल्लू लाल कृत	१४—००
२८३९ ब्रजविलास ।	१०—००
२८४० भक्तमाल । राघवदास कृत । चतुरदास कृत टीका सहित	६—७५
२८४१ भक्तमाल । नाभाजी कृन् । प्रियादास कृत टीका-सीतारामशरण कृत कवित्त, भगवानप्रसाद रूपकला विरचित भक्तिसुधास्वाद-तिलक सहित	४५—००
२८४२ भारतीय संस्कृति में आर्येतरांश । शिवशेखर मिश्र	२—५०
२८४३ भोजपुरी के कवि और काव्य । दुर्गाशकर प्रसाद सिंह	५—७५
२८४४ भोजपुरी भाषा और साहित्य । डा० उदयनारायण तिवारी	१३—५०

२८४५ मध्य एशिया का इतिहास । राहुल सांकृत्यायन । १-२ भाग	२०-७५
२८४६ महाभारत । १-१० भाग । हिन्दी	३०-०१
२८४७ महाभारत । हिन्दी । १-१० भाग सचित्र	२५०-००
२८४८ महावीरप्रसाद द्विवेदी और उनका युग । डा० उदयभानु सिंघ	१८-००
२८४९ रहस्यवाद । आचार्य परशुराम चतुर्वेदी	५-००
२८५० रामावतारशर्मा निवन्धावली । (म० म० रामावतार शर्मा)	८-७५
२८५१ विद्यापति पदावली । १-२ भाग	२८-००
२८५२ वैज्ञानिक विकास की भारतीय परम्परा । डा० सत्यप्रकाश	८-००
२८५३ शिवपूजन रचनावली । शिवपूजन सहाय १-४ भाग	३६-२५
२८५४ सन्त कवि दरिया : एक अनुशीलन । डा० धर्मेन्द्र ब्रह्मचारी शास्त्री	१४-००
२८५५ संतमत का सरभङ्ग त्प्रदाय । धर्मेन्द्र ब्रह्मचारी शास्त्री	५-५१
२८५६ सदल मिश्र ग्रन्थावली । सदल मिश्र	५-०१
२८५७ सार्थवाह (प्राचीन भारत की पथ पद्धति) । डा० मोतीचन्द्र	११-००
२८५८ साहित्य का इतिहास दर्शन । नलिन विलोचन शर्मा	५-००
२८५९ साहित्य का मर्म । डा० हजारीप्रसाद द्विवेदी	१-००
२८६० सुमति ग्रन्थावली । शिवप्रसाद पाण्डेय 'सुमति'	२०-००
२८६१ हिन्दी काव्यशास्त्र का इतिहास । डा० भगीरथ मिश्र	०५-००
२८६२ हिन्दी को मराठी संतों की देन । विनय मोहन शर्मा	११-२५
२८६३ हिन्दी साहित्य और बिहार । स० शिवपूजन सहाय आदि १-३ भाग	४१-५०
२८६४ हिन्दी साहित्य का आदिकाल । डा० हजारीप्रसाद द्विवेदी	३-२५
२८६५ हिन्दी-सूफ़ी कवि और काव्य (जायसी के परवर्ती) डा० सरला शुक्ल	२४-००

समालोचनात्मक-इतिहास-ग्रन्थाः

२८६६ अक्षर अमर रहें । श्री वाचस्पति गैरोला	५-००
२८६७ अनुसन्धानपद्धति : डा० भगीरथ प्रसाद त्रिपाठी 'वागीश शास्त्री'	३-००
२८६८ अपभ्रंश भाषा और व्याकरण ।	१६-००
२८६९ अपभ्रंश भाषा और शोध ।	१४-००
२८७० अपभ्रंश भाषा का अध्ययन । डॉ० वीरेन्द्र श्रीवास्तव	३२-००
२८७१ अपभ्रंश साहित्य और व्याकरण । डॉ० जयकिशन प्रसाद खण्डेलवाल	५-००
२८७२ अपभ्रंश साहित्य : परम्परा और प्रवृत्तियाँ । डॉ० राजवश सहाय	३-००
२८७३ अप्पयदीक्षित । डॉ० नरेन्द्रनाथ शर्मा	४-००
२८७४ अभिज्ञानशाकुन्तल : एक अध्ययन । श्री काशीनाथ द्विवेदी	५-००
२८७५ अभिनव मनोविज्ञान । डा० प्रमुदयाल अग्निहोत्री	९-००
२८७६ अश्विकादत्तव्यास : एक अध्ययन । डा० कृष्ण कुमार	३०-००
२८७७ अर्थविज्ञान और व्याकरणदर्शन । डॉ० कपिलदेव द्विवेदी	१५-००
२८७८ अर्वाचीन मनोविज्ञानम् । मामराजदत्तकपिलविरचितम्	१२-००
२८७९ अलकार-मीमांसा । श्री राजवश सहाय 'हीरा'	५-००
२८८० अलङ्कारशास्त्र का इतिहास । डा० कृष्णकुमार	२५-००
२८८१ अलङ्कारशास्त्र की परम्परा । डॉ० राजवश सहाय 'हीरा'	१०-००
२८८२ अलकारानुशीलन । श्री राजवंश सहाय 'हीरा'	२५-००

२८८३ अलङ्कारों का क्रमिक विकास । पुरुषोत्तम शर्मा चतुर्वेदी	१५—००
२८८४ अलङ्कारों का स्वरूप विकास ।	५०—००
*२८८५ Avestan : A Historical and Comparative Grammar (Linguistics). By Dr. Satya Swarupa Misra	55—00
२८८६ अशोक । राधाकुमुद मुकर्जी	१५—००
२८८७ अशोक । भण्डारकर	२०—००
२८८८ अशोक के अभिलेख । डा० राजवली पाण्डेय	७५—००, १००—००
२८८९ अश्वघोष कालीन भारत ।	१५—००
२८९० आंचलिक रेखाचित्र । डा० कृष्णदेव उपाध्याय	१२—००
२८९१ आचार्य भरत । डा० शिवकरण शर्मा	१०—००
२८९२ An Early History of Orissa by Dr. Amar Chand Mittal	21—00
२८९३ Ancient India and Greece : Study of their Cultural Contact by N. M. Chapekar.	30—00
२८९४ An Outline of Sanskrit Poetics. By Dr. G. Vijayavardhana.	25—00
२८९५ आचार्य ज्येष्ठ । डॉ० मनोहरलाल गौड़	४—००
२८९६ आचार्य दण्डी एवं संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास दर्शन । डा० जयशङ्कर त्रिपाठी	३०—००
२८९७ आचार्य मम्मट । दुण्डिराज गोपाल सप्रे	६—००
२८९८ आचार्य राजशेखर । डा० श्यामा वर्मा	१०—००
२८९९ आचार्य विज्ञान भिष्म और भारतीय दर्शन में उनका स्थान । डा० सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव	२०—००
२९०० आचार्य विश्वनाथप्रसाद मिश्र-अभिनन्दन ग्रंथ । डॉ० विजयेंद्र स्नातके आदि	६०—००
२९०१ आचार्य सायण और माधव । पं० बलदेव उपाध्याय	१०—००
२९०२ आचार्य हेमचन्द्र । डा० वि० भा० सुसलगाँवकर	७—५०
२९०३ आज के संग्रहालय । डा० श्रीमती ग्रेस मॉर्ले । अनु० डा० चन्द्रमणि	८—००
२९०४ आदि पुराण में प्रतिपादित भारत । डा० नेमिचन्द्र शास्त्री	१२—००
२९०५ आधुनिक भारतीय संस्कृति । एल० पी० शर्मा	५—५०
२९०६ आधुनिक भारतीय संस्कृति का इतिहास । पी. आर. साहनी	२५—००
२९०७ आधुनिक भाषा विज्ञान की भूमिका । आर. पी. भटनागर डा० मोती लाल गुप्त	१७—००
२९०८ आधुनिक संस्कृत नाटक । डा० रामजी उपाध्याय । १-२ भाग	६०—००
२९०९ आधुनिक संस्कृत साहित्य । डा० हीरालाल शुक्ल	५०—००
२९१० आधुनिक संस्कृत साहित्यानुशीलन । डा० रामजी उपाध्याय	७—००
२९११ आनन्दमीमांसा । रसिकलाल छी० पारीख (गुजराती)	८—००
२९१२ आनन्दवन । सुरेन्द्र नाथ मिश्र	२—००
२९१३ आनन्दवर्धन । डा० रत्नप्रसाद द्विवेदी	२२—००
२९१४ THE ARCHAEOLOGY OF KUMAON REGION (INCLUDING DEHRADUN). By Dr. K. P. Nautiyal, 100-00	

- २९१५ आर्यसंस्कृति । प० बलदेव उपाध्याय १०—००
- २९१६ इतिहास पुराण साहित्य का इतिहास । डा० कुंवरलाल 'न्यास शिष्य' १०—००
- २९१७ ETHNOLOGY OF ANCIENT BHARATA. By R. C Jain. 50—00
- २९१८ Introduction to Pali-Text Pali, (Sanskrit) and Grammar etc. with Hindi Translation by Anomadarsini Barua (Bhikshu) 7—50
- २९१९ Indian Culture-The Tradition of Non-Violence and Social Change in India by G. C. Roy 40—00
- २९२० Indian Mythology by V Faus boll 50—00
- २९२१ Indian Religious Tradition by Paul Younger 30—00
- २९२२ INDO-ARYAN LITERATURE AND CULTURE (ORIGINS) . By Nagendranath Ghose. 40—00
- २९२३ Indo Aryan Polity-Rigvedic Period by P. C. Basu 20—00
- २९२४ उत्तरवैदिक समाज एवं संस्कृति : एक अभ्ययन ।
डा० विजयनहादुर राव १५—००
- २९२५ उपमा कालिदासस्य । डा० शशिभूषणदास गुप्त ५—००
- २९२६ Rigvedic Foundations of Classical Poetics by T. G. Mankar 25—00
- २९२७ Ritu in Sanskrit Literature by Dr. V. Raghavam 30—00
- २९२८ ऋषिदयानन्द-आर्य समाज की संस्कृत साहित्य को देन १०—००
- २९२९ Essays on Indian Politics 10—00
- २९३० Evolution of Indian Polity-by R. Shama Shasrty 40—00
- २९३१ Evolution of the Nyaya Vaisesika Categoriology. Vol. I. Early Nyaya Vaisesika Categoriology by Harsh Narain 55—00
- २९३२ ऐतिहासिक उपन्यासों में कल्पना और सत्य । बी० एम० चिन्तामणि ३—५०
- २९३३ Elements of Indian Aesthetics. (Aesthetic Beauty and Bliss in Indian Literature & Philosophy . I. Historical & Cultural Elements, II. Philosophical Elements, III. Literary Elements, IV. Elements of Peotic Diction (kavisiksā) By Dr. S. N. Ghoshal, Sastri Vol. I in 4 Parts bound in one Library Edition 175—00, Students Edition 125—00 Rest 2 Volumes . In Press
- २९३४ An Introduction to Homicide in India (Ancient and Early Medieval Period) by Dr. Upendra Thakur 40—00
- २९३५ The Aesthetic Experience according to Abhinavagupta. By Raniero Gnoli. 85—00

- *२९३६ Aspirations of Indian Youth (A Study in Sociology of Youth), by Dr. Sudarshan Kumari. With a Foreword by Prof. Raja Ram Sastri 65—00
- २९३७ Origin of the Devanagari Alphabets by R. Shama Sastry 50—00
- २९३८ Origin and Development of Bhojpuri by Uday Narain Tiwari 30—00
- २९३९ औचित्य सम्प्रदाय का हिन्दी-काव्यशास्त्र पर प्रभाव (प्रत्यक्ष तथा परोक्ष) डॉ० चन्द्रहंस पाठक ३०—००
- २९४० Observations on the Life and Works of Bhavabhuti. By R. G. Harshi. Translated by Jang Bahadur Khanna 20—00
- २९४१ कथासरित्सागर-एक सांस्कृतिक अध्ययन । डा० वाचस्पति द्विवेदी ३५—००
- *२९४२ कथासरित्सागर तथा भारतीय संस्कृति । डा० सिद्धनाथ प्रसाद ५५—००
- २९४३ Concept of Poetic Blemishes in Sanskrit Poetics. By Dr. Bechan Jha. 40—00
- २९४४ कबीर और रैदास : एक तुलनात्मक अध्ययन । चन्द्रदेव राय ३५—००
- २९४५ Contribution of Bihar to Sanskrit Literature by Dr. S. G. Banerjee 15—00
- २९४६ A COMPARATIVE STUDY OF THE CONCEPTS OF SPACE AND TIME IN INDIAN THOUGHT By Dr. Kumar Kishore Mandal 35—00
- २९४७ The Cult of Brahma. By Tarapada Bhattacharya. 45—00
- २९४८ कवियों की लोकदृष्टि । श्री शिवशंकर त्रिपाठी १०—००
- २९४९ कविराज-अभिनन्दन ग्रन्थ (म० म० गोपीनाथ कविराज) । म० वाक्यराम सक्सेना, गौरीनाथ शास्त्री, वी० राघवन आदि १५०—००
- २९५० कविवर डा० रामकुमार वर्मा और उनका काव्य । प्रो० दशरथ राज ४—००
- २९५१ कवि-समय-मीमांसा । डा० विष्णुस्वरूप ९—००
- २९५२ कहानीकार जैनेन्द्र । डॉ० नूरजहाँ १४—००
- २९५३ Kalidasa by V. V. Mirashi 30—00
- २९५४ कालिदास । वासुदेव विष्णु मिराशी १२—००
- २९५५ कालिदास । जय कृष्ण चौधरी ५—००
- २९५६ Kalidasa-A Critical Study by Amaldhari Singh 75—00
- २९५७ Kalidasa and Shakespeare by Mayadhar Mansinha 15—00
- २९५८ कालिदास और भवभूति के नाटकों का तुलनात्मक अध्ययन । डा० सुरेन्द्रदेव शास्त्री २५—००
- २९५९ कालिदास का प्रकृति चित्रण । निर्मला उपाध्याय १५—००
- २९६० कालिदास का भारत । डॉ० भगवतशरण उपाध्याय । १-२ भाग १६—००

२९६१ Kalidas Kal	3—50
२९६२ कालिदास काव्ये शब्द परिपाकः । डॉ० नित्यानन्द	५०—००
२९६३ कालिदास की अमर कृतियों । भीष्म प्रताप भास्कर	१५—००
२९६४ कालिदास की कला और संस्कृति । डॉ० देवीदत्त शर्मा	३५—००
२९६५ कालिदास की कृतियों में भौगोलिक स्थलों का प्रत्यभिज्ञान । कैलाशनाथ द्विवेदी	३०—००
२९६६ कालिदास की लालित्य योजना । डॉ० हजारी प्रसाद द्विवेदी	२०—००, १२—००
२९६७ कालिदास के काव्य में ध्वनिश्रव । डॉ० मंजुला जायसवाल	३०—००
२९६८ कालिदास के सुभाषित । डॉ० भगवतशरण उपाध्याय	७—००
२९६९ KALIDASA KOSA. By Prof S C. Banerji.	३०—००
२९७० कालिदास दर्शन । डॉ० शिव प्रसाद भारद्वाज । प्रथम भाग	४०—००
२९७१ कालिदास-मानव शिल्पी महाकवि । डॉ० रेवाप्रसाद द्विवेदी	३—००
२९७२ Kalidasa-His Style and His Times by S V. Sabnis	25—00
२९७३ Causation in Indian Philosophy with Special Refer- ence to Nyaya-Vaisesika by Dr Mahesh Chandra Bhartiya	55—00
२९७४ कालिदासार्ची नाटकें । २० प० कगले (मराठी)	८—००
२९७५ काव्य-चिन्ता । डॉ० रमाशंकर तिवारी	६—००
२९७६ काव्यदोष-एक अनुशीलन । डॉ० जनार्दन स्वरूप अग्रवाल	३०—००
२९७७ काव्य दोषों का उद्भव और विकास । डॉ० शशुदत्त शा	१६—००
२९७८ काव्य शास्त्र के तथ्य (अलङ्कार-छन्द) स० उमाकान्त शुक्ल	१—७५
२९७९ काव्यसमीक्षा-तुलनात्मक सर्वेक्षण । डॉ० विक्रमादित्य राय	१०—००, १२—००
२९८० काव्यात्म-मीमांसा । डॉ० जयमन्त मिश्र	२०—००
२९८१ काव्यानुशीलन । बलदेव उपाध्याय	७—००
२९८२ काशी की सारस्वत साधना । म० म० गोपीनाथ कविराज	२—५०
२९८३ काश्मीरेतिहासः । आचार्य हनुमत्प्रसाद शास्त्री	१५—००
२९८४ Catalogue of Sanskrit and Prakrit Manuscripts in the Rajasthan Oriental Research Institute. (Jodhpur Collection) Parts I-II (A, B) and III (A, B, C) Edited By Padmashri Muni Jina Vijaya	216-75
२९८५ Character Portrayals in Ramayan of Valmiki by Alois Wurn	95—00
२९८६ Critical Study of Dandin and His Works by Dr. Dharmendra Kumar Gupta	40—00
२९८७ A Critical Study of Sanskrit Phonetics. By Dr. Vidhata Mishra.	50—00, 65—00
२९८८ कृष्णभक्ति काव्य में सखीभाव । (सचित्र) डॉ० शरण विहारी गोस्वामी	३५—००
*२९८९ CHRONOLOGY OF INDIA. (From the earliest times to the beginning of the Sixteenth Century.) By C. Mabel Duff.	75—00

२९९० Chronology and History of Nepal (600 B. C.-880 A. D) by K. P. Jayaswal	35—00
२९९१ Coinage in Ancient India by Satya Prakash Rajendra Singh	100—00
२९९२ क्षेत्र पुरातत्व विज्ञान ।	६—००
२९९३ क्षेमेन्द्र और उनका समीक्षा सिद्धान्त । डा० शिवशेखर मिश्र	१०—००
२९९४ Gandhara Sculpture—A Critical Survey by K. Krishna Murthy	100—00
२९९५ गुप्त अभिलेख । डा० वासुदेव उपाध्याय	५१—००
२९९६ गुप्त काल का सांस्कृतिक इतिहास । भगवत शरण उपाध्याय	९—००
२९९७ गोरक्षनाथ (नाथ-सम्प्रदाय के परिप्रेक्ष्य में) डा० नागेन्द्र नाथ उपाध्याय	३०—००
२९९८ गोरक्षनाथ और उनका युग । डा० रागेय राधव	१२—००
२९९९ गोस्वामी तुलसीदास । आचार्य श्री सीताराम चतुर्वेदी	४—००
३००० गोस्वामी तुलसीदास । शिवनन्दन सहाय वर्मा	५—५०
३००१ Great Tradition and Little Traditions • Indological Investigations in Cultural Anthropology by Swami Agehananda Bharati	85—00
३००२ चक्र परिचक्र (ललित निबंध) सुधाकर पाठेय	२०—००
३००३ चतुर्दश भाषा निबंधावली ।	४—२५
*३००४ चतुर्वेदिसंस्कृतरचनावलि' । म०म० पं० गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी विरचित प्रकाशित अप्रकाशित यावत् निबन्धों का-संग्रह	२५—००
३००५ Chandragupta II Vikramaditya. By Dr. Raj Bali Pandey.	25—00
३००६ चम्पू काव्य का आलोचनात्मक एवं ऐतिहासिक अध्ययन । डॉ० छविनाथ त्रिपाठी	१५—००
३००७ चम्पूरामायण का साहित्यिक परिशीलन । कुमारी करुणा श्रीवास्तव	१३—००
३००८ Charudeo Shastri Felicitation Volume by Dr. S. K. Chatterji, V. Raghavan etc.	50—00
३००९ चित्र और चिन्तन । श्री शान्तिप्रिय द्विवेदी	३—५०
३०१० चिन्तन और विवेचन । डा० नारायण प्रसाद वाजपेयी 'करुणेश'	१०—००
३०११ चिन्तन के आयाम । राम अवध शास्त्री	२०—००
३०१२ चिन्तन के नये चरण । श्री देवदत्त शास्त्री	८—००
३०१३ चतन्य महाप्रभु । अमृतलाल नागर	११—००
३०१४ चोल और उनकी कला । मनोरमा जीहरी	६—००
३०१५ चौलुक्य कुमारपाल । लक्ष्मीशंकर व्यास	७—००
३०१६ छन्दविज्ञान की व्यापकता । हरिशङ्कर शर्मा	५—००
३०१७ छायावादः उस्थान पतन-पुनर्मूल्याङ्कन । डा० देवराज	३२—००
३०१८ छाँव में जलते हुए । सुरेन्द्रनाथ मिश्र	३—००
३०१९ जयदेव आचार्य एवं नाटककार के रूप में, आलोचनात्मक अध्ययन । डा० विनोद चन्द्र विद्यालकार	३५—००

- ३०२० German Scholars on India . Contributions to Indian Studies. Edited by the Cultural Department of the Embassy of the Federal Republic of Germany, New Delhi. Vol. I 75—00
- ३०२१ जवाहरलाल नेहरू विजय नाटक (हिन्दी रूपान्तर) रमाकान्त मिश्र १—००
- ३०२२ TRADE AND COMMERCE IN ANCIENT INDIA.
By Dr. Balaram Srivastava. 60—00
- ३०२३ डा० राजवली पाण्डेय स्मृति ग्रन्थ । स० सीताराम चतुर्वेदी आदि १०१—००
- *३०२४ A DESCRIPTIVE DICTIONARY OF THE INDIAN ISLANDS and ADJACENT COUNTRIES. By John Crawford. 100—00
- ३०२५ तुलनात्मक पालि प्राकृत अपभ्रंश व्याकरण । डा० सुकुमार सेन । अनुवादक महावीर प्रसाद लखेडा १२—००
- ३०२६ तुलनात्मक भाषा-विज्ञान । डॉ० पाण्डुरंग दामोदर गुण । सम्पादक—एन० पी० गुणे । अनुवादक—डॉ० भोलानाथ तिवारी १७—००
- ३०२७ त्रिपाठी अभिनन्दन ग्रन्थ । (५० सुरतिनागयण मणि त्रिपाठी) २५—००
- ३०२८ दक्षिण-पूर्वी और दक्षिण एशिया में भारतीय संस्कृति । डा० सत्यकेतु बिद्यालकार २३—००
- ३०२९ दक्षिण भारत का इतिहास । डा० बलराम श्रीवास्तव १२—५०
- ३०३० दार्शनिक विवेचनाएँ । स० हरिमोहन झा ६—५०
- ३०३१ दार्शनिक विश्लेषण । १२—००
- ३०३२ दिनकर की उर्वशी । डा० रमाशंकर तिवारी ४—००
- *३०३३ दो फूल । कविता सहाय १—००
- ३०३४ द्रविण भाषाओं की व्याकरणिक संरचना । जे० ब्लाच । अनुवादक डा० कृष्णकुमार शर्मा ५—००
- ३०३५ THE DHVANI THEORY IN SANSKRIT POETICS
By Dr. Mukunda Madhava Sharma. 50—00
- ३०३६ ध्वनि सम्प्रदाय और उनके सिद्धान्त । डा० भोलाशङ्कर व्यास २०—००
- ३०३७ नगरीय समाज शास्त्र । श्री कौशलकुमार राय १०—००
- ३०३८ नन्ददासः जीवनी और काव्य । डॉ० भगानीदत्त उप्रेती १२—००
- ३०३९ नन्द युगीन भारत । १८—००
- ३०४० नवीन दृष्टि में प्रवीण भारत । स्वामी दयानन्द १—२५
- ३०४१ नागपुरी भाषा । डा० श्रवण कुमार गोस्वामी ८—००
- ३०४२ नाट्यकला-प्राच्य एवं पाश्चात्य । डा० सुदर्शन मिश्र ३०—००
- ३०४३ नाट्यकला मीमांसा । सेठ गोविन्द दास ३—५०
- ३०४४ नाट्यशास्त्र अने आचार्य अभिनवगुप्ताचार्य (गुजराती) ३—५०
- ३०४५ नाट्यसंस्कृतिसुधा । डा० रमेशचन्द्र शुक्ल १०—००
- ३०४६ नाथ सम्प्रदाय । डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी १५—००
- ३०४७ नेपाल : देश और संस्कृति । हरिनन्दन ठाकुर ८—५०
- ३०४८ New Lights on Indo-European Comparative Grammar
By Dr. Satya Swarup Misra 40—00

- *३०४९ NEW LIGHT ON THE SUN TEMPLE OF
KONARKA. By Dr. Alice Boner, Sadasiva Rath
Sarma and Rajendra Prasad Das. With 110 Pages
Plates. 300—00
- ३०५० पञ्चदश लोकभाषा निबन्धावली । ४—५०
- ३०५१ Public Speeches in Ancient and Medieval India Based
on Sanskrit and Prakrit Literature by S. C De 30—00
- ३०५२ पद्मपुराण और तुलसी कृत रामचरितमानस । डा० रमाकान्त शुक्ल ६०—००
- ३०५३ परम्पराशील नाट्य । जगदीश चन्द्र माथुर ५—५०
- ३०५४ परिक्रमा । श्री ज्ञान्तिप्रिय द्विवेदी ४—००
- ३०५५ पल्लव इतिहास और उसकी आधार सामग्री । बलराम श्रीवास्तव ८—००
- ३०५६ पाणिनि के उत्तराधिकारी । डा० उदय नारायण तिवारी १५—००
- ३०५७ Palaeography of Brahmi Script. 50—00
- ३०५८ पुराणगत वेद विषयक सामग्री का समीक्षात्मक अध्ययन ।
रामशंकर भट्टाचार्य २०—००
- ३०५९ पुराणों में गङ्गा । सङ्कलनकर्ता—रामप्रताप त्रिपाठी ५—००
- ३०६० पुरुषार्थ । भारतरत्न डॉ० भगवानदास २०—००
- ३०६१ पूर्व एशिया का संक्षिप्त इतिहास । पांथरी । १-२ खण्ड ३०—००
- ३०६२ THE POLITICAL AND SOCIO-RELIGIOUS CONDI-
TION OF BIHAR (185 B C. to 319 A. D.).
By Dr. Hari Kishore Prasad. 45—00
- ३०६३ Political History of Northern India from Jaina
Sources by Dr. Gulab Chandra Choudhary 24—00
- ३०६४ प्रताप-रासो । 'जाची' क जीवन कृत । सम्पादक—मोतीलाल गुप्त ६—७५
- ३०६५ प्रतिभा-दर्शन (भाषा-तत्त्वशास्त्र) । आचार्य हरिशंकर जोशी ३०—००
- ३०६६ प्रयोगवादी काव्यधारा । (तथोक्त नई कविता) डा० रमाशंकर
तिवारी २०—००
- ३०६७ प्रवचन चिन्तामणिः । सत्यनारायण शर्मा २५—००
- ३०६८ प्रवचन पारिजातः । सत्यनारायण शर्मा २५—००
- ३०६९ प्रवीण दृष्टि में नवीन भारत । स्वामी दयानन्द कृत । १-२ खण्ड ४—००
- ३०७० प्राकृत अपभ्रंश साहित्य तथा उनका साहित्य पर प्रभाव ।
डॉ० रामसिंह तोमर २०—००
- ३०७१ प्राकृत एवं अपभ्रंश साहित्य का इतिहास । डा० एल. बी राम अनन्त ५—००
- ३०७२ प्राकृत भाषा और साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास ।
डॉ० नेमिचन्द्र शास्त्री ३०—००
- ३०७३ प्राकृत भाषाएँ एवं उनका भारतीय संस्कृति में अवदान ।
एस० एम० कत्रे । अनु० डा० आर० एस० जेतली ६—००
- ३०७४ प्राकृत साहित्य का इतिहास । डॉ० जगदीशचंद्र जैन ३०—००
- ३०७५ प्रागैतिहासिक भारतीय चित्रकला । डा० जगदीश गुप्त ७५—००
- ३०७६ प्राचीन नेपाल का सांस्कृतिक और राजनीतिक इतिहास १०—००, १२—००

- ३०७७ प्राचीन भारत । रमेशचन्द्र मजुमदार । अनु. डॉ० परमेश्वरजीलाल गुप्त १६—००
- ३०७८ प्राचीन भारत का इतिहास । डा० मनाशकर त्रिपाठी २०—००
- ३०७९ प्राचीन भारत का सामाजिक इतिहास । डॉ० जयशङ्कर मिश्र ५३—५०
- ३०८० प्राचीन भारत की कला । डा० गयाचरण त्रिपाठी ७—५०
- ३०८१ प्राचीन भारत की संस्कृति और सभ्यता । दामोदर धर्मानन्द कोसाम्बी ३०—००
- ३०८२ प्राचीन भारत की सामाजिक संस्कृति । डॉ० रामजी उपाध्याय १२—००
- ३०८३ प्राचीन भारत के छात्राचार्य और उनकी उपलब्धियाँ ।
डा० नत्थूलाल गुप्त २५—००
- ३०८४ प्राचीन भारत के कलात्मक विनोद । हजारि प्रसाद द्विवेदी १२—५०
- ३०८५ प्राचीन भारत में अपराध और दण्ड । हजिरनाथ त्रिपाठी ७—००
- ३०८६ प्राचीन भारत में रसायन का विकास । डॉ० मन्मथप्रसाद १४—००
- ३०८७ प्राचीन भारतीय अभिलेखों का अध्ययन । डा० तनुदेव उपाध्याय २०—००
- ३०८८ प्राचीन भारतीय कला एवं संस्कृति । डा० राजकिशोर सिंह १६—००
- ३०८९ प्राचीन भारतीय सिद्धी के वर्तन । डा० राय गोविन्दचन्द्र १६—००
- ३०९० प्राचीन भारतीय मूर्ति-विज्ञान । डॉ० वासुदेव उपाध्याय २७—००
- ३०९१ प्राचीन भारतीय मूर्ति विज्ञान । डा० नी. पु. जोशी ३२—००
- ३०९२ प्राचीन भारतीय मुद्राएँ । डॉ० वासुदेव उपाध्याय २५—००
- ३०९३ प्राचीन भारतीय विधाएँ एवं कलाएँ । डा० नत्थूलाल गुप्त ५०—००
- ३०९४ प्राचीन भारतीय वैधानिक संस्थाएँ । यादव-पाण्डेय ८—००
- ३०९५ प्राचीन भारतीय वैचारिकों के ध्वन्यात्मक विचारों का
विवेचनात्मक अध्ययन । सिद्धेश्वर वर्मा । अनु. डा. देवीदत्त शर्मा २०—००
- ३०९६ प्राचीन भारतीय संस्कृति । वी० एन० लूनिया २४—००
- ३०९७ प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता । डा० सत्यप्रकाश शर्मा १२—००
- ३०९८ प्राचीन भारतीय सभ्यता । डा० कृष्णकान्त त्रिपाठी-सुभद्रा त्रिपाठी ५—००
- ३०९९ प्राचीन भारतीय साहित्य । विन्टरनिट्ज अनु० लाजपतराय-
डॉ० रामचन्द्र पाण्डेय । १-२ भाग २६—००
- ३१०० प्राचीन भारतीय साहित्य की सांस्कृतिक भूमिका ।
डॉ० रामजी उपाध्याय १००—००
- ३१०१ प्राचीन भारतीय स्तूप गुहा एवं मन्दिर । डा० वासुदेव उपाध्याय २३—००
- ३१०२ प्राचीन हस्तलिखित पोथियों का विवरण । स० डॉ० परमेश्वर ब्रह्मचारी
शास्त्री-नलिन विलोचन शर्मा । ८-६ खण्ड १०—५०
- ३१०३ प्राचीन भारतीय-ऋतुविज्ञानम् । डा० धुनीराम त्रिपाठी १८—००
- ३१०४ Pre-Sankara Advaita Philosophy by Sangam Lal
Pandey ८०—००
- ३१०५ प्रेसचन्द्रोत्तर उपन्यास में नारी मनोविज्ञान । डा० रामसुन्दरलाल ४०—००
- ३१०६ Founder in Sanskrit Literature in Ancient India १००—००
- ३१०७ Founders of Sciences in Ancient India by Dr Satya
Prakash १००—००
- ३१०८ FALL OF THE MOGUL EMPIRE By Sidney
J. Owen १५—००

*३१०९ Female Images in the Museums of U. P. and their Social Background By Dr. Padma Upadhyaya 125—00	
३११० बबेलखण्ड के संस्कृत काव्य । डॉ० राजीवलोचन अग्निहोत्री	२५—००
३१११ बरार के सूफी शायर । डा० नत्सूलाल गुप्त	१०—००
३११२ बाण जयन्ती निबन्धावली । स० डा० श्रीधर वासुदेव सोहोनी	२०—००
३११३ बाणभट्ट और उनका हर्षचरित एक आलोचनात्मक अध्ययन । डा० महेशचन्द्र भारतीय	१६—००
३११४ बाणभट्ट और उनकी कादम्बरी एक आलोचनात्मक अध्ययन । डा० महेशचन्द्र भारतीय	१६—००
३११५ बाणभट्ट का आदान-प्रदान । डा० अमरनाथ पाण्डेय	१०—००
३११६ बाणभट्ट का साहित्यिक अनुशीलन । डा० अमरनाथ पाण्डेय	४०—००
३११७ Biography of Dharmā Swamin	४—००
३११८ पं० बालकृष्णभट्ट व्यक्तित्व और कृतित्व । डा० मधुकर भट्ट	३०—००
३११९ विक्री बड़ाहये-धन कमाहये । डा० रतनकुमार जैन	७—५०
३१२० बुद्ध कालीन राजगृह । अनन्त कुमार	६—००
३१२१ बुन्देल खंड की प्राचीनता । डॉ० भागीरथी प्रसाद त्रिपाठी (वागान्त शास्त्री)	७—५०
३१२२ Brahmins through the Ages—A Study of their Social, Political, Religious and Economic Life by R. N. Sharma	60—00
३१२३ भक्तमाल (नाभादास कृत) एक अध्ययन । डा० प्रकाश नारायण	५—००
३१२४ THE BHAKTI CULT IN ANCIENT INDIA By Dr Bhagabat Kumar Goswami Shastri.	50—00
३१२५ भरत और भारतीय नाट्यकला । डा० सुरेन्द्रनाथ दीक्षित	४५—००
३१२६ भरहुत । डा० रामनाथ मिश्र	९—००
३१२७ भवभूति । वा० वि० मिराशी	३०—००
३१२८ Bhavabhuti by V V. Mirashi	45—00
३१२९ भवभूति और उनकी नाट्यकला । डॉ० भयोध्या प्रसाद सिंह	२०—००
३१३० भारत और एशिया के अन्य देश । श्रीमती सुदर्शना सिंहल	१५—००
३१३१ भारत का भाषा सर्वेक्षण । म० नार्ज च्चव्राह्म डियर्सन । १, ६, ९ क, ख भाग	२०—५०
३१३२ भारत का सांस्कृतिक इतिहास । हरिदत्त वेङ्कळकार	१२—००
३१३३ भारत का सांस्कृतिक इतिहास । डॉ० राजेन्द्र पाण्डेय	१२—००
३१३४ भारत का स्वर्णयुग । पाथरी	१६—००
३१३५ भारत की संस्कृति और कला । डा० राधाकमल मुकुर्जी	२०—००
३१३६ भारत की संस्कृति का विकास । डा० मथुरालाल शर्मा	६—२५
३१३७ भारत की संस्कृति साधना । डॉ० रामजी उपाध्याय	१०—००
३१३८ भारत की सामाजिक क्रान्ति । डॉ० रामजी उपाध्याय	३—००
३१३९ भारत की सामाजिक संस्कृति । डॉ० रामजी उपाध्याय	१२—००
३१४० भारत के सहान साधक । प्रमथनाथ भट्टाचार्य । १-४ भाग	६०—००

- ३१४१ भारत में प्रतीक पूजा का आरम्भ और विकास । सांवलिया बिहारी लाल वर्मा ११—००
- ३१४२ भारत में संस्कृत की अनिवार्यता क्यों । डा० भागीरथ प्रसाद त्रिपाठी 'वागीश शास्त्री' प्रणीत ५—००
- ३१४३ भारतस्य सांस्कृतिकनिधिः । डॉ० रामजी उपाध्याय (संस्कृत) १२—००
- ३१४४ भारतस्य सांस्कृतिको दिग्विजयः । हरिदत्त वेदालङ्कार । अनुवादक कालिका प्रसाद शुक्ल १०—००
- ३१४५ भारतीय अभिलेख । एस. एस राणा ३०—००, ५०—००
- ३१४६ भारतीय अभिलेख संग्रह । फ्लीट । अनु० गिरजा शङ्कर प्रसादमिश्र १००—००
- ३१४७ भारतीय आर्य भाषाएँ । डा० इन्द्रचन्द्र शास्त्री ५—००
- ३१४८ भारतीय इतिहास और संस्कृति । डॉ० विशुद्धानन्द पाठक-
डॉ० जयशंकर मिश्र ६—००, ८—००
- ३१४९ भारतीय इतिहास के स्रोत, सिक्के । ई० जे० रैपसन ।
अनु० डॉ० रामकुमार राय १६—००
- ३१५० भारतीय इतिहास परिचय । डॉ० राजबली पाण्डेय १३—००
- ३१५१ भारतीय कला । वासुदेव शरण अग्रवाल ४५—००
- ३१५२ भारतीय कला और दर्शन । १७—५०
- ३१५३ भारतीय कला और संस्कृति । वाचस्पति गैरोला १७—५०
- ३१५४ भारतीय कला का विकास । राधा कमल मुखर्जी २५—००
- ३१५५ भारतीय कला के पदचिह्न । डा० जगदीश गुप्त ७—००
- ३१५६ भारतीय कला को बिहार की देन । डॉ० विन्ध्येश्वरी प्रसाद सिंह ७—५०
- ३१५७ भारतीय काव्यशास्त्र के प्रतिनिधि-सिद्धान्त । श्री राजवंश सहाय 'हीरा' २०—००
- ३१५८ भारतीय चित्रकला और उसके मूलतत्त्व । डा० रघुनन्दन प्रसाद ७५—००
- ३१५९ भारतीय चित्रकला का संचित इतिहास । वाचस्पति गैरोला १२—५०
- * ३१६० भारतीय दर्शन । भारतवर्ष की विविध दार्शनिक-वैदिक और तान्त्रिक विचार धाराओं का प्रामाणिक विवेचन करनेवाला राष्ट्रभाषा हिन्दी में यह ग्रन्थरत्न अनुपम और अद्वितीय है । सभी विश्वविद्यालयों में बी० ए०, एम० ए० का यह पाठ्य-ग्रन्थ है । लेखक आचार्य बलदेव उपाध्याय ३५—००
- ३१६१ भारतीय दर्शन प्रकाश । ६—००
- ३१६२ भारतीय दर्शन । (प्रश्नोत्तर रूप में) वी० एन० सिंह ४—००
- ३१६३ भारतीय दर्शन (प्रश्नोत्तर रूप में) राधेश्याम शर्मा २—५०
- * ३१६४ भारतीय धर्म और दर्शन । आचार्य बलदेव उपाध्याय ३५—००
- ३१६५ भारतीय धर्म और संस्कृति । डा० रामजी उपाध्याय ५—००
- ३१६६ भारतीय पुरालिपिशास्त्र । व्यूलर । अनु० मंगलनाथ सिंह २५—००
- ३१६७ भारतीय पुरैतिहासिक पुरातत्त्व । धर्मपाल अग्रवाल १५—००
- ३१६८ भारतीय प्रज्ञा । मॉनियर विलियम्स । अनु० रामकुमार राय ३५—००

३१६९ भारतीय प्रतीक विद्या । जनार्दन मिश्र	११—००
३१७० भारतीय प्राचीन लिपिमाला । डॉ० गौराशंकर हीराचंद ओझा	८५—००
३१७१ भारतीय भाषा विज्ञान । पं० किशोरी दास वाजपेयी	८—००
३१७२ भारतीय भाषा विज्ञान का सामाजिक धरातल । शमशेर सिंह	१५—००
३१७३ भारतीय भाषा विज्ञान की भूमिका । सं० डा० भोलानाथ तिवारी	३२—००
३१७४ भारतीय रत्नचरित । रुद्रदत्त पाठक	१५—००
३१७५ भारतीय वाङ्मय में श्री राधा । बलदेव उपाध्याय	१०—५०
३१७६ भारतीय वाङ्मय में सीता का स्वरूप । कृष्ण लाल अवस्थी	६०—००
३१७७ भारतीय विचार दर्शनम् । डा० हरिहरनाथ त्रिपाठी । प्रथम भाग	४०—००
३१७८ भारतीय विज्ञान के कर्णधार । डा० सत्यप्रकाश	३०—००
३१७९ भारतीयवृत्तम् । ए० ए० मेकडोनल । सस्कृतानुवादक वे० श्री० वेंकट राघवाचार्य	१९—००
३१८० भारतीय संस्कृति । डॉ० वी० एल० अत्रेय	१—००
३१८१ भारतीय संस्कृति । गोपालशास्त्री दर्शनकेशरी	२—००
३१८२ भारतीय संस्कृति । बलदेवप्रसाद मिश्र	२—५०
३१८३ भारतीय संस्कृति ।	३—५०
३१८४ भारतीय संस्कृति । डा० देवराज	४—००
३१८५ भारतीय संस्कृति । जयकिशन प्रसाद (प्रश्नोत्तर शैली में)	४—००
३१८६ भारतीय संस्कृति । डा० कुँवरलाल व्यास शिष्य-डा० राजेन्द्रनाथ शर्मा	११—००
३१८७ भारतीय संस्कृति । डा० राजकिशोर सिंह	१२—००
३१८८ भारतीय संस्कृति । साने गुरु जी	६—००
३१८९ भारतीय संस्कृति । वात्स्यायन	७—५०
३१९० भारतीय संस्कृति । सातवलेकर । अनुवादक श्रुतिशील शर्मा	१०—००
३१९१ भारतीय संस्कृति । त्रिवेदित ज्ञानी	१२—००
३१९२ भारतीय संस्कृति एवं साहित्य ।	६—००
३१९३ भारतीय संस्कृति और इतिहास । स. स. चौधरी	१०—००
३१९४ भारतीय संस्कृति और उसका इतिहास । सत्यकेतु विद्यालंकार	१७—५०
३१९५ भारतीय संस्कृति : गौतम से गांधी तक । भास्करानन्द लोहनी	६—००
३१९६ भारतीय संस्कृति और कला । वाचस्पति गैरोला	१७—५०
३१९७ भारतीय संस्कृति और साधना । गोपीनाथ कविराज । प्रथम भाग	३५—००
३१९८ भारतीय संस्कृति और साहित्यिक संस्कार ।	६—५०
३१९९ भारतीय संस्कृति का इतिहास । डॉ० नरेन्द्रदेव सिंह शास्त्री	५—००
३२०० भारतीय संस्कृति का इतिहास । स्कन्दकुमार	३—००
३२०१ भारतीय संस्कृति का उत्थान । डा० रामजी उपाध्याय	३—७५
३२०२ भारतीय संस्कृति का प्रवाह । डा० कृपाशङ्कर	८—००
३२०३ भारतीय संस्कृति का विकास । डा० मंगलदेव शास्त्री । प्रथम खण्ड-वैदिक धारा १२—०० द्वितीय खण्ड-औपनिषद् धारा १२—००	
३२०४ भारतीय संस्कृति का सङ्क्षिप्त इतिहास । हरिदत्त वेदालङ्कार	५—००
३२०५ भारतीय संस्कृति की प्रागैतिहासिक पृष्ठभूमि । टी. एच. गार्डन	९—५०
३२०६ भारतीय संस्कृति कुछ विचार । डा० सर्वपल्ली राधाकृष्णन्	१०—००

३२०७ भारतीय संस्कृति के मूल तत्व । सत्यनारायण पाण्डेय—डॉ० जोशी	४—५०
३२०८ भारतीय संस्कृति के विस्तार की कहानी । डॉ० भगवतशरण उपाध्याय	२—५०
३२०९ भारतीय सभ्यता तथा संस्कृति का विकास । डॉ० एन० लूनिया	९—००
३२१० भारतीय समीक्षा । डॉ० नगेन्द्र	१७—००
३२११ भारतीय साहित्य और संस्कृति । डॉ० हरिदत्त शास्त्री	१८—००
३२१२ भारतीय साहित्य की रूपरेखा । डॉ० भोलाशंकर व्यास	१०—००
३२१३ भारतीय साहित्य दर्शन । कृष्णलाल हंस	६०—००
३२१४ भारतीय साहित्य दर्शन । राममूर्ति त्रिपाठी	६—५०
३२१५ भारतीय साहित्य शास्त्र । बलदेव उपाध्याय । प्रथम भाग	१५—००
३२१६ भारतीय साहित्यशास्त्र । गणेश त्र्यम्बक देशपाण्डे	१२—५०
३२१७ भारतीय साहित्यशास्त्र और काव्यालंकार । डॉ० भोलाशंकर व्यास । प्रथम भाग	१०—००
३२१८ भारवि काव्य से अर्थान्तरन्यास । डॉ० उमेशप्रसाद रस्तोगी	८—००
३२१९ भाषा । जे० वाङ्गियेज । अनु० डा० जे० के० बलवीर	७—५०
३२२० भाषा । ब्लूम फील्ड । अनु० विश्वनाथ प्रसाद	२०—००
३२२१ भाषाविज्ञान । भारतभूषण 'सरोज'	४—००
३२२२ भाषा विज्ञान ।	४—५०
३२२३ भाषा विज्ञान । कौशिक	१२—००
३२२४ भाषा विज्ञान । डा० कर्ण सिंह	१२—५०
३२२५ भाषा विज्ञान । भोलानाथ तिवारी	१७—००
३२२६ भाषा विज्ञान । मैक्समूलर । अनु० उदयनारायण तिवारी	१७—५०
३२२७ भाषा विज्ञान । श्यामसुन्दर दास	१२—००
३२२८ भाषा विज्ञान की भारतीय परम्परा और पाणिनि । डा० रामदेव-त्रिपाठी	३१—००
३२२९ भाषाविज्ञान की भूमिका । देवे प्रनाथ शर्मा	११—००, १५—००
३२३० भाषा विज्ञान के तत्व । डा० राजनारायण मौर्य	२—७५
३२३१ भाषा विज्ञान पर भाषण । एफ. मैक्समूलर । अनु० जोशी । १-२ भाग	२०—५०
३२३२ भाषा विज्ञान प्रवेश । डा० भोलानाथ तिवारी	४—००
३२३३ भाषा विज्ञान सार । डा० राममूर्ति मेहरोत्रा	६—००
३२३४ भाषा विचार और वास्तविकता । वैजामिन ली व्होर्फ । अनुवादक डा० रामनिवास शर्मा	२७—५०
३२३५ भाषा विश्लेषण । डॉ० मोतीलाल गुप्त	१५—००
३२३६ भोजपुरी संस्कार गीत । स० हंसकुमार निवारी राधावल्लभ शर्मा	२०—००
३२३७ भोजपुरी साहित्य का इतिहास । डॉ० कृष्णदेव उपाध्याय	२०—००
३२३८ मगध का राजनैतिक इतिहास । डा० विन्देश्वरीप्रसाद सिन्हा	-
३२३९ मगही भाषा और साहित्य । डा० सम्पत्ति अर्याणि	२७—५०
३२४० मगही संस्कार गीत । स० डा० विश्वनाथ प्रसाद	६—५०
३२४१ मति सन्धन । डा० गङ्गादत्त शास्त्री 'विनोद'	१६—००
३२४२ मस्यप्रदेश की हिन्दी साहित्य की देन । डॉ० मोतीलाल गुप्त	७—००

३२४३ मधुपर्क । श्री देवीरत्न अरवस्थी 'करील'	१०-००
३२४४ मध्य एशिया तथा चीन में भारतीय संस्कृति । सत्यकेतु विद्यालकार	१७-५०
३२४५ मध्यकालीन भारतीय संस्कृति । डा० गौरीशकर हीराचन्द ओझा	६-००
३२४६ मध्यकालीन भारतीय सभ्यता और संस्कृति । उमाशकर मेहरा	११-००
३२४७ मध्यकालीन राजस्थान में धार्मिक आन्दोलन ।	४०-००
३२४८ मध्य कालीन संस्कृत नाटक । डा० रामजी उपाध्याय	२५-००
३२४९ मध्यकालीन साहित्य में अवतारवाद । कपिलदेव पाण्डेय	४०-००
३२५० मध्यकालीन हिन्दी साहित्य पर बौद्धधर्म का प्रभाव । डॉ० सरला त्रिगुणायत	२५-००
३२५१ मध्यदेश । डा० धीरेन्द्र वर्मा	७-००
३२५२ मध्य भारतीय भाषा चयन । डॉ० वीरमणि प्रसाद उपाध्याय	५-००
३२५३ मध्ययुगीन भारतीय संस्कृति (एक झलक) डा० युसुफ हुसैन	५-००
३२५४ सराठी का भक्ति-साहित्य । प्रो० भी० गो० देशपाण्डे	१०-००, १२-००
३२५५ महिनाथ की परंपरा । रविन्द्र नाथ त्यागी	१२-००
३२५६ महर्षि दयानन्द । यदुवंश सहाय	१८-००
३२५७ महर्षि वेदव्यास । प० उमाशङ्कर दीक्षित	४-५०
३२५८ महाकवि अश्वघोष और उनका काव्य । डॉ० हरिवन्त शास्त्री	५-७५
३२५९ महाकवि कालिदास । डा० रामजी उपाध्याय	१०-००
३२६० महाकवि कालिदास । डा० रमाशंकर तिवारी	२०-००
३२६१ महाकवि वाण । केदारनाथ शर्मा	०-५०
३२६२ महाकविभवभूति । डॉ० गङ्गासागर राय	७-००
३२६३ महाकवि भवभूति और उनका उत्तररामचरित । कृष्णकान्त त्रिपाठी	२-७५
३२६४ महाकवि भामि । डा० नेमिचन्द्र शास्त्री	२२-००
३२६५ महाकवि भास : एक अध्ययन । आचार्य बलदेव उपाध्याय	५-००
३२६६ महाकवि शूद्रक । आचार्य रमाशंकर तिवारी	२०-००
३२६७ महाकवि स्वयंभू । डा० सकठा प्रसाद उपाध्याय	१२-५०
३२६८ महाकवियों की अमर रचनाये । श्रीचक्रधर शर्मा	३-००
३२६९ महाभारतकालीन शिक्षा । डा० नत्थूलाल गुप्त	८-००
३२७० महाभारत तथा पुराणों के तीर्थों का आलोचनात्मक अध्ययन । डा० सरयूप्रसाद गुप्त	१५-००
३२७१ महामना श्री पण्डित मदनमोहनजी मालवीय के लेख और भाषण । भाग प्रथम—धार्मिक । सम्मेलनकर्त्ता वासुदेवशरण अग्रवाल	५-००
३२७२ महामहोपाध्याय स्मारकग्रन्थ (प० प्रभुदत्त शास्त्री)	२०-००
३२७३ सहिभट्ट । डा० ब्रजमोहन चतुर्वेदी	३२-००
३२७४ सट्टा के फूल (कहानी) । डा० सुरेन्द्रनाथ मिश्र 'अग्रम'	४-००
३२७५ सहेजचन्द्र तर्क चूड़ामणि ।	४५-००
३२७६ MY AUTOBIOGRAPHY-A FRAGMENT. By F. Max Muller With Portraits.	60--00
३२७७ MYTHOLOGY OF THE ARYAN NATIONS : By Sir George W Cox	65-00

- ३२७८ Mind and Art of Bhavabhuti by Dr. Vimla Gera. 35—00
- *३२७९ THE MIND AND ART OF VIRGINIA WOOLF.
By Shaheen Warsi. 75—00
- *३२८० MITHILA IN THE AGE OF VIDYAPATI
(C. 1330—1525 A. D A Study in Cultural History)
By Prof Radha Krishna Chaudhary. 100—00
- ३२८१ Mints and Minting in India. By Dr. Upendra
Thakur. 30—00
- ३२८२ मुद्रण कला । छविनाथ पाण्डेय ७—२५
- ३२८३ मुहावरा मीमांसा । डा० ओम प्रकाश गुप्त ६—५०
- *३२८४ मृगया । श्री नन्दन कृत । डा० रेवाप्रसाद द्विवेदी-रायकृष्ण दास ४०—००
- ३२८५ मोहन राकेश और आपाढ़ का एक दिन । २—५०
- ३२८६ युगाराध्य निराला । प० गद्गाधर मिश्र २०—००
- ३२८७ रससिद्धान्त के अनालोचित पक्ष । ब्रजमोहन चतुर्वेदी ४०—००
- ३२८८ Rajputa Polity by A. B. L. Awasthi 15—00
- ३२८९ राजपूताना के सिक्के । वैव ४५—००
- ३२९० राजशेखर और उनका युग । पांडेय रामेश्वर प्रसाद शर्मा १४—००
- ३२९१ राजस्थान में संस्कृत साहित्य की खोज के विषय में एक विशिष्ट
विवरण । श्रीधर रामकृष्ण भण्डारकर ३—००
- ३२९२ राधावल्लभ सम्प्रदाय-सिद्धान्त और साहित्य । डा० विजयेन्द्र स्नातक ४५—००
- ३२९३ रामायण और महाभारत में प्रकृति । डॉ० कान्तिकिशोर भरतिया १०—२५
- ३२९४ रामायणकालीन संस्कृति । शान्तिकुमार नानूराम व्यास ६—००
- *३२९५ रीतिकालीन काव्यशास्त्र और पट्टमनदास । डा० कुवेर राय ३५—००
- ३२९६ रीतिकालीन काव्य पर संस्कृत काव्य का प्रभाव । दयानन्द शर्मा ४५—००
- *३२९७ रीतिकालीन लक्षण ग्रन्थों में भाषा-भूषण का स्थान ।
डा० सावित्री श्रीवास्तव ३०—००
- ३२९८ रूपककार चत्सराज । डा० लक्ष्मणनारायण शुक्ल ४०—००
- *३२९९ Roads to Indian History—A Searchlight to dispel the
Veil of Ignorance of Indian History by Dr. D. S.
Triveda 10—00
- *३३०० LIFE IN MEDIAEVAL ORISSA (Cir A. D.
600—1200) By Dr Ayodhya Prasad Shah. 60—00
- *३३०१ Laryngeal Theory—A Critical Evaluation by Dr.
Satya Swarup Misra 10—00
- ३३०२ THE LICHHAVIS (OF VAISALI). By Dr. Hit
Narayan Jha. 40—00
- ३३०३ Later Hindu Civilization A D. 500 to A. D 1200
(Based on Sanskrit Literature) by R. C. Dutt. 30—00
- ३३०४ Language by L. Bloomfield 16—00

३३०५ लौकिक संस्कृत साहित्य । ए. बी. कीथ (Literature by A. B. Keith का हिन्दी अनुवाद) अनुवादक-श्री चारुचन्द्र शास्त्री	१०—००
३३०६ लौकिक संस्कृत साहित्य का संक्षिप्त इतिहास । मूल लेखकः डा० गौरीनाथ शास्त्री	१०—००
३३०७ Wonder that was India by A. L. Basham	50—00
३३०८ Wazirs of Aurangzeb by C. M. Agrawal	30—00
३३०९ वाकाटक गुप्त युग । मजुमदार-अस्टेकर	१४—००
३३१० वाकाटक राजवंश का इतिहास तथा अभिलेख । डा० वासुदेव विष्णु मिराशी । अनुवादक-डा० अजयमित्र शास्त्री	१५—००
३३११ वाग्विज्ञान । (भाषाशास्त्र) आचार्य सीताराम चतुर्वेदी	३५—००
३३१२ वाराणसी वैभव । कुवेरनाथ शुक्ल	३५—००
३३१३ विक्रमांकदेव चरितस्य साहित्यिक सर्वेक्षणम् । डा० प्रियतम चन्द्र शास्त्री	३०—००
३३१४ विक्रमादित्य । [संवत्-प्रवर्तक] डॉ० राजबली पाण्डेय	१२—००
३३१५ विद्याभूषण-ग्रन्थ-संग्रह-सूची । म० गोपालनागयण बहुरा-लक्ष्मीनारायण गोस्वामी दीक्षित	६—२५
३३१६ विद्या वैजयन्ती निबन्धमाला । केदारनाथ ओझा	३८—००
३३१७ विद्वद्विभूति । संस्कृत के चुने हुए विद्वानों का जीवनचरित	२—५०
३३१८ विधि विज्ञान का स्वरूप । सतीशचन्द्र मिश्र	१५—००
३३१९ Wilson Philological Lectures	40—00
३३२० विविधार्थ । भारतरत्न डॉ० भगवानदास	७—५०
३३२१ विश्वसम्भ्यताओं का इतिहास । डा० राय गोविन्दचन्द्र	१५—००
३३२२ विष्णुधर्मोत्तर में मूर्तिकला । वद्रीनाथ मालवीय	८—००
३३२३ VISNU DHVAJA or QUTB MANAR, By Dr. D S. Triveda	10—00
३३२४ विष्णुपुराण का भारत । डॉ० सर्वानन्द पाठक	२५—००
३३२५ विश्व हिन्दी का भविष्य । नर्मदेश्वर चतुर्वेदी	१२—५०
३३२६ WOMEN IN ANCIENT INDIA. By M E B. Martin	45—00
३३२७ Women in Manu and his Seven Commentators by Dr Ram Mohan Das	40—00
३३२८ वेदकालीन समाज । डॉ० शिवदत्त ज्ञानी	३०—००
३३२९ वैदिक और वेदाङ्ग साहित्य की रूपरेखा । डॉ० रामेश्वर प्रसाद मिश्र	४—००
३३३० वैदिक साहित्य और संस्कृति । वाचस्पति गैरोला	२५—००
३३३१ वैदिक साहित्य का इतिहास (प्रश्नोत्तर रूप में) । सुरेन्द्रदेव	४—००
३३३२ वैदिक साहित्य की रूपरेखा । डा० रसिक विहारी जोशी- डा० जयकिशन प्रसाद खण्डेलवाल	१०—००
* ३३३३ वैष्णव धर्म । आचार्य परशुराम चतुर्वेदी	१५—००
३३३४ वैष्णव, शैव और अन्य धार्मिक मत । आ० जी० भण्डारकर । अनु० महेश्वरी प्रसाद	१०—००

- ३३३५ वैष्णव साधना और सिद्धान्त : हिन्दी साहित्य पर उसका प्रभाव ।
भुवनेश्वर नाथ मिश्र १६—००
- ३३३६ VRATYAS IN ANCIENT INDIA · By Prof. Rudhn
Krishna Choudhary. ३०—००
- ३३३७ व्यञ्जना : सिद्धि और परम्परा । डॉ० कृष्ण कुमार शर्मा १०—००
- ३३३८ व्यञ्जना विमर्श : । डा० रविशङ्कर नागर ६०—००
- ३३३९ व्याकरण की दार्शनिक भूमिका । डॉ० सत्यकाम वर्मा २८—००, ४२—००
- ३३४० व्याकरणिक कोटियों का विश्लेषणात्मक अध्ययन । दीक्षित शर्मा १५—००
- ३३४१ शङ्कराचार्य का मायावाद । भीखनलाल जाधेय १—००
- ३३४२ शङ्करोत्तर अद्वैत वेदान्त से मिथ्यात्व निरूपण । अभेदानन्द शर्मा १२—५०
- ३३४३ शान्त्य श्री सद्र की जीवनी । २—५०
- ३३४४ Santarasa and Abhinava Gupta's Philosophy of Aes-
thetics by J. L. Masson and M. V. Patwardhan 25—00
- ३३४५ ज्ञातिप्रिय द्विवेदी : जीवन और साहित्य । डॉ० मालती रस्तोगी ५०—००
- ३३४६ Siva in Medieval Indian Literature by
Dr. Amal Sarkar 60—00
- ३३४७ शिव कामी की शय्य । रा० कृष्णमूर्ति 'कल्कि' २५—००
- ३३४८ शैवमत । डॉ० यदुवशी ८—००
- ३३४९ SRI AUROBINDO AND THE THEORIES OF
EVOLUTION By Dr. Rama Shankar Srivastava. -60—00
- ३३५० शृङ्गार रस का शास्त्रीय विवेचन । डा० इन्द्रपाल सिंह १०—००
- ३३५१ संत साहित्य का दार्शनिक अध्ययन । श्रीमती रेणुका सिंह २५—००
- ३३५२ SANSKRIT AND PRAKRIT MAHAKAVYAS By
Dr. Ram Ji Upadhyay. 15—00
- ३३५३ Sanskrit Compounds : A Philosophical Study. By
Dr. M Srimannarayana Murti. 75—00
- ३३५४ संस्कृतकविजीवितम् । मलादि-सूर्यनारायण शास्त्री । प्रथम भाग ६—००
- ३३५५ संस्कृत-कवि दर्शन । डा० भोलाशङ्कर व्यास १०—००
- ३३५६ संस्कृत कवियों के व्यक्तित्व का विकास (वाल्मीकि से पंडितराज
जगन्नाथ तक) डा० राधावल्लभ त्रिपाठी २५—००
- ३३५७ संस्कृत कविरत्न । डा० रामजी उपाध्याय १०—००
- * ३३५८ संस्कृत कवि समीक्षा । डा० अमरनाथ पाण्डेय प्रणीत हिन्दी
टीका-टिप्पणी सहित १२—००
- ३३५९ संस्कृत कविता से रोमाण्टिक प्रवृत्ति । डॉ० हरिश्चन्द्र वर्मा २०—००
- ३३६० संस्कृत का ऐतिहासिक एवं संरचनात्मक परिचय ।
डा० देवीदत्त शर्मा २०—००
- ३३६१ संस्कृत का भाषाशास्त्रीय अध्ययन । डॉ० भोलाशङ्कर व्यास १०—००
- ३३६२ संस्कृत काव्यकार । डॉ० हरिदत्त शास्त्री १५—००
- ३३६३ संस्कृत काव्य के विकास में जैन कवि का योगदान । ३०—००
- ३३६४ संस्कृत काव्यधारा । राहुल सांकृत्यायन २०—००

३३६५ संस्कृत काव्य में शकुन । डा० दीपचन्द्र शर्मा	२५—००
३३६६ संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास । पी० वी० काणे । अनुवादक—डॉ० इन्द्रचन्द्र शाली	१५—००
३३६७ संस्कृत काव्य शास्त्र-का इतिहास । डा० सुशील कुमार डे । अनुवादक मायाराम शर्मा । १-२ भाग	२५—००
३३६८ संस्कृत काव्यों में पशु-पक्षी । डा० रामदत्त शर्मा	३२—००
३३६९ संस्कृत के महाकवि और काव्य । डा० रामजी उपाध्याय	८—००
३३७० संस्कृत के विद्वान् और पंडित । श्री रामचन्द्र मालवीय	४—००
३३७१ संस्कृत के सन्देश-काव्य । मेघदूत और उसकी परम्परा का एक अध्ययन । डॉ० रामकुमार आचार्य	२४—००
३३७२ संस्कृत गद्यकार-बाण एक अध्ययन । चुन्नीलाल शुक्ल	५—००
३३७३ संस्कृत गीतिकाव्य का विकास । डॉ० परमानन्द झाखी	१८—००
३३७४ संस्कृत ग्रन्थ सूची । (त्रिवेन्द्रम संस्कृत सीरीज) १-२ भाग	७—००
३३७५ Sanskrit Documents. Being Sanskrit Letters and other Documents Edited by Surendra Nath -Sen	15—00
३३७६ Sanskrit Dramas of the 20th Century by Usha Satya Viat	65—00
३३७७ संस्कृत नाटक । ए० वी० श्रीय । अनुवादक—डॉ० उदयभानु सिंह	२०—००
३३७८ संस्कृत नाटककार । कान्तकिशोर भरतिया	४—५०
३३७९ संस्कृत नाटकालोचन (प्रश्नोत्तर रूप में) चुन्नीलाल शुक्ल	५—००
३३८० संस्कृत नाटक समीक्षा । इन्द्रपाल सिंह इन्द्र	१५—००
३३८१ संस्कृत नाटकों में नायिका भेद । डॉ० सलमा मलहूज	५०—००
३३८२ संस्कृत नाटकों में समाज चित्रण । डा० चित्रा शर्मा	१६—००
३३८३ संस्कृत नाट्यकला । रामलखन शुक्ल	१०—००
३३८४ संस्कृत नाट्य साहित्य । डा० जयकिशन प्रसाद	१०—००
३३८५ संस्कृत नाट्यसिद्धान्त । डॉ० रमाकान्त त्रिपाठी	१२—००
३३८६ संस्कृत पत्रकारिता का इतिहास । डा० रामगोपाल मिश्र	५०—००
३३८७ संस्कृत भाषा । टी० बरो । डॉ० भोलाशंकर व्यास	३५—००
३३८८ संस्कृत भाषा विज्ञान । डा० जयकिशन	२—५०
३३८९ संस्कृत भाषा विज्ञान । डा० राजकिशोर सिंह	१०—००
३३९० संस्कृत-भाषा-विज्ञानम् । आचार्य रामाधीन चतुर्वेदी	७—५०
३३९१ संस्कृत महाकवियों के सन्बन्ध में प्रचलित लोकोक्तियों—एक विश्लेषण । रामचन्द्र झा	२—००
३३९२ संस्कृत महाकाव्य की परम्परा । डॉ० केशवराज मुसलगाँवकर	२५—००
३३९३ संस्कृत में एकांकी रूपक । डा० वीरवाला शर्मा	१४—००
३३९४ संस्कृत वाङ्मय का इतिहास । डॉ० राममूर्ति शर्मा	२—७५
३३ ५ संस्कृत वाङ्मय का विवेचनात्मक इतिहास । डा० सूर्यकान्त	२५—००
३३९६ संस्कृत-वाङ्मय-परिचयः । मधुसूदन प्रसाद मिश्र	३—००
३३९७ संस्कृत वाङ्मय में नेहरू । मधुवाला	१८—००
३३९८ संस्कृत वाङ्मय मौखिकी । डा० गोविन्द त्रिगुणायत	५—००.

३३९९ Sanskrit Wisdom by G R. Josyer	10—00
३४०० संस्कृत व्याकरण का उद्भव और विकास । सत्यकाम वर्मा	३०—००
३४०१ संस्कृत समीक्षा की रूपरेखा । डा० प्रताप नारायण टण्डन	१५—००
३४०२ संस्कृत साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास । डा० सत्यनारायण पाडेय	१०—००
३४०३ संस्कृत साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास । डॉ० नावूराम त्रिपाठी	१२—००
३४०४ संस्कृत साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास । डॉ० रामजी उपाध्याय । १-२ भाग	२२—००
३४०५ संस्कृत साहित्य का इतिहास । सिंहल-कुमार	७—००
३४०६ संस्कृत साहित्य का इतिहास । (प्रश्नोत्तरमें) डॉ० द्वारिकाप्रसाद सक्सेना	५—००
३४०७ संस्कृत साहित्य का इतिहास । वी० वरदाचार्य । अनु. कपिलदेव	५—००
३४०८ संस्कृत साहित्य का इतिहास । आर्थर मैकडॉनल । अनुवादक- श्रीचारुचन्द्र शास्त्री । प्रथम भाग	१०—००
३४०९ संस्कृत साहित्य का इतिहास । डा० राजवश सहाय 'हीरा'	११—००
३४१० संस्कृत साहित्य का इतिहास । सेठ कन्हैयालाल पोद्दार	२४—००
३४११ संस्कृत साहित्य का इतिहास । डॉ० वचनदेव कुमार	२५—००
३४१२ संस्कृत साहित्य का इतिहास (वैदिक साहित्य की रूपरेखा सहित) । श्री हंसराज अग्रवाल	१०—००
३४१३ संस्कृत साहित्य का इतिहास । (बृहत् संस्करण) श्रीवाचस्पति शास्त्री गैरोला	४०—००
३४१४ संस्कृत साहित्य का इतिहास । प० बलदेव उपाध्याय । १-२ भाग	५०—००
३४१५ संस्कृत साहित्य का इतिहास (प्रश्नोत्तर) । जयकिशन प्रसाद	५—५०
३४१६ संस्कृत साहित्य का इतिहास । शिवबालक द्विवेदी-पाण्डेय	८—५०
३४१७ संस्कृत साहित्य का इतिहास (आलोचनात्मक) । राजेश शर्मा-	६—००
३४१८ संस्कृत साहित्य का नवीन इतिहास । कृष्ण चैतन्य । अनुवादक डॉ० विनयकुमार राय	२५—००
३४१९ संस्कृत साहित्य का बृहत् इतिहास (वैदिक वाङ्मय, इतिहास और पुराण) डा० राजवश सहाय 'हीरा' । प्रथम खण्ड	३०—००
३४२० संस्कृत साहित्य का संचिप्त इतिहास ।	२—००
३४२१ संस्कृत साहित्य का संचिप्त इतिहास । वाचस्पति गैरोला	३०—००
३४२२ संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास । डा० कपिलदेव द्विवेदी	१०—००
३४२३ संस्कृत साहित्य का सुबोध इतिहास । प्रो० रामविहाती लाल	३—००
३४२४ संस्कृत साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ । डॉ० गोविन्द शर्मा	१०—००
३४२५ संस्कृत साहित्य की प्रवृत्तियाँ । खडेलवाल-मुसलगाँवकर	७—५०
३४२६ संस्कृत साहित्य की रूपरेखा । चन्द्रशेखर पाण्डेय-नावूरामव्यास	८—७५
३४२७ संस्कृत साहित्य चिन्तन । डा० प्रभु दयाल अग्निहोत्री	२०—००
३४२८ संस्कृत साहित्य में एकांकी रूपक । डा० वीर वाला शर्मा	१४—००
३४२९ संस्कृत साहित्य में तीर्थ भावना का उद्भव तथा विकास । डा० सरयूप्रसाद गुप्त	२—००
३४३० संस्कृत साहित्य में नीतिकथा का उद्भव एवं विकास । डॉ० प्रभाकर नारायण कवठेकर	२५—००

३४३१	संस्कृत साहित्य में मौलिकता एवं अनुहरण । डॉ० उमेशप्रसाद रस्तोगी	१०—००
३४३२	संस्कृत साहित्य में शब्दालङ्कार । डा० रुद्रदेव त्रिपाठी	४०—००
३४३३	संस्कृत साहित्य में सादृश्यमूलक अलंकारों का विकास । डा० ब्रह्मानन्द शर्मा	२०—००
३४३४	संस्कृत साहित्य विमर्श । डॉ० द्विजेन्द्र नाथ शुक्ल	१६—००
३४३५	संस्कृत साहित्येतिहासः (प्रश्नोत्तर रूपः) । नरेश कुमार बक्श	३—२५
३४३६	संस्कृत साहित्येतिहास । ओमप्रकाश सारस्वत	२—५०
३४३७	संस्कृतसाहित्येतिहासः (संस्कृत) आचार्य रामचन्द्र मिश्र	१०—००
३४३८	संस्कृति का दार्शनिक विवेचन । डा देवराज	१२—००
३४३९	संस्कृति के चार अध्याय । रामधारी सिंह 'दिनकर'	३५—००
३४४०	Sanskrit Civilization by G R Gosyer	10—00
३४४१	सचित्र ऋषि कल्पन्यासः । (पण्डितराज राजेश्वरशास्त्री अभिनन्दन ग्रन्थः)	१००—००
३४४२	DR. SATIKARI MUKHERJI FELICITATION VOLUME By Dr. S. Bhattacharya etc.	150—00
३४४३	सत्यशोधनम् । (गांधी जी की आत्मकथा का सुललित एवं सरल संस्कृत में अनुवाद) अनुवादक—प० होसकेरे नागप्प शास्त्री	२५—००
३४४४	साहित्य के प्रेरणास्रोत । परशुराम चतुर्वेदी	२०—००
३४४५	सफल बनिये सम्पन्न बनिये । डा० रतन कुमार जैन	७—५०
३४४६	Some Aspects of Indian Archaeology by V. D. Misra	60—00
३४४७	Some Aspects of Indian Folk Culture by Krishna Deo Upadhyaya	25—00
३४४८	Some Aspects of Indo Iranian Literary and Cultural Traditions by S K. Chatterji—R. N. Dandekar	105—00
३४४९	Some Aspects of the Historical Geography of Surat by V. A. Janaki.	37—50
३४५०	समकालीन दार्शनिक समस्यायें ।	१३—००
३४५१	समकालीन भारतीय दर्शन । लक्ष्मी सक्सेना	१२—००
३४५२	समकालीन भारतीय दर्शन । श्रीमती लक्ष्मी सक्सेना	१४—००
३४५३	समदर्शी आचार्य हरिभद्र । व्याख्याता सुखलाल सघवी । अनुवादक— शान्तिलाल म० जैन	३—००
३४५४	समन्वय । डॉ० भगवानदास	७—५०
३४५५	Some Problems of Indian Literature by M. Winternitz	30—00
३४५६	समसामयिक भारतीय दर्शन । जोशी	१०—००
३४५७	समस्या भाम युवक और युवतियों की । शैलेन्द्रकुमार त्रिपाठी	२—५०
३४५८	Sardar Patel Birth Centenary Volume. Ed. by Maniben Vallabh Bhai Patel. Vols. I-IV	100—00
३४५९	सरल भाषा विज्ञान । मनमोहन गौतम	१५—००

२४०	सूरस्वती भवन स्मृति (मधुगूण-२११, १ वि०. वि०.) ५-१९ भाग	१३३-००
२४१	संस्कृत भारती । डॉ. अश्वपाद कश्यप-प्रणय	५०-००
२४२	समालोचना द्वारा । राजानंद प्रसाद	१३-००
२४३	Survey of Sanskrit Literature by B. K. Chhabra	15-00
२४४	सांस्कृतिक निबन्ध । भवानीदास	५-००
२४५	The Sikas in India and their Impact on Indian life and Culture. By Dr. Vishwa Mitra Mohan.	60-00
२४६	सागरिका । डॉ. राजानंद प्रसाद । १-१० भाग	१५०-००
२४७	सामान्य भाषाविज्ञान । डॉ. राजानंद प्रसाद	२०-००
२४८	सूरस्वत नंदरत्नम् ।	५०-००
२४९	साहित्यी-गण्यशान् । डॉ. राजानंद प्रसाद	२-००
२५०	साहित्य का समाज द्वारा मान्यता और स्थापना । प्रो. राम	१०-००
२५१	साहित्यविषय : । विद्यानाथ मदानाथ	१०-००
२५२	साहित्य-शास्त्र-सार । डॉ. अश्वपाद कश्यप	४-५०
२५३	साहित्यशास्त्रीय तर्कों का प्राचिनतम समालोचनात्मक अध्ययन । डॉ. मधुगूण दाशी	१२-५०
२५४	साहित्यानुशासनम् । आचार्य श्रीमान् चन्द्रसेनी	२०-००
२५५	साहित्यालोक । डॉ. राजानंद प्रसाद 'दीर्घ'	१५-५०
२५६	सिंहों का इतिहास । काननम । डॉ. रामेश्वरदास-द्वारा । वि०. वि०.	१०-००
२५७	सिद्ध भारती । डॉ. विष्णु	१५-००
२५८	सिन्धुघाटी की लिपि में उपनिषद् एवं मारण ।	५-००
२५९	सिन्धु सभ्यता । किरणदामार पण्डित्याल	१५-००
२६०	सिन्धु सभ्यता लिपि रहस्योद्घाटनम् । डॉ. फो. सिद्ध	१५-००
२६१	सिन्धुपूर्व में भारतीय संस्कृति और उसका इतिहास । राजानंद प्रसाद	१५-००
२६२	सुबोध संस्कृत भाषा विज्ञान (प्रदीपन में) । जयकिशन	३-५०
२६३	सुसहस्रभारतम् । पुस्तक रामचन्द्र	४-००
२६४	सूरदास की प्रतिभा । डॉ. भगवतीप्रसाद राय	३५-००
२६५	सामेश्वरकृत-मानसोल्लास : एक सार-इतिहास-अध्ययन । डॉ. शिवशेखर मिश्र	३०-००
२६६	Society & Culture in the Time of Dandin by Dr. Dharmendra Kumar Gupta	44-00
२६७	सौन्दरानन्द : साहित्यिक एवं दार्शनिक गवेषणा । डॉ. अश्वपाद अश्वपाद पाण्डेय 'नरिन'	१५-००
२६८	A Study of Alankaras in Sanskrit Mahakavyas and Khandkavyas by Antonio Binimelis Sagrera	75-00
२६९	Studies in Indian Cultural History Pt I	42-00
२७०	Studies in Indology by V. V. Mirashi Vols I-IV	117-00
२७१	Studies in Ancient Indian Seals	150-00
*२७२	Studies in Gunadhya by Dr. S. N. Prasad	50-00

३४९३	A study of Wittgenstein's Philosophy by D. N. Dwivedi	35—00
३४९४	A Study of Hindu Criminology by Dr. Vasudeva Upadhyaya	65—00
३४९५	STUDIES IN JAINISM AND BUDDHISM IN MITHILA. By Dr. Upendra Thakur.	30—00
३४९६	Studies in Nayak Nayika Bheda	50—00
३४९७	STUDIES IN THE DEVELOPMENT OF ORNAMENTS AND JEWELLERY IN PROTOHISTORIC INDIA . By Dr Rai Govind Chand	150—00
३४९८	A STUDY OF HINDU ART AND ARCHITECTURE. By Dr Laht Kumar Shukla.	125—00
३४९९	Studies in the History and Culture of Nepal by Lallanji Gopal and Thakur Prasad Verma	35—00
३५००	Studies in Vedic and Indo-Iranian Religion and Literature by Dr. Kshetresha Chandra Chattopadhyaya. Vol II	55—00
३५०१	Status Attainment in Rural India	48—00
३५०२	Studies in Hemacandra's Desinamamala	3—00
३५०३	Story of Indian Art by S. K. Bhattacharya	25—00
३५०४	Specimens of English Prose. By Ram Awadh Dwivedi and Shamji Chaubey.	3—50
३५०५	स्मृति के हस्ताक्षर । देवदत्त शास्त्री	५—००
३५०६	स्मृतियाँ और कृतियाँ । श्री शान्तिप्रिय द्विवेदी	५—००
३५०७	स्वच्छन्दतावादी काव्यधारा का दार्शनिक विवेचन । जगदीश गुप्त	६५—००
३५०८	स्वतन्त्र-कलाशास्त्र । डॉ० श्री कान्तिचन्द्र पाण्डेय । प्रथम भाग-भारतीय ५०—०० द्वितीय भाग-पाश्चात्य ५०—००	
३५०९	स्वामी जयराम दास अभिनन्दन ग्रन्थ ।	५—००
३५१०	स्वामी जयराम दासजी का जीवन चरित्र ,	२—००
३५११	स्वामी श्रद्धानन्द : मेरे पिता । इन्द्र विद्या वाचस्पति	१६—००
३५१२	हमारी संस्कृति । डॉ० सर्वपल्ली राधाकृष्णन्	१२—००
३५१३	हमारे आधुनिक कवि और उनकी कविताएँ । व्यथित हृदय	४—५०
३५१४	हरियाणी भाषा का उद्गम और विकास ।	४५—००
३५१५	म० म० हरिहरकृपालु द्विवेदी-विशेषाङ्क ।	२५—००
३५१६	Harsha & His Times By Dr. Bireswar Nath Srivastava.	100—00
३५१७	हस्तलिखित ग्रन्थसूची । (राजस्थान) स० गोपालनारायण बहुरा । १-२ भाग	१९—५०
३५१८	हस्तलिखित ग्रन्थों की सूची (सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय) १-१२ भाग	८६—३७

- ३५१९ हस्तलेखसंग्रह-परितालिका । विश्वबन्धु सम्पादित । १-२ भाग ११०-००
- ३५२० हिन्दी उपन्यास उद्भव और विकास । डा० प्रताप नारायण टण्टन २०-००
- ३५२१ हिन्दी और मराठी का निर्गुण सन्तकाव्य । प्रभाकर मानवे २०-००
- ३५२२ हिन्दी काव्य की सामाजिक भूमिका । डॉ० शम्भुनाथ सिंह १०-००
- ३५२३ हिन्दी के पौराणिक नाटक । डॉ० देवर्षि सनाढ्य शास्त्री १५-००
- ३५२४ हिन्दी के रीतिकालीन अलंकार ग्रन्थों पर संस्कृत का प्रभाव ।
कुन्दनलाल जैन १६-००
- ३५२५ हिन्दी कोश विज्ञान का उद्भव और विकास । सुगेश्वर पाण्डेय १५-००
- ३५२६ हिन्दी तथा आंग्लभाषा के अलंकारों का तुलनात्मक अध्ययन ।
डा० जगदीशदत्त शर्मा ३५-००
- ३५२७ हिन्दी में प्रयुक्त संस्कृत शब्दों में अर्थ-परिवर्तन । डॉ० केशवराम पाल ४०-००
- ३५२८ हिन्दी साहित्य का इतिहास । रामचन्द्र शुक्ल २२-००
- ३५२९ हिन्दी साहित्य का सक्षिप्त इतिहास । रामकुमार वर्मा ४-००
- ३५३० हिन्दी सेवा की सङ्कल्पना (५० श्रीनारायण चतुर्वेदी के कृतित्व की ।
पार्श्वच्छवि) स० विद्यानिवास मिश्र ५०-००
- ३५३१ Hindu India from Original Sources by S.K. Aiyangar 35-00
- ३५३२ A Hindu in America 10-50
- ३५३३ Hindu Temples by Stella Kramrisch Vols I-II 250-00
- ३५३४ हिन्दुओं की प्रबुद्ध रचनाएँ । यि० गोल्डस्टरकर । अनुवादक
श्रीचाराचन्द्र शास्त्री ४-००
- ३५३५ हिन्दुस्तान की पुरानी सभ्यता । डा० बेनीप्रसाद १२-००
- ३५३६ हिन्दू संस्कृति में राष्ट्रवाद । गधाकुमुद मुकर्जी ३-००
- ३५३७ हिन्दू सभ्यता । डा० राधाकुमुद मुकर्जी । अनु० वानदेववरण अग्रवाल १८-००
- ३५३८ History of Indian Literature Vols. III Part I by M.
Winternitz 80-00
- ३५३९ HISTORY OF INDIAN LITERATURE By Albrecht
Weber Translated from the Second German Edition. By
John Mann and Theodor Zachariae 50-00
- ३५४० HISTORY OF ANCIENT SANSKRIT LITERATURE :
By F Max Muller 65-00
- ३५४१ History of Classical Sanskrit Literature by G. N.
Shastri 15-00
- ३५४२ A History of the Samkhya Philosophy-The Sankhya
System by A. B. Keith 20-00
- ३५४३ HISTORY OF MUSLIM RULE IN TIRHUT (1206-
1765 A D) By Prof Radhakrishna Chowdhary. 45-00
- ३५४४ History of Sanskrit Literature by A. A. Macdonell 16-00
- ३५४५ History of Sanskrit Poetics by P. V Kane 25-00
- ३५४६ History and Culture of the Indian People. Edited by
R. C. Majumdar. Vols. I, III, VI-IX & XI 660-00

३५४७ हिस्ट्री पेण्ड पालियोग्राफी आफ मौर्यन ब्राह्मीस्क्रिप्ट्स ।	
डॉ० सी० ए० उपासक	१२—००
३५४८ Historical Mahakavyas in Sanskrit by C. Prabhu	१६—००
३५४९ THE HUNAS IN INDIA. By Dr. Upendra Thakur.	५०—००
३५५० हेमचन्द्राचार्य जीवनचरित्र । अनु०—कस्तूरमल बाँठिया	७—५०

दृष्टान्त-ग्रन्थाः

३५५१ दृष्टान्तदर्पण अर्थात् दृष्टान्त का सागर । रामलक्ष्म पाण्डेय	५—००
३५५२ दृष्टान्त दिग्दर्शन । माधवाचार्य शास्त्री	१०—००
३५५३ दृष्टान्तमहासागर ।	४—००
३५५४ दृष्टान्त सरित्सागर ।	८—५०
३५५५ दृष्टान्त सरोवर । आत्माराम शर्मा	४—००
३५५६ बृहत दृष्टान्त सागर । सन्त राम संत	८—२५
३५५७ बृहद् दृष्टान्त सागर । रामजी शर्मा	५—००
३५५८ महादृष्टान्तसागर । हनुमान प्रसाद	१८—००

ज्योतिष-ग्रन्थाः

३५५९ अङ्क और आप । आर. एस. एस. राजस्थानी	३—००
३५६० अंकगणित बीजगणितम् ।	२—१०
३५६१ अङ्क ज्योतिष । डा० नारायण दत्त श्रीमाली	४—००
३५६२ अङ्क ज्योतिष विज्ञान ।	१२—००
३५६३ अङ्क दीपिका । डा० नारायण दत्त श्रीमाली	४—००
३५६४ अङ्कण शास्त्रम् ।	२—५०
३५६५ अङ्क विज्ञान एवं अङ्क ।	८—००
३५६६ अङ्क विद्या । राजेश दीक्षित	१२—००
३५६७ अंगविज्ञा । पुन्वायरियविरइया [मणुस्सविविहचेट्टाइगिरिकखणदारेण । भविस्साइफलणाणविण्णाणरूवा] मुनिपुण्यविजय सम्पादित	२१—००
३५६८ अखण्ड त्रिकालज्ञ ज्योतिष । भगवानदास मीतल	६—००
३५६९ अखण्ड भाग्योदयदर्पण (धनोपार्जन चमत्कार) भगवानदास मीतल	४—००
३५७० अध्यात्मज्योतिषविचार । ह ने काटवे	१५—००
३५७१ अनिष्ट ग्रह कारण और निवारण । जगन्नाथ भसीन	८—००
३५७२ अयनांश निर्णयः । केतकर रचित	२—००
३५७३ अर्ध मार्तण्ड । मुकुन्द बल्लभ	१२—००
३५७४ अर्वाचीनज्योतिर्विज्ञानम् । रमानाय सहाय विरचित	१३—००
३५७५ अवकलन गणित । डा० ब्रजमोहन	१८—००
३५७६ अहिबलचक्रम् । हिन्दी टीका सहित	१—५०
३५७७ आप और आपकी राशि । केवलानन्द जोशी	६—००
३५७८ आपका भविष्य । भृगुजी	१५—००
३५७९ आपका भाग्य और जीवन ।	१५—००
३५८० आपका हाथ । राजेश दीक्षित	१५—००

३५८१ आपकी आयु और भविष्यवाणी । राजेश दीक्षित	६—००
३५८२ आयुनिर्णय भाग्य । राजेश दीक्षित	१५—००
३५८३ आर्यभटीयम् । व्याख्योपपत्ति-उल्लेख मिश्र कृत हिन्दी टीका सहित	८—००
३५८४ आर्य भट्टीयम् । नीलकण्ठ सोमसुत्व प्रणीत भाष्य सहित । १-३ भाग	२७—००
३५८५ आर्यासप्ततिः । भट्टोत्पल प्रणीत । हिन्दी टीका सहित	०—३१
३५८६ आशुबोध ज्योतिष	१—००
३५८७ आश्चर्यजनक प्रश्नावली । कैलाशनाथ उपाध्याय	२—००
३५८८ उद्बुदाय-प्रदीप-लघुपाराशरी भाष्य । मुकुन्द वल्लभ	६—००
३५८९ उत्तर कालामृत । कालिदास कृत	१२—००
३५९० एक दिन में ज्योतिषी । १-२ भाग	२—००
३५९१ एक मास में ज्योतिष सीखिये । डा० गौरीशंकर कपूर	८—००
३५९२ करणकौस्तुभः । कृष्णदैवज्ञ विरचित	१—००
३५९३ करणप्रकाशः । श्रीब्रह्मदेव विरचित	१०—००
३५९४ करणामृतम् । चित्रभानुकृत । सव्याख्या	६—००
३५९५ कर्मविपाकः । हिन्दी टीका सहित	११—००
३५९६ कालचक्र । दीवान रामचन्द्र कपूर	८—००
३५९७ कालचक्र की उत्पत्ति एवं उत्पन्न क्रमों की संहित व्याख्या । प० राजेश्वर झा	६—००
३५९८ काल पञ्चाङ्ग विवेक । सीताराम झा	३—५०
३५९९ कुडली दर्पण । जगन्नाथ	१२—००
३६०० कुंडली दर्पण । डा० नारायण दत्त श्रीमाली	४—००
३६०१ कुट्टाकारशिरोमणि । देवराज विरचित । महालक्ष्मी मुक्तावली व्याख्या	१—२५
३६०२ कृषिपाराशरः । आगलानुवाद सहित	७—५०
३६०३ केरलीय ज्योतिष । डा० गौरीशंकर कपूर	८—००
३६०४ केरल ज्योतिषशास्त्र । रामगोपाल शास्त्री	१२—००
३६०५ खेटकौतुकम् । हिन्दी टीका सहित	०—४०
३६०६ गणित का इतिहास । डा० ब्रजमोहन	९—५०
* ३६०७ गणितकौमुदी । पं० गणपति देव शास्त्री कृत । द्वितीय भाग	२—५०
३६०८ गणितकौमुदी । नारायण पण्डित विरचित । द्वितीय भाग (संस्कृत)	२—५०
३६०९ गणितसार संग्रह । महावीराचार्य विरचित । हिन्दी अनुवाद सहित	१२—००
३६१० गणितीयकोष । डॉ० ब्रजमोहन	१५—००
३६११ गणितीय सांख्यिकी का प्रथम पाठ्यक्रम । सी. ई. वेदरवर्न । अनु० जे. पी. जायसवाल	९—००
३६१२ गुरुविचार । ह० ने० काटवे । अनुवादक विद्याधर जोहरापुरकर	४—००
३६१३ गृहनिर्माणव्यवस्था । हिन्दी टीका सहित	२—००
३६१४ गृहरत्नभूषणम्-नूतनवास्तु प्रबंधः । रामेश्वर दत्त शर्मा कृत	२—५०
३६१५ गृहरत्नभूषण (वस्तुसंग्रह) हिन्दी टीका सहित	३—००
३६१६ गोचर विचार । जगन्नाथ भसीन कृत	६—००
३६१७ गोचर विचार । ह० ने० काटवे	४—५०
३६१८ गोलद्वय प्रश्न विमर्श ।	१०—००

३६१९ गोलपरिभाषा । शङ्कज्याक्षेत्रविचार । तत्त्वप्रकाशिका-विवृति	०—७५
३६२० गोलसार । नीलकण्ठ सोमयाजी कृत	६—००
३६२१ गोलीय त्रिकोणमिति । डॉ० पी० डी० कठल	१०—००
३६२२ गोलीय रेखागणित । मीठालाल ओझा	२—५०
३६२३ गौरी जातक । विमला हिन्दी टीका सहित	०—७५
३६२४ ग्रहगणित मीमांसा । डा० मुरारिलाल शर्मा विरचित	५—५०
३६२५ ग्रहगोचरः । हिन्दी टीका सहित	१—००
३६२६ ग्रह गोचर ज्योतिषसार ।	१—००
३६२७ ग्रहगन्यायदीपिका । परमेश्वरविरचिता । आंग्लानुवाद सहित	९—००
३६२८ ग्रहगणमण्डनम् । परमेश्वरविरचितम् । आंग्लानुवाद सहित	७—००
३६२९ ग्रह नक्षत्र । डॉ० सम्पूर्णानन्द	१५—२५
३६३० ग्रहफलदर्पण । सीताराम झा । हिन्दी टीका सहित	४—००
३६३१ ग्रहलाघव करणम् । मल्लारि संस्कृत-डा० रामचन्द्र पाण्डेय कृत मङ्गला हिन्दी टीका सहित । १-२ भाग	३३—३०
* ३६३२ ग्रहलाघवम् । गणेश दैवज्ञ कृत । विश्वनाथकृत प्राचीन सोदाहरण व्याख्या तथा श्री युगेश्वर झा कृत नूतन उदाहरण उपपत्ति सहित 'माधुरी' नामक संस्कृत हिन्दी टीका विभूषित	यन्त्रस्थ
३६३३ ग्रहलाघवम् । सीताराम झा कृत टीका सहित	१५—००
३६३४ ग्रहलाघवसारणी	२—६२
३६३५ घावभण्डरी की कहावतें । भाषा टीका सहित	३—००
३६३६ चन्द्रकलानाडी । जगन्नाथ भसीन	६—००
३६३७ चन्द्रच्छाया गणितम् । नीलकण्ठ सोमयाजि विरचित	१०—००
३६३८ चन्द्रविचार । ह० ने० काटवे । अनुवादक—विद्याधर जोहरापुरकर	४—००
३६३९ चमत्कारचिन्तामणिः । हिन्दी टीका सहित	१—००
३६४० चमत्कार चिन्तामणि । भट्ट नारायण कृत । हिन्दी टीका सहित	३५—००
३६४१ चमत्कार ज्योतिष सूक्तगुप्त प्रश्नावली । रतीराम शर्मा शास्त्री	३—००
३६४२ चमत्कारी रघुनाथ ज्योतिष । रघुनाथ सिंह अकेला	५—००
३६४३ चलन कलन-प्रश्नोत्तर-विवरणम् । श्री अच्युतानन्द मा कृत	२—००
* ३६४४ चापीयत्रिकोणगणितम् । श्री नीलाम्बर झा कृत । पं० श्री अच्युतानन्द मा कृत परीक्षोपयुक्त-विविध-वासना-समलंकृत	५—००
३६४५ सुने हुए ज्योतिष योग । जगन्नाथ भसीन	६—००
* ३६४६ जन्मकुण्डली के बेल बूटेदार पत्र । प्रतिपत्र ०—१५, सैकडा	१५—००
३६४७ जन्मकुण्डली निर्माण और अध्ययन । भारतीय योगी	३—००
३६४८ जन्मकुण्डली हो न हो ।	१०—००
* ३६४९ जन्मपत्रदीपकः । प० विन्ध्येश्वरी प्रसाद द्विवेदी कृत सोदाहरण सटिप्पण हिन्दी टीका सहित	३—५०
३६५० जन्मपत्री रचना । डा० नारायण दत्त श्रीमाली	४—००
३६५१ जन्माक्षर ।	१—००, १—५०

- ३६५२ जयपायड निमित्तशास्त्र । पूर्वाचार्य विरचित । संस्कृत व्याख्या सहित ६—६०
- ३६५३ जातकचन्द्रिका । हिन्दी टीका सहित १—८७
- ३६५४ जातकदीपक । प्रथम भाग । बालमुकुन्द त्रिपाठी ३५—००
- * ३६५५ जातकपारिजातः । पं० मातृप्रसाद पाण्डेय कृत (सचित्रः)
वैद्यनाथ कृत । प० कपिलेश्वर चौधरी कृत सोपपत्तिक-
'सुधाशालिनी' 'विमला' संस्कृत-हिन्दी टीका द्वयोपेतः यन्त्रस्थ
- ३६५६ Jataka Parijata of Vaidyanatha Dikshita. With English
Translation by V. S. Sastri Vol. I. 30—00
- ३६५७ जातकसारदीपः । नृसिंहदेवश विरचित । दुर्घटाथं विद्युति व्याख्यायुत १४—००
- ३६५८ जातकादेशमार्ग-चन्द्रिका । गोपेशकुमार ओझा कृत हिन्दी टीका १०—००
- ३६५९ जातकाभरणम् । श्री अच्युतानन्द झा कृत विमला हिन्दी टीका १४—००
- * ३६६० जातकालंकार । गणेश देवज्ञ कृत । हरभानु शुक्ल कृत संस्कृत
टीकायुत श्री दीनानाथ झा कृत सान्धय 'भाववोषिनी' हिन्दी
टीका सहित ४—००
- ३६६१ जीवनफल दर्पण । कैलाशनाथ उपाध्याय २—००
- ३६६२ जीवनरेखा । राजेश दीक्षित ८—२५
- ३६६३ जीवनरेखा ज्ञान (भाग्यदर्शन) रामेश्वर अज्ञात २—००
- ३६६४ जैमिनीयपद्यामृतम् । मूल कन्दली वृत्ति सहित ३—००
- ३६६५ जैमिनीयसूत्रम् । सीताराम झा कृत तत्त्वादर्थ संस्कृत हिन्दी टीका ५—००
- ३६६६ जैमिनीयसूत्रम् । अच्युतानन्द झा कृत विमला-संस्कृत हि टी. ६—००
- ३६६७ ज्ञानचतुर्विंशती । नरचन्द्रोपाध्याय विरचिता १—५०
- ३६६८ ज्योतिर्गणितम् । केतकर विरचित ३०—००
- ३६६९ ज्योतिर्मामांसा । नीलकण्ठ सोमयाजि विरचित १५—००
- ३६७० ज्योतिर्विज्ञान (ब्रह्माण्डपरिचय) भास्करानन्द लोहनी १—५०
- ३६७१ ज्योतिर्विज्ञानम् । अ० सोमयाजी धूलिपाल विरचित ९—००
- ३६७२ ज्योतिष और आपकी आर्थिक स्थिति । ८—२५
- ३६७३ ज्योतिष और आर्थिक समस्याएँ । भारतीय योगी लिखित ३—२५
- ३६७४ ज्योतिष और ग्रहपीडा निवारण । राजशेखर लिखित ४—००
- ३६७५ ज्योतिष और जन्मलग्न । भारतीय योगी ३—५०
- ३६७६ ज्योतिष और रोग । जगन्नाथ मसीन ६—००
- ३६७७ ज्योतिष और रोग । डा० हरिकृष्ण छेंगाणी ५—००
- ३६७८ ज्योतिष की पहुँच । फ्रेड हॉयल । अनुवादक-डॉ० गोरखप्रसाद १०—००
- ३६७९ ज्योतिषचन्द्रिका । गंगाप्रसाद कृत हिन्दी टीका सहित १—००
- ३६८० ज्योतिष जगत् । दुर्गादत्त शर्मा २—५०
- ३६८१ ज्योतिष तत्त्वप्रकाश । लक्ष्मीकान्त कन्याल । हिन्दी टीका सहित ३०—००
- ३६८२ ज्योतिष धन सम्पत्ति और परिवार । जगन्नाथ ८—२५
- ३६८३ ज्योतिषप्रबोध । प० गणेशदत्त पाठक कृत हिन्दीटीका सहित ३—००
- ३६८४ ज्योतिष-प्रश्नफल-गणना । (ज्योतिषक्रम-राशिचक्रम्) 'विमला'
हिन्दी व्याख्योपेत । श्री दयाशंकर उपाध्याय २—००

३६८५ ज्योतिष मकरन्द । भास्करानन्द लोहनी	६—००
३६८६ ज्योतिष योग । डा० नारायणदत्त श्रीमाली	३—५०
३६८७ ज्योतिष योग चन्द्रिका । डा० नारायणदत्त श्रीमाली	४—००
३६८८ ज्योतिष योग दीपिका । डा० नारायणदत्त श्रीमाली	४—००
३६८९ ज्योतिष योग-रत्नाकर । राजशेखर लिखित	५—३५
३६९० ज्योतिषपरब्रह्ममाला । श्रीपति भट्ट कृष्ण । मराठी टीका सहित	१२—००
३६९१ ज्योतिषविज्ञान । विशुद्धानन्द नौट	१२—००
३६९२ ज्योतिषशिखा । (सचित्र) बी० एल० ठाकुर । प्रारम्भिक ज्ञान खण्ड	९—००,
फलित खण्ड १-३ भाग ८४—००, गणित खण्ड १-२ भाग	३५—००
वर्षफल खण्ड २५—०० प्रश्नज्ञान खण्ड	२५—००
३६९३ ज्योतिषसर्वसङ्ग्रहः । हिन्दी टीका सहित	६—००
३६९४ ज्योतिषसिद्धान्तसंग्रहः । तत्र सोमसिद्धान्त- ब्रह्मसिद्धान्तः पितामहसिद्धान्तः ऋद्धवशिष्टसिद्धान्तश्च	१२—००
३६९५ ज्योतिष सीखिप् । (एक मास में) भूनिधि शर्मा	८—००
३६९६ ज्योतिष नवनीत (होरागणित) भास्करानन्द लोहनी	३०—००
३६९७ ज्योतिष रहस्य । जगजीवनदास गुप्त अज्ञात । गणित खण्ड	५—००,
फलित खण्ड	१२—००
३६९८ ज्योतिष शास्त्र में स्वर विज्ञान का महत्त्व । केदारदत्त जोशी	३—००
३६९९ ठोसज्यामिति । डा० ब्रजमोहन	१—५०
३७०० ठोस ज्यामिति की कुंजी । डॉ० ब्रजमोहन	१—५०
३७०१ ठोस रेखागणित । कमलमोहन	२—००
३७०२ तन्त्रसंग्रहः । नीलकण्ठ सोमयाजि कृत । युक्ति दीपिका लघु विवृति व्याख्या द्वयोपेत	५०—००
३७०३ तन्त्रसंग्रहः । गार्ग्य केरल नीलकण्ठ सोमसुत्व विरचित । शंकर वारियार कृत लघु विवृति सहित	५—००
३७०४ ताजिकनीलकण्ठी । 'जलदगर्जना' संस्कृतटीकया 'गूढग्रन्थिमोचनी' वासनया 'उदाहरणचन्द्रिका' हिन्दी टीकया च सहिता	१५—००
३७०५ ताजिकनीलकण्ठी । सीताराम झा कृत गूढार्थप्रकाशिका संस्कृत हिन्दी	१५—००
३७०६ ताजिक नीलकण्ठी । वासुदेव गुप्त ज्योतिषी कृत टीका सहित	१४—००
३७०७ तिथि चिन्तामणि. । गणेश दैवज्ञ कृत । विश्वनाथ कृत व्याख्या, विष्णुदैवज्ञ कृत सुबोधिनी व्याख्या सहित	५—००
३७०८ तेजीमन्दी विचार	२—५०
३७०९ तेजी मन्दी सहा । रघुनाथ सिंह	५—००
३७१० तेजीमन्दीसार । (व्यापार रुख) रतीराम शर्मा शास्त्री	३—००
३७११ त्रिकोणमिति । राजेन्द्र स्वरूप गुप्त	६—००
३७१२ त्रिकोणमिति । शुक्रदेव पाण्डेय । हिन्दी	६—००
३७१३ त्रिफला । गोपेशकुमार ओझा कृत हिन्दी टीका सहित	८—००
३७१४ दशाफल रहस्य । जगन्नाथ भसीन	१०—००
३७१५ दशाफल विचार । जगजीवन दास	१०—००
३७१६ दीपिका-शुद्धिदीपिका । हिन्दी टीका सहित	५—२५

३७१७	द्विसद्वपञ्चाङ्गनिर्माणपद्धतिः । गणपतिदेव शास्त्री विरचित	६—००
३७१८	दृग्गणितम् । परमेश्वर कृत । के० वी० शर्मा संपादित	८—००
३७१९	देवकेरलम् । (चन्द्रकलानाडी) अच्युत प्रणीत । २-३ भाग	१२—५०
३७२०	दैवज्ञवह्नमः । हिन्दी टीका सहित	१—३०
३७२१	दैवज्ञाभरणम् ।	६—२५
३७२२	द्वान्त्रिंशद्योगावली ।	०—३५
३७२३	द्वादश ग्रह फलादेश विज्ञान ।	९—००
३७२४	धराचक्रः । हिन्दी टीका सहित	०—५०
३७२५	धराभ्रमम् । प० सुधाकर द्विवेदी विरचित । सव्याख्या	०—५०
३७२६	धीकोटिदकरणम् । श्रीपतिप्रणीत । आंग्लानुवाद सहित	५—००
३७२७	नक्षत्रलोक । गुणाकर मुले	७—००
३७२८	नक्षत्रविज्ञान । वेंकटेश वापूजी केनकर (मराठी)	४—००
३७२९	Natal Chart from the Palm by R. G. Rao	10—00
*३७३०	नरपतिजयचर्यास्वरोदयः । श्रीनरपति कवि कृत । पं० गणेशदत्त पाठक कृत 'सुबोधिनी' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित	२०—००
३७३१	नान शिरोमणि टीका ।	१—५०
*३७३२	नारदीयसंहिता । नारदमुनिप्रोक्त	यन्त्रस्थ
३७३३	नाह्निदन्तपञ्चविंशतिका । हिन्दी टीका सहित	०—३०
३७३४	नियामक ज्यामिति । १-२ भाग । डा० ब्रजमोहन । हिन्दी	६—००
३७३५	नीहारिकाएँ । डा० गोरख प्रसाद	४—२५
३७३६	पञ्चसिद्धान्तिका । वाराहमिहिर विरचित । सुधाकर द्विवेदी कृत व्याख्या-जी० थिवो कृत आङ्ग्लानुवाद सहित	५०—००
३७३७	पञ्चाङ्गमञ्जूषा । हिन्दी टीका सहित	१—००
३७३८	पञ्चाङ्गविज्ञानम् । सरल हिन्दी टीका सहित	१—००
३७३९	पत्रीमार्गप्रदीपिका । वर्षदीपक । महादेव कृष्ण हिन्दी टीका सहित	५—००
३७४०	पद्मकोषः । भावबोधिनी सरल हिन्दी टीका विभूषित	०—७५
३७४१	परबलयक्षेत्रम् । श्रीमुरलीधरठकुरकृतम् । प्रश्नपत्रसहितम्	१—००
३७४२	पवनपुत्रप्रश्नभास्कर ।	६—००
३७४३	पाश्चात्य ज्योतिष । जगन्नाथ मसीन	६—००
३७४४	प्रतापोदय सरल ज्योतिष विज्ञान । पं० मदनमोहन जैन	१—५०
३७४५	प्रतिभावोधकम् । श्रीगङ्गाधरमिश्रकृत टीका सहित	१—६०
३७४६	प्रभाव रेखाएँ । राजेश दीक्षित	१५—००
३७४७	प्रश्नचन्द्र प्रकाश । चन्द्रदत्त पन्त	७—००
३७४८	प्रश्न चमत्कार ।	५२—००
३७४९	प्रश्नज्ञान । मट्टोत्पलाचार्यकृत । आंग्ल-हिन्दी टीका सहित	१०—००
३७५०	प्रश्न ज्योतिष और भाग्यफल । राजेश दीक्षित	६—००
३७५१	प्रश्नज्योतिषशास्त्र ।	१—५०
३७५२	प्रश्नदर्पण ।	६—००
३७५३	प्रश्नप्रकाश । पं० राजाराम ज्योतिषी	०—६०

३७५४ प्रश्नप्रकाश । हिन्दी टीका सहित	१—५०
३७५५ प्रश्नभूषणम् । विमला-सरला संस्कृत हिन्दी टीका सहित	३—५०
३७५६ प्रश्नमार्ग । आंग्ल हिन्दी टीका सहित	२५—००
३७५७ प्रश्नविद्या । वादरायण कृत । भट्टोत्पल कृत व्याख्या सहित	३—००
३७५८ प्रश्नसिन्धु । वासवानन्द कृत । हिन्दी टीका सहित	२—००
३७५९ प्रश्नाङ्कचूडामणिः—ध्वजादिप्रश्नगणनाश्च	०—५०
३७६० प्रश्नायनम् । पुरुषोत्तम कविकृत । सव्याख्या	७—५०
३७६१ प्रश्नावली शतक । कैलाशनाथ उपाध्याय	१—००
३७६२ प्रस्तारचक्रम् । श्रीशिवप्रणीत । कमला हिन्दी टीका सहित	०—३०
३७६३ प्रारम्भिक कलन । डा० ब्रजमोहन । हिन्दी	४—५०
३७६४ प्रारम्भिक ज्योतिष विज्ञान ।	६—५०
३७६५ फलदीपिका । गोपेशकुमार ओशा कृत हिन्दी टीका सहित	२२—००
३७६६ फल प्रकाश । पं० राजाराम ज्योतिष	०—७५
३७६७ फलित और भाष ।	२—००
३७६८ फलित ज्योतिष । घनश्याम शर्मा	६—००
३७६९ फलित ज्योतिष प्रकाश । जगन्नाथ	१२—००
३७७० फलित ज्योतिष विवेचनात्मक बृहत्पाराशर समीक्षा । डा० गीस्वामी गिरिधारी लाल	३८—००
३७७१ फलित मार्तण्ड । मुकुन्द वल्लभ	१६—००
३७७२ फलितसूत्र । जगन्नाथ मसीन	६—००
३७७३ बालबोध ज्योतिषसार समुच्चय । शास्त्री यशदत्त दुर्गाशङ्कर ठक्कर	१०—००
* ३७७४ बीजगणितम् । भास्कराचार्य -कृत । श्रीजीवनाथदेवज्ञविरचित 'सुबोधिनी' संस्कृतटीका तथा नूतन उपपत्ति—उदाहरण परिशिष्ट	
'विमला' हिन्दी टीका युक्त । संपादक—श्रीअच्युतानन्द झा	ग्रन्थस्थ
३७७५ बीजगणित । डा० राजकुमार	७—५०
३७७६ बीजगणितम् । बीजनवाङ्मुरा व्याख्या सहित	३—७५
३७७७ बीजगणित । डा० झम्मन लाल शर्मा	३—५०
३७७८ बीजपञ्चवम् । (बीजगणित व्याख्या) कृष्णगणक विरचित	३—५०
३७७९ बुधविचार । ह० ने० काटवे । अनुवादक—विद्याधर जोहरापुरकर	४—००
३७८० बृहद्यवनजातकम् । मीनराज कृत । स० डेविड पिंगरे । १-२ भाग	१५८—००
३७८१ बृहज्जातकम् । पं० रामरत्न अवस्थी कृत हिन्दी टीका सहित	११—००
६७८२ बृहज्जातकम् । भट्टोत्पली संस्कृत-सीताराम झा कृत हिन्दी टीका	२०—००
३७८३ बृहज्जातकम् । अच्युतानन्द झा कृत हिन्दी टीका	१०—००
३७८४ बृहज्ज्योतिषसारः । हिन्दी टीकासहित ।	१०—००
* ३७८५ बृहत्पाराशरहोराशास्त्र । पराशर मुनि विरचित । पं० देवचन्द्र झा कृत सूधा हिन्दी टीका विमर्श सहित	३५—००
३७८६ बृहत्विशाल सामुद्रिक विज्ञान । राजेश दीक्षित	१३१—००
३७८७ बृहत्संहिता । 'विमला' हिन्दी टीका सहित	३०—००
३७८८ बृहत्संहिता । बराह मिहिर विरचित । भट्टोत्पली संस्कृत टीका सहित । स० अवध विहारी त्रिपाठी । १-२ भाग	३८—००

३७८९ बृहत्-होडाचक्रविवरणम् । हिन्दी टीका सहित ।	१—००
३७९० बृहद् विशाल सामुद्रिक विज्ञान ।	१५०—००
३७९१ बृहद्यवनजातकः । हिन्दी टीका सहित	३—७५
*३७९२ बृहद्वक्त्रहोडाचक्रम् अर्थात् प्राथमिक ज्योतिषम् । 'हंमसुधिका' हिन्दी व्याख्या तथा भूमिका सहित । न्याय वाक्यार श्यामदेव द्या	२—००
३७९३ बृहद्वास्तुमाला । रामनिहोम द्विवेग चण । हिन्दी टीका सहित	८—००
३७९४ बृहद् हस्तरेखा शास्त्र । टी० नारायणराव श्रीमानी	१८—००
३७९५ ब्रह्मसिद्धान्त । राममूर्तय भोसा री म । गोविन्द शर्मा न टीका सहित व्याख्या सहित	१२—००
३७९६ ब्राह्मस्फुटसिद्धान्तः । महागुप्ताचार्ये विरचित । मूलभाष	६०—००
३७९७ ब्राह्मस्फुटसिद्धान्तः । महागुप्ताचार्ये विरचित । मूलभाष-हिन्दी टीका- वासना-विज्ञान भाष्य सोपपत्ति सहित । १-४ भाग	३००—००
३७९८ भाग्य और आकृति विज्ञान ।	३—२५
३७९९ भाग्य रेखा । राजेश दीक्षित	८—२५
३८०० भाग्यरेखायें ।	३—५०
३८०१ भाग्यवानों की कुण्डलियों ।	५—००
३८०२ भाग्य-रेखानिरूपणम् ।	१—५०
३८०३ भारतीय अङ्क पद्धति की कहानी । गुणाकर मुले	१२—००
३८०४ भारतीय ऋतुविज्ञान । भास्करानन्द लोहनी	४—५०
३८०५ भारतीय कुण्डली विज्ञान । हिन्दी	१२—००
३८०६ भारतीय ज्योतिष । टी० नारायण दत्त श्रीमाली	४—००
३८०७ भारतीय ज्योतिष । शंकर बालकृष्ण दीक्षित । अनु० शिवनाथ शारंगण्डी	८—००
३८०८ भारतीयज्योतिष । नेमिचन्द्र शास्त्री कृत । हिन्दी	१८—००
३८०९ भारतीय ज्योतिष, अङ्कविद्या, हस्तरेखायें व छाटरी । राजेश दीक्षित	८—२५
३८१० भारतीय ज्योतिष का इतिहास । टी० गोमयप्रसाद	६—००
३८११ भारतीय लग्न-सारिणी । गोपेश कुमार भोक्षा	८—००
३८१२ भावकुतूहलम् । सान्वय हिन्दी टीका सहित	१३—००
३८१३ भावदीपिका । श्री भास्कराचार्य कृत	६—००
३८१४ भावप्रकाशः । जीवनाथ देवज्ञ । हिन्दी व्याख्या सहित	२—५०
३८१५ भावफलाध्यायः (लोमशोक्त-भृगुसंहितोक्त) हिन्दी टीका	०—७५
३८१६ भाष विचार । इ० ने० काटवे । अनु० विद्याधर जोहरापुरकर	४—५०
३८१७ भावार्थरत्नाकर । रामानुजाचार्य कृत	१०—००
३८१८ भावेश विचार । इ० ने० काटवे । अनु० विद्याधर जोहरापुरकर	५—००
३८१९ भुवनदीपक । पञ्चप्रभुसूरी कृत । विज्ञान भाष्य सहित	८—००
३८२० भू मण्डलीय सूर्यग्रह गणितम् । केतकर विरचित	८—००
३८२१ भृगु गुप्ता प्रश्नोत्तरी । हरिराम शर्मा	१२—००
३८२२ भृगुप्रश्न शिरोमणि । रामगोपाल शास्त्री	१२—००
३८२३ भृगु मूक गुप्ता प्रश्नोत्तरी । राम गोपाल शास्त्री	१२—००
३८२४ भृगुमूक प्रश्नदीपिका ।	१२—००
३८२५ भृगुसंहिता पद्धति । भगवानदास भीतल	१५—००

३८२६	भृगुसंहिता फलित प्रकाश । राजेश दीक्षित	५१—००
३८२७	भृगुसंहिता-फलित सर्वाङ्ग-दर्शन । भगवान दास मीतल	२४—००
३८२८	मङ्गलविचार । ह० ने० काटवे । अनुवादक—विधाधर जोहरापुरकर	४—००
३८२९	महाभास्करीयम् । गोविन्दभाष्य तथा परमेश्वर कृत व्याख्या सहित	११—००
३८३०	महिलायें और ज्योतिष । परमानन्द शर्मा 'नन्द'	६—००
३८३१	मस्तक रेखा । राजेश दीक्षित	८—२५
३८३२	महादशा विज्ञान ।	५—७५
३८३३	मानसागरी । अनूप मिश्र कृत हिन्दी टीका सहित	१६—००
३८३४	मानसागरी । 'सुबोधिनी' हिन्दी व्याख्या सहित । सं० मधुकान्त झा	२८—००
३८३५	मायावर्ग । डा० मजमोहन । हिन्दी	२—००
३८३६	मुकुन्दपद्धतिः ।	१—००
३८३७	मुहूर्तकल्पद्रुमः । विट्ठल दीक्षित विरचित	२—००
३८३८	मुहूर्त गणपति ।	२—६२
३८३९	मुहूर्तचिन्तामणि । प० रामरत्न अवस्थी कृत टीका सहित	७—००
३८४०	मुहूर्तचिन्तामणिः । कपिलेश्वरशास्त्रि मणिप्रभा—हिन्दीटीका सहित	१०—००
३८४१	मुहूर्त ज्योतिष शास्त्र । राजेश दीक्षित	१२—००
३८४२	मुहूर्तपारिजातः ज्योतिष कल्पद्रुम । प० सोहनलाल व्यास	१५—००
३८४३	मुहूर्तभास्कर । करुणानिधि शर्मा	२—५०
३८४४	मुहूर्तमार्तण्डः । नारायण दैवज्ञ कृत । पं० श्री कपिलेश्वर शास्त्री कृत सान्ख्य-मार्तण्डप्रकाशिका-व्याख्योपपत्ति-हिन्दी उदाहरण विभूषित	१२—००
३८४५	मुहूर्तसंग्रहदर्पण । हिन्दी टीका सहित	५—२५
३८४६	मूक गुप्त प्रश्नावली (चमस्कार ज्योतिष) ।	३—००
३८४७	मूक प्रश्न विचार । शुकदेव चतुर्वेदी	८—००
३८४८	मेलापकम्यवस्था । गणनाविचार । हिन्दी टीका सहित	०—५०
३८४९	मौसम विज्ञान । डा० आ. सी. बनर्जी—डी. एस. उपाध्याय	२५—००
३८५०	यन्त्रराजरचना । जयसिंहदेव कृत । सपादक—केदारनाथ ज्योतिषिद्	१—७५
३८५१	योग-विचार । ह० ने० काटवे । अनु०—ल० दा० नवरे । १-७ भाग	२०—००
३८५२	योगिनीजातकम् । सोदाहरण 'विमला' हिन्दी टीका सहित	०—७५
३८५३	रघुनाथ ज्योतिष ।	३—००
३८५४	रत्न अंगूठी और आपका भाग्य । राजेशदीक्षित	१८—००
३८५५	रत्न और आपका भाग्य । राजेश दीक्षित	१५—००
३८५६	रत्नगर्भाचक्रम् । हरिप्रिया हिन्दीटीकोदाहरण सबलित	१—००
३८५७	रत्न ज्योतिष विज्ञान ।	५—७५
३८५८	रत्नदीपिकारत्नशास्त्रं । चण्डेश्वर-बुधभट्टाभ्या विनिर्मितम्	२—२५
३८५९	रत्नघातु विज्ञान । वद्रीनारायण शर्मा	४—००
३८६०	रत्नपरिचय । हरिश्चन्द्र वेदालङ्कार-जगन्नाथ भसीन	६—००
३८६१	रत्नपरीक्षा (स्मृतिसारोद्धारान्तर्गता-ईश्वरदीक्षितीया च) । सुब्रह्मण्य शास्त्रि सम्पादित	२—००

३८६२ रत्नपरीक्षादि-सप्त-ग्रन्थसंग्रह । कपूर-फण विरचित	९—२५
३८६३ रत्नप्रदीप । टी० गौरीशङ्कर कपूर	२५—००
३८६४ रत्नविज्ञान (Gemology) । टी० राधाकृष्ण पाराशर । प्रत्येक रत्न उपरस के अमरी, काली का परीक्षण और रत्नी ज्योतिष शास्त्रानुसार एव प्राण्य पाथान्य विधि तत्पुत्र-पत्नीय का दिव्य करने वाक्य प्रयोगपरिणत ग्रन्थ प्रकाशित यत् ।	२०—००
३८६५ रमलगुलजार । हिन्दी	२—००
३८६६ रमल ज्योतिष शास्त्र । राजेश दीक्षित	१५—००
३८६७ रमल दिवाकर । हिन्दी टीका सहित	१२—००
३८६८ रमलदिवाकर की कुंजी ।	८—००
३८६९ रमलनवरत । विमला हिन्दी टीका सहित	७—००
३८७० रमल प्रश्नोत्तरी । दीवान रामचन्द्र कपूर	१—५०
३८७१ रमलमार्तण्ड । हिन्दी	८—००
३८७२ रमलरहस्य । मूलमात्र	१२—५०
३८७३ रविचिचार । टी० ने० काटवे । विद्याधर जोशीपुरकर अनुवादित	१—००
३८७४ रविसिद्धान्तमञ्जरी । मथुरानाथ शर्मा विरचित	०—७५
३८७५ राशि गोल स्फुटानीति । अच्युत मतानुसारिणी	९—००
३८७६ राश्याभिधान कल्पलता । राशिफल नामकरण संस्कार सहित । मुकुन्द बल्लभ रचित	७—००
३८७७ Rahu and Kteu in Predictive Astrology by Manik Chand Jain	12—00
३८७८ राहु-केतु-ग्रहण विचार । टी० ने० काटवे । अनु० विद्याधर जोशीपुरकर	६—००
३८७९ रेखागणितम् । एकादश-द्वादशाध्यायौ	३—००
३८८० रेखागणित-पञ्चाध्याय-परिभाषारूप-पञ्चमाध्याय-सहितः ।	०—७५
३८८१ रोग मृत्यु और ज्योतिष ।	४—७५
३८८२ लघ्नचन्द्र प्रकाश । चन्द्रदत्त पन्त	३६—००, २५—००
३८८३ लघ्नचन्द्रिका । हिन्दी टीका सहित	१०—००
३८८४ लघ्नप्रदीपः । हिन्दी टीका सहित । प्रथम भाग	०—४०
३८८५ लघ्नवाराहरः (वृहत्सप्तजातकम्) शिशुचोधिनी हिन्दीटीका सहित	१—५०
३८८६ लघ्नवाराही । वराहमिहिराचार्यकृता । तत्त्वप्रकाशिका हिन्दीटीकासहित	०—३०
३८८७ लघुखेचरसिद्धिः । श्रीधराचार्य कृत	४—००
३८८८ लघुजातक । हिन्दी टीका सहित	३—००
३८८९ लघुपाराशरी भाष्य । कालचक्र दत्ता सहित । सान्वय हिन्दी टीका सहित । भाषाकार दीवान रामचन्द्र कपूर	८—००
३८९० लघुपाराशरी-संध्यपाराशरी । संस्कृत हिन्दी टीका सहित	३—००
३८९१ लघुपाराशरी सिद्धान्त । मेजर एस० जी० खोत	४०—००
३८९२ लघुभास्करीयः । भास्कराचार्य विरचित । परमेश्वर प्रणीत व्याख्या सहित	२—५०
३८९३ लघु भास्करीयम् । शंकर नारायण कृत विवरण सहित	६—००
३८९४ लघुमानसम् । मुञ्जालाचार्य विरचित । परमेश्वर व्याख्या सहित	१—००
३८९५ लघुसङ्ग्रह । हिन्दी टीका सहित	६—५०

३८९६ Learn Astrology	8—00
३८९७ लाटरी गाइड ।	१२—००
३८९८ लीलावती । सीताराम झा कृत टीका सहित	१०—००
३८९९ लीलावती । 'तत्त्वप्रकाशिका' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित ।	१०—००
३९०० लीलावती । बुद्धिविलासिनी लीलावती विवरण व्याख्या सहित १-२ भाग	६—००
३९०१ लीलावती । दामोदर मिश्र कृत वासना सहित	१४—००
३९०२ लीलावती । क्रिया क्रमकारी व्याख्या सहित	७०—००
३९०३ लोहगोलखण्डनं । रङ्गनाथद्वैवक्ष विरचित तथा लोहगोलसमर्थनं । गदाधर द्वैवक्ष विरचित । मीठालाल-हिम्मताराम ओझा संपादित	२—००
३९०४ वटेश्वरसिद्धान्तः । वटेश्वराचार्य विरचित । संस्कृत-हिन्दी-विज्ञान- भाष्योपपत्ति सहित	५०—००
३९०५ वनमाला । श्री जीवनाथम्हा कृत । 'अमृतधारा' हिन्दी टीका सहित	१—००
३९०६ वरवधूनक्षत्रमेलापक । पण्डित श्रीनिवास शास्त्री	८—००
३९०७ वर-वधू रेखा मेलापक । सीताराम गुप्त	३—००
३९०८ वर्ष-चन्द्र-प्रकाश । चन्द्रदत्त पन्न	२—००
३९०९ वर्ष पद्धति । महादेव कृत	३—००
३९१० वर्षफल दर्पण । डा० नारायण दत्त श्रीमाली	४—००
३९११ वर्षफल विचार । परमानन्द शर्मा 'नन्द'	६—००
३९१२ वसिष्ठसिद्धान्तः । ब्रह्मपुत्रमहर्षिवसिष्ठ विरचित	०—५०
३९१३ वाक्यकरणम् । सुन्दरराज कृत लघुप्रकाशिका संस्कृत व्याख्या सहित	१२—००
३९१४ वास्तवचन्द्रशृङ्गोन्नतिसाधनम् । संस्कृतटीका सहित	३—५०
३९१५ वास्तवविचित्रप्रश्नसम्भङ्गाः । श्री सुधाकर द्विवेदी विरचित	०—१५
३९१६ वास्तुप्रतिष्ठासंग्रहः ।	३—७५
३९१७ वास्तुप्रबन्ध । राजमोहन उपाध्याय	६—००
३९१८ वास्तुप्रबोध । हिन्दी टीका सहित	३—००
३९१९ वास्तुरत्नाकरः (अहिबलचक्र सहित) । ज्योतिषाचार्य पण्डित श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद द्विवेदी कृत हिन्दी टीका सहित	१२—००
३९२० वास्तुरत्नावली । सोदाहरण-सुबोधिनी संस्कृत हिन्दी टीका सहित	४—००
३९२१ विन्निभलभ्रमणम् । श्रीजगदीश शर्मा विरचित	०—३०
३९२२ विन्निभाङ्गायनविवेकः । श्री बुद्धिनाथ म्हा विरचित	१—००
३९२३ विमण्डलत्रक्रविचारः । दयानाथ झा विरचित	२—००
३९२४ विवाह दाम्पत्य-निर्णय । भगवानदास मित्तल	१०—००
३९२५ विवाहपटल ।	१—५०
३९२६ विवाह प्रेम और ज्योतिष । राजेश दीक्षित	६—००
३९२७ विवाहरेखा । राजेश दीक्षित	८—२५
३९२८ विवाहचन्द्रावनम् । संस्कृत-हिन्दी टीका सहित	३—३७
३९२९ विश्वकर्माप्रकाश । रामअवनार वीर'	७—५०
३९३० विश्व के भाग्यवानों की कुण्डलियाँ । भगवानदास मीतल	४—५०
३९३१ विश्वहितम् । मथुरानाथ शर्मा विरचित	१—५०

३९३२ वृत्त विवेचनम् । दुर्गा सहाय कृत	६—००
३९३३ वैजयन्ती पञ्चाङ्ग गणितम् । केतकर विरचित	५—००
३९३४ वैदिक साहित्य में शकुन एवं अद्भुत घटनाएँ । डा० कृष्णलाल शर्मा	२५—००
३९३५ वैमानिक शास्त्र । महर्षि भारद्वाज कृत । आंग्लानुवाद सहित	१५०—००
३९३६ ष्यवसाय का चुनाव और आपकी आर्थिक स्थिति । जगन्नाथ	६—००
३९३७ व्यवहाररत्नम् । हिन्दी टीका सहित	२—५०
३९३८ व्यापार अनुभव ।	४—५०
३९३९ व्यापार अर्धमार्तण्ड । रतीराम शास्त्री	१२—००
३९४० व्यापार चमत्कार (तेजी मन्दी सट्टा) रतीराम शास्त्री	१२—००
३९४१ व्यापाररत्न (तेजीमदी का अनुपम ग्रन्थ) हरदेवशर्मा त्रिवेदी	८—००
३९४२ व्यावहारिक ज्योतिष तत्त्व । 'तत्त्वप्रभा' हिन्दी व्याख्या	१२—००
३९४३ शकुन ज्योतिष शास्त्र । जगन्नाथ	१२—००
३९४४ शकुन प्रदीप ।	१—००
३९४५ शनिविचार । ह० ने० काटवे । अनु०—विद्याधर जोहरापुरकर	४—००
३९४६ शनि विचार ।	२—५०
३९४७ शरीरलक्षणविज्ञान । राजेश दीक्षित	१५—००
३९४८ शरीरसर्वाङ्गलक्षण । भगवानदास मीतल	२—५०
३९४९ शिवजातकः । श्रीशिवनिर्मित । शिशुतौषिणी हिन्दी टीका सहित	०—३०
३९५० शिव संहिता । सतान-कर्म विपाक-कोष प्रशावली-कुडली-फलित	५—००
३९५१ शिशुबोधः । सान्वय-विमला हिन्दी टीका बृहत् परिशिष्ट सहित	१—५०
३९५२ शीघ्र बोध ।	३—००
३९५३ शुक्रविचार । ह० ने० काटवे । अनु०—विद्याधर जोहरापुरकर	४—००
३९५४ शुद्ध गणित की पाठचर्या । जी. एच हार्डी । अनु ब्रजमोहन	१२—५०
३९५५ शुभाशुभग्रह-निर्णय-विचार । ह० ने० काटवे । अनु० विद्याधर जोहरापुरकर	५—००
३९५६ षट्पञ्चाशिका । भट्टोत्पलकृत संस्कृत-‘विभा’ हिन्दी टीका	१—००
३९५७ सङ्केत निधि : । रामदयाल कृत । आंग्लानुवाद सहित	१८—००
३९५८ सत्यसिद्धान्त ज्योतिष । प्रभुलाल शर्मा	६—००
३९५९ Saptā Rishi Nadi By Jagannath Bhasin	15—00
३९६० सम्राट् सिद्धान्त : सिद्धान्तसारकौस्तुभ । जगन्नाथ कृत । १-३ भाग	२४०—००
३९६१ सरल अङ्क ज्योतिष ।	४—७५
३९६२ सरल ज्योतिर्विज्ञान । विशालमणि उपाध्याय सग्रहीत	१—५०
३९६३ सरल ज्योतिष शास्त्र । राजेश दीक्षित	८—२५
३९६४ सरल त्रिकोणमिति । बलदेव मिश्र विरचित	१०—००
३९६५ सरल त्रिकोणमितिः । वापूदेव शास्त्री विरचित	२९—००
३९६६ सरलरेखागणितम् । पं० श्रीविन्ध्येश्वरी प्रसाद द्विवेदी कृत ।	
१-२ अध्याय	२—००
३९६७ सरल सुगम ज्योतिष । पं० जगन्नाथ	१५ ००—
३९६८ सर्वतोभद्र चक्र । पं० मीठालाल व्यास	५—१०

३९६९	सर्वार्थचिन्तामणिः । मूलमात्र	२—६२
३९७०	सामुद्रिककुञ्जिका । कालिकाप्रसाद विरचित । हिन्दी टीका सहित	४—००
३९७१	सामुद्रिकदर्पण । कालिकाप्रसाद विरचित । हिन्दी	२—५०
३९७२	सामुद्रिक नवनीत । भास्करानन्द लोहनी	८—००
३९७३	सामुद्रिकरहस्यम् । हिन्दी टीका सहित	१०—००
३९७४	सामुद्रिकशास्त्रम् (ज्योतिषविज्ञान)	४—००
३९७५	सामुद्रिकसोपान । कालिकाप्रसाद विरचित	०—८०
३९७६	सारावली । डा० मुरलीधर चतुर्वेदी कृत कान्तिमती हिन्दी टीका सहित	३०—००
३९७७	सिंह सिद्धान्त सिन्धु । १-२ भाग	२८—२५
३९७८	सिद्धान्त चूडामणिः । मीठालाल ओझा	१४—००
३९७९	सिद्धान्ततत्त्वविवेकः । कमलाकरभट्टविरचितः । श्री सुधाकर द्विवेदी तथा म० म० श्री मुरलीधरमाकृत टिप्पणी सहित	३०—००
३९८०	सिद्धान्त दर्पणम् । नीलकण्ठ सोमयाजि विरचित । स्वव्याख्या	१२—००
*३९८१	सिद्धान्तशिरोमणिः । भास्कराचार्य विरचित वासनाभाष्यसहित । म० म० श्री वापूदेवशास्त्रिकृत टिप्पणी विभूषित । सम्पूर्ण	यन्त्रस्थ
*३९८२	सिद्धान्तशिरोमणिः । नवीन-वैज्ञानिक उपपत्ति सहित 'प्रभा' नामक वासना-समलङ्कृत । टीकाकार-पं० श्री मुरलीधर ठक्कुर ज्योतिषाचार्य । स्पष्टाधिकारान्त प्रथम भाग	१०—००
३९८३	सिद्धान्त शिरोमणिः । मध्यमाधिकारान्त । वासना भाष्य सहित । केदारनाथ जोशी कृत दीपिका-शिखा संस्कृत-हिन्दी टीका सहित	५—००
३९८४	सिद्धान्त शिरोमणिः । वासना भाष्य मरीचि भाष्य दीपिका-शिखा संस्कृत हिन्दी टीका सहित स्पष्टाधिकार-त्रिप्रश्नाधिकारात्मक । अग्रगणिताध्याय ।	२०—०० २०—००
३९८५	सिद्धान्तशिरोमणिः । अग्रगणिताध्याय । वासनाभाष्यशिरोमणि प्रकाश व्याख्या सहित । प्रथम भाग	४—७०
३९८६	सिद्धान्तशिरोमणिः । गोलाध्याय । वासना भाष्य मरीचि व्याख्या सहित । द्वितीय भाग मात्र	६—२५
३९८७	सिद्धान्त सम्राट् । जगन्नाथ सम्राट् विरचित । स० डा० मुरलीधर चतुर्वेद	१५—००
३९८८	सुगम ज्योतिष प्रवेशिका । गोपेश कुमार ओझा	१०—००
३९८९	सुलभ ज्योतिष ज्ञान । देवश वासुदेव सदाशिव खानखोजे	१६—००
३९९०	सूरि सर्वस्व ।	२—२५
३९९१	सूर्य । गुणाकर मुले	४—३५
३९९२	(भारत भूमंडलीय) सूर्य ग्रह गणितम् । केतकर रचित	८—००
३९९३	सूर्यग्रहणम् । डॉ० कृष्णचन्द्र द्विवेदी विरचित	१२—००
३९९४	सूर्यरेखा । राजेश दीक्षित	८—२५
३९९५	सूर्यसारिणी । डा० गोरखप्रसाद । हिन्दी	५—००
*३९९६	सूर्यसिद्धान्तः । ज्योतिषाचार्य श्रीकपिलेश्वरशास्त्रिकृत तत्त्वामृत भाष्य उपपत्ति-टिप्पणी सहित	२५—००
३९९७	सौर मण्डल । गुणाकर मुले	४—६०

३९९८ सौरार्य ब्राह्मतिथि गणितम् । केतकर रचित	४—००
३९९९ स्कन्द शारीरकम् । सं० गणेशदत्त पाठक	१५—००
४००० स्वप्न ज्योतिष विज्ञान ।	३—५०
४००१ स्वप्न विज्ञानम् ।	५—००
४००२ स्वर ज्योतिष शास्त्र । राजेश दीक्षित	१२—००
४००३ स्वास्थ्य रेखा । राजेश दीक्षित	८—२५
४००४ स्त्री जातक विज्ञान ।	१—५०
४००५ स्त्री सामुद्रिक । राजेश दीक्षित	१५—००
४००६ हनुमान ज्योतिष ।	१—५०
४००७ हमारी भ्रान्तिर्याँ । शान्तप्रकाश सत्यदास । प्रथम भाग-फलित के अन्ध विश्वास	३—००
४००८ हयत ग्रन्थ ।	६—००
४००९ हस्तचिह्न विज्ञान । राजेश दीक्षित	१५—००
४०१० हस्तरेखाये ।	३—५०
४०११ हस्तरेखाविज्ञान । राजेन्द्र शर्मा	४—५०
४०१२ हस्तरेखा विज्ञान ।	१०—५०
४०१३ हस्तरेखाविज्ञान। शरीर-लक्षण सहित । गोपेशकुमार ओझा	२०—००
४०१४ हस्तसंज्ञीवनम् । मेघ विजय गणि कृत संस्कृत हिन्दी टीका सहित	५—००
४०१५ हस्त सामुद्रिक । ओमप्रकाश कश्यप ग्राही	१०—००
४०१६ हस्तसामुद्रिक ज्योतिष । सचित्र । हिन्दी । राजेश दीक्षित	१५—००
४०१७ हस्त सामुद्रिक शास्त्र । वालभट्ट मालवीय	१०—००
४०१८ How to Choose Vocations from the Hand by Benham 35-00	
४०१९ हायनबोधः । हिन्दी टीका सहित	०—९०
४०२० हायनरत्नम् । मूलमात्र	५—२५
४०२१ हिन्दूगणित शास्त्र का इतिहास । अङ्क-सङ्केत और अङ्कगणित । विभूति- भूषणदत्त-अवधेशनारायण सिंह । अनुवादक—कृपाशंकर शुक्ल	५—००
४०२२ हृदयरेखा । राजेश दीक्षित।	८—२५
४०२३ होराशास्त्रम् । बराहमिहिरकृत । अपूर्वार्थ प्रदर्शिका सस्कृतव्याख्यासहित	२५—००

छन्दःशास्त्र-ग्रन्थाः

४०२४ कवि-दर्पण । अज्ञानकर्तृक वृत्तिसहित	६—००
४०२५ गुजरातीपिङ्गलनवीदष्टि । रामनारायण विश्वनाथपाठक विरचित (गुजराती)	३—००
*४०२६ छन्दःकौमुदी । साहित्याचार्य पं० नारायण शास्त्री खिस्ते कृत	०—७५
४०२७ छन्दःचन्द्रिका ।	०—७५
" ४०२८ छन्दः प्रवेशिका । देवशर्मा वेदालङ्कार कृत प्रभा हिन्दी टीकोपेता	०—७५
४०२९ छन्द सन्दोह ।	३—५०
४०३० छन्दस्सारः । हिन्दी टीका प्रश्नपत्र उदाहरण सहित	०—२५
४०३१ छन्दोऽलङ्कारप्रकाशः । डा० कृष्ण कुमार	१—५०
४०३२ छन्दोदर्पण । डा० गौरीशंकर मिश्र	२५—००
४०३३ छन्दोनुशासन ।	१४—४०

४०३४ छन्दोमञ्जरी । संस्कृत-हिन्दी टीका सहित	६—००
४०३५ छन्दोविन्मण्डन ।	५—००
४०३६ छन्दोविंशतिका । विमला हिन्दी टीका सहित	०—७५
४०३७ छन्दोलङ्कारमञ्जरी ।	२—००
४०३८ जनाश्रयी । जनाश्रयप्रणीत	१—१२
४०३९ जयदामन् । जयदेव छन्द-जयकीर्तिछन्दोनुशासन-केदारवृत्तरत्नाकर हेमचन्द्र छन्दोनुशासन । वेलङ्कर सम्पादित	१०—००
४०४० नेमिरंगरत्नाकर छन्द । कवि लावण्यसमय कृत	६—००
४०४१ पिङ्गलच्छन्दःसूत्रं (वैदिकच्छन्दः प्रकरणान्त) हलायुधवृत्तियुत- सटिप्पण-कादम्बिनी हिन्दी टीका सहित	१—५०
४०४२ प्राकृतपैंगलम् । संस्कृत व्याख्यात्रयोपेत । हिन्दी टीका सहित । स०-डॉ० भोलाशङ्कर न्यास । १-२ भाग	३१—००
४०४३ मात्रिक छन्दों का विकास । डा० शिवनन्दन प्रसाद	८—५०
*४०४४ वाग्वल्लभः । पं० दु खभञ्जनकविकृत- । महामहोपाध्याय कविचक्रवर्ति पं० देवीप्रसादकृत वरवर्णिनी नामक टीकासहित	१०—००
४०४५ वाणीभूषणम् । दामोदरमिश्र विरचित	२—००
४०४६ वृत्तजातिसमुच्चय । विरहाङ्क कृत । सव्याख्या	५—२५
४०४७ वृत्तमुक्तावली । श्रीकृष्ण भट्ट कृत	३—७५
४०४८ वृत्तमौक्तिकम् । भट्ट चन्द्रशेखर विरचित । भट्ट लक्ष्मीनाथ कृत वार्त्तिक दुष्करोद्धार-मेघविजयगणि कृत दुर्गमबोध व्याख्या सहित	१८—२५
*४०४९ वृत्तरत्नाकरः । भट्ट केदार कृत मूल श्लोक तथा पं० केदारनाथ शर्मा कृत मणिमयी हिन्दी टीका सहित	२—००
*४०५० वृत्तरत्नाकरः । भट्टनारायणकृत नारायणी व्याख्या उदाहरण टिप्पणी केदारनाथ शर्मा कृत 'मणिमयी' हिन्दी टीका विभूषित	६—००
४०५१ वृत्तरत्नाकरः । पञ्चिका व्याख्या सहित	४—००
४०५२ वृत्तगताकरः । तात्पर्य टीका-सुकवि हृदयानन्दिनी छन्दोवृत्तिः- पञ्चिका टीका सहित	१६—००
४०५३ वृत्तरत्नावली । वेङ्कटेशकृत । संस्कृत व्याख्या आंग्लानुवाद सहित	३—००
*४०५४ श्रुतबोधः । कालिदास प्रणीत कन्हैयालाल जोशी कृत कृष्णा संस्कृत हिन्दी टीका सहित	०—७५
४०५५ सभाष्यरत्नमञ्जूषा ।	३—००
४०५६ स्वयम्भू छन्द । स्वयम्भू कृत । सम्पादक एन० डी० वेलणकर	७—७५

काव्य-ग्रन्थाः

४०५७ अन्योक्तिसाहस्री । बदरीनाथ झा	२—००
४०५८ अपभ्रंश काव्यत्रयी । स० लालचन्द भगवानदास गांधी-सव्याख्या	२४—००
४०५९ अभिधावृत्तिमातृका । सुकुलभट्ट कृत । ब्रह्ममिश्र अवस्थी कृत व्याख्या	१५—००
४०६० अभिधावृत्तिमातृका । डा० रेवा प्रसाद द्विवेदी	७—००

- *४०६१ अभिनन्दनग्रन्थ : सत्यनारायण शास्त्री । (सचित्र) प्रत्येक विषय पर महामनीषियों के मर्मरपर्शी विचारों से परिपूर्ण ग्रन्थरत्न २०—००
- ४०६२ अभिलेखसंग्रहः । वटादुरचन्द्र द्वायटा सम्पादित ८—५०
- ४०६३ अमरमण्डनम् । कृष्णसूरि विरचित ३—००
- ४०६४ अमरुशतकम् । अर्जुनचर्म देव प्रणीत रसिक सर्जोविर्ना संस्कृत श्री प्रद्युम्न पाण्डेय कृत हिन्दी टीका सहित ४—००
- ४०६५ अमरुशतकम् । वेमभूपालकृत शृङ्गारश्रुतिका रथाख्या आम्बानुवादमदित ८—००
- ४०६६ अमरुशतकम् । अनुवादक डा० विद्यानिवास मिश्र ४—५०
- ४०६७ अमृतलहरी । जगन्नाथ कृत हिन्दी पद्यानुवाद मदित १—००
- ४०६८ अम्बास्तवः । कालिदास कृत ३—००
- ४०६९ अम्बिकालापः । १—५०
- *४०७० आङ्ग्लारोमाञ्जम् (गीतिकाव्य) मूल अंग्रेजी का नीर्वाणार्णी संग्रह में अनूदित । संस्कृतानुवादक डा० हरिहर वि० त्रिभेदी लक्ष्मीनारायण ओ० जोषी १२—००
- ४०७१ आधुनिक संस्कृत काव्य । वनमाला भवालकर १—५०
- ४०७२ आनन्द-मधु मन्दाकिनी । आनन्द झा कृत । प्रथम प्रवाह ७—००
- ४०७३ आरण्यकविलासम् । यादवेन्द्रनाथ प्रणीत ६—००
- ४०७४ आर्यचरित्रम् । सं० वि० कृष्णस्वामी पेयार ३८—००
- ४०७५ आर्यासप्तशती । श्रीविश्वेश्वर कृत । स्वव्याख्या सहित ११—३५, १५—८०
- ४०७६ हिन्दी आर्यासप्तशती । गोवर्धनाचार्य विरचित । व्याख्याकार—पं० रमाकान्त त्रिपाठी २०—००
- ४०७७ आश्लेषाशतकम् । नारायण पण्डित प्रणीत ०—५०
- ४०७८ इन्द्रपक्षीयं काव्यम् । स्वयंप्रकाश शर्मा शास्त्री कृत हिन्दी टीका सहित ३—००
- ४०७९ इन्द्रप्रस्थप्रबन्ध । अद्यातकर्तृक २—२५
- ४०८० इन्दिरायशस्तिलकम् । रमेशचन्द्र शुक्ल विरचित १०—००
- ४०८१ ईश्वरविलासमहाकाव्यम् । कृष्णमदृ विरचित ११—५०
- ४०८२ उद्बोधन । ब्रह्मानन्द शुक्ल विरचित ५—००
- ४०८३ ऋतम्भरा । सं०-डॉ० वीरमणि प्रसाद उपाध्याय १—००
- ४०८४ ऋतुसंहारः । प्रभा हिन्दी टीका सहित १—००
- ४०८५ Ritu Samhara With English Translation by M. R. Kale ३—५०
- ४०८६ ऋतुसंहार । महाकवि कालिदास । अनु० रागेय राषव (सचित्र) ३०—००
- ४०८७ औचित्यविचारचर्चा । जेमेन्द्र कृत । 'प्रभा' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित । सम्पादक-श्रीनारायण ब्रजमोहन शर्मा ७—००
- ४०८८ औचित्य विचार चर्चा । डा० मनोहर लाल गौड़ ५—००
- ४०८९ औचित्य विचार चर्चा-जेमेन्द्र की औचित्यदृष्टि । लक्ष्मण राय ४—००
- ४०९० कथाकोषप्रकरण । जिनेश्वरसूरिकृत । प्राकृत १२—५०
- ४०९१ कथासरित्सागरः । सोमदेव विरचित । सं० जगदीश लाल शास्त्री ६०—००

- ४०९२ कथासरित्सागरः । सोमदेव भट्ट विरचित । केदारनाथ शर्मा सारस्वत
कृत हिन्दी टीका सहित । १ व ३ भाग ५७—००
- *४०९३ कथासरित्सागर-एक सांस्कृतिक अध्ययन । वाचस्पति द्विवेदी ३५—००
- *४०९४ कथासरित्सागर तथा भारतीय संस्कृति । डा० सिद्धनाथ
प्रसाद ५५—००
- ४०९५ करुणाकटाक्षलहरी । रसिकविहारी जोशी कृत । हिन्दी टीका सहित २०—००
- ४०९६ कविकण्ठाभरण । क्षेमेन्द्र कृत । हिन्दी टीका सहित २—००
- ४०९७ कविरहस्यम् । डा० गङ्गानाथझा कृत । हिन्दी २—००
- ४०९८ कवीन्द्र कल्पलता । २—००
- ४०९९ कामायनी । जयशङ्कर प्रसाद । संस्कृतानुवादक भगवानदत्त शास्त्री 'राकेश' ५—००
- ४१०० कालिदास के काव्य । अनुवादक रामप्रताप त्रिपाठी शास्त्री १६—००
- ४१०१ कालिदास ग्रन्थावली । राम प्रताप त्रिपाठी शास्त्री २५—००
- ४१०२ कालिदास ग्रन्थावली । सं० डा० रेवाप्रसाद दिवेदी । छात्र संस्करण ११—५०
- ४१०३ Kalidasa's Vision of Kumara Sambhava by
Surya Kanta 25—00
- ४१०४ काव्य-कदम्ब । सम्पादक-श्रीभुवनेश्वर प्रसाद पाण्डेय २-५०
- ४१०५ काव्य नाटक संग्रह । १-२ भाग ४२—००
- ४१०६ काव्यप्रभाकर किंवा रुक्मिणी हरण । १४—५०
- ४१०७ काव्यमञ्जूषा । रत्नावलीगद्यकाव्य-कामकन्दलनाटक-
श्रीकालिकामन्दाक्रान्ताशतक-धर्माधिकारिवंशवर्णन-
श्रीरेणुकास्तोत्र आदि ग्रन्थरत्नों का संग्रह ६—००
- ४१०८ किङ्किणीमाला । महालिङ्गशास्त्री कृत ३—००
- ४१०९ किरातार्जुनीय आलोचनात्मक अध्ययन । चुन्नीलाल शुक्ल २—००
- *४११० किरातार्जुनीयम् । भारवि कृत । सान्वय-मल्लिनाथ कृत घण्टापथ-
पं० गङ्गाधर मिश्र कृत परीक्षोपयोगि-सुधा संस्कृत-हिन्दी
व्याख्योपेत प्रथम सर्ग २-०० द्वितीय सर्ग २-००
१-२ सर्ग ४—०० १-३ सर्ग ६—५०
- *४१११ किरातार्जुनीयम् । आगरा विश्वविद्यालय पाठ्य स्वीकृत । (तृतीय
सर्ग) सान्वय—घण्टापथ परीक्षोपयोगि सुधा, संस्कृत-हिन्दी
व्याख्या, अन्वय-समास-विग्रह-व्याकरण-चाच्यपरिचर्तन-भावार्थ-
सुविशद भूमिकादि सहित २—५०
- *४११२ किरातार्जुनीयम् । चन्द्रकला संस्कृत हिन्दी व्याख्या सहित ।
टीकाकार आचार्य शेषराज शर्मा । चतुर्थ सर्ग २—००
३-६ सर्ग ५—००
- ४११३ किरातार्जुनीयम् । सान्वय संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित । व्याख्या-
कार-श्री उमेशचन्द्र पाण्डेय । १३ वॉ सर्ग २-५०; १४ वॉ सर्ग २-००
- ४११४ किरातार्जुनीयम् । रामप्रताप त्रिपाठी कृत हिन्दी टीका सहित १५—००

- ४११५ किरातार्जुनीयम् । 'घण्टापथ' 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी
टीका सहित । केवल १-५ सर्ग ३-५०, संपूर्ण ८-००
- ४११६ कीर दूत पीक दूत । १-७५
- ४११७ कीर्तिकौमुदी । सोमेश्वर देव कृत । सुकृत संकीर्तन । भरिसिंह ठक्कुर कृत ६-६०
- ४११८ कुट्टनीमतकाव्यम् । दामोदरगुप्त विरचित । मूलमात्र ३-००
- ४११९ कुट्टनीमतम् । (शम्भलीमनकाव्य) हिन्दी टीका सहित १०-००
- ४१२० कुमारसम्भवः । सान्वय-पुंसवनी व्याख्या-हिन्दी-भाषार्थ सहित ।
प्रथम सर्ग २-००, १-७ सर्ग १४-००
१-२ सर्ग ४-००, ३-४ सर्ग ४-०० १-४ सर्ग ८-००,
१-५ सर्ग १०-५० षष्ठ-सप्तम सर्ग ४-००
- *४१२१ कुमारसंभवम् । महाकवि कालिदास प्रणीत ।
महिनाथ विरचित सजीविनी तथा 'बकुला' हिन्दी व्याख्या सहित ।
व्याख्याकार कन्हैयालाल जोशी (चतुर्थ सर्ग) २-५० (पञ्चम सर्ग) २-५०
- ४१२२ कुमारसंभवः । जितेन्द्राचार्य कृत टीका सहित १-२ सर्ग ४-००
- ४१२३ कुमारसंभवः । जगदीश लाल शास्त्री कृत टीका १-२ सर्ग ४-०० १-५ सर्ग ७-००
- ४१२४ कुमारसंभवः । 'चन्द्रकला' 'विमला' संस्कृत हिन्दी टीका सहित ।
१-२ सर्ग ४-००, १-४ सर्ग ८-००
प्रथम सर्ग ३-५०, तृतीय सर्ग २-००, चतुर्थ सर्ग २-००
- ४१२५ कुमारसंभवः । सजीविनी-प्रद्युम्न पांडेय कृत 'प्रकाश' संस्कृत
हिन्दी व्याख्या सहित । सम्पूर्ण १५-००
- ४१२६ कुमारसंभवः । डॉ० सुर्यकान्त मम्पादित १०-००
- ४१२७ कृष्णकर्णाभृतम् । मूलमात्र १-००
- ४१२८ कृष्णगीतिः । मोमनाथ विरचित १-७५
- ४१२९ कृष्णस्य शान्तिप्रयासः । 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी व्याख्याद्वयोपेत ३-००
- ४१३० कृष्णीयम् । ८-००
- ४१३१ खण्ड प्रशस्ति । ७-००
- ४१३२ गणपति सभवंम् । प्रभुदत्त शास्त्री १०-००
- *४१३३ हिन्दी गाथासप्तशती । (बृहत् संस्करण) व्याख्याकार-
साहित्याचार्य डा० जगन्नाथ पाठक । प्राकृत भाषा की इस
श्रेष्ठतम काव्यकृति में प्राचीन भारतीय संस्कृति तथा
ग्राम्य जीवन की अनूठी झॉंकियों हैं । अलकार-शास्त्र का
तो यह बीज ही है । संस्कृतव्याख्या, विषयानुकूल भाषा में
प्रकाश हिन्दी अनुवाद, व्याख्यात्मक विवेचन, विस्तृत
भूमिका, सुविशद परिशिष्ट आदि प्रमुख विशेषताओं के
कारण अपने विषय का यह संस्करण सर्वश्रेष्ठ प्रकाशित
हो गया है
- ४१३४ गीत गिरीशम् । नृपतिराम भट्ट विरचित २५-००
६-००

४१३५ गीतगोविन्दकाव्यम् । महाकवि-श्रीजयदेव विरचितम् । 'इन्दु'	
नामक हिन्दी भाषा टीका विस्तृत भूमिका सहित	३—००
४१३६ गीतगोविन्द । डा० विनय मोहन शर्मा कृत पद्यानुवाद । सचित्र	१०—००
४१३७ गीतगोविन्दम् । अभिनय सहित	२—००
४१३८ गीतपीतवसनम् (रागकाव्यम्) ज्याम राम कवि विरचित	५—००
४१३९ गीतमञ्जरी ।	६—००
४१४० गुरुनाथपरामर्शः । मधुराज योगि विरचित	०—५०
४१४१ गुरुवंश काव्यम् । मूलमात्र	३—००
४१४२ गुर्जरसावली । ठाकोर-देनाई-मोदी सम्पादित	२५—००
४१४३ गोदवर्म यशोभूषणम् । अरुण गिरि कवि विरचित	१—००
४१४४ ग्राम ज्योति ।	४—५०
४१४५ षट्कर्परकाव्यम् । कालिदास विरचित । हिन्दी व्याख्या सहित	१—५०
४१४६ षट्कर्परकाव्यम् । संस्कृत हिन्दी व्याख्या सहित	५—००
४१४७ चक्रपाणिविजयमहाकाव्यम् । भट्ट लक्ष्मीधर विरचित	३—५०
४१४८ चन्द्रप्रभचरितम् (तृतीयसर्ग) श्रीवार्नन्दिनकृत । 'सुधा' हिन्दी	
टीका सहित	०—७५
४१४९ चमस्कार चन्द्रिका । विशेश्वर कवि चन्द्र प्रणीत । स पन्दिरिसरस्वती मोहन ३६—००	
४१५० चारुचर्या । जेमेन्द्र कृत 'प्रकाश' हिन्दी अनुवाद सहित	१—२५
४१५१ चित्ररत्नाकरः । चन्द्रकवि विरचित । शरच्चन्द्रिका टीका सहित	५—००
*४१५२ चौरपञ्चाशिका । विरहण कवि कृत । श्री मजेश चन्द्र श्रीवास्तव कृत	
'प्रकाश' हिन्दी टीका सहित	५—००
४१५३ जंबूदीव-पण्णत्ति-संगहो । पउमणट्टिकओ । हिन्दी टीका सहित	१६—००
४१५४ जयदेवचरित्रम् । गरिकपति लक्ष्मी कात्रैया कृत	५—००
४१५५ जवाहर ज्योति । राजाराम शुक्ल	५—००
४१५६ जवाहर ज्योतिमहाकाव्यम् । रघुनाथ प्रसाद चतुर्वेदी	२—२५
४१५७ जसवन्त उद्योत ।	७—००
*४१५८ जानकीहरणम् । महाकवि कुमारदास कृत । डा० यदुनन्दन मिश्र कृत	
'सुबोधिनी' हिन्दी टीका सहित । (सपूर्ण यन्त्रस्थ) १-२ सर्ग	८—००
४१५९ त्रिवेणी ।	७—५०
४१६० दयानन्द दिग्विजय महाकाव्य । मेधाव्रत प्रणीत । हिन्दी टीका सहित	१५—००
४१६१ दर्पदलन अध्ययन । हिन्दी टीका सहित	२०—००
४१६२ दशकण्ठवधम् (रामचरितम्) दुर्गाप्रसाद द्विवेदी विरचितम् ।	
स्वोपज्ञसाधुशुद्धिटीका समन्वित	४—००
४१६३ दिग्विजयमहाकाव्यम् । मेघविजय उपाध्याय विरचित	८—००
४१६४ देलरामकथासारः । राजानकभट्टाहाद विरचित	१—००
४१६५ देवकी देवनम् (दान्ति) प्रभुदत्त स्वामी रचित । संस्कृत हिन्दी टीका सहित	३—००
*४१६६ देववाणी-परिचायिका । (सचित्र) उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा	
स्वीकृत हाई स्कूल के निमित्त । श्री चक्रधरशर्मा सम्पादित	१—७५
४१६७ देवीशतकम् । कृष्णनाथ सार्वभौम विरचित	२—००
४१६८ देशिकेन्द्रस्तवाञ्जलिः । महालिङ्गशास्त्री कृत	१—५०

४१६९ धर्मपदम् । श्री कनछेदीलाल गुप्त कृत 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या सहित	७—००
४१७० धर्मपदम् । सत्यप्रकाश शर्मा कृत हिन्दी टीका सहित	५—००
४१७१ धर्मपदम् । भिक्षु धर्म रक्षित कृत टीका सहित	८—००
४१७२ धर्माभ्युदयमहाकाव्यम् । वस्तुपालचरित । उदयप्रभमूरि विगचिन	८—५०
४१७३ धातुकाव्यम् । नारायण भट्ट प्रणीत । कृष्णार्पण विवरण सहित	१५—००
४१७४ धामिकवर्णनलक्षणकाव्यम् ।	०—४०
४१७५ नरनारायणीयः । सव्याख्या	२—०५
४१७६ नलाख्यान । भालण कृत (गुजराती)	८—००
४१७७ नलोपाख्यानम् । सान्वय 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या सहित	४—००
४१७८ नलोपाख्यान । गङ्गासहाय प्रेमीकृत हिन्दी टीका सहित	३—००
४१७९ NALOPAKHYANAM, Translation by Monier Williams, 50-00	
४१८० नाचिकेतसम् महाकाव्यम् । कृष्ण प्रसाद शर्मा घिमिरे कृत हिन्दी टीका	१२—००
४१८१ नानकचन्द्रोदय महाकाव्यम् । देवराज शर्मा विरचित	७४—६०
४१८२ नारायणीयम् । नारायण भट्टपाद विगचिन । मूलमात्र	४—५०
४१८३ नारायणीयम् । आग्लव्याख्या सहित	४०—००
४१८४ नीलकंठ संदेशः । श्रीधरन नम्बी, विरचित	१—५०
४१८५ नेमिनिर्वाणकाव्यम् । वाग्मट विरचित	३—००
४१८६ नेहरू यशः सौरभम् । गोस्वामी बलभद्र शास्त्री कृत	९—००
४१८७ नैषधपरिशीलन । डॉ० चण्डिकाप्रसाद शुक्ल	१५—००
*४१८८ नैषधचरितमहाकाव्यम् । (प्रथम सर्ग) महाकवि श्री हर्ष कृत । मछिनाथ कृत संस्कृत टीका तथा डा० सुरेन्द्रदेव शास्त्री कृत हिन्दी टीका नोट्स आदि युक्त	६—००
*४१८९ नैषधचरितमहाकाव्यम् । (चतुर्थ सर्ग) नारायणी संस्कृत- वायुनन्दन पाडेय कृत प्रकाश हिन्दी व्याख्योपेतम्	४—००
४१९० नैषधमहाकाव्य । चण्डिका प्रसाद कृत हिन्दी टीका सहित	१०—००
४१९१ नैषधीयचरितम् । श्री हर्षविरचित । नारायणी व्याख्या सहित	३५—००
४१९२ नैषध महाकाव्यम् । शेषराज शर्मा रेगमी कृत चन्द्रकला संस्कृत हिन्दी टीका सहित	१-३ सर्ग १०—०० १-५ सर्ग १५—००, १-९ सर्ग २५—००
४१९३ नैषधीयचरितम् । 'जीवातु' - 'मणिप्रभा' संस्कृत-हिन्दीटीकाद्वय सहित । १-म सर्ग २—००, १-३ सर्ग ३—५०, १-५ सर्ग ६—५० १-९ सर्ग १०—००, १-२२ सर्ग सम्पूर्ण ग्रन्थ	२४—००
४१९४ नैषध महाकाव्य-आलोचनात्मक अध्ययन । जुनीलाल शुक्ल	२—५०
४१९५ पउमचरियं । विमलमूरि विगचिन । हिन्दी अनुवाद सहित । प्रथम भाग	१८—००
४१९६ पञ्चामृत । सम्पादक . प्रो० गौतम हंसवंशी	३—००
४१९७ पद्मनाभशतकम् । रामबर्म प्रणीत	०—५०
४१९८ पद्यमाला । सम्पादक हरिश्चकर मिश्र	२—००
४१९९ पद्यमुक्तावली । श्रीकृष्णभट्ट कृत । मथुरानाथ शास्त्री सम्पादित	४—००
४२०० परमानन्दकाव्यम् । जी० एस० सरदेशाई संपादित	१८—००

- ४२०१ परशुराम दिग्विजय महाकाव्यम् । छन्नूराम शास्त्री कृत । विमला हिन्दी
टीका सहित २—००
- ४२०२ पवनदूतम् । धोयी विरचित ३—००
- ४२०३ पारिजातहरण महाकाव्यम् । कवि कर्णपूर विरचित ८—००
- *४२०४ पालि-प्राकृत संग्रह । डा० प्रभुनाथ द्विवेदी कृत व्याख्या सहित ६—००
- ४२०५ पुण्यश्लोकमञ्जरी । लघुवृत्ति सहित १—००
- ४२०६ पुष्पवाणविलासम् । प्रकाश संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित १—००
- ४२०७ प्रतापविजयः । ईशदत्त पाण्डेय कृत । स० प्रभात शास्त्री २—२५
- ४२०८ प्रज्ञास्तिमाला । ०—३०
- ४२०९ प्राचीनफागुसंग्रह । भोगीराम जे. नादेसर सो. धू. पारिख संपादित १०—५०
- ४२१० प्रेमरसायनम् । श्रीविश्वनाथपण्डितरचितम् । सटीक २—००
- ४२११ बंगला देश : । डा० रमेशचन्द्र शुक्ल कृत ५—००
- ४२१२ बुद्धचरित । प्रथम सर्ग । शर्मा-शिवबालक द्विवेदी कृत टीका सहित ४—००
- ४२१३ बुद्धचरितम् । प्रथम सर्ग । चुन्नीलाल शुक्ल कृत टीका सहित
तृतीय सर्ग २—७५
२—५०
- ४२१४ बुद्धचरितम् । अश्वघोष कृतम् । हिन्दी अनुवाद सहित ।
अनुवादक-महन्त श्री रामचन्द्रदास शास्त्री । १-२ भाग । संपूर्ण ११—००
- ४२१५ बृहत्कथकोश । हरिषेणाचार्य विरचित १६—००
- ४२१६ बोधिसत्त्वचरितम् । सत्यव्रत शास्त्री १६—००
- ४२१७ भगवत्पादसप्तति : । जगन्नाथ कवि विरचित ०—२५
- ४२१८ भगवत्पादाभ्युदयः । लक्ष्मणसूरि विरचित १—००
- ४२१९ भट्टारकसम्प्रदाय । ८—००
- ४२२० Bhatti Kavya—A Study by S.P. Narang 15—00
- ४२२१ भट्टिकाव्यम् । 'चन्द्रकला' 'विद्योतिनी' संस्कृत-हिन्दीटीकोपेत—
१-६ सर्ग ७-००, ७-११ सर्ग ७-००, उत्तरार्ध १२-२२ सर्ग १०-००
१-४ सर्ग ६-००, ५-८ सर्ग ८-००
- ४२२२ भट्टिकाव्यम् । गोपाल शास्त्री दर्शनकेशरीकृत काव्यमर्मविमर्श
संस्कृत हिन्दी टीका सहित । १-४ सर्ग ६-००, ५-८ सर्ग ८-००
- ४२२३ भट्टिकाव्यम् । जयमङ्गला तथा रामभवध पाण्डेय कृत हिन्दी टीका
सहित । १-४ सर्ग ५-००
- ४२२४ भट्टिकाव्यम् । जयमङ्गला तथा रामगोविन्द शुक्ल कृत हिन्दी टीका
सहित । ५-८ सर्ग ७-००
- ४२२५ भव्य भारतम् । गरिकपाटि लक्ष्मीकान्त प्रणीत ५—००
- *४२२६ भामिनी विलासः । पण्डितराज जगन्नाथ विरचित । सान्त्वय
'प्रकाश' हिन्दी-व्याख्योपेत -व्याख्याकारः श्रीराधेश्यामिश्रः ।
व्याख्या में पहले दण्डान्वय, फिर हिन्दी रूपान्तर तथा 'व्याख्या' के
अन्तर्गत जितना कुछ उस पद्य के सम्बन्ध में विशेष श्रेय है, सब विस्तार
से दिया गया है । विस्तृत भूमिका में पुस्तक से संबंधित काल विशेष की
संपूर्ण सांस्कृतिक शॉकी प्राप्त हो जाती है । पद्यानुक्रमणिका भी सलभ है ।
अन्योक्तिविलास मात्र ६—००, सम्पूर्ण २०—००

- ४२२७ भारत-कथा । रचयिता—गङ्गाधर शास्त्री । सान्ध्य 'बोधिनी'
संस्कृत-हिन्दी व्याख्यासहित २-००
- ४२२८ भारत कथा । जगन्नाथ शास्त्री कृत संस्कृत-हिन्दी टीका सहित १-२५
- ४२२९ भारत रत्नम् (प. जवाहरलाल नेहरू) गरिक पाटिल लक्ष्मीकान्त प्रणीत ४-००
- ४२३० भारतशास्त्ररत्नम् । यशेश्वर शास्त्री २-२५
- ४२३१ भारतीविषादः । महाशक्ति शास्त्री ३-००
- ४२३२ भावप्रकाशन । शारदातनय कृत । स० के. एस. रामास्वामी ४५-००
- ४२३३ भृङ्गदूतम् । परमानन्द विरचित ७-००
- ४२३४ अमरसन्देशः । महाशक्ति शास्त्री कृत ३-००
- ४२३५ मङ्गलया । उमाकान्त शुक्ल रचित । सटिप्पण १०-००
- ४२३६ मणि निग्रह । ब्रह्मानन्द शुक्ल विरचित ७-००
- ४२३७ मधुरा विजय । गङ्गादेवी कृत २-५०
- ४२३८ मनोदूतम् । निगुणदास विरचित ३-००
- ४२३९ मन्दक्रान्तावृत्तम् । कालीपद तर्काचार्य प्रणीत १०-००
- ४२४० मलयमारुत । डॉ० बी० राघवन मंपाठित । १-२ भाग १०-००
- ४२४१ महाभारतीय शीलनिरूपणाध्याय । संस्कृत-हिन्दी व्याख्या १-००
- ४२४२ मानसोद्घासः (अभिलषितार्थ चिन्तामणि) भूलोक मह शोभेश्वर कृत ।
स० जी के श्री गोंडेकर । प्रथम भाग १६-०० तृतीय भाग ३५-००
- ४२४३ मीरालहरी । क्षमाराव प्रणीत । आग्लानुवाद सहित ४-५०
- ४२४४ मूक पञ्चशती । मूक कवि कृत १-८०
- ४२४५ मूलरामायणम् । संस्कृत हिन्दी भाषानुवादसहित १-५०, १-७२
- *४२४६ मेघदूतम् । महाकाव्य कालिदास कृत । मल्लिनाथ कृत सर्जावनी-
चरित्रवर्धनाचार्य कृत चारित्रवर्द्धिनी-पं० ब्रह्मशङ्कर शास्त्री कृत
भावबोधिनी-पं० केदारनाथ शर्मा कृत सौदामिनी संस्कृत
हिन्दीटीका चतुष्टयीपेत ३-००
- *४२४७ मेघदूतम् । महाकवि कालिदास विरचित । जगद्गुरु आचार्य श्री
चरणतीर्थ जी महाराज कृत 'कात्यायनी' संस्कृत टीका
आग्लभाषानुवाद तथा विशद आग्लभूमिका सहित । २०-००
- ४२४८ मेघदूत । महाकवि कालिदास । अनु०-रागेयराघव (सचित्र) ४०-००
- ४२४९ मेघदूतम् । एस० के० दे सपाठित ६-५०
- ४२५० मेघदूत आलोचनात्मक अध्ययन । चुन्नीलाल शुक्ल ३-००
- ४२५१ मेघदूत : एक अध्ययन । डॉ० वासुदेवशरण अग्रवाल १०-००
- ४२५२ मोहन की वंशी : भजनसंग्रह । डॉ० ब्रजमोहन १-००
- ४२५३ यशोधरचरितमहाकाव्यम् । कादिराजकृत । लक्ष्मण कृत व्याख्या तथा
आग्लानुवाद सहित ५-००
- ४२५४ यादवाभ्युदयः । वेदान्तदेशिक विरचित । अप्पयदीक्षित कृत व्याख्या ४०-००
- ४२५५ युधिष्ठिर विजयम् । वासुदेव विरचित । संस्कृत हिन्दी व्याख्या सहित २०-००
- ४२५६ रघुवंश-वर्णन । हेमाद्रि कृत । सं० रेवा प्रसाद द्विवेदी ४०-००
- *४२५७ रघुवंशमहाकाव्यम् (संपूर्ण) 'सञ्जीविनी' 'मणिप्रभा' संस्कृत-
हिन्दी टीका 'विमर्श' सहित २०-००

- *४२५८ रघुवंशमहाकाव्यम् । महिनाथ कृत 'सञ्जीविनी'-पं० हरगोविन्द शास्त्री कृत 'मणिप्रभा' संस्कृत हिन्दी टीका 'विमर्श' सहित
१-५ सर्ग ६-००, ६-१२ सर्ग ५-००, ५-१४ सर्ग ८-००
पञ्चम सर्ग १-०० सम्पूर्ण २०-००
- *४२५९ रघुवंशमहाकाव्यम् । महिनाथ कृत सञ्जीवनी टीका तथा पं० ब्रह्मशङ्कर मिश्र कृत परीक्षोपयोगी अन्वय-सुधाव्याख्या-समास-कोष-भावार्थ-इन्दु नामक हिन्दी व्याख्या सहित
प्रथम सर्ग २-००, १-४ सर्ग ८-००,
द्वितीय सर्ग २-००, २-३ सर्ग ४-००,
प्रथम व पंचम सर्ग ४-००, १-५ सर्ग १०-००,
१-२ सर्ग ४-००, पृथक् पृथक् सर्ग २-००
- *४२६० रघुवंशमहाकाव्यम् । सञ्जीवनी-डा० प्रभुनाथ द्विवेदी कृत सटिप्पण निर्मला हिन्दी टीका सहित । ६-७ सर्ग ४-००, १३-१४ सर्ग ४-००
- ४२६१ रघुवंश प्रश्नोत्तरी । स० रामचन्द्र झा प्रथम सर्ग २-००,
द्वितीय तृतीय सर्ग २-५०
- ४२६२ Raghuvamsa. With English Translation by
M. R. Kale. Cantos I-II 4-00, Cantos I-V 12-00
- *४२६३ रसचन्द्रिका । विश्वेश्वर पाण्डेय विनिर्मित २-००
- ४२६४ रसरत्न । कविवर मतिराम विरचित । हिन्दी व्याख्या सहित १०-००
- ४२६५ रसिकरमणकाव्यम् । रघुनाथ विरचित ०-७५
- ४२६६ रसिकाष्टककाव्यम् । ०-०५
- ४२६७ राक्षसकाव्यम् । नूतन किशोरकेलि व्याख्या सहित ०-४०
- *४२६८ राघवनेपथीयम् । श्री हरिदत्तसूरि कृत । श्री रामकुबेर मालवीय कृत 'विमर्शिनी' संस्कृत तथा 'प्रकाश' हिन्दी टीका सहित ५-००
- ४२६९ राघवपाण्डुथीयम् । कविराज पंडित विरचित । प० दामोदर झा कृत 'सुबोधिनी' 'सरला' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित २०-००
- ४२७० राघवीयम् । रामपाणिवाद प्रणीत २-५०
- ४२७१ राजतरङ्गिणी । कल्हण कृत । अनुवादक नीलम अग्रवाल । भाषा २५-००
- ४२७२ राजतरङ्गिणी । कल्हण कृत । डा० रघुनाथ सिंह कृत हिन्दी अनुवाद सहित । १-३ भाग ३००-००
- ४२७३ राजतरङ्गिणी । कल्हण कृत । स० विश्वबन्धु । १-२ भाग ८४-००
- ४२७४ राजतरङ्गिणी । जोनराज जैन कृत । स० श्रीकंठ कौल ४२-००
- *४२७५ राजतरङ्गिणी । जोनराज कृत । हिन्दी अनुवाद एव व्याख्या, आलोचनात्मक भूमिका, ऐतिहासिक, भौगोलिक तथा सांस्कृतिक अध्ययन सहित । व्याख्याकार डॉ० रघुनाथ सिंह ससद सदस्य १००-००
- ४२७६ राजतरङ्गिणी । श्रीवर विरचित । डॉ० रघुनाथ सिंह कृत हिन्दी अनुवाद सहित । १-२ भाग २५०-००
- ४२७७ राजतरङ्गिणी । श्रीवर शुक कृत । स० श्रीकंठ कौल ४२-००

४२७८ राजतरङ्गिणी-कोश । डा० रामकुमार राय	२२—००
४२७९ राजतरङ्गिणी तथा राजतरङ्गिणी संग्रहः । श्री शुक्र विरचित । डा० रघुनाथ सिंह कृत हिन्दी अनुवाद सहित	१००—००
४२८० राजविनोद महाकाव्य । उदयराज विरचित	२—२५
४२८१ राजस्थानी वीरगीत । प्रथम भाग	६—००
४२८२ रामकृष्ण विलोमकाव्यम् । सूर्य कवि कृत । स्वव्याख्या तथा डॉ० कामेश्वर नाथ विरचित हिन्दी व्याख्या सहित	२—००
४२८३ रामगीत गोविन्दम् । जयदेव रचित । हनुमान्त्रिपाठी कृत व्याख्या	१०—००
४२८४ रामचरितम् । श्रीसन्ध्याकरचन्द्रि विरचित । आंग्लानुवाद सहित	३२—००
४२८५ रामवनगमनम् । सुधा-इन्दुमती संस्कृत-हिन्दी टीका सहित	१—५०
४२८६ रामशतकम् । सोमेश्वरदेव कृत । हृदयमजरी-मालवोधिनी टीकाद्वय	१५—००
४२८७ रामाभ्युदय-यात्रा । संपादक—आचार्य रुद्रप्रसाद श्रवस्थी	७—००
४२८८ रामाभ्युदययात्रा । श्यामाचरण पाण्डेय कृत संस्कृत-हिन्दी टीका सहित	८—००
४२८९ रामायणमञ्जरी । क्षेमेन्द्र कृत । सुन्दरकाण्ड के ३८१ श्लोक तक	३—५०
४२९० रामायण सोपानम् । रामचन्द्र शास्त्री प्रणीत	६—००
४२९१ रामोदन्तम् ।	०—७५
४२९२ रावण चह-महाकाव्यम् । प्रवरसेन कृत । सेतुतत्त्वचन्द्रिका व्याख्या	५०—००
४२९३ राष्ट्ररत्नम् । यशेश्वर शास्त्री रचित	८—००
४२९४ रासोत्सवम् । महिषा मङ्गलम् कृत	३—००
४२९५ रुक्मिणीकल्याणकाव्यम् । राजचूडामणिदीक्षित कृत	५—००
४२९६ रुक्मिणीहरणं महाकाव्यम् । काशीनाथ शर्मा द्विवेदी विरचित	२५—००
४२९७ लघुकाव्यानि । कृष्णानन्द सरस्वती	०—७५
४२९८ ललितविस्तरः । वैद्योपाह्व श्री परशुराम शर्मा सन्पादित	१०—००, १२—५०
४२९९ लीलावर्द्ध । कोजहल विरचया । संस्कृत वृत्ति सहित	२५—००
४३०० लेनिनामृतम् । पद्मशास्त्री कृत । हिन्दी टीका सहित	१४—००
४३०१ वज्रालम्बम् । संस्कृतच्छाया सवलित । स० जूलियस लेवर । २-३ खण्ड	२—२५
४३०२ वनलता । महालिङ्गशास्त्री प्रणीत	२—५०
४३०३ वरदराजस्तवः । अप्पयदीक्षित कृत । स्वोपज्ञवृत्ति-कृष्णा हिन्दीटीका	१०—००
४३०४ वसन्तविलासफागु । सम्पादनकर्ता—मधुसूदन चिमनलाल मोदी	५—५०
४३०५ विक्रमचरितरास । उदयभानुकृत । (गुजराती)	२—५०
४३०६ विक्रमाङ्कदेवचरितम् । प्रथम सर्ग । प्रबोधिनी हिन्दी टीका	१—००
४३०७ विक्रमाङ्कदेवचरितम् (प्रथम सर्ग) डा० हरिदत्त शास्त्री कृत आंग्ल-संस्कृत-हिन्दी टीका सहित	३—००
४३०८ विक्रमाङ्कदेवचरितम् (प्रथम सर्ग) सुचारु-सुरभि-सं. हि. टी. सहित	४—००
४३०९ विक्रमाङ्कदेवचरितम् । विल्हण विरचिन । रमा संस्कृत-हिन्दी टीका सहित । १-१८ सर्ग १-३ भाग सम्पूर्ण	२२—००
४३१० विदज्ञान वल्लभ । भोजराज कृत	५—००
४३११ विद्वन्मोदतरङ्गिणी । वामदेव भट्टाचार्य कृत	०—६७
४३१२ विभावनम् ; ब्रह्मानन्द शतकम् । रमेशचन्द्र शुक्ल कृत	२—५०
४३१३ विश्वकविः (डा० रवीन्द्रनाथ ठाकुर) गरिकपाटि लक्ष्मीकांत प्रणीत	४—००

- ४३१४ वीरोत्साह-वर्धनम् । श्री सुरेशचन्द्र त्रिपाठी ०—७५
- ४३१५ शकुन्तला महाकाव्य । अनु० भगवानदत्त शास्त्री 'राकेश' ७—००
- ४३१६ शतकत्रयादिसुभाषितसङ्ग्रहः । कांभार्या सम्पादित १२—५०
- ४३१७ शतरञ्जकुतूहलम् । चिन्तन धारण चक्रवर्ती ३—००
- ४३१८ शर्मण्यदेश : सुतरां विभाति । सत्यव्रत शास्त्री कृत आंग्लानुवाद सहित २०—००
- ४३१९ शास्त्रतत्त्वविनिर्णयः । नीलकण्ठ विरचित ६—००
- ४३२० शाहेन्द्रविलासः । श्रीधरवेङ्कटेश विरचित ३—००
- ४३२१ शिवकथामृत महाकाव्यम् । छज्जूराम प्रणीत हिन्दी टीका ८—००
- ४३२२ शिवपरिणयः । कृष्णराजानक कृत । सुकन्दरानशास्त्री कृत संस्कृत छायायुत ५—२५
- ४३२३ शिवोऽहम् । श्री १००८ नारायण स्वामी और उनका महाकाव्य ६०—००
- ४३२४ शिशुपालवध प्रथम सर्ग । वीरेन्द्रकुमार वर्मा ३—००
- ४३२५ शिशुपालवध । प्रथम सर्ग । पारस नाथ द्विवेदी २—००
- ४३२६ शिशुपालवध । प्रथम सर्ग । जनार्दन गंगाधर रटाटे कृत संस्कृत हिन्दी ३—२५
- ४३२७ शिशुपालवधम् । सुधा व्याख्या-हिन्दी भाषार्थ सहित । १-२ सर्ग ३-००
- * ४३२८ शिशुपालवधम् । (चतुर्थ सर्ग) महाकवि माघ प्रणीत । 'चन्द्रकला'
संस्कृत हिन्दी व्याख्या सहित । व्याख्याता आचार्य शेषराज शर्मा ३—००
१-३ सर्ग यन्त्रस्थ
- ४३२९ शिशुपालवधम् । रामजीलाल शर्मा कृत संस्कृत-हिन्दीटीकासहित । १-४ सर्ग १०—००
- ४३३० शिशुपालवधम् । रामप्रताप त्रिपाठी शास्त्री कृत हिन्दी टीका सहित १६—००
- ४३३१ शिशुपालवधम् । (माघकाव्यम्) 'सर्वकृपा' व्याख्या-'मणिप्रभा'
हिन्दी व्याख्या सहित । १-६ सर्ग ८—०० सपूर्ण २०—००
- ४३३२ शिशुपालवध-आलोचनात्मक अभ्ययन । चुन्नीलाल शुक्ल २—५०
- * ४३३३ शृङ्गारतिलकम् । कालिदास विरचित । मूल ०—१०
- ४३३४ शृङ्गारतिलकम् । मधुसूदनशास्त्री कृत संस्कृत हिन्दी टीका सहित १—००
- ४३३५ श्री कृष्णावतार लीला । ३—७५
- ४३३६ श्रीकृष्णचरितामृतमहाकाव्यम् । कृष्णप्रसाद शर्मा 'धिमिरे'
रचित । हिन्दी टीका सहित ३०—००
- ४३३७ श्री गान्धिचरितम् । ब्रह्मानन्द शुक्ल कृत संस्कृत हिन्दी टीका ३—००
- ४३३८ श्री ज्ञानेश्वरी चरित । ५—५०
- ४३३९ श्रीचिह्नकाव्यम् (गोविन्दाभिषेक) । श्री कृष्ण लीला शुक्लमुनि विरचित
दुर्गा प्रसाद यति कृत विवरण सहित ३०—००
- ४३४० श्रीतुकारामचरितम् । क्षमाराव । आंग्लानुवाद सहित ६—००
- ४३४१ श्री नेहरूचरितम् । ब्रह्मानन्द शुक्ल कृत । हिन्दी टीका । १-१८ सर्ग १५—००
- ४३४२ श्री पद्यावली , ३—००
- ४३४३ श्रीमद्भागवत महाभागवत कथाः । गरिक पाटि लक्ष्मीकात प्रणीत ८—००
- * ४३४४ श्रीयुगलशतदलम् (श्री राधाकृष्ण की मधुर लीलाओं पर आधारित
संस्कृत हिन्दी पद्यात्मक काव्य) श्री सत्यव्रत शर्मा 'सुजान' शास्त्री कृत ४०—००
- ४३४५ श्रीरामगीतगोविन्दम् । मन्याख्या १—६५
- ४३४६ श्रीरामदासचरितम् । क्षमाराव । आंग्लानुवाद सहित ६—००

- * ४३४७ श्री स्वामीविवेकानन्दचरितमहाकाव्यम् । पं० श्री त्र्यम्बक
भण्डारकर कृत (यह पुस्तक कालिदास पुरस्कार से पुरस्कृत है) २०—००
- ४३४८ श्रीहरिचरित महाकाव्य । ३५—००
- ४३४९ श्रयङ्ककाव्यम् । कृष्णकौर विरचित ५—००
- ४३५० षष्टिशतकग्रकरणम् । (गुजराती) नेमिचन्द्रभण्डारीकृत । सद्देसरासम्पादित ६—५०
- ४३५१ संक्षिप्त रामायण मंजरी । डा० हरिद्वारीवाल शर्मा-डा० श्रीनिवाम शास्त्री २—००
- ४३५२ संदेश चतुष्टयम् (काम संदेशः मातृदत्त कृत, हस संदेशः, चकोर संदेश-
मारुत संदेशः) ४—००
- ४३५३ सन्देशरासक । (अपभ्रंशकाव्य) कवि अब्दुल रहमान विरचित । डा०
रत्नाप्रसाद द्विवेदी-विश्वनाथ त्रिपाठी कृत हिन्दी अनुवाद सहित १७—००
- ४३५४ संस्कृत-काव्यकलिका । डॉ० आद्याप्रसाद मिश्र संपादित १—००
- ४३५५ संस्कृत-काव्य-संग्रहः । डा० विश्वनाथ भट्टाचार्य-रामगोपाल मिश्र संपादित २—५०
- ४३५६ संस्कृत काव्याङ्ग चन्द्रिका । वद्रीनाथ मालवीय कृत ६—८०
- ४३५७ संस्कृत गीताञ्जलि । १२—००
- ४३५८ संस्कृतसौरभम् । (सचित्र कक्षा ६-८ के लिये प्रस्तुत)
पं० करुणापति त्रिपाठी-डा० सुभाषचन्द्र तनेजा । १-३ भाग ४-५०
- ४३५९ सत्यसिद्धिशास्त्र । हरिवर्म प्रणीत । प्रथम भाग ६५—००
- ४३६० सत्यानुभावम् । कालीपद तर्काचार्य प्रणीत १०—००
- ४३६१ सनत्कुमार चक्रिचरित महाकाव्य । ११—५०
- ४३६२ समयमातृका । जेमेन्द्र कृत । हिन्दी व्याख्या सहित ५—००
- ४३६३ सहस्रदल महाकाव्य । गगाधर मिश्र ५—००
- ४३६४ सहस्रदयानन्दकाव्यम् । कृष्णानन्द विरचित । श्री वाचस्पति
द्विवेदी कृत 'प्रकाश' हिन्दी टीका युक्त ६—००
- ४३६५ साम्राज्यलक्ष्मीपीठिका । मुद्राण्यशास्त्री सम्पादित ८—००
- ४३६६ सावित्री चरितम्-कूपमण्डूकवृत्तिः । आत्माराम शास्त्री प्रणीत ०—७५
- ४३६७ सीताचरितम् । डा० रेवाप्रसाद द्विवेदी कृत । स्वोपज्ञ सस्कृत हिन्दी
भाषानुवाद सहित १०—००
- ४३६८ सीतारामविहारकाव्यम् । ओंगेष्टि वशवर्धन लक्ष्मणाध्वरि कृत ५—३५
- ४३६९ सुकृत कीर्तिकल्लोलिन्यादि वस्तुपाल प्रशस्ति-संग्रह । ६—६०
- ४३७० सुखलेखनम् । भरतसेन कृत ३—००
- ४३७१ सुदामाचरित । नरोत्तम दास । बालवोधिनी व्याख्या सहित १—००
- ४३७२ सुधा भोजनम् । ६०—००
- ४३७३ सुरजनचरितम् । डा० चन्द्रधर शर्मा संपादित हिन्दी अनुवाद सहित २०—००
- ४३७४ सुवृत्ततिलकम् । जेमेन्द्र कृत । 'प्रभा विभा'-संस्कृत-हिन्दी व्याख्या ५—००
- ४३७५ सेतुबध महाकाव्यम् । आगलानुवाद सहित ४०—००
- ४३७६ सौन्दरानन्दः । अश्वघोषकृत । सूर्यनारायण चौधरी कृत हिन्दी अनुवाद १०—००
- ४३७७ सौन्दरानन्दकाव्यम् । अश्वघोष प्रेरित । डा० हरप्रसाद संपादित ३—००
- ४३७८ सौन्दरानन्द महाकाव्यम् । अश्वघोष प्रणीत । डा० रमाशङ्कर त्रिपाठी
कृत सस्कृत हिन्दी टीका सहित । ७-१० सर्ग ३-२५

४३७९ Studies on Bilhana and His Vikramankadevacharita by B. N. Misra	35—00
४३८० स्तुतिकुसुमाञ्जलिः । जगद्गुरु भट्ट विरचित । लघुपञ्चिका संस्कृत तथा प्रेम मकरन्द-हिन्दी टीका सहित	२०—००
४३८१ स्वराज्यविजयः । सौ. क्षमाराव प्रणीत	७—००
४३८२ हमीरमहाकाव्य ।	१५—००
४३८३ हरिचरितम् । परमेश्वरकृत । सटीक	७—५०
४३८४ हरिचरितम् । चतुर्भुज कृत	२०—०७
४३८५ हरिसंभव महाकाव्यम् । चिन्त्यानन्द विरचित । विद्वज्जनाह्लादिनी संस्कृत हिन्दी टीका सहित	१२—००
४३८६ हिन्दी काव्य मञ्जूषा । रमाशंकर पाण्डेय	३—५०

गद्यकाव्य-ग्रन्थाः

४३८७ अनुपसिंह गुणोत्तार । विट्ठल कृष्ण विरचित	४—००
४३८८ अभिज्ञान शाकुन्तल चर्चा ।	१२—५०
४३८९ अभिनवकथा निकुञ्जः । म० शिवदत्त शर्मा चतुर्वेदः	८—००
४३९० अभिलेखमाला । व्याख्याकार झा-बन्धु	८—००
४३९१ अमरभारती । स० रामचन्द्र द्विवेदी-रविशंकर नागर	८—००
४३९२ अवदानकल्पलता । तृतीयपल्लव । चोमेन्द्र विरचित	०—५०
४३९३ अवदान-शतकम् । (बौद्ध) परशुरामशर्मा संस्कृत	१०—००, १२—५०
४३९४ अवन्तिकुमारियाँ । श्री देवदत्त शास्त्री	३—००
४३९५ आधुनिक गुजरातना संतो । डॉ० केशवलाल भवालाल ठक्कर (गुजराती)	९—००
४३९६ उत्कीर्णलेखपञ्चकम् । व्याख्याकार झा-बन्धु	४—००
४३९७ उल्लिखपरिषत् (प्रबन्ध मञ्जरीतः) हृषीकेश शास्त्री मद्राचार्य विरचित । संस्कृत-हिन्दी टीका सहित	२—७५
४३९८ उपाख्यानमञ्जरी ।	३—००
४३९९ ऋजुलघ्वी । मालतीमाधव कथा	५—००
४४०० कथापञ्चकम् । क्षमाराव	३—००
४४०१ कथापञ्चदशी (कथामुक्तावली-कथामार) कथामुक्तावली-क्षमाराव कृत का अनुवाद	१—५०
४४०२ कथामुक्तावली । क्षमाराव विरचित	५—५०
४४०३ कथारत्नाकर । बाकन्वे । १-२ भाग	४०—००
४४०४ कलाविलासिनी वासवदत्ता । देवदत्त शास्त्री	३—५०
४४०५ कादम्बरी । आचार्य श्री रामचन्द्र मिश्र कृत 'चन्द्रकला' 'विद्योत्तिनी' संस्कृत हिन्दी टीका, विस्तृत प्रस्तावना, महाकवि की जीवनी, कादम्बरी समीक्षा, कथासार आदि आधुनिक विविध विषयों से सुसज्जित । पं० कृष्णमोहन शास्त्री एम० ए० सम्पादित । कथामुखपर्यन्त ८-००, पूर्वाह्न ३०-००, उत्तरार्ध २०-००, १-२ भाग संपूर्ण ५०-००	

- ४४०६ कादम्बरी : महाश्वेतावृत्तान्त । व्याख्या० : प्रद्युम्न पाण्डेय १०—००
- ४४०७ कादम्बरी:-शुकनाशोपदेश । रामपाल शास्त्री कृत सुबोधिनी
संस्कृत-हिन्दी टीका सहित ६—००
- ४४०८ कादम्बरी : एक सांस्कृतिक अध्ययन । डा० वासुदेवशरण
अप्रवाल २०—००
- ४४०९ कादम्बरीकथासारः । हिन्दी-अङ्गरेजी व्याख्या सहित १५—००
- ४४१० कान्हडदेवबन्ध । पञ्जनाभ विरचित १२—२५
- ४४११ कार्तवीर्य विजयबन्धः । आश्विन श्री राम वर्म प्रणीत ०—५०
- ४४१२ काव्यप्रबन्धः । पं० वालकृष्णभट्ट शास्त्री ३—००
- ४४१३ कुमारपाल चरित्रसंग्रह । जिनविजय मुनि संपादित ३०—००
- ४४१४ कृष्णचरितम् । अगस्त्य पण्डित कृत २७—००
- ४४१५ खरतरगच्छ बृहद्गुर्वावली । जिनविजय मुनि संपादित ७—००
- ४४१६ गजगुण रूपक पंथ । ९—००
- ४४१७ गणिकावृत्तसङ्ग्रहः । डा० स्टर्नवाक सगृहीत ३५—००
- ४४१८ गद्य चिन्तामणि । वादीभ सिंह कृत । हिन्दी टीका सहित ३०—००
- ४४१९ चउप्पन्न महापुरिसचरियं । सिरि सीलकायरिय विरच्य २१—००
- ४४२० चण्डीशतक । ५—२५
- ४४२१ चतुर्वेदिसंस्कृतरचनावलिः । पं० गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी
विरचित प्रकाशित अप्रकाशित यावन् निबन्धों का संग्रह २५—००
- ४४२२ चन्द्रप्रभाचरितम् । श्री शङ्करलाल विरचित ६—००
- ४४२३ चन्द्रापीडकथा । स० वी० अनन्ताचार्य १—२५
- ४४२४ चारुचर्या । हिन्दी रूपान्तर । रूपान्तरकार श्री देवदत्त शास्त्री २—५०
- ४४२५ छत्रपति साम्राज्यम् । शिवशङ्कर त्रिपाठी कृत ६—००
- ४४२६ जीवनाख्यानम् । ३—००
- ४४२७ टालस्टाय कथासप्तकम् । डॉ० भागीरथ प्रसाद त्रिपाठी । संस्कृत टीका ५—००
- ४४२८ त्रिपुरदाह कथा । रामस्वरूप शास्त्री विरचित ५—००
- ४४२९ दरिद्राणां हृदयम् । श्री नारायणशास्त्रि कृत १—००
- ४४३० Dasakumaracharita. With English Translation by
M. R. Kale 15—00
- ४४३१ दशकुमारचरितम् । दण्डि प्रणीत । बालविवोधिनी-बालक्रीडा
संस्कृत हिन्दी टीका द्वयोपेत । सम्पूर्ण १५—००
पूर्वपीठिका ३—००, अपहारवर्मचरितपर्यन्त ५—००
- ४४३२ दशकुमारचरितम्-पूर्वपीठिका । कृष्णकुमारमिश्र कृत संस्कृत-हिन्दी टीका ४—००
- ४४३३ दशकुमारचरितम्-पूर्वपीठिका । विश्वनाथ झा कृत संस्कृत हिन्दी टीका ४—००
- ४४३४ दशकुमारचरित-पूर्वपीठिका । विमला संस्कृत हिन्दी-टीका सहित ४—००
- ४४३५ दशकुमारचरित पूर्वपीठिका । डा० विजयलक्ष्मी त्रिवेदी-शिवबालक
द्विवेदी कृत टीका सहित ४—५०
- ४४३६ दशकुमारचरित । सुबोधचन्द्र पन्त कृत संस्कृत-हिन्दी टीका सहित १०—००

४४३७	दशकुमारचरितसारः । डॉ० सत्यव्रतसिंह संपादित	१—००
४४३८	दशकुमारचरितम् । (संक्षिप्त) क्षेमेन्द्र कृत । जगदीश प्रसाद निगम	२—००
*४४३९	दो फूल । कविता सहाय	१—००
४४४०	द्वासुपर्णा । रामजी उपाध्याय विरचित	३—००
४४४१	धर्मोपदेशमालाविवरण । लालचन्द्र वी० गांधी संपादित	९—७५
४४४२	धी कोटिद्वयकरणम् ।	५—००
४४४३	नलोपाख्यानसंग्रहः । लक्ष्मणसूरि विरचित	२—००
४४४४	नवसाहस्रांकचरितम् । परिमल पद्मगुप्त कृत । हिन्दी व्याख्या सहित प्रथम सर्ग २—०० सम्पूर्ण ग्रन्थ २०—००	
४४४५	नाटककथासंग्रह । वे० अनन्नाचार्य ग्रथित	१—२५
४४४६	नासिकेतोपाख्यानम् । हिन्दी टीका सहित	२—००
४४४७	निबन्ध-संग्रह (हिन्दी गुजराती विविध निबन्ध संग्रह) संपादक— जिन विजय मुनि	५—००
*४४४८	पञ्चतन्त्रम् (अपरीक्षितकारक पञ्चम तन्त्रम्) श्री कन्हैया लाल जोशी कृत वीणा संस्कृत हिन्दी टीका विभूषित	२—५०
४४४९	पंचाख्यान बालावबोध । प्रथम भाग—प्रथम तन्त्र	२४—००
४४५०	पालिजातकावलिः । प० बृहन्नानाथशर्मा संपादित	६—५०
४४५१	पुरातनप्रबन्धसंग्रहः । ऐतिहासिक प्रबन्ध	८—५०
४४५२	प्रतापरासो ।	६—७५
४४५३	प्रबन्धकोषः । राजशेखरसूरिकृत । आचार्य जिनविजय संपादित	६—५०
४४५४	प्रबन्धचिन्तामणिः । मेरुतुङ्गाचार्य कृत । आचार्य जिनविजय संपादिन	६—५०
४४५५	प्रबन्धचिन्तामणि । मेरुतुङ्गाचार्य विरचित । अंग्रेजी अनुवाद मात्र	३—७५
४४५६	प्रशस्ति काशिका । बालकृष्ण त्रिपाठी कृत	७—०
४४५७	प्राकृतपुष्करिणी । डा० जगदीशचन्द्र जैन कृत हिन्दी सहित	२—५०
४४५८	वृहत्कथा । नीलम अग्रवाल	१७—५०
४४५९	भारतसंग्रहः । लक्ष्मणसूरि विरचित	२—२५
४४६०	भोसकथासारः । महालिङ्ग शास्त्री प्रणीत । १ व ३ भाग	५—००
४४६१	भोजप्रबन्धः । महाकवि बल्लालसेन विरचित	१—००
४४६२	भोजप्रबन्ध । हिन्दी टीका सहित	३—००, ४—००
४४६३	भोजप्रबन्ध । हिन्दी टीका—आंग्लानुवाद सहित	३—७५
४४६४	मत्स्याखतार प्रबन्धः । नारायण मट्ट प्रणीत	०—५०
४४६५	मधुमालती कथा ।	१८—७५
४४६६	मन्दाकिनी । डॉ० देवर्षि सनाढ्य	१—२५
४४६७	मन्दारमञ्जरी । (दिग्दर्शन दर्वोगुण वर्णन पर्यन्त) कृष्णकुमारद्वैअवस्थी कृत टीका सहित	३—००
४४६८	मन्दारमञ्जरी । श्री विश्वेश्वर पाण्डेय विरचित । सव्याख्या	१०—००
४४६९	मुद्गराक्षसनाटककथा । महादेव विरचित । राघवन् संपादित	३—००
४४७०	मुद्गराक्षसपूर्वसङ्ग्रहानक । अनन्तराम विरचित	४—००
४४७१	वर्णकसमुच्चय । वी० जे० सादेसरा संपादित । १-२ भाग	२०—००

४४७२	वाल्मीकिविजयः । वैद्योपात् परशुराम शर्मा विरचित	३-००
४४७३	वासवदत्ता । चपला प्रबोधिनी संस्कृत-हिन्दी टीका सहित	६-००
४४७४	Vasavadatta. L. H. Gray	7-50
४४७५	वासवदत्ता कथा । सुवन्धु विरचित । सं० डॉ० जयदेव मोहनलाल शुक्ल	४-५०
४४७६	विज्ञप्ति लेख संग्रह (विज्ञप्ति त्रिवेणी विज्ञप्ति महालेख-आनन्द प्रबन्ध लेखादि समुच्चयात्मक) प्रथम भाग	१०-५०
४४७७	विदुलोपाख्यानम् । लीला-विलास संस्कृत-हिन्दी टीका सहित	१-५०
४४७८	विश्रुतचरितम् । संस्कृत-हिन्दी टीका सहित	१-२५, ३-००
४४७९	वीणावासवदत्ताकथा ।	५-००
४४८०	वेतालपञ्चविंशतिः । 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या सहित	१५-००
४४८१	शङ्करजीवनाख्यानम् । क्षमाराव	२-५०
४४८२	शंकरविजय । व्यासाचल विरचित	९-१३
४४८३	शम्भूचर्योपदेशः । महालिङ्गशास्त्री कृत	१-००
४४८४	शान्तिनाथचरितम् । अजितप्रभाचार्य विरचित	३-००
४४८५	शिवराजविजयः । अम्बिकादत्त व्यास कृत । वैजयन्ती व्याख्या सहित	-
	१-३ निश्वास ५-००, ४-५ निश्वास ३-००, १-४ निश्वास ६-००,	
	१-२ निश्वास ४-००, ५-८ निश्वास ८-००,	
	९-१२ निश्वास १५-०० । सम्पूर्ण	२९-००
४४८६	शिवराज विजय कुक्षिका । परमानन्द शास्त्री	४-००
४४८७	शुकनासोपदेशः । रामपाल शास्त्री कृत सुबोधिनी संस्कृत-हिन्दी टीका सहित	६-००
४४८८	शुकसप्ततिः । विनोदिनी संस्कृत-हिन्दी-व्याख्योपेता	१०-००
४४८९	शृङ्गारमञ्जरीकथा । भोजदेव विरचित । आंग्लानुवाद सहित	१२-५०
४४९०	श्री रामकृष्ण कथासूत्रम् । प्रथम भाग	२०-००
४४९१	श्रीरामावतार प्रकीर्ण प्रबन्धावली । प्रथम गण्ड	११-००
४४९२	संसार-सागर मन्थन । १-२ भाग	१०-००
४४९३	संस्कृत काव्य कथाएँ । श्री वच्चा पाण्डेय शर्मा	३-५०
४४९४	संस्कृत-गद्य-कलिका । डॉ० हरीन्द्रभूषण जैन सम्पादित	१-००
४४९५	संस्कृत-गद्य-पद्यसंग्रहः । हिन्दी टीका सहित	६-००
४४९६	संस्कृत गद्य भारती । डॉ० हरिदत्त शास्त्री-डॉ० राजकुमार जैन	२-७५
४४९७	संस्कृतगद्यमञ्जरी । चन्द्रशेखर पाण्डेय-एस० एन० व्यास कृत	४-००
४४९८	संस्कृत गद्यलहरी । श्री हरिहर झा । १-२ भाग	५-००
४४९९	सत्कथा मंजरी । वरदाचार्य	१-२५
४५००	समीक्षाशास्त्र । श्री सीताराम चतुर्वेदी	२२-००
४५०१	सावित्र्युपाख्यानम् । संस्कृत-हिन्दी टीका सहित	१-५०
४५०२	साहित्य सुधा । चारुदेव शास्त्री	२-६५
४५०३	सूरज प्रकाश । १-३ भाग	२७-२५
४५०४	सूरथ चरित । बुद्धिधारी सिंह	
४५०५	सेक शुभोदया । हलायुध मिश्र कृत । सुकुमार सेन कृत आंग्लानुवाद	३०-००

४५०६ सौमित्रि सुन्दरी चरित । भवानी दत्त शर्मा	३—००
४५०७ स्थविरावलीचरितम् । परिशिष्टपर्वण । हेमचन्द्र विरचित	५—००
४५०८ स्फुट चन्द्रासि । के० वी० शर्मा-	६—००
४५०९ हृमीर प्रबन्ध । अमृतकलश कृत	६—००
४५१० हरिश्चन्द्रोपाख्यानम् । सायण भाष्य 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या	३—००
५४११ हर्षचरितम् । रत्ननाथ कृत मर्मावोधिनी व्याख्या सहित	१०—००
४५१२ हर्षचरितम् । बाणभट्ट कृत । संकेत संस्कृत तथा आचार्य जगन्नाथ पाठक कृत हिन्दी व्याख्या सहित १-२ उद्घास ५-०० संपूर्ण	१५-००
४५१३ हर्षचरितम् । (प्रथम उच्छवास) संस्कृत-हिन्दी टीका सहित	४—००
४५१४ हर्षचरितम् । चुन्नीलाल शुक्ल कृत टीका सहित । प्रथम सर्ग	४—००
४५१५ हर्षचरितम् । (पञ्चम उच्छ्वासः) । संस्कृत-हिन्दी-व्याख्या	५—००
४५१६ हर्षचरितः एक सांस्कृतिक अध्ययन । वासुदेव शरण अग्रवाल	९—५०
४५१७ हर्षचरित-प्रश्नोत्तर रूप में । चुन्नीलाल शुक्ल	३—००
४५१८ हर्षचरितसारः । मिराशी । संस्कृत-हिन्दी टीका सहित	१०—००
* ४५१९ हितोपदेशः मित्रलाभः । 'रश्मिकला' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या-सहित । व्याख्याकार केशवदेव शास्त्री । सं० कपिलदेव गिरि	४—५०
४५२० हितोपदेशः । संस्कृत हिन्दी टीका सहितसंपूर्ण	१२—००
	(सुहृदभेद) ३—५०

अलङ्कारशास्त्र-ग्रन्थाः

४५२१ अभिनव रस मीमांसा । डा. ब्रह्मानन्द शर्मा	५—००
४५२२ अभिनव रस सिद्धान्त । डा. दशरथ द्विवेदी	६—००
४५२३ अरस्तू का काव्यशास्त्र । डॉ० नगेन्द्र-महेन्द्र चतुर्वेदी	१५—००
४५२४ अलङ्कारचिन्तामणि । अजितसेन कृत । संस्कृत-हिन्दी टीका सहित	१८—००
४५२५ अलङ्कारपीयूष । डॉ० गङ्गासागर राय	३—००
४५२६ अलङ्कार प्रकाश । डा० वीरेन्द्रकुमार वर्मा	१—५०
* ४५२७ अलङ्कारप्रदीपः । श्री विश्वेश्वर पाण्डेय निर्मित	५—००
४५२८ अलङ्कारप्रभा । जनार्दन शास्त्री पाण्डेय	१—००
४५२९ अलङ्कारमञ्जरी । वेणीदत्त कृत । बदरीनाथ झा संपादित	२—००
४५३० अलङ्कारमञ्जूषा । देवगङ्गपुरोहित विरचित	२५—००
४५३१ अलङ्कार-मीमांसा । डॉ० रामचन्द्र द्विवेदी	१६—००
* ४५३२ अलङ्कारसुक्तावली । श्रीविश्वेश्वर पाण्डेय निर्मिता	५—००
४५३३ अलङ्काररत्नाकरः । शोभाकर मित्र विरचित । देवधर सम्पादित	८—००
* ४५३४ अलङ्कारशेखरः । केशवमिश्र कृत । साहित्याचार्य श्रीअनन्तराम शास्त्रिकृत भूमिकादि विभूषित	५—००
४५३५ अलङ्कारसंग्रहः । अमृतानन्दयोगिकृत	१६—००

- *४५३६ हिन्दी अलङ्कारसर्वस्व । राजानक रुय्यक तथा मङ्ग विरचित ।
जयरथ कृत 'विमर्शिनी' टीका सहित । हिन्दीव्याख्याकार-
डा० रेवाप्रसाद द्विवेदी मूल तथा विमर्शिनी का संशोधन तथा
संपादन । आरम्भ में शोधपूर्ण विशद भूमिका । परीक्षाश २५—८०
सम्पूर्ण ४०—००
- ४५३७ अलङ्कारसारमञ्जरी । नारायणशास्त्री खिस्ते रचित हिन्दी टीका १—५०
- ४५३८ अलङ्कारसारमञ्जरी । गोपाल शास्त्री दर्शन केशरी कृत हिन्दी टीका २—००
- ४५३९ कर्णभूषणम् । गङ्गानन्द कविराज विरचित २—००
- ४५४० कविकल्पलता । देवेश्वर विरचित । १-२ सह १—५०
- ४५४१ कविकौस्तुभ । २—००
- ४५४२ काव्यदीपिका । 'मयूख'-'किरण' संस्कृत हिन्दीव्याख्या सहित ६—००
अष्टम शिखा २—५०
- ४५४३ काव्यदीपिका । परमेश्वरानन्द शास्त्री कृत संस्कृत हिन्दी टीका सहित ६—००
- ४५४४ काव्यदीपिका । सुधा-विमला संस्कृत-हिन्दी टीका सहित ७—००
- ४५४५ काव्यदीपिका । अष्टम शिखा । राम कृष्ण आचार्य कृत टीका सहित १—५०
- ४५४६ काव्यदीपिका । (अष्टम शिखा) हिन्दी टीका सहित । सं० तारिणोश झा १—७५
- ४५४७ काव्यदीपिका (द्वितीय, तृतीय, अष्टम शिखा) हिन्दी टीका सहित २—५०, ३—५०
- ४५४८ काव्यपरीक्षा । श्रीवत्सलान्धन विरचित । स्वोपज्ञवृत्ति सहित ८—००
- *४५४९ काव्यप्रकाशः मम्मटाचार्य कृत । पं० हरिशङ्कर शर्मा कृत
'नागेश्वरी' व्याख्यासहित । तृतीय संस्करण २५—००
- ४५५० काव्यप्रकाशः । वामनाचार्य झलकाकर प्रणीत व्याख्या सहित ३०—००
- *४५५१ काव्यप्रकाशः । मम्मट भट्ट विरचित । श्री कृष्णशर्मा कृत 'रस प्रकाश'
टीका आग्लानुवाद भूमिकादि सहित । सम्पादक डॉ० शिवनारायण
घोषाल शास्त्री । प्रथम भाग १-५ उल्लास ५०—००
- ४५५२ काव्यप्रकाशः । 'शशिकला' हिन्दी व्याख्या सहित । सत्यव्रतमिह २०—००
- ४५५३ काव्यप्रकाशविवरणम् । गोकुलनाथोपाध्याय विरचित । प्रथमोल्लास १—५०
अपूर्ण पञ्चम उल्लास पर्यन्त ८—००
- ४५५४ काव्यप्रकाशः । भट्टसोमेश्वर विरचित काव्यादर्श सकेत सहित । १-२ भाग २०—२५
- ४५५५ काव्यप्रकाशः । विद्याचक्रवर्ति कृत मम्प्रदाय प्रकाशनी व्याख्या-
आग्लानुवाद सहित । १-२ भाग ५८—००
- ४५५६ काव्यप्रकाशः । मधुसूदनी बालक्रीडा संस्कृत-हिन्दी टीका सहित ३०—००
- ४५५७ काव्यप्रकाशः । डा० श्री निवास शास्त्री कृत प्रभा हिन्दी टीका सहित १८—००
- ४५५८ काव्यप्रकाशः । चण्डीदासकृत दीपिका टीका सहित । तृतीयभाग १०—००
- ४५५९ काव्यप्रकाशः । नरसिंह सरस्वती तीर्थ कृत बालचित्तानुराज वि-वत्सलान्धन
भट्टाचार्य कृत सारवोधिनी-विश्वनाथ कविराज कृत काव्यप्रकाशदर्पण
त्रय व्याख्या सहित ६०—००
- ४५६० काव्यप्रकाशः । परमानन्द चक्रवर्ती कृत काव्यप्रकाश विस्तारिका व्याख्या
सहित । प्रथम भाग उल्लास १-६ ३८—००
- ४५६१ काव्यप्रकाशः । आचार्य विश्वेश्वर कृत हिन्दी टीका सहित ३०—००

४५६२ काव्यप्रकाश । (आलोचनात्मक अध्ययन) डा० पारसनाथ द्विवेदी	४—००
४५६३ काव्यप्रकाशः (प्रश्नोत्तर रूप में) चुन्नीलाल शुक्ल	५—००
४५६४ काव्यप्रकाशखण्डन । खुशूफहस् सिद्धिचन्द्रगणि विरचित	४—५०
४५६५ काव्यप्रकाश दर्पण । सुरेश अग्रवाल	६—००
४५६६ काव्यप्रकाशरहस्यम् (काव्यप्रकाश-प्रश्नोत्तरी)	४—००
४५६७ काव्यप्रदीपिका (काव्यप्रकाश-प्रश्नोत्तरी) । राम गोविन्द शुक्ल कृत	३—००
४५६८ काव्यमीमांसा । सी० डी० दलाल-आर. ए. शास्त्री संपादित	१२—००
४५६९ काव्यमीमांसा । केदारनाथ सारस्वत कृत हिन्दी टीका सहित	९—५०
४५७० हिन्दी काव्य-मीमांसा । व्याख्याकार डॉ० गंगासागर राय	१८—००
४५७१ काव्यमीमांसा । विमला-सुधा संस्कृत हिन्दी टीका । १-५ अध्याय	३—५०
४५७२ काव्यमीमांसा । मधुसूदनी-बालक्रीडा संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित । १-५ अध्याय	३—८०
* ४५७३ काव्यमीमांसा । म० म० श्रीनारायण शास्त्री खिस्ते कृत 'काव्यमीमांसा चन्द्रिका' व्याख्या सहित । १-५ अध्याय	३—८०
४५७४ काव्यमीमांसा । १-५ अध्याय	२—२५
४५७५ काव्यलक्षणम् । रत्नश्री शानिकृतया रत्नश्रिया टीकया समलकृतम्	१५—००
४५७६ काव्यशास्त्र के तत्व ।	१—७५
४५७७ काव्य-शास्त्र-दीपिका । डा० विश्वनाथ भट्टाचार्य-रामगोपाल मिश्र संपादित	१—६०
४५७८ काव्याङ्गचन्द्रिका ।	१—८०
४५७९ काव्यादर्शः । दण्डिविरचित । संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित	१५—००
४५८० काव्यादर्शः ।	१६—००
४५८१ काव्यादर्शः ।	३५—००
४५८२ काव्यानुशासन । हेमचन्द्र कृत	७—००
४५८३ काव्यालङ्कार । मामह विरचित । देवेन्द्रनाथ शर्मा कृत हिन्दी टीका सहित	५—००
४५८४ Kavyalankara of Bhamaha. With English Translation by P. V Nagañath Sastri	12—00
४५८५ हिन्दी काव्यालंकार । महाकवि रुद्रट विरचित । नमिसाधुकृत संस्कृतटिप्पण 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या सहित	१५—००
४५८६ काव्यालंकार । रुद्रट कृत । हिन्दी टीका सहित	२१—००
४५८७ काव्यालङ्कारकारिका (अभिनव काव्यशास्त्रम्) रेवाप्रसाद द्विवेदी रचित	३०—००
४५८८ काव्यालङ्कारसारसंग्रह और लघुवृत्ति की व्याख्या । डा० राममूर्ति त्रिपाठी	१५—००
* ४५८९ हिन्दी काव्यालङ्कारसूत्राणि । आचार्य वामन कृत । श्री गोपेन्द्र त्रिपुरहर भूपाल कृत काव्यालङ्कार कामधेनु संस्कृत टीका तथा डा० बेचन झा कृत हिन्दी टीका युक्त । डा० रेवा प्रसाद द्विवेदी लिखित समीक्षात्मक भूमिका सहित	१५—००
* ४५९० काव्यालङ्कारसूत्राणि । वामन कृत । गोपेन्द्र त्रिपुरहर भूपाल कृत काव्यालङ्कार कामधेनु संस्कृत डा० बेचन झा कृत हिन्दी टीका सहित । तृतीयाधिकरण मात्र	१—५०

४५९१ काव्यालङ्कारसूत्राणि । यास्क विरचित । त्रिभिः मङ्गला वृत्ति सहित	२—००
४५९२ काव्येन्दुप्रकाशः । कामराजदीक्षित प्रणीत	१०—००
४५९३ कुवलयानन्दः । 'अलङ्कारसुरभि' हिन्दी व्याख्या सहित	२०—००
४५९४ कुवलयानन्दचन्द्रिकाचकोरः । जगू वैकटाचार्य विरचित	२०—००
४५९५ चन्द्रालोकः । विमला-सुधा सस्कृत हिन्दी टीका सहित सपूर्ण	८—००
पञ्चम मयूख	४—००
४५९६ चन्द्रालोकः । पौर्णमासी-कथाभट्टी संस्कृत-हिन्दी व्याख्याद्वयोपेत	८—००
४५९७ चन्द्रालोक । सुबोधचन्द्र पन्त कृत सस्कृत हिन्दी टीका सहित	६—००
४५९८ चन्द्रालोकः । गागाभट्टकृत 'रकागम' टीका सहित	१०—००
४५९९ चन्द्रालोक-पञ्चममयूखः । 'प्रकाश' हिन्दी टीका सहित	३—००
४६०० चन्द्रालोकरहस्यम् (चन्द्रालोकप्रश्नोत्तरी)	४—००
४६०१ चन्द्रालोक सुधा छन्दोमञ्जरी सुधा ।	३—००
४६०२ चन्द्रालोकादर्श । रामगोविन्द शुक्ल	३—००
४६०३ चित्रमीमांसा । अप्पय दीक्षित कृत । श्रीधर्मानन्द कृत सुधा सस्कृत-	
श्री जगदीश चन्द्र मिश्र कृत भारती हिन्दी व्याख्या सहित	२५—००
४६०४ त्रिवेणिका । आशाधर भट्ट कृत । ब्रह्ममित्र अवस्थी कृत टीका सहित	१५—००
४६०५ दशरूपकम् । धनञ्जयकृत । धनिक कृत दशरूपपावलोक्त सस्कृत टीका	
तथा जगद्गुरु आचार्य श्री चरणतीर्थ महाराज कृत विस्तृत अंग्रेजी	
व्याख्या, टिप्पणी सुविस्तृत सस्कृत भूमिकादि सहित । प्रथम	
प्रकाश । द्वितीय सशोधित संस्करण	१५—००
४६०६ दशरूपकम् । भट्टनृसिंह कृत लघु टीका धनिककृत अवलोक टीका सहित	२६—००
४६०७ दशरूपकम् ।	१६—००
४६०८ दशरूपकम् । धनञ्जय विरचित । सावलोक । 'चन्द्रकला' हिन्दी	
व्याख्योपेत व्याख्याकार-डॉ० भोलाशंकर व्यास	१६—००
४६०९ दशरूपकम् । धनञ्जय विरचित । डॉ० श्रीनिवास शाली कृत समीक्षारत्मक	
भूमिका भाषा टीका व टिप्पणी सहित	१२—००
४६१० दशरूपक । डा० गोविन्द त्रिगुणायत कृत टीका सहित	७—५०
४६११ दशरूपक-आलोचनात्मक अध्ययन । चुन्नीलाल शुक्ल	४—००
४६१२ हिन्दी ध्वन्यालोक लोचन । लोचन सस्कृत व्याख्या-प्रकाश हिन्दी	
टीका सहित । प्रथम उद्योत ७—०० सपूर्ण ग्रन्थ	३०—००
४६१३ ध्वन्यालोक । लोचन सस्कृत-रामसागर त्रिपाठी कृत हिन्दी टीका	२८—००
प्रथम उद्योत ६—००, १-२ उद्योत	१५—००
४६१४ ध्वन्यालोकः । दीधिति संस्कृतहिन्दी व्याख्या सहित । सम्पूर्ण	१५—००
४६१५ ध्वन्यालोकः । डा० कृष्णकुमार कृत हिन्दी टीका सहित	२५—००
४६१६ ध्वन्यालोकः । आचार्य विश्वेश्वर कृत हिन्दी टीका सहित	२०—००
४६१७ ध्वन्यालोक । कुम्पूस्वामिशालिणी पणीत व्याख्या सहित । प्रथम भाग	९—००
४६१८ ध्वन्यालोक-प्रश्नोत्तरी । राम गोविन्द शुक्ल	२—५०
४६१९ ध्वन्यालोक । (आलोचनात्मक अध्ययन) डा० पारसनाथ द्विवेदी	३—५०
४६२० ध्वन्यालोक । (प्रश्नोत्तर रूप में) डा० जयकिशन-प्रसाद खडेलवाल	३—००

४६२१ ध्वन्यालोकरहस्यम् । (ध्वन्यालोक-प्रश्नोत्तरी)	३—५०
४६२२ ध्वन्यालोकसारः । पुरुषोत्तम शर्मा चतुर्वेद कृत	४—००
४६२३ रसकौस्तुभ । वेणीदत्त झा कृत । डा० ब्रह्ममित्र अवस्थी कृत टीका सहित	१५—००
४६२४ हिन्दी रसगङ्गाधर । 'चन्द्रिका' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित । पथमानन पर्यन्त पथम भाग २०—०० द्वितीयानन का उत्प्रेक्षा, निरूपणान्त द्वितीय भाग ४०—०० अतिशयोक्त्यलङ्कारादि समाप्तिपर्यन्त तृतीय भाग ४०—०० १-३ भाग सपूर्ण	१००—००
४६२५ रसगङ्गाधर । नागेश भट्ट कृत मर्म प्रकाश व मधुसूदनी सं० टीका व बालक्रीडा हिन्दी टीका । व्याख्याकार मधुसूदन शास्त्री । १-३ भाग	९७—००
४६२६ रसगङ्गाधरः । केदारनाथओझा कृत रसचन्द्रिकाव्याख्या सहित । प्रथम भाग	२२—००
४६२७ रसगङ्गाधर । पुरुषोत्तमशर्मा चतुर्वेदी कृत हिन्दी मात्र । १-३ भाग	४५—००
४६२८ रसगङ्गाधर-एक समीक्षात्मक अध्ययन । कुमारी चिन्मयी माहेश्वरी	२५—००
४६२९ रसगङ्गाधरमर्मप्रकाश-मर्मोद्घाटन । जगू वैकटाचार्य विरचित	१—००
४६३० रसगङ्गाधररहस्यम् । (प्रश्नोत्तरी) श्रीमदनमोहनम्ना विरचित	२—५०
४६३१ रसगङ्गाधरहृदयम् । श्री ज्ञानचन्द त्यागी	३—००
*४६३२ रसचन्द्रिका । श्री विश्वेश्वर पाण्डेय निर्मित	२—००
४६३३ रसचन्द्रिका । श्री मधुसूदन कवीन्द्र कृत । चकोराख्य टिप्पणी समेत	२६—००
४६३४ रसतरङ्गिणी । सीताराम चतुर्वेदी कृत हिन्दी टीका सहित	९—००
४६३५ रसतरङ्गिणी । भानुदत्तमिश्र प्रणीत । हिन्दी टीका सहित	३—७५
४६३६ रसतरङ्गिणी । रामानन्द ठक्कुर विरचित	२—२५
४६३७ रसदीर्घिका । विद्याराम विरचित	२—००
४६३८ रसमञ्जरी । सुरभि-सुषमा संस्कृत-हिन्दी टीका सहित	१५—००
४६३९ रसरत्नप्रदीपिका । अहुराज विरचित	३—००
४६४० रसविलासः । भूदेवशुक्ल कृत । श्रीमती प्रेमलता शर्मा संपादित	५—००
४६४१ रससिद्धान्त ।	१५—००
४६४२ रसार्णव सुधाकर । स० डा० रेवाप्रसाद द्विवेदी	८—००
४६४३ रसिकजीवनम् । रामानन्द पति त्रिपाठी कृत	७—००
४६४४ रूपकपरिशुद्धिः ।	२—००
*४६४५ हिन्दी वक्रोक्तिजीवित । राजानक कुन्तक कृत । व्याख्याकार— श्री राधेश्याम मिश्र । विमर्शाख्य प्रकाश हिन्दी व्याख्या, समा- लोचनात्मक प्रस्तावना तथा विविध-परिशिष्ट-विभूषित संग्राह्य संस्करण प्रथम उन्मेष १०—००, १-२ उन्मेष १५—०० सम्पूर्ण	३०—००
४६४६ वसुधैवकुटुम्बक दर्शनम् । डा० ब्रह्मानन्द शर्मा	४—००
४६४७ वाग्भटालङ्कारः । सिंहदेवगणि विरचित संस्कृत टीका, डा० सत्यव्रतसिंह कृत शशिकला हिन्दी व्याख्या सहित	३—००
४६४८ वाग्भटालंकार व चालावबोध ।	१२—००
४६४९ वृत्तिवातिकम् । अप्पयदीक्षित विरचित	८—००
४६५० वृत्तिवार्तिक । हिन्दी टीका सहित	१५—००

- ४६५१ वृत्तिसमुच्चय । ब्रह्ममित्र अवस्थी । १-२ भाग ७५-००
- *४६५२ हिन्दी व्यक्तिविवेक । राजानक महिममष्ट प्रणीत । राजानक रचयक
विरचित संस्कृतटीका सहित । हिन्दी व्याख्याकार-श्रीरेवाप्रसाद द्विवेदी
इस संस्करण में मूलग्रन्थ तथा संस्कृत टीका के साथ विषयानुक्रम सरल
एवं सरस हिन्दी में उसका प्राञ्जल अनुवाद देकर 'विमर्ग' में विषय का
विशिष्ट विवेचन प्रस्तुत किया गया है । शोधपूर्वक पाठान्तर सहित
प्रथम सम्प्रेष १६-०० सम्पूर्ण ३०-००
- ४६५३ शब्दव्यापार विचार । डॉ० रेवा प्रसाद द्विवेदी ४-००
- ४६५४ शब्द व्यापार विचार । मम्मट कृत । हिन्दी टीका सहित १२-००
- ४६५५ शब्दशक्ति । डा० पुरुषोत्तम दास १३-००
- ४६५६ शिशुप्रबोधकाल्यालंकारः । पञ्जराज विरचित । वी०एल० अभोग मपादित १५-५०
- ४६५७ शृङ्गारतिलक । रुद्रट कृत । महदयलीला । रघ्यक कृत । टिप्पणी-अनुवाद १२-००
- ४६५८ शृङ्गारप्रकाशः । भोजदेव विरचित । प्रथमादि चतुर्विंशती प्रकाशात्मकः ।
जी० आर० जोशियर सम्पादित । १-४ भाग ११०-००
- ४६५९ शृङ्गारमञ्जरी । अकबरसाह कृत । ब्रजभाषा । रूपान्तरकार कवि
चिन्तामणि । डा० भगीरथ मिश्र सम्पादित २-५०
- ४६६० शृङ्गारशतकम् । भर्तृहरिकृत । हिन्दी व्याख्या पद्यानुवाद सहित २-५०
- ४६६१ शृङ्गारहारावली । हर्ष विरचित २-७५
- ४६६२ शृङ्गारार्णवचन्द्रिका । स० कुलकर्णी ३-००
- ४६६३ सांस्कृतिक साहित्यिक निबन्ध । डा. वेदकुमारी-डा. रामप्रताप ७-५०
- *४६६४ सरस्वतीकर्णभरणम् । भोज कृत । रत्नेश्वर मिश्र कृत 'रत्नदर्पण'
संस्कृत टीका-डा० कामेश्वर नाथ मिश्र कृत हिन्दी टीका तथा
परिशिष्टादियुत । १-२ परिच्छेद प्रथम भाग ३५-००
- *४६६५ साहित्यदर्पणः । श्री विश्वनाथ कविराज कृत । 'लक्ष्मी' संस्कृत-
व्याख्या-टिप्पणी विभूषित । व्या०-कृष्णमोहन शास्त्री एम.ए. यन्त्रस्थ
४६६६ साहित्यदर्पण । शालिग्राम शास्त्री कृत विमला हिन्दी टीका सहित २२-००
- ४६६७ साहित्यदर्पणः । 'शशिकला' हिन्दी व्याख्या सहित ।
व्याख्याकार-डॉ० सत्यव्रत सिंह । संपूर्ण ३०-००
१-६ परिच्छेद २०-०० ७-१० परिच्छेद १०-००
- ४६६८ साहित्यदर्पणः । डा. निरूपण विद्यालंकार कृत हिन्दी टीका सहित ३५-००
- ४६६९ साहित्यदर्पण । १-२ १०-००
- ४६७० साहित्यदर्पणः । (तृतीय परिच्छेद) (रस स्वरूप निरूपण) डा० महेशचन्द्र
भारतीय ३-५०
- ४६७१ साहित्यदर्पण । (आलोचनात्मक अध्ययन) जयकिशन प्रसाद खण्डेलवाल ५-००
- ४६७२ साहित्य दर्पण । (आलोचनात्मक) डा० राजकिशोर सिंह ५-००
- ४६७३ साहित्यदर्पण प्रश्नोत्तरी । देवदत्त शास्त्री ३-००
- ४६७४ साहित्यदर्पणादर्शः । (साहित्यदर्पण-प्रश्नोत्तरी) ४-००
- ४६७५ साहित्य-निबन्धः । शोभित मिश्र २-००
- ४६७६ साहित्यरत्नाकरः । धर्मसूरि कृत । द्वयव्याख्या १-२ भाग ३४-७०

४६७७ साहित्यविमर्शः । सोमेश्वरशर्मा	२—५०
४६७८ साहित्यविवेक ।	१२—००
४६७९ साहित्यशास्त्र ।	१५—००
४६८० साहित्य-शास्त्र-सार । हंसराज अग्रवाल तथा श्रुतिकान्त जी	४—५०
४६८१ साहित्यसंदर्भाः । डा. रेवाप्रसाद द्विवेदी	३—००
४६८२ साहित्यसारः । सर्वेश्वराचार्य विरचित	२—५०
४६८३ सुबोधालंकार । सध रक्खित कृत	१५—००
४६८४ साहित्यसुधा सिन्धुः । विश्वनाथदेव कृत । हिन्दी टीका सहित	६०—००
४६८५ Studies on Some Concepts of Alankara Sastra	25—00
४६८६ स्वभाषालंकार-सियवसलकुर । शिलामेघ सेन कृत	१५—००

सुभाषित-ग्रन्थाः

४६८७ अन्योक्तिरङ्गिणी । मथुराप्रसाद दीक्षित । स्वोपज्ञ व्याख्या सहित	२—५०
४६८८ अन्योक्त्यष्टकसङ्ग्रहः । सन्दब्ध कृत । प्रतिभा त्रिवेदी सम्पादित	२—००
४६८९ उक्ति रत्नाकर ।	४—७५
४६९० कर्णामृतं प्रपा । भट्ट सोमेश्वर कृत	२—२५
*४६९१ वैद्यकीय सुभाषित साहित्यम् अथवा साहित्यिक सुभाषित वैद्यकम् । संग्रहकर्ता एवं व्याख्याता डॉ० मास्कर गोविन्द घाणेकर । डा० परशुराम लक्ष्मण वैद्य कृत प्रस्तावना सहित	३५—००
४६९२ व्याजोक्तिरत्नावली । महालिङ्गशास्त्री कृत	३—००
*४६९३ व्यास सुभाषित-संग्रहः । स० डॉ० लुडविक् स्टेनवाख ।	१५—००
४६९४ भोजपुरी लोकोक्तिर्यो । डा. शशिशेखर तिवारी	१०—००
४६९५ महासुभाषित संग्रहः । लुडविक स्टेनवच कृत आंग्लानुवाद सहित । १-३ भाग	३००—००
४६९६ संस्कृतसूक्तिरत्नाकर । डॉ० रामजी उपाध्याय । हिन्दी अनुवाद सहित	४—००
४६९७ संस्कृतसूक्तिसागरः । नारायण स्वामी कृत हिन्दी टीका सहित ।	२१—००
४६९८ समयोचितपद्यरत्नमालिका ।	१—५०
४६९९ सुभाषित त्रिशतिः । मरुहरि प्रणीत । रामचन्द्र कृत व्याख्या सहित	५—००
४७०० सुभाषित निधी ।	१५—००
४७०१ सुभाषित रत्नभाण्डागार ।	८५—००
४७०२ सुभाषित संग्रह ।	१२—५०
४७०३ सुभाषित सप्तशती । डॉ० मङ्गलदेव शास्त्री	५—००
४७०४ सुभाषितावलिः । बलभदेव सगृहीत	३०—००
४७०५ सुभाषितावलिः । रामचन्द्र मालवीय कृत हिन्दी टीका सहित	४०—००
४७०६ सूक्तिमञ्जरी । आचार्य बलदेव उपाध्याय	१०—००
४७०७ सूक्ति मुक्तावली । भीमराजु सत्यनारायण कृत । हिन्दी टीका सहित	१६—००
४६०८ सूक्तिमुक्तावली । गोकुलनाथोपाध्याय विरचित । भूपनारायण झा संपादित	७—५०
४७०९ सूक्तिमुक्तावली । हरिहर प्रणीत । रमानाथ झा सम्पादित	७—५०
४७१० सूक्तिरत्नावली । संस्कृत श्लोक-पद्यानुवाद सहित	३—००
४७११ सूक्तिशतकम् । सम्पादक-श्रीहरिहर झा । १-२ भाग	२—००

४७१२ सूक्तिसंग्रहः । श्रीराक्षसकविकृत । प्राज्ञविनोदिनीव्याख्यासंवलित	०—३०
४७१३ सूक्तिसागर । रमाञ्जकर गुप्त । हिन्दी	१०—००

चम्पू-ग्रन्थाः

४७१४ आनन्द वृन्दावन चम्पू । कर्णपूर विरचित । हिन्दी टीका सहित	३०—००
४७१५ कविमनोरञ्जक चम्पू । सीताराम मूरि विरचित	२—००
४७१६ कुवलयमाला । उद्योतन सूरि विरचित । प्रथम भाग	१५—५०
४७१७ कुवलयमाला कथा संक्षेप । प्रथम भाग-परिशिष्टात्मकग्रन्थ	५—५०
४७१८ गोपालचम्पूः । जीव गोस्वामी विरचित । हिन्दी टीका सहित । १-२ भाग	३५—००
४७१९ चम्पूभारतम् । (भारतचम्पू) अनन्तभट्टविरचित । श्रीरामचन्द्र मिश्र कृत 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित	२०—००
४७२० चम्पूभारतम् । रामचन्द्र बुधेन्द्र व्याख्या सहित	१६—००
४७२१ चम्पूरामायणम् । भोजराज विरचित । 'प्रकाश' संस्कृत- हिन्दी व्याख्योपेत । व्याख्याकार-आचार्य श्री रामचन्द्र मिश्र	१५—००
सुन्दरकाण्ड	५—००
४७२२ चम्पूरामायणम् (बालकाण्डम्) । कल्याणी संस्कृत-हिन्दी टीका सहित	५—००
४७२३ चोलचम्पूः । विरुपाक्षकवि विरचित	१—००
* ४७२४ नलचम्पूः अथवा दमयन्ती कथा । त्रिविक्रम भट्ट कृत । चण्डपाल कृत विपमपद 'प्रकाश' संस्कृत व्याख्या तथा श्री कैलाशपति त्रिपाठी कृत विमर्शाख्य हिन्दी व्याख्या-समालोचनात्मक बृहत् भूमिका सहित । प्रथम उल्लास ५—०० १-२ उल्लास ८—०० संपूर्ण	३०—००
४७२५ नलचम्पू (प्रश्नोत्तर रूप में) । चुन्नीलाल शुक्ल	२—००
४७२६ निम्बादित्यदशश्लोकी । कुसुमाञ्जलि भाष्य संवलित	०—५०
४७२७ नीलकण्ठविजयचम्पू । 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या । सहित	६—००
४७२८ नीलकण्ठविजयचम्पू । नीलकण्ठ रचित । विबुधानन्द व्याख्या	२०—००
४७२९ नृसिंहचम्पूः । डा० सूर्यकान्तशास्त्री कृत संस्कृत-हिन्दी व्याख्या	५—००
४७३० पारिजातहरणचम्पूः । शेषकृष्णविरचिता । श्रद्धा व्याख्योपेता	५—००
४७३१ पुरुदेवचम्पूः । अर्हदास विरचित । हिन्दी टीका सहित	०—००
४७३२ पूर्वभारतचम्पूः । मानवेद प्रणीत । कृष्ण कृत टिप्पणी सहित	१२—५०
४७३३ प्रबन्ध समाहारः । मेळपुत्तूर नारायण भट्ट कृत नव प्रबन्ध । प्रथम भाग	१५—००
४७३४ भारतीयसिद्धान्तादेशः ।	०—५०
४७३५ मन्दारमरन्दचम्पूः । कृष्णकवि विरचित । सव्याख्या	३—००
४७३६ यशस्तिलकचम्पूः । संस्कृत-हिन्दी टीका सहित । प्रथम आश्वास	२—००
४७३७ यशस्तिलकचम्पूमहाकाव्यम् । सोमदेव सूरि विरचित । उत्तरार्द्ध—हिन्दी टीका सहित । व्याख्याकार सुन्दर लाल शास्त्री	३०—००
४७३८ यात्राप्रबन्धः । समरपुङ्गव दीक्षित विरचित	४—००

४७३९ रामानुजचम्पूः । रामानुजाचार्य कृत । सन्याख्या	३—००
४७४० वरदाम्बिकापरिणयचम्पूः । आग्लानुवाद सहित	३५—००
४७४१ विक्रमाङ्काभ्युदयम् । सोमेश्वरदेव विरचित । मुगरीलाल नागर सम्पादित	१०—००
४७४२ विरूपाक्षवसन्तोत्सवचम्पूः ।	३—५०
४७४३ विश्वगुणादर्शचम्पूः । वेङ्कटाध्वरिप्रणीत । 'पदार्थ-चन्द्रिका' संस्कृत-'प्रभा' हिन्दी व्याख्या सहित	२०—००
४७४४ शाकिनी सहकारचम्पूः । गोपाल कवि विरचित	३—००
४७४५ श्रीनिवासविलासचम्पूः । धरणीधर प्रणीत व्याख्या सहित	३—००
४७४६ सुलोचनामाधवचम्पूः । वर्मदत्त (बच्चा) ज्ञा विरचित	२८—००

भाण-प्रहसन-ग्रन्थाः

४७४७ गौरीदिगम्बरप्रहसनम् । शङ्करमिश्र कृत । 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या	१—५०
४७४८ दरिद्र-दुर्दैवम् (प्रहसन) जीवन्त्यायतीर्थ प्रणीत	६—००
४७४९ मन्तविलासप्रहसनम् । श्री महेन्द्र विक्रमवर्म विरचित । श्री कपिलदेव गिरि कृत 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या सहित	२—००
४७५० लटकमेलकम् । (प्रहसन) प्रकाश हिन्दी टीका सहित	२—००
४७५१ शृङ्गारतिलकभाण । रामभद्रदीक्षित विरचित	०—५०
४७५२ शृङ्गारसर्वस्वभाण । बलालकवि विरचित	१—००
४७५३ शृङ्गार सुधाकर भाण । आश्विन राम वर्म प्रणीत	०—५०
४७५४ हास्य चूडामणि प्रहसनम् । अमात्य वत्सराज प्रणीत	२—००
४७५५ हास्यार्णवप्रहसनम् । जगदीश्वर भट्टाचार्य कृत । हिन्दी व्याख्या	३—५०

नाट्य-नाटक-ग्रन्थाः

४७५६ अथ किम् । बुडोदा रचित	४—५०
४७५७ अनर्घराघवम् । 'प्रकाश' संस्कृत हिन्दी व्याख्या सहित	१५—००
४७५८ अभिज्ञानशाकुन्तलम् । एम० के० बेलवलकर सम्पादित	५—००
४७५९ Abhijnanasakuntalam. With English Translation by C. R. Devadhar.	४—००
४७६० Abhijnanasakuntalam With English Translation by M. R. Kale.	२५—००, ४०—००
४७६१ ABHIJNANA SAKUNTALA : With English Translation By Monier Williams	२५—००
४७६२ अभिज्ञान शाकुन्तलम् । सुबोध चन्द्र पन्त कृत संस्कृत-हिन्दी टीका	१०—००
४७६३ अभिज्ञानशाकुन्तलम् । डा. जमुना पाठक-डा. वीरेन्द्रकुमार वर्मा	१२—००
४७६४ अभिज्ञानशाकुन्तलम् । शिवबालक द्विवेदी कृत संस्कृत हिन्दी टीका	१४—००
४७६५ अभिज्ञान शाकुन्तलम् । हरिदत्त शास्त्री	१४—००
४७६६ अभिज्ञान शाकुन्तलम् । विष्णुदेव शर्मा	१०—००
४७६७ अभिज्ञान शाकुन्तलम् । निरूपण	१२—००
४७६८ अभिज्ञान शाकुन्तलम् । राममूर्ति	१०—००

४७६९ अभिज्ञानशाकुन्तलम् । कपिलदेव द्विवेदी कृत संस्कृत हिन्दी टीका	१०—००
४७७० अभिज्ञानशाकुन्तलम् । किशोरकेलि संस्कृत-हिन्दी व्याख्या	१५—००
४७७१ अभिज्ञानशाकुन्तलम् । शकर-नरहरिकृतटीकाद्वयसनाथीकृत	१५—००
४७७२ अभिज्ञानशाकुन्तलम् । (चतुर्थ अंक) श्री देवदत्त शास्त्री । ‘अनुशीलनान्वयार्थ’ संस्कृत हिन्दी व्याख्या सहित	२—५०
४७७३ अभिज्ञान शाकुन्तलम् (चतुर्थांक) जगदीश लाल शास्त्री	१—२५
४७७४ अभिज्ञानशाकुन्तल । जयकिशन प्रसाद । चतुर्थाङ्क	२—००
४७७५ अभिज्ञानशाकुन्तल-एक अध्ययन । श्री काशी नाथ द्विवेदी	५—००
४७७६ अभिज्ञान शाकुन्तल (प्रश्नोत्तर रूप में) । डा० सुरेन्द्र देव शास्त्री	३—५०
४७७७ अभिनव नाट्यशास्त्र । सीताराम चतुर्वेदी । प्रथम भाग	२०—००
४७७८ अभिषेकनाटकम् । भास कृत । ‘प्रकाश’ संस्कृत-हिन्दी व्याख्या	५—००
४७७९ अभिषेकनाटक । संस्कृत हिन्दी टीका सहित	१०—००
४७८० अमृतोदयनाटकम् । गोकुलनाथ उपाध्याय विरचित आचार्य रामचन्द्रमिश्र कृत संस्कृत हिन्दी व्याख्या सहित	८—००
४७८१ अविमारकम् । भास कृत । ‘प्रकाश’ संस्कृत-हिन्दी-व्याख्या	४—५०
४७८२ Avimaraka (Love’s Enchanted World) by F. L Masson-D D Kosambi	18—00
४७८३ Avimarak by Bak Kunbae	8—50
४७८४ अविमारक-चालचरित । आग्लानुवाद सहित । स० वाक कुन्वे	२५—००
४७८५ आगरडम्बर ।	७—००
४७८६ आदिकाव्योदयम् । महालिंग शास्त्री	१०—००
४७८७ आनन्दराघवम् । राजचूडामणि दीक्षित विरचित	५—००
४७८८ आश्रयचूडामणिः । शक्तिभद्र विरचित । संस्कृत-हिन्दी व्याख्या	६—००
४७८९ Uttararamacarita. With English Translation by P. V. Kane.	12—00
४७९० उत्तररामचरितम् । डा. कपिलदेव द्विवेदी कृत संस्कृत हिन्दी टीका	१५—००
४७९१ उत्तररामचरितम् । डा० हरिदत्त शास्त्री-शिवबालक द्विवेदी कृत सुरभि-संस्कृत हिन्दी टीका सहित	१६—००
४७९२ उत्तररामचरितम् । धनश्याम कृत व्याख्या-पी० वी० काणे कृत नोट्स- भूमिका-सी० वी० जोशी कृत आग्लानुवाद सहित	१२—००
४७९३ उत्तररामचरितम् । चन्द्रकला-विद्योतिनी-संस्कृत-हिन्दी व्याख्या	१२—००
४७९४ उत्तररामचरित । आनन्दस्वरूप कृत संस्कृत-हिन्दी टीका सहित	१५—००
४७९५ उत्तररामचरितम् । प्रियंवदा संस्कृत हिन्दी टीका सहित	१४—००
४७९६ उत्तररामचरितम् । रामप्रताप त्रिपाठी शास्त्री	११—००
४७९७ उत्तररामचरितम् (प्रश्नोत्तर रूप में) । चुन्नीलाल शुक्ल	२—५०
४७९८ उद्गात्रीदशाननम् । महालिङ्ग शास्त्री	६—००
४७९९ उन्मत्तराघवम् । रामपाल शास्त्री कृत सुबोधिनी हिन्दी टीका सहित	२—००
४८०० उन्मत्तराघवनामप्रेक्षाणकम् । भास्करकवि विरचित	१—००
४८०१ उद्गाधराघवनाटकम् । सोमेश्वर कृत । मुनि पुण्यविजय-सादेसरा सपादित	१५—००

४८०२ उषारागोदया । रुद्रचन्द्रदेव प्रणीत । सं० बाबूलाल शुक्ल शास्त्री	१०—००
४८०३ ऊरुभङ्गम् । भास विरचित । स हि व्याख्या सहित	२—००, ३—००
४८०४ एकलव्यगुरुदक्षिणम् । दुर्गाप्रसन्न विद्याभूषण कृत	६—००
४८०५ कसवधनाटकम् । शेषकृष्ण विरचित	२—००
४८०६ कपालकुण्डला रूपकम् । विष्णुपद भट्टाचार्य विरचित	३—००
४८०७ कर्णकुतूहल-श्रीकृष्णलीलामृतकाव्यम् । भोलानाथ विरचित	१—५०
४८०८ कर्णभारम् । महाकवि श्रीभास प्रणीतम् । सरल हिन्दी व्याख्या, आगलानुवाद, टिप्पणी, भूमिकादि सहित । व्याख्याकार- डा० सुधाकर मालवीय	३—००
४८०९ कर्पूरमञ्जरी । संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित	५—००
४८१० Karpuramanjari with English Translation by Sten Know & C R. Lanman	7—50
४८११ कालिदास के नाटक । अनुवादक रामप्रताप त्रिपाठी शास्त्री	१२—००
४८१२ कुन्दमाला । दिङ्नाग प्रणीत । हिन्दी टीका सहित	५—५०
*४८१३ किरातार्जुनीय व्यायोगः । वत्सराज विरचित । रविनन्दन त्रिपाठी कृत संस्कृत-हिन्दी व्याख्योपेत	५—००
४८१४ कुवल्यावली (रत्नपाञ्चालिका) शिंगू भूपाल विरचित	२—००
४८१५ कृतार्थ कौशिकम् । श्री कृष्ण जोशी कृत	१०—००
४८१६ कृपकाणां नागपाशः । भागीरथप्रसाद त्रिपाठी (वागेशशास्त्री)	१—००
४८१७ गंगादास परताप विलास नाटक । गंगाधर कृत	१२—००
४८१८ गोमहिमाभिनयनाटकम् । गोपाल शास्त्री दर्शन केशरी	४—००
४८१९ गोविन्द हुलास नाटक ।	१३—००
४८२० चण्डकौशिक । आर्यन्नेमीश्वरविरचित । संस्कृत-हिन्दी व्याख्या	६—००
४८२१ चण्डकौशिकम् । आङ्गलानुवाद सहित	१५—००
*४८२२ चन्द्रकला नाटिका । विश्वनाथ कविराज कृत । 'प्रभावती' हिन्दी व्याख्या सहित । व्याख्याकार-श्रीबाबूलाल शुक्ल शास्त्री ।	यन्त्रस्थ
४८२३ चन्द्रकला नाटिका । तारिणीश झा-शिवशकर त्रिपाठी कृत संस्कृत हिन्दी टीका सहित	६—००
४८२४ चन्द्रलेखा सट्टक ।	१०—००
४८२५ चारुदत्तम् । संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित	३—५०, ५—००
४८२६ चैतन्यचन्द्रोदयम् । कविकर्णपूरकृत । 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या	१०—००
४८२७ छत्रपतिसाम्राज्यम् । हिन्दी टीका सहित	६—००
४८२८ छायाशाकुन्तलम् । जीवनलाल पारिख	२—२५
४८२९ जवाहरलालनेहरू-विजयनाटकम् । हिन्दी टीका सहित	४—००
४८३० जीवनानन्दम् । आनन्दरायमखि प्रणीत	३—००
४८३१ जीवनानन्दम् । हिन्दी टीका सहित	६—००
४८३२ DRAMAS Or A COMPLETE ACCOUNT OF THE DRAMATIC LITERATURE OF THE HINDUS. By H H Wilson	10-00

- ४८३३ तापसवत्सराजनाम नाटकम् । अनगद्वर्षे मात्रराज प्रणीत १०—००
- ४८३४ दूतघटोत्कचम् । संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित २—००
- ४८३५ दूतवाक्यम् । संस्कृत-हिन्दी व्याख्या ३—००, २—००
- ४८३६ दूताङ्गदं-नाटकम् । 'दूताङ्गदचन्द्रिका' संस्कृत हिन्दी टीका १—५०
- ४८३७ धरित्रीपतिनिर्वचनम् । पुटोदा रचित ४—००
- ४८३८ नचिकेतञ्जरितम् सहीयसी गार्गी चिराद्गृहम् । ब्रह्मचारिणी वेली देवी २—००
- ४८३९ नरकासुरविजयव्यायोगः । धर्मसूरि विरचित ४—००
- *४८४० नागानन्दनाटकम् । श्री हर्षदेव कृत । पं. बलदेव उपाध्याय एम. ए.
कृत भावार्थदीपिका संस्कृत-हिन्दी-टीका, नवीन प्रस्तावनादि सहित ६—००
- ४८४१ नाटक-चन्द्रिका । रूपगोस्वामी प्रणीत । हिन्दी व्याख्या सहित १२—००
- ४८४२ नाटक-परिभाषा । शिगभूपाल कृत ७—००
- *४८४३ नाटकलक्षणरत्नकोशः । श्रीसागरनन्दी-प्रणीत । 'प्रभा' हिन्दी
व्याख्या सहित । अनुवादक - श्री बाबूलाल शुक्ल शास्त्री
यह इसका परिशुद्ध एवं व्याख्यासहित सर्वप्रथम संस्करण है जिसमें
टिप्पणी-भूमिका आदि मलग्न कर भवजनोपयोगी बनाने का पूर्ण प्रयत्न
किया गया है २५—००
- ४८४४ नाट्यदर्पण । रामचन्द्र गुणचन्द्र विरचित । हिन्दी व्याख्याकार आचार्य
विश्वेश्वर २२—००
- ४८४५ नाट्यदर्पण । २५—००
- ४८४६ नाट्यशास्त्र की भारतीय परम्परा और दृशरूपक । धनिक की वृत्ति
सहित । डॉ० हजारिप्रसाद द्विवेदी-पृथ्वीनाथ द्विवेदी २२—५०
- *४८४७ नाट्यशास्त्रम् । भरतमुनि कृत (शोधपूर्ण संस्करण) 'प्रदीप'
हिन्दी व्याख्या सहित । व्याख्याकार-श्री बाबूलाल शुक्ल शास्त्री
यथास्थान सभी नाट्यमुद्राओं के शताधिक चित्रों से सुमञ्जिन, सुविस्तृत
भूमिका, पाठान्तर आदि में विभूषित १-७ अध्याय प्रथम भाग २५—००
शेष अथ यन्त्रस्थ । द्वितीय भाग ८-१९ अध्याय ४५—००
- ४८४८ नाट्यशास्त्रम् । अभिनव गुप्ताचार्य प्रणीत व्याख्या सहित । चौथा भाग मात्र ३०—००
- ४८४९ नाट्यशास्त्रम् । (प्रथम-द्वितीय अध्याय) 'मयूख' हिन्दी टीका १—००
- ४८५० नाट्य शास्त्रम् । प्रसाद संस्कृत-हिन्दी टीका । १-२ अध्याय ४—००
- ४८५१ नाट्यशास्त्र-संग्रहः । दूसरा भाग ४—००
- ४८५२ नारीजागरण-नाटकम् । पं० गोपाल शास्त्री दर्शनकेसरी ५—००
- ४८५३ पञ्चरात्रम् । श्री रामचन्द्रमिश्र कृत प्रकाश संस्कृत हिन्दी व्याख्या ५—००
- ४८५४ पञ्चरात्रम् । निगमानन्द शास्त्री कृत संस्कृत हिन्दी टीका सहित ३—५०
- ४८५५ परताप विलास नाटकम् । गङ्गादास कृत १२—००
- ४८५६ पाणिनीयनाटकम् । पं० गोपालशास्त्री दर्शनकेसरी २—५०
- ४८५७ पार्वतीपरिणयनाटकम् । महाकविवाण विरचित १—००
- ४८५८ पुरञ्जनचरित । श्रीकृष्णदत्त मैथिल प्रणीत ५—००
- ४८५९ पुरञ्जनचरितनाटकम् । सदाशिव लक्ष्मीधर कात्रे संपादित ५—००
- ४८६० प्रचण्ड पाण्डवं नाटकम् । राजशेखर कृत । हिन्दी व्याख्या सहित ३—००

४८६१ प्रतिज्ञायौगन्धरायणम् । 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी व्याख्यासहित	५—००
४८६२ Pratijnayaugandharayana. With English Translation by S. K. Sharma.	5—00
४८६३ प्रतिमानाटकम् । 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित	६—००
४८६४ प्रतिमानाटकम् । विमला संस्कृत-हिन्दी टीका सहित	७—००
४८६५ प्रतिराजसूयं नाटकम् । महालिंग शास्त्री प्रणीत	१०—००
४८६६ प्रबोधचन्द्रोदयम् । 'प्रकाश' संस्कृत हिन्दी टीका सहित	५—००
४८६७ प्रबोध चन्द्रोदयम् । कल्याणी संस्कृत हिन्दी टीका	८—००
४८६८ Prabodhachandrodaya. With English Translation by S. K. Nambiar.	20—00
४८६९ प्रबोधचन्द्रोदय और उसकी हिन्दी परम्परा । डॉ० सरोज अग्रवाल	१५—००
४८७० प्रभावतीपरिणयम् । हरिहर कृत । 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या सहित	८—००
४८७१ प्रसन्नराघवम् । जयदेव कृत । 'चन्द्रकला' संस्कृत हिन्दी व्याख्या	१०—००
४८७२ प्रसन्नराघवम् । रमाशंकर त्रिपाठी कृत संस्कृत-हिन्दी टीका सहित	८—००
४८७३ प्रसन्नराघवम् । विभा संस्कृत-हिन्दी टीका सहित	१५—००
४८७४ प्रसन्नहनुमन्नाटकम् ।	२—००
४८७५ प्रियदर्शिका । 'प्रकाश' संस्कृत हिन्दी टीका, नोट्स सहित	५—००
४८७६ प्रियदर्शिका । कल्याणी संस्कृत-हिन्दी टीका सहित	६—००
४८७७ प्रेमपीयूषम् । राधावल्लभ त्रिपाठी विरचित	२—००
४८७८ बालचरितम् । 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित	४—००
४८७९ बालचरितम् । हिन्दी टीका सहित । सं० डॉ० एम० आर० सहगल	२०—००
४८८० बालचरितम् । कमलेशदत्त त्रिपाठी	२—५०
४८८१ भक्तसुदर्शननाटक । मथुराप्रसाद दीक्षित	२—००
४८८२ भरतनाट्यशास्त्र में नाट्यशास्त्रार्थों के रूप । डॉ० रायगोविन्दचन्द्र	५—००
४८८३ भर्तृहरिनिर्वेदनाटकम् । हरिहरोपाध्याय विरचित	०—५०
४८८४ भवभूति के नाटक । डा० ब्रजवल्लभ शर्मा	१४—००
४८८५ भारत नाट्यमंजरी ।	७५—००
४८८६ भारतविजयनाटकम् । म० म० मथुराप्रसाद दीक्षित विरचित	२—५०
४८८७ भारतीय तथा पाश्चात्य रंगमंच । आचार्य सीताराम चतुर्वेदी	२२—५०
४८८८ भारतीय नाट्यशास्त्र और रंगमंच ।	१२—००
४८८९ भास की भाषा सम्बन्धी तथा नाटकीय विशेषताएँ । डॉ० जगदीशदत्त दाक्षिण	१५—००
४८९० भास के नाटक । मनोहरलाल गोड	३०—००
४८९१ भासनाटकचक्रम् । संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित	५०—००
४८९२ भीमविक्रमव्यायोगः । व्यासमोक्षादित्य विरचित । धर्मोद्वरणम् नाम नाटकम् । दुर्गेश्वर पण्डित विरचित । सं० उमाकान्त प्रेमचन्द शाह	१२—००
४८९३ मध्यमव्यायोगः । 'प्रकाश' संस्कृत हिन्दी व्याख्या सहित	२—००
४८९४ मध्यमव्यायोगः । जगदीशलाल शास्त्री कृत हिन्दी टीका सहित	१—००
४८९५ मलयजा कल्याणम् । वीरराघव प्रणीत	१०—००

- ४८९६ महावीरचरितम् । भवभूतिप्रणीत । 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या १०—००
- ४८९७ महावीर चरित । त्रिपाठी रामप्रताप शास्त्री ११—००
- ४८९८ माणवकगौरवम् । कालीपद तर्काचार्य प्रणीत ५—५०
- ४८९९ मालतीमाधवनाटकम् । 'चन्द्रकला' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित १२—००
- ४९०० मालतीमाधव । भवभूति कृत । अनुवादक रामप्रताप त्रिपाठी शास्त्री ११—००
- ४९०१ मालतीमाधव नाटकम् । २०—००
- ४९०२ Malatimadhava. With English Translation by
M. R. Kale. 12—00
- ४९०३ मालविकाग्निमित्रम् । कालिदास कृत । संस्कृत हिन्दी टीका ७—५०
- ४९०४ Malavikagnimitra-A Critical Study by M. D.
Paradkar 4—50
- ४९०५ Malavikagnimitra by C. R. Devadhar 12—00
- ४९०६ मुदित मदालसनाटकम् । गोकुलनाथ प्रणीत १३—२६
- ४९०७ मुद्राराक्षस-नाटकम् । 'शशिकला' संस्कृत-हिन्दी टीका विभूषित ८—००
- ४९०८ मुद्राराक्षसनाटकम् । विमला संस्कृत-हिन्दी-अंग्रेजी व्याख्या सहित १५—००
- ४९०९ मुद्राराक्षसम् । मर्मप्रकाशिका संस्कृत-हिन्दी टीका सहित १२—००
- ४९१० Mudrarakshasa. With English Translation by
M. R. Kale. 20—00
- ४९११ मृच्छकटिकम् । 'प्रबोधिनी'-'प्रकाश'संस्कृत-हिन्दी टीका विभूषित १६—००
- ४९१२ मृच्छकटिकम् । रमाशंकर त्रिपाठी कृत संस्कृत हिन्दी टीका २५—००, १८—००
- ४९१३ मृच्छकटिकम् । डा० श्रीनिवास शास्त्री कृत संस्कृत हिन्दी टीका १२—००
- ४९१४ मृच्छकटिकम् । कृष्णकान्त त्रिपाठी १८—००
- ४९१५ मृच्छकटिक ! (प्रश्नोत्तर रूप में) चुन्नीलाल शुक्ल २—५०
- ४९१६ Mṛchchhakatika. With English Translation by
M R. Kale. 20—00
- ४९१७ यूथिका (शोकमपियर रचित रोमियो जुलियट का संस्कृत रूपान्तर)
रेवाप्रसाद द्विवेदी विरचित ३—५०
- ४९१८ रङ्गमञ्च । शेल्डन चैनी । अनु श्रीकृष्णदास ११—५०
- ४९१९ रघुनार्थविलासनाटकम् । यज्ञनारायण दीक्षित विरचित २—००
- ४९२० रत्नावली-नाटिका । 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित ६—००
- ४९२१ रत्नावलीनाटिका । रमाशंकर त्रिपाठी कृत संस्कृत हिन्दी टीका सहित ४—००
- ४९२२ रत्नावली नाटिका । डा० शिवराज शास्त्री कृत संस्कृत-हिन्दी टीका ४—००
- ४९२३ रत्नावली नाटिका । सुधा संस्कृत-हिन्दी टीका ६—००
- ४९२४ रत्नावली नाटिका । (प्रश्नोत्तर रूप में) चुन्नीलाल शुक्ल २—५०
- ४९२५ रूपकपट्टकम् । वत्सराज कृत । स० सी. डी. दलाल २५—००
- ४९२६ ललितमाधवम् । श्रीरूपगोस्वामिप्रणीतम् । नारायणप्रणीत-संस्कृतटीका-
समीक्षात्मक टिप्पणी सहित । सम्पादक-श्रीबाबूलालशुक्ल शास्त्री २०—००
- ४९२७ LAWS AND PRACTICE OF SANSKRIT DRAMA.
By Dr. S N Shastri Vol I. 65—00
- ४९२८ लीलावती वीथी । रामपाणिवाद कृत ०—७५

४९२९ वसुमती चित्रसेनीयम् । अप्पय दीक्षित विरचित	३—००
४९३० वसुलक्ष्मी कल्याणम् । वेंकट सुब्रह्मण्याध्वरि प्रणीत	५—००
४९३१ विक्रमाङ्गाभ्युदय । सोमेश्वर कृत	१०—००
४९३२ विक्रमोर्वशीयम् । 'प्रकाश' संस्कृत हिन्दी व्याख्या विभूषित	८—००
४९३३ विक्रमोर्वशीयम् । एच० डी० वेलङ्कर संपादित	६—००, ८—००
४९३४ विक्रमोर्वशीयम् । रगनाथ कृत प्रकाशिका-कोणेश्वर कृत तोटकविवेक- काट्यवंम भूपकृत कुनारगिरिराजीय व्याख्या त्रय सहित	१०—७०
४९३५ Vikramorvasiyam. With English Translation by M. R. Kale.	8—50
४९३६ Vikramorvasiyam. With English Translation by C. R. Devadhar.	12—00
४९३७ विक्रान्तकौरवम् । इस्तिमल्ल रचित । 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या सहित	८—००
४९३८ विक्रान्त भारतम् । वी० आर० शास्त्री विरचित	४—८०
४९३९ विदग्धमाधवम् । रूपगोस्वामी कृत । 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या सहित	१२—००
*४९४० विद्वशालभञ्जिका-नाटिका । राजशेखर विरचित । नारायण- दीक्षित प्रणीत संस्कृत व्याख्या तथा दीप्तिनामक हिन्दी व्याख्या, विस्तृत भूमिका पाठान्तरादि सहित । व्याख्याकार- श्री बाबूलाल शुक्ल शास्त्री	१५—००
४९४१ विद्यापरिणयनम् । आनन्दरायमखि कृत । हिन्दी व्याख्या	६—००
४९४२ विश शताब्दिकं संस्कृत नाटकम् । डा० रामजी उपाध्याय कृत	१५—००
४९४३ विवेकचन्द्रोदयनाटकम् । शिवकवि विरचित	७—००
४९४४ विश्वमोहननाटकम् । ताडपत्रीकर कृत	३—७५
४९४५ वीणावासवदत्तम् । के० वी० शर्मा विरचित	९—००
४९४६ वीरप्रतापनाटकम् । मथुराप्रसाद दीक्षित विरचित । हिन्दी व्याख्या सहित	३—००
४९४७ वेणीसंहारनाटकम् । संस्कृत-हिन्दी टीका सहित	८—००
४९४८ Venisambhara With English Translation by M. R. Kale	25—00
४९४९ वेणीसंहार नाटक (प्रश्नोत्तर रूप में) चुन्नीलाल शुक्ल	२—५०
४९५० वेणीसंहार की शास्त्रीय समीक्षा । डा० शान्ति जैन	३५—००
४९५१ वेष्टनव्यायोगः । डा० वीरेन्द्रकुमार भट्टाचार्य	४—००
४९५२ शंकरविजयनाटकम् । मथुराप्रसाद दीक्षित कृत	१—००
४९५३ शङ्खपराभवव्यायोगः । हरिहर विरचित ।	८—००
४९५४ शार्दूलशकटम् । डा० वीरेन्द्र कुमार भट्टाचार्य प्रणत	६—००
४९५५ सङ्कल्पसूर्योदयः । वीरराघवाचार्य कृत संस्कृत टिप्पण द्राविडानुवाद	३०—००
४९५६ संकल्पसूर्योदयनाटकम् । वेङ्कटनाथकृतम् । प्रभाविलास प्रभावली व्याख्या सहित । १-२ भाग	४५—००
४९५७ संदेशरासक । अब्दुल रहमान कृत-डा० हजारो प्रसाद द्विवेदी	१७—००
४९५८ संस्कृत की नाट्य कथाएँ । कान्तानाथ पाण्डेय 'राजहंस'	५—००
४९५९ सत्यहरिश्चन्द्रनाटक । समालोचना, टिप्पणी सहित	२—२५

४९६० सासवतम् । अम्बिकादत्त व्यास विरचित	१०—००
४९६१ सुवाला वज्रतुण्डम् । श्रीराम विरचित	४—५०
४९६२ सुभद्राहरणम् । माधवभट्ट प्रणीत । सान्वय हिन्दी व्याख्योपेत	२—००
४९६३ सेवन्तिकापरिणयनाटकम् । चोक्रनाथ विरचितम्	४—००
४९६४ सौगन्धिकाहरणम् । विश्वनाथकृत । प्रकाश-हिन्दी टीका सहित	३—००
४९६५ स्वप्नवासवदत्तम् । प्रबोधिनी-प्रकाश संस्कृत हिन्दी टीका सहित	८—००
४९६६ स्वप्नवासवदत्तम् । जयपाल विद्यालंकार कृत संस्कृत-हिन्दी टीका सहित	१०—००
४९६७ स्वप्नवासवदत्तम् । डा० गणेशदत्त शर्मा कृत संस्कृत-हिन्दी टीका सहित	५—००
४९६८ स्वप्नवासवदत्तम् । ब्रजविहारीलाल शर्मा	६—००
४९६९ स्वप्नवासवदत्तम् । जगदीश लाल शास्त्री	४—००
४९७० स्वप्नवासवदत्तम् । चन्द्रकला संस्कृत-हिन्दी टीका सहित	६—००
४९७१ हनुमन्नाटकम् । 'विभा' संस्कृत-हिन्दीव्याख्या सहित	१०—००
४९७२ हिंसा या अहिंसा । सेठ गोविन्द दास	३—००

कोश-ग्रन्थाः

४९७३ अत्रिनिर्वचनम् । मथुराप्रसाद दीक्षित विरचित	१—५०
४९७४ अनेकार्थतिलकम् । महीप विरचित	६—००
४९७५ अनेकार्थध्वनिमञ्जरी । द्विरूपकोश-एकाक्षरकोश सहित	०—५०
४९७६ अनेकार्थमञ्जरी । नाममाला	०—१०
* ४९७७ अनेकार्थसंग्रहकोशः । आचार्य हेमचन्द्र विरचित	१२—००
४९७८ अभिधर्मकोष । वल्लभकृत । अनुवाक-आचार्य नरेन्द्रदेव १-२ भाग ४५—००	
४९७९ अभिधानचिन्तामणिः । हेमचन्द्र कृत । 'मणिप्रभा' हिन्दी व्याख्या सहित । व्याख्याकार-पं० हरगोविन्द मिश्र	२५—००
* ४९८० अमरकोशः । मूल । केवल प्रथम काण्ड मात्र	०—३०
* ४९८१ अमरकोषः (प्रथमकाण्डम्) । कन्हैयालाल जोशी कृत 'रमण' हिन्दी टीका सहित	१—७५
* ४९८२ अमरकोशः । मूल । केवल द्वितीय काण्ड मात्र	०—४०
* ४९८३ अमरकोशः । तृतीय काण्ड मात्र । प्रभा टीका सहित	०—५०
* ४९८४ अमरकोश-रामाश्रमी । (नामलिङ्गानुशासनम् नाम अमरकोशः) अमर सिंह कृत । पं० हरगोविन्द शास्त्री कृत 'प्रकाश' मणिप्रभा नामक हिन्दी व्याख्या विभूषित । श्रीमानुजी दीक्षित (रामाश्रम) कृत रामाश्रमी (वाक्यसुधा) (ज्ञेयक श्लोकों सहित शोध संस्करण) ७५—००	
४९८५ अमरकोष । आचार्य कृष्ण मिश्र कृत व्याख्या सहित	२३—५०
४९८६ अमरकोश । सक्षिप्त माहेश्वरी व्याख्या सहित	१०—००
४९८७ अमरकोशः । 'मणिप्रभा' हिन्दी टीका । सहित	२०—००
४९८८ अमरकोशः । विश्वनाथ झा कृत हिन्दी टीका सहित	१६—५०
४९८९ अमरकोषसंग्रह । १-२ भाग	१—९०
४९९० अभ्ययकोश । श्री वा० श्री वत्साङ्गाचार्य	१२—००

४९९१ आख्यातचन्द्रिका नाम क्रियाकोशः । श्रीभट्टमञ्जु विरचित	१०-००
४९९२ English-Sanskrit Dictionary. By Monier Williams.	125-00
४९९३ उपनिषद् उद्धारकोश । स. विश्ववन्धु	३०-००
४९९४ उपनिषद्मन्त्रवाक्यमहाकोशः ।	१२०-००
४९९५ एकाक्षरनाम-कोषसंग्रह । स० मुनि रमणोक विजय	९-००
४९९६ एकार्थनाम माला-द्वयक्षरनाम माला । सौभरी विरचित	४-००
४९९७ ऐतरेयब्राह्मण-आरण्यक कोषः । केवलानन्द सरस्वती सम्पादित	८-००
४९९८ कारमीर शब्दामृत । ईश्वरकौल कृत । १-२ भाग	५-००
४९९९ कोशकल्पतरुः । विश्वनाथ कृत । १-२ भाग	५०-००
५००० कौषीतकि-ब्राह्मण-आरण्यक-विषयकोष ।	१०-००
५००१ गणितीयकोश । डॉ० ब्रजमोहन	१५-००
५००२ गोज्ञान कोश । दूसरा भाग	१०-००
५००३ जैनेन्द्र सिद्धान्त कोश । जिनसेन वर्णी कृत । १-४ भाग	२१०-००
५००४ Tibetan Hindi Dictionary	50-00
५००५ Dictionary of Literary Terms	165-00
५००६ Dictionary of Sanskrit Grammar by K.V. Abhyankar	50-00
५००७ तैत्तिरीय मन्त्र कोश ।	३-७५
५००८ त्रिकाण्डशेषकोशः । सारार्थ चन्द्रिका सस्कृत हिन्दी व्याख्या सहित	७-५०
५००९ दोहाकोश । सिद्ध सरहपाद कृत । राहुल सांकृत्यायन विरचित हिन्दी छायानुवाद सहित	१३-२५
५०१० धरणीकोश । धर्मदेवकृत	१५-००
५०११ धर्मकोशः । (व्यवहारकाण्ड) श्रीलक्ष्मण शाली संपादित १-३ भाग	१२०-००
उपनिषद्काण्ड । १-४ भाग २२५-०० सस्कारकाण्ड । प्रथम भाग ७०-००	
राजनीति काण्ड ।	१-४ भाग २५०-००
५०१२ नानार्थमञ्जरी । राघव विरचित	१५-००
५०१३ नानार्थ रत्नमाला । हरुगप दण्डाधिनाथ विरचित	१५-००
५०१४ नाम मालिका ।	६-००
५०१५ नृत्यरत्नकोश । कुम्भकर्ण प्रणीत । १-२ भाग	१०-५०
५०१६ न्यायोक्तिकोश ।	४०-००
५०१७ New Catalogus Catalogorum. Vols I-IX	225-00
५०१८ परमानन्दीय नाममाला । १-२ भाग	४८-००
५०१९ पर्यायशब्दरत्न ।	२१-००
५०२० पाद्म-सह-महर्षणत्रो । हरगोविन्ददास विरचित । प्राकृत-हिन्दीकोश	३०-००
५०२१ पाऊभकोश ।	४-००
५०२२ पाठ्यरत्नकोश ।	३-५०
५०२३ पारसीकप्रकाशः । विहारीकृष्णदास विरचित	५-५०
५०२४ पाली हिन्दी कोश । मदनत आनन्द कौसल्यायन	५०-००
५०२५ पौराणिककोश । स० राणाप्रसाद शर्मा	३०-००
५०२६ Practical Sanskrit English-Dictionary. By V. S. Apte.	100-00

- ५०२७ Practical Sanskrit English Dictionary by V. S. Apte.
Edited by Gode-Kerve Vols. I-III 210—00
- ५०२८ वाल हिन्दी-संस्कृत कोष । लक्ष्मीनारायण शास्त्री ३—००
- ५०२९ बृहत् संस्कृत हिन्दी शब्द कोश । गोपालचन्द्र वेदान्तशास्त्री । प्रथम खण्ड ३०—००
- ५०३० ब्राह्मणोद्धार कोषः । विश्वबन्धु सपादित ७५—००
- ५०३१ भारतवर्षीय प्राचीनचरित्रकोष । ८०—००
- *५०३२ सङ्घकोश । स्वोपज्ञ टीका सार युक्त । स० थियोडोर जकारिया ३०—००
लाइब्रेरी संस्करण ४०—००
- ५०३३ महाभारतकोश । रचनाकार-डा० रामकुमार राय । १-२ भाग ७०—००
- ५०३४ सीमांसाकोषः । केवलानन्द सरस्वती सपादित । ३-७ भाग २७०—००
- *५०३५ मेदिनीकोशः । मेदनिकर विरचित । भिषार्थक कोश ८—००
- ५०३६ Yoga Vedanta Dictionary. By Sivanand. 10—00, 6—00
- ५०३७ रघुकोष । रघुनाथदत्त बन्धु ३—००
- ५०३८ राजतरङ्गिणी-कोश । डा० रामकुमार राय २२—००
- ५०३९ वस्तुतःकोश । अज्ञात विद्वत्कृत । सम्पादिका-डॉ० प्रियवाला शाह ४—००
- ५०४० वाङ्मयार्णवः (संस्कृत पद्यबद्ध विश्वमोग) पाडेय रामानुज शर्मा कृत १००—००
- ५०४१ वाचस्पत्यम् । बृहत्संस्कृतमिधानम् । तर्कवाचस्पति-श्रीतारानाथ-
भट्टाचार्येण सङ्कलितम् । संपूर्ण १-६ भाग १०००—००
- *५०४२ वाल्मीकीय रामायण कोश । डा० रामकुमार राय । वाल्मीकीय
रामायण के नामों और विषयों की सर्वप्रथम और विस्तृत
व्याख्यात्मक अनुक्रमणिका जिसमें इस रामायण में आने वाले
सभी नामों और प्रसङ्गों का व्याख्या सहित स-सन्दर्भ
उल्लेख है ३०—००
- *५०४३ वैजयन्ती कोषः । श्री यादव प्रकाशाचार्य विरचित । सल्लिङ्गनिर्देश
शब्दानुक्रमणिका सहित । स० श्री पं० हरगोविन्द शास्त्री ४०—००
- ५०४४ वैदिक इण्डेक्स । मैकडोनेल और कीथ (हिन्दी रूपान्तर)
अनुवादक-डॉ० रामकुमार राय । १-२ भाग सम्पूर्ण ६०—००
- ५०४५ वैदिक कोश (वैदिक विषयों एवं नामों का) डा० सूर्यकान्त २२—५०
- ५०४६ वैदिकपदानुक्रमकोषः । विश्वबन्धु शास्त्री । १-१६ भाग १६००—००
- ५०४७ शब्दकल्पद्रुमः । राजा राधाकान्तदेव बहादुर विरचित ।
१-५ भाग सम्पूर्ण ५००—००
- ५०४८ शब्दभेदप्रकाशः । (शब्दद्वैधकोश) एकाक्षरकोश युक्त ०—५०
- ५०४९ शब्दसणिदर्पण । १२—००
- ५०५० शब्दरत्नप्रदीप । स० डॉ० हरिप्रसाद शास्त्री ३—००
- ५०५१ शब्दरत्नाकरः । वामनभट्ट विरचित २७—००
- ५०५२ शब्दरत्नावली । मथुरेश विरचित ३२—००
- ५०५३ शब्दस्तोममहानिधिः । श्री तारानाथ तर्कवाचस्पति कृत १२५—००
- ५०५४ शारदीयाख्या नाममाला । हर्षकीर्ति विरचित ५—००

५०५०	शारवतकोशः ।	५—००
५०५६	शिवकोशः । शिवदत्त विरचित	१२—००
५०५७	श्रीकोषः (हिन्दी-संस्कृत कोष) स० केदारनाथ शर्मा	५—००
५०५८	श्रौतकोशः । वापट सा० दानार, टी० बी० नाने, जी० जी० कारीकर संपादित । संस्कृत हिन्दी सहित । १-५ भाग	२४०—००
५०५९	Sanskrit-English Dictionary. By Monier Williams	150-00
५०६०	A Sanskrit English Dictionary. Based upon the St. Petersburg Lexicons By Carl Cappeller. 65-00, 85-00	
५०६१	संस्कृतशब्दार्थकौस्तुभः । द्वारकाप्रसाद चतुर्वेदी	२२—५०
५०६२	संस्कृतसाहित्यकोश । डॉ० राजवंशसहाय 'हीरा'	५०—००
५०६३	संस्कृत हिन्दी इंग्लिश कोश । डा० सूर्यकान्त	१२५—००
५०६४	संस्कृत हिन्दी कोश । बी. एस. आप्टे	३०—००
५०६५	सांख्ययोग कोश । केदारनाथ त्रिपाठी	५—२५
५०६६	सिद्धशब्दार्णवः । महजकीर्ति विरचित । एम० जी० पसे संपादित	२०—००
५०६७	सुलभविश्वकोश । १-६ भाग	१५०—००
५०६८	Students English Sanskrit Dictionary. By V. S. Apte. 20--00,	25--00
५०६९	Students Sanskrit English Dictionary. By V. S. Apte. 36--00,	26--00
५०७०	हलायुध कोश । हलायुध भट्ट विरचित	२५—००

हिन्दी-कोश-ग्रन्थाः

५०७१	अंग्रेजी साहित्य कोश । दामोदर अग्रवाल	२०—००
५०७२	अंग्रेजी, हिन्दी-डिक्शनरी । डा० सी. बुरके	३०—००
५०७३	अंग्रेजी-हिन्दी पर्यायवाची कोश । सम्पादक—बदरीनाथ कपूर	१२—००
५०७४	अभिनव पर्यायवाचीकोश । सत्यपाल गुप्त-श्याम चन्द्र कपूर	१०—००
५०७५	अर्थशास्त्रकोश । कमलनयन कावरा	४०—००
५०७६	अलङ्कारकोश । डा० ओमप्रकाश शास्त्री	४०—००
५०७७	अवधीकोश । रामाशा द्विवेदी	१०—००
५०७८	आचार्य शुक्ल विचार कोश । अजितकुमार	२२—००
५०७९	ऑथेन्टिक सीनियर डिक्शनरी (अंग्रेजी-हिन्दी) । बी. सी. पाठक	२०—००
५०८०	आदर्श हिन्दी शब्दकोश । (सक्षिप्त) रामचन्द्र पाठक १४—०० बडा २८—००	
५०८१	उर्दू-हिन्दी कोश । मं० मुहम्मद मुस्तफा खॉँ 'मदाह'	१८—००
५०८२	कन्नड हिन्दी शब्द कोष । स० एन. एस दक्षिणामूर्ति	४०—००
५०८३	कहावत कोष । सुवनेश्वरनाथ मिश्र 'माधव'-विक्रमादित्य मिश्र	१५—००
५०८४	कामायनी की पारिभाषिक शब्दावली । डा० वेदश आर्य	३५—००
५०८५	कृष्क जीवन सम्बन्धी ब्रजभाषा शब्दावली । डॉ० अम्बाप्रसाद 'सुमन' । १-२ भाग	४०—००
५०८६	कृषिकोश । डॉ० विश्वनाथप्रसाद आदि । १-२ खण्ड	९—५०
५०८७	कृषिज्ञान कोश । नारायण दुलीचन्द व्यास	७—००

५०८८	केशवकोश । स. विजयपाल सिंह । १-२ भाग	११०-००
५०८९	चिकित्सा विज्ञान कोश । एस० सा० सेन गुप्त-एस० सी० कपूर	१८-००
५०९०	Chambers 20th Century Dictionary	30-00
५०९१	जन्तुविज्ञानकोश ।	३५-००
५०९२	जन्तु विज्ञान बृहत् कोश । डा० माहेश्वर सिंह मूढ	४५-००
५०९३	जीवरसायनकोश । ब्रजकिशोर मालवीय	८-००
५०९४	ज्ञान शब्दकोश । मुकुन्दीलाल श्रीवास्तव	२५-००
५०९५	तुलसी रामायण शब्दसूची । डा० सूर्यकान्त	६०-००
५०९६	तुलसीशब्दसागर । भोलानाथ निवारी	२०-००
५०९७	तेलुगु हिन्दी शब्दकोश । स० हनुमच्छास्त्री आयचिन	४०-००
५०९८	नालन्दा अद्यतन कोश ।	१८-००
५०९९	नालन्दा कान्साइज डिविशनरी ।	३०-००
५१००	नालन्दा विशाल शब्दसागर ।	५०-००
५१०१	नालन्दा हिन्दी शब्दकोश । गुटका	५-५०
५१०२	नीतिसूक्तिकोश । डा० रामस्वरूप	५०-००
५१०३	पुरतकालय-विज्ञानकोश । प्रभुनारायण गौड	४-५०
५१०४	प्रचारक हिन्दी शब्द कोश ।	४-००
५१०५	प्रत्यक्ष शारीर कोश । एस० सी० सेन गुप्त	१८-८०
५१०६	प्रसादकाव्यकोश । सुवाकर पाण्डेय	७५-००
५१०७	प्रसादसाहित्यकोश । डॉ० एन्द्रेव बाहरी	१२-५०
५१०८	प्रेक्टिकल हिन्दी अंग्रेजी डिविशनरी ।	३५-००
५१०९	वङ्गला-हिन्दी शब्दकोश । गोपालचन्द्र चक्रवर्ती	१२-००
५११०	वाल हिन्दी शब्दकोश । रामचन्द्र पाठक	७-५०
५१११	बृहद् अंग्रेजी-हिन्दी कोश । डॉ० हरदेव बाहरी । १-२ भाग	७०-००
५११२	बृहत् पारिभाषिक शब्दसंग्रह-मानविकी । १-२ भाग	३२-५०
५११३	बृहत् सूक्तिकोश । शरण । १-१२ भाग	६०-००
५११४	बृहत् हिन्दी कोश । कालिकाप्रसाद	६०-००
५११५	बृहद् सुहाविग कोश । रामदहिन मिश्र । प्रथम भाग	१५-८०
५११६	बृहद् हिन्दी ग्रन्थ सूची । यशपाल महाजन-दृष्या महाजन । १-३ भाग परिशिष्ट सहित	११५-००
५११७	ब्रजभाषा रीतिशास्त्र ग्रन्थ कोश । जवाहरलाल चतुर्वेदी	१०-००
५११८	भारतीय इतिहास कोश । अनु० सच्चिदानन्द भट्टाचार्य	१८-००
५११९	भारतीय भाषाएँ और वैज्ञानिक शब्दावली । अनुवादक ओमप्रकाश शर्मा	१२-८५
५१२०	भारतीय लेखक कोश । रामगोपाल परदेसी	६०-००
५१२१	भारतीय व्यक्ति कोश । भगवत शरण उपान्याय	२५-००
५१२२	भारतीय सगीत कोश । विमलाकान्त राय चौधरी	२५-००
५१२३	भारतीय साहित्यशास्त्र कोश । डा० राजवश सहाय 'हीरा'	५०-००
५१२४	भार्गव अंग्रेजी-हिन्दी शब्दकोश । गुटका १०-०० (बडा)	२५-००
५१२५	भार्गव हिन्दी-अंग्रेजी शब्दकोश । गुटका १०-०० (बडा)	२५-००
५१२६	भाषा शब्दकोश । रमाशंकर शुक्ल 'रमाल'	१८-००

५१२७ भाषा विज्ञान कोश । भोलानाथ तिवारी	३०—००
५१२८ भाषाशास्त्र का पारिभाषिक शब्दकोश । राजेन्द्र द्विवेदी	१५—००
५१२९ भूतत्त्व विज्ञानकोश । एस० सी० गुप्त	४—००
५१३० भौगोलिक शब्दकोश और परिभाषायें । डॉ० कपूर	१७—५०
५१३१ भौतिक विज्ञान कोश । डा० सत्यप्रकाश	५—००
५१३२ मनोविज्ञान का परिभाषिक शब्द कोश ।	२५—००
५१३३ मानक अंग्रेजी हिन्दी कोश । स० डा० सत्यप्रकाश बलभद्रप्रसाद मिश्र	६८—००
५१३४ मानक हिन्दी अंग्रेजी कोश । राममूर्ति सिंह	२०—००
५१३५ मानक हिन्दी कोश । स० रामचन्द्र वर्मा । १-५ भाग	१५०—००
५१३६ मानविकी पारिभाषिक कोष । (साहित्य-दर्शन-मनोविज्ञान खण्ड)	६०—००
५१३७ मानस अलङ्कार कोश । डा० वचनदेव कुमार	६०—००
५१३८ मानस सन्दर्भ कोश । वागीशदत्त पाण्डेय	३०—००
५१३९ मीरा कोश । डा० शशिप्रभा	१८—००
५१४ राजनीति कोश । डा० सुभाष कश्यप-विश्वप्रकाश गुप्त	५०—००
५१४१ राजस्थानी हिन्दी शब्दकोश । आ० बदरी प्रसाद साकरियाँ	६५—००
५१४२ रीतिकाम्य शब्दकोश । डा० किशोरीलाल	३५—००
५१४३ रूप निघण्टु । स० रूपलाल वैश्य	६—००
५१४४ लघु हिंदी शब्दसागर । कर्णापति त्रिपाठी संपादित	३५—००
५१४५ लघुत्तर हिंदी शब्दसागर । कर्णापति त्रिपाठी संपादित	१५—००
५१४६ लोकभारती मुहावराकोश । डा० वद्रीनाथ कपूर	३०—००
५१४७ वनस्पति कोश । डा० एस० के० जैन	१२—५०
५१४८ विश्व शक्ति कोश । शरण । १-५ भाग	१२५—००
५१४९ वैज्ञानिक पारिभाषिक कोष । बदरीनाथ कपूर	१२—००
५१५० वैसवादी शब्द-सामर्थ्य । डा० देवीशकर द्विवेदी	१५—००
५१५१ व्यावहारिक पर्याय कोश । महेन्द्र चतुर्वेदी । ओमप्रकाश गावा	१२—५०
५१५२ व्यावहारिक हिन्दी अंग्रेजी कोश । स० महेन्द्रचतुर्वेदी-डा० भोलानाथ	३५—००
५१५३ व्यावहारिक हिन्दी कोश । डा० भोलानाथ तिवारी-महेन्द्र चतुर्वेदी	११—००
५१५४ ब्रजभाषा सूरकोश । १ से २ भाग । डा० दानदयाल	८०—००
५१५५ शब्दार्थक ज्ञानकोश । रामचन्द्र वर्मा	१२—५०
५१५६ शिक्षाकोश ।	७५—००
५१५७ शिक्षा विज्ञान कोश । सीताराम जायसवाल	३२—००
५१५८ संक्षिप्त हिन्दी अंग्रेजी कोश । स० महेन्द्र चतुर्वेदी-भोलानाथ तिवारी	१५—००
५१५९ संक्षिप्त हिन्दी शब्दसागर । रामचन्द्र वर्मा	४५—००
५१६० सचित्र वनस्पति कोश । डा० गणेश शकर पालीवाल	४०—००
५१६१ समाचारपत्र शब्दकोष । नृत्यप्रकाश	३—००
५१६२ साहित्य शास्त्र का पारिभाषिक शब्दकोष । राजेन्द्र द्विवेदी	१२—००
५१६३ साहित्यिक कोश । डा० ओमप्रकाश	७५—००
५१६४ साहित्यिक पारिभाषिक शब्दावली । न० टी० प्रेमनारायण टटन	१०—००
५१६५ सूरसागर शब्दावली । डा० निर्मला समसेना	२०—००
५१६६ स्ट्रुक्चरल प्रैक्टिकल हिन्दुशानरी । अंग्रेजी-हिन्दी	१०—००
५१६७ हिन्दी अङ्ग्रेजी वैज्ञानिक कोश । डा० सत्यप्रकाश	५—००

५१६८ हिन्दी कथाकोश ।	८—००
५१६९ हिन्दी ग्रन्थसूची सारिणी ।	२४—००
५१७० हिन्दी धातुकोश । डा० मुरलीधर श्रीवास्तव	६—००
५१७१ हिन्दी नाटक कोश । डा० दशरथ ओझा	६५—००
५१७२ हिन्दी पर्यायवाची कोश । श्री कृष्ण शुक्ल	७—००
५१७३ हिन्दी वङ्गला कोश ।	२५—००
५१७४ हिन्दी विधि शब्दावली । डा० मोती बाबू	३६—००
५१७५ हिन्दी विश्वकोश (खड १-१०) संपादक—वीरेन्द्र वमा, भगवतशरण उपाध्याय, गोरखप्रसाद आदि	४५०—००
५१७६ हिन्दी विश्वकोश स्मारक ग्रन्थ । स० त्रिपाठी-पाण्डेय	७५—००
५१७७ हिन्दी शब्दसागर । स० श्यामसुन्दरदान । १-१२ भाग । नवीन संस्करण	३७५—००

नीति-अर्थशास्त्र-ग्रन्थाः

५१७८ अक्षयनीतिसुधाकरः ।	७—५०
५१७९ अपराध और दण्डशास्त्र । श्री कौरालकुमार राय	१०—००
५१८० अर्थशास्त्र-राजसिद्धान्त । योगधमनामाचार्य विरचित । नीतिनिर्णीति- कौटिलाय-राजसिद्धान्त व्याख्या सहित	४—४०
५१८१ ईसवनीतिकथा । प्रथम भाग	१—००
५१८२ उद्योगप्रारम्भविचार । हिन्दी	३—७५
५१८३ कथा-संवर्तिका ।	१—००
५१८४ कथावत्तरत्नाकर । हिन्दी-अंग्रेजी-संस्कृत	१०—००
५१८५ कांट का नीतिदर्शन । डा० छाया राम	१०—००, १५—००
५१८६ कामन्दकीयनीतिसारः । हिन्दी टीका सहित	३—००
५१८७ कामन्दकीयनीतिसारः । द्वय संस्कृत व्याख्या सहित । १-३ भाग	२७—००
५१८८ कौटिलीयम्-अर्थशास्त्रम् । हिन्दी व्याख्या सहित । व्याख्याकार—श्री वाचस्पति शास्त्री गैरोला	२०—००
५१८९ कौटिलीयम् अर्थशास्त्रम् । आ० पी० काणले सम्पादित । १-३ भाग	८०—००
५१९० कौटिल्य अर्थशास्त्र । उदयवीरशास्त्री कृत हिन्दीटीका सहित । १-३ भाग	३०—००
५१९१ कौटिलीयम् अर्थशास्त्रम् । जयमंगल वैदिक सिद्धान्त संरक्षिणी संस्कृत- हिन्दी टीका सहित । १-२ अध्याय	२१—००
५१९२ कौटिल्य कालीन भारत । आचार्य दीपशंकर	६—००
५१९३ कौटिल्य की राज्य व्यवस्था । श्यामलाल पाण्डेय	८—००
५१९४ KAUTILYA'S POLITICAL IDEAS AND INSTITU- TIONS By Prof Radha Krishna Choudhary.	60-00
५१९५ चाणक्यनीतिः । व्यवहारसारसंग्रह	०—५०
५१९६ चाणक्यनीतिदर्पणः । हिन्दी टीका सहित	२—२५
५१९७ चाणक्यनीति-शास्त्रा-सम्प्रदाय । एल० स्टर्नवक संपादित । १-३ भाग पांच पाठ	२२५—००
५१९८ चाणक्यराजनीति । एल० स्टर्नवक संपादित	१६—००

५१९९ चाणक्यराजनीतिशास्त्रम् । संस्कृत टिक्टेन टेक्स्ट सहित	५—००
५२०० चाणक्यसप्ततिः । के० वी० शर्मा सम्पादित	८—००
५२०१ चाणक्यसूत्र । अनुवादक-वाचस्पति गौरीला	१—००
५२०२ चाणक्यसूत्रम् । (प्रथमोऽध्यायः) 'बालबोधिनी' 'सरला' संस्कृत- हिन्दी टीका सहित	०—७५
५२०३ चाणक्यसूत्राणि । श्रीरामावतार कृत हिन्दी टीका सहित	२५—००
५२०४ नीतिकल्पतरुः । व्यासदेव क्षेमेन्द्र । वी० पी० महाजन सपादित	१०—००
५२०५ नीतिचन्द्रिका । स्वामी दयानन्द	०—७५
५२०६ नीतिदर्शन की पूर्व पीठिका । थामस हिल ग्रीन । अनु० डा० सद्धम लाल पाण्डे	२०—००
५२०७ नीतिप्रवेशिका । जे० एस० मेकेंजी । अनु०-डॉ० गोवर्द्धन भट्ट १५—००, १९—००	
५२०८ नीतिमञ्जरी । समाख्यायाद्विवेकविरचिता	१०—००
५२०९ नीतिवाक्यामृतम् । सुन्दरलाल शास्त्री कृत हिन्दी टीका सहित	२२—००
५२१० नीतिवाक्यामृतम् । सोमदेवसूरि कृत । रामचन्द्र मालवीय कृत हिन्दी टीका सहित	१०—००
५२११ नीतिवाक्यामृत में राजनीति । डा० एम० एल० शर्मा	१५—००
५२१२ नीतिविज्ञान के मूल सिद्धान्त । लक्ष्मी सक्सेना	१०—००
५२१३ Niti and Vairagya Satakas. English Translation by M. R. Kale.	6—00
*५२१४ नीतिशतकम् । महाकवि भर्तृहरि विरचितम् । संस्कृत-हिन्दी आंग्लभाषानुवाद सहितम् । डा० गंगासागर राय	३—००
५२१५ नीतिशतकम् । हरिदास कृत विस्तृत हिन्दी टीका सहित	१०—००
५२१६ नीतिशास्त्र । सुश्री शान्ति जोशी	११—५०
५२१७ नीतिशास्त्र की भूमिका । डा० हृदय नारायण मिश्र	२२—००
५२१८ नीतिशास्त्रमीमांसा । जार्ज एडवर्ड मूर	१३—५०
५२१९ नीति शास्त्रीय सिद्धान्त के पाँच प्रकार । सी० डी० ब्राड	६—३५
५२२० पञ्चतन्त्रम् । मित्रभेदः (प्रथमतन्त्र) मूलमात्र	२—००
५२२१ पञ्चतन्त्रम् । श्यामाचरण पाण्डेय कृत संस्कृत हिन्दी टीका सहित । संपूर्ण	२२—००, १५—००
५२२२ पञ्चतन्त्रम्-श्री गोकुलदास गुप्त कृत सरला हिन्दी टीका सहित १५—०० मित्रभेदः । (प्रथमतन्त्र)	४—००, ६—००
मित्रसम्प्राप्तिः । (द्वितीयतन्त्र)	२—५०, ५—००
काकोलुकीयम् । (तृतीयतन्त्र)	२—५०, ३—००
लब्धप्रणाशम् । (चतुर्थतन्त्र)	२—००, ३—००
*५२२३ पञ्चतन्त्रम् । (अपरिचित कारकं पञ्चम तन्त्रम्) वीणा संस्कृत हिन्दी व्याख्योपेतम् । व्याख्याकार—कन्हैयालाल जोशी	२—५०
५२२४ Panchatantra. English Translation by M. R. Kale.	8—00
५२२५ पाश्चात्य नीतिशास्त्रम् । विश्वेश्वर सिद्धान्तशिरोमणि विरचित	४—००

५२२६ पुरुषपरीक्षा । हिन्दी टीका सहित	४—००
५२२७ पुरुषार्थोपदेशः । भर्तृहरि विरचित	६—००
५२२८ प्रतापकण्ठाभरण । कविराज प्रताप सिंह सकलित । हिन्दी टीका	१—५०
५२२९ प्राचीन भारत की दृष्टनीति । डॉ० योगेन्द्रनाथ वाग्ची । अनुवादक— दुर्गादत्त त्रिपाठी शास्त्री	१०—००
५२३० प्रियदर्शिप्रज्ञस्तयः । (Edicts of Asoka) आंग्लानुवाद सहित	१२—००
५२३१ बार्हस्पत्य राज्य-व्यवस्था । डॉ० राघवेन्द्र वाजपेयी	१६—००
५२३२ Bibliography of Kautilya Arthashastra	५—००
५२३३ बुद्धभूषण । शम्भु विरचित	५—००
५२३४ भर्तृहरिशतकत्रयम् । नीति-शृङ्गार-वैराग्य शतक । हि.टी सहित	७—५०
५२३५ भारतराष्ट्रसंघटना । सी० कुन्हन राजा	१—५०
५२३६ भारतीय नीति का विकास । राजबली पाण्डेय	५—५०
५२३७ भारतीय नीतिशास्त्र । डा० दिवाकर पाठक	७—५०
५२३८ भारतीय नीतिशास्त्र का इतिहास । डॉ० भीमनलाल आत्रेय	२०—००
५२३९ राजनय के सिद्धान्त और व्यवहार । श्रीमती कृष्णाराय	५—००
*५२४० राजनीतिरत्नाकरः । चण्डेश्वरकृत । श्री वाचस्पति गैरोला— पं० तारिणीश झा कृत प्रकाश हिन्दी टीका सहित	१५—००
५२४१ विदुरनीति । हिन्दी टीका सहित	४—५०, ५—५०
५२४२ वैशम्पायननीतिप्रकाशिका । सीताराम कृत तत्त्वविवृति सहित	४—१३
५२४३ शतक त्रयम् । रामर्षि प्रणीत विवृति व्याख्या सहित	१२—००
*५२४४ शुक्रनीति । महर्षि शुक्राचार्य कृत । पं० ब्रह्मशङ्कर मिश्र कृत 'विद्योतिनी' हिन्दी व्याख्या सहित	२५—००
५२४५ संक्षिप्त चाणक्यनीति । देवदत्त शास्त्री	२—००
५२४६ संक्षिप्त विदुरनीति । देवदत्त शास्त्री	२—००
५२४७ संक्षिप्त शुक्रनीति । देवदत्त शास्त्री	२—००
५२४८ सत्याग्रह नीतिशास्त्र ।	५—००
५२४९ सदाचारशास्त्र (विदुर-शुक्र-चाणक्य एवं भर्तृहरि प्रणीत नीतियों का सटीक संग्रह) देवदत्त शास्त्री । प्रथम भाग	६—६५
*५२५० A Study of Hindu Criminology by Dr. Vasudeva Upadhyaya	१५—००
५२५१ सिपनोजा नीति । अनुवादक डा० दीवान चन्द्र	६—५०
५२५२ हरिहरचतुरङ्गम् । गोदावरी मिश्र प्रणीत	६—५०
*५२५३ हितोपदेशः । सटिप्पण । सम्पूर्ण	४—००
५२५४ Hitopadesa With English Translation by M. R. Kale.	१२—००
*५२५५ हितोपदेशमित्रलाभः । 'रश्मिकला' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित व्याख्याकार—केशवदेवशास्त्री । सं० कपिलदेव गिरि	४—५०

संगीत-ग्रन्थाः

५२५६ Understanding Bharata Natyam by Mrinalini Sarabhai	35—00
५२५७ अप्रकाशित राग । स. ज. दे. पत्की । १-३ भाग	१५—००
५२५८ अप्रचलित कायदे और गते । मत्यनारायण वशिष्ठ	३—००
५२५९ अभिनव गीतमंजरी । ना० रातजनकर । १-२ भाग	१३—००
५२६० अभिनव गीताञ्जली । प्रथम भाग	६—००
५२६१ अभिनव नवनीत ।	२—००
५२६२ अभिनव प्रकाशिका । आग्लानुवाद सहित	१५—००
५२६३ अभिनय संगीत शिक्षा । श्री कृष्णनारायण रातजनकर । १-२ भाग	०—००
५२६४ अभिनवसारसंपुट ।	४—००
५२६५ अर्जुनसंगीतिका । अर्जुनलाल । प्रथम भाग	४—००
५२६६ अलाउद्दीन खॉ स्मृति अंक । स० प्रभुलाल गर्ग	३—००
५२६७ आगरा घराना-परम्परा गायकी और चीजे । रमणलाल महेता	१५—००
५२६८ आधुनिक हिन्दी प्रगीत काव्य में संगीततरव । डॉ० विमला गुप्ता	३०—००
५२६९ आलाप तान अङ्क ।	१०—००
५२७० आवाज सुरीली कैसे करे । लक्ष्मीनारायण गर्ग	६—००
५२७१ आसावरी थाट अंक । सं. लक्ष्मीनारायण गर्ग	८—००
५२७२ उत्तर-भारतीय संगीत का संक्षिप्त इतिहास । वी. एन. भातखण्डे	५—००
५२७३ उत्तरीयसंगीतशास्त्र । पतञ्जलदेव शर्मा	४—००
५२७४ Aids to the Teaching of Music	6—00
५२७५ Aros to the Teaching	6—00
५२७६ Elements of Western Music for Students of Indian Music.	3—50
५२७७ औमापतम् ।	२—१३
५२७८ कथक नृत्य । प्रकाशनारायण	२—५०
५२७९ कथकनृत्य । लक्ष्मी नारायण गर्ग	२०—००
५२८० कथक नृत्य परिचय ।	४—००
५२८१ कथकलि नृत्यकला । लक्ष्मीनारायण गर्ग	८—००
५२८२ कथक शृङ्गार ।	१०—००
५२८३ कर्नाटक संगीत अंक । सं. लक्ष्मीनारायण गर्ग	६—००
५२८४ कलावन्तों की गायकी ।	३—५०
५२८५ कल्याण थाट अंक । महेश नारायण सक्सेना	८—००
५२८६ कह काका कविराय । काका हाथरसी	३—००
५२८७ काकदूत खण्ड काव्य । काका हाथरसी	३—००
५२८८ काका अभिनन्दन ग्रन्थ ।	७०—००
५२८९ काका की कचहरी (हाथरस) काका हाथरसी	३—००
५२९० काका की काकलेट । काका हाथरसी	३—००
५२९१ काका की फुलझडियाँ । काका हाथरसी	३—००
५२९२ काका के कहकहे । काका हाथरसी	३—००

५२९३ काका के कारतूस । काका हाथरसी	३—००
५२९४ काका के धड़ाके । काका हाथरसी	३—००
५२९५ काका के प्रहसन ।	३—००
५२९६ काका कोला । काका हाथरसी	३—००
५२९७ काका हाथरसी ।	३—००
५२९८ कानडा के प्रकार । जयसुखलाल शाह	१६—००
५२९९ काफ़ी थाट अंक । स लक्ष्मीनारायण गर्ग	८—००
५३०० कायदा और पेशकार । सत्यनारायण वशिष्ठ	४—५०
५३०१ काव्य संगीत अङ्क ।	८—००
५३०२ A Coustics for Music Students	३—००
५३०३ किताब ई नौरस । इम्राहीम आदिलशाह द्वितीय । हिन्दी उर्दू में अंग्रेजी अनुवाद सहित	१५—००
५३०४ Kritis of Mysore Sadasiva Rao	४—००
५३०५ Compositions of Pazani Subrahmanya Bhagavathar.	४—००
५३०६ क्रमिकपुस्तकमालिका । विष्णुनारायण भातखण्डे । १-६ भाग	१२०—००
५३०७ खमाज थाट अङ्क । सं. लक्ष्मीनारायण गर्ग-	८—००
५३०८ खुसरो तानसेन तथा अन्य कलाकार । सुलोचना वृद्धस्पति	२०—००
५३०९ ख्याल अङ्क ।	१०—००
५३१० ख्यालगायकी । यशवन्त सदाशिव पंडित । १-३ भाग	१२—००
५३११ गजल अंक ।	८—००
५३१२ Garbhapuri Kirtans in Notation	४—००
५३१३ गान्धर्व संगीत प्रवेशिका । देवकी नन्दन धवन	५—००
५३१४ गायनाचार्य पं० विष्णु दिगम्बर । प्रा० वी० आर देवधर	९—००
५३१५ गिटार मास्टर । चिन्तामणि जैन	४—००
५३१६ गीतमञ्जरी ।	१—५०
५३१७ गीत सुमन बहार ।	३—००
५३१८ गीतागायन ।	१—००
५३१९ गीताञ्जलि । १-६ भाग	३२—००
५३२० गीतालंकार ।	१—५०
५३२१ चक्रदलस । काका हाथरसी	३—००
५३२२ Chaturdandi Prakasika	४—००
५३२३ चतुर्थ वर्ष प्रश्नोत्तर । श्रीमती कमलिनी श्रीवास्तव	४—००
५३२४ चित्रकान्यकौतुकम् । रामरूप पाठक प्रणीत । स्वोपज्ञ व्याख्या सहित	१२—००
५३२५ जय बोलो बेईमान की । काका हाथरसी	३—००
५३२६ Teaching of Music	१०—००
५३२७ ठुमरी अङ्क । ज. दे. पत्की	३—००
५३२८ ठुमरी गायकी । तुलसीराम देवांगन	७—००
५३२९ ठुमरी तरङ्गि । राजा भैया पूँछवाले	२—५०
५३३० Dictionary. Vols I-III	३६—००
५३३१ Discovering Indian Music by Menon	३०—००
५३३२ तबलाकौमुदी । पागलदास । १-२ भाग	१२—००

५३३३ तबलामृदङ्गवादन पद्धति । १-२ भाग	४-५०
५३३४ तबलावादन । गिरीशचन्द्र श्रीवास्तव	२-५०
५३३५ तबले पर दिखी और पूरव ।	९-००
५३३६ तराना अङ्क । सं. लक्ष्मीनारायण गर्ग	८-००
५३३७ तान मालिका । राजा भैया पूँछवाले । भाग १ व ३ का पूर्वाद्ध	९-००
५३३८ तानसंग्रह । ना० रातजनकर । प्रथम भाग	५-००
५३३९ ताल अङ्क । सं प्रभुलाल गर्ग	८-००
५३४० ताल परिचय । गिरीशचन्द्र श्रीवास्तव । १-२ भाग	६-२५
५३४१ तालप्रकाश ।	१५-००
५३४२ तालमञ्जरी । तीसरा भाग	१-००
५३४३ तालमार्तण्ड । सत्यनारायण वशिष्ठ	१०-००
५३४४ तालमीमांसा । प्रथम भाग	२-५०
५३४५ तुकान्त कोप । (तुक् शब्द संग्रह) काका हाथरसी	१०-००
५३४६ तोड़ी थाट अङ्क ।	८-००
५३४७ दत्तिलम् । कलिन्द कृत । हिन्दी टीना सहित	४-००
५३४८ दुलत्ती । काका हाथरसी	३-००
५३४९ ध्रुपद धमार अंक ।	८-००
५३५० ध्रुपदधमार गायन । राजा भैया पूँछवाले । प्रथम भाग	५-००
५३५१ ध्रुपद और उसका विकास । आचार्य कैलाशचन्द्रदेव वृहस्पति	२२-००
५३५२ ध्वनि और संगीत । आचार्य ललितकिशोर सिंह	७-००
५३५३ ध्वनिविज्ञान । गोलोक विद्वारी पाल	१५-००
५३५४ नलद्वन्द्वन्तीरास । महीराजकृत । भोगीलाल जे० सादेसरा सपादित	५-५०
५३५५ नादरूप । कु० प्रेमलता शर्मा	७-००
५३५६ निबन्धसङ्गीत ।	२५-००
५३५७ नृत्य अङ्क । स गणेशप्रसाद द्विवेदी	८-००
५३५८ नृत्य नाटिका अंक ।	१०-००
५३५९ नृत्य प्रश्न पत्रिका ।	४-००
५३६० नृत्य प्रश्नपत्र (प्रयाग संगीत समिति) । २ग, ४था वर्ष	०-५०
५३६१ नृत्यप्रश्नोत्तरी (१९५६-६०) । प्रकाशनारायण	१-००
५३६२ नृत्यभारती । प्रथम भाग । आचार्य सुधाकर	८-००
५३६३ नृत्यरत्नकोश । कुम्भकर्णप्रणीत । १-२ भाग	१०-५०
५३६४ नृत्तरत्नावली । जयसेनापति विरचित । स. वी राघवन	२२-००
५३६५ नृत्यशाला ।	२-००
५३६६ नृत्य शिक्षा । मियिलेज कुमारी गुप्त	२-५०
५३६७ नृत्य शिक्षा । विमला देवी	१-५०
५३६८ नृत्यसंग्रहः । अज्ञानकर्तृक	१-७५
५३६९ नृत्याध्याय । अशोक मल्ल विरचित । वाचस्पति गैरोला कृत हिन्दी	४०-००
५३७० Pallavi Seshayyer's Kirtis in Notation	12-00
५३७१ शास्त्रालय संगीत शिक्षा । भगवतशरण शर्मा । स० लक्ष्मीनारायण गर्ग	१२-००
५३७२ पिह्ला (हास्यरस) काका हाथरसी	३-००
५३७३ पूर्वी थाट अंक ।	८-००

५३७४ प्रणवभारती । ओंकारनाथ ठाकुर	९—००
५३७५ प्रभाकर नित्य प्रश्नोत्तरी	३—५०
५३७६ प्रभाकर प्रश्नपंजिका । जगदीश नारायण पाठक	६—००
५३७७ प्रभाकर प्रश्नोत्तर । हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव	८—००
५३७८ प्रवीणप्रवाह । हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव	७—००
५३७९ प्रवीण प्रश्न पंजिका ।	६—००
५३८० Prahlada Charitra Kirtanas	4—00
५३८१ फिल्मसेमिनार रिपोर्ट ।	१०—००
५३८२ फिल्मी उल्लास गीत अङ्क ।	६—००
५३८३ फिल्मी गजल अङ्क ।	६—००
५३८४ फिल्मी जलतरङ्ग गाइड ।	४—५०
५३८५ फिल्मी प्रणय गीत अङ्क ।	६—००
५३८६ फिल्मी प्रेम गीत अङ्क ।	१०—००
५३८७ फिल्मी भजन अङ्क ।	६—००
५३८८ फिल्मी युगल गान अङ्क ।	६—००
५३८९ फिल्मी विरह गीत अङ्क ।	६—००
५३९० फिल्मी द्विविध गीत अङ्क । १-३ अङ्क	१८—००
५३९१ फिल्मी शास्त्रीय गीत अङ्क ।	१०—००
५३९२ फिल्मी सांस्कृतिक गीत अङ्क ।	६—००
५३९३ फिल्मी सरकार । काका हाथरसी	३—००
५३९४ फिल्मी हारमोनियस ।	४—५०
५३९५ Four Rare Compositions of Veena Subbanna of Mysore	4—00
५३९६ Flute Book	5—00
५३९७ बालसंगीत दर्पण ।	१—००
५३९८ बालसंगीत शिक्षा । विश्वम्भरनाथ भट्ट । १-३ भाग	७—५०
५३९९ वासुरी गाइड ।	४—५०
५४०० विलावल थाट अंक । स. महेशनारायण सक्सेना	८—००
५४०१ वेलविज्ञान । वेणीप्रसाद श्रीवास्तव	१५—००
५४०२ वैजोसास्टर । चिन्तामणि जैन	४—००
५४०३ भक्ति संगीत अङ्क । स. लक्ष्मीनारायण गर्ग	८—००
५४०४ भक्ति संगीत पकाश ।	२५—००
५४०५ भजनसंगीत । प्रथम भाग	१—२५
५४०६ भरतभाष्यम् । नान्य भूपाल प्रणीत हिन्दी टीका सहित । १-२ भाग ३२—००	३२—००
५४०७ भरतार्णवः । नन्दिकेश्वर विरचित । वाचस्पति गैरोला कृत हिन्दी टीका १००—००	१००—००
५४०८ भातखण्डे संगीत पाठमाला । प्रथम भाग	३—००
५४०९ भातखण्डे संगीतशास्त्र । विष्णुनारायण भातखण्डे । १-४ भाग	८०—००
५४१० भातखण्डे स्मृति अक ।	१—२५
५४११ भातखण्डे स्मृति ग्रन्थ ।	२५—००
५४१२ भारत के लोकनृत्य । लक्ष्मीनारायण गर्ग	१०—००
५४१३ भारत के लोकनृत्य । श्याम परमार	६—७५

५४१४ भारतीय तालों का शास्त्रीय विवेचन । डॉ० अरुण कुमारसेन	१६—००
५४१५ भारतीय नाट्य परम्परा और अभिनय दर्पण । वाचस्पति गैरोला	२५—००
५४१६ भारतीय नृत्यकला । केशवचन्द्र वर्मा	५—००
५४१७ भारतीय नृत्य शिक्षा ।	१५—००
५४१८ भारतीय संगीत । उत्तमराम शुक्ल	१२—००
५४१९ भारतीय सङ्गीत का इतिहास । भगवत शरण उपाध्याय	९—००
५४२० भारतीय संगीत का इतिहास । उमेज जोशी	३०—००
५४२१ भारतीय संगीत का इतिहास । श्री शरदचन्द्र श्रीधर परांजपे	३५—००
५४२२ भारतीय सङ्गीत की कहानी । भगवत शरण उपाध्याय	२—००
५४२३ भारतीय संगीत कोश । विमला कान्त राय चौधरी	२५—००
५४२४ भारतीय सङ्गीत वाद्य । डा० लालमणि मिश्र	४०—००
५४२५ भारतीय संगीत विज्ञान ।	३—५०
५४२६ भैरव अंक । महेशनारायण सक्सेना	८—००
५४२७ भैरव थाट अंक । लक्ष्मी नारायण गर्ग	८—००
५४२८ Mazlavai Chidambara Bharathi's Songs	४—००
*५४२९ मणिपुरी नर्तन । दर्शना झवेरी-कलावती देवी । प्रास्ताविक डॉ० हरेकृष्ण मुखोपाध्याय-भूमिका डॉ० कृपिला वात्स्यायन	१५—००
५४३० मणिपुरी नृत्य । प्रकाशनारायण	१—००
५४३१ मधुर चीजें । जी एस पाटणकर	५—००
५४३२ मध्यप्रदेश के संगीतज्ञ । प्यारेलाल श्रीमाण	४०—००
५४३३ महार के प्रकार । जयसुखलाल त्रि० शाह (विनय)	१३—५०
५४३४ महामूर्ख सम्मेलन । काका हाथरसी	३—००
५४३५ महिला हारमोनियम गाइड ।	१—५०
५४३६ My Music, My life by Ravi Shankar	४०—००
५४३७ मारवा थाट अंक । लक्ष्मीनारायण गर्ग	८—००
५४३८ मारिकुन्नगमात । राजा नवाब अली । १-३ भाग	३८—००
५४३९ मीरा संगीत । स० आ० महाडकर	२—५०
५४४० मीरा संगीत अङ्क ।	१०—००
५४४१ सुललमान और भारतीय संगीत । आचार्य बृहस्पति	२०—००
५४४२ मृदंग अंक । स लक्ष्मीनारायण गर्ग	१०—००
५४४३ मृदंग तदला प्रसाकर । स लक्ष्मीनारायण गर्ग । १-२ भाग	१०—००
५४४४ मृदङ्गसागर ।	५—००
५४४५ मेलरागमालिका । महाविद्यनाथशिव कृत	५—००
५४४६ म्याऊँ (हास्यरस) । काका हाथरसी	३—००
५४४७ म्यूजिक पेण्ड डान्स टीचर ।	१२—००
५४४८ म्यूजिक मास्टर । (हारमोनियम, तदला षण्ट बौंसुरी मास्टर)	५—००
५४४९ Music Mirror 1-5 Parts	१२—५०
५४५० म्यूजिकल प्लेइङ्ग कार्ड्स ।	३—५०
५४५१ UNIVERSAL HISTORY OF MUSIC By Raja S M Tagore	५०—००
५४५२ रजत जयन्ती अङ्क ।	८—००

५४५३ रविशंकर के आरकेस्ट्रा । सं. लक्ष्मीनारायण गर्ग	१२—००
५४५४ रवीन्द्र संगीत । राधेश्याम पुरोहित	७—००
५४५५ रसकौमुदी । श्रीकण्ठ विरचित । ए० एन० जानी मपादित	१३—००
५४५६ राग अङ्क । विश्वम्भरनाथ भट्ट	८—००
५४५७ राग अने रास । ओंकारनाथ ठाकर (गुजराती)	१—७५
५४५८ राग आलापन तथा थायमस ।	६—००
५४५९ राग कोष । वसन्त	४—००
५४६० रागतत्त्वविबोध । श्रीनिवास विरचित	४—००
५४६१ Raganidhi Parts II-IV	30—50
५४६२ रागनिर्णय । जगदीशनारायण पाठक	६—००
५४६३ रागपरिचय । हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव । १ से ४ भाग	१८—८०
५४६४ रागप्रवीण । गणेशप्रसाद शर्मा	५—००
५४६५ राग-रागिनी अङ्क । स लक्ष्मीनारायण गर्ग	१०—००
५४६६ रागविज्ञान । वी एन. पटवर्धन । १ से ७ भाग	७१—००
५४६७ राजस्थान का लोक संगीत । देवीलाल सामर	३—००
५४६८ राष्ट्रिय संगीत अंक । सं. ज. दे. पत्की	८—००
५४६९ राष्ट्रीय हारमोनियम गाइड ।	४—५०
५४७० Rare & Unpublished Kirtanas of Mysore Sadasiva Rao	4-00
५४७१ Rare Compositions of Patnam Subrahmanya Iyer	6-00
५४७२ लक्षण गीत अङ्क । लक्ष्मीनारायण गर्ग	८—००
५४७३ लक्षणराजी ।	२—००
५४७४ लोक संगीत अङ्क । स लक्ष्मीनारायण गर्ग	१०—००
५४७५ वंदना सङ्गीत ।	४—००
५४७६ वंशीमञ्जरी । ३-४ भाग	३—००
५४७७ One hundred & eight Kritis of Tyagaraja	12—50
५४७८ One hundred twenty Kritis of Tyagaraja Text and Notation in Dévanagari Script with Gamaka Signs	15—00
५४७९ वाद्य वादन अंक ।	१२—००
५४८० वाद्यशास्त्र । हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव	३—००
५४८१ वाद्य संगीत अङ्क ।	३—५०
५४८२ वायलिन वादन । प्रकाश नारायण	२—२५
५४८३ वितत वाद्य शिक्षा । प्रथम सोपान	२—००
५४८४ विलावल थाट अंक ।	८—००
५४८५ वीणालक्षण-वीणाप्रपथक । जे० एस० पादे मपादित	३—५०
५४८६ वृहद्देशी ।	१०—००
५४८७ शङ्करा संगीत ।	१—२०
५४८८ शास्त्र परिचय । दूसरा भाग	१—५०
५४८९ शास्त्रीय कंठ संगीत ।	४—५०
५४९० शृङ्गारयुग में संगीत काव्य । हेम भटनागर	३५—५०
५४९१ संगीत अंक ।	१—२५

५४९०	संगीत अर्चना (तान आलाप)	१०—००
५४९३	संगीत अष्टलाप । सं० लक्ष्मीनारायण गर्ग	१०—००
५४९४	संगीत एक लोक नाट्यपरम्परा । रामनारायण अग्रवाल	२५—००
५४९५	संगीत कादम्बिनी । विश्वम्भरनाथ भट्ट	११—००
*५४९६	संगीत का विकास और विभूतियाँ । वैदिक स्वर और छन्द, पौराणिक राग-रागिणी व्यवस्था, प्राचीन काल के जातिगायन के अतिरिक्त प्रबन्ध, वस्तु, रूपकादि का सुविस्तृत विवरण तथा भिन्न-भिन्न समय के ग्रन्थकारों के ग्रन्थों का सारांश भी सरल सुबोध एवं प्रामाणिक शैली में प्रस्तुत किया गया है । श्रीपद बन्धोपाध्याय	६—००
५४९७	संगीतकिशोर । जगदीशसहाय कुलश्रेष्ठ	४—००
५४९८	संगीत की कहानी । भगवद शरण उपाध्याय	२—००
५४९९	संगीतचिन्तामणि । आचार्य डॉ० बृहस्पति-श्रीमती सुमित्रा कुमारी	३५—००
५५००	संगीतचूडामणि । जगदेकमल्ल प्रणीत	६—५०
५५०१	संगीतज्ञ कवियों की हिन्दी रचनार्ये । नर्मदेश्वर चतुर्वेदी	४—००
५५०२	संगीतदर्पणः । चतुरदामोदर प्रणीत । सस्कृत	३—००
५५०३	संगीतदर्पणः । विश्वम्भरनाथ भट्ट कृत । हिन्दी टीका सहित	६—००
५५०४	संगीत दामोदरः । शुभकर विरचित ।	२२—५०
५५०५	सङ्गीत निबन्ध । अग्निहोत्री	६—००
५५०६	संगीत निबन्धमाला । जगदीशनारायण पाठक	६—००
५५०७	संगीत निबन्ध संग्रह । हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव	६—००
५५०८	संगीत निबन्धावली । सं० लक्ष्मीनारायण गर्ग । प्रथम भाग	७—००
५५०९	सङ्गीत निर्देश । नन्दकिशोर 'मदन'	३—००
५५१०	संगीत पद्धतियों का तुलनात्मक अध्ययन ।	७—००
५५११	संगीत परिचय । रामभवतार वीर । २-३ भाग	४—००
५५१२	संगीतपारिजातः । हिन्दी टीका सहित	१२—००
५५१३	संगीत पूर्व और पश्चिम । एच जे. क्यॉलरायटर । अनु० डॉ० संयुक्ता	८—००
५५१४	संगीत प्रभाकर प्रश्नपत्र ।	०—५०
५५१५	संगीत प्रवेशिका । १-२ भाग	३—००
५५१६	संगीत प्रश्नपत्रिका । जगदीशनारायण पाठक	६—००
५५१७	संगीत प्रश्नोत्तर (हाई स्कूल) । हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव	१—५०
५५१८	सङ्गीत बोध । डा० शरच्चन्द्र श्रीधर परांजपे	१०—००
५५१९	संगीतज्ञों के संस्मरण ।	३—००
५५२०	संगीत रघुनन्दन ।	५—२५
५५२१	संगीत रजत जयन्ती अंक ।	८—००
५५२२	संगीत रत्नमाला ।	५—००
५५२३	संगीत रत्नाकर । हिन्दी टीका सहित । प्रथम भाग	२०—००
५५२४	संगीतरत्नाकरः । शार्ङ्गदेव कृत । चतुरकलिनाथ-सिंहभूपालकृत व्याख्या- द्वयसहित । १-२ व ४ भाग	८५—००
५५२५	संगीतरहस्य । श्रीपदबन्धोपाध्याय	३—२५

५५०६ संगीतराजः । (पाठ्यरत्नप्रवेशः) काल्मेन महारानाकुम्भ कृत । कुन्हेनराजा संपादित । प्रथम भाग	६—०
५५०७ संगीतराजः । नृपति कुम्भकर्ण प्रणीत । डा० प्रेमलता शर्मा संपादित । १-२ खण्ड	८०-०
५५०८ सङ्गीतलता । सं० आ० महाडकर	४-०
५५२९ संगीतलहरी । संग्रहकर्त्री—देवी मेहता	१-५
५५३० संगीत विशारद । वसन्त	१२-०
५५३१ संगीतव्यायाम । नारायणराय	१०-०
५५३२ संगीतशती । जया जैन	२०-०
५५३३ संगीतशास्त्र । जगदीशसहाय कुलश्रेष्ठ । प्रथम भाग	३-५
५५३४ संगीतशास्त्र । के० वासुदेव शास्त्री	८-५
५५३५ संगीतशास्त्रदर्पण । जगदीशनारायण पाठक । १-२ भाग	७-३
५५३६ संगीतशास्त्रपरिचय । १-२ भाग	१-२
५५३७ सङ्गीत शास्त्रबोध । शशिधर	२-०
५५३८ संगीत शिक्षक । वसन्तकुमार	२-०
५५३९ संगीत शिक्षण ।	५-०
५५४० संगीत शिक्षा । मिथिलेशकुमारी गुप्त	२-५
५५४१ संगीत समय सार । आचार्य पार्श्वदेव कृत । अनुवादक आचार्य बृहस्पति	२५-०
५५४२ संगीत सन्नाट तानसेन । प्रभुदयाल मीतल	६-०
५५४३ संगीत सरोवर ।	२२-५
५५४४ संगीतसागर । स० प्रभुलाल गर्ग	१२-०
५५४५ संगीत सारामृत । तजोर नरेश तुलजा कृत	६-०
५५४६ संगीतसीकर ।	६-०
५५४७ संगीत सुधासागर । प्रथम खंड	२-०
५५४८ सङ्गीतसुमन वहार । अग्निहोत्री	३-०
५५४९ संगीतसोपान ।	३-०
५५५० संगीतोपनिषत्सारोद्धारः । वाचनाचार्य सुधाकलश विरचित	१५-०
५५५१ संग्रहचूडामणि । गोविन्दाचार्यकृत	१५-०
५५५२ सन्तसंगीत अङ्क ।	३-५
५५५३ Summary of the Ragalakshan	२-०
५५५४ Some Rare & Unpublised Kirtanas of Mysore Sadasiva Rao	४-०
५५५५ सहगल संगीत । स० लक्ष्मीनारायण गर्ग	३-०
५५५६ Psycho-Acaustics for Music & Speech	१५-०
५५५७ South Indian Music Book 5	१०-०
५५५८ Songs of Mysore Sadasiva Rao	४-०
५५५९ सितार अङ्क ।	२-५
५५६० सितार गाइड ।	४-५
५५६१ सितार दर्पण । मर्हूम उस्ताद भीकन खा	१८-५
५५६२ सितार मार्ग । १-३ भाग	२६-०
५५६३ सितारमालिका । भगवत शरण शर्मा	१४-०

५५६४	सितार वादन । सतीशचन्द्र । १-३ भाग	१८—५०
५५६५	सितार शिखा । बलदाऊजी श्रीवास्तव	२—००
५५६६	सितार शिखा । विश्वम्भर नाथ भट्ट	८—००
५५६७	सितार शिखा । प्रथम भाग	२—००
५५६८	सितार सिद्धान्त । प्रथम भाग जगदीश नारायण पाठक	४—००
५५६९	सितार सुधा । विक्रमादित्य सिंह निगम । प्रथम भाग	६—५०
५५७०	सितार सुबोधिनी । पाँचवाँ भाग	४—००
५५७१	सुन्दर हारमोनियम पुष्पाञ्जलि ।	८—००
५५७२	सूर संगीत । सं० लक्ष्मीनारायण गर्ग । १-२ भाग	९—५०
५५७३	सूर संगीत भजनामृत ।	४—५०
५५७४	स्वर गुंजन । प्रथम भाग	४—००
५५७५	स्वर मालिका । विष्णुनारायण भातखण्डे	४—००
५५७६	स्वरमेलकलानिधिः । रामामाता कृत विश्वम्भरनाथ भट्ट कृत हिन्दी टीका सहित	
५५७७	स्वरलिपि । रवीन्द्रनाथ ठाकुर के 'सौ गीतों का स्वरलिपि-बद्धसकलन । प्रथम खण्ड	२५—००
५५७८	हमारा आधुनिक सङ्गीत । सुशीलकुमार चौबे	११—००
५५७९	हमारे प्रिय सङ्गीतज्ञ । हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव	८—००
५५८०	हमारे संगीत रत्न । लक्ष्मीनारायण गर्ग	५०—००
५५८१	हमारे सङ्गीतज्ञ । प्रकाशनारायण	८—००
५५८२	हमारे संगीतज्ञ । प्रकाश नारायण	३—००
५५८३	हरिदास अंक ।	१—२५
५५८४	हँसगुहले । काका हाथरसा	३—००
५५८५	हमारा आधुनिक सङ्गीत । डा० सुशीलकुमार चौबे	११—००
५५८६	हाई स्कूल संगीत शास्त्र । भगवतशरण शर्मा	५—५०
५५८७	हारमोनियम ज्ञानसागर । नन्दलाल शर्मा	२—५०
५५८८	हारमोनियम-तबला एण्ड बॉसुरी मास्टर । नन्दलाल शर्मा	५—००
५५८९	हिन्दी के कृष्ण भक्ति कालीन साहित्य में संगीत । डा० उषा गुप्ता	३०—००
५५९०	HINDU MUSIC FROM VARIOUS AUTHORS	
	Compiled by Raja Sir Sourindro Mohun Tagore.	50—00
५५९१	Historical Development of Indian Music A-Critical Study by Swami Prajnana Nanda	65—00

पाकशास्त्र-ग्रन्थाः

५५९२	आधुनिक पाक भारती । अमोल चन्द्र शुक्ला	१८—००
५५९३	नलपाकः । (पाकदर्पणम्) नलविरचित-	यन्त्रस्थ
५५९४	पाकप्रदीप और पुष्टिप्रकाश । हिन्दी टीका सहित	१—६५
५५९५	पाक विज्ञान । ज्योतिर्मयी ठाकुर	४—००
५५९६	पाक विद्या । मणिराम शर्मा	१—००
५५९७	पाकावली । मूल	०—६२
५५९८	बृहत्पाकावली । हिन्दी टीका	१—२५

शिल्पशास्त्र-ग्रन्थाः

५१९९ काश्यपशिल्पम् । महेश्वरोपदिष्टम्	६—००
५६०० प्रतिमा विज्ञान । इन्दुमती मिश्र	१५—००
५६०१ प्रासादमंडन (देवालय निर्माण शास्त्र) सूत्रधार मंडन विरचित । भगवानदाम जैन कृत हिन्दी टीका सहित	१६—००
५६०२ भारतीय वास्तुशास्त्र । (प्रतिमा विज्ञान) डा० द्विजेन्द्र नाथ शुक्ल	१५—००
५६०३ भारतीय वास्तुशास्त्र । (वास्तु विद्या-पुरनिवेश) डा० द्विजेन्द्र नाथ शुक्ल	८—५०
५६०४ भारतीय शिल्प संहिता । प्रभाशङ्कर ओ० सोमपुरा	१२५—००
५६०५ रूपमण्डन । मूत्रवारमण्डन विरचित । हिन्दी टीका सहित	६—००
५६०६ Vastu Sastra (Hindu Science of Architecture, Hindu Canons of Iconography) Dr. D. N. Shukla Vols. I-II	72—00
५६०७ सकलाधिकारः । अगस्त्य मुनि प्रणीत । आंग्ल भाषानुवाद संहित	१७—५०
५६०८ समराङ्गण सूत्रधार । भाग तृतीय (प्रासाद-निवेश) डा० द्विजेन्द्र नाथ शुक्ल	४०—००, १८—००
५६०९ समराङ्गण सूत्रधार-वास्तुशास्त्रम् । भोजदेव कृत । (भवन-निवेशः) मूलमात्र । डा० द्विजेन्द्रनाथ शुक्ल	२०—००
५६१० समराङ्गण सूत्रधार-वास्तु शास्त्रीय । (राज निवेश एव राजसी कलाएँ) । डा० द्विजेन्द्र नाथ शुक्ल । १-२ भाग	३६—००
५६११ समराङ्गण-सूत्रधारः । भोजदेव विरचित । स० वासुदेवशरण अग्रवाल	४०—००
५६१२ Six Fine Arts. Painting, Music, Poetry, Dance, Drama, Sculpture, Iconography and Architecture. By D. N Shukla.	18—00

कामशास्त्र-ग्रन्थाः

*५६१३ अलङ्कारः । कल्याणमल्लविरचित । श्री रामचन्द्र झा कृत 'कामकला' हिन्दी टीका सहित	५—००
५६१४ कामकला । विजय वहादुर सिंह	५—५०
५६१५ कामकुञ्ज । विजय वहादुर सिंह	१०—००
५६१६ कामकुञ्जलता । सं० आचार्य दुण्डिराज शास्त्री । श्रीमीननाथ, मंगन, पुरुरवा, दैवक्ष मूर्धे आदि द्वादश राजपिथों द्वारा विरचित	३५—००
*५६१७ हिन्दी कामसूत्र । वात्स्यायन मुनि कृत (यशोधर कृत जयमङ्गला टीका सहित) हिन्दी व्याख्याकार श्री देवदत्त शास्त्री	यन्त्रस्थ
५६१८ कामसूत्र । अत्रिदेव विद्यालंकार कृत हिन्दी भाषा मात्र	६—५०
५६१९ कामसूत्र । काशीराम चावला	४—५०
५६२० कुचमारतन्त्रम् । हिन्दीटीका सहित	१—२५
५६२१ केलिकुतूहलम् । म० म० मथुराप्रसाद दीक्षित विरचित । मूलमात्र	२—००
५६२२ कौकशास्त्र । (हिन्दी)	८—००
५६२३ नारी के गोपनीय भेद । राजनारायण मेहरा	१०—००

५६२४ पति पत्नी रहस्य । भागवत प्रसाद एम. ए.	१०—००
५६२५ प्रेमपत्र । शिवनाथ राम	६—००
५६२६ प्रेमसूत्र । काशीराम चावला	४—५०
५६२७ रतिमंजरी । हिन्दी अनुवाद सहित	१—००
५६२८ रतिरत्नप्रदीपिका । हिन्दी टीका सहित	३—७५

बौद्ध-ग्रन्थाः

५६०९ A MANUAL OF BUDDHISM. Translated from Singhalese Mss by R. Spence Hardy.	50—00
५६३० अङ्गुत्तरनिकाय । १-४ भाग । अनुवादक-भदन्त आनन्द कौसल्यायन	६०—००
५६३१ अङ्गुत्तरनिकाय पालि । भिक्षु जगदीश काश्यप संपादित । १-४ भाग	३०—००
५६३२ अपोहसिद्धि ।	३—००
५६३३ अभिधम्मत्थसंगहो । अनुरुद्धाचरिय विरचित । भदन्त आनन्द कौसल्यायन कृत हिन्दी टीका सहित	४—००
५६३४ अभिधम्मत्थसङ्गहो । नवनीत टीका । धर्मानन्द कौशाम्बी	४—००
५६३५ अभिधम्मत्थसङ्गहो । अभिधर्मप्रकाशिणी व्याख्या । हिन्दी अनुवाद सहित	३५—००
५६३६ अभिधम्मत्थसंगहो । भदन्त सुमङ्गल सामित्थेर कृत अभिधम्मत्थ विभावनी टीका सहित ।	८—००, १०—००
५६३७ अभिधर्मकोष । बसुबन्धु कृत । भाष्य-स्फुटार्थ टीका सहित । स० स्वामी द्वारिकादास शास्त्री । १-४ भाग	८०—००
५६३८ अभिधर्मदीपः । विभाषाप्रभावृत्ति सहित	१२—००
५६३९ अभिसमाचारिका । डा. वी. जिानानन्द	२०—००
५६४० अम्बट्टसुत्त । राहुल साकृत्यायन-भिक्षु जगदीश काश्यप	०—५०
५६४१ अर्थविनिश्चयसूत्रम् (निबन्ध) । एन एस. समथानी	२५—००
५६४२ अवदानकल्पलता । क्षेमेन्द्र विरचित । १-२ भाग	४५—००
५६४३ अशोकनिबन्धौ अवयविनिराकरणं सामान्यदूषणं च ।	३—००
५६४४ अशोकावदानम् । सुजीतकुमार मुखोपाध्याय संपादित	१८—००
५६४५ अष्टसाहस्रिका प्रज्ञापारमिता । हरिभद्र विरचित आलोक व्याख्या सहित	२०—००, २५—००
५६४६ आगमशास्त्रम् । गौडपादान्चार्य कृत । भदन्त आनन्द कौशल्यायन	३—००
५६४७ आचार्य बुद्धघोष । भिक्षु धर्मरक्षित	१—५०
५६४८ आचार्य बुद्धघोष और उनकी अष्टकथाएँ । डा० शिवचरण लाल जैन	१४—००
५६४९ आदर्श बौद्ध महिलार्ये । विद्यावती मालविका	
५६५० आर्य अंगुलिमाल सूत्र । रिगजिन लुनडुव लामा	
५६५१ आर्यशालिस्तम्बसूत्रं, प्रतीत्यसमुत्पाद विभङ्गनिदेशसूत्रं, प्रतीत्यसमुत्पादगाथासूत्रम् ।	९—००
५६५२ इतिवृत्तकं । (सुत्त पिटकस्स खुदकनिकाये) मूलमात्र-पालीपाठ	२—५०
५६५३ इतिवृत्तक । भिक्षुधर्म रक्षित	२—००
५६५४ Introduction to Pali by Anomadorshi Barua	7—50
५६५५ AN INTRODUCTION TO BUDDHIST ESOTERISM. By Dr Benoytosh Bhattacharya.	60—00

- ५६५६ उत्तर-प्रदेश में बौद्धधर्म का विकास । डॉ० नलिनाक्षदत्त-कृष्णदत्त वाजपेयी ६—००
- ५६५७ उत्तोदय । धर्मरत्न १—००
- ५६५८ उदान । भिक्षु जगदीश काश्यप अनुवादित
- ५६५९ उपसंपदाज्ञप्ति । डॉ० वी० जिनानन्द सपादित ३—००
- ५६६० ऊहापोह । शान्तिभिक्षु शास्त्री १—००
- ५६६१ कथावस्तु पालि (अभिधम्म पिटके) । भिक्षु जगदीश काश्यप सपादित ७—५०
- ५६६२ कपिलवस्तु लुम्बिनी दिग्दर्शन । विजय श्रीवास्तव २—५०
- ५६६३ कालामसूत्र । जी० प्रज्ञानन्द ०—५०
- ५६६४ क्रिया संग्रह । स० डा० शारदा रानी ३००—००
- ५६६५ कुशीनगर का इतिहास । भिक्षु धर्मरक्षित
- ५६६६ खुद्दकनिकाय । भिक्षु जगदीश काश्यप सपादित । १-७ भा १ जित्तों में ६७—५०
- ५६६७ खुद्दकपाठ । भिक्षु धर्मरत्न ०—५०
- ५६६८ गउडवहो । वाक्पति राजकृत । सस्कृत छाया आग्लानुवाद सहित २५—००
- ५६६९ गण्डव्यूहसूत्रम् । परशुराम शर्मा त्रेथ सपादित १६—००, २०—००
- ५६७० गांधीजी और धर्म । सुखलाल सववी-दलसुखमालत्रणिया लिखित । हिन्दी ०—२६
- ५६७१ गुह्यसमाजतन्त्रम् । (तथागतगुह्यक) शांताशुशेखर वागची सम्पादित
१०—००, १२—५०
- ५६७२ गुह्यसमाजतन्त्रम् । स० वी० मट्टाचार्य २४—००
- ५६७३ गौतमबुद्ध । राधाकृष्णन् ४—००
- ५६७४ चतुःशतकम् । भागचन्द्र जैन २५—००
- ५६७५ चरियापिटक । भिक्षु धर्मरक्षित कृत हिन्दी अनुवादसहित ३—००
- ५६७६ चर्यागीतिकोषः बौद्धसिद्धानाम् । प्रबोधचन्द्र वागची-शान्तिभिक्षु शास्त्री
कृत टिप्पणी सहित १५—००
- ५६७७ Chinese Buddhism : A Volume of Sketches :
Historical, Descriptive and Critical. By Rev.
Joseph Edkins. 75—00
- ५६७८ चीनी बौद्धधर्म का इतिहास । चाउसिआग कुआग । अनु० आत्मन् १०—००
- ५६७९ सुल्लनिहेस पालि । भिक्षु जगदीश काश्यप सम्पादित ५—००, ७—५०
- ५६८० सुल्लवग्ग । भिक्षु जगदीश काश्यप सपादित ५—००, ७—५०
- ५६८१ जातक । १-३, ६ भाग । भदन्त आनन्द कौसल्यायन अनुवादित ७५—००
- ५६८२ जातक कथाये । आनन्दकुमार
- ५६८३ जातकट्टकथा । पठमो भाग । भिक्षुधर्मरक्षित सम्पादित । एकनिपातवर्णना १५—००
- ५६८४ जातक पालि । भिक्षु जगदीश काश्यप सम्पादित । १-२ भाग १०—००, १५—००
- ५६८५ जातकमाला तथा सुभाषित रत्नकरण्डक कथा । आर्यशूर विरचित १२—५०
- ५६८६ जातकमाला । हिन्दी टीका सहित १२—५०
- ५६८७ जातकसङ्ग्रहः । तुङ्गर सम्पादित ५—००
- ५६८८ ज्ञानप्रस्थानशास्त्र । कात्यायनी पुत्र विरचित १२—००
- ५६८९ Dictionary of Early Buddhist Monastic Terms
(Based on Pali Literature) C. S. Upasak 100—00
- ५६९० Development of Buddhism in Uttar Pradesh by
Dr. Nalinaksha Dutt 8—00

- ५६९१ तरबसंग्रहः । शान्त रक्षित विरचित । कमलशील कृत पञ्जिका सहित ।
स० स्वामी द्वारिकादास शास्त्री । १-२ भाग ७०-००
- ५६९२ तथागत का प्रथम उपदेश । भिक्षु वर्मरक्षित ०-५०
- ५६९३ तथागत गर्भसूत्र । भटन्त मंगल हृदय
- ५६९४ तान्त्रिक बौद्ध साधना और साहित्य । नगेन्द्रनाथ उपाध्याय १०-००
- ५६९५ तेलकटाहगाथा । भिक्षु वर्मरक्षित १-००
- ५६९६ थेरगाथा । मूलमात्र-पालीपाठ १-५०
- ५६९७ थेरीगाथा । मूलमात्र-पालीपाठ १-२५
- ५६९८ थेरी गाथाएँ । डा० भरतसिंह उपाध्याय ५-००
- ५६९९ दशभूमिकासूत्रम् । सं० शीतांशुशेखर वागची १५-००, २०-००
- ५७०० दिव्यावदान । पी० एल० वैद्य सम्पादित १६-००, २०-००
- ५७०१ दीघ निकायः । मूलमात्र-पालीपाठ । १-२ भाग ५-००
- ५७०२ दीघनिकायः । भिक्षु जगदीश काश्यप सम्पादित । २-३ भाग १०-००
- ५७०३ धम्मपद । वशनारायण लाल सम्पादित (कविता) १-००
- ५७०४ धम्मपद । मूलपाली, संस्कृत-छाया, हिन्दी टीका सहित । राहुल साकृत्यायन अनुवादित
- ५७०५ धम्मपद । हिन्दी अनुवाद-संस्कृत-छाया-व्याकरणात्मक टिप्पणी आदि से समन्वित । स० डा० रामजी उपाध्याय
- ५७०६ धम्मपद । भिक्षु वर्मरक्षित कृत हिन्दी अनुवाद ४-००
- ५७०७ धम्मपद अट्टकथा । सं० डा० सी० एस० उपासक । प्रथम भाग १२-५०
- ५७०८ धम्मसंगणि । वापट कृत १५-००
- ५७०९ धम्मसंगणिपालि । भिक्षु जगदीश काश्यप सपादित ५-००, ७-५६
- ५७१० धर्मस्वामीन की जीवनी । ८-००
- ५७११ धर्मोत्तर प्रदीप । दुर्वैक मिश्र कृत २०-००
- ५७१२ धातुकथा पुगलपञ्जति पालि । भिक्षु जगदीश काश्यप सपादित ७-५०
- ५७१३ ध्यान संप्रदाय । डा० भरतसिंह उपाध्याय १५-००
- ५७१४ नव दीक्षित बौद्ध । राहुल साकृत्यायन १-५०
- ५७१५ नवनालन्दा महाविहार शोध ग्रन्थ । डॉ० एस० मुकजी सपादित । १-२ भाग ३०-००
- ५७१६ नालन्दा देवनागरी पालि-ग्रन्थमाला । देवनागरी लिपि में सम्पूर्ण पालि-त्रिपिटक । ४१ जिल्दों में सम्पूर्ण । साधारण संस्करण २०५-००
लाइब्रेरी संस्करण ३०७-५०
- ५७१७ निदान कथा । (जातकट्ट कथा) सं० एन. के. भागवत ४-००
- ५७१८ निदान कथा । अनुवादक—डा० महेशतिवारी १५-००
- ५७१९ न्याय प्रवेशः । हरिभद्र सूरि कृत वृत्ति-पार्श्वदेव कृत पञ्जिका सहित । प्रथम भाग २२-००
- ५७२० न्यायविन्दुः । श्रीधर्मोत्तराचार्य कृत संस्कृतटीका तथा पं० चन्द्रशेखर शास्त्री कृत हिन्दीटीका—समालोचनात्मक विस्तृतभूमिका विभूषित १०-००
- ५७२१ पञ्चपकरण अट्टकथा । स० डा० महेशतिवारी । १-३ भाग २८-३७
- ५७२२ पञ्चविधसूत्र । ७-००
- ५७२३ पट्टानपालि । भिक्षु जगदीश काश्यप सपादित । १-६ भाग ३०-००, ४५-००

५७०४ परमार्थचिन्तन (सिद्धार्थ महाभिनिष्क्रमण)	१—००
५७०५ परिवार पालि । भिक्षु जगदीश काश्यप सपादित	५—००, ७—५०
५७०६ पाइय-पज्ज-संगहो । दुत्तियो भाग	१—५०
५७०७ पाचित्तिय पालि । भिक्षु जगदीश काश्यप सपादित	५—००, ७—५०
५७०८ पाराजिक पालि । भिक्षु जगदीश काश्यप सपादित	५—००, ७—५०
५७०९ पालिधातुरूपावली ।	४—००
५७१० पालिपञ्चामृत । डा० राम प्रकाश अग्रवाल	२—५०
५७११ पालिपाठमाला । भिक्षु धर्मरक्षित	३—००
५७१२ पालिप्रकाश । राम गोपाल गुप्त	७—५०
५७१३ पालिप्रवेश ।	४—५०
५७१४ पालिप्रवेशिका । डा० कोमल चन्द्र जैन	६—५०
५७१५ पालि-प्राकृत-अपभ्रंश-संग्रह । सं. राम अवध पाण्डेय-रविनाथ मिश्र	१७—००
५७१६ पालिप्राकृतव्याकरण । मथुरानाथ दीक्षित विरचित	१—५०
५७१७ पालिरीडर (पालि पाठ सङ्कलन) । सटिप्पण । धर्मानन्द कोसाम्बी सी० धी० राजवाडे	१०—००
५७१८ पालिशब्दरूपावली ।	०—५०
५७१९ पालिसंग्रह । डा० राम अवध पाण्डेय-डा० रविनाथ मिश्र	६—५०
५७२० पालिसाहित्य का इतिहास । भरतसिंह उपाध्याय	२५—००
५७२१ पालिसाहित्य का इतिहास । डा० भिक्षु धर्मरक्षित	६—००
५७२२ पालिसाहित्य का इतिहास । राहुल साहत्यायन	५—००
५७२३ पाली साहित्य का इतिहास । राजकिशोर सिंह	३—००
५७२४ पूर्णिमा । (कविता) कुमारी विद्यावती 'मालविका'	१—००
५७२५ प्रज्ञापदीप ।	१—००
५७२६ प्रतीत्यसमुत्पादीय विभङ्ग नाम निर्देशसूत्रम् । रिगजिन लुनडुव लामा	
५७२७ प्रमाणवार्तिक भाष्यम् । धर्मकीर्ति कृत । मनोरथ नन्दि विवृति सहित	२५—००
५७२८ प्रमाणवार्तिकान्तर्गत स्वार्थानुमान परिच्छेद । आचार्य धर्मकीर्ति कृत	१५—००
५७२९ प्रमाणवार्तिकम्-स्वार्थानुमान-परिच्छेदः । धर्मकीर्ति कृत । स्वोपश्लेषित आगलानुवाद सहित । १-५१ कारिका । स० एम० मुकर्जी-हजुननागामाकि	४—००
५७५० प्राचीन राजवंश और बौद्ध धर्म । डा० अच्युतानन्द षिखियाल	४८—००
५७५१ प्रातिमोक्षसूत्रम् । महासाधिकाना । डब्ल्यू० पचाऊ-रमाकान्तमिश्र सपादित	५—००
५७५२ प्रातिमोक्षसूत्रम् । आर० डी० वडेकर विरचित	५—००
५७५३ बालावतारो (पालि व्याकरण) धर्मकीर्ति प्रणीत । हिन्दी टीका सहित	१०—००
५७५४ बुद्ध और क्राइस्ट । जिनराजदास	१—००
५७५५ Buddha & Buddhism	25—00
५७५६ बुद्धकथा । डा० रघुनाथ सिंह	३५—००
५७५७ बुद्धकालीन भारत का भौगोलिक परिचय ।	
५७५८ बुद्धकालीन भारतीय भूगोल । भरतसिंह उपाध्याय	१५—००
५७५९ बुद्धकालीन राजगृह । अनन्त कुमार	६—००
५७६० बुद्धकालीन समाज और धर्म । डॉ० मदनमोहन सिंह	१२—००
५७६१ बुद्ध की देन । मदनत डॉ० शासन श्री महास्वविर	
५७६२ बुद्धकीर्तन । प्रेमसिंह चौहान 'दिव्यार्थ'	२—००

५७६३ बुद्ध गुणालङ्कार । भदन्त आनन्द कौसल्यायन	५—००
५७६४ बुद्धचरितावली । रामचन्द्रलाल	२—००
५७६५ बुद्धचर्या । राहुल साकृत्यायन	१५—००
५७६६ बुद्धमीमांसा । योगिराज शिष्य मैत्रेय रचित । अनु०—विश्वनाथप्रसाद मिश्र	३—००
५७६७ बुद्धवचन । भदन्त आनन्द कौसल्यायन	
५७६८ बुद्ध वचन । सियाराम शरणगुप्त	३—००
५७६९ बुद्धवचनामृत । भदन्त डॉ० ज्ञासन श्री महास्थविर	३—५०
५७७० बुद्ध वाणी ।	१—२५
५७७१ बुद्धिचरित । जी. प्रज्ञानन्द । १-२ भाग	१—००
५७७२ BUDDHISM. By Monier Williams.	६५—००
५७७३ Buddhist Praying Wheel	५०—००
५७७४ BUDDHIST PHILOSOPHY IN INDIA AND CEYLON By A. B. Keith.	३०—००
५७७५ बोधिचर्यावतार । विधुशेखर भट्टाचार्य संपादित	२५—००
५७७६ बोधिचर्यावतार । शान्तिदेव विरचित । प्रभाकरमति कृत पञ्जिका व्याख्या सहित	१०—००, १२—५०
५७७७ बोधिचर्यावतार । स० लोकेश चन्द्र	३००—००
५७७८ बोधिपथ-ग्रदीपम् । रिगजिन लुनडुव लामा	०—५०
५७७९ बोधिसत्त्वभूमिः । डॉ० नलिनाक्ष दत्त संपादित	१५—००
५७८० बौद्ध और जैन आगमों में नारी जीवन । डा० कोमलचन्द्र जैन	१५—००
५७८१ बौद्धकहानियाँ । व्यथितहृदय	१—५०
५७८२ बौद्धचर्यापद्धति । भदन्त बोधानन्द महास्थविर	३—००
५७८३ बौद्धचर्याविधि । भिक्षु धर्मरक्षित	१—००
५७८४ बौद्धतर्कभाषा । मोक्षाकर गुप्त विरचित । हिन्दी टीका सहित	६—००
५७८५ बौद्धदर्शन । राहुल साकृत्यायन	९—००
५७८६ बौद्धदर्शनविन्दुः । डॉ० मातकडि मुखोपाध्याय	
५७८७ बौद्धदर्शन मीमांसा । आचार्य बलदेव उपाध्याय	३०—००
५७८८ बौद्धधर्म । मूल लेखक—एनीवेसेट । अनुवादिका—ज्ञाशल्यादेवी मोहता	१—००
५७८९ बौद्ध धर्म और विहार । हवलदार त्रिपाठी सहृदय	८—००
५७९० बौद्धधर्म का इतिहास । चाऊ सिभाग कुआङ्ग	१२—००
५७९१ बौद्ध धर्म के उपदेश । भिक्षु धर्मरक्षित	३—००
५७९२ बौद्ध धर्म के विकास का इतिहास । गोविन्दचन्द्र पाण्डेय	१२—००
५७९३ बौद्ध धर्म दर्शन । आचार्य नरेन्द्रदेव	२५—००
५७९४ बौद्ध न्याय । मूल लेखक . एफ० टी० शर्बाटस्की । हिन्दी अनुवाद : डॉ० रामकुमार राय । प्रथम भाग	३५—००
५७९५ बौद्ध योगी के पत्र । भिक्षु धर्मरक्षित	१—००
५७९६ बौद्धविभूतियाँ । भिक्षु धर्मरक्षित	
५७९७ बौद्धसंग्रहः । नलिनाक्षदत्त संपादित	७—५०
५७९८ बौद्ध संस्कृति का इतिहास । भागचन्द्र जैन	२५—००
५७९९ बौद्ध साहित्य की सांस्कृतिक झलक । परशुराम चतुर्वेदी	५—००
५८०० बौद्धालङ्कारशास्त्रम् । डॉ० ब्रह्ममित्र अवस्थी	१५—००

५८०१	भक्तिमार्गी बौद्धधर्म । अनु० नर्मदेश्वर चतुर्वेदी	४—००
५८०२	भगवान् शैतमबुद्ध । भदन्त बोधानन्द महास्थविर	
५८०३	भगवान् बुद्ध और उनका धर्म । भदन्त आनन्द कौसल्यायन	२५—००
५८०४	भारत का बौद्धकालीन इतिहास । जनार्दन भट्ट	३०—००
५८०५	भारत में बौद्ध धर्म का इतिहास । लामा तारानाथ । अनुवादक रिगजिन लुण्डुप लामा	१०—००
५८०६	भिक्षुणी विनय । सं. डा० गुस्ताफ रोथ	३०—००
५८०७	मंजुश्री नाम सङ्गीतिः । स० डा० रघुवीर	४०—००
५८०८	मज्झिमनिकाय । भिक्खु जगदीश काश्यप संपादिन । २-३ भाग	१०—००
५८०९	मज्झिम निकाय । अनुवादक राहुल सांकृत्यायन	३०—००
५८१०	मध्यकालीन हिन्दी साहित्य पर बौद्धधर्म का प्रभाव । डॉ० मरला त्रिगुणायत	२५—००
५८११	मध्यमकशास्त्रम् । नागार्जुन विरचित । चन्द्रदीर्घि कृत प्रसन्नपद व्याख्या सहित	१०—००, १२—५०
	धान्त विभाग भाष्यम् । वसुवन्धु कृत	४—००
५८१३	मध्यान्त विभाग शास्त्रम् । मैत्रेयनाथ कृत धारिका, वसुवन्धु प्रणीत भाष्य स्थिर मति विरचित व्याख्या सहित	१२—००
५८१४	महापरिनिब्बानसुत्तं । मूलपालि-हिन्दी अनुवाद तथा अट्टकथासार सहित । भिक्षु धर्मरक्षित	
५८१५	महापरिनिर्वाणसूत्र ।	२—००
५८१६	महायान । भदन्त शान्ति भिक्षु कृत हिन्दी	३—००
५८१७	महायानर्विशक । नागार्जुन विरचित । विधुशेखर भट्टाचार्य संपादिन	५—००
५८१८	महायानसूत्रसंग्रह । १-२ भाग	३६—००, ४५—००
५८१९	महावग्ग पालि । भिक्खु जगदीश काश्यप	५—००, ७—५०
५८२०	महावग्गो (विनय पिटक) मूलमात्र पालीपाठ । १-२ भाग	७—००
५८२१	महावश । आनन्द कौसल्यायन कृत हिन्दी अनुवाद	१०—००
५८२२	महावस टीका (वंसस्थपकालिनी) । सं. श्रीधर वासुदेव सोहानी	२०—००
५८२३	महावंसो । मूलमात्र-पालीपाठ	३—७५
५८२४	महावंसो । भिक्षु धर्मरक्षित	
५८२५	महावस्तु अवदानम् । सं. डा. एस. बागची । प्रथम भाग	३०—००, ३५—००
५८२६	मिलिन्दपन्हो (मिलिन्दप्रश्न) मूलपालि-संस्कृत छाया सवलिन । विमनिच्छेदपर्यन्त	४—००
५८२७	मिलिन्दपन्हो ।	२०—००, २५—००
५८२८	मूलसर्वास्तित्वाद विनयवस्तु । सं. शीताशुशेखर बागची । १-२ भाग	५०—००, ६०—००
५८२९	मैक्सवेबर-एक बौद्धिक व्यक्तित्व । राहन हार्ड वेडिकस	१२—००
५८३०	Manual of Buddhist Philosophy	४५—००
५८३१	यमक पालि । भिक्खु जगदीश काश्यप संपादिन । १-३ भाग	१५—००, २२—५०
५८३२	यशोधरा । मैथिलीशरण गुप्त	४—००
५८३३	रत्नगोत्रविभागोमहायानोत्तरतन्त्रशास्त्रम् । जान्स्टन-चौधरी संपादिन	१२—००
५८३४	लङ्कावतारसूत्र ।	१०—००

५८३५ लङ्कावतारसूत्र । सं. लोकेश चन्द्र	३००—००
५८३६ ललितविस्तरः । पी० यल० वैद्य संपादित	१०—००, १२—५०
५८३७ Life of the Buddha by Henry C Warren	45—00
५८३८ The Licchavis of Vaisali. By Dr. Hit Narayan Jha.	40—00
५८३९ वज्रसूची । अधोष विरचित । सुजीतकुमार मुकर्जी संपादित	३—५०
५८४० वज्रसूची उपनिषद् । प्रज्ञानन्द	०—५०
५८४१ वादन्यायप्रकरणम् । धर्मकीर्ति विरचित । शान्त रक्षित कृत विपञ्चि- तार्थ-प्रभाचन्द्र कृत व्याख्या सहित । सम्बन्ध परीक्षा	१५—००
५८४२ विग्रहव्यावर्त्तनी । नागार्जुन विरचित । स्वोपज्ञवृत्ति समेत	८—००
५८४३ विज्ञप्तिमात्रतासिद्धिः । विशति-त्रिंशिकाभिधानप्रकरणद्वयात्मिका भाषानुवादसमुल्लसिता । अनु०-डॉ० महेश तिवारी	८—००
५८४४ विज्ञप्तिमात्रतासिद्धिः । वसुबन्धु प्रणीत । पञ्चाशतिका-सवृत्तिका त्रिंशतिका कारिका । स्थिरमति प्रणीत । त्रिंशिका भाष्य सहित	२—००
५८४५ विज्ञप्तिमात्रता सिद्धि प्रकरणद्वयम् । वसुबन्धु प्रणीत । विशतिका स्वोपज्ञवृत्ति युक्त-त्रिंशिका स्थिरमति कृत भाष्य सहित । गूढार्थ दीपनी हिन्दी व्याख्या युक्त	३९—२५
५८४६ विभङ्गपालि । भिक्षु जगदीश काश्यप संपादित	५—००, ७—५०
५८४७ विशुद्धिमगदीपिका । धर्मानन्दकोशाम्नी	४—००
५८४८ विशुद्धिमगो	४०—००
५८४९ विशुद्धि समो । बुद्धधोष चारिण कृत । भदन्त चारिण धम्मपाल कृत परमत्थ मजूषा टीका सहित स. रेवतधम्म । १-३ भाग	९५—००
५८५० विशुद्धिमार्ग । अनुवादक भिक्षु धर्मरक्षित । १-२ भाग	३५—००
५८५१ विशुद्धिमार्ग की रूपरेखा । भिक्षुधर्मरत्न	३—५०
५८५२ व्रतिशासन ।	४०—००
५८५३ शार्दूलकर्णाविदानम् । सुजीतकुमार सुखोपाध्याय संपादित	१०—००
५८५४ शिक्षासमुच्चयः । ज्ञान्तिदेव विरचित	१०—००, १२—५०
५८५५ श्रद्धा के फूल । कुमारी विद्यावती मालविका	१—००
५८५६ श्रावक भूमौ नैष्कर्म्यभूमि । आचार्य असङ्ग कृत । सं. डा. करुणेश शुक्ल	४५—००
५८५७ श्लोकान्तारा । श्रीमती डा० शारदारानी	४०—००
५८५८ संयुक्तनिकाय । भिक्षु जगदीश काश्यप संपादित । १-४ भाग	२०—००, ३०—००
५८५९ संयुक्तनिकाय । भिक्षु जगदाश काश्यप, त्रिपिटकाचार्य भिक्षु धर्मरक्षित कृत हिन्दी अनुवाद । १-२ भाग	२७—००
५८६० संयोजन । भदन्त आनन्द कौसल्यायन	
५८६१ Sanskrit Manuscripts from Tibet by Lokesh Chandra	60—00
५८६२ सच्चसंगहो । अनुवादक भदन्त आनन्द कौसल्यायन	४—००
५८६३ सति पदान विपश्यना । श्यामा किशोर वशिष्ठ	२—००
५८६४ सद्धम्मसङ्गहो । धम्मकृत्ति महामार्गीकृत । डॉ० महेश तिवारी संपादित	३—००
५८६५ सद्धर्मपुण्डरीकसूत्रम् । परशुराम शर्मा वैद्य सङ्गीधन	१०—००
५८६६ सद्धर्मपुण्डरीक । अनुवादक राममोहन दास	१०—५०
५८६७ सद्धर्मलङ्कावतारसूत्रम् । डॉ० पी० एल० वैद्य परिष्कृत	१०—००, १२—५०

५८६८	समन्तपासादिका नाम विनयट्टकथा । वीरवल शर्मा सशोधित ।	
	१-३ भाग	४५-००
५८६९	समाधिराजसूत्रम् ।	१२-००, १६-००
५८७०	सम्मोहविनोदिनी नाम विभङ्गट्टकथा । डॉ० यू० धर्मरत्न संपादित	१५-००
५८७१	सारनाथ वाराणसी । भिक्षु धर्म रक्षित	
५८७२	सारी पुक्त और मौगह्लायन । प्रेम सिंह चौहान	१-००
५८७३	सासनवंसो । डॉ० च० सि० उपासको	६-००
५८७४	सिङ्गलसुत्तम् । भिक्षुकित्तिमा	०-५०
५८७५	सुत्तनिपात । भिक्षु धर्मरक्षित	
५८७६	सुत्तनिपात । भिक्षु धर्मरत्न कृत । हिन्दी । प्रथम भाग	२-००
५८७७	सुत्तनिपात-अट्टकथा । सशोधक डा० अङ्गराज चौधरी । दूसरा भाग	३०-००
५८७८	सुमङ्गल विलासिनी । बोधनिकाय अट्टकथा । डा० महेशतिवारी शास्त्री	३०-००
५८७९	सुवर्ण प्रभाससूत्रम् । सं. शीताशुशेखर वागची	१५-००, २०-००
५८८०	सुवर्णवर्णावदान । सं. डा सीताराम राय	१८-००
५८८१	सूत्रद्वयं दीर्घागमस्य । (महावदान-महापरिनिर्वाणसूत्रे) राहुल साकृत्यायन अनूदित	६-००
५८८२	सूत्रालङ्कार ।	२०-००
५८८३	सौगतसिद्धान्तसारसङ्ग्रहः । हिन्दी अनुवाद सहित ।	६-००
५८८४	सौगतसूत्रव्याख्यानकारिका । कुमारिल कारिकावली । कुमारिल स्वामिपाद विरचित	२-००
५८८५	THE STORY OF KING UDAYANA AS GLEANED FROM SANSKRIT, PALI & PRAKRIT SOURCES By Dr. Niti Adaval.	45-00
५८-६	स्फुटार्थ श्री घनाचार्य संग्रह टीका । सं. सहज सेन	८-००
५८८७	हिन्दी सन्त साहित्य पर बौद्ध धर्म का प्रभाव । सरला त्रिगुणायत	२०-००
५८८८	History of Buddhism in India	10-00
५८८९	HISTORY AND PALAEOGRAPHY OF MAURYAN BRAHMI SCRIPT By Dr. C S Upasak	12-00

जैन-ग्रन्थाः

५८९०	अतीत का अनावरण । आचार्य तुलसी मुनि नथमल	५-००
५८९१	अध्यात्म कमल मार्तण्ड । मल्ल विरचित । हिन्दी टीका सहित	१-५०
५८९२	अध्यात्म पदावली । स० डॉ० राजकुमार जैन	
५८९३	अध्यात्म रहस्य ।	१-००
५८९४	अध्यात्मराज ।	७-००
५८९५	आत्ममीमांसा । दलसुख भाई मालवणिया	२-००
५८९६	अनगार धर्मावृत । आशाधर कृत । ज्ञानदीपिका स्वोयज्ञ पञ्जिका सहित	३०-००
५८९७	अनेकान्त और स्याद्वाद ।	१-००
५८९८	अनेकान्तजयपताका । हरिभद्रसूरि विरचित । मुनिचन्द्र प्रणीत व्याख्या सहित । द्वितीय भाग मात्र	२५-००

५८९९	अन्तर्निरीक्षण । सुखलालसधवी कृत	०—५०
५९००	अपभ्रंश कथा काव्य एवं हिन्दी प्रेमाख्यानक । डॉ० प्रेमचन्द्र जैन	२०—००
५९०१	अष्ट प्राभृत । गुर्जर गद्य पद्य अवतरण सहित	५—००
५९०२	आख्यानकमणिकोशः । नेमिचन्द्र सूरि विरचित । आम्रदेव सूरि कृत वृत्ति सहित । मुनि पुण्य विजय सपादित	२१—००
५९०३	आत्ममीमांसा । दलसुख मालवगणिया (हिन्दी)	२—००
५९०४	आत्मानुशासन । गुणभद्र कृत सस्कृत-हिन्दी टीका सहित	७—००
५९०५	आदिपुराण । जिनसेनाचार्य कृत हिन्दी टीका सहित । दूसरा भाग	३०—००
५९०६	आप्तपरीक्षा । विद्यानन्दि विरचित । हिन्दी टीका सहित	८—००
५९०७	आराधनासमुच्चय-योगसारसंग्रह । मुनि रविचन्द्र कृत	१—००
५९०८	Ethical Doctrines in Jainism	12—00
५९०९	इष्टोपदेशः । टीकात्रय एव पद्यानुवाद	२—५०
५९१०	उक्तिरत्नाकर । नाथसुन्दर गणि विरचित । जिन विजयमुनि सपादित	५—००
५९११	उक्तिव्यक्तिप्रकरण । पण्डित दामोदर कृत	८—००
५९१२	उत्तरपुराण । गुणभद्र विरचित	३०—००
५९१३	उत्तराध्ययनसूत्र-एक अध्ययन । डा. सुदर्शन लाल जैन	२५—००
५९१४	उपासकाध्ययन । सोमदेव सूरि कृत । हिन्दी टीका सहित	३०—००
५९१५	Ancient Jaina Hymns. By Charlotte Krause	8—00
५९१६	कथा कोश । प्रभाचार्य कृत । स. आ. ने. उपाध्याय	७—००
५९१७	कथाकोसु ।	३०—००
५९१८	कर्मकण्डचरिउ । मुनिकनकामर विरहउ । हिन्दी-आगलानुवाद सहित	२०—००
५९१९	कर्म प्रकृति । अभयचन्द्र । अनु डा. गोकुलचन्द्र जैन	२—००
५९२०	A Cultural Study of the Nisitha Caru	30—00
५९२१	कल्याण कल्पद्रुम । हिन्दी टीका सहित	१—५०
५९२२	कविचर वनारसीदास । डा. रवीन्द्र कुमार जैन	१०—००
५९२३	कसायपाहुइसुत्त । गुणवर विरचित । यतिवृषभ कृत सस्कृत तथा हारालाल सिद्धान्तशास्त्री रचित हिन्दी टीका सहित	२०—००
५९२४	कुन्द-कुन्द प्राभृत संग्रह । हिन्दा अनुवाद सहित । स० कैलाशचन्द्र शास्त्री	६—००
५९२५	कुन्दकुन्दाचार्य के तीन रत्न । शोभाचन्द्र भारिल । हिन्दी	२—००
५९२६	क्या धर्म बुद्धिगम्य है । आचार्य तुलसी	४—००
५९२७	गीत वीत राग । पण्डिताचार्य कृत	३—००
५९२८	गुजरात का जैनधर्म । मुनि जिनविजय । हिन्दा	१—००
५९२९	गोम्मटसारः (जीवकाण्ड) नेमिचन्द्राचार्य कृत । कर्णाटक वृत्ति-मस्कृत हिन्दी टीका सहित । प्रथम भाग	३०—००
५९३०	चन्द्रप्रभचरित । अमृतलाल शास्त्री कृत । हिन्दी टीका सहित	१६—००
५९३१	छक्कम्मुवइसो । अमरकीर्ति कृत	३५—००
५९३२	जंबुचरियं । गुणपाल विरचय (प्राकृत भाषा निबन्ध)	८—५०
५९३३	जंबूदीव-पण्णत्ति संग्रहो । पउमणदिकओ । हिन्दी टीका सहित	१६—००
५९३४	जंबूसामिचरिऊ । कवि वीर । स. डां विमल प्रकाश जैन । हिन्दी टीका सहित	२५—००
५९३५	जसहरचरिऊ । महाकवि पुष्पदन्त कृत । हिन्दी टीका सहित	१८—००

- ५९३६ जिनदत्ताख्यानद्वयम् । (प्राकृत) अमृतलाल मोहनलाल भोजक संपादित ३—५०
- ५९३७ जिनवाणी । स. डा. हीरालाल जैन १२—००
- ५९३८ जिनसहस्रनाम । आशाधर विरचित । श्रुतसागरसूरि प्रणीत व्याख्या-
हिन्दी टीका सहित १०—००
- ५९३९ जीवन दर्शन । गोपाचन्द्र धाडीवाल ३—००
- ५९४० जीवन में स्याद्वाद । चन्द्रशङ्कर प्राणशङ्कर शुक्ल । हिन्दी १—००
- ५९४१ जैन अध्ययन की प्रगति । ढलसुख मालवगिया ०—५०
- ५९४२ जैन आगम साहित्य में भारतीय समाज । डॉ० जगदीश-
चन्द्र जैन ३०—००
- ५९४३ जैन आचार । डा० मोहनलाल मेहता ५—००
- ५९४४ जैनकला एवं स्थापत्य । स. लक्ष्मीचन्द्र जैन । १-३ भाग ५५०—००
- ५९४५ Jaina Culture by Dr. Mohan Lal Mehta 10—00
- ५९४६ जैन ग्रन्थ और ग्रन्थकार । षतहचन्द्र बलानी मन्पादित २—००
- ५९४७ जैन ग्रन्थप्रशस्तिसंग्रह । परमानन्द जैन शास्त्री । १-२ भाग १६—५०
- ५९४८ जैन जागरण के अग्रदूत । अयोध्याप्रसाद गोयलीय १०—००
- ५९४९ जैन जीवन दर्शन की पृष्ठभूमि । डा० दयानन्द भार्गव २०—००
- ५९५० जैन तर्कभाषा । यशोविजयाभाष्यायकृत । सुरलालप्रणीत व्याख्या ३—५०
- ५९५१ जैन तर्कशास्त्र में अनुमान विचार-ऐतिहासिक एवं समीक्षामक
अध्ययन । डा. दरवारीलाल जैन कोठिया १६—००
- ५९५२ जैनदर्शन । महेन्द्रकुमार जैन १५—००
- ५९५३ जैनदर्शन और आधुनिक विज्ञान । ६—००
- ५९५४ जैन दर्शनसार । चैतन्यदास ४—००
- ५९५५ जैन दार्शनिक साहित्य के विकास की रूपरेखा । ढलमुखभाई । हिन्दी ०—५०
- ५९५६ जैनधर्म का प्राचीन इतिहास । परमानन्द शास्त्री । बलभद्र जैन ।
१-२ भाग ६५—००
- ५९५७ जैनधर्म दर्शन । मोहनलाल मेहता १०—००
- ५९५८ जैनधर्म निबन्धावली । ५—००
- ५९५९ जैनधर्मबोधक । चन्द्रशेखर जैन । १ व ३ भाग १—७०
- ५९६० जैनधर्म में अहिंसा । वशिष्ठ नारायण सिन्हा २०—००
- ५९६१ जैन निबन्ध रत्नावली । ५—००
- ५९६२ जैनन्याय । कैलासचन्द्र शास्त्री । हिन्दी १६—००
- *५९६३ जैनन्यायखण्डखाद्यम् । आचार्ययशोविजयसूरिकृत । आचार्य
बदरीनाथ शुक्ल कृत विमर्शाख्य हिन्दी व्याख्या सहित १०—००
- ५९६४ जैन पुस्तकप्रशस्तिसङ्ग्रहः । आचार्य जिनविजय मन्पादित । प्र० भाग १०—००
- ५९६५ Jaina Philosophy by Dr. Mohan Lal Mehta 10—00
- ५९६६ जैन भक्तिकान्य और कवि । डा० प्रेमसागर जैन १६—००
- ५९६७ (हिन्दी) जैन-भक्तिकान्य की पृष्ठभूमि । डॉ० प्रेमसागर जैन ८—००
- ५९६८ Jaina Monastic Jurisprudence by Dr. S. B. Deo 3—00
- ५९६९ जैन लक्षणावली । १-२ भाग ५०—००
- ५९७० जैन विकास । ३३—५०

५९७७	Jaina View of Life by T. G. Kalghatgi	6—00
५९७८	जैन शिलालेखसंग्रह । विजयमूर्ति सगृहीत । २-३ भाग	२८—००
५९७३	जैन संस्कृति का हृदय । सुखलाल सघवी । हिन्दी	०—५०
५९७४	जैन सम्प्रदायशिक्षा । पालचन्द्र विरचित । हिन्दी	१५—००
५९७५	जैन साहित्य और इतिहास । जुगलकिशोर कृत लेखों का संग्रह	६—००
५९७६	जैन साहित्य का इतिहास-पूर्वपीठिका । कैलाशचन्द्र शास्त्री	१०—००
५९७७	जैन साहित्य का बृहद् इतिहास । १-६ भाग	१००—००
५९७८	जैन साहित्य की प्रगति १९४९-५१ । सुखलाल सघवी । हिन्दी	१—००
५९७९	जैन साहित्य व इतिहास पर विशद प्रकाश ।	५—००
५९८०	जैन सिद्धान्त सूत्र । ब्र. कु. कौशल	१०—००
५९८१	जैनेन्द्र सिद्धान्त कोश । सु. जितेन्द्र वर्णा १-४ भाग	२१०—००
५९८२	Jainism in Rajasthan by Kailash Chand Jain	11—00
५९८३	ज्ञानपञ्चमीकथा । महेश्वर विरचित	७—२५
५९८४	ज्ञानपीठ-पूजाभ्रालि । डॉ० ए० एन० उपाध्याय-फूलचन्द्र सिद्धान्तशास्त्री	८—००
५९८५	ज्ञानार्णवः । (योगप्रदीप) शुभचन्द्राचार्य विरचित । पत्रालाल वाकलावाल कृत हिन्दी टीका सहित	१२—००
५९८६	ढाई हजार वर्षों में श्री भगवान महावीर स्वामी की विश्व को देन । २—००	
५९८७	णमोकार ग्रन्थ (सचित्र) स. देशभूषण महाराज	२५—००
५९८८	णायकुमारचरित्र । पुष्पदन्त कृत । हिन्दी टीका सहित	१८—००
५९८९	तरवभावना । अभितगति कृत । अन्वयार्थ व्याख्या छन्द सहित	५—००
५९९०	तरवार्थसूत्र । सुखलाल सघवी	१०—००
५९९१	तरवार्थसूत्र । फूलचन्द्र कृत । हिन्दी	६—००
५९९२	तरवार्थसूत्रम् । उमास्वामी कृत । स० जे. एल जोशी	७—००
५९९३	तरवार्थाधिगमसूत्रम् । उमारवामिकृत मूलसूत्र-संस्कृतटीका-शुभचन्द्रकृत हिन्दी टीका सहित	६—००
५९९४	तीर्थंकर पार्वनाथ भक्ति गङ्गा । डा प्रेमसागर जैन	५—००
५९९५	तीर्थंकर वर्धमान महावीर । पञ्चचन्द्र शास्त्री	८—००
५९९६	तीर्थकल्प । जिनप्रभसूरि विरचित	३—७५
५९९७	तीर्थ वंदन संग्रह ।	५—००
५९९८	दक्षिण भारत में जैनधर्म । कैलाशचन्द्र सिद्धान्ताचार्य	७—००
५९९९	दशकालीय चूर्ण पोथी ।	३०—००, ४५—००
६०००	देवगढ़ की जैन कला । डा. भागचन्द्र जैन	३५—००
६००१	द्रव्यसंग्रह भाषा वचनिका । जयचन्द्र छावडा । नेमिचन्द्र सिद्धान्तिदेव प्रणीत । हिन्दी टीका सहित	५—५०
६००२	द्रव्य स्वभावक नयचक्रम् । माइल्ल धवल कृत	२०—००
६००३	द्वादशारनयचक्रम् । श्रीमल्लवादिसूरिकृत । सिंहमूरिप्रणीत व्याख्या सहित	१६—००
६००४	द्विसन्धानमहाकाव्य । धर्मज्ञय कृत । हिन्दी टीका सहित	२५—००
६००५	धर्मविन्दुः । हरिभद्रसूरि विरचित । मुनिचन्द्र प्रणीत व्याख्या सहित	४—००
६००६	धर्मशर्माभ्युदयः । हरिचन्द्रकवि विरचित । हिन्दी टीका सहित	३०—००
६००७	धर्मशर्माभ्युदयः । (धर्मनामचरित) पत्रालाल जैन लिखित हिन्दी अनुवाद मात्र	७—००
६००८	धर्म रत्नाकर ।	२०—००

६००९ धवला । प्रथमभाग	१६—००
६०१० ध्यानस्तव । भास्करनन्दि कृत । आंगलानुवाद सहित	३—००
६०११ नन्दिसूत्रचूर्णि । नन्दोत्तमि मिरि देववायग विरच्य । गिरि जिगटाभगणि मात्तर विरच्याम चुण्णी महित । मुनि पुण्य विजय मंपाटित	१०—००
६०१२ नन्दिसूत्रटीकावृत्ति । नन्दिसूत्रम् देववाचक विरचित । चन्द्राचार्य कृत दुर्गा न्याय्या-अज्ञातकर्तृक विषमपद-पर्याज-दृग्भिन्नसूत्रि कृत वृत्ति महित	१५—००
६०१३ नम्मयासुन्दरी कहा ।	४—४०
६०१४ नयचक्र । माहल धवल । अनुवादक कैलाशचन्द्र सिदान्तशास्त्री	२०—००
६०१५ नियमसार । कुन्दकुन्दाचार्य कृत । सस्कृत-हिन्दी टीका सहित	५—००
६०१६ न्याय दीपिका ।	७—००
६०१७ न्यायावतारः । सिद्धसेन विरचित । शान्त्याचार्य प्रणीत वार्तिक वृत्ति । दलसुख मालवणिया कृत हिन्दी टीका सहित	१६—५०
६०१८ न्यायावतारः । सिद्धपिंगणि की मस्कृतटीका का हिन्दीभाषानुवाद	५—००
६०१९ पदमचरित (पद्मचरित) स्वयभूदेव विरचित । विद्याधर-अयोभ्या- काट । हिन्दी अनुवाद महित । १-५ भाग	३३—००
६०२० पदमचरियं । विमलमूरि विरच्य । हिन्दी अनुवाद सहित । १-२ भाग	४०—००
६०२१ पद्मपाठ । सार्थ	१—००
६०२२ पद्मसंग्रहः । सस्कृत व्याख्या, प्राकृतवृत्ति, हिन्दी टीका सहित ।	३५—००
६०२३ पद्मस्तोत्रसंग्रह । सस्कृत व्याख्या-हिन्दी पद्यानुवाद-अन्वयार्थ-भावार्थ	३—००
६०२४ पद्मध्यायी । राजमल्ल विरचित । देवकीनन्दन अनुवादित	९—००
६०२५ पंचास्तिकायसार । कुन्दकुन्द कृत । सस्कृत व्याख्या आंगलानुवाद	३०—००
६०२६ पद्मचरितम् । रविपेण विरचित । १-३ भाग	५—५०
६०२७ पद्मपुराण (जैन) रविपेण कृत । हिन्दी टीका सहित । १-२ भाग	३६—००
६०२८ पदार्थ विज्ञान । जितेन्द्र वर्णी	४—५०
६०२९ परमात्मप्रकाश-योगसार । योगेन्दुदेव कृत । सस्कृत हिन्दी टीका सहित	१२—००
६०३० परीक्षासुखसूत्रम् । माणिक्यनन्दि विरचित । प्रथम खण्ड	२—००
६०३१ पासनाहचरीः । पासणाहचरिड-आयरिय मिरि पदम किति विरच्य । प्रफुल्ल कुमार मोदी सपादित । हिन्दी अनुवाद-कोप-टिप्पणी सहित	२५—००
६०३२ पुरातन जैन वाक्यसूची । प्रस्तावना सहित	२१—००
६०३३ पुरुषार्थसिद्धयुपाय । अमृतचन्द्रसूरिकृत । नाथूरामप्रेमी कृत हिन्दी टीका	३—२५
६०३४ पृथ्वीचन्द्र चरित ।	३०—००
६०३५ प्रबोधसार तत्त्वदर्शन । मुनि ज्ञानभूषण कृत	५—००
६०३६ प्रभाप्रमेय ।	५—००
६०३७ प्रमाणप्रमेयकलिका । नरेन्द्र सेन कृत	१—५०
६०३८ प्रमुख ऐतिहासिक जैन पुरुष और महिलाएँ । टा० ज्योतिप्रसाद जैन	२०—००
६०३९ प्रमेयकमलमार्तण्डः । प्रभाचन्द्राचार्य विरचित	३०—००
६०४० प्रमेयरत्नमाला । अनंतवीर्यप्रणीत । अनु०-पं० हीरालाल जैन	२०—००
६०४१ प्रमेयरत्नालङ्कारः । अभिनवचारुकीर्ति पण्डिताचार्य विरचित	३—५०
६०४२ प्रवचनसार । कुन्दकुन्दाचार्य कृत । अमृतचन्द्राचार्य-जयसेनाचार्य विरचित सस्कृत व्याख्याद्वय-बालावबोध हिन्दी टीका-आंगलानुवाद सहित	१५—००

- ६०४३ प्रशमरतिप्रकरणम् । उमास्वातिविरचित । हरिभद्रसूरि कृत सस्कृतव्याख्या-
राजकुमारशास्त्री कृत हिन्दी टीका सहित ६—००
- ६०४४ प्राकृत ग्रामर । हिन्दी १२—००
- ६०४५ प्राकृतशब्दानुशासनम् । त्रिविक्रमदेव विरचित । परशुरामशर्मा संपादित १०—००
- ६०४६ Progress of Prakrit & Jaina Studies by B.J. Sandesara 1—00
- ६०४७ बृहद् द्रव्यसंग्रहः । नेमिचन्द्र सिद्धान्तिदेव विरचित । ब्रह्मदेव कृत वृत्ति
जनाकर शास्त्री कृत हिन्दी टीका सहित ५—५०
- ६०४८ भक्तामर-रहस्य-सचित्र । सं० कमलकुमार जैन शास्त्री 'कुमुद' १५—००
- ६०४९ भगवान् महावीर । टलसुखमार्ज मालवणिवा ०—५०
- ६०५० भविसयत्तकहा । धनपालकृत । सं० सी० डी० दलाल-पी० डी० गुणे ३६—००
- ६०५१ भविसयत्तकहा तथा अपभ्रंश कथा काव्य । डा० देवेन्द्र कुमार शास्त्री २५—००
- ६०५२ भव्यजनकण्ठाभरणम् । अर्हदास विरचित । कैलाशचन्द्र अनुवादित १—२५
- ६०५३ भारत के दिगम्बर जैन तीर्थ । बलमद्र जैन । १-३ भाग ९०—००
- ६०५४ भारत के प्राचीन जैनतीर्थ । टी० जगदीशचन्द्र जैन २—००
- ६०५५ भारतीय सृष्टि-विद्या । डा. प्रकाशचन्द्र जैन २०—००
- ६०५६ भावनावबोध मोक्षमाला (राजचन्द्र प्रणीत) सिन्धु बिन्दुरूप वारह-
भाषना । बालावबोध शिक्षापाठ ५—००
- ६०५७ मंगलमन्त्र णमोकार : एक अनुचिन्तन । नेमिचन्द्र शास्त्री ६—००
- ६०५८ मगध । (इतिहास और संस्कृति) वैजनाथ सिंह 'विनोद' १—००
- ६०५९ मदनपराजयः । नागदेव विरचित । हिन्दी टीका सहित १२—००
- ६०६० मन्दिर-वेदीप्रतिष्ठा-कलशारोहणविधि । सं० पन्नालाल वसत २—००
- ६०६१ महाकवि हरिचन्द्र : एक अनुशीलन । डा. पन्नालाल जैन १४—००
- ६०६२ महापुराणम् । पुष्पदन्त विरचित । डा० वैद्य सम्पादित । २-३ भाग १६—००
- ६०६३ महाबन्धः । भूतवल्लभट्टारकविरचित । हिन्दीटीका सहित । ४-७ भाग ८०—००
- ६०६४ महामात्य वस्तुपाल का साहित्य मण्डल और संस्कृत साहित्य में
उसकी देन । डा० भोगीलाल जी सादेसरा ४—००
- ६०६५ महावीर-युग और जीवन दर्शन । डा. हीरालाल जैन २—५०
- ६०६६ मुक्तिदूत । वीरेन्द्रकुमार जैन ५—००
- ६०६७ मूलशुद्धिप्रकरण । २०—००
- ६०६८ मेरी जीवन गाथा । गणेशप्रसादवर्णी । प्रथम भाग ८—००
- ६०६९ यशोधरचरित्र-सचित्र । पुष्पदन्त कृत ६—००
- ६०७० यशस्तिलक का सांस्कृतिक अध्ययन । डा गोकुलचन्द्र जैन २०—००
- ६०७१ युक्तानुशासन । १—२५
- ६०७२ योगशतक । आचार्य हरिभद्र कृत । स्वोपज्ञ वृत्ति सहित ।
ब्रह्मसिद्धान्त समुच्चय । ५—००
- ६०७३ योगसार । अपभ्रंश मूल-संस्कृत ध्याया-हिन्दी टीका सहित ०—७५
- ६०७४ योगसारप्राभृत । अभितगति । अनु. जुगलकिशोर मुख्तार १५—००
- ६०७५ रङ्गू ग्रन्थावली । प्रथम भाग २०—००
- ६०७६ रत्नकरण्ड श्रावकाचार । समन्तभद्रस्वामि रचित ८—००
- ६०७७ रत्नाकरशतक । रत्नाकर वर्णी कृत । १-२ भाग १०—००

६०७८ रत्नाकरावतारिका । रत्नप्रभसूत्रि कृत । २-३ भाग	१८—००
६०७९ रत्नाकरावतारिकासङ्कोक शतार्थी । जिनमणिस्यमणि विरचित ।	१०—००
६०८० रमणसार । कुन्दकुन्द्राचार्य कृत । सं० डा० शैवेन्द्रकुमार शास्त्री	११—००
६०८१ राजपिकुमारपाल । मुनि जिनप्रियय	०—५०
६०८२ छाटीसंहिता । राजमल्ल विरचित	०—५०
६०८३ Literary Evaluation of Paumacariyam by Dr. K. R. Chandra	२—००
६०८४ Literary Circle of Mahamatya Vastupala and its Contribution to Sanskrit Literature by B. J. Sandesara	०—५०
६०८५ लोक-विभाग । विष्णु मूर्धनि विरचित । मित्रा दादा विरचित	१०—००
६०८६ वज्जालङ्गम् । रत्नदेव कृत सरकृत पृष्टि सहित	२१—००
६०८७ वद्वत्माणचरित । विबुध धीधरकृत । हिन्दी टीका सहित	२७—००
६०८८ वरांगचरित । जटासिंह नन्दि कृत	३—००
६०८९ वर्णावाणी । १-३ भाग	१८—५०
६०९० वर्द्धमान । अनूपशर्मा लिखित	१२—००
६०९१ वर्धमानचरितम् ।	१५—००
६०९२ World of Jainism.	२०—००
६०९३ विविधतीर्थकल्प । जिनभद्रसूत्रि विरचित	६—५०
६०९४ विश्वतत्त्वप्रकाश । नामनेन विरचित । हिन्दी टीका सहित	१२—००
६०९५ वीरजिणिद्वचरित । पुष्पदन्त कृत । अनु. हीरालाल जैन	१०—००
६०९६ वीरवर्धमान चरित । मकलकीर्ति कृत । अनु. हीरालाल शास्त्री	१९—००
६०९७ व्रततिथिनिर्णय । नेमिचन्द्र शास्त्री संपादित	७—००
६०९८ शब्दानुशासनं । आचार्य मन्मथसिंहि विरचित । स्वोक्त पृष्टि सु ।	३०—००
६०९९ शान्तिनाथचरितम् । अजितप्रभाचार्य कृत	३—००
*६१०० शास्त्रवार्त्ता समुच्चय । हरिभद्र सूरिकृत । यशोविजय कृत स्यादाद कल्पलता व्याख्या-वद्रीनाथ शुक्ल-विजयभूवन भानु सूरेश्वर न्यायदर्शन तत्त्वज्ञ जैनाचार्य कृत हिन्दी टीका सहित	२५—००
६१०१ श्रावक धर्मप्रदीप । कुन्धुसागर । हिन्दी-मस्कृत टीका सहित ।	४—००
६१०२ श्रावक धर्मसंग्रह ।	१—५०
६१०३ श्रावकधर्म संहिता ।	५—००
६१०४ शृङ्गारार्णवचन्द्रिका । विजयवर्णी कृत	३—००
६१०५ षट्खंडागम । १-२ भाग	३६—००
६१०६ सस्कृत काव्य के विकास में जैन कवियों का योगदान । नेमिचन्द्र शास्त्री	३०—००
६१०७ सत्यशासन परीक्षा । आचार्य विद्यानन्द । स डा. गोकुलचन्द्र जैन	१०—००
६१०८ सत्यसिद्धिशास्त्रम् । हरिवर्मा प्रणीत । प्रथम खण्ड	६५—००
६१०९ सदावश्यक वालाबोध ।	५०—००
६११० सभाप्यरत्नमञ्जूषा । छन्दःशास्त्र	५—००
६१११ सभासूत्र ।	६—००

६११२	समयसार । कुन्दकुन्द कृत । अंग्रेजी अनुवाद सहित	१५—००
६११३	समराइच्चकहा-एक सांस्कृतिक अध्ययन । डॉ० जिनकू यादव	३३—००
६११४	समाधितन्त्र और इष्टोपदेश ।	४—००
६११५	समीचीन धर्मशास्त्र ।	३—००
६११६	सर्वार्थसिद्धिः । आचार्य पूज्यपाद । हिन्दी अनुवाद सहित	३०—००
६११७	सागर धर्माश्रुत । आशाधर कृत । ज्ञानदीपिका स्वोपज्ञ पञ्जिका सहित	१८—००
६११८	सिद्धान्तसारसंग्रह । नरेन्द्रसेनाचार्य विरचित । हिन्दी टीका सहित	१२—००
६११९	सिद्धान्तसारादिसंग्रहः (पञ्चविंशतिमस्कृतप्राकृतग्रन्थानां गुच्छ)	१—५०
६१२०	सिरिवालचरित् । नरसेन देव कृत । हिन्दी टीका सहित	१२—००
६१२१	सुगन्ध-दशमी कथा । पांच भाषाओं में । २०० टों हीरालाल जैन	२०—००
६१२२	सुदर्शनचरितम् । मुनि विद्यानन्दि कृत । सं. हीरालाल जैन	३—००
६१२३	सुवर्णभूमि मे कालकाचार्य । डॉ० उमाकान्त शाह	१—००
६१२४	सूत्र कृतांग । प्रथम भाग	२५—००, ३०—००
६१२५	सौन्दर्यकारण भावना । महात्मा भगवानदीन । हिन्दी	३—००
६१२६	स्तुति विद्या ।	१—५०
६१२७	स्यविरावलीचरितम् । (परिशिष्टपूर्वण) हेमचन्द्रकृत	५—००
६१२८	स्याद्वादमंजरी । हिन्दी टीका सहित	१०—००
६१२९	स्याद्वादमुक्तावली । (जैन विशेष तर्कः) भाव सप्तिका । यशस्व सागर कृत	३—००
६१३०	स्वयंभुस्तोत्र ।	२—००
६१३१	स्वाध्याय । महात्मा भगवान दीन	२—००
६१३२	स्वामिकार्तिकेयानुप्रेक्षा । स्वामि कान्तिकेय । मस्कृत हिन्दी टीका सहित	१४—००
६१३३	हरिवंशपुराणम् । जिनसेनसूरि कृत । १-२ भाग	३—५०
६१३४	हरिवंशपुराणम् । पुं.पदन्विरचितम् । (अपभ्रंशभाषानिबद्ध)	
	पी० एल० वैद्य संपादित	२—५०
६१३५	हरिवंशपुराणम् । आचार्य जिनसेन कृत । हिन्दी टीका सहित	४०—००
६१३६	हिन्दीजैनसाहित्य का सक्षिप्त इतिहास । कामताप्रसाद जैन	२—८८
६१३७	हिन्दी जैनसाहित्य परिशीलन । नेमिचन्द्र शास्त्री । १-२ भाग	१०—००
६१३८	हिन्दू जैन और हरिजनमन्दिरप्रवेश । पृथ्वीराज जैन	१—००
६१३९	हेमचन्द्राचार्य का शिष्यमण्डल ।	०—५०

साराभाई नवाब के जैनादि प्रकाशन

६१४०	आनन्दघन पद्य रत्नावली ।	०—६३
६१४१	कथामंजरी । गुजराती । भाग १-२	१०—००
६१४२	कल्पसूत्र । मुनि पुण्यविजय संपादित	३०—००
६१४३	कल्पसूत्र के १५ स्वर्णाक्षरी पृष्ठ और ८ चित्रों । गुजराती	२५—००
६१४४	कालकथासंग्रह । चित्र सख्या-८५	६०—००
६१४५	कोकशास्त्र (सचित्र) । जैनाचार्य नरुंदाचार्य विरचित	११—००
६१४६	जैन चित्रकल्पद्रुम । चित्र सख्या २८३ । गुजराती	६०—००
६१४७	जैन चित्रकल्पलता । चित्र सख्या ६५ । गुजराती	३०—००
६१४८	जैन चित्र-पटावलि । ९ चित्रों	१०—००

६१४९ जैन चित्रावली । ३० चित्रों	१०—००
६१५० जैन सामुद्रिक ना पाँच ग्रन्थ ।	३०—००
६१५१ जैनस्तोत्र संदीप्त । प्रथम भाग । १० चित्र	२१—००
६१५२ जैसलमेर नी चित्र समुद्रि । ३५ चित्र	३५—००
०१५३ नमस्कार चित्रावली । १० चित्रों	९—००
६१५४ पवित्र कल्पसूत्र । चित्र मन्त्रों २००	२००—००
६१५५ पुरिमादाणी पार्श्वनाथ ।	५—००
६१५६ भारतीय जन श्रमण संस्कृति अने लेखनकला । गु. गान्.	३९—००
६१५७ महाप्राभाविक नवस्मरण । मन्त्राभ्युत्थान । ११२ चित्र	८१—००
५१५८ वैद्य मनोत्सव और कोकमार ।	११—००
५१५९ श्री घंटाकूर्ण मणिभद्र मंत्रतत्र कल्पादि संग्रह । मन्त्राभ्युत्थान । २४ चित्र	११—००
६१६० श्रीपाल कथा । चित्रों के साथ ।	३—००
६१६१ संगीत नाट्य रूपावलि । ३५१ चित्र	४२—००
६१६२ मूरीमंत्र कल्प सदोह । ९५ चित्र	६०—००
६१६३ हीरकला जैन ज्योतिष ।	२०—००

तुलसीकृत रामायण आदि ग्रन्थ

६१६४ कंव रामायण । अनुवादक-न० वी० रामगोपाल । १-२ भाग	२०—५०
५१६५ कश्वरामायण । (भाषा) सरस्वती रामनाथ	२४—००
६१६६ कंव रामायण और रामचरितमानस । रामेश्वर दयालु	१०—००
६१६७ कवितावली । श्रीकान्तशरण कृत हिन्दी टीका सहित	५—२५
६१६८ कवितावली । सुधाकर पाण्डेय कृत हिन्दी टीका सहित	९०—००
६१६९ कवितावली । स० डा० माताप्रसाद गुप्त	२—००
६१७० कवितावली । चन्द्रशेखर शास्त्री कृत हिन्दी टीका सहित	१२—००
६१७१ कवितावली । लाला भगवानदान कृत बालबोधिना टीका सहित	४—५०
६१७२ कृतिवामरामायण । १-६ कांड	४०—००
६१७३ कृतिवासी-बंगला-रामायण और रामचरितमानस का तुलनात्मक अध्ययन । डॉ० रमानाथ त्रिपाठी	१०—००
६१७४ कृष्णगीतावली । श्रीकान्तशरण कृत हिन्दी टीका सहित	१—६२
६१७५ गीतावली । श्री कान्ताशरण कृत हिन्दी टीका सहित	
६१७६ जानकीमंगल । श्रीकान्तशरण कृत हिन्दी टीका सहित	१—३७
६१७७ तुलसी । राममूर्ति त्रिपाठा	१६—५०
६१७८ तुलसी का मानस । मुर्शाराम शर्मा	२५—००
६१७९ तुलसी काव्य चिन्तन । राम प्रनिपाल सिंह	४०—००
६१८० तुलसी विविध सन्दर्भों में । वचनदेव कुमार	१५—००
६१८१ तुलसी साहित्य बदलते प्रतिमान । डॉ. चन्द्रमान रावत	३०—००
६१८२ तुलसीकृत रामायण सुन्दरकाण्ड । विजयश्री भापाटीका 'इन्दुमती' टिप्पणी सहित । बिहार मध्यमा परीक्षोपयोगी	२—००
६१८३ तुलसी ग्रन्थावली । स० माताप्रसाद गुप्त । १-२ भाग	२०—००
६१८४ तुलसीदास की दोहावली का विवेचनात्मक अध्ययन । डा० गौरीशंकर मिश्र	२०—००

६१८५ तुलसीदासकृत रामायण । लवकुशकाण्ड सहित । ज्वालाप्रसाद मिश्र कृत हिन्दी टीका सहित । स्थूलाक्षर	८१—००
६१८६ तुलसीदास राम चरित मानस और एकनाथी भावार्थ रामायण । डॉ. विनय मोहन शर्मा	८—५०
६१८७ तुलसी रामायण और कन्नड रामायण । डॉ. सरयुकृष्ण मूर्ति	१५—००
६१८८ दशरथनन्दन श्रीराम । राजगोपालाचारी	१०—००
६१८९ Dohavali of Gosvami Tulsidas-Translated into English by S. P. Bahadur	20—00
६१९० पंजाबी रामायण । देवनागरी लिपि में । लेखक रामल भाया ‘मानन्द दिग्दर्शक’	११—६५
६१९१ पद्मपुराण और तुलसी कृत रामचरित मानस ।	६०—००
६१९२ पार्वती मङ्गल । सं० डा० माताप्रसाद गुप्त	१—००
६१९३ पार्वतीमंगल । श्रीकान्तशरण कृत हिन्दी टीका सहित	०—७५
६१९४ प्रपत्ति रहस्य । श्रीकान्तशरण कृत हिन्दी टीका सहित	४—५०
६१९५ बरवैरामायण । श्रीकान्तशरण कृत हिन्दी टीका सहित	१—००
६१९६ बरवै रामायण । सं० डा० रामकुमार वर्मा	५—५०
६१९७ भानुभक्त रामायण । नेपाली	२०—००
६१९८ भुशुण्डि रामायणम् । सं० भगवतीप्रसाद सिंह । प्रथम भाग	१००—००
६१९९ मानस अनुशीलन । जमुनारायण चौबे । सं० सुधाकर पाडेय	३०—००
६२०० मानस के रामोत्तर ।	१०—५०
६२०१ मानस चतुरशती विशेषांक (सम्मेलन पत्रिका)	१५—००
६२०२ मानसचरितावली । रामकिंकर उपाध्याय । १-२ भाग	३०—००
६२०३ मानस मंथन । १-३ भाग	३०—००
६२०४ मानस मंथन । डॉ० स्वामीनाथ शर्मा	१५—००
६२०५ मानसमणि ।	५—००
६२०६ मानस मुक्तावली । रामकिंकर जी । १-४ खण्ड	६०—००
६२०७ मानस में परसर्ग योजना ।	१२—००
६२०८ मानस में पुराख्यानतत्त्व । डा० चन्द्रशेखर	१२—००
६२०९ मानस में रीतितत्त्व । स्व. वैजनाथ सिंह	३०—००
६२१० रंगनाथ रामायण । कामाक्षिराव	६—५०
६२११ राक्षसराज । सुदर्शन सिंह चक्र	४—००
६२१२ रामकथा । डा० कामिल बुल्के	३५—००
६२१३ रामकथा और तुलसी । डा. भ. इ. राजूरकर	२४—००
६२१४ रामकथा और तुलसीदास । कामिल बुल्के	१२—००
६२१५ रामकाव्यधारा अनुसंधान एवं अनुचिन्तन । भगवती प्रसाद सिंह	३०—००
६२१६ रामकथा के पात्र । डा० राजूरकर	५०—००
६२१७ राम चन्द्रिका की अन्तर कथाएँ । सरोज गुप्ता	८—००
६२१८ रामचरितमानस और वाल्मिकी रामायण । राधिका प्रसाद त्रिपाठी	१२—००
६२१९ रामकाव्य की भूमिका । जगदीश प्रसाद शर्मा	१०—००
६२२० रामचरितमानस । टेरी टोरी कृत	१२—५०
६२२१ रामचरितमानस । माताप्रसाद गुप्त	५—००

६२२२	रामचरितमानस । रामनरेश त्रिपाठी कृत टीका सहित	३५—००
६२२३	रामचरितमानस । शम्भूनागयण चौदे	१०—००
६२२४	रामचरितमानस । स० विद्यानिवास मिश्र	७—००
६२२५	रामचरितमानस । सपाठक—विश्वनाथप्रसाद मिश्र । काशिराज सस्करण	६—५०
६२२६	रामचरितमानस । रामेश्वर भट्ट कृत अमृतलहरी हिन्दी टीका सहित	१६—००
६२२७	रामचरितमानस । डा० श्यामसुन्दरदास कृत टीका सहित	३५—००
६२२८	रामचरितमानस । श्रीकान्तशरण कृत सिद्धान्तभाष्य हिन्दी टीका सहित । १-४ भाग	६५—००
६२२९	रामचरितमानस । प्रथम भाग	४०—००
६२३०	रामचरितमानस और पूर्वाचलीय रामकाव्य । डा० रमानाथ त्रिपाठी	४५—००
६२३१	रामचरितमानस और साकेत । परमलाल गुप्त	९—००
६२३२	रामचरितमानस का काव्यशास्त्रीय विवेचन । डॉ. राजकुमार पाण्डेय	१६—००
६२३३	रामचरितमानस का तुलनात्मक अध्ययन । डा० शिवकुमार शुक्ल	१५—००
६२३४	रामचरितमानस का मनोवैज्ञानिक अध्ययन । डॉ० जगदीश प्रसाद शर्मा	१५—००
६२३५	रामचरितमानस का वाग्वैभव । डा० अम्बाप्रसाद सुमन	४०—००
६२३६	रामचरितमानस की काव्यकला । डॉ. हरिहरनाथ हुक्कू	१५—००
६२३७	रामचरितमानस की पाश्चात्य समीक्षा । सुखवीर सिंह	१०—००
६२३८	रामचरितमानस-तुलनात्मक अध्ययन । डा० रमानाथ त्रिपाठी	६०—००
६२३९	रामचरितमानस तुलनात्मक अनुशीलन ।	४५—००
६२४०	रामचरितमानस पर पौराणिक प्रभाव । डा० विजयवहादुर अवस्थी	७०—००
६२४१	रामचरितमानस-भाषा रहस्य । अम्बाप्रसाद 'सुमन'	२५—००
६२४२	रामचरितमानस में अलंकार योजना । वचनदेव कुमार	६०—००
६२४३	रामचरितमानस में भक्ति । डॉ. सत्यनारायण	३५—००
६२४४	रामचरितमानस में योग के श्रोत । डा० शिवशंकर शर्मा	८—००
६२४५	रामचरितमानस : साहित्यिक मूल्यांकन । सं० सुधाकर पांडेय	१५—००
६२४६	रामजन्म । स० रामनारायण शास्त्री-श्रीरंजन सुरिदेव	४—५०
६२४७	रामभक्ति साहित्य और परम्परा । डॉ. भगवती प्रसाद सिंह	२५—००
६२४८	रामभक्ति साहित्य में मधुर उपासना । भुवनेश्वर नाथ मिश्र	२५—५०
६२४९	रामाज्ञाप्रश्न । श्रीकान्तशरण कृत हिन्दी टीका सहित	१—६२
६२५०	रामायण । गोस्वामी तुलसीदास कृत । आठकाण्ड । सूर्यदीनसुकुल कृत 'बालवोधिनी' टीका सहित । मध्यमाक्षर	४९—००
६२५१	Ramayan of Tulsidas. English Translation by F. S. Growse	12—00
६२५२	रामायण के पात्र । नानाभाई भट्ट । १-२ भाग	१७—००
६२५३	रामायण दर्पण । स्वामी ब्रह्ममुनि	२—००
६२५४	रामायणदर्शनम् । पु. वे. पुट्टप्पा	५—००
६२५५	रामायण कथा । लोकनाथ सिलाकरी	१४—००
६२५६	वाल्मीकि और तुलसी साहित्यिक मूल्यांकन । रामप्रकाश अग्रवाल	३०—००
६२५७	वाल्मीकि और तुलसी ।	३०—००
६२५८	वाल्मीकिरामायण एवं रामचरितमानस का तुलनात्मक अध्ययन । डा० विद्या मिश्र	३०—००

६२५२ बाह्मिकी रामायण में राज्य समाज एवं अर्थ व्यवस्था । डॉ. शान्ति स्वरूप गुप्ता	८—००
६२६० विनयपत्रिका । लालाभगवानदीन कृत टीका सहित	३—५०
६२६१ विनयपत्रिका । देवनारायण त्रिवेदी कृत मंगल व्याख्या सहित	६—००
६२६२ विनयपत्रिका । वियोगी हरि कृत टीका सहित	१०—००
६२६३ विनयपत्रिका । राजनाथ शर्मा कृत टीका सहित	१५—००
६२६४ विनयपत्रिका । श्री कान्धशरण कृत हिन्दी टीका सहित	१५—००
६२६५ चंराग्य सदीपिनी । श्री कान्धशरण कृत हिन्दी टीका सहित	०—७५
६२६६ शत्रुघ्नकुमार की आत्मकथा । सुदर्शन सिंह चक्र	७—५०
६२६७ सुख का स्रोत रामचरित-मानस । ठाकुर वीर सिंह	७—५०
६२६८ हनुमान के देवत्व तथा मूर्ति का विकास । रायगोविन्द चन्द्र	३०—००
६२६९ Hanuman Chalisa by B L Kapur	30—00
६२७० हनुमान बाहुक । श्री कान्धशरण कृत निदान-निलक हिन्दी टीका सहित	२—००

मैथिल-साम्प्रदायिक-ग्रन्थाः

६२७१ अतिचारनिर्णय । नानाराम झा	०—२४
६२७२ अम्बचरित महाकाम्य । सीताराम झा । प्रथम भाग	२—००
६२७३ अलंकारदर्पण । सीताराम झा । १-२ भाग	१—०५
६२७४ अशौचनिर्णयः । म० म० वाचस्पति-रुद्रधर उभय विरचित	१—००
६२७५ आह्निक पञ्चदेवपूजापद्धतिः । रामचन्द्र झा	०—१०
६२७६ उनटावसात । सीताराम झा	०—३६
६२७७ उपनयनपद्धतिः । (छन्दोगाना) मैथिली टीका	३—००
६२७८ उपनयनपद्धतिः । (वाजसनेयिना) मैथिली टीका	२—५०
६२७९ एकादशीव्रतोद्यापनपद्धतिः । सपरिष्कृत	०—७५
६२८० एकोद्दिष्टपद्धतिः । (छन्दोगाना) मैथिली टीका	०—४०
६२८१ एकोद्दिष्टपद्धतिः । (वाजसनेयिना) मैथिली टीका	०—७५
६२८२ कार्तिक-तुलसी-आकाशदीप-व्रतोद्यापनविधिः ।	०—५०
६२८३ कूपोत्सर्गपद्धतिः ।	०—४०
*६२८४ कृतितत्त्वसंग्रहः—दैवज्ञ श्रीतुफानी झा विरचितः एहि निबन्ध में कालनिरूपण प्रकरण, त्याज्यप्रकरण, षोडशसंस्कार- प्रकरण, शान्तिप्रकरण, बधूपवेशादिप्रकरण, द्विरागमनप्रकरण, वास्तु- प्रकरण, गृहप्रवेशप्रकरण, यात्राप्रकरण तथा मिश्रप्रकरण में व्यवहारो- पयोगी समस्त त्रिषयक वर्गशास्त्रीय समीक्षा ज्योतिष ग्रन्थ क आधार पर कयल गेल अछि	१२—००
६२८५ कृत्यशिरोमणि । सटिप्पण	८—००
*६२८६ कृत्यसारसमुच्चयः । प० गंगाधर मिश्र कृत परिशिष्ट सहित	यन्त्रस्थ
६२८७ गीता । सीताराम झा । १-६ अध्याय	०—४०
६२८८ गृहोत्सर्गपद्धतिः ।	०—४०
६२८९ छान्दोगाना नामकरण ।	५—००

६२९०	जूटिकाबन्धन-मातृकापूजापूर्वक आभ्युदयिकश्राद्धपद्धतिः । (वाजसनेयिना-छन्दोगाना च) मैथिली टीका	०—५०
६२९१	तिथिनिर्णयः । रामन्द्र ज्ञा	१—२५
६२९२	दुर्गापूजा-श्यामापूजा-पद्धतिः ।	
६२९३	दुर्गासप्तशती । पं० कनकलाल ठक्कुर संपादित	२—५०
६२९४	पटुआ चरित्र तथा पूर्वापर व्यवहार । सीताराम ज्ञा	०—२०
६२९५	पर्वमाला ।	०—१३
६२९६	पार्वणपद्धतिः । (छन्दोगाना) मैथिली टीका	०—५०
६२९७	पार्वणपद्धतिः । (वाजसनेयिना) मैथिली टीका	०—५०
६२९८	पितृकर्मनिर्णयः । पं० त्रिलोकनाथ मिश्र विरचित	५—००
*६२९९	पौरोहित्यकर्मसारः । १-२ भाग । परिष्कृत तृतीय संस्करण	६—००
६३००	प्रतिहारषष्ठी (विवस्वतषष्ठी) व्रत कथा ।	०—१५
६३०१	बहुलाचतुर्थीव्रतकथा ।	०—३०
६३०२	बृहत्सामान्योत्सर्गपद्धतिः-दशगात्रपिण्डदानपद्धतिः ।	०—४०
६३०३	भाद्रशुक्लचतुर्थीचन्द्रपूजा । चतुर्थी चन्द्रव्रतकथासहित	०—२५
६३०४	मिथिलाभाषामयइतिहास । म० म० मुकुन्दका बख्शी	१०—००
६३०५	मैथिलपरिचयदर्पण । सीताराम ज्ञा	०—१३
६३०६	रामनवमीव्रतपूजापद्धतिः-जानकीनवमीव्रतपूजा सहित	०—४०
६३०७	रामार्चापद्धतिः । (शिवपुराणोक्त)	०—६०
६३०८	वर्णरत्नाकरः । ज्योतिरीश्वरकवि-शेखराचार्य विरचित	५—००
६३०९	वर्षकृत्य-प्रथमभागः । रुद्रधर वृत् । 'इन्दुमती' टिप्पणी सहित ।	१५—००
६३१०	वर्षकृत्य-द्वितीयभागः । 'इन्दुमती' टिप्पणी सहित	१५—००
६३११	वास्तुपूजापद्धतिः-गृहे गृध्रादिपतनशान्तिपद्धतिः, गृहप्रवेशपद्धतिश्च ।	१—५०
६३१२	विवस्वत् षष्ठी व्रतकथा-पद्धति ।	०—१५
६३१३	विवाहपद्धतिः । (वाजसनेयिना) मैथिली टीका	३—००
६३१४	विवाहपद्धतिः (छान्दोगानां) मैथिली टीका	४—००
६३१५	विवाहपद्धतिः । (छान्दोगाना) मैथिली टीका	४—००
६३१६	श्राद्धपद्धतिः । (वाजसनेयी) म० म० वाचस्पति मिश्र विरचित	४—००
६३१७	श्राद्धपद्धति । (छान्दोगाना) म० म० वाचस्पति मिश्र विरचित	४—००
६३१८	श्रीकृष्णजन्माष्टमीव्रतपूजाकथा ।	०—६०
६३१९	श्रीमत्करमहासुकुलकीर्तिकौमुदी । खण्डकाव्यम्	०—७५
६३२०	श्रीमत्खण्डबलाकुलप्रशस्तिः । मैथिलश्रोत्रियाणा खण्डकाव्यम्	१—५०
६३२१	संक्षिप्तदीक्षापद्धतिः । तुलादानपद्धति सहित	०—४०
६३२२	संक्षिप्ताह्निकपद्धतिः । (छान्दोगाना) मैथिली टीका	०—५०
६३२३	संक्षिप्ताह्निकपद्धतिः । (वाजसनेयिना) मैथिली टीका	०—५०

६३२४	सत्यनारायणपूजापद्धतिः । 'इन्दुमती' नामक मैथिली टीका	१—००
६३२५	सन्ध्यातर्पणपद्धतिः (छन्दोगाना) मैथिली टीका	०—२५
६३२६	सन्ध्यातर्पणपद्धतिः (वाजसनेयिनां) मैथिली टीका	०—२५
६३२७	सिद्धिविनायकचतुर्थीव्रतपूजाकथा ।	०—३०
६३२८	सूक्तिसुधा । प्रथम विन्दु नमास, द्वि० विन्दु ०-२०, तृ० विन्दु ०-३०, च० विन्दु (भूकन्दपूजन) ०-३०, पञ्चम विन्दु ०-३०,	
६३२९	सूर्यादिद्वादशस्तवी-अन्नपूर्णादिस्तोत्र सहित ।	०—३०
६३३०	हरितालिकाव्रतपूजाकथा ।	०—२५
६३३१	अवहट्ट भाषा उद्भव ओ विकास । राजेश्वर झा	१०—००
६३३२	पूकादशी । राजेश्वर झा	१—५०
६३३३	ओ जे कहलनि । हस्तराज । प्रथम खण्ड	३—००
६३३४	कन्दर्पाद्याट नाटक । राजेश्वर झा	१—००
६३३५	सदरकाका के तरङ्ग ।	५—००
६३३६	जट जटिन । राजेश्वर झा	१—००
६३३७	जे जिने से । हनराज	१—२५
६३३८	हुमिरा बाबा क सदराम । राजेश्वर झा	१—२५
६३३९	निबन्ध चन्द्रिका । बुद्धिधारा सिंह	३—५०
६३४०	धर्म व्याध-कथा । राजेश्वर झा	१—००
६३४१	नैना जोगिन । राजेश्वर झा	१—२५
६३४२	बिसर बिसरल । हस्तराज	१—२५
६३४३	मिथिलासरक उद्भव ओ विकास । राजेश्वर झा	१५—००
६३४४	महाकवि विद्यापति नाटक । राजेश्वर झा	२—००
६३४५	मिथिला भारती । स० राजेश्वर झा । अंक १ भाग १-२, अंक २ भाग १-४, अंक ३ भाग १-४	१२—००
६३४६	मेनका । राजेश्वर झा	२—००
६३४७	मैथिली नाटक का उद्भव और विकास ।	१७—००
६३४८	मैथिली भाषा का विकास । गोविन्द झा	१३—००
६३४९	मैथिली साहित्यिक आदिकाल । राजेश्वर झा	७—५०
६३५०	लोकगाथा-विवेचन । राजेश्वर झा	४—००
६३५१	विद्याधर-कथा । राजेश्वर झा	२—००
६३५२	विद्यापति पञ्चाशिका । लक्ष्मीपति सिंह	०—३५
६३५३	विद्यापति-पुनर्मुद्रयाकन । स० राजेश्वर झा	३—००
६३५४	विद्यापति क संगीत में वर्णित नायक-नायिका भेद एवं राग- रागिनी-वर्गीकरण । राजेश्वर झा	२—००
६३५५	शाक्य श्री भद्र की जीवनी ।	२—५०
६३५६	शास्त्रार्थ नाटक । राजेश्वर झा	१—५०
६३५७	श्यामा चकेवा । राजेश्वर झा	१—२५
६३५८	A Survey of Maithili Literature.	25—00
६३५९	History of Mithila by Upendra Tiakur	17—50

स्वामी करपात्री जी के ग्रन्थ

६३६० अहमर्थ और परमार्थसार । ६-००	६३६५ विचार पीथूप । २२-८०
६३६१ चातुर्वर्ण्य-संस्कृति-विमर्शः । प्रथम भाग ३-००	६३६६ विदेशयात्रा शारत्रीय पत्र २-००
६३६२ धर्म कृत्योपयोगी-तिथ्यादि निर्णयः कुम्भपर्वनिर्णयश्च ०-५०	६३६७ वेद का स्वरूप और प्रामाण्य । १-२ भाग ७-५०
६३६३ पूंजीवाद-समाजवाद और रामराज्य । ५-००	६३६८ वेदस्वरूपविमर्शः । ७-००
६३६४ भक्तिरसार्णवः । ५-००	६३६९ सङ्कीर्तन मीमांसा और वर्णाश्रम मर्यादा । २-५०
	६३७० सघर्ष और शान्ति । ४-००

स्वामी रामतीर्थ के ग्रन्थ

६३७१ अन्तरात्मा । ३-००	६३८० भारतमाता । ३-००
६३७२ अरण्य संवाद ३-००	६३८३ मानवता और विश्व प्रेम । ५-००
६३७३ आत्म साक्षात्कार की कसौटी । ३-००	६३८४ रामजीवन कथा । १०-००
६३७४ आत्मानुभव । ४-००	६३८५ रामतीर्थ सूक्तिसुधा । ५-००
६३७५ आनन्द की पगडण्डिया ५-००	६३८६ रामपत्र । ३-००
६३७६ In Woods of God Realization. Vols. I-V. 59-60	६३८७ रामवर्षा । १-२ भाग १०-२५
६३७७ गृहस्थ धर्म ५-००	६३८८ रामहृदय । ३-००
६३७८ जगजीत प्रज्ञा । १-००	६३८९ विश्वानुभूति । ४-००
६३७९ धर्म तरव । ३-००	६३९० वेदानुवचन । ६-००
६३८० ब्रह्मचर्य की शक्ति । ५-००	६३९१ वेदान्त शिखर से । ३-००
६३८१ भक्ति योग रहस्य । ३-००	६३९२ व्यावहारिक वेदान्त ३-००, ५-००
	६३९३ सफलता का रहस्य ३-००
	६३९४ सुलह की जंग गंगा तरंग ७-००
	६३९५ हमारा भारत । ५-००
	६३९६ हमारा राष्ट्रीय धर्म । ५-००

श्री अरविन्द साहित्य

६३९७ उत्तरयोगी । (श्री अरविन्द जीवन और दर्शन । डा० शिवप्रसाद सिंह ३०-००	६४०० पूर्वजन्म और क्रम विकास । १८-२५
६३९८ क्रान्तियोगी श्री अरविन्द । डा० श्यामवहादुर वर्मा १-२ भाग १७-००	६४०१ भारतीय संस्कृति के आधार । ११-५०
६३९९ गीता प्रवन्ध । १५-७०	६४०४ महायोगी श्री अरविन्द । डा० श्यामवहादुर वर्मा १५-००
६४०० दिव्य जीवन । १-२ भाग ४४-८०	६४०५ मानव एकता का आदर्श ११-२५
६४०१ नाटक और कहानियाँ । १-२ भाग ४२-००	६४०६ मानव चक्र । १०-००
	६४०७ योग समन्वय । १-२ भाग ३०-५५

६४०८ वेद रहस्य । १-२ भाग	३७-००	६४१३ श्री अरविन्द-श्री माताजी	
६४०९ श्री अरविन्द-अपने		के विषय में ।	१८-००
विषय में ।	१८-००	६४१४ श्रीअरविन्द साहित्यदर्शन ।	
६४१० श्री अरविन्द की अकाला		डा० श्यामवहादुर वर्मा	१५-००
रचनायें ।	१८-००	६४१५ श्री अरविन्द साहित्य	
६४१६ श्री अरविन्द के पत्र ।		संग्रह । १-२० खण्ड	३२५-००
१-३ भाग	७२-९५	६४१६ सावित्री । श्रीअरविन्द ।	
६४१७ श्री अरविन्द जन्मशती		हिन्दी अनुवाद	४८-००
विशेषांक ।	१०-००		

श्रीरामकृष्ण-विवेकानन्द साहित्य

६४१७ आचार्य शङ्कर । स्वामी		६४३९ परिव्राजक	२-००
अपूर्वानन्द	५-५०	६४४० पवहारी वाषा ।	०-९०
६४१८ आत्मतत्त्व ।	२-५०	६४४१ प्राच्य और पाश्चात्य ।	१-८०
६४१९ आत्मानुभूति तथा उसके		२४४२ प्रेमयोग ।	३-००
मार्ग ।	४-००	६४४३ भक्तियोग ।	३-००
६४२० ईशदूत ईसा ।	०-७५	६४४४ भगवान् बुद्ध का ससार	
६४२१ ईसामसीह की वाणी ।	१-००	को सन्देश ।	४-१०
६४२२ कर्मयोग ।	३-००	६४४५ भगवान् बुद्ध की वाणी ।	१-००
६४२३ कवितावली ।	३-००	६४४६ भगवान् रामकृष्ण, धर्म	
६४२४ गीतातत्त्व । स्वामी		तथा सङ्घ ।	२-४०
शारदानन्द	४-१०	६४४७ भगवान् श्रीकृष्ण और	
६४२५ गुरुनानक की वाणी ।	१-००	भगवद्गीता ।	३-७०
६४२६ ज्ञानयोग ।	६-००	६४४८ भगवान् श्रीकृष्ण की वाणी	१-००
६४२७ ज्ञानयोग पर प्रवचन ।	१-२५	३४४९ भारत का ऐतिहासिक	
६४२८ चिन्तनीय बातें ।	२-१०	क्रमविकास एवं अन्य	
६४२९ जाति, संस्कृति और		प्रवन्ध ।	२-२५
समाजवाद ।	३-००	६४५० भारत में विवेकानन्द ।	१०-००
६४३० देववाणी	५-५०	६४५१ भारत में शक्तिपूजा । स्वामी	
६४३१ धर्मतत्त्व ।	२-००	शारदानन्द	१-७५
६४३२ धर्म प्रसंग में स्वामी		६४५२ भारतीय नारी	२-७०
शिवानन्द ।	११-५०	६४५३ मन की शक्तियाँ तथा	
६४३३ धर्मरहस्य ।	२-२०	जीवन गठन की	
६४३४ धर्मविज्ञान ।	२-५०	साधनाएँ ।	०-८५
६४३५ धर्मवेदान्त ।	४-००	६४५४ मरणोत्तर जीवन ।	१-००
६४३६ नारदभक्तिसूत्र ।	१-२०	६४५५ महापुरुषों की जीवन	
६४३७ पत्रावली । १-२ भाग	१३-००	गाथायें ।	३-००
६४३८ परमार्थ प्रसंग । स्वामी		६४५६ मैं शारदा । स्वामी	
विरजानन्द	३-७५	अपूर्वानन्द	८-००

६४५७ मेरा जीवन तथा ध्येय	०-७५	६४८० श्री रामकृष्ण उपदेश ।	१-०
६४५८ मेरी समरनीति ।	०-९०	६४८१ श्री रामकृष्ण और श्री माँ ।	
६४५९ मेरे गुरुदेव ।	१-६०	स्वामी अपूर्वानन्द	६-०
६४६० राजयोग ।	६-००	६४८२ श्री रामकृष्ण देव की वाणी १-	
६४६१ रामकृष्णसङ्घ-आदर्श और		६४८३ श्री रामकृष्ण भक्त मालिका	
इतिहास । स्वामी		१-२ भाग	१८-५
तेजसानन्द	२-००	६४८४ श्री रामकृष्ण लीला प्रसङ्ग ।	
६४६२ वर्तमान भारत ।	१-२०	स्वामी सारदानन्द ।	
६४६३ विविध प्रसङ्ग ।	३-२५	१-३ भाग	३०-०
६४६४ विवेकानन्द चरित । सत्येन्द्र		६४८५ श्री रामकृष्ण लीलासूत्र ।	
नाथ मजुमदार	१०-००	१-२ भाग	१७-०
६४६५ विवेकानन्द जी की		६४८६ श्री रामकृष्ण वचनासूत्र ।	
कथायें ।	२-८०	१-३ भाग	३०-५
६४६६ विवेकानन्दजी के उद्धार ।	१-००	६४८७ श्री रामचन्द्र की वाणी	१-०
६४६७ विवेकानन्द जी के सङ्ग में	७-२०	६४८८ श्री ब्रह्मराचार्य की वाणी । १-	
६४६८ विवेकानन्द जी के		६४८९ श्री सारदादेवी की वाणी । १-०	
साक्षिधर्म में ।	२-२५	६४९० सरलराजयोग ।	०-९
६४६९ विवेकानन्द-राष्ट्रको आह्वान	०-८०	६४९१ साधुनाग महाशय ।	३-३
६४७० विवेकानन्द संक्षेप ।	१४-००	६४९२ सार्वभौमिक नीति तथा	
६४७१ विवेकानन्द साहित्य ।		सदाचार ।	२-२
१-१० भाग	१२०-००	६४९३ सूक्तियाँ एवं सुभाषित ।	१-५
६४७२ वेदान्त ।	४-००	६४९४ स्वाधीन भारत जय हो ।	२-०
६४७३ वेदान्त-सिद्धान्त और		६४९५ स्वामी रामकृष्ण परमहंस ।	
व्यवहार । स्वामी		रोमाँ रोलाँ । अनु० रघुराज	
शारदानन्द	०-७५	गुप्त-धनराज	१५-०
६४७४ व्यावहारिक जीवन में		६४९६ स्वामी विवेकानन्द । रोमाँ	
वेदान्त ।	२-००	रोलाँ । अनु० अज्ञेय-	
६४७५ शक्तिदार्थी विचार ।	४-००	रघुवीर सहाय	१२-०
६४७६ शिकागो वक्तृता ।	१-००	६४९७ स्वामी विवेकानन्दजी से	
६४७७ शिक्षा ।	१-२५	वार्तालाप ।	४-५
६४७८ शिवानन्द स्मृति संग्रह ।		६४९८ हमारा भारत ।	०-७
स्वामी अपूर्वानन्द ।		६४९९ हिन्दू धर्म ।	३-८
१-३ भाग	२६-००	६५०० हिन्दू धर्म के पक्ष में ।	०-७
६४७९ श्री माँ सारदादेवी ।	६-५०		

आचार्य रजनीश के ग्रन्थ

६५०१ अकथ कहानी प्रेम की ।		६५०३ अध्यात्म उपनिषद्	७०-००
(फरीद वाणी) ५०-००, ३०-००			५०-०
६५०२ अज्ञात के नये आयाम	१-००	६५०४ अन्तर्यात्रा	३-०

६५०५ अमृतवर्षाणा	६-००	६ पुष्प ५०-००, ३०-००
६५०६ अमृतकण	१-००	८ पुष्प २५-००
६५०७ अमृत की विशा	३-००	९ पुष्प २५-००, १० पुष्प
६५०८ अमंभव क्रान्ति ।	६-००	३५-००, ५०-००, ११ पुष्प
६५०९ अस्वीकृति में उठा हाथ	५-००	२५-००, १२ पुष्प ३०-००,
६५१० अहिंसादर्शन	१-००	१५-१६ पुष्प ६०-००, ४०-००
६५११ आचार्य रजनीश : समन्वय, विश्लेषण एवं संमिद्धि— डा० रामचन्द्र प्रसाद	१०-००	६५१२ गूँगे केरी सरकरा (कबीर वाणी) ५०-००, ३०-००
६५१२ आनन्द गद्दा	५-००	६५१३ घाट भुलाना वाट विनु १२-००
६५१३ ईशावास्योपनिषद्	१५-००	६५१४ जनसंख्या विस्फोट: समस्या और समाधान १-५०
६५१४ एक ओंकार सतनाम (नानक वाणी)	७५-००	६५१५ जिनखोजा तिन पाइयों ४०-००
(फरीदवाणी)	५०-००,	६५१६ जीवन क्रान्ति के सूत्र १२-००
६५१५ पस धम्मो सनंतनों (बुद्ध) १-३ भाग	१५०-००	६५१७ जीवन दर्शन ३-००
६५१६ करुणा और क्रान्ति	५-००	६५१८ ज्यों की त्यों धरि दीन्हीं चदरिया ३-००, ५-००
६५१७ कस्तूरी कुण्डल बसे (कबीर वाणी)	५०-००, ३०-००	६५१९ तरबमसि ४०-००
६५१८ कहे कबीर दिवाना ।	५०-००	६५२० ताओ उपनिषद् २-००
६५१९ कहे कबीर मैं पूरा पाया ।	५०-००	६५२१ ताओ उपनिषद् १-३ भाग १५५-००, १२५-००
६५२० कानो सूनी सो झूठ सब ।	५०-००	६५२२ दिया तले अँधेरा ७५-००, ५०-००
६५२१ कामयोग, धर्म और गांधी	५-००	६५२३ धर्म और राजनीति १-००
६५२२ कामुकता ध्यान और नग्नता		६५२४ ध्यान : एक वैज्ञानिक दृष्टि २-००
६५२३ क्या ईश्वर मर गया है	५-००	६५२५ नये मनुष्य की जन्म की दिशा १-२५
६५२४ क्रान्ति की वैज्ञानिक प्रक्रिया	१-५०	६५२६ निर्वाण उपनिषद् १५-००
६५२५ क्रान्तिनाद	१-५०	६५२७ पथ की खोज २-००
६५२६ क्रान्ति बीज	३-००	६५२८ पथ के प्रदीप ६-००
६५२७ कृष्ण मेरी दृष्टि में		६५२९ पद बुँधरू बौध ८-००
६५२८ गहरे पानी पैठ	७-००	६५३० पाथेय ३५-००
६५२९ गांधीवाद एक और समीक्षा	५-५०	६५३१ पिब पिब लागी प्यास (बादू वाणी) ५०-००, ३०-००
६५३० गीता आहट	१-५०	६५३२ प्रभु की पगढण्डियाँ ६-००
६५३१ गीतादर्शन १-२ पुष्प ३०-००, ३ पुष्प ३०-००, ४ पुष्प ३०-००, ५ पुष्प १५-००		६५३३ प्रभु के फूल ५-००
		६५३४ प्रेम के स्वर २-००
		६५३५ प्रेम है द्वार प्रभु का १२-००
		६५३६ बिखरे फूल १-००
		६५३७ विन घन परत फुहार (सहजो वाणी) ५०-००, ३०-००

६५५८ भक्तिसूत्र (नारद वाणी)	६५७९ शून्य का दर्शन	३-००
१-२ भाग १००-००, ६०-००	६५८० शून्य की नाव	३-००, ५-००
६५५९ भगवान मार्ग और मैं	६५८१ शून्य के पार	४-००
८-००	६५८२ सत्य की खोज	३-००, ५-००
६५६० भज गोविन्दम् (आदिशङ्करा- चार्य)	६५८३ सत्य की पहली किरण	५-००
५०-००, ३०-००	६५८४ सत्य के अज्ञात सागर का आमन्त्रण	२-००
६५६१ भारत, गांधी और मैं	६-८५ सबै सयाने एक मत (दादू)	५०-००, ३८-००
३-००		
६५६२ महागीता (अष्टावक्र) १-३	६५८६ समाजवाद अर्थात् आत्म घात	६-००
भाग १८०-००, १०५-००	६-८७ समाजवाद से सावधान	५-००
६५६३ महावीर परिचय और वाणी २०-००	६५८८ समाधि के सप्तद्वार ।	६०-००
६५ ४ महावीर मेरी दृष्टि में	६५८९ समुन्द समाना बूँद में	९-००
४०-००	६५९० सम्बोधि के क्षण	६-००
६५६५ महावीर या महाविनाश १५-००	६५९१ सम्भावनाओं की आहट	८-००, १०-००
६५६६ महावीर वाणी (जिनसूत्र)	६५९२ सर्भोग से समाधि की ओर	६-००
२-३ भाग ८०-००	६५९३ सहज समाधि भली (जैन व सूफी कथाएँ)	५०-००, ७५-००
६५६७ मिट्टी के दिये	६५९४ साधना पथ	५-००
५-००	६५९५ साधनासूत्र	६०-००, ४०-००
६५६८ मुख नहीं आनन्द खोजे	६५९६ सुनो भाई साधो (कबीर)	५०-००, ३०-००
१-५०		
६५६९ मुझा नसरुद्दीन	६५९७ सूर्य की ओर उड़ान	२-००
५-००	६५९८ सूली ऊपर सेज पिया की	७-००
६५७० मेरा मुझमें कुछ नहीं (कबीर वाणी)	६५९९ हँसना मना है	३-००
५०-००, ३०-००		
६५७१ मैं कहता आँखन देखी		
६-००		
६५७२ मैं कौन हूँ		
६-००		
६५७३ मैं मृत्यु सिखाता हूँ		
२०-००, ४०-००		
६५७४ युवक और यौन		
३-००		
६५७५ रजनीशिका ।		
१-००		
६५७६ चिद्रोह क्या है ?		
२-५०		
६५७७ शान्ति की खोज		
३-५०		
६५७८ शिवसूत्र		
५०-००		

6600 Ancient Music in the Pines	75-00
6601 And the Flowers Showered	75-00
6602 Art of Dying	75-00
6603 Beyond and Beyond	3-00
6604 Book of the Secrets. Vols I-V	325-00
6605 Come Fellow Me. Vols. I-II (Jesus)	150-00
6606 Cypress in the Court Yard	125-00
6607 Dang Dang Doka Dang	75-00
6608 Dimensionless Dimension	5-00
6609 Dimensions Beyond the Known	45-00
6610 Discipline of Transcendence	75-00
6611 Earthen Lamps	4-00

6612 Empty Boad (Chuang Tzu)	75-00
6613 Eternal Message	3-00
6614 Flowers of Love	5-00
6615 From Sex to Super Consciousness	6-00
6916 Gateless Gate	2-00
6617 Get out of your own way	125-00
6618 Grass Grows By Itself (Zen)	75-00
6619 Hammer on the Rock	125-00
6620 Hidden Harmony Heraclitus	80-00
6621 I am the Gate	25-00
6622 Inward : Revolution	15-00
6623 Just Like That	70-00
6624 L S D : A Short Cut to False Samadhi	2-00
6625 Lead Kindly Light	1-50
6626 Lifting the Veil (Kundaliniyoga)—Dr. R. C. Prasad	15-00
6627 Meditation—A New Dimension	3-00
6628 Meet Mulla Nasaruddin	5-00
6629 Modification : A New Dimension	3-00
6630 Mustard Seed	75-00
6631 Mysteries of Life and Death	10-00
6632 Mystic Experience	90-00
6633 Mystic of Feeling : A Study in Rajneesh's Religion of Experience—Dr. R. C Prasad	20-00
6634 Neither This Nor That	65-00
6635 New Alchemy to turn you on	75-00
6636 Nirvan : The Last Nightmare (Zen)	75-00
6637 No Water, No Moon	40-00
6638 Path of Self Realization	4-00
6639 Philosophy of Non-Violence	8-00
6640 Rajneesh : A Glimpse	3-00
6641 Returning to the Source	65-00
6642 Roots & Wings	65-00 50-00
6643 Secrets of Discipleship	3-00
6644 Seeds of Revolution	8-00
6645 Seeds of Revolutionary Thoughts	4-50
6646 Seriousness	3-00
6647 Silent Explosion	12-50
6648 Talks on Zen	65-00
6649 Tantra : The Supreme Understanding	75-00

6650 Tao . The Three Treasures (Lao Tzu) Vols. I-III	225-00
6651 Towards the Unknown	1-50
6652 True Sage (Hassid)	75-00
6653 Two Hundred Two (Mulla Jokes)	10-00
6654 Ultimate Alchemy. Vols. I-II	115-00
6655 Until You Die (Sufi)	75-00
6656 Vedanta-Seven Steps to Samadhi (Akshaya Upanishad)	75-00
6657 Vital Balance	1-50
6658 Way of The White Cloud	66-00
6659 When the Shoe Fits	75-00
6660 Who am I ?	6-00
6661 Wings of Love & Random Thoughts	3-50
6662 Wisdom of Folly (Mulla Jokes)	6-00
6663 Yoga as Spontaneous Happening	2-00
6664 Yoga : the Alpha and the Omega Vol. I.	75-00
Vol. II	75-00
Vol. III	75-00
Vol. V	75-00
Vol. VI	75-00
Vol VIII	75-00
Vol. IX	75-00
Vol. X	75-00

(Hindi Section)



नवीनतम चिकित्सोपयोगी ग्रन्थ

[चिकित्सा-संबन्धी सभी स्थान की छपी पुस्तको के लिए आयुर्विज्ञान-शास्त्र (चिकित्सा-साहित्य) नामक विशाल सूचीपत्र पृथक् छपा है कृपया अमूल्य मंगवाकर अवलोकन करे ।]

- ६६६५ अंग्रेजी-हिन्दी मेडिकल डिक्शनरी । डॉ० अवध बिहारी अग्निहोत्री ।
सम्पादक डॉ० गङ्गासहाय पाण्डेय ४५—००
- ६६६६ अर्थवेदीय कर्मजग्याधि निरोधः । केशवदेव शास्त्री हि. टी. सहित २८—००
- ६६६७ अनङ्गरङ्गः । कल्याणमहल कृत । श्री लीलाधर शर्मा स्ना कृत
कामकला हिन्दी टीका सहित ५—००
- ६६६८ अभिधानरत्नमाला (षड्विंश निघण्टुः) आचार्य प्रियव्रत शर्मा १५—००
- ६६६९ अभिनन्दन ग्रन्थ । कविराज सत्यनारायण शास्त्री २०—००
- ६६७० अभिनव कौमारभृत्यम् । आचार्य राधाकृष्ण नाथ । सम्पादक तथा
भूमिका लेखक डॉ० रमानाथ द्विवेदी २५—००
- ६६७१ अभिनव विकृति विज्ञान । (सचित्र) आचार्य श्रीरघुवीरप्रसाद
त्रिवेदी ४५—००
- ६६७२ अरिष्ट विज्ञान । डॉ० रमानाथ द्विवेदी २५—००
- ६६७३ अष्टाङ्गसंग्रहः । वाग्भट कृत । श्री गोवर्धन शर्मा छाङ्गाणी कृत
अर्थप्रकाशिका हिन्दी टीका, नोट्स आदि युक्त । सूत्रस्थान ३०—००
- ६६७४ अष्टाङ्गसंग्रह शरीरस्थान । श्रीपद्मधर स्ना कृत सुबोधिनी हिन्दी टीका
शेषस्थान प्रेस में २०—००
- ६६७५ अष्टाङ्गहृदयम् । वैद्य हरिनारायण शर्मा कृत प्रभा टिप्पणी सहित ६—००
- ६६७६ अष्टाङ्गहृदयम् । कविराज अत्रिदेव गुप्त कृत 'विद्योतिनी' हिन्दी टीका
सहित । वैद्य यदुनन्दन उपाध्याय कृत नोट्स आदि युक्त ।
सूत्रस्थान १०—०० संपूर्ण ४०—००
- ६६७७ अष्टाङ्गहृदयम् । (सूत्रस्थान) अरुण दत्त कृत सर्वांगसुन्दरा, अत्रिदेव
कृत विद्योतिनी हिन्दी टीका सहित । स० आचार्य प्रियव्रत शर्मा २५—००
- ६६७८ आचार्य प्रियव्रत शर्मा रचनावली । १९४१-१९७६ । डा० जी पी० शर्मा २—००
- ६६७९ आधुनिक शक्य चिकित्सा के सिद्धान्त । डा० के० ए० उडुपा ३५—००
- ६६८० आयुर्वेद का वैज्ञानिक इतिहास-सचित्र । आचार्य प्रियव्रत शर्मा ४०—००
- ६६८१ आयुर्वेद का वैज्ञानिक इतिहास-सचित्र (संचित संस्करण) ।
आचार्य प्रियव्रत शर्मा १५—००
- ६६८२ आयुर्वेद की कुछ प्राचीन पुस्तके (आयुर्वेद वाङ्मय-शोध का एक
विवरण) । आचार्य प्रियव्रत शर्मा १—५०
- ६६८३ आयुर्वेद के प्रेरणा स्रोत (वैद्यराज पण्डित जगदीश प्रसाद
शर्मा अभिनन्दन ग्रन्थ) १००—००
- ६६८४ आयुर्वेद दर्शन । राजकुमार जैन १६—००
- ६६८५ आयुर्वेदप्रकाशः । श्री गुलराज शर्मा कृत अर्थविद्योतिनी संस्कृत-
अर्थप्रकाशिनी हिन्दी व्याख्यासहित । परिष्कृत द्वितीय संस्करण २०—००

- ६६८६ आयुर्वेद प्रदीप (आयुर्वेदिक एलोपैथिक गाइड) राजकुमार द्विवेदी २०—००
- ६६८७ आयुर्वेद प्रवर्तक देवता । (आयुर्वेद के प्रवर्तक देवताओं का प्रामाणिक इतिहास) लेखक रघुवीर शरण शर्मा १२—००
- ६६८८ Ayurvedic Medicine Past and Present. By Pandit Shiv Sharma. 25-00
- ६६८९ आयुर्वेदीय अनुसन्धान-पद्धति (सचित्र) आचार्य प्रियव्रत शर्मा २०—००
- ६६९० आयुर्वेदीय रसशास्त्र । सिद्धिनन्दन मिश्र २०—००
- ६६९१ आयुर्वेदीय यन्त्रशास्त्र परिचय । सुरेन्द्र मोहन वी० ए० । सचित्र ५—००
- ६६९२ आसवारिष्ट-विज्ञान । श्रीपक्षधर झा ४—००
- ६६९३ इन्जेक्शन (सचित्र) । डॉ० शिवनाथ खन्ना १५—००
- ६६९४ INTRODUCTION TO DRAVYA GUNA. By Dr P. V. Sharma. ३०—००
- ६६९५ एक्स-रे डायग्नोसिस । (सचित्र) डॉ० प्रियकुमार चौबे ३०—००
- ६६९६ एलोपैथिक चिकित्सा विज्ञान (सचित्र) । डॉ० अवधविहारी अग्निहोत्री ४५—००
- ६६९७ एलोपैथिक पाकेट प्रेस्क्राइवर (एलोपैथिक गाइड) डॉ० शिवनाथ खन्ना १०—००
- ६६९८ एलोपैथिक मटीरिया मेडिका भैषजिकी एवं चिकित्सा विज्ञान । डॉ० शिवनाथ खन्ना ३०—००
- ६६९९ एलोपैथिक मिक्श्चर्स । डॉ० गजकुमार द्विवेदी । नवीन संस्करण ३—००
- ६७०० Advances in Research in Indian Medicine. By K. N. Udupa 34-00
- ६७०१ औपसर्गिक रोग । डॉ० घाणेकर । १-२ भाग
प्रथम भाग यन्त्रस्थ द्वितीय भाग २०—००
- ६७०२ काकचण्डीश्वरकल्पतन्त्रम् । कैलाशपति पाण्डेय कृत विद्योतिनी हिन्दी टीका सहित । प० बटुकनाथ शर्मा कृत भूमिका सहित ५—००
- ६७०३ कामसूत्र परिशीलन । श्री वाचस्पति गौरोला २०—००
- ६७०४ काचचिकित्सा । कविराज रामरत्न पाठक । प्रथम भाग २५—००
द्वितीय भाग २५—०० तृतीय भाग २५—००
- ६७०५ काय-चिकित्सा । आयुर्वेदाचार्य डॉ० गङ्गासहाय पाण्डेय ५०—००
- ६७०६ काश्यपसंहिता (वृद्धजीवकीय तन्त्रं) । वृद्धजीवक कृत तथा वरस्य द्वारा संशोधित । प० हेमराज शर्मा कृत संस्कृत-हिन्दी बृहत् उपोद्घात सहित । श्री सत्यपाल भिषगाचार्यकृत 'विद्योतिनी' हिन्दी टीका सहित ४५—००
- ६७०७ Kidney and its Regeneration. By R. H. Singh and K. N. Udupa. 90-00
- ६७०८ कुमारतन्त्र समुच्चय (कौमारभृत्य) । डॉ० रमानाथ द्विवेदी तथा डॉ० अरुण कुमार । सचित्र १०—००
- ६७०९ केरलीय पञ्चकर्म चिकित्सा विज्ञान । डॉ० टी० एल० देवराज । हिन्दी टीका सहित ५—००

- ६७१० कैसर डायग्नोसिस तथा चिकित्सा (सचित्र) डा० प्रिय कुमार चौबे १००—००
- ६७११ कौमारभृत्य (अभिनव) (नूतन बालरोग चिकित्सा) । आचार्य
राधाकृष्ण नाथ २५—००
- ६७१२ क्लिनिकल पैथोलॉजी । (बृहत् मल-मूत्र-कफ-रक्तादि परीक्षा)
डॉ० शिवनाथ खन्ना । सचित्र ३०—००
- ६७१३ क्रियात्मक औषधि परिचय विज्ञान । (सचित्र) श्री विश्वनाथ द्विवेदी १६—००
- ६७१४ गदनिग्रहः । वैद्य सोढल कृत । श्री इन्द्रदेव त्रिपाठी कृत 'विद्योतिनी'
हिन्दी टीका सहित । सम्पादक श्रीगङ्गासहाय पाण्डेय
प्रथम भाग १५—०० द्वितीय भाग २५—०० तृतीय भाग २५—००
१-३ भाग सम्पूर्ण ६५—००
- ६७१५ गर्भरक्षा तथा शिशु-परिपालन । डॉ० सुकुन्दस्वरूप वर्मा ६—००
- ६७१६ चरक चिन्तन । आचार्य प्रियव्रत शर्मा ६—००
- ६७१७ चरकसंहिता । सटिप्पण 'विद्योतिनी' हिन्दी व्याख्या परिशिष्ट विभूषित ।
प्रथम भाग ४०—००, द्वितीय भाग ४०—००
सम्पूर्ण १-२ भाग ८०—००
- ६७१८ चरकसंहिता । चक्रपाणि संस्कृत-विद्योतिनी हिन्दी टीका युक्त
प्रथम भाग ७५—०० द्वितीय ७५—०० १-२ भाग सम्पूर्ण १५०—००
- ६७१९ चरकसंहिता का निर्माण-काल (कार्यपसंहिता निर्माण काल सहित) ।
वैद्य रघुवीरशरण शर्मा आयुर्वेद बृहस्पति २—५०
- ६७२० चर्मरोग विज्ञान । डा० शिवनाथ खन्ना ४—००
- ६७२१ चिकित्सादर्श । वैद्य राजेश्वर दत्त शास्त्री । १-३ भाग एक जिल्द में ४५—००
- ६७२२ जीवाणु विज्ञान । डॉ० घाणेकर । संशोधित परिवर्द्धित संस्करण २५—००
- ६७२३ तुलसी । आचार्य ब्रह्मदत्त शर्मा २५—००
- ६७२४ त्रिदोषसंग्रहः । श्री धर्मदत्त वैद्य कृत विद्योतिनी हिन्दी टीका सहित ४—००
- ६७२५ दोष-कारणस्व मीमांसा । हिन्दी टीका सहित । आचार्य प्रियव्रत शर्मा ४—००
- ६७२६ द्रव्य-गुण मञ्जूषा । आचार्य शिवदत्त शुक्ल । प्रथम भाग २—५०
- ६७२७ द्रव्यगुणविज्ञान । आचार्य प्रियव्रत शर्मा प्रथम भाग ३०—००,
द्वितीय भाग ४५—०० तृतीय भाग यन्त्रस्थ
चतुर्थ भाग (सचित्र) २५—००, पंचम भाग यन्त्रस्थ
- ६७२८ नव्यचिकित्सा विज्ञान । डॉ० सुकुन्दस्वरूप वर्मा । १-२ भाग २०—००
- ६७२९ नाडी-परीक्षा । वैद्यप्रभा भाषाटीका सहित । डॉ० इन्द्रदेव त्रिपाठी १—२५
- ६७३० नाडी-विज्ञानम् । 'विद्योतिनी' भाषाटीका सहित । डॉ० इन्द्रदेव त्रिपाठी १—२५
- ६७३१ निघण्टु आदर्श । वैद्य बापालाल ग० शाह । प्रथम भाग । हिन्दी ४०—००
- ६७३२ नेत्रचिकित्सा विज्ञान । (सचित्र) विश्वनाथ द्विवेदी २०—००
- ६७३३ नैदानिक परीक्षण पद्धति । विश्वनाथ द्विवेदी १२—००
- ६७३४ Notes on Anatomy (Digestive System) K. K. Pandey 5-00
- ६७३५ Notes on Anatomy (Vrogenital Sysetm) K. K. Pandey 4-00
- ६७३६ Panchakarma Therapy in Ayurveda by Dr. Diwakar
Jha-Dr. Ashok Kumar 40-00

६७३७ पञ्चविध कषायकरूपना विज्ञान । डॉ० अवधविहारी अग्निहोत्री	४—००
६७३८ पदार्थविनिश्चय । श्री दत्तात्रेय अनन्त कुलकर्णी	२—००
६७३९ परिभाषा प्रबन्ध । आयुर्वेद बृहस्पति पं० जगन्नाथ प्रसाद शुक्ल	६—००
६७४० पेटेण्ट प्रेस्क्राइवर या पेटेण्ट मेडिसिन्स । डॉ० रमानाथ द्विवेदी एम० ए०, ए० एम० एस० । संशोधित परिवर्धित संस्करण	२०—००
६७४१ प्रतापोदय सरल चिकित्सा । श्री मदन मोहन जैन 'पवि'	१—५०
६७४२ प्रत्यक्ष औषधि निर्माण । श्री विश्वनाथ द्विवेदी	१२—००
६७४३ प्रसूतिविज्ञान । डॉ० रमानाथ द्विवेदी एम० ए०, ए० एम० एस०	३०—००
६७४४ प्राकृत अग्निविज्ञान । आचार्य निरञ्जनदेव	१५—००
६७४५ प्राकृतदोषविज्ञान । आचार्य निरञ्जन देव	१५—००
६७४६ प्राचीन भारतीय मनोविकार विज्ञान । डा० अयोध्या प्रसाद अचल २५—००	
६७४७ Pranayama (The Science of Yogic Breathing) By Dr. K S Joshi.	50—00
६७४८ प्रारम्भिक रसशास्त्र । श्री सिद्धिनन्दन मिश्र । सचित्र	२०—००
६७४९ प्रारम्भिक वनस्पति विज्ञान । डॉ० कैलाश चन्द्र मिश्र तथा डॉ० हरेन्द्रनाथ पाण्डे । सचित्र	१५—००
६७५० Principles of General Surgery. By K N. Udupa.	20—00
६७५१ बस्तिशलाकाप्रवेश (एनीसा और कैथेटर) । डॉ० राजकुमार द्विवेदी	१—००
६७५२ बीसवीं शताब्दी की औषधियों । डॉ० सुकुन्दस्वरूप वर्मा	१०—००
६७५३ बृहद् द्रव्यगुणादर्श । आचार्य सहेन्द्र कुमार शास्त्री	४५—००
६७५४ भग्न चिकित्सा । प्रभाकर जगदीश देवपाण्डे-ब्रजनन्दन शर्मा	४५—००
६७५५ भारत के प्राणाचार्य । रत्नाकर शास्त्री	१००—००
६७५६ भारतीय जीवाणु विज्ञान । वैद्य रघुवीर शरण शर्मा	३—००
६७५७ भावप्रकाशः । पं० ब्रह्मशङ्कर मिश्र कृत 'विद्योतिनी' हिन्दी टीका, भूमिका अनुक्रमणिका आदि सहित । उ्वराधिकार पूर्वार्द्ध ४०—००, उत्तरार्द्ध ४०—००, १-२ भाग संपूर्ण ८०—००	५—००
६७५८ भावप्रकाशनिघण्टुः । सम्पादक—आयुर्वेदाचार्य गङ्गासहाय पाण्डेय ए० एम० एस० । डॉ० श्रीकृष्णचन्द्र सुनेकर विरचित विमर्शाख्य हिन्दी व्याख्या, वनौषधियों के सुविस्तृत परिचय, गुण-धर्म आदि से विभूषित ३०—००	
६७५९ डॉ० भास्कर गोविन्द घाणेकर भाषण लेख संग्रहः । सम्पादक वी० वी० घाणेकर	१६—००
६७६० भिषकर्मसिद्धि । डॉ० रमानाथ द्विवेदी	४०—००
६७६१ भैषज्य करपना विज्ञान । डॉ० अवधविहारी अग्निहोत्री	१०—००
६७६२ भैषज्यरत्नावली । श्री गोविन्द दास कृत । अम्बिकादत्त शास्त्री कृत 'विद्योतिनी' हिन्दी टीका विशद नोट्स आदि सहित । सं० पं० राजेश्वर दत्त शास्त्री आयुर्वेद बृहस्पति	५०—००
६७६३ सहौषध निघण्टुः । आर्यदास कुमारसिंह वैद्य कृत । श्री इन्द्रदेव त्रिपाठी कृत विद्योतिनी हिन्दी टीका विमर्श सहित	६—००
६७६४ माधवद्रव्यगुणः । डा० प्रियव्रत शर्मा	१२—००

- ६७६५ माधवनिदानम् । 'मधुकोश' संस्कृत टीका एवं श्री सुदर्शन शास्त्री कृत
 'विद्योतिनी' हिन्दी टीका सहित । वैद्य श्री यदुनन्दन उपाध्याय
 कृत नोट्स, प्रस्तावना एवं परिशिष्टादि युक्त । १-२ भाग सम्पूर्ण ४०-००
 पूर्वाङ्क प्रथम भाग २०-०० उत्तराङ्क द्वितीय भाग २०-००
- ६७६६ माधवनिदानम् । मधुकोश' संस्कृत टीका तथा पं० श्री ब्रह्मशङ्कर
 शास्त्री भिषगुरु कृत 'मनोरमा' हिन्दी टीका सहित २०-००
- ६७६७ मानव भ्रूण विज्ञान । डा० दिनकर गोविन्द थत्ते ५०-००
- ६७६८ मानव शरीर दीपिका । डॉ० सुकुन्द स्वरूप वर्मा २५-००
- ६७६९ मानव शरीर । डा० दिनकर गोविन्द थत्ते ४०-००
- ६७७० Methods of Surgical Research. By K. N. Udupa
 and L. M. Sinha 24-00
- ६७७१ यूनानीद्रव्यगुणादर्श । दलजीत सिंह । १-३ भाग १००-००
- ६७७२ योग चिकित्सा एव उदर रोग निवारण । विश्वनाथ द्विवेदी १०-००
- ६७७३ योगरत्नमाला । (नागार्जुनकृत) सिद्धघटीय श्वेताम्बर भिन्नु गुणाकर
 कृत लघु विवृति सहित । सम्पादक—आचार्य प्रियव्रत शर्मा १०-००
- ६७७४ योगरत्नाकरः । वैद्य श्री लक्ष्मीपति शास्त्री कृत 'विद्योतिनी' हिन्दी
 टीका सहित । स० श्री ब्रह्मशङ्कर शास्त्री भिषगुरु ४५-००
- ६७७५ रतिज रोग शास्त्र (पुरुष रोग) । शिव कुमार वैद्य शास्त्री १५-००
- ६७७६ रत्नविज्ञान । डॉ० राधाकृष्ण पाराशर २०-००
- ६७७७ रसकोमुदी । ज्ञानचन्द शर्मा विरचित । श्री पवनी प्रसाद शर्मा कृत
 विद्योतिनी हिन्दी टीका सहित २-००
- ६७७८ रसचिकित्सा । कविराज डॉ० प्रभाकर चट्टोपाध्याय ८-००
- ६७७९ रसाध्यायः । संस्कृत टीका सहित । सं० प० रामकृष्ण शर्मा २-००
- ६७८० रसायनतन्त्र । श्रीपद्मधर झा ८-००
- ६७८१ राजमार्तण्डः । भोजराज विरचित । श्री पवनी प्रसाद शर्मा कृत
 विद्योतिनी हिन्दी टीका सहित ३-००
- ६७८२ Religion and Medicine By K.N Udupa etc 22-00
- ६७८३ रोग परिचय (Clinical Medicine) । डा० शिवनाथ खन्ना ३५-००
- ६७८४ रोगिपरीक्षा । डॉ० शिवनाथ खन्ना । सशाधित परिवर्धित संस्करण १५-००
- ६७८५ रोगिरोग-विमर्श । डा० रमानाथ द्विवेदी एम० ए०, ए० एम० एस्० २-५०
- ६७८६ रोगीपरीक्षाविधि (सचित्र) आचार्य प्रियव्रत शर्मा १५-००
- ६७८७ लङ्काभैषज्य मणिमाला । आर्यदास कुमार सिंह वैद्य कृत ।
 कुमारकेलि हिन्दी टीका सहित ६-००
- ६७८८ लोहसर्वस्वम् । सुरेश्वर विरचित । श्री पवनी प्रसाद शर्मा कृत
 विद्योतिनी हिन्दी टीका सहित २-५०
- ६७८९ वनौषधि चन्द्रोदय । श्री चन्द्रराज भण्डारी कृत ।
 प्रत्येक भागपृथक्-पृथक् ६-०० १-१० भाग सम्पूर्ण ५०-००
- ६७९० वाग्भट विवेचन । आचार्य प्रियव्रत शर्मा २५-००

- ६७९१ चानस्पतिक अनुसन्धान दर्शिका । सम्पादक डा० कृष्णचन्द्र सुनेकर १२—००
- ६७९२ विष विज्ञान । डा० कृष्णकुमार ४२—००
- ६७९३ वैद्यक चमत्कारचिन्तामणि । लोलिम्बराज विरचित । विमला संस्कृत
हिन्दी व्याख्या सहित । सम्पादक ब्रह्मानन्द त्रिपाठी ४—००
- ६७९४ वैद्यकीयसुभाषितसाहित्यम् अथवा साहित्यिकसुभाषितवैद्यकम् ।
संग्रहकर्ता एवं व्याख्याता-डॉ० भास्कर गोविन्द घाणेकर ३५—००
- ६७९५ वैद्यकीय सुभाषितावली । डॉ० प्राणजीवन माणेकचन्द मेहता । मूल
संस्कृत, अंग्रेजी अनुवाद सहित ५—००
- ६७९६ वैद्यजीवनम् । लोलिम्बराज कृत । डॉ० इन्द्रदेव त्रिपाठी कृत
विद्योत्तिनी हिन्दी टीका सहित ३—००
- ६७९७ शरीर क्रिया विज्ञान । (सचित्र) आचार्य प्रियव्रत शर्मा एम० ए०,
ए० एम० एस्० ३०—००
- ६७९८ शक्यप्रदीपिका (सचित्र) । डॉ० मुकुन्दस्वरूप वर्मा । परिवर्द्धित
संस्करण २५—००
- ६७९९ शालाक्य विज्ञान । डॉ० आर० सी० चौधरी ३०—००
- ६८०० शिलाजीत विज्ञान । डॉ० जाह्नवी प्रसाद जोशी १—००
- ६८०१ सन्तति-निग्रह (गर्भ-निरोध) लेखक डॉ० शिवदयाल गुप्त २—००
- ६८०२ समाज चिकित्साशास्त्र एवं स्वस्थवृत्त । विवेचनात्मक भूमिका सहित ।
लेखक डॉ० शिवनाथ खन्ना ३५—००
- ६८०३ सामान्य रोगों की रोकथाम । डॉ० प्रियकुमार चौबे ४—००
- ६८०४ सुश्रुतसंहिता । कविराज अंबिकादत्त शास्त्री आदि कृत 'आयुर्वेदतत्त्व-
संदीपिका' हिन्दी टीका, नोट्स आदि सहित । १-२ भाग संपूर्ण ६०—००
शारीरस्थान १०—०० सूत्र निदानस्थान १०—००
कल्पस्थान ६—०० चिकित्साकल्पस्थान १०—००
पूर्वार्द्ध प्रथम भाग ३०—०० उत्तरार्द्ध द्वितीय भाग ३०—००
- ६८०५ स्टेथिस्कोप तथा नाडी परीक्षा । डॉ० जाह्नवीप्रसाद जोशी २—००
- ६८०६ स्त्रीरोग विज्ञान (सचित्र) डॉ० रमानाथ द्विवेदी । परिवर्द्धित नवीन
संस्करण १२—००
- ६८०७ स्वस्थवृत्तसमुच्चयः । वैद्य राजेश्वर दत्त शास्त्री । हिन्दी टीका सहित ३५—००
- ६८०८ स्वास्थ्यविज्ञान और सार्वजनिक आरोग्य (सचित्र) डॉ० भास्कर
गोविन्द घाणेकर । परिवर्द्धित संस्करण २०—००
- ६८०९ स्वास्थ्यशिक्षापाठावलि । डा० भास्कर गोविन्द घाणेकर ५—००
- ६८१० सचित्र हाडोसिल तथा हर्नियाआपरेशन । डा०महेश्वर प्रसाद उमाशङ्कर
सर्जन ६—००
- ६८११ हैजा (विसूचिका) चिकित्सा । डॉ० जाह्नवी प्रसाद जोशी २—००

देश-विदेश के विद्वानों, पुस्तक विक्रेताओं, पुस्तकालयों, संस्थाओं आदि के लिए हमारी प्रचारित एवं प्रसारित पुस्तकें निम्न पते पर भी उपलब्ध हैं तथा निम्न संस्था के अन्तर्गत निकलनेवाली ग्रन्थमालाओं का सूचीपत्र भी पृथक् से छपा है। पत्र प्राप्त होने पर निःशुल्क सेवा में भेजा जायगा।

हमारे शुभचिन्तकों के विशेष आग्रह पर राजधानी दिल्ली में भी हमारी संस्था की शाखा का शुभारम्भ कर दिया गया है। पता निम्न है:—

चौखम्भा ओरियन्टलिया

पो. आ. चौखम्भा, पो. बक्स नं. ३२
गोकुल भवन के. ३७/१०६
गोपाल मन्दिर लेन
वाराणसी-२२१००१
फोन ६३०२२

शाखा—

चौखम्भा ओरियन्टलिया

बगलो रोड
६ यू० वी० जवाहर नगर
दिल्ली-११०००७
फोन २२१६१७

हमारी विश्वविख्यात ग्रन्थमालाओं का विवरण निम्नांकित है:—

- | | |
|--------------------------------------|--|
| १ चौखम्भा ओरियन्टल स्टडीज | ८ चौखम्भा राजसेवा ग्रन्थमाला |
| २ चौखम्भा ओरियन्टल
रिसर्च स्टडीज | ९ प्रकीर्ण ग्रन्थमाला |
| ३ चौखम्भा प्राच्यविद्या ग्रन्थमाला | १० एजेन्सी प्रकाशन |
| ४ गोकुलदास संस्कृत ग्रन्थमाला | ११ काशी संस्कृत ग्रन्थमाला |
| ५ जयकृष्णदास आयुर्वेद ग्रन्थमाला | १२ वि० भ० आयुर्वेद ग्रन्थमाला |
| ६ जङ्गावकुंवर राष्ट्रभाषा ग्रन्थमाला | १३ जयकृष्णदास-कृष्णदास
प्राच्यविद्या ग्रन्थमाला |
| ७ चौखम्भा विशुभारती ग्रन्थमाला | १४ श्रीकृष्ण ग्रन्थमाला |

निम्न सूचीपत्र निःशुल्क प्राप्त होंगे—

- १—चौखम्भा साहित्य तथा एजेन्सी प्रकाशन
(संस्कृत, आयुर्वेद, आदि की स्व प्रकाशित तथा एजेन्सी की लगभग ६०० पुस्तकों का विवरण)
- २—चौखम्भा साहित्य-सौरभ
(देश-विदेश में छपी संस्कृत, अंग्रेजी, आयुर्वेद तथा हिन्दी की लगभग २०,००० पुस्तकों का विवरण)
- ३—चौखम्भा आयुर्वेद साहित्य (चिकित्सा-साहित्य)
(लगभग ३००० पुस्तकों का विस्तृत विवरण)
- 4—Chaukhambha Check-List of our own & Agency Publications,